# लोकलेखा समिती

## (२०१७-२०१८)

## (तेरावी महाराष्ट्र विधानसभा)

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाचे
विनियोजन लेखे यावरील

# तिसावा अहवाल




(हा अहवाल विधानसभा / विधानपरिषद सभागृहास
दिनांक  डिसेंबर, २०१७  रोजी सादर करण्यात आला.)

महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय
विधान भवन, मुंबई/नागपूर.
डिसेंबर, २०१७

# लोकलेखा समिती

## २०१७-२०१८

(तेरावी महाराष्ट्र विधानसभा)

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाचे
विनियोजन लेखे यावरील

## तिसावा अहवाल

# लोकलेखा समिती

## २०१७-२०१८

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स.

**सदस्य :**

(२) श्री. शिवाजीराव नाईक, वि.स.स.
(३) श्री. नानाजी शामकुळे, वि.स.स.
(४) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.
(५) श्री. सुधाकर देशमुख, वि.स.स.
(६) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(७) श्री. अतुल भातखळकर, वि.स.स.
(८) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.
(९) डॉ. सुनिल देशमुख, वि.स.स.
(१०) श्री. प्रशांत ठाकूर, वि.स.स.
(११) श्री. संजय केळकर, वि.स.स.
(१२) श्री. सुरेश ऊर्फ बाळुभाऊ धानोरकर, वि.स.स.
(१३) श्री. अजय चौधरी, वि.स.स.
(१४) श्री. शंभुराज देसाई, वि.स.स.
(१५) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.
(१६) श्री. अब्दुल सत्तार अब्दुल नबी, वि.स.स.
(१७) प्रा. विरेंद्र जगताप, वि.स.स.
(१८) श्री. दिलीप वळसे-पाटील, वि.स.स.
(१९) श्री. जयंत पाटील, वि.स.स.
(२०) श्री. राजेश टोपे, वि.स.स.
(२१) श्री. विजय ऊर्फ भाई गिरकर, वि.प.स.
(२२) श्री. रविंद्र फाटक, वि.प.स.
(२३) श्री. हेमंत टकले, वि.प.स.
(२४) श्री. अमरसिंह पंडित, वि.प.स.
(२५) श्री. अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स.

**निमंत्रित सदस्य :**

(२६) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.

सदरहू समिती दिनांक २४ ऑगस्ट, २०१७ रोजी विधानसभा व दिनांक ६ सप्टेंबर, २०१७ रोजी विधानपरिषद सदस्यांच्या नामनिर्देशनाद्वारे गठीत करण्यात आली.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) डॉ. अनंत कळसे, प्रधान सचिव.
(२) श्री. यु. के. चव्हाण, सचिव (ए.म.).
(३) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव.
(४) श्री. अ. चां. कोल्हे, उप सचिव तथा नि.अ.
(५) श्री. सो. न. सानप, अवर सचिव.
(६) श्रीमती सुषमा पाठक, कक्ष अधिकारी.
(७) श्री. रविंद्र मेस्त्री, कक्ष अधिकारी

# लोकलेखा समिती
## २०१५-२०१६

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स.

**सदस्य :**

(२) श्री. शिवाजीराव नाईक, वि.स.स.

(३) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.

(४) श्री. नानाजी शामकुळे, वि.स.स.

(५) श्री. हरिभाऊ जावळे, वि.स.स.

(६) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.

(७) श्रीमती माधुरी मिसाळ, वि.स.स.

(८) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.

(९) डॉ. अनिल बोंडे, वि.स.स.

(१०) श्री. प्रशांत ठाकूर, वि.स.स.

(११) श्री. संजय केळकर, वि.स.स.

(१२) श्री. शंभुराज देसाई, वि.स.स.

(१३) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.

(१४) श्री. वैभव नाईक, वि.स.स.

(१५) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.

(१६) श्री. कालिदास कोळंबकर, वि.स.स.

(१७) श्री. वसंतराव चव्हाण, वि.स.स.

(१८) श्री. जयंत पाटील, वि.स.स.

(१९) श्री. राजेश टोपे, वि.स.स.

(२०) श्री. भास्कर जाधव, वि.स.स.

(२१) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.

*(२२) श्री. सुनिल तटकरे, वि.प.स.

(२३) श्री. अमरसिंह पंडित, वि.प.स.

**(२४) श्री. माणिकराव ठाकरे, वि.प.स.

(२४अ) श्री. अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स.

(२५) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

सदरहू समिती दिनांक १ मे, २०१५ रोजी विधानसभा व दिनांक २१ मे,२०१५ रोजी विधानपरिषद सदस्यांच्या नामनिर्देशनाद्वारे गठीत करण्यात आली.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) डॉ. अनंत कळसे, प्रधान सचिव.
(२) श्री. यु. के. चव्हाण, सचिव.
(३) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव.
(४) श्री. सो. न. सानप, अवर सचिव.
(५) श्रीमती सुषमा पाठक, कक्ष अधिकारी.
(६) श्री. रविंद्र मेस्त्री, कक्ष अधिकारी.

---

* श्री. सुनिल तटकरे, वि.प.स. यांनी दिनांक २८ सप्टेंबर, २०१६ रोजी समिती सदस्यत्वाचा राजीनामा दिलेला असल्यामुळे सदर जागा रिक्त आहे.

** श्री.माणिकराव ठाकरे , वि.प.स. यांची दिनांक ५ ऑगस्ट, २०१६ रोजी उप सभापती, विधानपरिषद पदी निवड झाल्यामुळे रिक्त झालेल्या जागेवर श्री.अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स. यांची मा.सभापती, महाराष्ट्र विधानपरिषद यांनी दिनांक ३१ ऑगस्ट, २०१६ रोजी समिती सदस्य म्हणून नामनियुक्ती केली.

**प्रस्तावना**

मी, लोकलेखा समितीचा समिती प्रमुख, समितीने अहवाल सादर करण्याचा अधिकार दिल्यावरून भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचे विनियोजन लेखे यावर विचार करून लोकलेखा समितीचा "तिसावा" अहवाल सादर करीत आहे.

समितीने सन २०१३-१४ या वर्षाच्या महाराष्ट्र शासनाच्या विनियोजन लेख्यांच्या प्रस्तृत अहवालात नमूद केलेल्या बाबींव्यतिरिक्त इतर बाबींवरील खर्चाच्या नियंत्रणाबाबत देखील विचार केला असून त्यानुसार समितीचा हा "तिसावा" अहवाल विधानमंडळाला सादर करण्यात येत आहे.

समितीने दिनांक २० व २५ ऑक्टोबर, २०१६, दिनांक १६ नोव्हेंबर, २०१६, दिनांक ३ व ४ जानेवारी, २०१७, दिनांक ७, ८ व २७ फेब्रुवारी, २०१७, दिनांक २६ एप्रिल, २०१७ तसेच दिनांक १६ व ३१ मे, २०१७ रोजी अप्पर मुख्य सचिव, गृह विभाग व प्रधान सचिव, महसुल विभाग, नगरविकास विभाग, जलसंपदा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभाग तसेच सचिव, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, विधी व न्याय विभाग व मराठी भाषा विभाग यांची साक्ष विधान भवन, मुंबई येथे घेण्यात आली.

प्रधान महालेखाकार, लेखापरीक्षा-एक, महाराष्ट्र, मुंबई तसेच महालेखाकार, लेखापरीक्षा-दोन, महाराष्ट्र, नागपूर हे समितीच्या निमंत्रणावरुन बैठकींना उपस्थित होते. त्यांनी समितीला केलेल्या बहूमोल मार्गदर्शनाबद्दल समिती त्यांची अत्यंत आभारी आहे.

तसेच प्रधान सचिव, वित्त विभाग (लेखा व कोषागारे) यांनी समितीच्या बैठकींना उपस्थित राहून समितीला दिलेल्या सहकार्याबद्दल आणि संबंधित विभागाच्या सचिवांनी समितीसमोर साक्ष देऊन समितीला सहकार्य केले, त्याबद्दल समिती त्यांची देखील आभारी आहे.

समितीच्या बैठकीच्या कामकाजाचे कार्यवृत्त स्वतंत्ररित्या ठेवण्यात आले असून तो अहवालाचा भाग आहे. बैठकीच्या कामकाजाच्या अनुषंगाने विभागाकडून प्राप्त झालेली आश्वासित माहिती व परिपत्रके परिशिष्ट 'अ' मध्ये देण्यात आलेली आहेत. समितीच्या झालेल्या बैठकांचे संक्षिप्त कार्यवृत्त परिशिष्ट 'ब' मध्ये देण्यात आलेले आहे.

समितीने दिनांक २० नोव्हेंबर, २०१७, दिनांक ६ व १३ डिसेंबर, २०१७ रोजीच्या बैठकीत प्रारुप अहवाल विचारात घेतला तसेच दिनांक १५ डिसेंबर, २०१७ रोजीच्या बैठकीत प्रारुप अहवाल विचारात घेऊन काही सुधारणांसह संमत केला त्यातील शिफारशीवर सुधारणा सुचवून प्रारुप अहवालाला मान्यता दिली.

विधान भवन,
मुंबई/नागपूर.
दिनांक : १५ डिसेंबर, २०१७.

**गोपालदास अग्रवाल,**
समिती प्रमुख,
लोकलेखा समिती.

## अनुक्रमणिका


| अ.क्र. (१) | विभाग व तपशील (२) | पृष्ठ क्रमांक (३) |
|---|---|---|
| | **प्रस्तावना** . . . . . . . . . . | (सात) |
| (१) | अतिरिक्त खर्च नियमानुकुल करणे–अतिरिक्त खर्च सन २०१३-१४ . . . . | १ |
| (२) | गृह विभाग . . . . . . . . . . (अनुदान क्र. बी-३,४,७,१०) | ३ |
| (३) | महसुल व वन विभाग . . . . . . . . . . (अनुदान क्र. सी-१,२,४,५,७,९,११) | ७७ |
| (४) | नगरविकास विभाग . . . . . . . . . . अनुदान (एफ-२,३) | १४२ |
| (५) | सार्वजनिक बांधकाम विभाग . . . . . . . . . . अनुदान क्र. (एच-३ ते ७) | २१९ |
| (६) | जलसंपदा विभाग . . . . . . . . . . अनुदान क्र. (आय- १,३,५ ते ७) | ३९४ |
| (७) | विधी व न्याय विभाग . . . . . . . . . . अनुदान क्र. (जे-१) | ८०६ |
| (८) | आदिवासी विकास विभाग . . . . . . . . . . अनुदान क्र. (टी-८) | ८२४ |
| (९) | पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभाग . . . . . . . . . . अनुदान क्र. (झेड डी-२) | ८३० |
| (१०) | मराठी भाषा विकास विभाग . . . . . . . . . . अनुदान क्र. (झेड एफ -३) | ८५६ |

## अतिरिक्त खर्च नियमानूकल करणे

सन २०१३-२०१४

या अहवालामध्ये समितीने इतरत्र व्यक्त केलेल्या अभिप्रायास अधीन राहून खाली दर्शविण्यात आलेला जादा खर्च नियमानुकूल करण्यासाठी आवश्यक ते उपाय योजण्यात यावेत.

खालील प्रकरणामध्ये दत्तमत वा भारित अनुदान/विनियोजनाच्या रक्कमेपेक्षा महसूली / भांडवली लेख्यावरील खर्चाची रक्कम अधिक असल्याचे सन २०१३-२०१४ च्या लेख्यावरुन दिसून येते.:-

(रूपये हजारात)

| अ.क्र. | अनुदान/विनियोजनाचे नांव | एकूण अनुदान/ विनियोजनापेक्षा झालेला अधिक खर्च (दत्तमत) | एकूण अनुदान / विनियोजनापेक्षा झालेला अधिक खर्च (भारित) |
|---|---|---|---|
| (१) | (२) | (३) | (४) |
| | **ए-महसूल लेख्यांवरील खर्च** | (रुपये) | (रुपये) |
| | **महसूल व वन विभाग** | | |
| १. | सी-२ "मुद्रांक व नोंदणी" | २१,४५,१९ | |
| | **वित्त विभाग** | | |
| २. | जी-६ "निवृत्तीवेतन व इतर सेवानिवृत्ती लाभ" | ३,१९,४९,९५ | |
| | **जलसंपदा विभाग** | | |
| ४. | आय-१ "व्याज प्रदाने" | | ४२,९५ |
| | **ग्रामविकास व जलसंधारण विभाग** | | |
| ५. | एल-२ "जिल्हा प्रशासन" | १०,०५,८६ | |
| | **नियोजन विभाग** | | |
| ६. | ओ-१५ "जिल्हा योजना, मुंबई उपनगर" | २,२९.०० | |
| ७. | ओ-१९ "जिल्हा योजना, सिंधुदुर्ग" | २०,९४ | |
| ८. | ओ-२१ "जिल्हा योजना, सातारा" | २२,११,७३ | |
| ९. | ओ-२३ "जिल्हा योजना, सोलापूर" | ३१,७८,८५ | |
| १०. | ओ-२६ "जिल्हा योजना, धुळे" | ७९,१३ | |
| ११. | ओ-३१ "जिल्हा योजना, जालना" | ३,४२,८२ | |
| १२. | ओ-३२ "जिल्हा योजना, परभणी" | ८७,१६ | |
| १३. | ओ-३३ "जिल्हा योजना, नांदेड" | २,८९,९५ | |
| १४. | ओ-३५ "जिल्हा योजना, लातूर" | ५,६५,१४ | |
| १५. | ओ-३७ "जिल्हा योजना, हिंगोली" | ५७,९९ | |
| १६. | ओ-३८ "जिल्हा योजना, नागपूर" | ८,९८,९२ | |
| १७. | ओ-४० "जिल्हा योजना, भंडारा" | १,८१,०८ | |
| १८. | ओ-४१ "जिल्हा योजना, चंद्रपूर" | ५,२९,८५ | |
| १९. | ओ-४३ "जिल्हा योजना, गोंदिया" | ३,१७,८१ | |
| २०. | ओ-४४ "जिल्हा योजना, अमरावती" | ८,८०,०८ | |

**अतिरिक्त खर्च**---चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) |
|---|---|---|---|
| | | (रुपये) | (रुपये) |
| २१. | ओ-४५ "जिल्हा योजना, अकोला" | ३,४१,९८ | |
| २२. | ओ-४६ "जिल्हा योजना, यवतमाळ" | ११,०४,५२ | |
| २३. | ओ-४८ "जिल्हा योजना, वाशिम" | ६८,५८ | |
| | **उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग** | | |
| २४. | डब्ल्यू-७ "प्रादेशिक असमतोल दूर करण्यावरील महसूली खर्च" | ७,८७,०३ | |
| | एकूण ए महसूली लेख्यांवरील खर्च | ४,७२,७३,५६ | ४२,९५ |
| | **बी- भांडवली लेख्यावरील खर्च** | | |
| | **महसूल व वन विभाग** | | |
| २५. | सी-११ "राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण" | | २,९७ |
| | **जलसंपदा विभाग** | | |
| २६. | आय-६ "राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण" | | ३१ |
| | **नियोजन विभाग** | | |
| २७. | ओ-१६ "जिल्हा योजना, ठाणे" | ९,०६,५३ | |
| २८. | ओ-१७ "जिल्हा योजना, रायगड" | ३,१८,६९ | |
| २९. | ओ-१८ "जिल्हा योजना, रत्नागिरी" | २,९४,४१ | |
| ३०. | ओ-२० "जिल्हा योजना, पुणे" | ५,७०,८९ | |
| ३१. | ओ-२२ "जिल्हा योजना, सांगली" | १,८०,४२ | |
| ३२. | ओ-२४ "जिल्हा योजना, कोल्हापूर" | ४,३२,७३ | |
| ३३. | ओ-२५ "जिल्हा योजना, नाशिक" | ६,५४,६८ | |
| ३४. | ओ-२७ "जिल्हा योजना, जळगाव" | ३६,७२,८३ | |
| ३५. | ओ-२८ "जिल्हा योजना, अहमदनगर" | ३९,३०,५७ | |
| ३६. | ओ-२९ "जिल्हा योजना, नंदुरबार" | ८९,४८ | |
| ३७. | ओ-३० "जिल्हा योजना, औरंगाबाद" | ७,५६,६९ | |
| ३८. | ओ-३६ "जिल्हा योजना, उस्मानाबाद" | १,९३,४८ | |
| ३९. | ओ-४२ "जिल्हा योजना, गडचिरोली" | १,३४,३१ | |
| ४०. | ओ-४७ "जिल्हा योजना, बुलढाणा" | १०,१०,३५ | |
| | **एकूण(बी) भांडवली खर्च . .** | १,३१,४६,०६ | ३,२८ |
| | एकूण (ए) + (बी) . . | ६,०४,१८,८२ | ४६,२३ |

**तळटीप :**-समितीने जेव्हा जादा खर्च नियमानुकूल करण्याविषयी शिफारस केलेली असते, अशा वेळी समितीने यापूर्वी केलेल्या शिफारशीनुसार (सन १९५३-५४ "च्या विनियोजन लेख्यावरील अहवालांचा परिच्छेद १० पहा.) ज्यामुळे कोणताही जादा खर्च नियमानुकूल करणे आवश्यक ठरते किंवा टाळता येते अशा प्रकारचे लेख्यांवरील कोणतेही प्रस्थापित गैरवर्गीकरण हिशेबात घेणे आवश्यक आहे. म्हणून अशा प्रकारे गैरवर्गीकरणाच्या रकमा हिशेबात घेऊनच वर दर्शविण्यात आलेल्या रकमा काढण्यात आलेल्या आहेत.

गृह विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील अनुदान क्र. बी-३,४,७,१० यामधील शिर्षातंर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले आहे.

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये हजारांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. २९ | | | | उपलेखाशिर्षानिहाय अधिक खर्चाची/बचतीची कारणे सोबत जोडलेल्या विवरणपत्राप्रमाणे आहेत. |
| २०४१ वाहनावंरील कर<br>३०५५ मार्ग परिवन<br>३०५६ देशांतर्गत जल वाहतूक | | | | |
| दत्तमत - | | | | |
| मूळ १३,६१,०१,५१ | | | | |
| | २१,१८,७५,४१ | १४,८८,७२,४५ | -६,३०,०२,९६ | |
| पूरक ७,५७,७३,९० | | | | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ६,३०,५७,६९ | |

रु. ६३००२.९६ लाखांची अंतिम बचत असतांना, प्रत्यर्पित करण्यात आलेला रु. ६३०५७.६९ लाखांचा निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

२. अनुदानातील बचत पुढील शिर्षाखाली झाली:-

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | मुख्य लेखाशिर्ष २०४१००१८ मध्ये महालेखापाल कार्यालयाने ज्यादा खर्च रु. १.४३ लाख दर्शविला आहे. सन २०१२-१३ मधील पुस्तकी समायोजनाची रक्कम १.५१ लाख सन २०१३-१४ मध्ये गणली गेल्यामुळे तसेच परिवहन विभागाकडून Franking मशीन साठी झालेला प्रत्यक्ष खर्च रु. ७५१३ लाख महालेखापाल कार्यालयाने सन २०१३-१४ मध्ये अंर्तभुत केला आहे. तथापि, सदर रकमांचा महालेखापाल कार्यालयाशी ताळमेळ घेण्यात आला आहे. |
| २०४१ वाहनांवरील कर | | | | |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०१) परीवहन आयुक्त आस्थापना | | | | |
| मूळ १२,१७,८७.०५ | | | | |
| पूरक ७,५१,२४.२२ | १३,६८,०१.९५ | १३,६८,०३.३८ | +१.४३ | |
| पूर्नविनियोजन -६,०१,०९.३२ | | | | |

वित्त विभागाने मान्य केलेल्या सुधारित अंदाजपत्रकात कपात सुचविल्यामुळे रु.६०१०९.३२ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | सदर लेखाशिर्षातंर्गत सन २०१३-१४ मध्ये परिवहन विभागाचा एकूण खर्च रु. ७९०४.३४ झाला आहे. परंतू महालेखापाल कार्यालयाकडून हा खर्च रु. ७९५६.१४ एवढा दर्शविण्यात आला आहे. सदर फरक रु. ५०.०९ हा कार्यालयीन खर्चामध्ये आहे. मुख्य लेखाशिर्ष २०४१००३६ (१३) कार्यालयीन खर्च यात एकूण खर्च रु. ६१७.६४ असून महालेखापाल यांचेकडून हा खर्च रु.६६७.७३ इतका दर्शविण्यात आला आहे. सदर फरक हा रु. ५०.०९ हा पुस्तकी समायोजनाचा असुन सन २०१३-१४ मध्ये दर्शविल्यामुळे ज्यादा खर्च दिसुन येत आहे. |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०२) (०१) प्रादेशिक कार्यालये | | | | |
| मूळ ८९,७१.०९ | | | | |
| पूरक ५,६८.३७ | ७९,०४.३४ | ७९,५६.१४ | +५१.८० | |
| पूर्नविनियोजन - १६,३५.१२ | | | | |

रु.५१.८० लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, वेतनावरील बचत व कमी मागणी यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पण/पुनर्विनियोजन यांव्दारे काढण्यात आलेला रु.१६३५.१२ लाखाचा निधी अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले ( ऑगस्ट २०१४ ).

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | मुख्य लेखाशिर्ष २०४१०३३२ या खालील मुळ तरतुद ३,००,०० इतकी असून या निधीमधून मुख्य लेखाशिर्ष ३०५५ मार्ग परिवहन (००)(०१)महाराष्ट्र राज्य, मार्ग परिवहन मंहामंडळाच्या बस स्थानकाचे आधुनिकीकरणा अतंर्गत बांधकाम व इतर सोयी सुविधा ( ३०५५००५२ ) साठी रु.(-)१,६०,०० पुनर्विनियोजीत करण्यास शासन गृह ( परिवहन ) विभागाकडील शासन निर्णय क्र.एमव्हीडी -०३१४/प्र.क्र.९१/परि-४ दिनांक ११/३/२०१४ अन्वये मान्यता देण्यात आली आहे.तसेच उर्वरित निधी रु.९१.१३ समर्पित करण्यात आला आहे. (१,६०,००+९१.१३=२,५१.१३ ) |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०७) सामग्रीची खरेदी | | | | |
| मूळ ३,००.०० | | | | |
| | ४८.८७ | ४८.८७ | ---------- | |
| पूनर्विनियोजन - २,५१.१३ | | | | |

( एक ) महाराष्ट्र राज्य प्रादेशिक परीवहन मंडळाच्या बस स्थानकाचे आधुनिकिरण या अंतर्गत बांधकाम व इतर सोयीसुविधा या शिर्षाखाली सिंहस्थ कुंभमेळयाच्या दृष्टीने उपलब्ध करुन देण्याकरिता ( रु १६० लाख ) व ( दोन ) मागणी न झाल्यामुळे ( रु.९१.१३ लाख ) असा एकूण रु २५१.१३ लाखांचा निधी मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पण/पुनर्विनियोजन यांव्दारे काढण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | मुख्य लेखाशिर्ष २०४१०२९७ या खालील मुळ अनुदान रु. १०००.०० लाख प्राप्त झाले असुन संगणक सामग्री खरेदी करण्यासाठी मागविण्यात आलेल्या निविदेस अत्यल्प प्रतिसाद मिळाल्याने रु. ६६१.१८ लाख इतका निधी समर्पित करण्यात आला आहे. |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०४) कार्यालयीन अभिलेखांचे संगणकीकरण ( मोटार वाहन व मोटार अपघात दावा न्यायाधिकरण ) (योजनातंर्गत) | | | | |
| मूळ १०,००.०० | | | | |
| | ३,३८.८२ | ३,३८.८२ | --------- | |
| पूनर्विनियोजन - ६,६१.१८ | | | | |

निविदांना मिळालेल्या अल्प प्रतिसादामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु ६६१.१८ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२.

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | मुख्य लेखाशिर्ष २०४१०३२१ या खालील मुळ अनुदान रु. ३२८.०० प्राप्त झाले असुन कृत्रिम चाचणी पथ बांधणे साठी विहित मुदतीत प्रशासकीय मान्यता प्राप्त न झाल्याने रु. २१७.४५ इतका निधी समर्पित करण्यात आला आहे. |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०६) वाहन चालविण्याच्या चाचणीची गुणवत्ता वाढविण्यासाठी आवश्यक सोयीसुविधांचा दर्जा वाढविणे यासाठी कृत्रिम चाचणी मार्गाचे बांधकाम | | | | |
| मूळ ३,२८.०० | | | | |
| | १,१०.५५ | १,१०.५५ | ------- | |
| पूनर्विनियोजन - २,१७.४५ | | | | |

प्रशासकीय मान्यतेची प्रक्रिया पूर्ण न झाल्यामुळे रु.२१७.४५ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३१ | | | | अधिनस्त कार्यालयाकडून देयके सादर करण्यात आली परंतू कोषागारातून परत करण्यात आली. |
| २०४१ वाहनांवरील कर | | | | |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०३) रस्ते सुरक्षेविषयी शिक्षण व प्रसिध्दी | | | | |
| मूळ १,५०.०० | | | | |
| | ९६.४१ | ९६.१८ | -०.२३ | |
| पूनर्विनियोजन - ५३.५९ | | | | |

कक्ष अधिकारी
गृह वि-भाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३१ | | | | निरंक |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०२) मोटार वाहन विभागातील कर्मचारी व अधिकारी यांना प्रशिक्षण | | | | |
| मूळ १,५०.०० | | | | |
| | १,१७.२१ | १,१७.२१ | ---------- | |
| पूनर्विनियोजन - ३२.७९ | | | | |

मुख्यत्वेवरुन, फक्त ८०% अनुदान वितरीत करण्यात आल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखाली रु ८६.३८ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३१ | | | | लेखाशिर्ष २०४१ ००८१ (५०) अंतर्गत रु. ८३३३२ इतका खर्च दाखविण्यात आला आहे. तथापि, या लेखाशिर्षातंर्गत या कार्यालयाकडुन खर्च करण्यात आलेला नाही. चुकीचे वर्गीकरण झाले असल्याने खर्चास दुरुस्ती दर्शविण्यासाठी महालेखापाल कार्यालयास क्र. पआका/कार्या-१५/८९०४ दि. १८.०६.२०१४ नुसार कळविण्यात आला आहे |
| १०२ मोटार वाहनांचे निरिक्षण | | | | |
| १०२(००) (०१) कार्यकारी | | | | |
| मूळ १९,६४.९३ | | | | |
| | १८,७६.१९ | १८,७७.०१ | +०.८२ | |
| पूनर्विनियोजन - ८८.७४ | | | | |

(एक ) रिक्त पदांवर भरती न केल्यामुळे आणि ( दोन ) " प्रशासकीय खर्च " या उपशीर्षाखाली अपेक्षेपेक्षा कमी खर्च झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.८८.७४ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

२. अनुदानातील बचत पुढील शिर्षाखाली झाली:-

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | मुख्य लेखाशिर्ष २०४१००१८ मध्ये महालेखापाल कार्यालयाने ज्यादा खर्च रु. १.४३ लाख दर्शविला आहे. सन २०१२-१३ मधील पुस्तकी समायोजनाची रक्कम १.५१ लाख सन २०१३-१४ मध्ये गणली गेल्यामुळे तसेच परिवहन विभागाकडून Franking मशीन साठी झालेला प्रत्यक्ष खर्च रु. ७५१३ लाख महालेखापाल कार्यालयाने सन २०१३-१४ मध्ये अंर्तभुत केला आहे. तथापि, सदर रकमांचा महालेखापाल कार्यालयाशी ताळमेळ घेण्यात आला आहे. |
| २०४१ वाहनांवरील कर | | | | |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०१) परीवहन आयुक्त आस्थापना | | | | |
| मूळ १२,१७,८७.०५ | | | | |
| पूरक ७,५१,२४.२२ | १३,६८,०१.९५ | १३,६८,०३.३८ | +१.४३ | |
| पूर्नविनियोजन ६,०१,०९.३२ | | | | |

वित्त विभागाने मान्य केलेल्या सुधारित अंदाजपत्रकात कपात सुचविल्यामुळे रु.६०१०९.३२ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | सदर लेखाशिर्षातंर्गत सन २०१३-१४ मध्ये परिवहन विभागाचा एकूण खर्च रु. ७९०४.३४ झाला आहे. परंतू महालेखापाल कार्यालयाकडून हा खर्च रु. ७९५६.१४ एवढा दर्शविण्यात आला आहे. सदर फरक रु. ५०.०९ हा कार्यालयीन खर्चामध्ये आहे. मुख्य लेखाशिर्ष २०४१००३६ (१३) कार्यालयीन खर्च यात एकूण खर्च रु. ६१७.६४ असून महालेखापाल यांचेकडून हा खर्च रु.६६७.७३ इतका दर्शविण्यात आला आहे. सदर फरक हा रु. ५०.०९ हा पुस्तकी समायोजनाचा असुन सन २०१३-१४ मध्ये दर्शविल्यामुळे ज्यादा खर्च दिसुन येत आहे. |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०२) (०१) प्रादेशिक कार्यालये | | | | |
| मूळ ८९,७१.०९ | | | | |
| पूरक ५,६८.३७ | ७९,०४.३४ | ७९,५६.१४ | +५१.८० | |
| पूर्नविनियोजन - १६,३५.१२ | | | | |

रु.५१.८० लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, वेतनावरील बचत व कमी मागणी यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पण/पुनर्विनियोजन यांव्दारे काढण्यात आलेला रु.१६३५.१२ लाखाचा निधी अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले ( ऑगस्ट २०१४ ).

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | मुख्य लेखाशिर्ष (२०४१०३३२) या खालील मुळ तरतुद ३,००,०० इतकी असून या निधीमधून मुख्य लेखाशिर्ष ३०५५ मार्ग परिवहन (००)(०१)महाराष्ट्र राज्य, मार्ग परिवहन महामंडळाच्या बस स्थानकाचे आधुनिकीकरणा अतंर्गत बांधकाम व इतर सोयी सुविधा (३०५५००५२) साठी रु.(-)१,६०,०० पुनर्विनियोजीत करण्यास शासन गृह ( परिवहन ) विभागाकडील शासन निर्णय क्र.एमकीडी -०३१४/प्र.क्र.९१/परि-४ दिनांक ११/३/२०१४ अन्वये मान्यता देण्यात आली आहे.तसेच उर्वरित निधी रु.९१.१३ समर्पित करण्यात आला आहे. (१,६०,००+९१,१३=२,५१,१३ ) |
| ००१ | संचालन व प्रशासन | | | |
| ००१(०१) (०७) | सामग्रीची खरेदी | | | |
| मूळ | ३,००,०० | | | |
| | (१६०+९१.१३) | ४८.८७ | ४८.८७ | ---------- |
| पूनर्विनियोजन | २,५१.१३ | | | |

( एक ) महाराष्ट्र राज्य प्रादेशिक परीवहन मंडळाच्या बस स्थानकाचे आधुनिकिरण या अंतर्गत बांधकाम व इतर सोयीसुविधा या शिर्षाखाली सिंहस्थ कुंभमेळयाच्या दृष्टीने उपलब्ध करुन देण्याकरिता ( रु १६० लाख ) व ( दोन ) मागणी न झाल्यामुळे ( रु.९१.१३ लाख ) असा एकूण रु २५१.१३ लाखांचा निधी मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पण/पुनर्विनियोजन यांव्दारे काढण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३० | | | | मुख्य लेखाशिर्ष २०४१०३२१ या खालील मुळ अनुदान रु. ३२८.०० प्राप्त झाले असुन कृत्रिम चाचणी पथ बांधणे साठी विहित मुदतीत प्रशासकीय मान्यता प्राप्त न झाल्याने रु. २१७.४५ इतका निधी समर्पित करण्यात आला आहे. |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०६) वाहन चालविण्याच्या चाचणीची गुणवत्ता वाढविण्यासाठी आवश्यक सोयीसूविधांचा दर्जा वाढविणे यासाठी कृत्रिम चाचणी मार्गाचे बांधकाम | | | | |
| मूळ ३,२८.०० | | | | |
| | १,१०.५५ | १,१०.५५ | ------- | |
| पूर्नविनियोजन - २,१७.४५ | | | | |

प्रशासकीय मान्यतेची प्रक्रिया पूर्ण न झाल्यामुळे रु.२१७.४५ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३१ | | | | अधिनस्त कार्यालयाकडून देयके सादर करण्यात आली परंतू कोषागारातून परत करण्यात आली. |
| २०४१ वाहनांवरील कर | | | | |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०३) रस्ते सुरक्षेविषयी शिक्षण व प्रसिध्दी | | | | |
| मूळ १,५०.०० | | | | |
| | ९६.४१ | ९६.१८ | -०.२३ | |
| पूर्नविनियोजन - ५३.५९ | | | | |

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३१ | | | | निरंक |
| ००१ संचालन व प्रशासन | | | | |
| ००१(०१) (०२) मोटार वाहन विभागातील कर्मचारी व अधिकारी यांना प्रशिक्षण | | | | |
| मूळ १,५०.०० | | | | |
| | १,१७.२१ | १,१७.२१ | ---------- | |
| पूनर्विनियोजन - ३२.७९ | | | | |

मुख्यत्वेवरुन, फक्त ८०% अनुदान वितरीत करण्यात आल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखाली रु ८६.३८ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३१ | | | | लेखाशिर्ष २०४१ ००८१ (५०) अंतर्गत रु. ८३३३२ इतका खर्च दाखविण्यात आला आहे. तथापि, या लेखाशिर्षांतर्गत या कार्यालयाकडुन खर्च करण्यात आलेला नाही. चुकीचे वर्गीकरण झाले असल्याने खर्चास दुरुस्ती दर्शविण्यासाठी महालेखापाल कार्यालयास क्र. पआका/कार्या-१५/८९०४ दि. १८.०६.२०१४ नुसार कळविण्यात आला आहे |
| १०२ मोटार वाहनांचे निरिक्षण | | | | |
| १०२(००) (०१) कार्यकारी | | | | |
| मूळ १९,६४.९३ | | | | |
| | १८,७६.१९ | १८,७७.०१ | +०.८२ | |
| पूनर्विनियोजन - ८८.७४ | | | | |

(एक ) रिक्त पदांवर भरती न केल्यामुळे आणि ( दोन ) " प्रशासकीय खर्च " या उपशीर्षाखाली अपेक्षेपेक्षा कमी खर्च झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.८८.७४ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-३- वाहतूक प्रशासन (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये हजारांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. २९ | | | | उपलेखाशिर्षानिहाय अधिक खर्चाची/बचतीची कारणे सोबत जोडलेल्या विवरणपत्राप्रमाणे आहेत. |
| २०४१ वाहनावंरील कर<br>३०५५ मार्ग परिवन<br>३०५६ देशांतर्गत जल वाहतूक | | | | |
| दत्तमत - | | | | |
| मूळ १३,६१,०१,५१ | | | | |
| | २१,१८,७५,४१ | १४,८८,७२,४५ | -६,३०,०२,९६ | |
| पूरक ७,५७,७३,९० | | | | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ६,३०,५७,६९ | |

रु. ६३००२.९६ लाखांची अंतिम बचत असतांना, प्रत्यर्पित करण्यात आलेला रु. ६३०५७.६९ लाखांचा निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा (सर्व दत्तमत)

| प्रधानशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये हजारांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३१ | | | | उपलेखाशिर्षानिहाय अधिक खर्चाची/बचतीची कारणे सोबत जोडलेल्या विवरणपत्राप्रमाणे आहेत. |
| २०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क<br>२०५२ सचिवालय- सर्वसाधारण सेवा<br>२०७५ संकीर्ण सर्वसाधारण सेवा | | | | |
| दत्तमत - | | | | |
| मूळ ३५,७६,६० | | | | |
| | ३६,३९,५२ | २८,४९,३६ | -७,९०,१६ | |
| पूरक ६२,९२ | | | | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ७,०८,५९ | |

टिपा व भाष्ये :-

प्रत्यक्ष खर्च रु. २८४९.३६ लाख हा मूळ अर्थसंकल्पीय तरतुदी इतका देखील झाला नाही व अशाप्रकारे जुलै २०१३ मधील (रु. ०.०१ लाख) व डिसेंबर २०१३ मधील (रु. ६२.९१ लाख) अशी एकूण रु. ६२.९२ लाखांची पूरक तरतूद ही अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.

२. रु. ७९०.१६ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता, वर्षभरात फक्त रु. ७०८.५९ लाखांची निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४
## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा

३. अनुदानातील बचत पुढीलप्रमाणे झाली :-

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३२ | | | | सदर लेखाशिर्षांतर्गत रिक्त पदांमुळे व उपशिर्षांतील कमी खर्चामुळे बचत दिसुन येत आहे. तसेच मुख्यलेखाशिर्ष २०४५००१९(२८) मधील बालपोषण अधिभाराची देयके कमी प्रमाणात प्राप्त झाल्यामुळे बचत दिसुन येत आहे. तथापि, सदर रकमांचा महालेखापाल कार्यालयाशी ताळमेळ करण्यात आला आहे. |
| २०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क | | | | |
| १०४ वसुली खर्च-माल आणि उतारुंवरील कर | | | | |
| १०४(००) (०१) परिवहन आयुक्तालय | | | | |
| मूळ १,७०.११ | | | | |
| | ८४.१८ | ८४.३९ | +०.२१ | |
| पूनर्विनियोजन - ८५.९३ | | | | |

मुख्यत्वेकरुन, (एक ) रिक्त पदे न भरल्यामुळे , (दोन ) काही परिवहन कार्यक्रमा अंतर्गत असणाऱ्या बालक पोषण आहार योजनेची अंमलबजावणी न झाल्यामुळे व (तीन ) कोषागार कार्यालयातून देयकांना मान्यता न मिळाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पण/पुनर्विनियोजन यांव्दारे रु.८५.९३ लाख एवढा निधी काढण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४
## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३२ | | | | रिक्त पदांमुळे वेतनात बचत व इतर उपशिर्षाखालील खर्चातील काटकसरीमुळे रु. ८३.६९ एवढी बचत झाली आहे. तथापि, सदर रकमांचा महालेखापाल कार्यालयाशी ताळमेळ करण्यात आला आहे. |
| १०४ वसूली खर्च –माल आणि उतारुंवरील कर | | | | |
| १०४(००) (०२) प्रादेशिक कार्यालये | | | | |
| मुळ ५,१६.७० | | | | |
| | ३,९१.४१ | ३,९१.४४ | +०.०३ | |
| पूर्नविनियोजन -१,२५.२९ | | | | |

रिक्त पदे न भरल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु. १२५.२९ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालयास व इतर सर्वसाधारण सेवा

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३२ | | | | सन २०१३-१४ साठी रु.१,७३.७४ अनुदान प्राप्त झाले आहे. रु.२८.७९ या रक्कमेचे पुनर्विनियोजन झाल्याने एकूण रु.१,४४.९५ इतके अनुदान उपलब्ध झाले. यामधून रु.१,४४.९५ इतकी रक्कम खर्च झालेली आहे. |
| १०४ वसुली खर्च-माल आणि उतारुंवरील कर | | | | |
| १०४(००) (०३) कार्यकारी कर्मचारी वर्ग | | | | |
| मूळ १,७३.७४ | | | | |
| | १,४४.९५ | १,४४.९५ | ------- | |
| पूनर्विनियोजन - २८.७९ | | | | |

वित्त विभागाने मान्य केलेल्या सुधारित अंदाजपत्रकामध्ये रु २८.७९ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४
## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालयास व इतर सर्वसाधारण सेवा

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३२ | | | | माहे फेब्रुवारी २०१४ मध्ये सहाव्या वेतन आयोगानुसार थकबाकीचा ५ वा हप्ता अधिकारी/कर्मचाऱ्यांच्या भ.नि.नि. लेख्यामध्ये जमा करण्यासाठी पुरक मागणीव्दारे रु. ६२.९१ लाखाची तरतूद उपलब्ध करण्यात आली. परंतू तांत्रिक कारणामुळे सदर हप्त्याची रक्कम भ.नि.नि. लेख्यामध्ये जमा करता आली नाही. त्यामुळे सदर लेखाशिर्षाखाली पुरक मागणीव्दारा करण्यात आलेली तरतूद प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |
| २०५२ सचिवालय- सर्वसाधारण सेवा | | | | |
| ०९० सचिवालय | | | | |
| ०९०(००) (०१) गृह विभाग-आस्थापना | | | | |
| मूळ २३,४६.४० | | | | |
| पूरक ६२.९१ | १८,९०.०५ | १८,८४.८२ | -५.२३ | |
| पुनर्विनियोजन -५.१९.२६ | | | | |

रिक्त पदांवर भरती न केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पण/पुनर्विनियोजन यांव्दारे रु ५१९.२६ लाखाचा निधी काढण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालयास व इतर सर्वसाधारण सेवा

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३२ | | | | रु. ८१.४१ लक्ष इतकी अंतिम बचत ही वेतनावरीलअसुन सदरची बचत आयोगाचे अध्यक्ष व एक सदस्य यांचे पद तसेच राज्य मानवी हक्क आयोगातील इतर पदे रिक्त राहिल्यामुळे झालेली आहे. रु. २०.०० लक्ष ही वेतनेत्तर खर्च भागविण्यासाठी मार्च २०१४ मध्ये पुर्नर्वियोजनाव्दारे देण्यात आली आहे. ती पुर्ण खर्च झालेली आहे. |
| ०९० सचिवालय | | | | |
| ०९०(००) (०५) राज्य मानवी हक्क आयोग | | | | |
| मूळ २,९०.२७ | | | | |
| | ३,१०.२७ | २,२८.८६ | -८१.४१ | |
| पूनर्विनियोजन २०.०० | | | | |

रु ८१.४१ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात पाहता, वेतनावरील अधिकचा खर्च भागविण्यासाठी मार्च२०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाव्दारे देण्यात आलेला रु. २० लाखांचा अतिरिक्त निधी अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.त्याची मागविण्यात आलेली कारणे प्रतिक्षित आहेत ( ऑगस्ट २०१४ ).

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४
## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालयास व इतर सर्वसाधारण सेवा

४. वरील टीप ३ मध्ये नमुद करण्यात आलेली बचत पुढील शिर्षाखाली अधिक खर्चाव्दारे अशंत: प्रतिसंतुलित झाली:-

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३३ | | | | प्राप्त अनुदान इतकाच खर्च झालेला असल्याने कोणतीही बचत अथवा अधिकचा खर्च झालेला नाही. |
| २०५२ सचिवालय- सर्वसाधारण सेवा | | | | |
| ०९० सचिवालय | | | | |
| ०९०(००) (०२) विशेष चौकीशी आयोग | | | | |
| मुळ ०.०१ | | | | |
| पूरक ०.०१ | १३.०२ | १३.०२ | -- | |
| पूर्नविनियोजन १३.०० | | | | |

धुळे येथे झालेल्या दंगलीची विशेष चौकशी आयोगाकरिता योजने अंतर्गत निधीची तुट भागविण्यासाठी पुर्नविनियोजनाव्दारे रु. १३ लाख इतका अतिरिक्त निधी देण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-४- सचिवालय- सर्वसाधारण सेवा

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३३ | | | | विभागातील अधिकाऱ्यांचे/कर्मचाऱ्यांचे वेतन अदा करणे आवश्यक होते. त्यासाठी पुनर्विनियोजनाव्दारे रु. २१.२८ लाखांची तरतूद उपलब्ध करण्यात आली. सदर तरतूद सुध्दा अपूरी होती. परंतू वेतनावरील खर्च भागाविणे अत्यंत आवश्यक असल्यामुळे रु. ६.४३ लाख इतका अधिकचा खर्च झाला आहे. |
| ०९० सचिवालय | | | | |
| ०९०(००) (०४) पारपत्र | | | | |
| मूळ ६६.५६ | | | | |
| | ८७.८४ | ९४.२७ | +६.४३ | |
| पूनर्विनियोजन २१.२८ | | | | |

रु ६.४३ लाखांचा अंतिम खर्च लक्षात घेता, वेतनावरील अधिकचा खर्च भागविण्यासाठी मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाव्दारे देण्यात आलेला रु २१.२८ लाखांचा अतिरिक्त निधी हा अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले. त्याची कारणे अजून कळविण्यात आलेली नाहीत, ती प्रतिक्षित आहेत.( ऑगस्ट २०१४).

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

सन २०१३-२०१४ विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने

| अनुदान क्रमांक बी-७- आर्थिक सेवा (सर्व दत्तमत) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये हजारांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
| पृष्ठ क्र. ३६ | | | | उपलेखाशीर्षानिहाय बचतीची कारणे खालीलप्रमाणे आहेत. |
| प्रधान शीर्ष | | | | |
| ३००१ भारतीय रेल्वे – धोरण निश्चिती, संचालन, संशोधन व इतर संकीर्ण संघटना | | | | |
| ३०५१ बंदरे व दिपगृहे | | | | |
| दत्तमत | | | | |
| मूळ ९८,९१,२२ | | | | |
| | ९८,९१,२२ | ४५,१६,१४ | (-)५३,७५,०८ | |
| पूरक ---------- | | | | |
| वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | | | ५३,७५,०८ | |

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

सन २०१३-२०१४ विनियोजन लेखा अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने

टिपा व भाष्ये :-

अनुदानातील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली.

| अनुदान क्रमांक बी-७- आर्थिक सेवा (सर्व दत्तमत) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
| पृष्ठ क्र. ३७ | | | | मागणी क्र. बी-७ अंतर्गत ३००१ भारतीय रेल्वे धोरण निश्चिती, संचालन संशोधन व इतर संकीर्ण संघटना, ८०० (००) (०२) रेल्वे प्रकल्पात राज्य शासनाचा सहभाग या लेखाशिर्षाखाली मूळ अनुदान रु. ६३.७२ कोटी प्राप्त झाले होते. पुनर्विनियोजनाव्दारे रु. ३८.७२ कोटी इतके अनुदान कमी होऊन शिल्लक अनुदान रु. २५.०० कोटी उरले होते. सदरचे अनुदान याच वित्तीय वर्षात खर्च करण्यात आलेले आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिकचा खर्च झालेला दिसून येत नाही. |
| प्रथान शीर्ष | | | | |
| ३००१ भारतीय रेल्वे — धोरण निश्चिती, संचालन, संशोधन व इतर संकीर्ण संघटना | | | | |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८०० (००) (०२) रेल्वे प्रकल्पात राज्य शासनाचा सहभाग | | | | |
| | | | | |
| मूळ ६३,७२.०० | | | | |
| | २५,००.०० | २५,००.०० | ---------- | |
| पुर्नविनियोजन -३८,७२.०० | | | | |
| | | | | |

वित्त विभागाने कपात सुचवल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु. ३८७२ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

## सन २०१३-२०१४ विनियोजन लेखा अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने

| अनुदान क्रमांक बी-७- आर्थिक सेवा (सर्व दत्तमत) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
| पृष्ठ क्र. ३७ | | | | वित्त विभागाच्या दि. १३.१.२०१४ च्या परिपत्रकानुसार मंजूर अनुदानाच्या ८० टक्के निधी वितरीत करण्यात आल्याने रु.१००.०० लाख एवढी रक्कम समर्पित केलेली आहे. तथापी वितरीत अनुदानाएवढा निधी खर्च झालेला असल्याने अधिक खर्च अथवा बचत निरंक आहे. |
| प्रधान शिर्ष | | | | |
| ३०५१ बंदरे व दिपगृहे | | | | |
| ०२ लहान बंदरे | | | | |
| १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य | | | | |
| १९० (०१) (०५) बंदरावरील महत्वाची गाळ उपसणी (राज्य योजना) | | | | |
| मूळ ५,००.०० | | | | |
| | ४,००.०० | ४,००.०० | ------- | |
| पूर्नविनियोजन -१,००.०० | | | | |

अधिकारी
मंत्रालय

## सन २०१३-२०१४ विनियोजन लेखा अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने

| अनुदान क्रमांक बी-७- आर्थिक सेवा (सर्व दत्तमत) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
| पृष्ठ क्रमांक ३७ | | | | वित्त विभागाच्या दि. १३.१.२०१४ च्या परिपत्रकानुसार मंजूर अनुदानाच्या ८० टक्के निधी वितरीत करण्यात आल्याने रु.२००.०० लाख एवढी रक्कम समर्पित केलेली आहे. तथापी वितरीत अनुदानाएवढा निधी खर्च झालेला असल्याने अधिक खर्च अथवा बचत निरंक आहे. |
| प्रधान शिर्ष | | | | |
| ३०५१ बंदरे व दिपगृहे | | | | |
| ०२ लहान बंदरे | | | | |
| १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य | | | | |
| १९० (०१) (०६) नौसमूहाची खरेदी (राज्य योजना) | | | | |
| मूळ १०,००.०० | | | | |
| | ८,००.०० | ८,००.०० | ---------- | |
| पूर्वविनियोजन - २,००.०० | | | | |



उप सचिव
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

## सन २०१३-२०१४ विनियोजन लेखा अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने

| अनुदान क्रमांक बी-७- आर्थिक सेवा (सर्व दत्तमत) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत ) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
| पृष्ठ क्रमांक ३७ | | | | वित्त विभागाच्या दि. १३.१.२०१४ च्या परिपत्रकानुसार मंजूर अनुदानाच्या ८० टक्के निधी वितरीत करण्यात आल्याने रु.१००.०० लाख एवढी रक्कम समर्पित केलेली आहे. तथापी वितरीत अनुदानाएवढा निधी खर्च झालेला असल्याने अधिक खर्च अथवा बचत निरंक आहे. |
| प्रधान शिर्ष | | | | |
| ३०५१ बंदरे व दिपगृहे | | | | |
| ०२ लहान बंदरे | | | | |
| १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य | | | | |
| १९० (०१) (०८) रस्ते बांधणे व बंदरापर्यंत रेल्वे रुळ जोडणी आणि पश्चल विकास (योजना) | | | | |
| मूळ ५,००.०० | | | | |
| | ४,००.०० | ४,००.०० | --- | |
| पुनर्विनियोजन - १,००.०० | | | | |



उपेडेकर
खाजा अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रा...
मुंबई ४०० ०३२

सन २०१३-२०१४ विनियोजन लेखा अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने

| अनुदान क्रमांक बी-७- आर्थिक सेवा (सर्व दत्तमत) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत ) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
| पृष्ठ क्रमांक ३७ | | | | वित्त विभागाने निधी वितरीत करण्यास सहमती न दर्शविल्याने रु. १०००.०० लाख एवढी रक्कम समर्पित केलेली आहे. त्यामुळे अधिक खर्च अथवा बचत निरंक आहे. |
| प्रधान शिर्ष | | | | |
| ३०५१ बंदरे व दिपगृहे | | | | |
| ०२ लहान बंदरे | | | | |
| १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य | | | | |
| १९० (००) (०१) तेराव्या वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार धूप रोधक समुद्र बांध बांधणे | | | | |
| मूळ १०,००.०० | | | | |
| | ---------- | --------- | --------- | |
| पुर्नविनियोजन -१०,००.०० | | | | |

वित्त विभागाने निधी वितरीत न केल्यामुळे रु. १००० लाखांची संपुर्ण अर्थसंकल्पीय तरतूद वापराशिवाय पडून राहिली आणि मार्च २०१४ मध्ये परत करण्यात आली.

सक्षम अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये हजारांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र. ३९ | | | | उपलेखाशिर्षानिहाय अधिक खर्चाची/बचतीची कारणे सोबत जोडलेल्या विवरणपत्राप्रमाणे आहेत. |
| प्रधान शीर्ष | | | | |
| ४०५५ पोलीस यांवरील भांडवली खर्च<br>४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च<br>५०५५ मार्ग परिवहनावरील भांडवली खर्च | | | | |
| दत्तमत- | | | | |
| मूळ १०,८३,१४,५९ | | | | |
| | १२,६०,९९,५९ | ७,९३,९४,८० | -४,६७,०४,७९ | |
| पूरक १,७७,८५,०० | | | | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ४,६२,२१,३३ | |

टिपा व भाष्ये :-

झालेला खर्च हा अंदाजपत्रकातील मूळ तरतुदीशीसुध्दा जुळत नाही व अशाप्रकारे जुलै २०१३ मध्ये (रु. १७२२८ लाख) आणि डिसेंबर २०१३ मध्ये (रु. ५५७ लाख) अशी एकूण रु. १७७८५ लाखांची पूरक तरतूद ही अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.

२. रु. ४६७०४.७९ लाखांची अंतिम बचत पाहता, मार्च २०१४ मध्ये फक्त रु. ४६२२१.३३ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

३. तरीव बचत पुढीलप्रमाणे झाली :-

| शीर्ष | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.३९ | | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात प्रस्तूत लेखाशिर्षांतर्गत रु.१४,९७८ लाख एवढी तरतूद मुख्यत: पुणे शहर व मुंबई शहरात सीसीटीव्ही कार्यान्वित करण्यासाठी करण्यात आली होती. तद्नंतर सिहस्थ कुंभमेळ्याच्या सुरक्षेच्या दृष्टीने नाशिक शहर व त्र्यंबकेश्वर शहरात तातडीने सीसीटीव्ही यंत्रणा कार्यान्वित करण्याचा निर्णय शासनाने घेतला. त्यासाठी प्राथमिक खर्चासाठी रु. २०० लाख एवढी तरतूद पुरवणी मागणीव्दारे करण्यात आली होती.<br>मुंबई सीसीटीव्ही प्रकल्पाची निविदा प्रक्रिया अंतिम न झाल्याने तसेच पुणे सीसीटीव्ही प्रकल्पाचे काम पुर्ण न झाल्याने रुपये १४९७८ लाख एवढा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. नाशिक शहरात सीसीटीव्ही यंत्रणा कार्यान्वित करण्याबाबत अंतिम निर्णय न झाल्याने पुरवणी मागणीव्दारे तरतूद करण्यात आलेला रुपये २००.०० लाख एवढा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. |
| ४०५५ | पोलीस यांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| ८०० | इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०९) | सार्वजनिक ठिकाणी सीसीटीव्ही संनिरीक्षण यंत्रणा संचमांडणी करणे | | | | |
| मूळ | १,४९,७८.०० | | | | |
| पूरक | २,००.०० | ---- | ----- | --- | |
| पुनर्विनियोजन | - १,५१,७८.०० | | | | |

या योजनेअंतर्गत असणारा रु. १५१७८ लाखांचा संपूर्ण निधी प्रत्यर्पित केल्याचे लक्षात घेता नाशिक व ग्रामीण परीसरात कुंभमेळाच्या धर्तीवर तातडीने सीसीटीव्ही संनिरीक्षण यंत्रणा बसविण्यासाठी जुलै २०१३ मध्ये घेतलेले रु. २०० लाखाचे पूरक अनुदान अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
दि. ३०० नवी

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च

४. अनुदानातील बचत पुढीलप्रमाणे झाली :-

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४० | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाखाली बी-१० आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च ८०० इतर खर्च ८०० (००) (०५) या प्रयोजनासाठी मुळ रु. १,००,३३.०० लक्ष इतकी तरतुद दर्शविली होती. सुधारीत अंदाजानुसार ८०% निधी वितरीत करण्यास मान्यता देण्यात आली होती त्यामुळ एकूण रु. ८०,२६.०० लक्ष इतकी तरतूद वितरीत करण्यात आली असून प्रत्यक्ष खर्च रु. ८०,२६.०० लक्ष झाला आहे. त्यामुळे या लेखांवरील कमी किंवा अधिक खर्च झाला नाही. |
| ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०५) महाराष्ट्र राज्य पोलीस गृह निर्माण व कल्याण महामंडळास सहायक अनुदान | | | | |
| मूळ १,००,३३.०० | | | | |
| | ८०,२६.०० | ८०,२६.०० | --- | |
| पुनर्विनियोजन - २०,०७.०० | | | | |

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४० | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाखाली बी-१० आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च ८०० इतर खर्च ८०० (००) (११) या प्रयोजनासाठी मुळ रु. ८८,००.०० लक्ष इतकी तरतुद दर्शविली होती. सुधारीत अंदाजानुसार ८०% निधी वितरीत करण्यास मान्यता देण्यात आली होती त्यामुळे एकूण रु. ७०,४०.०० लक्ष इतकी तरतूद वितरीत करण्यात आली असून प्रत्यक्ष खर्च रु. ७०,४०.०० लक्ष झाला आहे. त्यामुळे या लेखांवरील कमी किंवा अधिक खर्च झाला नाही. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (११) पोलीस प्रशिक्षणासाठी कार्यालयीन इमारतीच्या बांधकामासाठी महाराष्ट्र राज्य गृहनिमार्ण व कल्याण महामंडळास सहायक अनुदान | | | | |
| मूळ ८८,००.०० | | | | |
| | ७०,४०.०० | ७०,४०.०० | --- | |
| पुनर्विनियोजन - १७,६०.०० | | | | |

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४० | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाखाली बी-१० आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च ८०० इतर खर्च ८०० (००) (१२) या प्रयोजनासाठी मुळ रु. १२,०६.०० लक्ष इतकी तरतुद दर्शविली होती. सुधारीत अंदाजानुसार ८०% निधी वितरीत करण्यास मान्यता देण्यात आली होती त्यामुळ एकूण रु. ९,६४.०० लक्ष इतकी तरतूद वितरीत करण्यात आली असून प्रत्यक्ष खर्च रु. ९,६४.८० लक्ष झाला आहे. त्यामुळे या लेखांवरील कमी किंवा अधिक खर्च झाला नाही. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (१२) पोलीस प्रशिक्षणासाठी कार्यालयीन इमारतीच्या बांधकामासाठी महाराष्ट्र राज्य पोलीस गृहनिमार्ण व कल्याण महामंडळास सहायक अनुदान | | | | |
| मूळ १२,०६.०० | | | | |
| | ९,६४.८० | ९,६४.८० | --- | |
| पुनर्विनियोजन - २,४१.२० | | | | |

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४० | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाखाली बी-१० आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च ८०० इतर खर्च ८०० (००) (०३) या प्रयोजनासाठी मुळ रु. ८,००.०० लक्ष इतकी तरतुद दर्शविली होती. सुधारीत अंदाजानुसार ८०% निधी वितरीत करण्यास मान्यता देण्यात आली होती त्यामुळ एकूण रु. ६,४०.०० लक्ष इतकी तरतूद वितरीत करण्यात आली असून प्रत्यक्ष खर्च रु. ६,४०.०० लक्ष झाला आहे. त्यामुळे या लेखांवरील कमी किंवा अधिक खर्च झाला नाही |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०७) पोलीसांकरिता भूसंपादन व इमारतींच्या बांधकामावरील खर्च | | | | |
| मूळ ८,००.०० | | | | |
| | ६,४०.०० | ६,४०.०० | --- | |
| पुनर्विनियोजन -१,६०.०० | | | | |

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४० | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाखाली बी-१० आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ४०५५ राज्य पोलीस २०७ (००)(०१) या प्रयोजनासाठी मुळ रु. ६,७७.०० लक्ष इतकी तरतुद दर्शविली होती. सुधारीत अंदाजानुसार ८०% निधी वितरीत करण्यास मान्यता देण्यात आली होती त्यामुळ एकूण रु. ५,४१.६० लक्ष इतकी तरतूद वितरीत करण्यात आली असून प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,४१.६० लक्ष झाला आहे. त्यामुळे या लेखांवरील कमी किंवा अधिक खर्च झाला नाही |
| ४०५५ पोलीस यांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| २०७ राज्य पोलीस | | | | |
| २०७(००) (०१) नक्षलवादी विरोधी कार्यक्रम -कार्यालयीन इमारतीचे बांधकाम | | | | |
| मूळ ६,७७.०० | | | | |
| | ५,४१.६० | ५,४१.६० | --- | |
| पुनर्विनियोजन - १,३५.४० | | | | |

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४० | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाखाली बी-१० आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च ८०० इतर खर्च ८०० (००) (१०) या प्रयोजनासाठी मुळ रु. ६,६७.०० लक्ष इतकी तरतुद दर्शविली होती. सुधारीत अंदाजानुसार ८०% निधी वितरीत करण्यास मान्यता देण्यात आली होती त्यामुळे एकूण रु. ६,६७.०० लक्ष इतकी तरतूद वितरीत करण्यात आली असून प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,३३.६० लक्ष झाला आहे. त्यामुळे या लेखांवरील कमी किंवा अधिक खर्च झाला नाही. |
| ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (१०) पोलीस प्रशिक्षण शाळेसाठी निवासी इमारतींचे बांधकाम करण्यासाठी महाराष्ट्र राज्य पोलीस गृहनिर्माण व कल्याण महामंडळास सहायक अनुदान | | | | |
| मूळ ६,६७.०० | | | | |
| | ५,३३.६० | ५,३३.६० | --- | |
| पुनर्विनियोजन -१,३३.४० | | | | |

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४१ | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाखाली बी-१० आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ४०५५ राज्य पोलीस २०७ (००)(०४) या प्रयोजनासाठी मुळ रु. ७,६५.०० लक्ष इतकी तरतुद दर्शविली होती. सुधारीत अंदाजानुसार ८०% निधी वितरीत करण्यास मान्यता देण्यात आली होती त्यामुळ एकूण रु. ६,८८.५० लक्ष इतकी तरतूद वितरीत करण्यात आली असून प्रत्यक्ष खर्च रु. ६,८८.५० लक्ष झाला आहे. त्यामुळे या लेखांवरील कमी किंवा अधिक खर्च झाला नाही. |
| ४०५५ पोलीस यांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| २०७ राज्य पोलीस | | | | |
| २०७(००) (०४) नक्षलग्रस्त क्षेत्रामध्ये तटबंदीसह पोलीस कार्यालयांचे बांधकाम (२०% राज्य हिस्सा) | | | | |
| मूळ ७,६५.०० | | | | |
| | ६,८८.५० | ६,८८.५० | --- | |
| पुनर्विनियोजन - ७६.५० | | | | |

सुधारित अंदाजपत्रकांमध्ये कपात सुचविण्यात आल्यामुळे वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये रु. ४५१३ .५० लाखांची बचत परत करण्यात आली.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४१ | | | | निरंक |
| २०७ राज्य पोलीस | | | | |
| २०७(००) (०२) नक्षलग्रस्त क्षेत्रांमध्ये पायाभूत सुविधा | | | | |
| मूळ १०,००.०० | | | | |
| | --- | --- | --- | |
| पुनर्विनियोजन - १०,००,०० | | | | |

केंद्रिय खरेदी प्रकियेनुसार प्राप्त निविदेला अल्प प्रतिसाद मिळाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.१००० लाखांची संपूर्ण अर्थसंकल्पीय तरतूद परत करण्यात आली.

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४१ | | | | सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षात राज्य वार्षिक योजनेअंर्तगत ५३-मोठी बांधकामे साठी प्राप्त निधी रु.२,००,००,०००/- पैकी प्रादेशिक न्यायसहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाळा, अमरावतीसाठी रु.१,७३,००,०००/- व औरंगाबाद प्रयोगशाळेसाठी रु. २७,००,०००/- अनुदान खर्च करण्यास प्रशासकीय मान्यता देण्यात न आल्याने सदर निधी खर्च होउ शकला नाही. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०८) न्याय सहायक विज्ञान प्रयोग शाळेच्या कार्यालयीन इमारतीचे बांधकाम | | | | |
| मूळ २,००.०० | | | | |
| | --- | --- | --- | |
| पुनर्विनियोजन -२,००.०० | | | | |

बाधंकामास प्रशासकीय मान्यता न मिळाल्याने मार्च २०१४ मध्ये रु.२०० लाखांची संपूर्ण अर्थसंकल्पीय तरतूद परत करण्यात आली.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४१ | | | | सदर उपलेखाशिर्षाखाली पोलीस दलाच्या आधुनिकीकरणासाठी इतर खर्च मोटार वाहने यंत्र सामुग्री व साधन सामुग्री, मोठी बांधकामे या चार उद्दीष्टांकरीता खर्च करण्यात येतो. सन २०११-१२ व सन २०१२-१३ चा अखर्चित निधी पुनर्विनियोजित करुन सन २०१३-१४ मध्ये रुपये ४७,९०.०० लाख (रु. सत्तेचाळीस कोटी नव्वद लाख) इतकी मूळ तरतूद मंजूर करण्यात आली. तथापि, वित्तीय मान्यता न मिळाल्याने रुपये ३२२५.१९ लाखांचा निधी मार्च २०१४ मध्ये परत करण्यात आला.<br>अंतिम सुधारीत तरतूद रु. १५६४.८१ लाख साठेक या कार्यालयाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १६२०.९२ लाख इतका झाला. सदर उपशिर्षाखाली मंजूर अनुदानातून उपरोक्त चार उद्दीष्टांपैकी इतर खर्च या उद्दीष्टाखाली १२ बोअर शॉटगन व ७.६२ एमएम एसएलआर रायफलकरीता रु. ५६.११ लाख इतका अधिक खर्च झाला आहे. सदर अधिक खर्च मंजूर अनुदानाच्या तुलनेत ३.६ टक्के इतका अत्यल्प असल्याने कृपया नियमानुकूल करण्यात यावा. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(०१) (०१) शहर पोलीस (राज्य हिस्सा २५%) | | | | |
| मूळ ४७,९०.०० | | | | |
| | १५,६४.८१ | १६,२०.९२ | +५६.११ | |
| पुनर्विनियोजन -३२,२५.१९ | | | | |

रु. ५६.११ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च पाहता, वित्तीय मान्यता न मिळाल्याने मार्च २०१४ मध्ये परत करण्यात आलेला रु.३२२५.१९ लाखांचा निधी अत्यधिक असल्याचे सिद्ध झाले. त्याची मागविण्यात आलेली कारणे अजून कळविण्यात आली नाहीत (ऑगस्ट २०१४).

सह आयुक्त
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४१ | | | | सदर उपलेखाशिर्षाखाली पोलीस दलाच्या आधुनिकीकरणासाठी मोटार वाहने, यंत्र सामुग्री व साधन सामुग्री, मोठी बांधकामे व इतर खर्च या चार उद्दीष्टांकरीता खर्च करण्यात येतो. सन २०११-१२ व सन २०१२-१३ चा अखर्चित निधी पुनर्जिवित करुन सन २०१३-१४ मध्ये रुपये ७०,५०.०० लाख (रु. सत्तर कोटी पन्नास लाख) इतकी मूळ तरतूद मंजूर करण्यात आली. तथापि, वित्तीय मान्यता न मिळाल्याने रुपये ६८,२०.४२ लाखांचा निधी मार्च २०१४ मध्ये परत करण्यात आला.<br>सदर उपशिर्षाखाली मंजूर अनुदानातून मोटार परिवहन विभागाने अधिदान व लेखा कार्यालयास दि.३०.०३.२०१४ रोजी सादर केलेले संक्षिप्त देयक क्र. ११६, रु.६३,७१,८९८/- आर्थिक वर्षाअखेरीस दि.३१.०३.२०१४ अन्वये आक्षेपित करुन परत करण्यात आल्याने सदर बचत झाली आहे. सदर बचत कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०२) शहर पोलीस (केंद्रं हिस्सा ७५%) | | | | |
| मूळ ७०,५०.०० | | | | |
| | २,२९.५८ | १,६५.८६ | -६३.७२ | |
| पुनर्विनियोजन -६८,२०.४२ | | | | |

रु.६३.७२ लाखांची अंतिम बचत पाहता, खर्चासाठी वित्तीय मान्यता न मिळाल्याने मार्च २०१४ मध्ये परत करण्यात आलेला रु.६८२०.४२ लाखांचा निधी अपुरा असल्याचे सिद्ध झाले. त्याची मागविण्यात आलेली कारणे अजून कळविण्यात आली नाहीत (ऑगस्ट २०१४).

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४२ | | | | | पोलीस महासंचालक कार्यालयाच्या अभिलेखाची पडताळणी केली असता समर्पित रक्कम रु.३१,३४,२६,०००/- ऐवजी रु.३०,४२,८२,०२५/- इतकी आहे. त्यामुळे प्रत्यक्षात झालेला खर्च रु.४३,७१,१८,०००/- ऐवजी रु.४३,७१,१७,९७५/- इतका होईल. तसेच, पोलीस महासंचालक कार्यालयाचा प्रत्यक्षात खर्चही रु.४३,७१,१७,९७५/- इतका झाला असल्याने अधिकचा रू.९१,४४,०००/- इतका खर्च झालेला नाही. |
| ४०५५ | पोलीस यांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| ८०० | इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०३) | जिल्हा पोलीस (राज्य हिस्सा २५%) | | | | |
| मूळ | ७४,१४.०० | | | | |
| | | ४२,७९.७४ | ४३,७१.१८ | +९१.४४ | |
| पुनर्विनियोजन | -३१,३४.२६ | | | | |

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४२ | | | | पोलीस महासंचालक कार्यालयाच्या अभिलेखाची पडताळणी केली असता समर्पित रक्कम रु.१६,३९,५३,०००/- ऐवजी रु.१६,३७,२२,२९७/- इतकी आहे. त्यामुळे प्रत्यक्षात झालेला खर्च रु.१६,१८,७७,७०३/- इतका होईल. तसेच, पोलीस महासंचालक कार्यालयाचा प्रत्यक्षात खर्चही रु.१६,१८,७७,७०३/- इतका झाला असल्याने अधिकचा रू.२,३१,०००/- इतका खर्च झालेला नाही. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०४) जिल्हा पोलीस (केंद्र हिस्सा ७५%) | | | | |
| मूळ १,१२,५६.०० | | | | |
| | १६,१६.४७ | १६,१८.७८ | +२.३१ | |
| पुनर्विनियोजन -९६,३९.५३ | | | | |

८००(००)(०३) जिल्हा पोलीस (राज्य हिस्सा २५% ) या अंतर्गत, रु ९१.४४ लाखांचा अंतिम खर्च पाहता केंद्रीय खरेदी पद्धती नुसार खरेदी निविदेस अल्प प्रतिसाद मिळाल्याने मार्च २०१४ मधील प्रत्यर्पण/पुनर्विनियोजन यांद्वारे काढण्यात आलेला रु.१२७७३.७९ लाखांचा निधी अत्यधिक असल्याचे सिद्ध झाले. त्याची मागविण्यात आलेली कारणे अजून कळविण्यात आली नाहीत (ऑगस्ट २०१४).

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४२ | | | | भूमी संपादनाची प्रक्रिया वेळेमध्ये पूर्ण न झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु. ५८९५६.०० लाखांचा निधी समर्पित करण्यात आला. |
| ४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०४) परिवहन कार्यालयाकरिता भूमि संपादन | | | | |
| मूळ १०,००.०० | | | | |
| | ४,१०.४४ | ४,१०.४४ | ------ | |
| पुनर्विनियोजन -५,८९.५६ | | | | |

भूमि संपादनाची प्रक्रिया वेळेमध्ये पूर्ण न झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.५८९.५६ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

कक्ष अधिकारी
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४२ | | | | सन २०१३-१४ या वर्षासाठी पोलीस आधुनिकीकरण्या अंतर्गत ५३-मोठी बांधकामे या लेखाशिर्षा अंतर्गत दि.३०.८.२०१३ व दि.१७.१.२०१४ रोजीच्या शा.नि. अन्वये राज्य हिस्यापोटी एकूण रु.१४२.९४ लाख इतकी रक्कम पुनर्निधित करुन देण्यात आली होती. सदर निधी हा पोलीस गृह निर्माण महामंडळाकडे पूर्णपणे वर्ग करण्यात आला आहे. त्यामुळे याबाबत अधीक खर्च अथवा बचत नमूद नाही.<br><br>त्याचप्रमाणे सन २०१३-१४ मध्ये दि.३०.०८.२०१३ च्या शा.नि. अन्वये ५१- मोटार वाहने या लेखाशिर्षाखाली सन २०१२-१३ या वर्षातील निधी सन २०१३-१४ मध्ये निधी पुनर्निधित स्वरुपात रु.४५.०० लाख इतका निधी मंजूर करण्यात आला होता, परंतु या वाहनांचा आढावा घेतला असता सद्यस्थितीत वाहने खरेदीची आवश्यकता नाही म्हणून सदरचा निधी शासनास समर्पित करण्यात आला असल्याने खर्च झालेला नाही. तसेच ५३-मोठी बांधकामे या लेखाशिर्षाखाली उर्वरीत रु.६०३.०४ लाख इतका निधी प्रत्यक्षात सुधारीत आराखडयानुसार मंजूर करण्यात आलेला नाही. त्यामुळे एकूण रु.६४८.०६ लाख इतका निधी एकत्रितपणे पुनर्विनियोजीत केल्याचे दिसून येते. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०९) पोलीस दलाच्या आधुनिकीकरण कार्यक्रमांतर्गत होमगार्डचे आधुनिकीकरण (२५%) | | | | |
| मूळ ७,९१.०० | | | | |
| | १.४२.९४ | १.४२.९४ | --- | |
| पुनर्विनियोजन -६.४८.०६ | | | | |

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

## अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४२ | | | | दि.१७.०१.२०१४ च्या शा.नि. अन्वये पोलीस दल आधुनिकीकरण योजना सन २०१३-१४ नुसार (केंद्र हिस्सा ७५% पोटी रक्कम रुपये ४००.३९ लाख मंजूर करण्यात आलेली असून सदरची रक्कम केंद्र शासनाकडून पोलीस गृह निर्माण व कल्याण महामंडळ कार्यालयाकडे परस्पर जमा करण्यात आलेली आहे. त्यामुळे जादा खर्च अथवा खर्चात बचत झालेली नाही.<br>त्याचप्रमाणे सन २०१३-१४ मध्ये दि.३०.०८.२०१३ च्या शा.नि. अन्वये सन २०१२-१३ या वर्षातील प्रस्तुत निधी रुपये ७५.०० लक्ष पुर्नविनियोजित स्वरुपात मंजूर करण्यात आला होता. परंतु या संघटनेतील वाहनांचा आढावा घेतला असता सद्यस्थितीत वाहने खरेदीची आवश्यकता नाही म्हणून सदरचा (५१) मोटार वाहने या लेखाशिर्षाखालील निधी समर्पित करण्यात आला आहे.<br>सन २०१३-१४ मध्ये ५२- यंत्र सामुग्री व साधन सामुग्री या लेखाशिर्षाखाली प्रशिक्षण साहित्याच्या १९ बाबी खरेदीसाठी सन २०१२-१३ या वर्षातील निधी रुपये २२.६२ लक्ष पुनर्विनियोजित स्वरुपात शासन दि.३०.०८.२०१३ अन्वये मंजूर करण्यात आला होता. सदर निधी खर्च न झाल्याने दि.३.२.२०१५ रोजीच्या शा.नि. अन्वये सन २०१४-१५ मध्ये पुनर्विनियोजित करुन दिला आहे. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०८) पोलीस दलाच्या आधुनिकीकरण कार्यक्रमांतर्गत होमगार्डचे आधुनिकीकरण केंद्र हिस्सा(७५%) | | | | |
| मूळ ११,८६.०० | | | | |
| | ४,००.३९ | ४,००.३९ | --- | |
| पुनर्विनियोजन -७,८५.६१ | | | | |

मुख्यत्वेकरून, खरेदिस प्रशासकिय मान्यता न मिळाल्यामुळे वाहनांची खरेदी झाली नाही, त्यामुळे वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये रु.१४३३.६७ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४३ | | | | सन २०१३-१४ मध्ये अंदाजित चलन किमी मध्ये ०.६० कोटी आणि अंदाजित भारमानाच्या टक्केवारीत २.७० ने घट झाल्यामुळे अंदाजित महसूलामध्ये सुध्दा रु. १०४.९५ कोटी घट झाली. परिणामी त्यावरील प्रवासी कराच्या रकमेतही त्या प्रमाणात घट झाल्याने भांडवली अंशदानाच्या रकमेतही ५७७.१८ लाख इतकी घट झाली. त्यामुळे दि. १८.०३.२०१४ च्या पत्रान्वये सदर रक्कम प्रत्यर्पित करण्यात आली. एकूण अनुदान रु. ४५६८८.८२ लाख मंजूर करण्यात आले व मंजूर अनुदानाइतकाच खर्च झालेला आहे. सदरील झालेला खर्च महालेखापाल कार्यालयाशी ताळमेळ घालण्यात आलेला असुन तो बरोबर आहे त्यामुळे एकूण अनुदान व प्रत्यक्ष खर्च यामधील फरक निरंक आहे |
| ५०५५ मार्ग परिवहनावरील भांडवली खर्च | | | | |
| १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांतील गुंतवणुका | | | | |
| १९०(००) (०१) महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाला भागभांडवली अंशदान | | | | |
| मूळ २,९२,३८.०० | | | | |
| पूरक १,७०,२८.०० | ४,५६,८८.८२ | ४,५६,८८.८२ | --- | |
| पुनर्विनियोजन -५,७७.१८ | | | | |

प्रवासी वाहतुकीमधून मिळणाऱ्या अंदाजित महसुलात घट झाल्यामुळे प्रवासी करावरील भाग भांडवली अंशदानात घट झाल्याने मार्च २०१४ मध्ये रु.५७७.१८ लाख इतका निधी परत करण्यात आला.

उप सचिव
गृह विभाग, मंत्रालय
मुंबई ४०० ०३२

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४३ | | | | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ मंजूर अनुदान रु.५२२.०० लाख असून सुधारीत अंदाजानुसार एकूण रु.५२९.०० लाख इतकी रक्कम प्राप्त झाली असून ती पूर्णपणे खर्च झाली आहे.<br>तथापि, या लेखाशिर्षाखाली महालेखापाल यांच्या आकडयानुसार रु.१३२.०० लाख एवढी झालेली बचत दर्शविण्यात आलेली आहे. प्रा.न्या. बै.प्र.शाळा, अमरावती येथील इमारतीच्या बांधकामासाठी मंजुर अनुदान रु.१३२.०० लाख बीडीएस प्रणालीवर वितरीत करण्यात आले होते. व कार्यकारी अभियंता , सा.बां.वि. अमरावती यांच्याकडे वर्ग करण्यात येऊन कार्यकारी अभियंता, सा.बां.वि., अमरावती यांच्या आकडयानुसार सदर अनुदान पूर्णपणे खर्ची पडले असुन महालेखापाल नागपुर यांच्या काही तांत्रिक चुकीमुळे रु.१३२.००/- एवढी बचत दर्शविण्यात आलेली आहे. यासंदर्भात, कार्यकारी अभियंता, सा.बां.वि., अमरावती यांच्या दि.३.१०.१६ च्या अहवालानुसार त्या कार्यालयाकडुन महालेखापाल, नागपूर यांच्याकडे दि.१७.४.१४ रोजी सादर झालेल्या लेख्यांनुसार लेखाशिर्ष ४०५५००५४-५३ अंतर्गत खर्चाचे ताळमेळ विवरणपत्र सादर करण्यात आले होते. तथापि, महालेखापाल, नागपूर यांनी त्या लेखाशिर्षामध्ये दुरूस्ती करून सदर खर्च ४०५५००२७-५३ या लेखाशिर्षाखाली नोंदविल्याचे प्रमाणित केले आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक खर्च झालेला नाही. |
| ४०५५ पोलीस यांवरील भांडवली खर्च | | | | |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०५) न्याय सहायक विज्ञान (राज्य हिस्सा २५%) | | | | |
| मूळ ५,२२.०० | | | | |
| | ५,२९.७६ | ३,९७.७६ | -१,३२.०० | |
| पुनर्विनियोजन ७.७६ | | | | |

# विनियोजन लेखे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने - २०१३-२०१४

अनुदान क्रमांक बी-१०- आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रुपये लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| पृष्ठ क्र.४३ | | | | सदर लेखाशिर्षांखाली मूळ मंजूर अनुदान रु.७८५.०० लाख असून सुधारीत अंदाजानुसार एकूण रु.८६७.२३ लाख इतकी रक्कम प्राप्त झाली असून ती पूर्णपणे खर्च झाली आहे. |
| ८०० इतर खर्च | | | | |
| ८००(००) (०६) न्याय सहायक विज्ञान | | | | |
| मूळ ७,८५,०० | | | | तथापि, महालेखापाल यांचे आकडेवारीनुसार रु.४३७.६० लाख इतकी बचत दर्शविण्यात आली असून त्याची कारण मिमांसा खालीलप्रमाणे आहे. |
| | ८,६७.२३ | ४,२९.६३ | -४,३७.६० | |
| पुनर्विनियोजन ८२.२३ | | | | दि.१७/०१/२०१४ च्या शा.नि. अन्वये न्यायसहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाळेच्या इमारतीच्या या लेखाशिर्षांतर्गत रु. ४३७.६० लक्ष एवढा निधी केंद्र शासनाकडुन मुक्त करण्यात आलेला असून सदर निधी महाराष्ट्र राज्य पोलीस गृहनिर्माण व कल्याण महामंडळ कडे परस्पर वितरीत करण्यात आलेला होता. सदर निधी उपरोक्त शासननिर्णयाव्दारे नमुद करण्यात आलेल्या सुचनेनुसार महाराष्ट्र राज्य पोलीस गृहनिर्माण व कल्याण महामंडळ यांच्याकडुन वसुलीव्दारे प्राप्त करुन घेउन सा.बां. विभाग मुंबई- रु.१५ लक्ष, पुणे- १ कोटी , नागपुर -८.६० लक्ष , औरंगाबाद-१.४६ कोटी व अमरावती रु.१.६८ कोटी यांना देण्यात आलेला आहे . केंद्र शासनाकडुन परस्पर निधी वर्ग करण्यात आलेला असल्याने राज्य शासनाकडुन यासाठी करण्यात आलेली अर्थसंकल्पिय तरतुद ४३७.६० लक्ष वर्षअखेरीस शासनास समर्पित करण्यात आलेली आहे. सदर रु. ४३७.६० एवढा निधी खर्च झालेला असुन प्रत्यक्षात ही बचत नाही. |

रु.५६९.६० लाख इतकी अंतिम बचत पाहता, पोलीस दलाच्या आधुनिकीकरणासाठीचा अतिरिक्त /अधिकचा खर्च भागविण्यासाठी वर नमूद केलेल्या उपशीर्षांखालील मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे करण्यात आलेली रु.८९.९९ लाख एवढया अतिरिक्त निधीची तरतूद अनावश्यक असल्याचे सिद्ध होते.

रु. ५६९.६० लाख एवढया अंतिम बचतीची मागविण्यात आलेली कारणे अजून कळविण्यात आली नाहीत (ऑगस्ट २०१४).

**साक्ष :-**

१.१ उपरोक्त परिच्छेदासंदर्भत अधिक माहिती जाणून घेण्यासाठी समितीच्या समितीच्या दिनांक २० ऑक्टोबर, २०१६, दिनांक ४ जानेवारी, २०१७ तसेच दिनांक ३१ मे, २०१७ रोजी अप्पर मुख्य सचिव, गृह विभाग यांची साक्ष घेतली.

**अनुदान क्र. बी-३**

"२०४१ वाहनांवरील कर ३०५५ मार्ग परिवहन ३०५६ देशांतर्गत जल वाहतूक" या लेखाशिर्षा अंतर्गत६३० कोटी २ लक्ष ९६ हजार रुपयांची बचत दाखविलेली आहे. यापैकी ६३० कोटी ५७ लक्ष ६९ हजार रुपये सरेंडर केलेली आहे. तसेच विभागाने ७५७ कोटी ७३ लक्ष ९० हजार रुपयांची पुरवणी मागणी घेण्यात आली आहे. यामध्ये६३० कोटी ५७ लक्ष ६९ हजार रुपये सरेंडर का करण्यात आले अशी समितीने विचारणा केली असता त्यावर परिवहन सचिवांनी खुलासा केला की, सरेंडर केलेल्या रकमेसाठी विभागास जबाबदार धरणे योग्य होणार नाही. एसटीसाठी सबसिडी दिली जाते. एसटीमधील २६ कॅटेगरीला प्रवासामध्ये सवलत दिली जाते. यामध्ये प्रामुख्याने ज्येष्ठ नागरिक व विद्यार्थ्यांना एसटीमध्ये सवलत दिली जाते. यासाठी सरकारकडून अनुदान दिले जाते. परिवहन विभागाची मागणीही अधिकची होती. पहिल्या अर्थसंकल्पात काही रक्कम समाविष्ट केली. नंतर पुन्हा पुरवणी मागणी घेतली. मार्च महिन्यात सुधारित अंदाजपत्रक तयार करीत असताना त्यावेळी काही तरतूदींमध्ये कपात करावी लागली होती. गारपीट आणि दुष्काळासाठी निधी देण्याकरिता त्यावेळी काही तरतूदींमध्ये कपात करावी लागली होती. यासंदर्भातील नस्ती तपासून घेण्यात आलेली आहे. त्यामुळे परिवहन विभागाला सुधारित अंदाजपत्रकानुसार निधी उपलब्ध करून दिला होता. परिणामी वित्त विभागाकडून परिवहन विभागाला आवश्यक तो निधी उपलब्ध करून देणे शक्य झाले नाही.

लेखाशिर्ष क्रमांक २०४१ वाहनांवरील कर ००१ संचालन व प्रशासन ००१ ००१ (०१) (०१) परिवहन आयुक्त आस्थापना व लेखाशिर्ष ००१ संचालन व प्रशासन ००१ (०२) (०१) प्रादेशिक कार्यालयेया दोन्ही उपशीर्षामध्ये रक्कम सरेंडर केली आहे. सदर रक्कम ही ६०१ कोटी, ९ लाख ३२ हजार रुपये आस्थापनामध्ये व १६ कोटी ३५ लक्ष १२ हजार रुपये प्रादेशिक कार्यालय यामध्ये सरेंडर केली आहे. यामध्ये ५१.८० लक्ष रुपये जास्तीचे दिसून येत आहे. यासंदर्भात कारणे नमूद करताना विभागीय सचिवांनी सांगितले की, परिवहन कार्यालयातील विमा संचालनालयाकडे सन २०१२-२०१३ चे पुस्तकी समायोजन हे सन २०१३-२०१४ मध्ये दाखविण्यात आले होते. त्यामुळे सदरहू जास्तीचा खर्च झालेला दिसून येत आहे.

नोंद का पाठविता आली नाही याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, प्रामुख्याने पुस्तकी समायोजनाच्या संदर्भातील पध्दतीमध्ये बदल करण्याबाबतचा विचार त्यावेळी अर्थ खात्यामध्ये करण्यात येत होता. त्यावेळी अशी सूचना केली होती की, पुस्तकी समायोजन डायरेक्ट जीआरने न करता झिरो बिल पे ॲण्ड अकाऊंट्समध्ये सादर करून करावी, जेणेकरून आपोआप तेथे नोंद होईल. झिरो बिल केले तर ती नोंद आपोआप होते, जीआरच्या माध्यमातून ज्यावेळी पुस्तकी समायोजन करतो त्यावेळी त्या प्रकारच्या टीई व्हायला पाहिजेत, त्या अनेकदा राहून जातात. पध्दतीत बदल होणे गरजचे आहे. बैठकीत वित्त सचिव उपस्थित आहेत, त्यांनी ते तपासावे. अशा प्रकारचे गैरवर्गीकरण होतात किंवा अकाऊंट्समध्ये फरक दिसतो, ते त्यामुळे होणार नाही. येथे टीई दिलेल्या नाहीत म्हणूनच फरक आलेला आहे, म्हणून नोट ऑफ एरर देणे गरजेचे होते. त्यावेळीच ते दिले गेले नाही.

साक्षीच्या वेळेपर्यंत महालेखाकारांकडे पोहचले नाही. ते पोहचले असते तर हा विषय आतापर्यंत संपला असता. समितीकडे विषय व्हेटिंग करून आला, तरीतो तसाच प्रलंबित राहीला त्यामुळे नोट ऑफ एरर पाठवून देण्याचे सचिवांनी मान्य केले. यावर महालेखाकारांनी नमूद केले की, त्यावेळी त्यामध्ये जी ५१ लाख ८० हजार रूपये रक्कम अधिकची दिसत आहे ती अकाऊंट फॉर करून ट्रान्सफर एन्ट्री केली असती आणि एजींच्या निदर्शनास आणून दिली असती तर ती बरोबर करण्यात आली असती. ही जी अमाऊंट आहे ती ओरिजिनल ग्रँट आहे, त्या ग्रँटच्या मर्यादेत आहे. त्यामुळे येथे नोट ऑफ एरर देण्याची आवश्यकता नाही. याबाबत सचिवांनी सांगितले की, आता अकाऊंट्समध्ये फरक आलेला आहे. आपण विनियोजन लेखे तयार केलेले आहेत. अकाऊंट्स फायनल झालेले आहेत. आता त्यामध्ये दुरूस्त करणे शक्य नाही. केवळ नोट ऑफ एरर पाठविता येईल. अकाऊंट्स सादर झाले आहेत त्यामुळे विभाग याची नोंद घेणार आहे.

लेखा शिर्ष ००१ संचालन व प्रशासन ००१ (०१) (०७) सामग्रीची खरेदी अतंर्गत ३ कोटी रूपये सामग्रीची खरेदी - यामध्ये १६० लाख रूपये पुनर्नियोजित करण्यासाठी शासन निर्णय, दिनांकित ११.०३.२०१४ अन्वये कळविले आहे आणि तरी देखील विभाग ९१लाख १३ हजार रूपये खर्च करू शकला नाही. अशा प्रकारे १६० लाख रूपयांच्या पुनर्नियोजनाची मान्यता सुध्दा

मार्चमध्ये दिली तरीसुद्ध विभाग ९१ लाख १३ हजार रूपये खर्च करू शकला नाहीत. एकूण २५१ लक्ष १३ हजार रूपये सरेंडर करण्यात आले आहेत. सचिवांनी असे नमूद केले की, यातील १ कोटी ५० लाख रूपये एसटी महामंडळास दिले, त्यावेळी कुंभमेळा होता, त्यांना त्याची काही स्थानकांसाठी गरज होती. उर्वरित खर्च झाले नाहीत आणि ९१ लाख १३ हजार रूपये समर्पित करण्यात आले.त्यावेळी ती रक्कम पोल्यूशन कंट्रोलिंग एक्विपमेंट घेण्यासाठी ट्रान्सपोर्ट कमिशनरला द्यावयाची होती. मात्र खरेदी होऊ शकली नाही. आता पीयुसी सर्टिफिकेट खाजगी लोकांकडून दिले जातात. त्यामुळे हे एक्विपमेंट घेण्याचा प्रस्ताव प्राप्त झाला नाही.

बस स्टॅण्डची परिस्थिती इतकी खराब आहे की, प्रवासी तेथे थांबत नाहीत. बस स्टॅण्डच्या ठिकाणी रस्ते नसतात, तेथे बसण्यासाठी जागा नसते. मात्र दुस-या बाजुला निधी परत जात आहे ही विभागाची कृती बरोबर नसल्याचे मत समितीने व्यक्त केले याबाबत सचिवांनी नमूद केले की, १ कोटी ६० लाख रूपये एसटी महामंडळाला दिले आहेत. एसटीला शासनाकडून जी मदत दिली जाते, त्याचे वेगळे शिर्ष आहेत. साडे सतरा टक्के प्रवासी कर लावण्यात येतो, आतापर्यंत त्यातील साडे पाच टक्के याप्रमाणे ८०० कोटी रूपये असायचे. विभाग एसटी महामंडळाला त्यांच्या भांडवली खर्चासाठी निधी उपलब्ध करून देत होते, त्यातून ते नवीन बसेस खरेदी करीत होते आणि स्थानकांची दुरूस्ती करीत होते.

बस स्टॅण्डचे आगार प्रमुख लोकप्रतिनिधींकडे तक्रारी घेऊन येतात. बस स्टॅण्ड खूप खराब झालेले आहे. परिसरातून बस चालविणे फारच कठीण झाले आहे यावर विभागीय सचिवांनी खुलासा केला की, एसटीच्या माध्यमातून शासनाकडून अत्यंत महत्त्वाची सेवा पुरविली जाते. एसटीची खूप मागणी आहे. एसटीवर साडे सतरा टक्के प्रवासी कर लादत आहात, तो लादू नये अशी मागणी आहे. त्यामुळे साडे पाच टक्के प्रवासी कर परत करण्यात येत होता. आता निर्णय झाला आहे की, १० टक्के प्रवासी कर परत करण्यात येईल, त्यामुळे या माध्यमातून त्यांना २००-२५० कोटी रूपये अधिकचे मिळतील. त्या व्यतिरिक्त मागच्या अर्थसंकल्पात जवळपास १०० कोटी रूपये बस स्थानकांसाठी मान्य केले होते. तो निधी त्यांना देण्यात आला आहे. त्यांनी बस स्थानकांचे नूतनतीकरण, आधुनिकीकरण करण्याचा कार्यक्रम हाती घेतला आहे. काही ठिकाणी टेंडर देखील जाहीर झाले आहेत. बाकी ठिकाणी आर्किटेक्टच्या माध्यमातून आराखडे तयार करण्याचे काम सुरू आहे. बस ताफ्याचे नूतनीकरण करणे हेही अत्यंत महत्त्वाचे आहे. सन २००२-०३ ला बसचे ॲव्हरेजली १२-१३ वर्षांचे लाईफ समजले जायचे. आता ते कमी करीत ८ वर्षांवर आणले आहे. आता असा निर्णय घेतला आहे की, एसटी महामंडळाला तोटा होत आहे, तो तोटा खर्च कमी करून भरून काढायचा की उत्पन्न वाढवून भरून काढायचा, या संदर्भात एक धोरण ठरविण्याची आवश्यकता आहे. खर्चाच्या बाबतीत अनेक वेळा बारकाईने पाहिले आहे. खर्चाच्या बाबतीत एसटीची भक्कम कार्यपध्दती आहे. त्यांचे अत्यंत किफाईतशीर पध्दतीने कामकाज सुरू असते. सध्या ३ प्रकारच्या बसेस आहेत. आता असा निर्णय घेतला आहे की, नवीन बसेस रिअर एअर सस्पेंशनच्या घ्याव्यात, बॉडी ॲल्युमिनियम ऐवजी स्टिलची असावी, चांगल्या प्रकारच्या पूश बॅक सीटस असाव्यात. एसटी महामंडळाने एक ब्रीद वाक्य स्वीकारले आहे की, एसटी हा मजबुरीच्या प्रवासाचे साधन न होता, पसंतीच्या प्रवासाचे साधन व्हावे. या दृष्टीने त्यांचे प्रयत्न चालले आहेत. आज लोड फॅक्टर ७० टक्क्यांच्या जवळपास आहे. तो जर ७५-७६ टक्के केला तर एसटीला यावर्षी होणारा साडे तीनशे कोटी रूपयांचा तोटा अडीचशे कोटी रूपये होईल. सध्या तो तोटा २४२ कोटी रूपयांवर आलेला आहे. तो अजुनही कमी करण्यात येणार आहे. जनतेला एसटीच्या माध्यमातून सेवा पुरवितो, त्यांना अजून फायदा देण्याचा प्रयत्न करण्यात येणार आहे.

एसटीचे उत्पन्न वाढविण्याच्या दृष्टीने सचिव माहिती देत आहेत त्यादृष्टीने कोणत्या उपाययोजना केल्या आहेत ते समितीस सांगावे तसेच नवीन बस स्टॅण्ड करणार होते. नवीन बस स्टॅण्ड करण्याच्या दृष्टीने बैठक देखील झाली होती. एकदम शहराच्या लगत करायचे की बाहेर काढायचे असा विचार सुरू होता. बीओटी तत्वावर करण्याचा काही प्रस्ताव होता, मात्र नंतर त्याचे काय पुढे काही नाही. बीओटीचे नंतर रद्द केले असे समितीला वाटते. बीओटीवर काम करायचेच नाही अशी काही पॉलिसी झाली आहे का ? तसेच बीओटीवर काम करायचे की स्वतः करायचे या संदर्भात विभागाचे काय नियोजन आहे ? विभागाकडे मोठ्या प्रमाणात जागा उपलब्ध आहे. काही ठिकाणी परिवहन विभागाच्या जागा आहेत. मात्र तेथे सुद्धा बस स्टॅण्ड नाही. फायनान्शिअल बाजु कशी आहे तसेच हा स्त्रोत कसा आहे यावर विभागाने खुलासा केला की, एस.टी चा एकूण महसूल आहे, त्याच्या साडे सत्त्यानव ते अठठ्याऩ्नव टक्के महसूल तिकीट विक्रीतून मिळतो आणि अडीच टक्के महसूल कमर्शियल एस्टॅब्लिशमेंटमध्ये म्हणजे हॉटेल, दुकान, सायकल स्टॅण्ड, जाहिरात यातून मिळतो. एसटीमध्ये आयटी ॲप्लिकेशनचे युटिलायझेशन देखील फारसे नव्हते. पण गेल्या ५ -६ महिन्यांच्या काळात आयटी ॲप्लिकेशन जास्तीत जास्त वापरून कर्मचारी कमीत कमी कसे लागतील, विहित वेळेत काम योग्य, पारदर्शक, वेगात, अचूक कसे होईल यासाठी सुध्दा प्रयत्न करण्यात येत आहे. गेल्या वर्षी पहिल्यांदा

एसटी महामंडळाच्या इतिहासात शासनाने वेगळे १०० कोटी रूपये एसटी महामंडळाच्या सबलिकरणासाठी दिले आहेत. आतापर्यंत एसटीला शासनाकडून गेल्या ५-६ वर्षांपासून १०, १२, १५ कोटी रूपये प्लॅन ग्रँट्स मिळत आहे. आता एसटीमध्ये ऑनलाईन तिकिटाची सुविधा उपलब्ध आहे. तसेच आरक्षणाची सुविधा देखील उपलब्ध करून दिली आहे. मात्र ती काही फारशी वापरात नाही. एस.टी.ची महाऑनलाईन शासकीय कंपनी आहे, तिच्याशी टाय-अप केले आहे. ६ हजार संग्राम केंद्रे आहेत, त्यांच्याशी टाय-अप केले आहे. त्यांच्या माध्यमातून ऑनलाईन तिकीट विक्रीचा त्यांच्याशी करार झाला आहे. ऑनलाईन तिकीट विक्री त्या माध्यमातून सुरू झाली आहे. महामंडळाने व्हेईकल ट्रॅकिंग सिस्टिमचे टेंडर काढले आहे. व्हेईकल ट्रॅकिंग सिस्टिम १-२ राज्यात आहे. एसटी आपल्या थांब्यापर्यंत कधी पोहचणार आहे, ही माहिती आगाऊच प्रवाशांना भेटू शकते. त्यामुळे त्यांना तेथे कधी जावे याचे नियोजन करता येईल. आपण जी सेवा पुरवितो आहोत, त्यामुळे दर्जा वाढेल. प्रामुख्याने आपले भारमान कमी होत आहे, ते वाढण्यास मदत होईल परंतु, आरक्षणाच्या संदर्भात नमूद करण्यात येते की, प्रवासी शक्यतो रेल्वेने जातात. बसने आयत्या वेळीच जातात. बसचे आरक्षण कधी करीत नाहीत. बस वेळेत सुटणार आहे की नाही याची देखील काही सिस्टिम उपलब्ध करण्यात आलेली नाही तसेच प्रवाशांकडून शॉर्ट डिस्टन्सला आरक्षण करण्यात येत नाही, असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, विभागाने व्हेईकल ट्रॅकिंग सिस्टिम सुरू केली तर त्या माध्यमातून थांब्यावर सूचना मिळेल. परदेशात अशी सिस्टिम आहे तसेच शॉर्ट डिस्टन्सला आरक्षण नसले तरी थांब्यावर जाऊन, बसमध्ये जाऊन तिकीट घ्यायचे, त्याऐवजी संग्राम केंद्रावर तिकीट घेऊन बसमध्ये बसायचे हा अभिनव प्रयोग विभागाकडून राबविण्यात येत आहे.

ट्रेन कुठे उभी आहे आणि ट्रेन स्टेशनवर कधी येणार आहे ते देखील आज इंटरनेटवर दिसते. पण बसच्या बाबतीत असे काहीही नाही. जेथे रेल्वे उपलब्ध आहे, तेथे लक्ष केंद्रीत करण्याची काही आवश्यकता नसून महत्त्वाची शहरे आहेत मात्र जेथे रेल्वे नाही, तेथे जास्त बसने प्रवास होतो. विभागाने तेथे लक्ष केंद्रीत केले तर प्रवासी जास्त मिळतील असे समितीने सूचित केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, त्यासाठी व्हेईकल ट्रॅकिंग सिस्टिम गरजेची आहे. विभागाने त्याचे टेंडर काढले आहे. ते व्यवस्थित राबविता आले तर समिती जी माहिती अपेक्षित करीत आहे, ती मिळेल. प्रामुख्याने प्रवाश्यांना चांगली दर्जेदार किफायतशीर सेवा मिळू शकेल.

बीओटी तत्वावर काही जागा उपलब्ध आहेत, त्याचा उपयोग का करीत नाही ? स्वः निर्माणासाठी विभागाकडे पैसे नाही काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता, बस पोर्टची एक कल्पना आली आहे. मोठ्या १३ ठिकाणी पोर्ट करण्यात यावेत असा विचार आहे. पनवेल, बोरिवली, नॅन्सी कॉलनी, पुणे, शिवाजीनगर, सांगली, सोलापूर, कोल्हापूर, नाशिक, धुळे, जळगाव, औरंगाबाद, नांदेड, अकोला, नागपूर या ठिकाणी पोर्ट करायचे ठरविले आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

विभागाने गोंदियाला जागा रिकामी करून घेतली आहे, तेथे अतिक्रमण होते ते रिकामे करून घेतले आहे. तेथे मोठ्या प्रमाणात जागा उपलब्ध असल्याने तेथे मोठे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तयार कले जाऊ शकते. मात्र विभागाने ते केले नाही. त्यामुळे तेथे पुन्हा अतिक्रमण सुरू झाले आहे असे समितीने निदर्शनास आणले असता या संदर्भात माहिती घेण्यात येवून समितीस अवगत करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वास्त केले होते.

माननीय मंत्र्यांकडे उपलब्ध असलेल्या जागांवर अतिक्रमण होऊ नये व तेथे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तयार करण्यात यावे यासदंर्भात अनेकदा बैठका झाल्या असून सर्व कार्यवाही झाली. गोंदियामध्ये शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बांधले पाहिजे यासाठी माननीय मंत्र्यांनी ऑर्डर दिली असल्याचे समितीने नमूद केले असता विभागीय सचिवांनी बीओटी बद्दल समितीला सांगण्याची परवानगी मागितील तथापि, हा बीओटीचा मुद्दा नसून विभागाने जागेचा वापर करावा. बस स्टॅण्डची कमर्शियल एरियामध्ये सुविधा आहे. लोकांना चांगली सुविधा मिळेल, त्यांच्यासाठी चांगली व्यवस्था होईल. जागेचा योग्य उपयोग होईल या दृष्टीने अनेकदा बैठका झालेल्या आहेत. भुसावळ असो गोंदिया असो महानगरपालिका नाही पण महानगरे झालेली आहेत. ज्याप्रमाणे भुसावळ हे मोठे जंक्शन आहे त्याप्रमाणे गोंदिया देखील मोठे जंक्शन झाले आहे. गोंदिया हे मध्यप्रदेश, छत्तीसगड या राज्यांचे सेंटर पॉईंट आहे. तेथे सुध्दा मोठ्या प्रमाणात आंतरराज्यीय बसेसचे मोठे आगमन आहे. त्यामुळे विभागाने या दोन्ही शहरांबद्दल देखील विचार केला पाहिजे असे समितीने सूचित केले असता याबाबत नक्की विचार करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वास्त केले.

अनुदान क्रमांक बी-३ वाहतूक प्रशासन- लेखा शिर्ष ००१ संचालन व प्रशासन ००१ (०१) (०४) कार्यालयीन अभिलेखांचे संगणकीकरण (मोटार वाहन व मोटार अपघात दावा न्यायाधिकरण) (योजनांतर्गत) अंतर्गत ६६१.१८ लाख रूपये निधी समर्पित करण्यात आला. संगणक सामग्री खरेदी करण्यासाठी मागविण्यात आलेला प्रस्ताव आहे. संगणक सामग्री खरेदी करण्यासाठी अत्यल्प प्रतिसाद आला आहे. असे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात नमूद करण्यात आले असून १० कोटी रूपयांपैकी फक्त ३ कोटी ३८ लाख ८२ हजार रूपये खर्च झाले आहेत. इतक्या कंपन्या इंटरेस्टेड असतात तरी असे कसे झाले ? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, केंद्रीय रस्ते मंत्रायालयाचा अत्यंत महत्वकांक्षी प्रकल्प सारथी चार व वाहने चार हा आहे. सारथीमध्ये देशभरातील ड्रायव्हर्सचा व वाहनांचा डेटाबेस तयार राहणार आहे. त्यांनी असे सेंट्रलाईज्ड ॲप्लिकेशन तयार केले आहे. राज्यात सन २००६ पासून सारथी व वाहन प्रणाली सुरू आहे, त्यात सन २००६ नंतरच्या संपूर्ण डेटाबेस डिजिटाईझ केला आहे. पण त्यापूर्वीचा डेटा कागदांच्या फॉर्ममध्ये आहे. हे डिजिटाईझ करणे अत्यंत महत्वाचे आहे. कारण विभागाला अद्ययावत प्रणाली तयार करावयाची आहे. डेटा अपूर्ण राहील. त्यामुळे हे काम हाती घेण्यात आले आहे. त्यावेळी या निविदेच्या संदर्भात विभागाला पुढे जाता आले नाही. विभागाने काही दिवसांपूर्वी एक निविदा काढली आहे. केंद्र शासनाची सीएससी कंपनी आहे, त्यांच्या माध्यमातून हे काम विभाग हाती घेणार आहे. टाईमबाऊंड पध्दतीने पूर्ण करण्याचा प्रयत्न आहे.

सन २०१३-१४ च्या ह्या कामाला सुरूवात झालेली नाही का ? आता सन २०१३-१४ मध्ये हे पुढे आले आहे. हे डिजिटायझेशन महत्त्वाचे आहे, पण झालेले नाही असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले त्यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले ही निविदा काही कारणास्तव पुढे जाऊ शकली नाही असे निविदा वेळेवर आली नाही की निविदा वेळेवर फायनल झाली नाही, नेमके काय झाले आहे ? निविदेला अत्यल्प प्रतिसाद आलेला असून निविदा किती लोकांनी भरल्या होत्या, निविदा कधी काढली, तारीख काय आहे ? याबाबत समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की दिनांक २२-१०-२०१३ ला निविदा जाहीर करण्यात आली. त्यामध्ये दोन निविदाकार पात्र झाले. परत सुधारित निविदा प्रसिध्द करण्यात आली.

संगणक सामग्री आहे, डिजिटायझेशन नाही. संगणकाचे भाग घ्यायचे असतील तर त्यामध्ये निविदा आली नाही असे असेल त्याचप्रमाणे त्यात सॉफटवेअर खरेदी होती का ? असे समितीने विचारले असता त्यामध्ये डिजिटायझेशनचा विषय होता व स्कॅन करून डेटा एन्ट्री करावी लागते, त्या प्रणालीवर अपलोड होते असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

इतक्या कंपन्या काम करण्यास इंटरेस्टेड आहेत, मग प्रतिसाद मिळाला नाही असे विभाग कसे म्हणतो, विभागाचे रेट कमी होते का अशी समितीने विचारणा करून डेटावाईज क्रॉनिकली डिटेल्स देऊन यासंदर्भात विभागानेस्पष्टीकरण देऊन सॉफटवेअरच्या संदर्भात काम करणा-या अनेक कंपन्या आहेत अत्यल्प प्रतिसाद मिळण्याचे कारणच नाही असेमत समितीने व्यक्त केले असता. हे इंटेंसिव्ह लेबर वर्क आहे. जुनी कागदे आहेत, ती स्कॅन करायची आहेत असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

**अनुदान क्र.बी-४:**

२०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क, १०४ वसुली खर्च-माल आणि उतारुंवरील कर, १०४ (००) (०१) परिवहन आयुक्तालयअंतर्गत बालपोषण आहाराचा विषय परिवहन विभागाशी संबंधित आहे असे मत समितीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, हा विषय गृह विभागाशी संबंधितच आहे. विभागाने महालेखाकार कार्यालयाबरोबर ताळमेळ केलेला आहे. या विभागीय सचिवांनी सांगितले की, हा खूप जुना विषय आहे. सन १९७१ मध्ये वटहुकूम काढून प्रवाशी कर कायद्यामध्ये बांगला देशातील निर्वासितांकरिता प्रवाशी वाहनातील प्रवाशांकडून तिकिटावर अतिरिक्त अधिभार लावण्याचे ठरविले होते. सन १९९३ मध्ये त्यामध्ये बदल करण्यात आला आणि २ रुपयांपर्यंतच्या तिकिटावर १० पैसे आणि त्यावरील रकमेच्या तिकिटावर १५ पैसे अधिभार निश्चित केलेला आहे. सदर नियमातील नियम ५ अनुसार सदर अधिभार शाळकरी मुलांसाठी आहार योजना, विशेष पोषण योजना, मागासलेल्या ग्रामिण भागातील मुलांसाठी विशेष पोषण योजना, राज्य शासनातर्फे वेळोवेळी ठरविलेल्या योजना यासाठी वापरावयाचा आहे. शहरी भागात ज्या प्रवाशी सेवा आहेत त्यावर हा अधिभार लावण्यात आलेला आहे. प्रत्यक्षात वेगळाच मुद्दा निर्माण होईल. परंतु, समितीला पूर्ण माहिती देणे आवश्यक आहे.

राज्यातील ७-८ महानगरपालिकांनी अधिभाराची रक्कम गोळा केली. परंतु, त्यांनी ती शासनाकडे जमा केलेली नाही. त्यांनी ती रक्कम स्वतःकडेच ठेवलेली आहे तो अधिभार अजूनही सुरू आहे.असे समितीने निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, ही जवळपास ३० वर्षांची आकडेवारी आहे. विभागाने ज्यावेळी पोषण आहार सुरू केला त्यावेळी आयसीडीएस योजना नव्हती. आताविभागाने आयसीडीएस योजना सुरू केलेली आहे आणि ती योजना व्यापक आहे. अधिभार अजूनही सुरू आहे. परंतु, जो उद्देश होता त्यासाठी आता वेगळी योजना सुरू केलेली आहे आणि दुसरीकडे अधिभारही सुरू आहे.

बांगला देशातील निर्वासितांना पोषण आहार पुरविणे हा या मागील उद्देश होता. त्या उद्देशामध्ये बदल करून शाळकरी मुलांसाठी आहार योजना, विशेष पोषण योजना असा बदल करण्यात आलेला आहे असे विभागीय सचिवांनी सांगितले.गोंदिया जिल्ह्यात बांगला देशातील निर्वासित लोक असून आता त्यापैकी काही लोकांचे वय ९०-९५ वर्षे आहे. त्यांना पोषण आहार देतच नाही. महानगरपालिका अधिभार गोळा करतात. परंतु, अधिभाराची रक्कम शासनाकडे जमा करीत नाहीत, याची माहिती आहे. मग विभागाने या संदर्भात कोणती कार्यवाही केलेली आहे ? याबाबत समितीने विचारणा केली असता अधिभाराची रक्कम वसूल करण्याचे काम विभागाकडेच आहे, असे विभागीय सचिवांनी सांगितले. खरे म्हणजे आवश्यकता नसेल तर ताबडतोब अधिभार रद्द केला पाहिजे असे समितीने सूचित केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, अधिभार रद्द करण्याकरिता कायद्यात तसा बदल करावा लागेल विभागाचे जे उपक्रम आहेत ते तोट्यात आहेत. प्रत्यक्षात त्यांनी ती रक्कम ठेऊन घेतलेली असली तरी शासनाने बळजबरी करूनही त्यांच्याकडून वसुली होऊ शकेल अशी परिस्थिती नाही. कायद्यानुसार अधिभार लावलेला आहे आणि त्यासाठी ती रक्कम वापरली जात नसेल तर तो अधिभार लावण्यामध्ये काही औचित्य ठरत नाही. कायद्यात बदल करून तो अधिभार त्या उपक्रमासाठी ठेवावा, कारण, पुणे, बेस्ट, कल्याण-डोंबिवली, नवी मुंबई, कोल्हापूर, नागपूर हे उपक्रम तोट्यात आहेत,

अधिभाराची रक्कम महामंडळासाठी घ्यावी आणि त्या महानगरपालिका ती रक्कम देतच नसतील तर अधिभार रद्द करावा. अधिभार रद्द केला तर लोकांचा तेवढा फायदा होईल. लेखी माहितीमध्ये नमूद केलेले आहे की, " Child Nutritian diet scheme under some transport programme ". परंतु, विभाग ट्रान्सपोर्ट प्रोग्राम राबवितच नाही. फक्त पैसे गोळा करण्याचे काम सुरू आहे आणि त्या योजनेसाठी ती रक्कम खर्चही होत नाही. ती रक्कम शासनाने खर्च करावयाची आहे असे समितीने सूचित केले असता महानगरपालिका त्यांचा तोटा भरून काढण्यासाठी ती रक्कम वापरतात. असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले. म्हणजे सर्वसामान्य लोकांवर अन्यायकारक व निरूपयोगी अधिभार लावण्यात आलेला आहे. तो अधिभार रद्द केला पाहिजे. समिती शासनाला तशी शिफारस करेल असे समितीने नमूद केले असता हा अधिभार ज्या कारणासाठी लावण्यात आलेला आहे तो उद्देश सफल होत नाही. म्हणून हा अधिभार विभागाच्या उपक्रमासाठी वापरावा, असा शासनाने उद्देशात बदल करू न घ्यावा, अशी समितीची शिफारस असावी अशी विभागीय सचिवांनी विनंती केली.

उपक्रम म्हणजे काय ? व तो कसा वापरात आणला जातो अशी विचारणा समितीने केली असता पुणे परिवहन मंडळ, नागपूर महानगरपालिका परिवहन उपक्रम, बेस्ट उपक्रम हा अधिभार गोळा करतात आणि त्यांना उपक्रमात नुकसान होत आहे. ते नुकसान कमी करण्याच्या दृष्टिकोनातून ते आपल्या रेव्हेन्यूमध्ये या रकमेचा समावेश करतात. It is inappropriate. However, the amendment has to be carried out to allow them to retain this by changing the purposes of the scheme. How they can use it ? असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

The purpose should be change. २ रुपयांऐवजी १० रुपये घ्यावेत, समितीची काही हरकत नाही. विभागानेच यासाठी हेड तयार केले पाहिजे, असे समितीने सूचित केले असता हा कायदा जुना आहे. याबाबत रिव्ह्यू घेवून यामध्ये कोणता बदल करणे शक्य आहे बघून विभागाकडून तो बदल करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी सांगितले.

विभाग मागील एवढ्या वर्षातील वसुली संदर्भात कोणती कार्यवाही करणार व विभागाला परिवहनकडून वसुली करावयाची आहे का महामंडळाकडून वसुली करावयाची आहे ? हा निधी परिवहनमध्येच जमा होतो काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता, विभागीय सचिवांनी सांगितले की, वसुलीचा आकडा खूप मोठा आहे आणि ती वसुली केली तर ते परिवहन उपक्रम बंद पडतील. म्हणून शासनाला देखील याबाबत वेगळा विचार करावा लागेल, असे सांगून सदर निधी परिवहनमध्ये जमा होतो.

वित्त विभागाच्या सचिवांनी पूर्वी पोषण आहाराचा विषय हाताळलेला असून या विषयासंदर्भात माहिती देताना नमूद केले की, एस.टी. एक्स्ट्रॉ सेस लावून थोडे उत्पन्न गोळा करते. त्यांनी ती रक्कम शासनाकडे जमा करावी आणि हा निधी महिला व बाल विकास विभाग किंवा आरोग्य विभागामार्फत पोषण आहारासाठी वापरला जावा, अशी अपेक्षा होती. मात्र, तसे घडले नाही. महिला व बाल विकास विभागाने शासनाला कळविले होते की, आता विभागाकडे आयसीडीएस योजना असल्यामुळे विभागाला या निधीची आवश्यकता नाही. त्यामुळे हा अधिभार कमी केला तरी आमची हरकत नाही. मात्र, आता एस.टी. साठी हा उत्पन्नाचा स्त्रोत आहे. त्यांना तो स्त्रोत पाहिजे आहे. म्हणून त्यांनी अद्याप अधिभार रद्द केलेला नाही. आता त्यांची अशी विनंती आहे की, तो रद्द करण्याऐवजी त्याचा उद्देश बदलून द्यावा आणि त्यातून एस.टी.ला उत्पन्न मिळावे.

यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, पुणे महानगरपालिकेच्या संदर्भात हायकोर्टात केस दाखल झाली होती. त्यानंतर विभागाने वसुलीसाठी प्रयत्न केले. जिल्हाधिका-यांना कळविले. आरआरसी काढली. परंतु, विभागाने तोट्यात असलेल्या उपक्रमातून वसुली केली तर वसुली व्यावहारिक होणार नाही आणि तो उपक्रम महत्वाची सेवा देत आहे.

समितीची काही हरकत नसून जो हेतू आहे त्यात बदल करुन बांधकाम किंवा इतर सुविधांवर खर्च करता येईल, असे काही तरी करावे, असे समितीने सूचित केले असता कायद्याचा अभ्यास करुन त्यात बदल करुन रिट्रॉस्पेक्टिव्हली सर्व रेग्युलराईज करता येईल त्यासाठी विभागाकडून प्रयत्न करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले.

विभाग ज्या कारणासाठी लोकांकडून अधिभार वसूल करीत आहात, त्याबाबत वित्त विभागाच्या सचिवांनी सूचित केल्याप्रमाणे महिला व बाल कल्याण विभागाला कळविले पाहिजे किंवा ते हेडच बंद केले पाहिजे. लोकल बॉडीच्या बसेस आहेत, सेवा आहे. विभागाने त्यांना वेगळा अधिभार लावण्याचा अधिकार द्यावा, त्यासाठी अडचण नाही. त्यांनी आता पर्यंत अधिभाराची रक्कम स्वतः वापरलेली आहे. विभागाला त्याबाबत सुद्धा समितीला माहिती देण्याबाबत कळविले होते त्याचप्रमाणे इतक्या वर्षापासून ज्या कारणासाठी अधिभार वसूल केला जात आहे त्या कारणासाठी महानगरपालिका ती रक्कम खर्च करीत नाहीत, हे सुद्धा आक्षेपार्हच आहे, असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता त्यावर विभागीय सचिवांनी समितीला सविस्तर टिप्पणी सादर करण्यात येईल, असे सांगितले.

वित्त विभागाच्या सचिवांनी समितीच्या माध्यमातून निदर्शनास आणून दिले की, याबाबत यापूर्वी महिला व बाल विकास विभागाच्या अनुभवावरुन त्यांनी समितीस माहिती दिली की, एसटीच्या तिकीटांवर पोषण आहाराकरिता सेस लावला जातो. यातून मिळणारा निधी आरोग्य विभाग किंवा महिला व बाल विकास विभागाला देण्यात यावा व या विभागांनी तो निधी बालकांच्या पोषणाकरिता खर्च करावयाचा होता. तिकीटांवर लावलेला सेस संकलित होत राहिला, परंतु त्या पोटी मिळणारा निधी महिला व बाल विकास विभागाकडे वर्ग झाला नाही. कदाचित त्याचे कॅल्क्युलेशन देखील केले नसेल. त्यानंतर महिला व बाल विकास विभागाने भूमिका स्पष्ट केली की, आम्हाला या सेसची आवश्यकता नाही, याचे कारण म्हणजे त्यांचे असे म्हणणे होते की, आमच्याकडे वेगळी योजना आहे. असे असतानाही हा सेस कमी करण्यात आला नाही. हा सेस बंद करायचा किंवा कसे, तसेच याबाबत निर्णय झाला किंवा कसे, याबाबत अवगत केल्यास सोयीस्कर होईल. विभागाचा हेतू नसेल तर सेस बंद करण्यात यावा असे समितीने सूचीत केले.

समिती एक-एक पॅरा पुढे जात आहे. अधिका-यांना याबाबत काही सुधारित माहिती द्यायची असेल. आपल्याला हा पॅरा कसा डिलेट करता येईल? त्यामुळे अधिका-यांना नोट सादर करण्याकरिता वेळ द्यावा, तसेच परिवहन विभागाचे सचिव उपस्थित नसेल तर त्यांच्या विभागाची उत्तरे कोण देणार असा प्रश्न समितीने उपस्थित करुन संबंधित अधिकारी या सर्व विषयांचा अभ्यास करुन यासंदर्भातील वस्तुस्थिती एका महिन्याच्या आत समितीला सादर करण्यात यावे तसेच विभागाने सादर केलेल्या बाबीवर समिती सॅटीसफाईड आहे किंवा नाही हे पाहून पुन्हा विभागाला बोलवायचे असेल तर बोलवता येईल, असे समितीने सूचित केले होते.

२०५२ सचिवालय सर्वसाधारण सेवा ०९० सचिवालय ०९० (००) (०५) राज्य मानवी हक्क आयोग या अंतर्गत मूळ मागणी २ कोटी ९० लाख २७ हजार रुपयांची होती, त्यानंतर २० लाख रुपयांची मागणी पुनर्विनियोजनाद्वारे करण्यात आली आणि दुस-या बाजूला निधी बचत केलेला आहे. निधी बचत करायचा होता, तर निधीची मागणी कशाकरिता करण्यात आली? तसेच निधी सरेंडर करायचा होता, तर २० लाख रुपयांची मागणी का करण्यात आली. अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, त्यावेळी अध्यक्षांचे पद रिक्त होते व सदरहू २० लाख रुपयांची मागणी वेतनेतर खर्चासाठी करण्यात आली होती.

२ कोटी ९० लाख २७ हजार रुपये वेतनासाठी होते काय? व हा निधी येथे खर्च करता आला नसता काय? अशी विचारणा समितीने केली असताकी, विभागीय सचिवांनी सांगितले की, तो निधी मानधन, वेतन व कार्यालयीन खर्चासाठी होता व वेतनाकरिताचा निधी इतरत्र वळविता येत नाही. २ कोटी ९० लाख २७ हजार रुपयांमधून दुसरीकडे खर्च करता आला नसता.

विभागाकडे २ कोटी ९० लाख २७ हजार रुपये असताना २० लाख रुपयांची मागणी का करण्यात आली? तसेच एकूण ३ कोटी १० लाख २७ हजार रुपये प्राप्त झाले असताना त्यातील ८१ लाख ४१ हजार रुपये बचत केले, याबाबत माहिती देण्यात यावी असे मत समितीने व्यक्त केले असता, वेतनामध्ये झालेल्या बचतीतील पैसे वेतनेतर खर्चासाठी वापरता येत नाहीत. वेतनेतर

खर्चामध्ये तरतूद कमी पडली तर सप्लीमेंटरी घेतली जाते. वेतनातील बचत झालेली रक्कम याकरिता वापरता येत नाही. त्यामुळे अनेक अनुदानामध्ये अशी परिस्थिती निर्माण होते की, ओव्हरऑल सेव्हींग दिसत असूनही वेगळ्या हेतूकरिता पुरवणी मागणी घेतली जाते असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

पूर्वी केली जाणारी तरतूद वेतनासहीतच असायला पाहिजे. आयोग आहे म्हणजे एक एन्टीटी आहे, त्याची तरतूद करीत असताना वेतन व वेतनेतर सर्व बाबी त्यामध्ये अंतर्भूत असायलाच पाहिजे असे समितीचे मत आहे, त्यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, वेतनाची व वेतनेतर खर्चाची तरतूद केली जाते. पदे न भरल्यामुळे वेतनाच्या तरतुदीमध्ये बचत झाली आणि ती रक्कम वेतनेतर बाबीकरिता वापरता येत नसल्यामुळे ती बचत झाली. तसेच वेतनेतर खर्चामध्ये कमी तरतूद झाल्यामुळे त्याकरिताची अधिकची रक्कम नंतर देण्यात आली. म्हणजेच नंतर मागितलेली २० लाख रुपयांची रक्कम ही वेतनेतर बाबीकरिता होती.

महालेखाकार यांनी समितीच्या माध्यामातून विचारणा केली की, We were just discussing that if you had saving under non-salary, whether you can get it re-appropriated? Saving of 81.41 lakhs, was it on non-salary items ? यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, Saving under salary cannot be re-appropriated.It is on salary. त्याचप्रमाणे महालेखाकारांनी विचारणा केली की, Funds requested of 20 lakhs, were also for salary ? This was not clear from the reply that is why commetee asking. त्यावर २० लाख रुपये वेतनेतर खर्च भागविण्यासंदर्भात असल्याचे विभागीय सचिवांनी अवगत केले.

**अनुदान क्र.बी-७:**

प्रधान शीर्ष, ३००१ भारतीय रेल्वे-धोरण निश्चिती, संचालन, संशोधन व इतर संकीर्ण संघटना, ३०५१ बंदरे व दिपगृहे यासाठी विभागाला एकूण ९८ कोटी ९१ लाख २२ हजार रुपये अनुदान मिळाले होते. त्यापैकी ४५ कोटी १६ लाख १४ हजार रुपये खर्च केलेले आहेत. उर्वरित रक्कम शिल्लक राहण्याची कारणे काय आहेत ? तसेच, रेल्वे प्रकल्पात राज्य शासनाचा सहभाग यामध्ये ३८ कोटी ७२ लाख रुपयांची कपात असल्याचे सांगितलेले आहे. त्यावेळी २० टक्के कपात होती. मग ६३ कोटी ७२ लाख रुपयांच्या अगेन्स्ट ३८ कोटी ७२ लाख रुपये कट कसा काय लावण्यात आला ? याबाबत समितीने विचारणा केली असता, विभागीय सचिवांनी खुलासा करताना नमूद केले की, रेल्वे हा केंद्र शासनाच्या अखत्यारीतील विषय आहे. परंतु, राज्य शासनाने असा निर्णय घेतला की, आपले जे महत्वाचे रेल्वे मार्ग आहेत त्यामध्ये राज्य शासनाने आर्थिक सहभाग घ्यावा. जेणेकरुन त्या कामाला चालना देता येईल. विभागाने सुरुवातीला अहमदनगर-बीड-परळी मार्गाचे काम हाती घेतले. यामध्ये राज्य शासनाचा ५० टक्के आणि रेल्वेचा ५० टक्के हिस्सा असावा असे ठरले होते. त्यावेळी विभागाने अंदाजित खर्च काय असेल याचा आऊटले घेतला आणि तो आऊटले मान्य करण्यात आला. विभागाला पैसे देखील उपलब्ध करुन देण्यात आले. यामध्ये दोन गोष्टी झाल्या. त्यावर्षी शासनाला दुष्काळ आणि गारपीट या दोन्ही कामांसाठी मोठ्या प्रमाणावर निधी द्यावा लागला. त्यामुळे वित्त विभागाला अपेक्षित केल्याप्रमाणे इतर विभागांना निधी उपलब्ध करुन देता आला नाही. दुसरे म्हणजे यामध्ये ५० टक्के राज्य शासनाचा आणि ५० टक्के रेल्वेचा हिस्सा होता. त्या अनुषंगाने त्या वर्षापर्यंत या प्रकल्पासाठी रेल्वेने केलेल्या खर्चाच्या बरोबरीने जेवढा निधी द्यावयाचा होता त्यापेक्षा अधिक निधी पूर्वीच दिला होता. म्हणून त्यावेळी हा निधी परिवहन खात्याने विनंती करुन देखील वित्त विभागाने उपलब्ध करुन दिलेला नाही.

३८ कोटी ७२ लाख रुपये केव्हा सरेंडर करण्यात आले ? ३१ मार्च रोजी निधी सरेंडर केला असेल तर तुमचे नियोजन चुकीचे आहे, असे मत समितीनेव्यक्त केले असता वित्त विभागाने सुधारित अंदाजामध्ये ती रक्कम कमी केलेली आहे, विकास कामांना कात्री लावण्यात आली होती असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

२० टक्के कट लावण्यात आला हे समितीस मान्य असल्याचे नमूद केले असता, विभागीय सचिवांनी सांगितले की, त्यावेळी सरसकट २० टक्के कट लावण्यात आला होता. रेल्वे मंत्रालयाने त्या प्रकल्पांवर जेवढा खर्च केला तेवढाच निधी आपल्याला द्यावयाचा होता. रेल्वेने कमी खर्च केला म्हणून विभागाने देखील कमी खर्च केलेला आहे, ३८ कोटी ७२ लाख रुपये मार्च महिन्यापूर्वी सरेंडर केलेले आहेत काय ? ३८ कोटी ७२ लाख रुपयांचा कट लावण्यात आलेला आहे काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता वित्त विभागाने कमी निधी उपलब्ध करुन दिला असून मार्च महिन्यापूर्वी कट लावण्यात आलेला आहे. रिव्हाईज एस्टिमेट झालेले असून ३८ कोटी ७२ लाख रुपयांचा कट लावण्यात आला असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले. प्रत्येक ठिकाणी २० टक्के कट लावण्यात आला आणि बाकी रक्कम खर्च केली असे विभागाने सांगितले आहे. प्रधान शीर्ष ३०५१ बंदरे व दिपगृहे ०२ लहान बंदरे १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य या अंतर्गत धूप रोधक समुद्र

बांध बांधणे यासाठी १० कोटी रुपये प्राप्त झाले होते. ती संपूर्ण रक्कम परत करण्याची कारणे काय आहेत ? वित्त विभागाने निधी वितरीत न केल्यामुळे १० कोटी रुपयांची संपूर्ण अर्थसंकल्पीय तरतूद वापराशिवाय पडून राहिली आणि मार्च, २०१४ मध्ये परत करण्यात आली आहे. त्याप्रमाणे मेरिटाईम बोर्डाचे अधिकारी कोण आहेत ? वित्त विभागाने १० कोटी रुपये खर्च करण्यास परवानगीच दिलेली नाही, काय परिस्थिती होती, काय झाले, निधी का मिळाला नाही समिती हे जाणून घेवू इच्छिते. कारण, विभागाने दिलेले उत्तर समितीस संयुक्तिक वाटत नाही. मूळ तरतूद असताना अमान्य कसे करता येईल ? असे मुद्दे समितीने उपस्थित केले असता खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी नमुद केले की, ही योजना १३ व्या वित्त आयोगाच्या निधीतून पूर्ण करावयाची होती. केंद्र शासनाकडून निधी प्राप्त झाला तर निधी उपलब्ध करुन द्यावा असे धोरण होते. त्यावर्षी केंद्र शासनाकडून निधी प्राप्त झालेला नसल्याने वित्त विभागाकडूनदेखील त्यावेळी सदर कामासाठी निधी विभागास उपलब्ध करुन दिला गेला नाही.

३०० भारतीय रेल्वे-धोरण निश्चिती, संचालन, संशोधन व इतर संकीर्ण संघटना या अंतर्गत रेल्वेने २५ कोटी रुपये निधी दिला. त्याप्रमाणे राज्य शासनाने २५ कोटी रुपये उपलब्ध करुन दिले. विभागाने ६३ कोटी ७२ लाख रुपयांचे नियोजन केले. ते प्रकल्प अजून पूर्ण झालेले नाहीत, असा महालेखाकारांचा अहवाल आहे. राज्य शासन यासाठी पाठपुरावा करण्यामध्ये कमी पडले काय ? विभागाला रेल्वेकडून जास्त निधी मिळाला असता तर विभागानेही तेवढी रक्कम खर्च केली असती. याबाबतची कारणे विशद करावीत आणि २५ कोटी रुपये कोणत्या प्रकल्पावर खर्च करण्यात आलेले आहेत ? याबाबत समितीस माहिती द्यावी अशी विचारणा केली असता याबाबत खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, सन २०१३-१४ मध्ये विभागाला ६३.७२ कोटी रुपये मूळ निधी प्राप्त झाला होता. त्यापैकी अहमदनगर-बीड-परळी-वैजनाथ या प्रकल्पासाठी २० कोटी रुपये वितरित करण्यात आले होते आणि वर्धा-यवतमाळनांदेड या प्रकल्पासाठी ५ कोटी रुपये वितरित करण्यात आले होते. उर्वरित ३८ कोटी ७२ लाख रुपये वित्त विभागाकडे सरेंडर केलेले आहेत. दिनांक ३१ मार्च, २०१४ पर्यंत रेल्वे विभागाने या प्रकल्पावर १६६ कोटी रुपये खर्च केला होता आणि त्या तुलनेत राज्य शासनाने १७८ कोटी रुपये खर्च केला होता. मागील ३ वर्षात या परिस्थितीत बदल झालेला आहे. विभागाची दिनांक ३० सप्टेंबर, २०१६ पर्यंतची आकडेवारी बघितली तर या प्रकल्पावर एकूण ५६८ कोटी रुपये खर्च झालेला आहे. रेल्वे विभाग आणि राज्य शासन यांनी सम प्रमाणात खर्च केलेला आहे. विभागाने यावर्षी रेल्वे प्रकल्पांना आपले जे अंशदान आहे ते देण्यासाठी ५०३ कोटी रुपयांची पुरवणी मागणी देखील मान्य करुन घेतलेली आहे. यावर्षीच्या अखेर पर्यंत रेल्वे व विभागाचा खर्च सम प्रमाणात होईल, असे नियोजन विभागाने केलेले आहे. त्याचप्रमाणे, वर्धा-यवतमाळ-नांदेड प्रकल्पाची दिनांक ३० सप्टेंबर, २०१६ पर्यंतची आकडेवारी बघितली तर रेल्वे विभागाचे ६० टक्के आणि विभागाचे ४० टक्के प्रमाण राहिलेले आहे.

त्यावेळी हे प्रमाण किती होते ? अशी विचारणा समितीने केली असता, त्यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, ४०:६० चे ॲग्रीमेंट आहे.६०:४० चा निकष आता लागू झालेला आहे त्यावेळी देखील कॅबिनेटचा निर्णय ४०:६० चा होता. ६३ कोटी ७२ लाख रुपयांपैकी ३८ कोटी ७२ लाख रुपये समर्पित केलेले आहेत. त्यांच्याकडून ६० टक्के प्रमाणे निधी प्राप्त झाला नाही. म्हणून खर्च करु शकलो नाही. ते प्रकल्प कोणते होते आणि विभाग रेल्वे विभागाकडून पैसे मिळविण्यात कमी पडले आहेत काय ? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, त्यावेळी दोन प्रकल्पांसाठी पैसे देण्यात आले होते रेल्वे मंत्रालयाकडून या प्रकल्पांवर कमी खर्च का झाला, असा समितीचा मुद्दा असल्याने या संदर्भात झालेल्या बैठकीतून जी माहिती प्राप्त झाली त्या आधारे रेल्वेचे वेगवेगळ्या ठिकाणी प्रकल्प सुरु आहेत आणि त्यांचा पसारा एवढा मोठा आहे की, ते प्रत्येक प्रकल्पासाठी आवश्यकतेनुसार निधी उपलब्ध करुन देऊ शकत नव्हते. आता देखील त्यांच्या समोर ती अडचण आहेच. परंतु, मागील २ वर्षात या दोन्ही प्रकल्पांना रेल्वेकडून अधिकचा निधी प्राप्त होत आहे.

५०३ कोटी रुपयांची पुरवणी मागणी घेतली होती. कारण या प्रकल्पांसाठी रेल्वेने निधी उपलब्ध करुन देण्याचे नियोजन केले आहे. त्यांनी जो निधी उपलब्ध करुन दिलेला आहे तो जास्त आहे. मागील दोन वर्षात केंद्र शासनाने अर्थसंकल्पात रेल्वे व रस्त्यांसाठी मोठ्या प्रमाणात तरतूद केली आहे. जवळपास ९० हजार कोटी रुपये रेल्वे प्रकल्पांच्या भांडवली खर्चासाठी उपलब्ध होत आहेत. इंटरनल ॲप्रुव्हल बॉरोईंग आणि बजेट सपोर्ट म्हणून रस्त्यांसाठी ७० हजार कोटी रुपयांची तरतूद उपलब्ध झालेली आहे. ही तरतूद मागील काही वर्षात करण्यात आलेल्या तरतूदीपेक्षा खूप जास्त आहे, त्याप्रमाणात आता निधी उपलब्ध होत असल्याने राज्य सरकारला अधिकचा निधी द्यावा लागत आहे म्हणून पुरवणी मागणी मोठ्या रकमेची करावी लागली आहे. या दोन्ही प्रकल्पांबाबत समितीला सविस्तर टिप्पणी सादर करण्याचे सचिवांनी आश्वासित करुनही अद्याप माहिती प्राप्त नाही.सदर टिप्पणीतून रेल्वे प्रकल्पांची काय परिस्थिती आहे याची माहिती समितीस अवगत होणार होती.

आजच्या या बैठकीत सर्व पॅराबाबत चर्चा करीत असताना समितीने विभागाला अनुदान मंजूर करण्यात आले असून ते अनुदान वित्त विभागाने वितरीत केले नाही. त्यामुळे विभागाकडून ते रेकॉर्डला सरेंडर दाखविले जाते. रक्कम सरेंडर दाखविली की, समिती विभागाला बोलविते. त्यामुळे समितीचा वेळ वाया घालविण्याचे काम होत आहे असे समितीला वाटते. याबाबत एजी यांच्याकडून समितीची अशी अपेक्षा राहणार आहे की, वित्त विभागाकडून संबंधित विभागाला निधी मिळालाच नाही. त्यामुळे विभाग तो निधी उपयोगात आणू शकत नाही. विभाग खर्च करण्यास तयार आहे, वित्त विभाग निधी देत नसेल तर ती संबंधित विभागाची चूक नाही. वित्त विभागाने निधी दिला व तो विभागाने खर्च केला नाही तर विभागांकडून स्पष्टीकरण मागविले पाहिजे. विभागाने रक्कम सरेंडर करण्याबाबत सांगितले की, वित्त विभागाने २० टक्के रकमेला कट लावला आहे, एका प्रकरणात वित्त विभागाने ३८ कोटी रुपये दिले नाहीत, १० कोटी रुपयांबाबत विभाग १३ व्या वित्त आयोगाचा उल्लेख केला आहे. ती प्रोव्हीजन ठेवावी लागते. त्यांच्याकडून रक्कम प्राप्त झाली की, देण्यात येते. या सर्व टेक्निकली बाबी आहेत, याबाबत एजी यांनी विचार केला पाहिजे, त्याचप्रमाणे विभागांकडील अधिकारी/कर्मचारी एजी कार्यालयातील अधिका-यांना कॉन्फरन्समध्ये समर्पक उत्तरे देत नाहीत. त्यामुळे हा वेळ वाया घालविण्याचे काम सुरु आहे. कट लागला असेल तर पैसे विभागाला मिळाले नाहीत, त्यामुळे विषय तेथेच संपतो. जेवढा निधी मिळाला तेवढा खर्च केला. जेवढा निधी मिळाला तेवढा खर्च केला किंवा खर्च केला नाही तर त्याबाबत तपासणी करण्यासाठी समिती आहे. जास्तीचे खर्च केले, कमी खर्च केले, का केले, रक्कम का शिल्लक राहिली आहे, अशा प्रकारचे पॅरा समितीसमोर मोठ्या प्रमाणात आले आहेत. समितीला असे वाटते की, येथे बसून समिती जी तपासणी करते, त्या अनुषंगाने एजी यांना अशी सूचना करतो की, जो विषय विभागाच्या हातात नाही. वित्त विभागाच्या हातात आहे, वित्त विभागाकडून निधी मिळाला नाही तर तो विषय आपण उपस्थित करु नका असे समितीने मत नोंदविले. महालेखाकार यांनी समितीच्या माध्यमातून नमूद केले की, जे बजेटनुसार कट लागलेला असतो. यामध्ये असे असते की, ज्या बाबीमध्ये अधिक खर्च झाला किंवा बचत झाली असेल तो मुद्दा समितीसमोर घ्यावा. कारण ती बाब एजी कार्यालयाला दाखवावी लागेल. बजेट किती होता व बचत किती झाली ही बाब दर्शवावी लागेल. ८० टक्के खर्च करायचा आहे व २० टक्के कपात करण्यात येते. ही सर्व माहिती त्यामध्ये येईल. ज्या बाबीवर जास्त खर्च झालेला आहे किंवा बचत झालेली आहे ते पॅरा महालेखाकारांनी सिलेक्ट केले तर समितीचा उद्देश सफल होईल. सदर बाबीवर किती बजेट होते व किती खर्च झाले किंवा बचत झाली हे तर यामध्ये नमूद करावे लागेल. पॅरा सिलेक्ट करतांना चर्चा करुन तो सिलेक्ट करावा लागेल. जेवढे बजेट झाले तेवढ्या बाबी यामध्ये दर्शवाव्या लागतील. सिलेक्शन करते वेळी त्याचा विचार करावा लागेल.

**अनुदान क्रमांक बी-१०**

५०५५ मार्ग परिवहनावरील भांडवली खर्च, १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांतील गुंतावणुका, १९० (००) (०१) महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाला भांगभांडवली अंशदान अंतर्गत सन २०१३-२०१४ मध्ये अंदाजित चलन किलोमीटरमध्ये०.६० कोटी आणि अंदाजित भारमानाच्या टक्केवारीत २.७० ने घट झाल्यामुळे अंदाजित महसूलामध्ये सुध्दा १०४.९५ कोटी रुपयांची घट झाली आहे. याबाबत समितीला माहिती देताना विभागीय सचिवांनी सांगितले की, विभागाने साडेपाच टक्के भांडवली अनुदान देत होतो. जो कर गोळा झाला त्यातील साडेपाच टक्के द्यावे. १७.५० टक्के प्रमाणे कर गोळा झाल्यावर त्यातील साडेपाच टक्के रक्कम द्यावयाची आहे. किती प्रवाशांची एसटीची सेवा घेतली आणि किती महसूल त्यातून मिळाला त्याच्या साडेसतरा टक्के व त्यातील साडेपाच टक्के रक्कम द्यावयाची होती. त्या वर्षात भारमान कमी झाल्यामुळे अपेक्षित महसूल मिळालेला नाही त्यामुळे ही रक्कम सरेंडर झाली आहे. त्यामुळे नियमाप्रमाणे तो निधी त्यांना देय नव्हता म्हणून तो सरेंडर झालेला आहे. विभागाने ५७७ लाख १८ हजार रु. मार्च २०१४ मध्ये सरेंडर करण्यात आले आहेत असे समितीने निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की,विभागाकडे जो प्रवासी कर गोळा होतो तो कमी गोळा झाला, तिकिटे कमी विकले, म्हणून कर कमी गोळा झाला, त्यामुळे तो पैसा विभागाला परत करावा लागला. पैसा दिलेला नसून ती बुक ॲडजेस्टमेंट करण्यात आलेली आहे. पैसा दिला किंवा पैसा घेतला असा कोणताही विषय नाही त्यामुळे ती रक्कम सरेंडर दाखविण्यात आलेली आहे.

४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च परिवहन लेखाशिर्षांतर्गत कार्यालयासाठी भूमीसंपादनाची प्रक्रिया वेळेमध्ये पूर्ण न झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये ५८९.५६ लाखांचा निधी समर्पित करण्यात आलेला आहे असे समितीने निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, भू-संपादनाची काही प्रक्रिया पूर्ण झालेली नाही त्यामुळे वेळेत अवॉर्ड पारीत न झाल्यामुळे तो निधी परत करावा लागला आहे. ही प्रक्रिया जिल्हाधिकारी कार्यायालकडून करण्यात येते. त्यावेळी पनवेलसाठी ३.३८ कोटी रुपये, परभणी व बुलढाणा येथील कामांसाठी रक्कम खर्च करण्यात आली असून इतर ठिकाणी अवॉर्ड झाले नसल्यामुळे रक्कम खर्च करता आली नाही. ५.८९ कोटी रुपये कोठे कोठे खर्च झालेले नाहीत,असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता, कोणत्या ठिकाणी खर्च झाले याची माहिती विभागाकडे असून पनवेल येथे ३.३८ कोटी रुपये खर्च झाले आहेत असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

विभागाने सुरुवातीला १० कोटी रुपयांचे अनुदान मागितले होते, त्याचे नियोजन करण्यात आले होते की, रॅन्डमली मागणी करण्यात आली होती. यासंदर्भातील सद्यःस्थिती आता काय आहेअशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, नांदूर, अंबोजोगाई, भंडारा, पेण,वसई, परभणी व बोरिवली येथे जागा मिळविण्याचा प्रयत्न सुरु होता. या ठिकाणी जागा उपलब्ध झाल्या नाहीत म्हणून निधी खर्च करता आलेला नाही. ज्या ठिकाणी अवॉर्ड झाले त्या ठिकाणी निधी खर्च करण्यात आलेला आहे.आता विभागाकडे एकूण ५० कार्यालये आहेत.

भूसंपादनाची प्रक्रिया विभागाकडून करण्यात आली नाही त्यामुळे निधी शिल्लक राहिला आहे. त्यानंतर सन २०१४ ते २०१७ या कालावधीत भूसंपादनाची कार्यवाही पूर्ण झाली आहे काय ?असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता यासंदर्भातील सविस्तर माहिती समितीला सादर करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वास्त केले.

सीसीटीव्ही प्रकल्पाची प्रक्रिया अंतिम न झाल्याने आणि प्रकल्पाचे काम पूर्ण न झाल्याने निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. प्रक्रिया पूर्ण न झाली म्हणजे नेमके काय? विभागाकडून वर्षभरात प्रक्रिया पूर्ण केली जात नाही? याबाबत विभागीय सचिवांनी सांगितले की, मुंबई शहरात सीसीटीव्ही यंत्रणा बसविण्याचा निर्णय २०११ मध्ये झाला होता. त्यानुसार प्रकल्प अहवाल तयार करण्यात आला आणि निविदा प्रक्रिया करण्यात आली. वित्त विभागात असलो तरी या प्रकल्पाबाबत जवळपास ७० ते ८० बैठका केलेल्या आहेत. या प्रकल्पाची रुपरेषा अत्यंत महत्वकांक्षी होती. याचे कारण म्हणजे जगातील कोणत्याही मोठ्या शहरात एकाच वेळी साडेपाच ते सहा हजार कॅमेरे कोणत्याही देशाने लावले नव्हते. लंडन मध्ये खूप कॅमेरे आहेत, परंतु ते ऑरगॅनिकली हळूहळू लावण्यात आलेले आहेत. न्युयॉर्कमध्ये देखील कॅमेरे आहेत, परंतु तेही हळूहळू लावण्यात आले आहेत. पॅरीस शहरामध्ये तर कॅमेरे लावू दिले नाहीत, याचे कारण म्हणजे तेथील जनतेचे म्हणणे आहे की, यामुळे प्रायवसीला बाधा येते. परंतु विभागाने यासंदर्भातील निर्णय घेतला व या प्रकल्पाची रुपरेषा ठरविली, तसेच त्याचे स्पेक्स ठरविण्यात आले. याकरिता वेगवेगळ्या टेक्नॉलॉजीचा देखील अभ्यास करण्यात आला. विभागाकडे असलेले अतिशय निष्णात अधिकारी म्हणजेच आयआयटीमधील कॉम्प्युटर सायन्समधील इंजिनिअर्स, जे आयएएस व आयपीएसमध्ये होते, त्यांनी याबाबत खूप अभ्यास करुन यासंदर्भातील टेक्नॉलॉजी ठरविली. पॅरामीटर्स, कॅमेरे कसे असावेत, त्याचे चित्र किती अंतरावरुन स्पष्ट दिसले पाहिजे, नेटवर्क क्षमता काय असावी, स्टोरेज कोठे करावे, स्टोरेज डीव्हाईसमध्ये करावे की आवश्यकतेप्रमाणे करावे अशा विविध बाबींचा समावेश होता. विभागाने लाईफ फीड प्रक्रीया स्वीकारली होती. विभागाने जी निविदा प्रक्रिया काढली त्यात यशस्वी झाला. त्यात तीन पार्टनर हवे होते. पहिले एक्यूपमेंट प्रोव्हाईडर जे सीसीटीव्ही आणि इतर व्हिडीओ ॲनॅलिटीक्स जे आवश्यक होते ते प्रोव्हाईड करणार होते. दुसरे नेटवर्क प्रोव्हाईडर Which could be either Companies like MTNL in Mumbai or Bharti Airtel, Reliance. Thirdly, we need a System Integrator to man and maintain the entire system. विभागाने ज्यांना निवडले ते एमटीएनलला सोबत घेऊन आले होते, but MTNL, Delhi blacklisted that person. Secondly, that person wanted to bring Reliance as a Partner. Then the Advocate General advised that it would not be in keeping with the terms. So, this particular decision, though taken, could not move forward. Second time again we went for bid and a very good Party apparently came in. This Party looked very sound from the view of parameters, they had big office in Ahmedabad, but when we actually awarded the tender they ran into some financial difficulties. We gave them lot of opportunities. मैंने तो एक मिटिंग मे कहा है की आप २ करोर रुपये की लागत ले आईए तो हम समझेंगे की आप आगे बढ़ रहे है. But they could not do it and finally they moved away. Third time, we thought of entering into MOUs directly with BSNL, MTNL. But that also did not work out because there was no way of discovering the price and correct competitive bid. In the fourth Bid, we got a very good consortium with L & amp; T in the lead. Once we got L & amp; T in the lead with MTNL as network provider and CMS as the System Integrator then there was confidence that this project would move forward. Since, then the project has moved forward. As regards the question of budgeting, once the Govt. decided, then this money had to be made available on the assumption that this will happen. Although we were aware that there would be difficulties but we made the money available.

आज त्यांची काय स्थिती आहे? अशी विचारणा समितीने केली असता पाच हजार कॅमेरे लावलेले आहेत. यामध्ये सेंट्रलाईज्ड मॉनिटरिंग व्हिडीओ, व्हीडीओ ॲपनॅलिटीक्स मध्ये तीन महत्वाच्या गोष्टी घेतल्या आहेत. First one is Picture Intelligence Unit. Second one is Suspicious objects and movement recognition. Third one is automatic number plate recognition. These are three important video analytics which we have incorporated. The Video analytics part is getting stabilized. Furthermore, additional cameras are to be put up. There is also an issue of ensuring that the feed of cameras of other institutions like Railways, Hotels, Malls, theaters to be integrated with our system. So, that pilot has been done and the feed can be taken to our central control room. डेटा सेंटर बहुत बडा बनाया है. It was a big challenge. There was a debate whether we should have a data center or not, whether it should be done phase wise. Finally, there was a view that we should go forward and this is how the Project has been done. The budgeting was always optimistic budgeting that we will achieve this goal and for want of money the project should not suffer a setback असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

विभागाचे एक्सपॉन्शनचे टारगेट काय होते? अशी विचारणा समितीने केली व महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून निदर्शनास आणले असता, विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, यात खास नाशिकच्या कुंभमेळयासाठी विभागाने २०० लाख रुपये सप्लीमेंटरी मागितली.विभागाचे एक्सपॉन्सनचे टारगेट ७५०० पर्यंत चाललेले आहे.त्याचप्रमाणे It was felt that Dept. should also include Nashik. But then the view of D.G. Police was that time is too short to do full fledged CCTV system and they would do temporary makeshift CCTV system. Accordingly, it was implemented. Therefore, the money for Nashik could not be spent at that point of time.

गृह विभाग वित्त विभागाकडे पैशांची मागणी करतात परंतु खर्च मात्र करत नाहीत. असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले असता,त्यावर खुलासा करतांना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, As Secretary of finance, I could not refuse this kind of demand. I have not refused a single demand of the Police Department. There may be grave implications involved and for lack of preparedness our forces should not lack and this was the main concern. So, whenever, Home department came and said we need this, we said yes, you will get it. We will not come in the way in terms of lack of resources.

२६/११ च्या हल्ल्यापासून ज्या गोष्टींसाठी शासनाने पैसे दिले त्यातील कोणतेही पैसे वेळेवर खर्च केलेले नाहीत असे समितीने निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, it is very easy for the department to take a conservative view and say that we cannot spend it and not ask for money and for the finance department to say that you are not prepared and we will not give the money, I don't think that it will take us forward. The department must be in a position to take the risk and look forward optimistically.

विभाग यासंबंधी कोणतीही रिस्क घेत नाहीत, परंतु याचा परिणाम मात्र लोकांच्या रिस्कवर होत आहे असा मुद्दा समितीने उपस्थित केले असता,विभागीय सचिवांनी सांगितले की, It was budgeted. The Home Secretary could have easily said that I don't need this money.

सन २०१२-२०१३ मध्ये गृह विभागाने वेळेअभावी पैसे खर्च केले नाहीत. आता सन २०१३-२०१४ मध्ये गृहविभागाने नवीन कार्यक्रम घेतला. सात महिन्यापूर्वी यासंबंधीचा आढावा घेतला. एकूण १२२ कोटी रुपयांचा कार्यक्रम रिव्हॅलिडेट केलेला आहे. ती प्रक्रिया आता विभाग सुरु करीत आहेत. So, whatever was the programme, we took a full stock and said that this 122 crores would be made available so that the programme would be completed. I can say one thing with humility but with firmness that whatever was required by the police department for the security and internal security, we ensured that they will never be wanting on the resources side. On the procurement there have been challenges but when I look at it over a period of ten years, I found that they have covered almost 95% of the procurement. असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

सन २०१३-१४ पुणे व मुंबई शहरामध्ये सीसीटीव्ही बसविण्यासाठीचा १४,९७८ लाख रुपये निधी व नाशिक येथे सीसीटीव्ही बसविण्याचा २ कोटी रुपये निधी अखर्चित राहिला आहे. पोलीस अधिक्षक, गोंदिया यांचेकडे सीसीटीव्ही कॅमेरे बसविण्याकरिताचा दीड कोटी रुपये निधी मागील ४ वर्षापासून खर्च करण्यात आला नाही. डीपीडीसीचा फंड असताना उक्त निधी खर्च करता येत नाही, विभागाने काय रिव्हॅलिडेट काय करता ? सीसीटीव्हीच्या मुद्यावर चर्चा सुरु असल्यामुळे सदरहू बाब समितीने निदर्शनास आणली असता की, विभागीय सचिवांनी सांगितले की, समितीने केलेल्या सूचनेनुसार विभागाने उक्त प्रकरणाची नस्ती नियोजन विभागास सादर केली होती त्यावर अद्याप अभिप्राय प्राप्त झाले नाहीत.

शासनाचे म्हणणे आहे, पैसे प्रत्यार्पित करा कारण निधी रिव्हेलिडेट होत नाही. सदरहू प्रकरणी विभागाने देखील निधी प्रत्यार्पित केला आहे. परंतु पोलीस अधिक्षक गोंदिया यांचेकडून सदरहू निधी प्रत्यार्पित करण्यात येत नाही व खर्च ही करण्यात येत नाही. आतापर्यंत सदरहू निधी बँकेत एफडी करुन ठेवला असता तर दीड कोटी रुपयांचे आतापर्यंत ४ कोटी रुपये झाले असते, परंतु त्यांनी तसे केले नाही. विभागाने पैसे प्रत्यार्पित केल्यामुळे त्या वर्षीचा निधी लॅप्स झाला. विभागाने सांगितले की, बांधकाम विभागाने प्रशासकीय मान्यता दिल्यानंतर नियमित योजनेतून त्यासाठी निधी मिळतो. परंतु पुढील वर्षी सीसीटीव्हीचा निधी प्रत्यार्पित केल्यामुळे अधिक मिळेल असे विभागाने गृहीत धरु नये. विभागाने बांधकामासाठी ३०० कोटी रुपयांऐवजी १५०० कोटी रुपयांचे काम हाती घेतले तरी त्यासाठी ३०० कोटी रुपयेच निधी मिळाला आहे, अशी समितीची माहिती आहे. किती काम हाती घेतले व त्यावर्षीचे पैसे लॅप्स झाले तर विभागाची संधी निघून जाते अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, त्याचप्रमाणे या १४९.७८ कोटी रुपयांचे काय झाले ? ते लॅप्स झाले की सरेंडर करण्यात आले.

मुंबई व पुणे शहरामध्ये या मिनिटाला सी.सी.टी.व्ही. कार्यान्वित झालेले आहेत का, याबाबतची सद्यस्थिती काय आहे ७ हजार सी.सी.टी.व्ही. लावण्यात आले आहेत. मुंबई व पुणे शहरामधील सी.सी.टी.व्ही. कार्यान्वित करण्यात आले आहेत. नाशिक शहारामध्ये कुंभमेळयासाठी तात्पुरत्या स्वरुपात सी.सी.टी.व्ही.ची व्यवस्था करण्यात आली होती. नाशिक येथील सी.सी.टी.व्ही.साठी प्रशासकीय मान्यता प्राप्त झाली आहे. परंतु डी.पी.आर. मान्यतेचा विषय विचाराधीन आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

नागरी क्षेत्रासाठी सी.सी.टी.व्ही.लावण्यासंदर्भात नवीन योजना काय आहे ? अशी विचारणा समितीने केली असता, विभागीय सचिवांनी सांगितले की, याबाबतचे धोरण असे मान्य झाले आहे की, ज्या ज्या ठिकाणी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट आहे, तेथे सी.सी.टी.व्ही. चे काम हे स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अंतर्गत तयार होणा-या पायाभूत सुविधांशी म्हणजे आय.टी. इन्फ्रास्ट्रक्चरशी जोडून केले जावे. म्हणून नाशिकचा डी.पी.आर. त्याच्याशी सांगड घालण्याच्या विचाराधीन आहे. नागपूर येथील सी.सी.टी.व्ही.प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी प्रोजेक्टमध्ये अंतर्भूत करण्यात आलेला आहे.

पुणे शहरातील सी.सी.टी.व्ही. चे १०० टक्के काम पूर्ण झाले आहे का ? त्याचप्रमाणे पुण्यातील सी.सी.टी.व्ही. प्रकल्प कार्यरत आहे. विभागाने अगोदार जो संपूर्ण प्लॅन तयार केला होता त्याप्रमाणे १०० टक्के कार्यवाही झाली आहे काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता, विभागीय सचिवांनी होकारार्थी उत्तर देऊन काम झाले असल्याचे सांगितले.

महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून विचारणा केली की, विभाग नाशिक येथील २०० लाख रुपये सरेंडर केले कारण नाशिक येथे परमनंट सी.सी.टी.व्ही.सिस्टीम बसविण्याचा निर्णय निश्चित करता आला नाही. टेम्पररी बेसिसवर कुंभमेळयासाठी विभागाने ही तरतूद मागितली होती. ती ना टेम्पररी बेसिसवर बसवली गेली, ना परमनंट बेसिसवर. Why such discrimination towards Nashik city ? यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, यासाठी प्रशासकीय मान्यता प्राप्त झालेली आहे. मुख्य सचिवांच्या समितीने यासाठी शिफारस केलेली आहे. डी.पी.आर. हा आय.टी. इन्फ्रास्ट्रक्चर या मुद्द्यावर सांगड घालण्याच्या विचारधीन आहे. इंटीलिजन्ट सिटी असा आय.टी.चा प्रोग्राम आहे व त्याअंतर्गत हे सी.सी.टी.व्ही. बसवावेत व सी.सी.टी.व्ही. सिक्यूरीटीचा जो नेटवर्क आहे तो Security and City Facility Management including traffic, a water supply, sewerage and other facilities that may be there, याच्याशी सांगड घालण्यासाठी विचाराधीन आहे. यामध्ये २ कोटी रुपये सरेंडर करण्यात आले, नाशिकमध्ये सी.सी.टी.व्ही. बसविण्यासाठी १५० कोटी रुपये जमा केले, मुंबई व पुणे येथेही सी.सी.टी.व्ही. बसवायचे आहेत. हे सर्व करीत असताना कोणताही पूर्ण आराखडा किंवा योजना काहीही नसताना विभाग पैसे जमा करुन घेतो व त्यामुळे शेवटी त्या योजनेला पूर्णपणे कार्यान्वित न करता हा निधी मार्च अखेर सरेंडर करावा लागतो. पुढील वर्षी नवीन कार्यक्रमांतर्गत पैसे घेतो कारण पूर्वीचे पैसे लॅप्स झाले, परंतु योजना जिवंत ठेवली. विभागाने पुढील पॅरामध्ये सांगितले आहे की, २००३-०४ पासून २००५-०७, २०१२-१३ पर्यंत सर्वांचे रिव्हिलीडेशन केले. प्रशासकीय

मान्यता केली याबद्दल विभागाचा विनियोजनामध्ये काही विषय नाही. विभागाचे पैसे लॅप्स झाले याच विषयावर समितीची चर्चा असते. विभागाने योजना सुरु ठेवली किंवा बंद केली याबद्दल समितीचे काही म्हणणे नाही. तुम्ही पैशांचे नियोजन केले आणि त्याचा विनियोग बरोबर केला नाही त्याबद्दल समितीची चर्चा असते. विभागाचे म्हणणे आहे की, पुढील वर्षी करुन घेण्यात आले असते, पुढील वर्षी रिव्हिलीडेट केले. You have only revalidated Administrative Approval and amount has already lapsed. त्याबद्दलच चिंता व्यक्त करण्यात येत असल्याचे समितीने निदर्शनास आणले असता यावर विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले की, या ठिकाणी अर्थ सचिव बसलेले आहेत विभागाचा प्रोग्राम आणि अर्थ खात्याची भूमिका यामध्ये थोडासे टेन्शन असणे स्वाभाविक आहे. तो टेन्शन नसेल तर विभागाचा हा ढाचा देखील उभा राहू शकत नाही. प्रश्न असा आहे की, समितीने अतियोग्य मुद्दा मांडला आहे. विभागाची एवढीच विनंती आहे, मागे देखील आपला हा विषय चर्चेला आला होता. विभागाला जनहिताच्या दृष्टीने एक प्रोग्राम घ्यायचा असतो. आवश्यकतेप्रमाणे ते प्रोग्राम तयार करतात. तो तयार करत असताना काही गृहीतके असतात की, आपण हे साध्य करु शकू व यासाठी आपल्याला हा निधी लागेल. त्या गृहीतकांच्या आधारे ते आपली मागणी प्रक्षेपित करतात. अर्थखात्याकडे जी साधने उपलब्ध असतात व त्यातील प्राथम्य मंत्रिमंडळ उपसमितीकडून किंवा मंत्री महोदयांकडून ठरला जातो. त्या प्राथ्यम्याच्या आधारे आपण निधी अर्थसंकल्पीत करतो. आता ती गृहीतके कितपत साध्य होण्यासारखी होती, तो चर्चेचा विषय असतो. परंतु सर्वसाधारणपणे सरकारची भूमिका अशी असते की, भूमिका ऑप्टिमिस्टिक असावी व हे साध्य करु शकू व त्यादृष्टीने पुढे जावे. त्यादृष्टीने मग अर्थसंकल्पीय तरतुदी, उपलब्ध साधनसाम्रग्रीच्या मदतीने पुढे चालतो.

विभागाने नाशिक विभागाच्या पोलीस आयुक्त किवा इतर कोणाच्या तरी मागणीनुसार २ कोटी रुपयांची सप्लिमेंटरी घेतली. काही नियोजन नसताना सप्लिमेंटरी लॅप्स झाली. शेवटी विभाग स्मार्ट सिटी आहे, हे करु ते करु असे सांगत आहे. पुढील पॅरामध्ये होमगार्डला वाहनांची गरज नाही व तशी प्रोव्हिजन केली आहे. यासाठी कोणाला तरी जबाबदार धरले पाहिजे. all these things have been vaguely planned and money has been taken for that. जेथे वित्त विभागाने अडविले तेथे समिती समजू शकते. वित्त विभागाने गृहविभागाला पैसे दिले नाही म्हणून गृह विभाग काही करु शकला नाहीत. परंतु जेथे पैसे उपलब्ध होतात तेथे रॅण्डमली दीडशे दीडशे कोटींचे प्रोव्हीजन करुन घेतात. काही योजना नाही. कोणतेही प्लॅनिंग नाही. त्या वर्षामध्ये खर्च करता येणार नाही. बजेटींगची प्रोव्हीजन अशी असली पाहिजे की, या वर्षी आपण १५० कोटी रुपयांचा प्लॅन केला परंतु आपले ५० कोटीच खर्च होणार. आपण ३०० कोटींची इमारत बांधतो त्यामध्ये १०० कोटी रुपये यावर्षी लागणार. समितीला असे वाटते की, हाऊसिंग डेव्हलपमेंट कॉपोर्रेशनच्या १२०० कोटी रुपयांच्या कामांना मान्यता दिली. परंतु त्यांना त्यावर्षी जेवढे पैसे लागणार तेवढीच तरतूद विभाग करणार.

आर्थिक सेवांवरील भांडवली खर्च ८०० इतर खर्च ८०० (००) (०८) न्याय सहाय्यक विज्ञान प्रयोग शाळेच्या कर्यालयीन इमारतीचे बांधकाम अंतर्गत सन २०१३-२०१४ या वित्तीय वर्षात राज्य वार्षिक योजनेतंर्गत प्रादेशिक न्याय सहायक वैद्यकीय प्रयोगशाळा अमरावती साठी १ कोटी ७३ लाख रुपये, औरंगाबाद प्रयोगशाळा यासाठी २७ लाख रुपयांचे अनुदान खर्च करण्यासाठी प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली नाही म्हणून निधी खर्च केलेला नाही. निधी उपलब्ध झाला, परंतु प्रशासकीय मान्यता न मिळाल्यामुळे निधी खर्च केलेला नाही.याला जबाबदार कोण आहे? अशी विचारणा समितीने केली असता. विभागीय सचिवांनी सांगितले की,उशिरा मान्यता मिळाल्यामुळे हा निधी विभागकडून खर्च करण्यात आला नाही. अमरावती प्रयोगशाळेसाठी १९ कोटी रुपयांची तरतूद केली त्यामध्ये १६ कोटी रुपये खर्च केलेले आहेत. प्रशासकीय मान्यता दिली नाही म्हणून निधी खर्च केलेला नाही असा ए.जी. चा आक्षेप आहे. प्रशासकीय मान्यता देण्याची जबाबदारी कोणाची आहे? अशी विचारणा समितीने केली असता. आता ती प्रयोगशाळा परिपूर्ण झालेली आहे.मे महिन्यात विभागाला निधी मिळतो, परंतु दहा महिन्यात प्रशासकीय मान्यता मिळत नाही. निधी उपलब्ध झाल्यानंतरही प्रशासकीय मान्यता मिळत नाही, असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता सदरची माहिती समितीला नंतर सादर करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले त्यानुषंगाने प्राप्त झालेली माहिती खालीलप्रमाणे आहेः-

न्यायसहाय्यक वैज्ञानिक प्रयोगशाळा संचालनालयामार्फत अमरावती प्रयोगशाळेच्या इमारतीच्या बांधकामाकरीता रु. १३,८१,२२,५००/- इतक्या अंदाजपत्रकास प्रशासकीय मान्यता देण्याबाबतचा प्रस्ताव दिनांक २६.९.२०१२ रोजीच्या पत्रान्वये शासनास सादर केला होता. सदर प्रस्तावास सार्वजनिक बांधकाम विभागाने दिलेल्या मान्यतेच्या अनुषंगाने त्यांनी रु. १०,७४,४४,५३६/- इतक्या खर्चाच्या अंदाजपत्रकास दिनांक २६.२.२०१३ च्या शा.नि. अन्वये प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली. तद्नंतर, मुख्य सचिव यांच्या अध्यक्षतेखाली झालेल्या शासकीय इमारतीच्या बांधकामांना मंजूरी देण्याबाबतच्या

दिनांक १२.८.२०१३ रोजी झालेल्या सचिव समितीच्या बैठकीत उर्वरित निधी हिवाळी अधिवेशनात अर्थसंकल्पित करुन घ्यावा व सुधारीत प्रशासकीय मान्यतेची कारणमिमांसा देवून प्रस्ताव पुन्हा सचिव समितीस सादर करण्याबात निर्णय झाला. त्यानुषंगाने दिनांक ३०.१०.२०१३ रोजीच्या पत्रान्वये संचालनालयाने रु. १३,८१,२,५००/- इतक्या सुधारीत रकमेच्या अंदाजपत्रकास मान्यता देण्याची विनंती केली. दिनांक २९.९.२०१५ च्या शासन निर्णयान्वये रु. ४,९४,००,००/- इतकी रक्कम उपलब्ध करुन देण्यात आली. त्यानंतर, दिनांक ४.३.२०१७ च्या शासन निर्णयान्वये रु. २,९५,८९,४६६/- इतकी रक्कम उपलब्ध करुन देण्यात आली. त्यानुसार, उपलब्ध निधीतून अमरावती प्रयोगशाळेचे बांधकाम जवळपास पूर्ण करण्यात आलेले आहेत.

८०० इतर खर्च ८०० (०१) (०१) शहर पोलीस (राज्य हिस्सा २५%)अंतर्गत सन २०१३-२०१४ मध्ये वित्तीय मान्यता न मिळाल्यामुळे ३२कोटी २५ लाख १९ हजार रुपये परत करण्यात आले. बजेटमध्ये तरतूद झाली, परंतु वित्तीय मान्यता का मिळाली अशी विचारणा समितीने केली असता विभागाकडे पूर्ण वर्षनिहाय स्टेटमेंट आहे. याबाबतची माहिती नंतर समितीला सादर करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले. **सदरहू माहिती खालीलप्रमाणे आहेः-**

पोलिस दल आधुनिकीकरण योजना सन २०१३-१४ चा वार्षिक कृती आराखडा (केंद्र शासनाकडून प्रस्ताव मान्यतेची वस्तुस्थिती)

(१) केंद्र शासनाच्या दिनांक २५.३.२०१३ च्या पत्रास अनुसरुन पोलिस दल आधुनिकीकरण योजनेचा सन २०१३-१४ चा वार्षिक अनुसरुन पोलीस दल आधुनिकीकरण योजनेचा सन २०१३-१४ चा वार्षिक कृती आराखडा मा. मुख्य सचिव यांच्या अध्यक्षतेखालील उच्चस्तरीय खरेदी समितीच्या दिनांक ३.६.२०१३ रोजीच्या बैठकीत सादर करण्यात आला. सदर समितीने दिलेल्या मान्यतेच्या अनुषंगाने दिनांक २४.६.२०१३ रोजी इतिवृत्त प्रसिद्ध करुन तदनंतर केंद्र शासनास दिनांक २.७.२०१३ च्या पत्रान्वये आराखडा सादर करण्यात आला.

(२) केंद्र शासनाच्या उच्चस्तरीय समितीची दिनांक २३. ७.२०१३ रोजी बैठक झाली. सदर बैठकीत झालेल्या निर्णयाच्या अनुषंगाने त्यांच्या दिनांक ७.८.२०१३ च्या पत्रान्वये सुधारीत आराखडा सादर करण्यास कळविले.

(३) पोलिस महासंचालक कार्यालयाकडून दिनांक १६.८.२०१३ च्या पत्राने सुधारीत प्रस्ताव प्राप्त झाला. सदर प्रस्ताव राज्य शासनाच्या मा. मुख्य सचिव यांच्या अध्यक्षतेखालील उच्चस्तरीय खरेदी समितीच्या दिनांक ३१.८.२०१३ रोजीच्या बैठकीत मान्यता दिल्यानंतर दिनांक १०.९.२०१३ च्या पत्रान्वये केंद्र शासनास सादर करण्यात आला.

(४) केंद्र शासनाचे दिनांक १.१०.२०१३ रोजीच्या पत्रानुसार सदर प्रस्तावास मान्यता प्राप्त झाली. तदनंतर हा प्रस्ताव वित्त विभागास दिनांक १८.१०.२०१३ रोजी सादर केला असता, त्यांच्या दिनांक ०१.११.२०१३ च्या टिप्पणीन्वये उपस्थित केलेल्या मुद्यांच्या अनुषंगाने दिनांक १८.१२.२०१३ रोजी प्रस्ताव वित्त विभागास पुन्हा सादर केला असता, त्यांच्या दिनांक १.११.२०१३ च्या टिप्पणीन्वये उपस्थित केलेल्या मुद्यांच्या अनुषंगाने दिनांक १८.१२.२०१३ रोजी प्रस्ताव वित्त विभागास पुन्हा सादर करण्यात आला व तदनंतर या विभागाच्या दिनांक १७.१.२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये सन २०१३-१४ च्या रु. २२५.४० कोटी रकमेच्या आराखडयास मान्यता देण्यात आली आहे. त्यामध्ये भाग-अ (योजनेतर) करीता रु. ७९.५३ कोटी रकमेच्या (केंद्र हिस्सा रु. ४७.७२ कोटी व राज्य हिस्सा रु. ३१.८१ कोटी) व भाग-ब (योजनांतर्गत) करीता रु. १४५.८७ कोटी रकमेच्या (केंद्र हिस्सा रु. ८७.५२ कोटी व राज्य हिस्सा रु. ५८.३४ कोटी) वार्षिक कृती आराखड्यास प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली. त्यापैकी, भाग-अ (योजनेतर) मधील रु. ७९.५३ कोटी रकमेमधील राज्य शासनाचा रु. ३१.८१ कोटी राज्य हिस्सा दिनांक २९.३.२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये वितरीत करण्यात आला.

पोलीस दल आधुनिकीकरण योजना अंतर्गत वार्षिक कृती आराखडा आणि त्या अंतर्गत अखर्चित राहिलेला निधी पुनर्जिवित करुन त्याचा विनियोग एकत्रितपणे करण्यात येत असल्याने, त्यानुसार एकत्रितपणे खरेदी करताना बहुतांशी निविदा प्रक्रिया राबविली जात असल्याने सदर प्रक्रियेस काहीसा कालावधी लागला आहे.

**पोलीस दल आधुनिकीकरण कार्यक्रमांतर्गत सन २०१२-१३ मधील अखर्चित रकमेचा पुनर्जिवित कार्यक्रम (Revalidation)**

त्याचप्रमाणे, पोलिस दल आधुनिकीकरण कार्यक्रमांतर्गत सन २००३-०४ आणि २००५-०६ ते २०१२-१३ पर्यंत अखर्चित रु. १०९.३० कोटी रकमेचा पुनर्जिवित कार्यक्रम (Revalidation) सन २०१३-१४ राबविण्याकरीता दिनांक ३०.८.२०१३ च्या शासन निर्णयान्वये प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली.

विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले की, सन २०११ मध्ये १६६ कोटी रुपयांची मान्यता मिळाली होती. यामध्ये ८३ कोटी रुपये केंद्र सरकारचा हिस्सा आला होता, तो पूर्ण खर्च केला आहे. त्याचे युटिलायझेशन करुन केंद्र सरकारला तसे कळविले आहे. पुढील वर्षी १८४ कोटी रुपयांचा कार्यक्रम दिला त्यामध्ये ९२ कोटी रुपये केंद्र सरकारचा हिस्सा होता. ते पैसे खर्च करण्यात आले असून त्याचे युटिलायझेशन झालेले आहे. १३५ कोटी रुपयांमध्ये ६७.९४ कोटी रुपये केंद्र सरकारचा हिस्सा होता, त्याचेही युटिलायझेशन केलेले आहे. सन २००१ ते सन २०१५-२०१६ पर्यंत आठ महिन्यापूर्वी विभागाने आढावा घेतला होता. त्यामध्ये १२२ कोटी रुपयांचा कार्यक्रम अखर्चिक राहिला आहे. त्याचे रिव्हॅलिडेट केलेले आहे. सन २०१३ ते २०१४ या कालावधीतील ए.जी. कार्यालयाचा आक्षेप आहे, तो क्लिअर झाला पाहिजे. असे समितीने सूचित केले.

८०० इतर खर्च ८०० (००) (०६) न्याय सहायक विज्ञान याअंतर्गत देखील तशीच परिस्थिती आहे. न्याय सहाय्यक विज्ञान. यामध्ये देखील केंद्र शासनाचा सहभाग होता. त्याची काय कारणे आहेत ? अशी विचारणा समितीने केली असता,विभागीय सचिवांनी सांगितले की, हौसिंग बोर्डाने धनादेशाद्वारे निधी दिलेला होता. यासंदर्भात एजींकडे नोंद झालेली नव्हती. नोट ऑफ एरर केलेली आहे. प्रत्यक्षात निधी खर्च झालेला आहे. सन २०१२-२०१३ मध्ये कळविण्यात आले होते. सार्वजनिक बांधकाम विभागाने योग्य ती दुरुस्ती करणे अपेक्षित होते. परंतु, ती दुरुस्ती त्यावेळी केलेली नाही. प्रत्यक्षात खर्च मात्र त्याच वेळी करण्यात आलेला आहे. या ठिकाणी फक्त हेड चुकलेला होता. यासंदर्भात एजी ऑफिसला माहिती दिलेली आहे. त्यानंतर योग्य ती दुरुस्ती केलेली आहे. सद्यःस्थितीत ऑनलाईन नोट ऑफ एरर करता येत नाही.

एजी ऑफिसला पत्राद्वारे माहिती दिलेली आहे काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता,एजीने लिहून दिले आहे की, " A Note of Error has been kept at major head 4055 for the year 2012-13 in the consolidated abstracts as follows. " असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

८०० इतर खर्च ८०० (००) (०८) पोलीस दलाच्या आधुनिकीकरण कार्यक्रमांतर्गत होमगार्डचे आधुनिकीकरण केंद्र हिस्सा (७५%) अंतर्गत This point is regarding administrative approval for vehicles. "Surrender of funds of Rs.1433.67 lakhs in march 2014. " महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून निदर्शनास आणून दिले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, This point is regarding modernisation of homegaurds. They had initially proposed to have some vehicles and afterwards the D.G. said that they don't need it. That is why the vehicles were not taken.

There is annual action plan approved by the department where it is decided the requirement of vehicles and communicated to the Govt. of India and accordingly the shares are decided. Then afterwards how it can be said that the vehicles are not required ? अशी विचारणा महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून केली असता. The programme is decided but there is always some flexibility. That is one of the reason why the components of the programme have changed. In this particular case, the Director General, Homegaurds said that he did not need the vehicles. So, the vehicles were not purchased असे विभागीय सचिवांनी अवगत केले. त्यांनीच प्रस्ताव दिलेला आहे. निधी आल्यानंतर गरज नाही असे म्हणणे संयुक्तीक आहे काय ? असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले असता.विभागीय सचिवांनी सांगितले की, If the rules are very strictly followed then it may be impossible for many departments to move forward in the manner in which it is expected from them.

महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून नमूद केले की, We would like to differ on this. Not for modernisation of police force programme. Right now, this programme is under review of the A.G. It follows a very strict procedure. There is a five year perspective plan in which the State is going into the details in each components त्यांना काय हवे आहे. पुन्हा ॲन्युअल ॲक्शन प्लॅनमध्ये डाऊटेड होतो. यानंतर केंद्र शासनाकडे निधीची मागणी केली जाते.

In this particular case may not be able to tell why the D.G. said that he did not need the vehicles. He said that he did not need the vehicles and the Government accepted it. I will look into it असे समितीस आश्वस्त केले.

मंत्रालयात नियोजन विभाग असावा की नसावा असा समितीला आता प्रश्न पडत असून महालेखाकारांनी नमूद केले की,विभागानेच नियोजन केलेले आहे. त्यांनीच ठरविलेले आहे.निधी मिळविणे हे किती कठीण आणि जिकरीचे काम असते. वारंवार पाठपुरावा केल्यानंतर निधी मिळतो, असे समितीने निदर्शनास आणले असता, विभागाला दरवर्षी उणीव असल्याचे दिसून येते. आताच १५ वर्षात मिळालेल्या निधीबाबतची माहिती दिलेली आहे. केंद्र शासनाकडून आलेला निधी किंवा त्या अनुषंगाने राज्य शासनाला जो हिस्सा द्यावयाचा आहे, तो परिपूर्ण खर्च केलेला आहे. यामध्ये आवश्यक ती कामे हाती घेण्यात आलेली आहेत. ही प्रक्रियात्मक अडचण आहे. केंद्र शासनाकडून उशिराने मान्यता मिळते. त्यानंतर राज्य शासनाकडून प्रक्रिया पूर्ण न झाल्यामुळे त्यावर्षीचा निधी खर्च होत नाही, ही वस्तुस्थिती आहे. त्यामुळे पहिल्या प्रथम वर्षाची मर्यादा काढून टाकलेली आहे. परिणामी कार्यक्रम अबाधित सुरु राहणार आहे. त्यावेळी तत्कालीन महासंचालक श्री. संजीव दयाळ यांना सूचना केलेली होती. या दृष्टीकोनातून बजेट उपलब्ध करुन दिलेला आहे. हा त्या वर्षाच्या कार्यक्रमाशी निगडित नाही. परंतु, एकूण वेळोवेळी ठरविण्यात आलेल्या कार्यक्रमाशी निगडित आहे. याबाबत अधिक स्पष्टता करुन दिलेली आहे. कोणतीही खरेदी मॅच्युअर होत असेल तर पुन्हा त्यासाठी नव्याने व्हॅलिडीटीची गरज राहणार नाही. या निधीतून त्यांना खर्च करता येणार आहे, असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

१२२ कोटी रुपये आतापर्यंत कॅरिफॉर्वड झालेले आहेत. त्याबाबत समितीने माहिती मागितली असता. खरेदी प्रक्रियाचे अनेक टप्पे असतात. It will be implemented but not necessarily in this year, असे विभागीय सचिवांनी सांगितले.

एकदा दिलेला बजेट हे २ किंवा ३ वर्षात खर्च करु शकता याबाबत वित्त विभाग मान्यता देईल काय ? अकाऊंटींग सिस्टिम मान्य करील काय ?असे मुद्दे समितीने उपस्थित केले असता सार्वजनिक बांधकाम विभागांतर्गत एखाद्या इमारतीच्या बांधकामासाठी १५ कोटी रुपयांची प्रशासकीय मान्यता दिली जाते. त्यानंतर त्या तरतुदीमधून वेळोवेळी खर्च केला जातो. सन २०१६-२०१७ मधील कार्यक्रमाला मान्यता दिलेली आहे. विभागाचाशिर्ष ४०५५ आहे. या हेडमध्ये तरतूद उपलब्ध असल्यामुळे त्यामार्फत विभागाचा कार्यक्रम सुरु राहणार आहे.या वर्षासाठी सदर शिर्षामध्ये १२५ कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आलेली आहे. या वर्षी देखील कार्यक्रम घेतला जाणार आहे आणि मागील वर्षाचा कार्यक्रम देखील अपूर्ण असल्यामुळे या वर्षीच्या कार्यक्रमासाठी जी तरतूद केली त्यामधून खर्च करावा लागणार आहे. मागील वर्षाच्या कार्यक्रमाला यावर्षी केलेल्या तरतूदीमधून खर्च करावयाचा असेल तर अशा वेळी केंद्र आणि राज्य शासनाची मान्यता लागत होती. आता कार्यक्रम निरंतर असल्यामुळे त्यासाठी पुन्हा राज्य शासनाची मान्यता घेण्याची आवश्यकता नाही. कारण त्यासाठी आवश्यक तेवढा बजेट दिलेला आहे. यासंदर्भात केंद्र शासनाबरोबर संवाद साधला जाणार आहे, असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

विभागाने हे चांगले केलेले आहे. मग हे राज्य शासनास लागू का केले जात नाही फक्त गृह विभागासाठी लागू केलेले असून इतर विभागासाठी असे लागू का केले असा प्रश्न समितीने उपस्थित केला असता.सार्वजनिक बांधकाम विभागांतर्गत एखाद्या इमारतीच्या बांधकामासाठी १५ कोटी रुपयांची प्रशासकीय मान्यता जाते. त्यानंतर त्या तरतुदीमधून वेळोवेळी खर्च केला जातो. अशा प्रकारे प्रशासकीय आदेशात बदल केलेला आहे. या लेखाशीर्षांतर्गत वेळोवळी होणा-या तरतूदीमधून खर्च करण्यात यावा,असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

समितीने उदाहरणा दाखल नमूद केले की, वाशिमला एक सेंट्रल जेल बांधलेले आहे. परंतु, ते बांधून झाल्यानंतर ६ वर्षापर्यंत आवश्यक तो अधिकारी आणि कर्मचारी उपलब्ध होत नव्हते. अधिकारी आणि कर्मचा-यांची नियुक्ती करण्याच्या प्रक्रियेसाठी जवळ जवळ ६ वर्षाचा अवधी लागलेला होता. भविष्यात एखादे सेंट्रल जेल किंवा पोलीस स्टेशन मंजूर केल्यानंतर आवश्यक तो अधिकारी आणि कर्मचारी वर्ग ताबडतोबीने भरला पाहिजे.त्यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, तसा निर्णय झालेला असून. मुख्य सचिवांनी इमारतीच्या संदर्भात निर्णय दिलेला आहे staff and the building must go together hand-in-hand.

इमारत बांधण्याची परवानगी दिल्यानंतर ती बांधली जाते. परंतु, त्यानंतर आवश्यक तो कर्मचारीवृन्द न मिळाल्यामुळे इमारतीमधील दरवाजे, खिडक्या या कालांतराने चोरीला जातात. इमारत पूर्ण होऊन ६ वर्षे उलटल्यानंतर जर त्या ठिकाणी कर्मचारीवृंद मिळत नसेल तर अशा वेळी बांधण्यात आलेल्या इमारतीचा उपयोग काय? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता, यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, आता निरंतर योजना असल्यामुळे नव्याने आदेश काढण्याची आवश्यकता नाही.

गोंदीया मतदारसंघात एसडीओ कार्यालय उभारण्यात आलेले आहे. कार्यालय बांधल्यानंतर तेथील अधिकारी आणि कर्मचा-यांना २१ महिन्यानंतर पगार मिळालेला आहे. अशा वेळी कर्मचा-यांना पगार देण्यासाठी वारंवार पाठपुरावा करावा लागतो. एखादी गोष्ट केल्यानंतर पुनश्च मान्यता घेण्यासाठी वेळ येऊ नये यासाठी प्रयत्न करण्याची आवश्यकता असून समिती एक महिन्यात मुख्य सचिवांना साक्षीसाठी बोलाविणार असल्याचे समितीने नमूद केले व महालेखाकारांनी समितीला एमपीएफबाबत माहिती देतानासांगितले की, ३ ते ४ वर्षापूर्वी केंद्र शासनाने एका स्वतंत्र एजन्सीकडून सर्व राज्यांचा परफॉम्सचा रिव्ह्यू केलेला होता. महाराष्ट्र राज्याने सदरहू कार्यक्रम स्लो स्पेंडींगमुळे सफर झालेला आहे, असा शेरा मारलेला आहे. सर्व परिच्छेदामधून हे सर्व निदर्शनास येत आहे. There is a clear remark and the department is aware of this. In the Exit Conference also we had presented this. प्रगतशील महाराष्ट्र राज्यासाठी हे भूषणावह नसल्याचे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले त्यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की,मध्यंतरी कार्यक्रम स्लो सुरु होता पंरतु, आता केंद्र शासनाकडून जेवढा निधी मिळालेला आहे, तेवढा खर्च केलेला आहे. There may have been a little bit of slow down at some stage.I have not seen this Report. I will have to see this Report.

समिती विभागाच्या अवलोकनार्थ त्याची प्रत पाठविणार असून केंद्र शासनाकडून उशिराने निधी प्राप्त झाला अशी आता माहिती दिलेली आहे. परंतु, अगोदरच्या वर्षीचा निधी खर्च न केल्यामुळे केंद्र शासनाने पुढील वर्षासाठीचा निधी कमी दिलेला आहे ही वस्तुस्थिती महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून निदर्शनास आणली असता.हा निधी उपयोगात टिलायजेशनची परिस्थिती सांगितलेली आहे. जवळ जवळ सर्व यु.सी. गेल्या आहेत असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

**अभिप्राय व शिफारशी :-**

**मागणी क्र. बी-३:-**

१.२ महाराष्ट्र राज्य प्रादेशिक परिवहन मंडळाच्या बसस्थानकांचे आधुनिकीकरण व सामग्रीची खरेदी

**अभिप्राय :-**

उप लेखाशिर्ष २०४१०३३२ या अंतर्गत मुळ तरतुद ३००.०० लाख रुपये करण्यात आली होती. त्यातून महाराष्ट्र राज्य प्रादेशिक परिवहन मंडळाच्या बस स्थानकाचे आधुनिकीकरण या अंतर्गत बांधकाम व इतर सोयी सुविधा या शिर्षाखाली सिंहस्थ कुंभमेळ्यासाठी रुपये १६०.०० लाख उपलब्ध करुन देण्यात आले. मात्र सदर रक्कम विभाग खर्च करु शकला नाही तसेच सामग्री खरेदीची मागणी न आल्यामुळे रुपये ९१.१३ लाख खर्च होऊ शकले नाही. अशा प्रकारे एकूण रु.२५१.१३ लाख इतका निधी मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पित / पुनर्विनियोजित करण्यात आला असा महालेखाकारांचा आक्षेप आहे.

राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाच्या बस स्थानकांची स्थिती अत्यंत खराब असून प्रवाशांची संख्या दिवसेंदिवस घटत आहे कारण प्रवाशांना थांबण्यासाठी बस स्थानके सुस्थितीत नाही. रस्ते खराब आहेत. बस स्थानकात प्रवाशांना थांबण्यासाठी सुविधा नाही. अशी परिस्थिती असतानाही परिवहन विभाग निधी प्रत्यार्पित करित आहेत ही त्यांची कृती योग्य नसल्याचे मत समितीने व्यक्त केले. एस.टी. ही सामान्य प्रवाशांची जीवन वाहिनी आहे. त्याकडे दुर्लक्ष केल्यामुळे ग्रामीण भागातील सर्वसामान्य जनतेचे हाल होत आहेत. या विषयाकडे परिवहन विभागाने गांर्भीयाने पहावे व बस स्थानकांचे आधुनिकीकरणाचा कालबद्द कार्यक्रम हाती घ्यावा. तसेच एस.टी.ची प्रवाशी संख्या वाढविण्याच्या दृष्टीने आवश्यक ती ठोस उपाययोजना करणे गरजेचे आहे.

**शिफारस:-**

**१.३ राज्यातील बस स्थानकांची स्थिती लक्षात घेऊन त्यांचे आधुनिकीकरण व इतर सोयीसुविधा यासाठी शासनाने निधी दिला होता परंतु त्याचा वापर राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाने केला नाही. परिणामी १६०.०० लाख रुपये निधी राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाने परत केला. राज्यातील बस स्थानकांची परिस्थिती अत्यंत खराब असून बस स्थानकाचे आगार प्रमुख लोकप्रतिनिधींकडे वारंवार तक्रारीसुद्धा करतात. बस स्थानकांच्या आधुनिकीकरण व इतर सुविधांसाठी निधीची गरज असतानाही तो खर्च न करता परत करणे ही गंभीर बाब आहे. कारण एकीकडे महामंडळ निधी परत करत आहे तर दुसरीकडे बस स्थानकांची स्थिती अत्यंत खराब आहे ही बाब विचारात घेता याप्रकरणी समिती तीव्र नापसंती व्यक्त करत आहे. या संपूर्ण प्रकरणाची चौकशी करण्यात यावी व चौकशीत दोषी आढळून आलेल्या अधिकारी कर्मचा-यांवर जबाबदारी निश्चित करण्यात यावी. शासनाकडून एस.टी च्या माध्यमातून जनतेस अत्यंत महत्त्वाची सेवा पुरविली जाते. एस.टी. ही सर्वसामान्य प्रवाशांची जीवन वाहीनी आहे. विभागाच्या अधिका-यांमध्ये असलेल्या उदासिनतेमुळे निधी खर्च होत नाही व सर्वसामान्य जनतेच्या प्रश्नाकडे दुर्लक्ष केले जाते. सर्वसामान्य प्रवाशांची गरज लक्षात घेऊन राज्यातील बस स्थानकांचे टप्प्याटप्प्याने नूतनीकरण व आधुनिकीकरण करण्यात यावे. यासाठी कालबद्द कार्यक्रम हाती घेण्यात यावा व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**१.४ सन २००२-२००३ मध्ये एस.टी.चे आयुष्यमान १२ ते १३ वर्ष होते. ते आणखी कमी झाले असून आता ८ वर्ष झाले आहे. परिणामी राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाचा तोटा वाढत चालला आहे. तो भरुन काढण्याच्या दृष्टीने विभागाने आवश्यक ते धोरण ठरवावे. राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाने खर्च नियंत्रणात ठेवणे आवश्यक आहे. अनावश्यक खर्चाच्या बाबींमध्ये कपात करण्यात यावी. उत्पन्नाचे स्त्रोत वाढविण्यात यावे. सद्य:स्थितीत एस.टी. हे प्रवाशांच्या मजबुरीचे साधन आहे. त्यात बदल होणे आवश्यक असून एस.टी. हे प्रवाशांच्या पसंतीचे साधन होईल या दृष्टीने विभागाने कार्यवाही करावी. सध्या प्रती एस.टी.ची प्रवाशी संख्या ७० टक्क्यांवर आहे. ही प्रवाशांची संख्या वाढविल्यास तोटा कमी होईल. याप्रमाणे प्रत्येक वर्षी प्रवासी संख्येची टक्केवारी वाढवण्यासाठी सर्वोतोपरी प्रयत्न करुन आवश्यक ती उपाययोजना करण्यात यावी. तसेच एस.टी चे उत्पन्न वाढविण्यासाठी उत्पन्नाचे स्त्रोत वाढविण्यात यावे. याकरिता विभागाने निश्चित धोरण ठरवावे व त्याची अंमलबजावणी करण्यात यावी व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**(२) कार्यालयीन अभिलेख्यांचे संगणकीकरण**

**अभिप्राय :-**

१.५ उप लेखाशिर्ष २०४१०२९७ या अंतर्गत मोटार वाहन व मोटार अपघात दावा न्यायाधिकरण कार्यालयातील कार्यालयीन अभिलेख्यांचे संगणकीकरण याकरिता १०००.०० लाख रुपये मूळ तरतूद करण्यात आली होती. त्यातून विभागाने रुपये ६६१.१८ लाख समर्पित केले व केवळ रुपये ३३८.८२ लाख खर्च केले आहेत. मूळ अनुदानापैकी ५० टक्के रक्कम सुध्दा विभागाने खर्च न करता रुपये ६६१.१८ लाख समर्पित केले आहेत असा आक्षेप महालेखाकारांनी घेतलेला आहे.

या उपशीर्षाअंतर्गत विभागास १०००.०० लाख रुपये मूळ अनुदान मिळाले त्यातून विभागाने ६६१.१८ लाख रुपये समर्पित केले. संगणकीकरणाच्या कामाच्या निविदांना अल्प प्रतिसाद मिळाला असे कारण विभागाने नमूद केले आहे. विभागाचे हे कारण समितीस संयुक्त वाटत नाही. संगणकाच्या कामासाठी राज्यात मोठ्या प्रमाणात मागणी असते. असे असतानाही संगणकाच्या कामासाठी निविदांना अल्प प्रतिसाद मिळणे ही विभागाचे म्हणणे समितीची दिशाभूल करणारे आहे. त्यामुळे विभागाने रुपये ६६१.१८ लाख समर्पित केलेला निधी स्वीकारार्ह नाही.

**शिफारस :-**

**१.६ विभागास संगणकीकरणाच्या कामासाठी काढण्यात आलेल्या निविदांकरिता अल्प प्रतिसाद मिळाला असला तरी निधी प्राप्त झाल्यानंतर विभागास एक वर्षाचा कालावधी त्यांच्याकडे होता. त्यामुळे त्यांना पुन्हा निविदा मागवून त्याची प्रक्रिया पूर्ण करता आली असती. विभागीय स्तरावरुन प्रशासकीय दिरंगाईमुळे जनतेच्या सोयीसुविधांसाठी प्राप्त निधी हा संपूर्ण आर्थिक वर्षात पूर्णतः खर्च न करता तो केवळ ४० टक्के खर्च करुन ६० टक्के अखर्चित राहणे व वर्षअखरीस तो प्रत्यार्पित करण्यात येणे ही बाब अत्यंत आक्षेपार्ह असून ज्या उद्दिष्टांसाठी निधीची तरतूद करण्यात आली त्या उद्दिष्टपूर्तीमध्ये बाधा आणणारी आहे. समिती विभागाच्या या कार्यपध्दतीबाबत तीव्र नापसंती व्यक्त करीत आहे. अतः या प्रकरणी सर्व संबंधितांवर जबाबदारी निश्चित करुन त्यांचेविरुध्द कारवाई करण्यात यावी व भविष्यात अशा बाबींची पुनरावृत्ती टाळावी व तरतूद निधीचा विहित मुदतीत पूर्ण उपयोग करण्यात यावा व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांच्या आत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र. बी-४ :-**

**विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क**

**अभिप्रायः-**

१.७ लेखाशीर्ष २०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क १०४ वसुली खर्च माल आणि उतारुंवरील कर १०४ (००) (०१) परिवहन आयुक्तालय या अंतर्गत सन २०१३-१४ मध्ये १७०.११ लाख रुपयाची मूळ तरतूद असून त्यातून रु. ८५.९३ लाख रुपयांचे प्रत्यार्पण केल्याने विभागास एकूण अनुदान ८४.१८ लाख रुपये प्राप्त झाले व प्रत्यक्ष खर्च ८४.३९ लाख रुपये झाला असून ०.२१ लाख रुपये अधिक खर्च झाला आहे. रिक्त पदे न भरल्यामुळे, काही परिवहन कार्यक्रमांतर्गत असणा-या बालक पोषण आहार योजनेची अंमलबजावणी न झाल्यामुळे व कोषागार कार्यालयातून देयकांना मान्यता न मिळाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रुपये ८५.९३ लाख एवढ्या निधीचे प्रत्यार्पण/ पुनर्विनियोजन करण्यात आले आहे. सदर प्रत्यार्पण स्वीकारार्ह नसल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविला आहे.

विभागाने मूळ १७०.११ लाख रुपये मूळ अनुदानाच्या ८५.९३ लाख रुपये म्हणजे ५० टक्के निधीचे प्रत्यार्पण केले असून विभागाची ही कृती आक्षेपार्ह असल्याचे समितीचे मत आहे. रिक्त पदे न भरल्यामुळे, परिवहन कार्यक्रमांतर्गत असणा-या बालक पोषण आहार योजनेची अंमलबजावणी न झाल्यामुळे व कोषागार कार्यालयातून देयकांना मान्यता न मिळाल्यामुळे विभागाने निधी प्रत्यार्पित केला आहे. निधी प्रत्यार्पित करण्याचे विभागाने दिलेली कारणे योग्य नसल्याचे समितीला वाटते. रिक्त पदे भरणे, बालक पोषण आहाराची अंमलबजावणी करणे व कोषागार कार्यालयातून देयके पास करुन घेणे ही विभागाच्या अधिका-यांची जबाबदारी होती ती त्यांनी पार पाडली नसल्यामुळे विभागाने मूळ अनुदानाच्या ५० टक्के निधी प्रत्यार्पित केला आहे.

यासंदर्भात एस.टी. च्या प्रवासी तिकिटावर जो अधिभार लावण्यात येतो त्याची सुरवात ज्या कायद्याने झाली व त्याची सद्यःस्थिती काय आहे याबाबत विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले की, सन १९७१ मध्ये वटहुकूम काढून प्रवासी कर

कायद्यामध्ये बांगलादेशातील निर्वासितांकरिता प्रवासी वाहनातील प्रवाशांच्या तिकिटावर अतिरिक्त अधिभार लावण्यात येत होता. सन १९९३ मध्ये सदर कायद्यात बदल करण्यात आला आणि २ रुपयापर्यंतच्या तिकिटावर १० पैसे आणि त्यावरील रकमेच्या तिकिटावर १५ पैसे अधिभार लावण्यात येत असे. सदर नियमातील नियम ५ अनुसार सदर अधिभार शाळकरी मुलांसाठी पोषण आहार योजना, मागासलेल्या ग्रामीण भागातील मुलांसाठी विशेष पोषण योजना, राज्य शासनातर्फे वेळोवेळी ठरविलेल्या योजनांसाठी वापरावयाचा आहे. शहरी भागात हा अधिभार महानगरपालिकांनी गोळा करावयाचा होता.

त्याप्रमाणे राज्यातील सात ते आठ महानगरपालिकांनी अधिभार लागू करुन त्याची रक्कम गोळा केली परंतु त्यांनी ती रक्कम शासनाकडे जमा केली नाही. तो अधिभार अजूनही सुरु आहे. बांगलादेशातील निर्वासितांना पोषण आहार पुरविणे हा उद्देश प्रवासी तिकिटावर अधिभार लावणे हा होता. त्या उद्देशामध्ये बदल करुन शाळकरी मुलांसाठी आहार योजना, विशेष पोषण योजना असा करण्यात आला. विभागाने ज्यावेळी पोषण आहार योजना सुरु केली त्यावेळी आयसीडीएस योजना नव्हती. आता महिला व बाल विकास विभागाने आयसीडीएस योजना सुरु केली असून सदर योजना व्यापक स्वरुपाची आहे. सदर योजनेमुळे अधिभाराची रक्कम पोषण आहारासाठी वापरली जात नाही त्यामुळे अधिभाराचा उद्देश सफल होत नाही.

**शिफारस :-**

**१.८ राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाच्या प्रवासी तिकिटावर कायद्यानुसार अधिभार लावला जात आहे. एस.टी. च्या प्रवासी तिकिटावर जो अधिभार शाळकरी मुलांसाठी पोषण आहार व मागासलेल्या ग्रामीण भागातील मुलांसाठी विशेष पोषण योजना या कारणासाठी व उद्देशासाठी गोळा करुन वापरावयास पाहिजे तो वापरला जात नाही. त्यामुळे योजनेचा उद्देश सफल होत नाही. राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाच्या प्रवासी तिकिटावर अधिभाराचा वापर हा महामंडळाचा तोटा भरुन काढण्यासाठी करण्यात यावा. त्याकरीता सध्या अस्तित्वात असलेल्या कायद्यात बदल करण्यात यावा. ज्या उद्देशासाठी तो लावण्यात येत आहे तो उद्देश सफल होत नाही. त्यामुळे अधिभार लावण्यामध्ये काहीही औचित्य राहत नाही. कायद्यात बदल करुन सदर अधिभार हा महामंडळास वापरता येईल. यादृष्टीने कायद्यात बदल करावा. तसेच राज्यात पुणे, मुंबई, कल्याण-डोंबिवली, नवी मुंबई, कोल्हापूर, नागपूर यासारख्या महानगरपालिकांचे परिवहन उपक्रम असून सदर उपक्रम तोट्यात चाललेले आहेत. एस.टी महामंडळाकडून प्रवासी तिकीटावर अधिभार लावला जातो त्याप्रमाणे उपरोक्त महानगरपालिकांच्या परिवहन उपक्रमांच्या प्रवासी तिकीटावर अधिभार लावण्यात येत आहेत. या सर्व सार्वजनिक परिवहन उपक्रमांना सदर अधिभाराची रक्कम वापरण्यास मिळाल्यास त्याचा फायदा त्यांना नक्कीच होईल. सबब, सदर जुन्या कायद्याचा अभ्यास करुन त्यामध्ये योग्य ते बदल करण्यात यावे. सदर कायदा रद्द करण्याऐवजी त्याचा उद्देश बदलून व पूर्वलक्षी प्रभावाने राबविण्याच्यादृष्टीने विभागाने आवश्यक ती कार्यवाही करावी. याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र. बी-७ :-**

**भारतीय रेल्वे धोरण निश्चिती, संचालन, संशोधन इतर संकीर्ण संघटना**

**अभिप्राय :-**

१.९ लेखाशीर्ष ३००१ भारतीय रेल्वे धोरण निश्चिती, संचालन, संशोधन इतर संकीर्ण संघटना या अंतर्गत विभागाची मूळ तरतूद ६३७२.०० लाख रुपये होती. यापैकी रु. ३८७२.०० लाखांचे पुनर्विनियोजन झाल्याने विभागास २५००.०० लाख रुपये प्रत्यक्ष अनुदान प्राप्त झाले व तेवढेच अनुदान प्रत्यक्ष खर्च करण्यात आले त्यामुळे अधिक खर्च व बचत झालेली नाही. परंतु वित्त विभागाने कपात सुचविल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.३८७२.०० लाखाचा निधी परत करण्यात आल्याचा आक्षेप महालेखाकार यांनी नोंदविलेला आहे.

सन २०१३-२०१४ मध्ये विभागाला ६३७२.०० लाख रुपये मूळ निधी प्राप्त झाला होता. त्यापैकी अहमदनगर, बीड, परळी, वैजनाथ येथील रेल्वे प्रकल्पासाठी २० कोटी रुपये वितरीत करण्यात आले होते. आणि वर्धा, यवतमाळ, नांदेड येथील प्रकल्पासाठी ५ कोटी रुपये वितरीत करण्यात आले होते. उर्वरित ३८.७२ कोटी रुपये वित्त विभागाकडे समर्पित करण्यात आलेले आहे. दिनांक ३० सप्टेंबर, २०१६ पर्यंत सदर प्रकल्पावर विभागाकडून एकूण ५६८.०० लाख रुपये खर्च करण्यात आले आहेत. रेल्वे विभाग आणि राज्य शासन यांच्याकडून सारख्या प्रमाणात निधी खर्च करण्यात आलेला आहे. मागील दोन वर्षांपासून सदर दोन्ही प्रकल्पांना रेल्वेकडून अधिकचा निधी प्राप्त होत आहे. त्यामुळे राज्य शासनासहित सर्व संबंधित यंत्रणांनी या प्रकल्पांना अधिक निधी देणे आवश्यक असताना विभागाकडून मोठ्या प्रमाणात निधी परत करण्यात येत आहे ही बाब आक्षेपार्ह आहे.

**शिफारस :-**

**१.१० अहमदनगर, बीड, परळी, वैजनाथ येथील रेल्वे प्रकल्प आणि वर्धा, यवतमाळ, नांदेड हा रेल्वे प्रकल्प हे दोन्ही प्रकल्प राज्याच्या हितासाठी महत्त्वाचे आहेत. त्यामुळे ते प्रकल्प लवकरात लवकर पूर्ण करण्याच्या दृष्टीने विभागाने आतापर्यंत कोणती कार्यवाही केलेली आहे याबाबत समितीस सविस्तर माहिती देण्याचे विभागीय सचिवांनी आश्वासित करुनही समितीस प्रस्तुत विषयाचा अहवाल सभागृहास सादर करेपर्यंत माहिती प्राप्त झाली नाही ही गंभीर बाब आहे. समितीस आश्वासित माहिती ज्या अधिका-यांनी सादर केली नाही त्यांच्यावर जबाबदारी निश्चित करुन कारवाई करण्यात यावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र. बी-१० :-**

**सार्वजनिक ठिकाणी सीसीटिव्ही सहनिरीक्षण यंत्रणा संच मांडणी करणे**

**अभिप्राय :-**

१.११ लेखाशीर्ष ४०५५ पोलिस यांवरील भांडवली खर्च ८०० इतर खर्च ८०० (००) (०९) सार्वजनिक ठिकाणी सीसीटिव्ही सहनिरीक्षण यंत्रणा संच मांडणी करणे याअंतर्गत रु.१४९७८.०० लाख एवढी मूळ तरतूद करण्यात आली होती. २००.०० लाख रुपयाची पूरक मागणी घेण्यात आली होती. एकूण तरतूद १५१७८.०० लाख रुपये ही संपूर्ण तरतूद प्रत्यार्पित का करण्यात आली असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविला आहे.

सन २०१३-२०१४ या आर्थिक वर्षात प्रस्तुत लेखाशीर्षांतर्गत रु.१४९७८.०० लाख एवढी तरतूद मुख्यतः पुणे शहर व मुंबई शहरात सीसीटीव्ही कार्यान्वित करण्यासाठी करण्यात आली होती. तद्नंतर सिंहस्थ कुंभमेळ्याच्या सुरक्षेच्यादृष्टीने नाशिक शहर व त्रंबकेश्वर शहरात तातडीने सीसीटीव्ही यंत्रणा कार्यान्वित करण्याचा निर्णय शासनाने घेतला. त्यासाठी प्राथमिक खर्चासाठी रु.२००.०० लाख एवढी तरतूद पुरवणी मागणीद्वारे करण्यात आली होती.

मुंबई सीसीटीव्ही प्रकल्पाची निविदा प्रक्रिया अंतिम न झाल्याने तसेच पुणे सीसीटीव्ही प्रकल्पाचे काम पूर्ण न झाल्याने रु.१४९७८.०० लाख एवढा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. तसेच नाशिक शहरात सीसीटीव्ही यंत्रणा कार्यान्वित करण्याबाबत अंतिम निर्णय न झाल्याने पुरवणी मागणीद्वारे तरतूद करण्यात आलेला रु.२००.०० लाख एवढा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. सीसीटीव्ही सारख्या महत्त्वाच्या विषयासंदर्भातील मूळ तरतुदीच नव्हे तर पूरक मागणीद्वारे प्राप्त निधीदेखील विभागाने समर्पित केला आहे. ही अतिशय गंभीर बाब आहे.

**शिफारसः-**

**१.१२ कोणताही पूर्ण आराखडा व नियोजन नसतांना विभागाने सीसीटीव्ही कॅमे-यांसाठी निधी अर्थसंकल्पित केला होता. त्यामुळे शेवटी त्या योजनेला पूर्णपणे कार्यान्वित न करता सदर निधी मार्च अखेर प्रत्यार्पित करण्यात आला. विभागाने पुढील वर्षी नवीन कार्यक्रमांतर्गत निधी घेऊन योजना पुढे सुरु ठेवली. परंतु पूर्वीचा निधी व्यपगत झाला. विभागाने कोणतेही नियोजन न केल्यामुळे व निधीचा विनियोग योग्यरित्या न झाल्यामुळे समिती नाराजी व्यक्त करत आहे. जनहिताच्यादृष्टीने विभागाला योजना राबवायच्या असल्यास त्यासाठी आवश्यक त्याप्रमाणे कार्यक्रम तयार करण्यात यावा. तो तयार करित असताना काही गृहीतके असतात त्यावरुन उद्दिष्टे साध्य करता येतील किंवा नाही याचे विभागाने नियोजन करणे अपेक्षित असून त्यानुसार, निधीची मागणी करणे अभिप्रेत आहे. वित्त विभागाकडून गृह विभागाला निधी देताना नेहमी अग्रक्रम दिला जातो. गृह विभागाकडे कोणतेही नियोजन नसल्यामुळे पुणे शहर व मुंबई शहरासाठी असलेला १४९७८.०० लाख रुपये एवढा निधी सन २०१३ -२०१४ या आर्थिक वर्षात खर्च करण्यात न आल्यामुळे व्यपगत झाला. सन २०१३-१४ साली गोंदिया शहर येथे देखील नाविण्यपूर्ण योजनेअंतर्गत सी.सी.टी.व्ही. साठी १५० लक्ष रुपयाचा निधी प्राप्त झाला. गोंदिया शहराचा सदर निधी अद्यापही अखर्चित राहिला आहे. विभागास निधी प्राप्त होऊनही तो खर्च न करणे ही बाब गंभीर स्वरुपाची आहे. तसेच नाशिक शहरात कुंभमेळ्यासाठी तात्पुरत्या स्वरुपात बसविण्यात येणा-या सीसीटीव्ही कॅमे-यासाठी २००.०० लाख रुपयांच्या निधीची तरतूद करण्यात आली होती. सीसीटीव्ही यंत्रणा कार्यान्वित करण्याबाबत अंतिम निर्णय न घेतल्यामुळे सदर निधी व्यपगत झाला, ही बाब विभागास भूषणावह नाही. अतः या प्रकरणी सर्व संबंधितांवर जबाबदारी निश्चित करुन त्यांचेविरुध्द कारवाई करण्यात यावी व भविष्यात अशा बाबींची पुनरावृत्ती टाळावी व तरतूद निधीचा विहित मुदतीत पूर्ण उपयोग करण्यात यावा व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांच्या आत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

## महसूल व वन विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील अनुदान क्र.- १,२,४,५,७,९,११ यामधील शिर्षातंर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले आहे.

| | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च (रु. हजारात) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| **प्रधान शीर्ष**<br>**२०२९-जमीन महसूल**<br>**२०४५-विक्रेय वस्तु व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क**<br>**२०५३-जिल्हा प्रशासन**<br>**२०७०-इतर प्रशासनिक सेवा** | | | | |
| **दत्तमत-**<br>मूळ- १४,७६,३४,१५<br>पूरक- ४३,५०,०७<br>वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | १५,१९,८४,२२ | १३,००,१४,२१ | -२,१९,७०,०१<br>२,०४,०२,४५ | |
| **भारित**<br>मूळ- ८,३१<br>पूरक- ---<br>वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | ८,३१ | --- | -८,३१<br>८,३१ | |

**टिपा व भाष्ये:-**

अनुदाना अंतर्गत झालेला रु. १३,००,१४.२१ लाख इतका प्रत्यक्ष खर्च हा रु. १४,७६,३४.१५ लाख इतक्या मूळ तरतुदी इतकादेखील झाला नाही. वर्षभरात केलेली रु. ४३,५०.०७ लाखाची पुरक तरतूद (जुलै,२०१३ मध्ये रु.३५,५०.९६ लाख व डिसेंबर २०१३ मध्ये रु.७,९९.११ लाख) अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले. अनुदानाखालील खर्च मूळ तरतूदी इतका झाला नाही असे हे लागोपाठ अकरावे वर्ष आहे. तथापि, प्रत्येक वर्षी अनुदाना अंतर्गत पुरक तरतूद असल्याचे दिसून येते.

२. अनुदाना अंतर्गत रु. २,१९,७०.०१ लाख इतकी अंतिम बचत असताना वर्षभरात फक्त रु.२,०४,०२.४५ लाखांचा निधी परत करण्यात आला.

३. अनुदानातील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली:-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **२०२९ जमीन महसूल**<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) भूमी संपादन आस्थापना (योजनेत्तर)<br>(०१)(०७) संचालक, नगर रचना,पुणे<br>मूळ — ३,२४.१४<br>पुनर्विनियोजन— - ७०.४५ | २,५३.६९ | २,५१.७३ | -१.९६ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली दिनांक १.९.२०१३ पासून भुसंपादन विशेष अधिकारी,ठाणे व भूसंपादन विशेष अधिकारी क्रमांक.३, मुंबई शहर ही दोन कार्यालये शासनाने निरसित केल्याने कार्यालयातील अधिकारी व कर्मचारी यांच्या वेतन व भत्त्यावर होणारा खर्च झाला नाही. त्यामुळे बचत झाली आहे. सदर बचत (०.७७%) इतकी अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी. |
| ००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) व (०२) भूमी संपादन आस्थापना<br>(योजनेत्तर व योजनांतर्गत)<br>(०१)(०१) आयुक्त, कोंकण<br>व (०२)(०१)<br>मूळ — ८,४९.५४<br>पुनर्विनियोजन- -२,७५.३७ | ५,७४.१७ | ५,७३.७२ | -०.४५ | कोंकण विभागाचे अधिनस्त जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडून कोषागार कार्यालयास माहे मार्च २०१४ अखेर सादर केलेली देयके आक्षेप असल्यामुळे पारीत झाली नाहीत. सदर देयकांवर आधारीत समर्पित अहवाल शासनास सादर करण्यांत आला होता. व त्यानुसार अंतिम सुधारीत अनुदान जादा वितरित करण्यात आले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाला आहे. त्यामुळे बचत झाली आहे. सदर बचत (०.०७%) इतकी अत्यल्प असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| **२०२९ जमीन महसूल**<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) व (०२) भूमी संपादन आस्थापना<br>(योजनेत्तर व योजनांतर्गत)<br>(०१)(०२) आयुक्त, नाशिक<br>व (०२)(०२)<br>मूळ — ९,३०.४२<br>पुनर्विनियोजन— - ३,१९.६८ | ६,१०.७४ | ६,०६.७९ | -३.९५ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली नाशिक विभागातील विशेष भूसंपादन अधिकारी क्र.१ व २ नाशिक, विशेष भूसंपादन अधिकारी जळगाव, उपविभागीय अधिकारी श्रीरामपूर, उपविभागीय अधिकारी नगर व विशेष भूसंपादन अधिकारी क्र.१ व ३ नगर व जिल्हाधिकारी कार्यालय अहमदनगर यांच्याकडून बी.डी.एस. वर नोंदविलेला खर्च रद्द झाला नाही. सदर खर्च विचारात घेऊनच समर्पित अहवाल सादर करण्यात आल्यामुळे अंतिम सुधारित अनुदान जादा वितरित करण्यात आले.प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. सदर बचत अल्प (०.६४%) आहे, कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ००१-संचालन व प्रशासन<br>(०१)व (०२) भूमी संपादन आस्थापना<br>(योजनेत्तर व योजनांतर्गत)<br>(०१)(०३) आयुक्त, पुणे<br>व(०२)(०३)<br>मूळ — १०,४९.४३<br>पुनर्विनियोजन -- - ३,१८.९० | ७,३०.५२ | ७,२०.८६ | -९.६६ | पुणे विभागातील पुणे, सातारा व सांगली या जिल्हयातील वेतन व वेतनेत्तर देयके बीडीएस च्या तांत्रिक अडचणीमुळे पारित झाली नाहीत. समर्पित अहवाल सादर करताना सदर देयकांचा समावेश करण्यात आला होता. त्यानुसार अंतिम सुधारित अनुदान जादा वितरित करण्यात आले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. सदर बचत (१%) इतकी अत्यल्प असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| ००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)व (०२) भूमी संपादन आस्थापना<br>(योजनेत्तर व योजनांतर्गत)<br>(०१) व (०५) आयुक्त, नागपूर<br>व (०२) (०५)<br>मूळ — ६,३९.०९<br>पुनर्विनियोजन — -१,५४.९४ | ४,८४.१५ | ४,६३.१८ | -२०.९७ | नागपूर विभागातील जिल्हाधिकारी कार्यालयात पदे रिक्त असल्यामुळे बचत झालेली आहे. कृपया बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| ००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)व (०२) भूमी संपादन आस्थापना<br>(योजनेत्तर व योजनांतर्गत)<br>(०१)(०६) आयुक्त औरंगाबाद<br>व (०२)(०६)<br>मूळ -- ९,६१.०२<br>पुनर्विनियोजन -- - १,७१.५४ | ७,८९.४८ | ५,५७.८४ | -२,३१.६४ | सदरहु लेखाशिर्षाखाली विभागीय आयुक्त अधीनस्थ जिल्हाधिकारी औरगांबाद व नांदेड यांनी समर्पण अहवालात जादा मागणी केल्यामुळे अंतिम समर्पण अहवालात जादा अनुदान वितरित झाल्यामुळे बचत दिसून येते. कृपया सदरची बचत क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३)तगाई आस्थापना<br>(०३)(०१) आयुक्त,कोंकण<br>मूळ -- ७५.१७<br>पुनर्विनियोजन -- -२३.३७ | ५१.८० | ५१.७९ | -०.०१ | या लेखाशिर्षा अंतर्गत शासनाकडून वितरित केलेल्या अंतिम सुधारित अनुदान आदेशामध्ये रु.५१.७९ लक्ष हा आकडा पुर्णांकात रु. ५१.८० लक्ष असा दर्शविण्यात आल्यामुळे रु. १००० ची बचत दिसून येते. प्रत्यक्षात तरतुदी एवढाच खर्च झालेला आहे. |
| ००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३)तगाई आस्थापना<br>(०३)(०२) आयुक्त, नाशिक<br>मूळ -- १,३७.५३<br>पुनर्विनियोजन -- - ३५.०९ | १,०२.४४ | १.०१.३९ | -१.०५ | जिल्हाधिकारी नाशिक, धुळे व जळगाव तसेच तहसिल कार्यालय चोपडा, जळगाव व राहूरी यांच्याकडून समर्पण अहवाल कळविताना जादा खर्च कळविला व त्याआधारे अंतिम सुधारित अनुदान जादा वितरित झाले. त्यामुळे बचत झाली आहे. सदर बचत(१%) इतकी अल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| **२०२९ जमीन महसूल**<br>१०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(००)(०८) जमाबंदी आयुक्त व संचालक, भूमी अभिलेख(महाराष्ट्र राज्य), पुणे राष्ट्रीय भूमी अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एन.एल.आर.एम.पी.)<br>५०% केंद्र पुरस्कृत योजना(५०% केंद्र हिस्सा)<br>मुळ ------ ३१,३९.४५<br>पुनर्विनियोजन--- -२०,०६.७८ | ११,३२.६७ | ११,३२.६६ | -०.०१ | सदर बचत (०.०००८%) इतकी अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १०३ भूमी अभिलेख<br>(०१)शहर भूमी अभिलेख<br>(०१)(०३) जिल्हाधिकारी , मुंबई<br>मुळ ---- १,९१.६६<br>पुनर्विनियोजन ---- -३०.५२ | १,६१.१४ | १,६१.१२ | -०.०२ | सदर बचत (०.०१%) इतकी अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी. |
| रु.२,६९.७२ लाख इतकी अंतिम बचत पाहता, पदे रिक्त राहिल्यामुळे प्रस्तावित दौरे रद्द झाल्यामुळे व विशेष भूमी संपादन अधिका-यांची कार्यालये रद्द केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे काढून घेण्यात आलेला रु.३४,०६.६४ लाख एवढा निधी हा अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.२,६९.७२ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षीत आहेत.(ऑगस्ट २०१४) | | | | |
| **२०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क**<br>१०१ वसुली खर्च- मनोरंजन कर<br>(००)(०३)आयुक्त, नाशिक<br>मूळ -- २,५९.५८<br>पुनर्विनियोजन -- - ४२.६४ | २,१६.९४ | २,१६.२८ | -०.६६ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली विभागीय आयुक्त नाशिक यांच्या अधिनस्त जिल्हाधिकारी कार्यालयांनी समर्पण अहवाल कळविताना जादा खर्च कळविला. त्यामुळे जादा अंतिम सुधारित अनुदान वितरित झाल्याने बचत झाली आहे. सदर बचत (०.३०%) कमी असल्याने कृपया सदर बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| १०१ वसुली खर्च – मनोरंजन कर<br>(००)(०४) आयुक्त, पुणे<br>मूळ -- ४,०५.९५<br>पुनर्विनियोजन -- - ५२.८४ | ३,५३.११ | ३,४५.२९ | -७.८२ | जिल्हाधिकारी सोलापूर व उपायुक्त, पुणे यांनी समर्पित अहवालामध्ये ज्यादा खर्च दर्शविल्याने अंतिम समर्पित अहवालात ज्यादा अनुदान वितरीत करण्यात आले. त्यामुळे सदर बचत झालेली आहे. कृपया सदर बचत क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २०० वसुली खर्च — इतर कर व शुल्क<br>(०१) शिक्षण उपकर<br>(०१)(०२) आयुक्त, नाशिक<br>मूळ -- ५३.२५<br>पुनर्विनियोजन -- - ५२.४० | ०.८५ | ०.८४ | -०.०१ | सदरहु लेखाशिर्षाखालील विभागीय आयुक्त, नाशिक यांचा रु.८४,४२६/- इतका खर्च झालेला असून तेवढाच खर्च शासनास कळविण्यात आला होता. तथापि अंतिम सुधारित अनुदान रु.८५०००/- एवढे वितरित झाल्याने रु.५७४/- इतकी नगण्य बचत झालेली आहे. सदर बचत अंतिम सुधारित तरतूदीशी तूलना करता (१%) एवढी अत्यल्प असल्याने क्षमापित करण्यात यावी. |
| रु.८.४९ लाखांची अंतिम बचत पाहता, कार्यालयीन पदे रिक्त राहिल्याने व अधिकारी / कर्मचारी यांच्याव्दारे मागणी नसल्याने मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली विनियोजन / प्रत्यर्पण याव्दारे काढून घेण्यात आलेला रु.१,४७.८८ लाख एवढा निधी हा अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.८.४९ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४) | | | | |
| **२०५३ जिल्हा प्रशासन**<br>०९३ जिल्हा आस्थापना<br>(०१) सामान्य आस्थापना<br>(०१)(०२) आयुक्त, नाशिक<br>मूळ -- २३,९२.५९<br>पुरक -- ५.००<br>पुनर्विनियोजन -- - २,३५.४१ | २१,६२.१८ | २१,५७.७० | -४.४८ | जिल्हाधिकारी नाशिक, धुळे, जळगाव, अहमदनगर व नंदूरबार यांच्याकडून समर्पित अहवालात जादा खर्च कळविल्याने जादा अंतिम सुधारित अनुदान वितरित झाले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. सदर बचत (०.२०%) कमी असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| ०९४ इतर आस्थापना<br>(०१) उप-विभागीय आस्थापना<br>(०१) (०२) आयुक्त, नाशिक<br>मूळ -- ४०,६८.५८<br>पूरक -- ६,५७.१८<br>पुनर्विनियोजन -- -५,३०.४० | ४१,९५.३६ | ४१,७१.५२ | -२३.८४ | सदरहु लेखाशिर्षाखालील विभागीय आयुक्त नाशिक कार्यालयांतर्गत तहसील कार्यालये तसेच जिल्हाधिकारी कार्यालयांनी समर्पित अहवालात जादा खर्च कळविल्याने अंतिम सुधारित अनुदान जादा वितरित झाले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. सदर बचत (०.५६%) इतकी अत्यल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ०९४-इतर आस्थापना<br>(०१)उप-विभागीय आस्थापना<br>(०१) (०४) आयुक्त, अमरावती<br>मूळ -- ३८,९३.३४<br>पूरक -- २,९१.१७<br>पुनर्विनियोजन -- -३,६०.२१ | ३८,२४.३० | ३७,५३.५९ | -७०.७१ | सदरहु लेखाशिर्षाखालील जिल्हाधिकारी यवतमाळ व वाशिम यांच्या समर्पित अहवालामध्ये जास्त खर्च कळविल्यामुळे अंतिम सुधारित अनुदान जास्त वितरित झाले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. कृपया बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| ०९४-इतर आस्थापना<br>(०२)मंडळ अधिकारी आणि मंडळ निरीक्षण<br>(०२)(०१) आयुक्त, कोंकण<br>मुळ ------ ११,७८.७२<br>पुनर्विनियोजन--- - १,३०.५२ | १०,४८.२० | १०,४८.०२ | -०.१८ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली अंतिम तरतूदीच्या तूलनेत झालेली बचत (०.०१%) इतकी अत्यल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| ०९४ इतर आस्थापना<br>(०३)ग्राम अधिकारी<br>(०३)(०१) आयुक्त, कोंकण<br>मुळ ------ ५७,४५.३९<br>पुनर्विनियोजन--- -७,४३.६४ | ५०,०१.७५ | ५०,०१.३५ | -०.४० | सदरहू लेखाशिर्षाखाली विभागीय आयुक्त, कोंकण यांनी समर्पित अहवालामध्ये जास्त खर्च कळविल्यामुळे अंतिम सुधारित अनुदान जास्त वितरित झाले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. सदरची बचत (०.००७%) इतकी अल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| ०९४-इतर आस्थापना<br>(०३)ग्राम अधिकारी<br>(०३)(०२) आयुक्त, नाशिक<br>मुळ --- १,०२,३७.९४<br>पुनर्विनियोजन ---- -२९,६८.८२ | ७२,६९.१२ | ७१,४१.१७ | -१,२७.९५ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली विभागीय आयुक्त नाशिक कार्यालयांतर्गत तहसील कार्यालये तसेच जिल्हाधिकारी कार्यालयांनी समर्पित अहवालात जादा खर्च कळविल्याने अंतिम सुधारित अनुदान जादा वितरित झाले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. सदर बचत (१.७६%) इतकी अत्यल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १०१आयुक्त<br>(०१)(०१) आयुक्त, कोंकण<br><br>मुळ ---  ६,६५.८८<br>पूरक---  १,२८.८७<br>पुनर्विनियोजन--  -८१.२२ | ७,१३.५३ | ७,०९.६१ | -३.९२ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली मा.उप आयुक्त (सा.प्र.) कोंकण विभाग यांचेकडून सादर केलेली देयके कोषागाराकडून आक्षेपित होऊन परत आले. मात्र सदरचा खर्च समाविष्ट करुन समर्पण अहवाल सादर करण्यात आला. त्यानुसार अंतिम समर्पण अहवालात जादा अनुदान वितरित झाले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. सदर बचत(०.५४%) इतकी अल्प असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| रु.२,३१.४८ लाख इतकी अंतिम बचत विचारात घेता, पदे रिक्त असणे, रजा वेतन सवलतीची मागणी कमी असणे, दौरा भत्याची मागणी नसणे व बी.डी.एस. मधील तांत्रिक समस्या आणि प्रस्तावित दौरे रद्द करणे यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील पुर्विनियोजन / प्रत्यार्पण यांव्दारे रु५०,५०.२२ लाख इतका काढण्यात आलेला निधी अपूरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु. २,३१.४८ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४) | | | | |
| **२०२९ जमीन महसूल**<br>१०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(००)(०७) जमाबंदी आयुक्त व संचालक, भूमी अभिलेख (महाराष्ट्र राज्य), पुणे<br>राष्ट्रीय भूमी अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एन.एल.आर.एम.पी)<br>२५ % केंद्र पुरस्कृत योजना (७५% राज्य हिस्सा)<br>मूळ --  ७,४३.५५<br>पुनर्विनियोजन --  -२,५०.६८ | ४,९२.८७ | ४,९२.८७ | --- | सदर लेखाशिर्षातर्गत जेवढी तरतूद होती तेवढाच खर्च झाल्यामुळे अभिप्राय नाहीत. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **१०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे**<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(००)(०९) जमाबंदी आयुक्त व संचालक, भूमी अभिलेख (महाराष्ट्र राज्य), पुणे<br>राष्ट्रीय भूमी अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एन.एल.आर.एम.पी)<br>२५% केंद्र पुरस्कृत योजना (२५% केंद्राचा हिस्सा)<br>मूळ -- २,४७.८५<br>पुनर्विनियोजन -- -७०.६३ | १,७७.२२ | १,७७.२२ | --- | सदर लेखाशिर्षांतर्गत जेवढी तरतूद होती तेवढाच खर्च झाल्यामुळे अभिप्राय नाहीत. |
| १०३ भूमी अभिलेख<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(०२)(०३) भूमी अभिलेख खर्च<br>राष्ट्रीय भूमी अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एन.एल.आर.एम.पी) संचालक, भूमी अभिलेख (१००% केंद्र पुरस्कृत योजना )<br>(१००% केंद्रीय योजना)<br>मूळ -- २०,००.००<br>पुनर्विनियोजन -- - १६,५६.५६ | ३,४३.४४ | ३,४३.४४ | ---- | सदर लेखाशिर्षांतर्गत जेवढी तरतूद होती तेवढाच खर्च झाल्यामुळे अभिप्राय नाहीत. |
| रिक्त पदे प्रस्तावित दौरा रद्द करणे, विशेष भू संपादन अधिकाऱ्यांची कार्यालये रद्द करणे यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षांमधून पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे रु.१९,७७.८७ लाख एवढा निधी काढण्यात आला. | | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **२०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क**<br>२०० वसुली खर्च – इतर कर व शुल्क<br>(०१)शिक्षण उपकर<br>(०१)(०१) आयुक्त, कोंकण<br>मूळ – २७.००<br>पुनर्विनियोजन – - १०.५७ | १६.४३ | १६.४३ | --- | सदर लेखाशिर्षांतर्गत जेवढी तरतूद होती तेवढाच खर्च झाल्यामुळे अभिप्राय नाहीत. |
| **२०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क**<br>२०० वसुली खर्च – इतर कर व शुल्क<br>(०३) रोजगार हमी उपकरसाठी वसुल खर्च<br>(०३)(०१) आयुक्त,कोकण<br>मूळ – १८.००<br>पुनर्विनियोजन – -१२.९८ | ५.०२ | ५.०२ | --- | सदर लेखाशिर्षांतर्गत जेवढी तरतूद होती तेवढाच खर्च झाल्यामुळे अभिप्राय नाहीत. |
| अधिकाऱ्यांची पदे रिक्त असणे व अधिकारी / कर्मचारी यांनी मागणी न करणे यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे रु.२३.५५ लाख एवढा निधी काढण्यात आला. | | | | |
| **२०२९जमीन महसुल**<br>१०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(००)व (०४) जमाबंदी आयुक्त व संचालक, भूमी अभिलेख (महाराष्ट्र राज्य), पुणे (५०% केंद्र अनुदान)<br>आस्थापना<br>मूळ – ५१.६४<br>पुनर्विनियोजन – - ५१.६४ | --- | --- | --- | सदर योजना केंद्र शासनाकडून सन २००८ पासून बंद करण्यात आलेली आहे. योजनेअंतर्गत शिल्लक निधी रु.५१.६४ लाख केंद्र शासनास परत करण्याकरीता सदर तरतुद करण्यात आली होती. मात्र सदर रक्कम राज्य शासनास प्राप्त झाल्या विषयी आदेश उपलब्ध न झाल्याने सदर रक्कम आहरीत करुन प्राप्त करता आली नाही. त्यामुळे सदर रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(००)व (०५) जमाबंदी आयुक्त व संचालक, भूमी अभिलेख (महाराष्ट्र राज्य), पुणे (५०% राज्य हिस्सा)<br>आस्थापना<br>मूळ -- ५१.६४<br>पुनर्विनियोजन -- - ५१.६४ | ---- | ---- | ---- | सदर योजना केंद्र शासनाकडून सन २००८ पासून बंद करण्यात आलेली आहे. योजनेअंतर्गत शिल्लक निधी रु.५१.६४ लाख केंद्र शासनास परत करण्याकरीता सदर तरतुद करण्यात आली होती. मात्र सदर रक्कम राज्य शासनास प्राप्त झाल्या विषयी आदेश उपलब्ध न झाल्याने सदर रक्कम आहरीत करुन प्राप्त करता आली नाही. त्यामुळे सदर रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली. |
| १०३-भूमी अभिलेख<br>पंचवार्षिक योजनातंर्गत योजना<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(०२)(०२) संचालक, भूमी अभिलेख यांच्या संगणकीकरणावरील खर्च (१००% केंद्र अनुदान )<br>मूळ -- ८०.४५<br>पुनर्विनियोजन -- - ८०.४५ | ----- | ----- | ---- | सदर योजना केंद्र शासनाकडून सन २००८-०९ पासून बंद करण्यात आलेली आहे. ७/१२ चे संगणकीकरण पूर्ण झाले असल्यामुळे सदरचा निधी शिल्लक राहिला आहे. दिनांक १५/३/२०१४ रोजीच्या पत्राने सदरचा अखर्चित निधी केंद्र शासनास प्रत्यार्पित करणेची कार्यवाही सुरु आहे. |
| **२०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क**<br>२०० वसुली खर्च – इतर कर व शुल्क<br>(०१) शिक्षण उपकर<br>(०१)(०३) आयुक्त, पुणे<br>मूळ -- ४०.००<br>पुनर्विनियोजन -- -४०.०० | ----- | ----- | ---- | विभागीय आयुक्त, पुणे यांच्या अधिनस्त नगर परिषदांकडे जमा होणाऱ्या शिक्षण कराच्या २% रक्कम नगर परिषदांकडे ठेवून उर्वरित रक्कम शासनाच्या तिजोरीमध्ये जमा करण्याबाबत आदेश शासनाकडून निर्गमित झाल्यामुळे तसेच सोलापूर व कोल्हापूर या नगर परिषदांकडून वेतनेत्तर देयके प्राप्त न झाल्याने सदर अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

कोणतेही कारण न देता उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यपर्णद्वारे रु.२.२३.७३ लाख इतकी तरतूद काढण्यात आली. मार्च २०१४ पर्यंत निधी ठेवून घेण्याची व अधिक अर्थसंकल्पीय तरतूदीची कारणे कळविण्यात आली नाहीत.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **२०२९जमीन महसुल**<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)व (०२) भूमी संपादन आस्थापना<br>(योजनेत्तर व योजनांतर्गत),<br>(०१)व (०४) आयुक्त, अमरावती<br>व (०२) (०४)<br>मूळ -- ३,७४.२७<br>पुनर्विनीयोजन.... -१,३२.०१ | २,४२.२६ | २,८६.१० | +४३.८४ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जिल्हाधिकारी बुलढाणा व यवतमाळ यांनी समर्पित अहवालामध्ये कमी खर्च दर्शविला व त्याआधारे अंतिम सुधारीत अनुदान कमी वितरीत झाले. प्रत्यक्षात खर्च जास्त असल्याने खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येत आहे. कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| ००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३)तगाई आस्थापना<br>(०३)व (०४)आयुक्त, अमरावती<br>मूळ -- २,९९.४७<br>पुनर्विनीयोजन.... - ७८.१० | २,२१.३७ | २,७४.३९ | +५३.०२ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जिल्हाधिकारी अमरावती यांनी समर्पित अहवालामध्ये कमी खर्च नोंदविला. त्याआधारे अंतिम सुधारीत अनुदान कमी वितरीत झाले. प्रत्यक्षात खर्च जास्त असल्याने खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येत आहे. कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| ००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३)तगाई आस्थापना<br>(०३)व (०५)आयुक्त, नागपूर<br>मूळ -- १,३७.५८<br>पुनर्विनीयोजन.... - ५५.८८ | ८१.७० | १,०३.१५ | +२१.४५ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली विभागीय आयुक्त नागपूर यांना जिल्हानिहाय समर्पित अहवालामध्ये कमी खर्च नोंदविला. त्याआधारे अंतिम सुधारीत अनुदान कमी वितरीत झाले. प्रत्यक्षात खर्च जास्त असल्याने खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येत आहे. कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br><br>(००)(०६) जमाबंदी आयुक्त व संचालक, भूमी अभिलेख (महाराष्ट्र राज्य), पुणे<br>राष्ट्रीय भूमी अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एन.एल.आर.एम.पी)<br>५०% केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(५०% राज्य हिस्सा)<br>मूळ -- ३१,३९.४५<br>पुनर्विनियोजन -- - २०,२२.७२ | ११,१६.७३ | ११,२२.८४ | +६.११ | जमाबंदी आयुक्त आणि संचालक, भूमि अभिलेख, महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांच्या सदरहू लेखाशिर्षाखाली महालेखाकार कार्यालयाकडे रु.११२२.८४ लक्ष एवढा खर्च नोंदविण्यात आलेला असला तरी प्रत्यक्षात एकूण ११९६.७२ लक्ष खर्च झालेला आहे. त्यामुळे रु.०.०१ लक्ष एवढी बचत झालेली आहे. सदर बचत (०.५४%) इतकी अल्प असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| १०३ भूमी अभिलेख<br>(०२)जिल्हा भूमी अभिलेख<br>(०२)(०१)संचालक , भूमी अभिलेख<br>मुळ -- १,८६,२६.८८<br>पूरक ---- ९५.५३<br>पूनर्विनियोजन - २३,२०.५४ | १,६४,०१.८७ | १,६५,३७.२७ | +१,३५.४० | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जमाबंदी आयुक्त आणि संचालक, भूमि अभिलेख, म.राज्य पुणे या अधिनस्त कार्यालयाने रिक्त पदे भरल्याने तसेच महागाई भत्यात झालेली वाढ व ६ व्या वेतन आयोगाच्या फरकाच्या रकमामुळे अतिरिक्त खर्च झालेला आहे. तसेच अत्यावश्यक बाब म्हणून दूरध्वनी व विद्यूत ची देयके उणे प्राधिकार पत्राद्वारे अदा करण्यात आल्यामुळे खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येते आहे. कृपया वाढीव खर्च क्षमापित करण्यात यावा. |
| रु.२,५९.८२ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, रिक्त पदे असणे, विशेष भूमी संपादन अधिकाऱ्यांची कार्यालये रद्द करणे व प्रस्तावित दौरे रद्द करणे यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण याव्दारे रु.४६,०९.२५ लाख एवढा काढण्यात आलेला निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.२,५९.८२ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४). | | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **२०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क**<br>१०१ वसुली खर्च — मनोरंजन कर<br>(००)(०२) आयुक्त,कोकण<br>मूळ -- ४,३९.०३<br>पुनर्विनियोजन -- -५७.२८ | ३,८१.७५ | ३,८४.३९ | + २.६४ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जिल्हाधिकारी, मुंबई उपनगर यांनी समर्पित अहवालामध्ये कमी खर्च नोंदविला. त्याआधारे अंतिम सुधारीत अनुदान कमी वितरीत झाले. प्रत्यक्षात खर्च जास्त असल्याने खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येत आहे. सदर वाढीव खर्च (०.६९%) इतका अत्यल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावा. |
| १०१ वसुली खर्च — मनोरंजन कर<br>(००)(०७) आयुक्त, औरंगाबाद<br>मूळ -- २,३३.७८<br>पुनर्विनियोजन -- - ३५.०१ | १,९८.७७ | २,०६.३३ | +७.५६ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जिल्हाधिकारी औरंगाबाद व परभणी यांनी समर्पित अहवालामध्ये कमी खर्च नोंदविला. त्याआधारे अंतिम सुधारीत अनुदान कमी वितरीत झाले. प्रत्यक्षात खर्च जास्त असल्याने खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येत आहे. सदर वाढीव खर्च अल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावा. |
| **२०५३ जिल्हा प्रशासन**<br>१०१ आयुक्त<br>(०१) (०३) आयुक्त, पुणे<br>मूळ -- ४,५६.७६<br>पूरक -- १२.२५<br>पुनर्विनियोजन -- - ४९.९२ | ४,१९.०९ | ४,२०.२२ | +१.१३ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली उपायुक्त, पुणे यांनी समर्पित अहवालामध्ये कमी खर्च नोंदविला. त्याआधारे अंतिम सुधारीत अनुदान कमी वितरीत झाले. प्रत्यक्षात खर्च जास्त असल्याने खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येत आहे. सदर वाढीव खर्च (०.२६%) इतका अल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावा. |
| रु.११.३३ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कर्मचाऱ्यांची पदे रिक्त असणे व अधिकारी / कर्मचारी यांची मागणी न करणे यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील रु १,४२.२१ लाख एवढा काढण्यात आलेला निधी अधिक असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.११.३३ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क<br>१०१ वसुली खर्च — मनोरंजन कर<br>(००)(०६) आयुक्त, नागपूर<br>मूळ — १,८२.५१<br>पुनर्विनियोजन — ३०.९५ | २,१३.५४ | १,४७.४८ | - ६६.०६ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली विभागीय आयुक्त, नागपूर व जिल्हाधिकारी नागपूर, वर्धा व भंडारा या कार्यालयामधील पदे रिक्त असल्यामुळे खर्च झाला नाही. कृपया बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| २०५३-जिल्हा प्रशासन<br>०९४-इतर आस्थापना<br>(०२)-मंडळ अधिकारी आणि मंडळ निरीक्षण<br>(०२)(०४)आयुक्त, अमरावती<br>मूळ - १७,५०.५९<br>पुनर्विनियोजन - १,२४.९० | १८,७५.४९ | १६,०२.४९ | -२,७३.०० | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जिल्हाधिकारी कार्यालय यवतमाळ, वाशिम, अकोला यांनी समर्पण अहवालात जादा मागणी केल्यामुळे अंतिम समर्पण अहवालात जादा अनुदान वितरित झाले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. कृपया सदरची बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| ०९४-इतर आस्थापना<br>(०३)ग्राम अधिकारी<br>(०३)(०५)आयुक्त, नागपूर<br>मूळ - ६५,१३.७२<br>पुनर्विनियोजन - २,१५.६६ | ६७,२९.३८ | ६०,०७.५६ | -७,२१.८२ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली नागपूर विभागात पदे रिक्त असल्यामुळे सदरची बचत दिसून येत आहे. कृपया बचत क्षमापित करण्यात यावी. |

रु.१०,६०.८८ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, कोणतीही विनिर्दिष्ट कारणे न देता वरील उपशिर्षाखालील मार्च, २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे रु. ३,७१.५१ लाख इतका वाढविण्यात आलेला निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

रु.१०,६०.८८ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४).

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **२०२९-जमीन महसुल**<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३)तगाई आस्थापना<br>(०३)(०३) आयुक्त, पुणे<br>मूळ — २९.७७<br>पुनर्विनियोजन - १०.६६ | ४०.४३ | ३९.३३ | -१.१० | सदरहू लेखाशिर्षांतर्गत जिल्हाधिकारी सातारा व सांगली यांनी सादर केलेली वेतन देयके कोषागारात पारीत झाली नाहीत. सदर देयकांच्या आधारे समर्पित अहवालामध्ये अनुदानाची मागणी केल्यामुळे अंतिम समर्पित अहवालात ज्यादा अनुदान वितरीत करण्यात आले. प्रत्यक्षात खर्च कमी झाल्यामुळे बचत दिसून येते. कृपया सदर बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| रु.१.१० लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता,कोणतीही विनिर्दिष्ट कारणे न देता वरील उपशीर्षाखालील मार्च,२०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन प्रत्यर्पण यांव्दारे रु.१०.६६ लाख इतका वाढविण्यात आलेला निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.१.१० लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत(ऑगस्ट २०१४). | | | | |
| १०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे<br>(००)(०१) जमाबंदी आयुक्त व संचालक, भूमी अभिलेख (महाराष्ट्र राज्य) पुणे आस्थापना<br>मूळ - १०,७०.३८<br>पूरक - ७९.९२<br>पुनर्विनियोजन - ३,५७.१३ | १५,०७.४३ | १५,३२.१३ | +२४.७० | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जमाबंदी आयुक्त आणि संचालक, भूमि अभिलेख, म.राज्य, पुणे यांच्या अधिनस्त कार्यालयात ६ व्या वेतन आयोगाच्या फरकाच्या रकमा व महागाई भत्त्याची रक्कम दिल्यामुळे तसेच अत्यावश्यक बाब म्हणून दूरध्वनी व विद्यूत ची देयके उणे प्राधिकार पत्राद्वारे अदा केल्यामुळे खर्च दिसून येतो. कृपया वाढीव खर्च क्षमापित करण्यात यावा. |
| रु.२४.७० लाख इतका अधिकचा खर्च लक्षात घेता, कोणतीही विनिर्दिष्ट कारणे न देता वरील उपशीर्षाखालील मार्च,२०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे वाढ करण्यात आलेला रु.३,५७.१३ लाख इतका निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.२४.७० लाखांच्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १०२ सर्वेक्षण व जमाबंदीची कामे<br>(००)(०३) शहर सर्वेक्षण कार्यक्रमावर वसुली योग्य खर्च<br><br>मूळ - ५,४९.४१<br>पूरक - १८.०७<br>पुनर्विनियोजन - - ३.०८ | ५,६४.४१ | ५,७५.६१ | +११.२० | सदरहू लेखाशिर्षाखाली जमाबंदी आयुक्त आणि संचालक, भूमि अभिलेख, म.राज्य, पुणे यांच्या अधिनस्त कार्यालयात ६ व्या वेतन आयोगाच्या फरकाच्या रकमा व महागाई भत्त्याची रक्कम दिल्यामुळे तसेच अत्यावश्यक बाब म्हणून दूरध्वनी व विद्युत ची देयके उणे प्राधिकार पत्राद्वारे अदा केल्यामुळे खर्च दिसून येतो. कृपया वाढीव खर्च क्षमापित करण्यात यावा. |
| रु.११.२० लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, पदे रिक्त असणे, विशेष भूमी संपादन अधिकाऱ्यांची पदे व प्रस्तावित दौरे रद्द करणे यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखलील पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे रु.३.०८ लाखं एवढा काढण्यात आलेला निधी अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले<br>रु.११.२० लाखांच्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४) | | | | |
| **२०५३ जिल्हा प्रशासन**<br>०९४ इतर आस्थापना<br>(०२)- मंडळ अधिकारी आणि मंडळ निरीक्षण<br>(०२)(०५) आयुक्त, नागपूर<br>मूळ - ११,४०.७९<br>पुनर्विनियोजन - -१,०८.५० | १०,३२.२९ | ११,९६.१५ | +१,६३.८६ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली आयुक्त कार्यालय नागपूर यांच्या अधिनस्त जिल्हाधिकारी कार्यालयांकडून समर्पित अहवालामध्ये कमी खर्च दर्शविला व त्याआधारे अंतिम सुधारीत अनुदान कमी वितरीत झाले. प्रत्यक्षात खर्च जास्त असल्याने खर्चात वाढ झाल्याचे दिसून येत आहे. कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| रु.१,६३.८६ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, अधिकारी / कर्मचारी यांची पदे रिक्त असणे व अधिकारी / कर्मचारी यांची मागणी न करणे यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये वरील उपशिर्षाखालील रु.१,०८.५० लाख एवढा काढण्यात आलेला निधी अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.<br><br>रु.१,६३.८६ लाखांच्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४). | | | | |

## अनुदान क्रमांक सी-१- महसूल व जिल्हा प्रशासन

५. मोठी बचत घेऊन अनुदान बंद होण्याचे हे लागोपाठचे अकरावे वर्ष आहे. त्यातून अत्याधिक अंदाज करणे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निदर्शनास येते. आधीच्या वर्षातील बचत खाली दिल्याप्रमाणे आहे.

| वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च (रु.लाखात) | बचत |
|---|---|---|---|
| २००३-०४ | ४,१७,५६.७७ | ३,७७,९६.७३ | ३९,६०.०४ |
| २००४-०५ | ४,६९,३१.७७ | ४,२२,२०.१२ | ४७,११.६५ |
| २००५-०६ | ५,३२,८३.६५ | ४,६५,५९.४३ | ६७,२४.२२ |
| २००६-०७ | ५,३७,३०.०१ | ४,७१,०६.१५ | ६६,२३.८६ |
| २००७-०८ | ५,५०,४७.५६ | ५,००,२३.८३ | ५०,२३.७३ |
| २००८-०९ | ६,३४,०९.८४ | ५,८५,७८.५४ | ४८,३१.३० |
| २००९-१० | ९,०१,९१.७६ | ७,८५,७५.७५ | १,१६,१६.०१ |
| २०१०-११ | १०,६९,३७.९६ | ८,९५,९५.०९ | १,७३,४२.८७ |
| २०११-१२ | ११,३६,६२.३९ | ९,८९,१८.१७ | १,४७,४४.२२ |
| २०१२-१३ | १३,५४,१६.२४ | ११,७१,८३.४७ | १,८२,३२.७७ |

**********

Desk Officer,
Revenue and Forest's Department
Hutatma Rajguru Chowk,
Madam Cama Road,
Mantralaya, Mumbai - 400 032.

# महाराष्ट्र राज्याच्या सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखे

| क्रमांक | | विनियोजन लेखा परिच्छेद पृ.क्र., दी बार्बीचा संदर्भ विनियोजन | | | सविस्तर स्पष्टीकरण व अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| | | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | |
| | | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | |
| प्रमाणकीय २०३० - मुद्रांक व नोंदणी | | | | | सदरचा अधिक खर्च मुख्यत्वेकरुन मुद्रांक विक्रीच्या मनौतीची (Vendor Commission) रक्कम प्रदान केल्यामुळे झाला. हा खर्च मुद्रांक विक्रीच्या प्रमाणावर अवलंबून आहे. सदर कालावधीत मुद्रांकाची विक्री मोठया प्रमाणात झाली म्हणजेच शासनाच्या महसूली जमामध्ये वाढ झाली असल्याने, सदर मुद्रांक विक्रीच्या पर्यायाने महसूली जमेच्या प्रमाणात द्यावयाच्या मनौतीच्या (Vendor Commission) प्रमाणात झालेली रु.२१,४५,१९,०००/-(रुपये एकवीस कोटी पंचेचाळीस लाख एकोणीस हजार फक्त) इतकी वाढ तथा अधिकचा खर्च नियमित करणे आवश्यक असल्याने त्याबाबत विनंती आहे. |
| भारित मूळ | १,६०,९६,५१ | १,८५,९६,५१ | २,०७,४१,७० | (+) २१,४५,१९ | |
| पूरक | २५,००,०० | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | | | | ८,४९,८७ | |
| भारित मूळ | ६ | ६ | — | (-) ६ | सदरहू प्रधानलेखाशिर्षातील भारित अंतर्गत उपलब्ध तरतूद ही वित्तीय वर्षअखेर समर्पित करण्यात आली. |
| पूरक | — | | | | |
| वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | | | | ६ | |



सह सचिव
महसूल व वन विभाग
मुलतमा रामगुरु चौक, मादाम कामा रोड
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२

# महाराष्ट्र राज्याच्या सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखे

| क्रमांक | | विनियोजन लेखा परिच्छेद पृ.क्र., दी बाबींचा संदर्भ विनियोजन - सी-२ | | | सविस्तर स्पष्टीकरण व अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| | | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | |
| | | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | |
| प्रधानशीर्ष<br>२०३० - मुद्रांक व नोंदणी<br>०१-मुद्रांक न्यायिक,<br>१०२-मुद्रांक विक्रीवरील खर्च<br>(००)(०१)<br>मुद्रांक विक्री वरील खर्च,<br>५०-इतर खर्च<br>(२०३० ००४७) | | | | | सदरचा अधिक खर्च मुख्यत्वेकरुन मुद्रांक विक्रीच्या मनौतीची (Vendor Commission) रक्कम प्रदान केल्यामुळे झाला. हा खर्च मुद्रांक विक्रीच्या प्रमाणावर अवलंबून आहे. सदर कालावधीत मुद्रांकाची विक्री मोठया प्रमाणात झाली म्हणजेच शासनाच्या महसूली जमामध्ये वाढ झाली असल्याने, सदर मुद्रांक विक्रीच्या पर्यायाने महसूली जमेच्या प्रमाणात द्यावयाच्या मनौतीच्या (Vendor Commission) प्रमाणात झालेली रु.२,१२,५८,०००/-(रुपये दोन कोटी बारा लाख अठ्ठावन्न हजार फक्त) इतकी वाढ तथा अधिकचा खर्च नियमित करणे आवश्यक असल्याने त्याप्रमाणे विनंती आहे. |
| दत्तमत<br>मूळ | १,७७.६० | १,५९.३६ | ३,७१.९४ | (+)२,१२.५८ | |
| पुनर्विनियोजन | (-) १८.२४ | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

उप सचिव
महसूल व वन विभाग
हुतात्मा राजगुरू चौक, मादाम कामा रोड
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२

# महाराष्ट्र राज्याच्या सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखे

| क्रमांक | | विनियोजन लेखा परिच्छेद पृ.क्र., दी बार्गीया संदर्भ विनियोजन - सी-२ | | | सविस्तर स्पष्टीकरण व अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| | | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | |
| | | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | |
| प्रधानशीर्ष २०३० - मुद्रांक व नोंदणी ०२-मुद्रांक न्यायिकेत्तर, १०२-मुद्रांक विक्रीवरील खर्च (००)(०१) मुद्रांक विक्री वरील खर्च, ५०-इतर खर्च (२०३० ००८३) | | | | | सदरचा अधिक खर्च मुख्यत्वेकरुन मुद्रांक विक्रीच्या मनौतीची (Vendor Commission) रक्कम प्रदान केल्यामुळे झाला. हा खर्च मुद्रांक विक्रीच्या प्रमाणावर अवलंबून आहे. सदर कालावधीत मुद्रांकाची विक्री मोठया प्रमाणात झाली म्हणजेच शासनाच्या महसूली जमामध्ये वाढ झाली असल्याने, सदर मुद्रांक विक्रीच्या पर्यायाने महसूली जमेच्या प्रमाणात द्यावयाच्या मनौतीच्या (Vendor Commission) प्रमाणात झालेली रु.२८,०४,२६,०००/-(रुपये अठ्ठावीस कोटी चार लाख सव्वीस हजार फक्त) इतकी वाढ तथा अधिकचा खर्च नियमित करणे आवश्यक असल्याने त्याप्रमाणे विनंती आहे. |
| दत्तमत मूळ | ४०,००.०० | ३५,३०.०० | ६३,३४.०० | (+)२८,०४.२६ | |
| पुनर्विनियोजन | (-) ४,७०.०० | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

उप सचिव
महसूल व वन विभाग
[illegible] चौक, मादाम कामा रोड
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२

# महाराष्ट्र राज्याच्या सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखे

| क्रमांक | | विनियोजन लेखा परिच्छेद पृ.क्र., दी बार्बीचा संदर्भ विनियोजन - सी-२ | | | सविस्तर स्पष्टीकरण व अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| | | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | |
| | | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | रुपये (हजारात) | |
| प्रधानशीर्ष २०३० - मुद्रांक व नोंदणी ०३-नोंदणी, (००१-संचालन व प्रशासन, (००) (०२) व्यवस्थापक, शासकीय छायाचित्र नोंदणी कार्यालय, पुणे (२०३० ०१२७) | | | | | मे.श्रध्दा इंडस्ट्रिज, नागपूर यांनी इनव्हाईस वेळेत न दिल्याने तात्काळ देयके कोषागारात सादर करता आली नाहीत. त्यामुळे खर्च कमी झालेला असून बचत झालेली आहे. तथापि, अधिकचा खर्च नियमित करणे आवश्यक असल्याने त्याप्रमाणे विनंती आहे. |
| दत्तमत मूळ | १,०१.९४ | १,१३.३६ | ८४.८८० | (-)२८.४८ | |
| पूरक | ३५.४९ | | | | |
| पुनर्विनियोजन | (-) २४.०७ | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

## अनुदान क्रमांक सी -४ सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा

सन २०१३-२०१४

(रु. हजारात)

| शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| **प्रधान शिर्ष** | | | | |
| २०५२ सचिवालय- सर्वसाधारण सेवा<br>२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>२०७५ संकीर्ण सर्वसाधारण सेवा | | | | |
| **दत्तमत-** | | | | |
| मुळ- १,४७,३२,६२ | | | | |
| पूरक १५,०० | १,४७,४७,६२ | ३८,७३,५६ | -१,०८,७४,०६ | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | १,०७,३२,२३ | |
| **भारित —** | | | | |
| मुळ- ५५,०३ | ५५,०३ | २४,११ | -३०,१२ | |
| पूरक ------ | | | | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | २५,११ | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| टिपा व भाष्ये :-<br><br>अनुदानाखालील रु.३८,७३.५६ लाख इतका झालेला प्रत्यक्ष खर्च हा रु.१,४७,३२.६२ लाख इतक्या मूळ तरतूदी इतकासुध्दा झाला नाही. डिसेंबर २०१३ मध्ये प्राप्त केलेली रु.१५ लाखांची पूरक तरतूद अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.<br><br>२. अनुदानाखालील रु.१,०८,७४.०६ लाख इतकी अंतिम बचत असतांना वर्षभरात फक्त रु.१,०७,३२.२३ लाख एवढा निधी परत करण्यात आला. | | | | |
| **२०५२- सचिवालय -सर्वसाधारण सेवा**<br>०९०- सचिवालय<br>(००)(०१) —महसूल व वन विभाग<br>मूळ- २७,११.३१<br>पूरक- १५.००<br>पुनर्विनियोजन- - ३,८३.१४ | २३,४३.१७ | २३,२७.६६ | -१५.५१ | सदरहू लेखाशिर्षांतर्गत महसूल व वन विभाग(खुद) मंत्रालय आस्थापनेवर मंजूर करण्यात आलेल्या ५२१ पदांपैकी ११४ पदे रिक्त असल्यामुळे बचत झाली आहे. कृपया सदर बचत ०.६६ टक्के एवढी अल्प असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| **०९०- सचिवालय**<br>(००)(०८) आपत्ती व्यवस्थापन विभाग<br>मुळ- २,७७.५२<br>पुनर्विनियोजन -३३.४० | २,४४.१२ | २,४३.७१ | -०.४१ | सदरहू लेखाशिर्षांतर्गत महसूल व वन विभागातील आपत्ती व्यवस्थापन उपविभागातील मंजूर ४० पदांपैकी १० पदे रिक्त असून अधिकारी/कर्मचारी यांची आश्वासित प्रगती योजना लाभ फरकाची देयके प्राप्त न झाल्याने बचत झाली आहे. सदर बचत ही अल्प (०.१६%) असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| रु. १५.९२ लाखाची अंतिम बचत लक्षात घेता, रिक्त पदे राहिल्यामुळे मार्च ,२०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली प्रत्यर्पणाद्वारे काढण्यात आलेला रु. ४,१६.५४ लाखाचा निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br><br>रु. १५.९२ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४) | | | | |
| २०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२)(०१) शासकीय प्रयोजनाकरिता भूमी संपादनासाठी तरतूद, गृह विभाग<br>मूळ- ८,००.००<br>पुनर्विनियोजन - ६,४३.९२ | | १,५६.०८ | ४२.४९ | -१,१३.५९ | या लेखाशिर्षाअंतर्गत भुसंपादन अधिकारी क्रमांक.४ मुंबई उपनगर जिल्हा यांनी सादर केलेले रु.१,१३.५९ लाखाचे देयक अधिदान व लेखाधिकारी कार्यालयाकडून आक्षेपित होऊन परत आले. सदरची रक्कम अखर्चित राहील्यामुळे बचत झाली आहे. कृपया सदरची बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| ८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(०१) शासकीय प्रयोजनाकरिता भूमी संपादनासाठी तरतूद,<br>सार्वजनिक बांधकाम विभाग<br>मुळ- १,००,००.००<br>पुनर्विनियोजन -९२,८३.०६ | | ७,१६.९४ | ७,०४.१६ | -१२.७८ | या लेखाशिर्षातंर्गत विभागीय आयुक्त, औरंगाबाद यांनी सादर केलेल्या अहवालानुसार रु.१२.७७ लाख एवढा शिल्लक राहीलेल्या निधीतून कोणत्याही एखाद्या भूसंपादन प्रकरणाचा संपुर्ण मोबदला देणे शक्य नसल्यामुळे सदर निधी समर्पित करण्यात आलेला आहे. त्यामुळे बचत दिसून येते. कृपया सदर बचत क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१२)(०१) शासकीय प्रयोजनाकरिता भूमी संपादनासाठी तरतूद,<br>विधी व न्याय विभाग<br>मुळ- ३,००.००<br>पुनर्विनियोजन -२,६१.६९ | ३८.३१ | ३७.८८ | -०.४३ | जिल्हाधिकारी कार्यालयाकडून मागणी नसल्यामुळे रु.४३,४३८/- एवढा निधी समर्पित करण्यात आला त्यामुळे बचत दिसून येते. सदर बचत अल्प (१%) असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्यात यावी. |
| रु. १,२६.८० लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, मागणी न केल्यामुळे मार्च,२०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली प्रत्यर्पणाव्दारे काढण्यात आलेला रु.१,०१,८८.६७ लाखांचा निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु. १,२६.८० लाखाच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४). | | | | |
| २०५२-सचिवालय सर्वसाधारण सेवा<br>००३ प्रशिक्षण<br>(००)(०१) शासकीय कर्मचाऱ्यांना प्रशिक्षण<br>मूळ- २,००.००<br>पुनर्विनियोजन -५७.७९ | १,४२.२१ | १,४२.२१ | ---- | सदरहू लेखाशिर्षाखाली तरतुदी ऐवढा खर्च झाल्याने अभिप्राय नाहीत. |

मागणी न झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली प्रत्यापर्णाद्वारे रु.५७.७९ लाख एवढा निधी काढण्यात आला.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ०९० सचिवालय<br>(००)(०६) महसुल व वन विभाग<br>सरदार सरोवर संबंधित आस्थापना<br>मुळ ५४.२०<br>पुनर्विनियोजन - ११.७६ | ४२.४४ | ४२.९४ | +०.५० | सदरहू लेखाशिर्षांतर्गत सरदार सरोवर संबंधित आस्थापनेवरील कर्मचाऱ्यांना वेतन फरकाची रक्कम अदा केल्यामुळे अधिक खर्च झाला आहे. सदर अधिकचा खर्च अल्प असल्याने कृपया क्षमापित करण्यात यावा. |

रु.०.५० लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, रिक्त पदे यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली प्रत्यर्पणाव्दारे रु.११.७६ लाखांचा काढण्यात आलेला निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

रु.०.५० लाखांच्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४).

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०- सर्वसाधारण<br>८००- इतर खर्च<br>(०३)(०१) शासकीय प्रयोजनाकरीता भूमी संपादनासाठी तरतूद, महसूल व वन विभाग<br>मूळ १,००.००<br>पुनर्विनियोजन -४३.३९ | ५६.६१ | ५६.६२ | +०.०१ | सदरहू लेखाशिर्षाखाली प्रत्यक्षात अधिकचा खर्च झालेला नाही.<br>सन २०१३-१४ मध्ये भूसंपादनासाठी प्रत्यक्षात रु.५६,६१,८४३/- एवढा खर्च झाला आहे. मात्र अंतिम फेरबदल तरतूद आदेश निर्गमित करताना प्रत्यक्ष खर्च रु.५६.६२ हजार ऐवजी रु.५६.६१ हजार दर्शविण्यात आला. त्यामुळे अधिकचा खर्च दिसून येत आहे. |

रु.०.०१ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, मागणी न केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशिर्षाखाली प्रत्यर्पणाव्दारे रु.४३.३९ लाखांचा काढण्यात आलेला निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

रु.०.०१ लाख इतका अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४).

४. विनियोजनाखालील रु.३०.१२ लाख इतकी अंतिम बचत असताना वर्षभरात फक्त रु.२५.११ लाख इतका निधी परत करणे आपेक्षित होते.

५. विनियोजनाखालील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २०५९- सार्वजनिक बांधकामे<br>८०- सर्वसाधारण<br>८००- इतर खर्च<br>(०५)(०१) शासकीय प्रयोजनाकरिता भूमी संपादनासाठी तरतूद, सार्वजनिक बांधकाम विभाग<br>मूळ ५०.००<br>पूनर्विनियोजन -२५.०९ | २४.९१ | २४.९१ | --- | सदरहू लेखाशिर्षाखाल तरतुदी ऐवढा खर्च झाल्याने अभिप्राय नाहीत. |

मागणी न केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली रु.२५.०९ लाख एवढा निधी काढण्यात आला.

**अनुदान क्रमांक सी-४ — सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा (समाप्त)**

६. मोठी बचत होऊन अनुदान बंद होण्याचे हे लागोपाठचे अकरावे वर्ष आहे, त्यातून अत्यधिक अंदाज करणे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निदर्शनास येते.आधीच्या वर्षातील बचत खाली दिल्याप्रमाणे आहे-

| वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च(रु.लाखात) | बचत |
|---|---|---|---|
| २००३-०४ | ८८,७४.६४ | २२,५७.८९ | ६६,१६.७५ |
| २००४-०५ | ५३,१४.४४ | २५,७०.६८ | २७,४३.७६ |
| २००५-०६ | ४८,८८.१९ | २८,७०.६७ | २०,१७.५२ |
| २००६-०७ | ६२,८१.९० | २०,७२.५९ | ४२,०९.३१ |
| २००७-०८ | ७९,८३.५२ | १५,५८.०३ | ६४,२५.४९ |
| २००८-०९ | ४२,१९.३७ | १६,३५.८८ | २५,८३.४९ |
| २००९-१० | ५८,८०.८७ | १८,५९.२८ | ४०,२१.५९ |
| २०१०-११ | २४,२५.६८ | २०,९५.०० | ३,३०.६८ |
| २०११-१२ | १,३४,६१.०४ | ३६,१०.४० | ९८,५०.६४ |
| २०१२-१३ | १,३९,०६.२० | ३९,७२.३७ | ९९,३३.८३ |

७. मोठी बचत होऊन विनियोजन बंद होण्याचे हे लागोपाठचे अकरावे वर्ष आहे. त्यातून अत्याधिक अंदाज केल्याचे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निदर्शनास येते :-

आधीच्या वर्षातील बचत खाली दिल्याप्रमाणे आहे:-

| वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च (रु. लाखांत) | बचत | |
|---|---|---|---|---|
| २००३-०४ | १८,३५.२८ | १६,८९.५५ | १,४५.७३ | |
| २००४-०५ | २४,९५.१७ | ७,१२.६४ | १७,८२.५३ | |
| २००५-०६ | १६,३८.६४ | १०,७३.८६ | ५,६४.७८ | |
| २००६-०७ | १८,१४.७३ | १७,३२.४० | ८२.३३ | |
| २००७-०८ | २५,९४.७१ | २४,२३.४७ | १,७१.२४ | |
| २००८-०९ | ७१.०१ | ५३.७७ | १७.२४ | |
| २००९-१० | २,३७.६८ | ०.१० | २,३७.५८ | |
| २०१०-११ | २१.०१ | ०.४८ | २०.५३ | |
| २०११-१२ | २१.०१ | ---- | २१.०१ | |
| २०१२-१३ | ६१.०२ | ४१.१९ | १९.८३ | |

**********

Desk Officer,
Revenue and Forest's Department
Hutatma Rajguru Chowk,
Madam Cama Road,
Mantralaya, Mumbai - 400 032.

अनुदान क्रमांक सी-५ इतर सामाजिक सेवा

| | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च (रु. हजारांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| २२१६ - गृहनिर्माण<br>२२१७ - नगर विकास<br>२२२५ — अनुसूचित जाती, अनुसूचित जमाती व इतर मागासवर्ग यांचे कल्याण<br>२२३५ — सामाजिक सुरक्षा व कल्याण<br>२२५० — इतर सामाजिक सेवा<br>दत्तमत<br>मूळ- १८,०४,९३<br>पूरक- ५,६२,६७ | २३,६७,६० | २२,१८,९२ | -१,४८,६८ | |
| वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ४,९०,१५ | |
| **भारित —**<br>मूळ- १०<br>पूरक- ..... | १० | ---- | -१० | |
| वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | १० | |

**टिपा व भाष्ये:-**

रु.१,४८.६८ लाख एवढी अंतिम बचत असताना, मार्च २०१४ मध्ये परत करण्यात आलेला रु. ४,९०.१५ लाख एवढा निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

२. अनुदानातील बचत पुढील शिर्षाखाली झाली :-

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च (रु. लाखांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| **२२३५ — सामाजिक सुरक्षा व कल्याण**<br>०१- पुनर्वसन<br>२०२ — इतर पुनर्वसन योजना<br>(०३)व(०४)- प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे<br>(०३)(०१) आयुक्त, कोंकण<br>व (०४)(०१)<br>मूळ- १.५५.३८<br>पुनर्विनियोजन - -४१.६५ | १.१३.७३ | १.१३.४८ | -०.२५ | लेखाशिर्ष २२३५१८७१ अंतर्गत वाहन विमा योजनेची रु १३,२१५/- एवढी रक्कम माहे मार्च २०१४ अखेर सादर समर्पित अहवालामध्ये समाविष्ट करण्यात आली नसल्याने सदर लेखाशिर्षांतर्गत खर्चामध्ये वाढ झाली होती. तर लेखाशिर्ष २२३५१९३३ अंतर्गत संगणक देयके मुदतीत प्राप्त न झाल्याने रु. ३८ हजार बचत झालेली असून, दोन्ही लेखाशिर्षांतर्गत एकत्रितरित्या रु ०.२५ लक्ष बचत झालेली आहे. |
| २०२ — इतर पुनर्वसन योजना<br>(०३)व(०४)- प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे<br>(०३)(०४) आयुक्त, नागपूर<br>व (०४)(०४)<br>मूळ- १.६१.३३<br>पुनर्विनियोजन - -१४.१७ | १.४७.१६ | १.४५.१२ | -२.०४ | महालेखापरिक्षक यांच्या अहवालामध्ये दर्शविण्यात आलेली तरतुद रु.१६१.३३ लक्ष आहे तथापि, प्रत्यक्षात मात्र बीडीएसवर उपलब्ध करुन देण्यात आलेले अनुदान रु.१६३.९९ लक्ष इतके आहे. अहवालामध्ये नमूद खर्च रु.१४५.१२ लक्ष दर्शविण्यात आलेला आहे तथापि, प्रत्यक्ष खर्च मात्र रु. १४४.९७५ लक्ष इतका आहे. विनियोजन लेखा अहवालामध्ये पुनर्विनियोजन रु.१४.१७ लक्ष दर्शवून प्रत्यक्षात मात्र समर्पित रक्कम रु.१९.०१५ लक्ष इतकी रक्कम समर्पित करण्यात आली आहे. सबब दर्शविण्यात आलेली बचत रु.२.०४ लक्ष ही प्रत्यक्षात मात्र शुन्य आहे. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ०१-पुनर्वसन<br>२०२ — इतर पुनर्वसन योजना<br>(०३)ख(०४)- प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे<br>(०३)(०६) व (०४)(०६)आयुक्त, औरंगाबाद<br><br>मूळ १,८६.७१<br>पुनर्विनियोजन -३७.८८ | १,४८.८३ | - १,४८.६० | -०.२३ | लेखाशिर्ष २२३५१९२४ अंतर्गत वेतनावर अधिक खर्च झाला असून, उपआयुक्त(पुनर्वसन) व काही पदे रिक्त असल्याने लेखाशीर्ष २२३५१९८९ अंतर्गत बचत झालेली आहे. वेतन व पदे रिक्त असल्याने एकत्रितरित्या रु.०.२३ लक्ष बचत झालेली आहे. तरी सदर बचत क्षमापित करण्यात यावी. |
| **२२३५ — सामाजिक सुरक्षा व कल्याण**<br>०१-पुनर्वसन<br>२०२ — इतर पुनर्वसन योजना<br>(०३) - प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे<br>(०३) (०८) सरदार सरोवर प्रकल्पग्रस्तांच्या संदर्भातील तक्रार निवारण प्राधिकरण, नंदुरबार कार्यालय<br><br>मूळ ७८.३९<br>पुनर्विनियोजन - ३५.१७ | ४३.२२ | ३७.४३ | -५.७९ | महाराष्ट्र शासन महसूल व वन विभाग शासन निर्णय क्रमांक सुअ-२०१४/२२३५/प्र.क्र.२८/ब-१ दिनांक ३०/३/२०१४ अन्वये मागणी क्र. सी-५, २२३५ सामाजिक सुरक्षा व कल्याण या लेखाशिर्षाखाली अंतिम फेरबदल तरतुद मंजूर केलेली असुन अंतिम फेरबदल तरतुदीनुसार एकुण मंजूर अनुदान रक्कम रुपये ४३.२२ लक्ष एवढे मंजूर असुन कार्यालयाने केलेला एकूण खर्च रुपये ३७.४३ लक्ष एवढा आहे. एकुण प्राप्त अनुदान आणि कार्यालयाने केलेला खर्च याचा ताळमेळ घेता रक्कम रुपये ५.७९ लक्ष एवढी बचत झालेली आहे. अपर जिल्हाधिकारी हे पद दि.१/६/२०१३ ते दि.३१/३/२०१४ आणि सचिव हे पद दि. १५/३/२०१३ ते दि.३१/३/२०१४ या कालावधीत रिक्त असल्याने रु.५,७८,७८६/- इतकी बचत वेतनाच्या तरतुदीपैकी तर रु.१२१/ मात्र वेतनेत्तर तरतुदीपैकी अशी एकुण रु.५,७८,९०७/- इतकी म्हणजेच रु. ५.७९ लक्ष बचत झालेली आहे. सदर |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | झालेली रु.५.७९ लक्ष इतकी बचत वितरीत केलेल्या रु.७८.३९ लक्ष इतक्या मुळ अनुदानाच्या ७.३८% इतकी आहे. सदर बचत पद रिक्त असणे या अपरीहार्य कारणास्तव झालेली असल्याने, कृपया ती क्षमापित करण्यात यावी. |
| रु.८.३१ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, प्रस्तावित दौरे रद्द करणे, कोषागाराची बिले मंजूर न होणे, जाहिरातींची बिले मंजूर न होणे, मागणी न करणे, दूरध्वनीचा कमी उपयोग करणे, अनुदान उशिरा प्राप्त होणे, ठेव संलग्न विमा योजनेत अनुदान अपुरे असणे, अनुदान वितरणानंतर रक्कम शिल्लक राहणे, अध्यक्ष, जिल्हाधिकारी, सचिव उपसचिव, लिपीक व शिपाई यांची पदे रिक्त राहणे, सुधारित अंदाजपत्रकाची कमी रक्कम प्राप्त होणे, पदे रिक्त असणे, वेतन काढण्यासाठी अपुरे अनुदान असणे यांमुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली पुनर्नियोजन / प्रव्यर्पण यांव्दारे रु.१,२८.८७ लाख एवढा काढण्यात आलेला निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br><br>रु. ८.३१ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४). | | | | |
| ०१- पुनर्वसन<br>२०२—इतर पुनर्वसन योजना<br>(०३) व (०४)- प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे<br>(०३)(०२) आयुक्त, पुणे<br>व (०४)(०२)<br>मूळ- ४,९२.५२<br>पूरक १,२५.४६<br>पुनर्विनियोजन - -१,५५.३० | ४,६२.६८ | ४,७५.३२ | +१२.६४ | माहे मार्च २०१४ अखेर सादर देयकांवर आधारित समर्पित अहवाल सादर करण्यात आला होता. तथापि, कोषागार कार्यालयात सादर करण्यात आलेली देयके विचारात न घेता समर्पित अहवाल बनविण्यात आल्याने रु.१२.६४ लाख एवढा अधिक खर्च झालेला आहे. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ०१- पुनर्वसन<br>२०२—इतर पुनर्वसन योजना<br>(०३) व (०४)- प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे<br>(०३)(०५) आयुक्त, अमरावती<br>व (०४)(०५)<br>मूळ- २,५६.२५<br>पुनर्विनियोजन - -१,८९.८६ | ६६.३९ | १.९४.४७ | +१,२८.०८ | सदर लेखाशिर्षांतर्गत मागणी करण्यात आल्यापेक्षा कमी अनुदान प्राप्त झाल्याने रु.१,२८.०८ लक्ष अधिक खर्च झालेला आहे. तरी सदरचा अधिक खर्च क्षमापित करण्यात यावा. |
| ६०- इतर सामाजिक सुरक्षा व कल्याण कार्यक्रम<br>१०४- ठेव संलग्न विमा योजना<br>(००) (०१)- ठेव संलग्न विमा योजनेची देयके<br>मूळ १,०५.००<br>पुनर्विनियोजन -१८.६८ | ८६.३२ | ११.५६ | +५.२४ | भविष्य निर्वाह निधीचे वर्गणीदार असलेले व शासकीय सेवेत असताना मृत झालेले अशा अधिकारी/कर्मचारी यांच्या वारसांना रु.६० हजारच्या कमाल मर्यादेत या योजनेतंर्गत लाभ देण्यात येतो. प्रधान मुख्य वनसंरक्षक, महाराष्ट्र राज्य, नागपूर व विभागीय आयुक्त, औरंगाबाद यांच्या कार्यालयाने अंतिम सुधारीत तरतुदी (FMG) साठी अनवधनाने कमी खर्च शासनास कळविला असल्याने, त्याप्रमाणे FMG चे आदेश निर्गमित करण्यात आले. परंतु प्रत्यक्षात वरील दोन्ही नियंत्रक अधिकाऱ्यांकडून ठेव संलग्न योजनेंतर्गत FMG मध्ये दाखविलेल्या खर्चापेक्षा जास्त खर्च झाल्याने, तो खर्च FMG च्या तुलनेत जास्त दिसतो. तरी वरील दोन्ही नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी प्रत्यक्षातील खर्च मान्य केला असल्याने सदर खर्च नियमानुकूल करण्यात यावा. |

रु.१,४५.९६ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, प्रस्तावित दौरे रद्द करणे, कोषागाराची बिले मंजूर न होणे, जाहिरातींची बिले मंजूर न होणे, मागणी न करणे, दूरध्वनीचा कमी उपयोग करणे, अनुदान उशिरा प्राप्त होणे, ठेव संलग्न विमा योजनेत अनुदान अपुरे असणे, अनुदान वितरणानंतर रक्कम शिल्लक राहणे, अध्यक्ष, जिल्हाधिकारी, सचिव उपसचिव, लिपीक व शिपाई यांची पदे रिक्त राहणे, सुधारित अंदाजपत्रकाची रक्कम कमी प्राप्त होणे, पदे रिक्त असणे, तहसिलदार यांचे वेतन काढण्यासाठी अपुरे अनुदान असणे यांमुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली पुनर्नियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे काढण्यात आलेला रु.३,६३.८४ लाख इतका निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

रु.१,४५.९६ लाखांच्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४).

३. वरील टीप २ मध्ये नमूद केलेली बचत खालील अधिक खर्चाव्दारे अंशत: प्रतितोलित झाली :-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **२२३५ — सामाजिक सुरक्षा व कल्याण**<br>०१ - पुनर्वसन<br>२०२ — इतर पुनर्वसन योजना<br>(०३) - प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे<br>(०३) (०७) अप्पर जिल्हाधिकारी,सरदार सरोवर प्रकल्प, नंदुरबार<br>मूळ- १,६७.६९<br>पुनर्विनियोजन - १७.०८ | १,८४.७७ | १,८३.२५ | -१.५२ | महाराष्ट्र शासन महसूल व वन विभाग शासन निर्णय क्रमांक सुअ-२०१४/२२३५/प्र.क्र.२८/ब-१ दिनांक ३०/३/२०१४ अन्वये मागणी क्र. सी-५, २२३५ सामाजिक सुरक्षा व कल्याण या लेखाशिर्षाखाली अंतिम फेरबदल तरतुद मंजूर केलेली असुन अंतिम फेरबदल तरतुदीनुसार एकुण मंजूर अनुदान रक्कम रु.१८४.७७ लक्ष एवढे मंजूर असुन कार्यालयाने केलेला एकूण खर्च रु.१८३.२५ लक्ष एवढा आहे. कार्यालयास प्राप्त एकुण अनुदान आणि कार्यालयाने केलेला खर्च याचा ताळमेळ घेता रक्कम रु.१.५२ लक्ष एवढी बचत झालेली आहे. कार्यालयातील अधिकारी/ कर्मचारी यांची पदे रिक्त असल्यामुळे वेतन व भत्यापोटी खर्चात बचत झालेली आहे. झालेली रु.१.५२ लक्ष इतकी बचत वितरीत केलेल्या रु. १६७.६९ लक्ष इतक्या मुळ अनुदानाच्या १% पेक्षा कमी असल्याने कृपया ती क्षमापित करण्यात यावी. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| रु.१.५२ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे रु.१७.०८ लाख इतकी वाढ करण्यात आलेला निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.१.५२ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४). | | | | |
| ०२- समाज कल्याण<br>१०४ — वृध्द,अपंग व निराश्रित व्यक्ती यांचे कल्याण<br>(००)(०३) आत्महत्या केलेल्या शेतकऱ्यांच्या वारसांना वित्तीय सहाय्य (योजनेत्तर)<br>मूळ- १६.५०<br>पूरक - ४,३७.२१ | ४,५३.७१ | ६,५८.७५ | +२,०५.०४ | आत्महत्या केलेल्या शेतकऱ्यांच्या वारसांना रु. १ लक्ष सानुग्रह अनुदान देण्यात येते. होणाऱ्या शेतकरी आत्महत्येबाबत पूर्व अंदाज बांधणे शक्य नसते. शेतकरी आत्महत्या रोखण्याच्या दृष्टीने विविध उपाययोजना शासनामार्फत राबविण्यात येत आहेत. आत्महत्या केलेल्या शेतकऱ्यांच्या वारसांना सानुग्रह अनुदान देण्यासाठी प्रत्येक जिल्हाधिकाऱ्यांच्या खात्यावर रु.५०,०००/- फक्त एवढी तरतुद करुन उणे प्राधिकार पत्रावर रु. १ लक्ष सानुग्रह अनुदान देण्याचे अधिकार प्रदान करण्यात आलेले आहेत. त्यामुळे या लेखा शिर्षांतर्गत रु. २,०५.०४ लक्ष एवढा अधिकचा खर्च दिसून येत आहे. |
| वरील उपशीर्षाखालील रु.२,०५.०४ लाखांच्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४). | | | | |

Desk Officer,
Revenue and Forest's Department
Hutatma Rajguru Chowk,
Madam Cama Road,
Mantralaya, Mumbai - 400 032.

विनियोजन लेखे सन २०१३-१४
मागणी क्र. सी -७ (वित्त)

| मु. क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) वजा (-) | विभागाचे शेरेशेरा |
|---|---|---|---|---|---|
| | | (रु.हजारात) | | | |
| ६५ | प्रधान शिर्ष<br>२४०६-वनीकरण व वन्यजीवन<br>२४१५- भूविनिमयक संशोधन व शिक्षण<br>वेतनेत्तर -<br><br>मूळ :- १०,६६,०५,५८<br>पूरक :- ६४,३२,७७ | ११,३१,४०,३५ | ११,०१,३६,८८ | -३२,०३,५९ | महसूल व वनविभाग, शासन निर्णय क्र.विधुळी-३०१४/२४०६/प्र.क्र.३५/व-१, , दि.३०/३/२०१५ अन्वये मागणी क्र.सी-७ प्रधान शिर्ष २४०६ वनीकरण व वन्यजीवन )योजनेतर( अंतर्गत रु.९६७१८.०९ लक्ष व योजनांतर्गत रु.१०४२५.०१ लक्ष तसेच महसूल व वन विभाग शा.नि. .विधुळी-२०१५/२४१५/प्र.क्र.३२/व-१, दि.३०/३/२०१५ अन्वये मागणी .क्र.सी-७, प्र.शि.२४१५ भूगर्भ विनिमयक संशोधन व शिक्षण )योजनेतर( अंतर्गत रु.१२१४.४३ लक्ष अशी एकुण रु.१०८३५७.५२ लक्ष इतके अंतिम सुधारीत अनुदान मंजुर करण्यात आले असून शासनाने सदर विनियोजन लेखांतर्गत नमुद केल्याप्रमाणे रु.११३३४०.३५ लक्ष इतके अनुदान प्राप्त झालेले नाही.<br><br>प्रधान शिर्ष २४०६ वनीकरण व वन्यजीव (योजनेतर) खाली विभागाने प्रत्यक्ष खर्च रु.९७४४०.२५ लक्ष व प्रधान शीर्ष २४०६ वनीकरण व वन्यजीवन )योजनांतर्गत योजना( (बिगर आदिवासी (अंतर्गत रु.१०४६३.७५ लक्ष असा एकुण रु.१०७९०४.०० लक्ष खर्च विभागाने केलेला आहे. सदर खर्च व महालेखाकार यांनी नोंदविलेल्या खर्चात तफावत आढळून आल्यामुळे सदर लेखाशिर्षाखाली विभागाने केलेला खर्च व महालेखाकार, कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये तफावत असल्याने चुक नोंद दुरुस्ती प्रस्तावाच्या अनुषंगाने आवश्यक ते स्पष्टीकरण या विभागाच्या पत्र क्र. लेखाप -५२ /प्र.क्र. १४/२०१३ पं.एसी-१ दि. ५.३.२०१६ अन्वये महालेखापाल II नागपूर यांच्या माग्यतेसाठी सादर केले आहे. |

Joint Secretary (Forests)
Revenue & Forest Department
Mantralaya, Mumbai - 400 032.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | प्रधान शीर्ष २४१५ कृषी विषयक संशोधन व शिक्षण )योजनेतर (खाली विभागाने रु.१२७८.२८ लक्ष प्रत्यक्ष खर्च केलेला आहे. विभागाने केलेला खर्च व महालेखाकार यांनी नोंदविलेल्या खर्चात तफावत आढळून आल्यामुळे सदर लेखाशिर्षाखाली विभागाने केलेला खर्च व महालेखाकार, कार्यालयाने नोंदविलेला खर्चामध्ये तफावत असल्याने चुक नोंद दुरुस्ती प्रस्तावाच्या अनुषंगाने आवश्यक ते स्पष्टीकरण या विभागाच्या पत्र क्र. लेखाप -१२ /प्र.क्र. २४/२०१३ पीएसी-१ दि. ५.३.२०१६ अन्वये महालेखापाल ॥ नागपूर यांच्या माग्यतेसाठी सादर केले आहे. शासनाने वरीलप्रमाणे शिर्षांतर्गत मंजुर केलेल्या अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत रु.(१०८३५७.५३-१०९१८२.२८) = रु.८२४.७५ लक्ष प्रत्यक्षात अधिकचा खर्च झालेला आहे. वरील आकडेवारी वरुन असे स्पष्ट होते की, विनियोजन लेख्यामध्ये नमुद केल्याप्रमाणे रु.३२०३.५३ लक्ष बचत झालेली नाही. |
| | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | | | ४९,८२,८२ | |
| ६५ | भारित-<br>मूळ :- ५०<br>पूरक :- --- | ५० | --- | -५० | वन विभागाकडून सदर लेख्याशिर्षाखाली मागणी प्रस्तावित करण्यात आली नाही. तथापी आकस्मिक रित्या जर एखाद्या नियंत्रक अधिकऱ्यांकडून तातडीच्या स्वरुपात मागणी प्राप्त झाल्यास न्यायालयाचे आदेशाने उल्लंघन होवू नये म्हणून सदर अनुदान शासन स्तरावरुन अर्थसंकल्पीत करण्यात आले होते. परंतु सदर खर्च करण्याची आवश्यकता भासली नसल्याने सदरह २ मुख्य लेखाशिर्षांतर्गत )भारीत (रु.०.५० लक्ष इतकी उपलब्ध झालेली तरतुद शासनस्तरावरुन प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |
| | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम )मार्च, २०१४) | | | ५० | |

टिपा व भाष्ये –:

रु.३२,०३.५३ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, परत करण्यात आलेला रु.४९,८२.८२ लाखांचा निधी अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले.

२. बचत होऊन अनुदान बंद होण्याचे, त्यातून अत्याधिक अंदाज करणे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे हे लागोपाठ नववे वर्ष आहे, निदर्शनास येते.

Joint Secretary (Forests)
Revenue & Forest Department
Mumbai - 400 032

# वित्तियोजन लेखे सन २०१३-१४
## मागणी क्र. सी -७ (वन)

| | वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च (रु. लाखात) | बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ६५ | २००५-०६ | ३,७२,३७.७७ | ३,४३,४५.७७ | २८,९२.०० | योजनेतर विभागाली अधिकारी/कर्मचाऱ्यांचे पदे मंजूर आहेत. प्रत्येक वर्षी सेवा निवृत्ती, पदोन्नती इत्यादी कारणामुळे पदे रिक्त राहतात. सदर पदांची भरती करणे होईल याबाबत निश्चितपणे सांगणे शक्य नसते. त्यामुळे पर आर्थिक तरतूद मंजूर झाल्यास त्यांचे वेतन व इतर भत्ते अदा करण्यात अडचण निर्माण होवू नये यासाठी रिक्त असलेल्या पदासाठी लागणाऱ्या अनुदानाची मागणी प्रस्तावित करण्यात येते. त्यामुळे अनुदान समर्पित करणे शक्य होत नाही. |
| | २००६-०७ | ४,०७,१२.८८ | ३,६५,८८.९६ | ४१,२३.९२ | |
| | २००७-०८ | ४,५९,७२.६७ | ४,४९,९५.४९ | ९,७७.९८ | रोजंदारी सदर पदे न भरल्यास रक्कम खर्च करणे शक्य होत नाही. त्यामुळे बचत होत असते. अर्थसंकल्पीय अंदाज पत्रक तयार करतांना पुढील वर्षात घेण्यात येणाऱ्या क्षेत्रिय कामाचा अंदाज घेवून अंदाजित रकमेचे अर्थसंकल्प तयार करण्यात येतात. अनुदान विलंबाने मंजूर झाल्यामुळून कामे करण्यासाठी फारच अल्प कालावधी शिल्लक राहत असल्यामुळे कामे पुर्ण करणे शक्य होत नाही. सर्वेक्षण रोपवनाची कामे व इतर वन विभागाची क्षेत्रिय कामे ही हंगामी स्वरुपाची असतात. सदर अनुदान आवश्यक त्या कालावधीत प्राप्त झाल्यास सदर कामे पुर्ण |
| | २००८-०९ | ५,३८,६३.३७ | ५,१५,९२.३२ | २३,५१.०५ | |
| | २००९-१० | ७,३७,६९.९६ | ६,१२,४४.३२ | १,२५,२५.६४ | करणे शक्य होते. क्षेत्रिय कामाचा कालावधी निघून गेल्यानंतर क्षेत्रिय कामे करणे शक्य होत नाही. त्यामुळे अनुदानाची बचत होत असते. तसेच मजुरांचा अभाव, काही नैसर्गिक आपत्ती व नक्षलग्रस्त भागात समाजकंटकांनी केलेल्या विघातक कार्यवाहीमुळे सुध्दा क्षेत्रिय कामात अडचणी निर्माण होतो. इत्यादी कारणामुळे अनुदान मंजूर झाल्यानंतरही कामे पुर्ण करणे शक्य होत नाही. त्यामुळे उपरोक्त आकस्मिक अंदाज केल्याचा भास निर्माण होतो. |
| | २०१०-११ | ८,५८,७८.५५ | ७,६३,०१.२४ | ९५,७७.३१ | |
| | २०११-१२ | ९,०१,८९.५१ | ८,६५,०७.९१ | ३६,८२.४० | परंतु वन महसूल जास्तीत जास्त प्राप्त होवून शासनाचे हीत जोपासण्याच्या दृष्टीकोनातून अंदाज प्रस्तावित करण्यात येतात. त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प सादर करण्यात आलेले आहे, हे विधान संयुक्तीक वाटत नाही. |
| | २०१२-१३ | १०,५७,२९.४२ | ९,६९,७८.८० | १५,५०.६२ | |

Joint Secretary (Forests)
Revenue & Forest Department
Mantralaya, Mumbai - 400 032.

अनुदान क्रमांक सी-९- इतर प्रशासनिक सेवा व सामाजिक सेवा यांवरील भांडवली खर्च

सन २०१३-१४ (रु. हजारात)

| | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| प्रधान शीर्ष<br><br>४०७० इतर प्रशासनिक सेवांवरील भांडवली खर्च<br>४२३५ सामाजिक सुरक्षा आणि कल्याण यांवरील भांडवली खर्च<br>६२३५ सामाजिक सुरक्षा व कल्याण यांसाठी कर्जे<br>६२४५ नैसर्गिक आपत्तींच्या निवारणासाठी सहाय्य देण्याकरिता कर्जे<br><br>दत्तमत-<br>मूळ .... १,००,४०<br>पूरक .... ..... | १,००,४० | .... | -१,००,४० | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | १,००,४० | |
| भारित -<br>मूळ ..... ५,००<br>पूरक .... .... | ५,०० | .... | -५,०० | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ५,०० | |

टिपा व भाष्ये:

प्रकल्पबाधित व्यक्तींच्या वितरित करण्याकरिता लाभान्वित क्षेत्रातील संपादन करण्याकरिता मागणी न आल्यामुळे रु. १,००.४० लाख एवढी संपूर्ण तरतूद परत करण्यात आली. २. मागील तीन वित्तीय वर्षामध्ये या शीर्षाखाली कोणताही खर्च झाला नसल्याचे तशी नोंद झाल्याचे लक्षात येते. परंतु, प्रत्यक्ष आवश्यकता/मागणी याचा विचार न करता या शीर्षाखाली पुरेशी अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात येत होती. उचित अंदाजपत्रका शिवाय तरतूद करण्याची कारणे मागविण्यात आलेली आहेत (ऑगस्ट २०१४). ३. अनुदानातील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली:-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ४२३५ सामाजिक सुरक्षा व कल्याण यांवरील भांडवली खर्च<br>०१ पुनर्वसन<br>२०१ इतर पुनर्वसन योजना<br>(००) (०१) प्रकल्पबाधित व्यक्तींना वितरीत करण्याकरिता लाभान्वित क्षेत्रातील जमिनींचे संपादन करणे<br><br>मूळ .... १,००.१५<br><br>पुनर्विनियोजन .... .-१,००.१५ | ... | .... | ... | सदर लेखाशीर्षांतर्गत सन २०१३-१४ या वर्षात निधी मागणी न आल्याने, मागणीअभावी पुनर्विनियोजन करण्यात आलेली संपूर्ण तरतूद प्रत्यार्पित करण्यात आली असून, सदर प्रत्यार्पण क्षमापित करण्याची विनंती आहे. |

मागणी न आल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील रु. १,००.१५ लाखांची संपूर्ण तरतूद परत करण्यात आली.

४. मागणी न आल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील रु. ५.०० लाखांची संपूर्ण तरतूद परत करण्यात आली

५. मोठी बचत होऊन अनुदान बंद होण्याचे, हे लागोपाठचे अकरावे वर्ष आहे त्यातून अत्यधिक अंदाज केल्याचे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निर्देशनास येते आधीच्या वर्षांतील बचत खाली दिल्याप्रमाणे आहे:-

| वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च (रु. लाखात) | बचत |
|---|---|---|---|
| २००३-०४ | ६,५६.४४ | ४,२१.०८ | २,३५.३६ |
| २००४-०५ | ४,०२.५५ | २,८०.५६ | १,२१.९९ |
| २००५-०६ | ९,३५.९१ | ७,२०.६२ | २,१५.२९ |
| २००६-०७ | १२,१५.९१ | १०,४०.७९ | १,७५.१२ |
| २००७-०८ | ६,४९.४६ | ५,३८.८८ | १,१०.५८ |
| २००८-०९ | १,८२.९१ | ६.८४ | १,७६.०७ |
| २००९-१० | १,४४.९१ | ०.०८ | १,४४.८३ |
| २०१०-११ | १,२५.९१ | ०.११ | १,२५.८० |
| २०११-१२ | १,२५.१५ | ... | १,२५.१५ |
| २०१२-१३ | १,२५.१५ | ... | १,२५.१५ |

DESK OFFICER
Government of Maharashtra,
Revenue and

विनियोजन क्रमांक सी-११-राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण (सर्व भारित)

सन २०१३-१४ (रूपये हजारात)

| | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| **प्रधान शिर्ष**<br>६००३-राज्य शासनाचे देशांतर्गत<br>**भारित-**<br>मूळ- ३,००<br>पूरक- ....<br>वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | ३,०० | ५.९७ | +२,९७<br><br>३,०० | महाराष्ट्र शेतजमीन (ज.धा.क.म.) अधिनियम,१९६१ अंतर्गत अतिरिक्त ठरलेल्या जमिनीच्या भरपाईची रक्कम रोख्याच्या स्वरुपात दिली जाते. प्रस्तुत लेखाशिर्षातंर्गत उक्त भरपाई रोख्यांच्या विमोचनाकरिता अनुदान उपलब्ध करुन दिले जाते. सदर भरपाई रोखे भारतीय रिजर्व्ह बॅकेकडून सरळ विमोचनाच्या वेळेस संबंधित ट्रेझरी ऑफिसकडे पाठविण्यात येतात. ट्रेझरी ऑफिसकडून लाभार्थीस विमोचनाची रक्कम अदा करुन सदर खर्च प्रस्तुत लेखाशिर्षाखाली टाकण्यात येत असल्याचे क्षेत्रिय स्तरावरील कार्यवाही वरुन समजून येते. सदर रोखे विमोचनाकरिता आरबीआय कडून सरळ ट्रेझरी ऑफीसकडे पाठविले जात असल्याने त्याकरिता झालेल्या खर्चाची नोंद संबंधित जिल्हाधिकारी कार्यालय तसेच विभागीय आयुक्त कार्यालयमध्ये घेतली गेली नसल्याने प्रत्यक्ष जास्तीचा खर्च झाल्याचे दिसून येते. |

टिपा व भाष्ये:-

विचार न करता निधी परत करण्यात आला त्यामुळे विनियोजनाखाली रू. २.९७ लाखांचा झालेला अत्यधिक खर्च (प्रत्यक्ष खर्च रु. २, ९६,५०८) नियमात बसविणे आवश्यक आहे.

कक्ष अधिकारी
महसूल व वन विभाग
हुतात्मा राजगुरू चौक, मादाम कामा रोड
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२

विनियोजन क्रमांक सी-११-राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण (सर्व भारित)

सन २०१३-१४

| | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च (रू. हजारांत) | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| **प्रधान शिर्ष**<br>६००३-राज्य शासनाचे देशांतर्गत<br>**भारित-**<br>मूळ- ३,००<br>पूरक- ....<br>वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | ३,०० | ५,९७ | +२,९७<br>३,०० | सर्व नियंत्रक अधिकाऱ्यांकडून प्राप्त झालेल्या अहवालावरून सन २०१३-१४ मध्ये सदर लेखाशिर्षाखाली कोणताही खर्च झाल्या नसल्याचे दिसून येते. त्यामूळे सदर लेखाशिर्षाखाली मंजूर अनुदान मार्च २०१४ मध्ये समर्पित करण्यात आलेले आहे. सदर बाब लक्षात घेता प्रस्तुत लेखाशिर्षाखाली नोंदविण्यात आलेला खर्च चुकीच्या वर्गीकरणामूळे झाला असल्याची शक्यता आहे. |
| **टिपा व भाष्ये:-**<br>विचार न करता निधी परत करण्यात आला त्यामुळे विनियोजनाखाली रे. २.९७ लाखांचा झालेला अत्यधिक खर्च (प्रत्यक्ष खर्च रु. २, ९६,५०८) नियमात बसविणे आवश्यक आहे. | | | | |

Desk Officer,
Revenue and Forest's Department
Hutatma Rajguru Chowk,
Madam Cama Road,
Mantralaya, Mumbai - 400 032.

**२.१ साक्ष :-**

उपरोक्त परिच्छेदासंदर्भात अधिक माहिती जाणून घेण्यासाठी समितीने दिनांक ७ फेब्रुवारी, २०१७ रोजी प्रधान सचिव, महसुल विभाग यांची साक्ष घेतली.

**सी-१ 'महसूल व जिल्हा प्रशासन' :-**

मागणी क्र. सी-१ 'महसूल व जिल्हा प्रशासन' मधील प्रधान लेखाशीर्ष २०२९ जमीन महसूल मध्ये एकूण ९ सब-हेड्स आहेत. त्या ९ सबहेड्सपैकी ७ सबहेड्सचा विचार केला तर त्यामधील खर्चाची तफावत १ टक्क्यापेक्षा कमी आहे. त्यातील पहिल्या मुद्यामध्ये फक्त ०.७७ टक्के इतकीच बचत झाली आहे. It is very negligible amount. दुसरा मुद्दा आहे त्यामध्ये ०.०७ टक्के इतकी अत्यल्प बचत आहे आणि तिस-यामध्ये फक्त ०.६४ इतकी बचत आहे.

नागपूरमध्ये इतर विभागांपेक्षा जास्त बचत झाल्याचे विभागाने मान्य केले. त्याबद्दल माहिती देताना सचिवांनी असे सांगितले की, नागपूर विभागात अनेक पदे रिक्त असण्याची कारणे काय आहेत. सदर पदे भरण्याबाबत कोणती कार्यवाहीची करण्यात आली आहे. खर्चाचा जो निधी बचत होतो तो नागपूर आणि अमरावती विभागातच होतो. पुणे किंवा मुंबई विभागात निधीची बचत झाली असे होत नाही. त्यामुळे नागपूर आणि अमरावती विभागांमधील प्रश्न सोडविण्यासाठी केलेली कार्यवाही माहिती समितीला दयावी याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, नागपूर विभागामध्ये सन १०१३-१४ ची परिस्थिती अशी आहे की, एकूण अ, ब, क, ड अशा पदांची जी वर्गवारी आहे त्यामध्ये एकूण ५६७१ पदे मंजूर होती. त्यापैकी त्या वर्षी ५२३५ इतकी पदे कार्यरत होती आणि रिक्त पदे ५३६ इतकी होती. त्यामध्ये वर्ग अ संवर्गात ३४ पदे, वर्ग ब मध्ये ७४, वर्ग क मध्ये ३४० आणि वर्ग ड मध्ये ८८ पदे रिक्त होती. ही परिस्थिती बदलत असते. दरवर्षी काही बदल्या करतो, काही सेवानिवृत्त होतात आणि काही नवीन नियुक्त्या होतात त्यामुळे परिस्थिती दरवर्षी ती बदलत असते. मात्र त्या वर्षी ५३६ इतकी पदे रिक्त होती. त्यामुळे त्यांना जे अनुदान वाटप करण्यात आले ते पूर्णपणे खर्च होऊ शकले नाही.

एखादे पद जर ३ वर्षे रिक्त राहिले तर ते लॅप्स किंवा व्यपगत होते. त्यामुळे ते पद पुन्हा भरले जात नाही. नागपूर-अमरावती भागात ३-३ वर्षे जी पदे रिक्त राहिली ती सिस्टीममधून लॅप्स होतात. पश्चिम जिल्ह्यातील संजय गांधी योजनेवरील सर्वच्या सर्व पदे लॅप्स झाली आहेत. कारण तीन वर्षे ती रिक्त होती. त्यामुळे तेथे प्रचंड प्रमाणात काम प्रलंबित आहे. त्यावर उपाय म्हणून तात्पुरत्या स्वरुपात कोणतरी अधिकारी येतात आणि कामे पूर्ण करण्याचा प्रयत्न करण्यात येतो. त्यामुळे नागपूर आणि अमरावती विभागातील अशा पध्दतीने लॅप्स झालेली पदे पुन्हा भरण्यासाठी विभागाकडे कोणते नियोजन आहे ? या संदर्भात सचिवांनी खुलासा केला की, नागपूर आणि अमरावती विभागामध्ये राज्यस्तरीय अ संवर्गातील वरिष्ठ पदे ब-याच प्रमाणात रिक्त होती. त्यामध्ये अपर जिल्हाधिकारी, उपजिल्हाधिकारी आणि तहसिलदार यांचा समावेश आहे. यासंबंधी शासनाने असा निर्णय घेतला की, अशा पदांसाठी विभागीय संवर्ग अशी संकल्पना ट्रीट करण्यात येईल. त्यानुसार यामध्ये विभागीय अधिकारी वाटप करण्याची प्रक्रिया सुरू केली. आता एमपीएससीकडून जे नवीन उमेदवार शासन सेवेत येतात त्यांना चक्राकार पध्दतीने त्या त्या विभागामध्ये पाठविण्यात येते. त्यामध्ये प्रथम क्रमांक नागपूर त्यानंतर अमरावती, औरंगाबाद आणि नाशिक असा अनुक्रमे ठेवला आहे.

परिस्थितीचा विचार करुनच शासनाने चक्राकार पध्दतीसंबंधी निर्णय घेतला की, जेणेकरुन नागपूर अमरावती भागातील पदे अग्रक्रमाने भरली जातील. सरळसेवेने आणि पदोन्नतीने भरावयाच्या पदांच्या बाबतीतही शासनाने हीच पध्दती सुरु ठेवली आहे.

जी जिवंत पदे आहेत ती भरता. पण जी व्यपगत झाली आहेत त्यांच्या बाबतीत कोणता निर्णय घेतला जातो. सचिवांना सांगितले की, या हेडमध्ये पदे व्यपगत झालेली नाहीत परंतु विदर्भात अधिकारी येत नसल्यामुळे अशी अनेक पदे आहेत की ती ३-३ वर्षे भरली जात नाहीत. विशेषकरुन अमरावती आणि नागपूर विभागाची ही स्थिती आहे

सदर पदे संवर्गनिहाय भरण्यात येतील. असे सचिवांनी सांगितले जी पदे व्यपगत झाली आहेत त्यासंबंधी कोणती कार्यवाही करण्यात येत आहे. अशी समितीने विचारणा केली असता सचिवांनी सांगितले की, जिल्हाधिकारी यांच्याकडून माहिती घेण्यात येईल व त्यांच्या कार्यालयामध्ये अन्य हेडखाली ज्यांचा या हेडशी थेट संबंध येत नसला तरी अशाप्रकारे काही पदे व्यपगत झाली आहेत काय आणि जर ती लॅप्स झाली असतील आणि त्यांच्या पुनरुज्जीवनाचा प्रस्ताव जर शासन स्तरावर संबंधित विभागाकडे त्यांनी पाठविला असेल तर त्याची प्रत मागवून घेण्यात येईल व संबंधित विभागाकडे पाठपुरावा करण्यात येईल.

औरंगाबाद आणि नांदेडच्या बाबतीतही २ कोटी ३१ लाख ६४ हजार रुपये सरेंडर केले आहेत. (०१) व (०२) या हेडमध्ये प्लॅन आणि नॉन-प्लॅनचे भूमी संपादन आस्थापना यावरील सर्व खर्च आहे. यामध्ये जी बचत झाली आहे त्यासंबंधी जिल्हाधिकारी कार्यालय औरंगाबाद व नांदेड यांनी जो समर्पण अहवाल दिला आहे. त्यामध्ये त्यांनी जास्तीचा संभावित खर्च दाखविला होता. त्याचा विचार करता त्यांना अंतिम सुधारीत अनुदान ज्यादा वाटप करण्यात आले आहे. प्रत्यक्षात तेवढा निधी खर्च होऊ शकला नाही. त्यामुळे ही बचत झाल्याचे दिसते. समर्पण अहवालमध्ये त्यांनी संभावित खर्चाचा आकडा अनवधानाने ज्यादाचा दाखविला होता, त्यामुळे ही जादाची बचत दिसते.

थोडा फार दाखविला असेल तर समिती मान्य करेल परंतू ३-४ वेळा असा आकडा दाखविला आहे. वाशिम जिल्ह्याचाही तसाच अहवाल आहे. आपण म्हणता की, अहवालात कळविल्यामुळे अंतिम सुधारित अनुदान ज्यादाचे वितरीत झाले. पण त्यासाठी एक निश्चित अशी सिस्टीम असली पाहिजे. नाही तर अधिकारी काही तरी कळवून देता आणि आपण निधी देता व त्यानंतर तो निधी व्यपगत होतो. त्यांच्या लक्षात आल्यानंतर त्यांनी किमान अप्रोप्रिएशनमध्ये कळविले पाहिजे. तसेही कळविले नाही. याबाबत सचिवांनी सांगितले की, सर्वच पॅरांमध्ये अशाच प्रकारचा उल्लेख आला आहे. विभागाने यामध्ये निधी संबंधी काळजी घेतली नाही.

किमान अप्रोप्रिएशनमध्ये विभागाने आवश्यक निधीची मागणी कारणे अपेक्षित असल्याने अधिकच्या निधीची गरज नसल्याचे कळविल्याने विभागाला हा निधी अन्यत्र वळविता येऊ शकतो.

संपूर्ण खर्चाचा आढावा घेऊन निश्चितपणे किती खर्च होईल याचा नीट अंदाज घेवून त्यानुसार अंतिम सुधारित अनुदान देण्यात येते. मात्र या प्रकरणामध्ये जो अंदाज कळविला होता तो चुकीचा होता. त्यामुळे यामध्ये अधिकची बचत झाली आहे हे मान्य केले. या प्रकरणी असे होऊ नये यासंबंधी सर्व क्षेत्रिय अधिका-यांना कळविण्यात आले आहे की, अंतिम सुधारित अनुदान कळविताना अधिक दक्षता घ्यावी.

२०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क याअंतर्गत मूळ तरतूद २ कोटी ५९ लाख ५८ हजार इतकी होती. त्यामध्ये पुनर्विनियोजन करण्यात येऊन ४२ लाख ६४ हजार रुपये कमी केले आहेत.त २ कोटी १६ लाख ९४ हजार इतकी विभागाच्या लेखी स्पष्टीकरणात नागपूर, वर्धा व भंडारा येथील रिक्त पदासंबंधी सविस्तर माहिती दिली असली तरी सदर पदे सेवानिवृत्तीमुळेच रिक्त होत असल्याबाबत महालेखाकारांनी एक्झीट कॉन्फरन्समध्ये आक्षेप घेतला होता. या संदर्भात निधी नियोजनाच्या वेळी कोणतीही दखल घेतली गेली नाही असे महालेखाकारांनी यांचे अभिप्राय आहे.

अमरावती आणि नागपूर विभागात १० वर्षांपासून किती पदे लॅप्स झाली याची समितीला माहिती द्यावी जेणेकरुन त्यासंबंधी पाठपुरावा करणे शक्य होईल. सदर माहिती संकलित करुन समितीला एका महिन्यात द्यावी असे समितीने सूचविले असता सचिवांनी मान्य केले.

२०२९, जमीन महसूल या संदर्भात महालेखाकारांनी असा आक्षेप घेतला आहे की, this matter should be referred to the Finance department. The department may take up the matter with Finance department to avoid such type of lapses in future. What are the lapses? अशी समितीने विचारणा केली असता सचिवांनी खुलासा केला की, काही जिल्ह्यांमध्ये ट्रेझरी कार्यालयात मार्च महिन्यात देयके सादर करण्यात आली होती व त्यासंबंधी बीडीएसवर खर्च दर्शविण्यात आला होता. परंतु ट्रेझरी कार्यालयाकडून काही आक्षेप घेतल्यामुळे सदर देयके परत आली. परंतु सदर देयकांचा बीडीएसवरील खर्च कॅन्सल करण्यात आला नाही. यामुळे बीडीएसवर जेवढा खर्च दर्शविण्यात आला होता तेवढा निधी रिलिज करण्यात आला होता. परंतु आक्षेपाच्या कारणास्तव परत करण्यात आलेल्या देयकांवरील खर्च न झाल्यामुळे बचत झाली. सदर बचतीची रक्कम ०.०७ टक्के इतकी आहे. एजी कार्यालयाकडून असे ऑब्जर्व्हेशन काढण्यात आले की, अशा केसेसमध्ये अशा प्रकारची पुनरावृत्ती होऊ नये. पूर्वी २०१३-१४ मध्ये बीडीएस प्रणालीचा नव्याने वापर सुरु झाला होता. बीडीएसवर खर्च नोंदविणे किंवा आवश्यकतेनुसार त्यावरील खर्च कॅन्सल करण्याची बाब दक्षतापूर्वक केली जात नव्हती. परंतु आता सध्या सुरु असलेली प्रक्रिया पूर्णतः संगणकीकृत आहे. यामुळे अशा गोष्टी घडणे शक्य नाही.

समितीने सरेंडर करण्यात आलेला निधी जास्त असण्याची कारणे विचारली असता सचिवांनी सांगितले की, "Computerisation of land records and Strengthening of revenue administration and updation of land records" अशा दोन स्कीम होत्या. सन २००८-०९ मध्ये दोन्ही स्कीम एकत्र करुन नॅशनल लॅण्ड रेकॉर्ड मॉडर्नायझेशन प्रोग्रॅम लाँच करण्यात आला. तेव्हा केंद्र शासनाने असे सांगितले की, दोन्ही योजनांमधील खर्च न झालेली शिल्लक रक्कम परत करावी. यामुळे सदर योजनांमधील खर्च न झालेली शिल्लक रक्कम परत करण्यासाठी ही तरतूद करण्यात आली होती. सदर निधी परत करण्यासाठी आहंरीत करण्याची परवानगी

द्यावी यासाठी वित्त विभागाकडे विचारणा केली असता वित्त विभागाने ज्या आदेशान्वये सदर निधी प्राप्त झाला होता त्या आदेशांच्या प्रती वित्त विभागाला उपलब्ध करुन द्याव्यात अशी मागणी केली. या संदर्भात अनेक प्रयत्न केल्यानंतर सुध्दा अद्याप त्यापैकी ३ आदेशाच्या प्रती मिळू शकल्या नाहीत. या संदर्भात एजी कार्यालयामध्ये जाऊन प्रयत्न केल्यानंतर सुध्दा केंद्र शासनाने काढलेल्या रिलिज ऑर्डरच्या प्रती मिळू शकल्या नाहीत.

सर्व आदेशांच्या प्रती मिळाल्यास त्यानुसार किती निधी प्राप्त झाला होता, त्यापैकी किती निधी खर्च झाला व किती निधी शिल्लक राहिला याचा हिशेब काढता येऊ शकेल. त्याकरिता सर्व आदेशांच्या प्रती उपलब्ध करुन देणे अत्यावश्यक आहे. परंतु एजी कार्यालयामध्ये सुध्दा सदर आदेशांच्या प्रती विभागाला मिळू शकल्या नाहीत. सन २००८-०९ पूर्वीच्या निधी रिलिजच्या ऑर्डर्स आहेत. यामुळे त्यावर्षी तरतूद केली होती. परंतु एकूण निधी निश्चित करता आला नाही. यामुळे तो सरेंडर करण्यात आला. असा समितीने निष्कर्ष काढला असता वित्त सचिवांनी खुलासा केला की, विभागाने प्रयत्न केला होता. परंतु त्यांना जुन्या आदेशाच्या प्रती उपलब्ध होऊ शकल्या नाहीत. हा विषय संपवला पाहिजे. कदाचित महाराष्ट्र सदनमध्ये यासंबंधीचे रेकॉर्ड मिळू शकेल. परंतु संबंधित विभागाने केंद्र शासनाच्या स्तरावर यासंबंधी चौकशी केली असता तोंडी सांगण्यात आले की, सदर आदेशाच्या प्रती मिळू शकत नाहीत. आता विभाग केंद्रास यासंबंधी लेखी स्वरुपात कळविणार असला तरी त्यांच्याकडून उत्तर प्राप्त झाल्यानंतर एजीकडून प्राप्त झालेल्या माहितीनुसार पुन्हा वित्त विभागाकडे जाऊन त्यांच्याकडे प्राप्त असलेला हिशेब आणि एजी कार्यालयाकडून काढण्यात आलेला फरक तेवढी रक्कम परत करण्यात यावी.

२०४५, विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क या लेखाशिर्षामध्ये कोल्हापूर आणि सोलापूर या जिल्ह्यांतील पगाराची देयके वेळेत सादर करण्यात आली नसल्याने ४० लाख रुपये प्रत्यार्पित करण्यात आले. याबाबत विभागाने स्पष्टीकरण दयावे अशी समितीने विचारणा केली असता सचिवांनी खुलासा केला की, शासनाच्या वतीने नगरपालिका तसेच महानगरपालिकांकडून शिक्षण व इतर कर वसूल केले जातात. त्यानंतर नगरपालिका व महानगरपालिकांकडून वसूल केलेल्या करांचा भरणा शासनाकडे केला जातो. शासनाकडून त्यांना २ टक्के रिबेट दिला जातो. या संदर्भात ४० लाख रुपयांची तरतूद केली होती. परंतु महसूल विभागाने दिनांक २० जानेवारी, २००३ रोजी काढलेल्या शासन निर्णयानुसार सन २००३-०४ वर्षापासून महानगरपालिका व नगरपालिकांनी वसूल केलेल्या शिक्षण कराच्या संदर्भात शासनाकडे कराचा भरणा करीत असताना २ टक्के रिबेटची रक्कम वजा करुन उर्वरित ९८ टक्के रक्कम जमा करावी. सदर हेड २ टक्के रिबेटची रक्कम देण्यासाठी होता. त्यानंतर रिबेटची रक्कम वजा करुन उर्वरित रक्कम भरणा करीत असल्यामुळे ही तरतूद खर्च करण्याची आवश्यकता नव्हती. परंतु पुर्वी काही लोकांनी रिबेट वजा न करता १०० टक्के रक्कम भरणा केल्यामुळे उर्वरित २ टक्के रिबेटच्या रकमेचा परतावा करण्यासाठी ही तरतूद करण्यात आली होती. सोलापूर आणि कोल्हापूर जिल्ह्याकडून रिबेटची देयके वेळेवर प्राप्त न झाल्यामुळे रक्कम खर्च होऊ शकली नाही.

२०२९ जमिन महसूल मध्ये औरगांबाद व नाशिकचे पॅरे आहेत. तसेच २०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क, २०५३ जिल्हा प्रशासन यामध्ये एजीनी असे ऑब्जर्व्हेशन केले आहे की, " PAC would like to know the reasons for not following the instructions given in Maharashtra Budget Manual which provided that an avoidable extra provision in an estimate is as much a budgetary irregularity as an excess in the sanctioned expenditure for preparing the departmental estimates and also action taken against the concerned officers may be furnished to PAC." या संदर्भात विभागाने केलेल्या कार्यवाहीची माहिती देताना असे सांगितले की, बजेटपेक्षा जास्त निधी खर्च करणे ज्याप्रमाणे अनियमितता असते तशी अर्थसंकल्पीय तरतूद खर्च न करणे याचा अर्थ गरजेपेक्षा जास्त तरतूद अर्थसंकल्पीत करणे ही सुध्दा अनियमितता ठरते. ज्याअर्थी अनेक हेडसमध्ये बचत दिसल्यामुळे एजी यांनी असा निष्कर्ष काढला आहे की, गरजेपेक्षा जास्त तरतूद अर्थसंकल्पीत केल्यामुळे जास्त बचत झाली आहे. परंतु एजी यांनी ज्या ठिकाणी जास्त अर्थसंकल्पीय तरतूद झाल्याचे नमूद केलेले आहे तेथील आकडेवारी अतिशय कमी आहे. विभागाने विशद केलेली वस्तुस्थिती मान्य नसल्याचे समितीने मत व्यक्त केले. विभागाची अंदाजित आकडेवारी ३० टक्के आहे. औरंगाबादच्या संदर्भात ७.८९ कोटी रुपयांपैकी फक्त ५.५७ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले असून २.३१ कोटी रुपये बचत झाली. २२३५ सामाजिक सुरक्षा व कल्याण, ०१ पुनर्वसन, २०२ इतर पुनर्वसन योजना, (०३) प्रकल्पबाधित व्यक्तींची पुनर्वसाहत करणे, (०३) (०७) अप्पर जिल्हाधिकारी, सरदार सरोवर प्रकल्प, नंदुरबार जिल्हा प्रशासनामध्ये जास्त बचत दर्शविण्यात आली आहे. औरंगाबाद वगळल्यास इतर सर्व ठिकाणी दर्शविण्यात आलेली बचत एक टक्क्यापेक्षा कमी आहे. नगररचना पुणे ०.७७ टक्के, आयुक्त कोकण ०.०७ टक्के, नाशिक ०.६४ टक्के बचत दर्शविली आहे. भूमी संपादन आस्थापना पुणे येथे १ टक्का बचत झाली आहे. फक्त औरंगाबाद येथे एक टक्क्यापेक्षा जास्त बचत

झाली आहे. विभागाच्या खुलाशाच्या अनुषंगाने समितीने नमूद केले की, २०२९ मध्ये जमिन महसूल या लेखाशिर्षामधील संचालन व प्रशासन या उपशिर्षाअंतर्गत अमरावती विभागामध्ये २४२.२६ लाख रुपयांच्या निधीपैकी २८६.१० कोटी रुपये म्हणजे ४३.८४ लाख रुपये जास्त खर्च केले आहेत. तसेच तगाई आस्थापनेमध्ये ८१.७० लाख रुपये तरतूद असता १०३.१५ लाख रुपये खर्च केले. तसेच अमरावतीच्या संदर्भात २२१.३७ लाख रुपयांपैकी २७४.३९ लाख रुपये म्हणजे ५३.०२ लाख रुपये जास्त खर्च केले आहेत. अशाप्रकारे काही ठिकाणी बचत झाली असून काही ठिकाणी जास्त रक्कम खर्च झाली आहे.

या संदर्भात बुलढाणा आणि यवतमाळ यांनी त्यांच्या समर्पण अहवालात संभाव्य खर्च कमी दर्शविल्यामुळे त्यांना कमी अनुदान वितरित करण्यात आले होते. परंतु प्रत्यक्षात जास्त खर्च झाल्यामुळे तेथे अधिकचा खर्च झालेला आहे. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, शासन स्तरावरुन जी आकडेवारी नमूद केली जाते ती क्षेत्रीय स्तरावरुन घेतलेली आहे. क्षेत्रीय स्तरावरुन अचूक आकडेवारी कळविण्यात आली तर शासनाकडून देण्यात येणारी आकडेवारी सुध्दा अचूक राहील. विभागाने क्षेत्रीय अधिका-यांना कळविले आहे की, आपणाकडून पाठविण्यात येणारी संभाव्य खर्चाची आकडेवारी जास्तीत जास्त वस्तुनिष्ठ कळवावी, जेणेकरुन कमी-अधिक खर्च होण्याची परिस्थिती उद्‌भवणार नाही. ज्यावेळी क्षेत्रीय अधिका-यांसमवेत समक्ष बैठक आयोजित करण्यात येईल त्यावेळी त्यांना पुन्हा या संदर्भात सूचना देण्यात येतील.

२०२९ जमिन महसूल या लेखाशिर्षामध्ये असे नमूद केले आहे की, नियंत्रण अहरण व संवितरण अधिकारी यांनी खर्च मेळा न केलेली आकडेवारी व त्याची कारणे काय आहे याबाबत समितीला माहिती दयावी, याबाबत सचिवांनी नमूद केले की, हा हेड सेटलमेंट कमीशनर यांच्या नियंत्रणाखाली आहे. यामध्ये शेवटी जी तरतूद उपलब्ध होती ती ११ कोटी १६ लाख ७३ हजार रुपये होती. ए.जी. यांनी नमूद केले होते की, ११ कोटी २२ लाख ८४ हजार रुपये खर्च झाला असून ६ लाख ११ हजार रुपये अधिक खर्च झाला आहे. परंतु प्रत्यक्षात सेटलमेंट कमीशनर यांनी कळविले की, ११ कोटी २२ लाख ८४ हजार रुपये खर्च झाला नसून ११ कोटी १६ लाख ७२ हजार रुपये इतकाच खर्च झाला आहे. उलट यामध्ये प्रत्यक्षात १ हजार रुपयांची बचत झाली आहे. मुळात या ठिकाणी पुनर्विनियोजन करणे गरजेचे होते. परंतु पुनर्विनियोजन न केल्यामुळे असे दिसून येते, ही वस्तुस्थिती विभागाने मान्य केली. आता वित्त विभागाच्या सिस्टीममध्ये ऑनलाईन रिकन्सीलेशनची प्रोसीजर उपलब्ध आहे. त्यामुळे पूर्वीसारखा प्रकार आता यापुढे होणार नाही. परंतु या परिच्छेदाच्या बाबतीत जोपर्यंत पुनर्विनियोजन होणार नाही तोपर्यंत हा परिच्छेद प्रलंबितच राहील. खर्च जास्त झालेला नाही. याचाच अर्थ कुठे तरी पोस्टींग कमी-जास्त करण्यात आली असेल. समितीचे मत आहे की, या विषयांच्या बाबतीत महालेखाकार कार्यालयाकडून पुनर्विनियोजन करुन घ्यावे व समितीला त्या बाबत कन्फर्मेशन द्यावे. महालेखाकारांनी असे नमूद केले की, त्यांच्या कार्यालयाकडून दर वर्षी ॲन्युअल रिकन्सीलेशन संदर्भात बैठक आयोजित केली जाते. त्या बैठकीला महसूल आणि वन विभागाचे ५ टक्के अधिकारी/कर्मचारी सुध्दा उपस्थित राहत नाहीत. त्यामुळे त्यांचा विभागांच्या रिकन्सीलेशनचा फरक हा दर वर्षी राहतो. आता ऑनलाईन रिकन्सीलेशन होत असल्यामुळे यापुढे अशी तफावत राहणार नाही. तसेच या प्रकरणी विभागाकडे असलेला तपशील ए.जी. कार्यालयाकडे सादर करण्यात यावा. जेणेकरुन ए.जी. यांना त्यांच्या अहवालामध्ये या संदर्भातील नोंद घेता येईल.

**परिच्छेद क्र.२०४५-विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क**

२०४५-विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क या परिच्छेदांतर्गत असलेले नाशिक, कोकण, एनएलआरएमपी हे सर्व परिच्छेद सारखेच आहेत. या परिच्छेदांच्या बाबतीत ए.जी. यांनी एकच मुद्दा उपस्थित केला आहे. बचत असो किंवा अधिकचा खर्च असो, तो एकूण ग्रँटच्या बेसवर गृहीत धरला आहे. परंतु या परिच्छेदाच्या अनुषंगाने शासनाने जो खुलासा केला आहे तो मान्य करण्यासारखा नाही. या बाबतीत विभागाच्या प्रधान सचिवांनी खुलासा केला की, लेखाशिर्ष २०४५ च्या बाबतीत महालेखाकार यांच्या आकडेवारीनुसार नाशिक येथील हेडसाठी ८५ हजार रुपयांची अंतिम सुधारित तरतूद होती आणि खर्च मात्र ८४ हजार ४२६ रुपये झालेला आहे. या कामासाठी मूळ तरतूद ५३ लाख २५ हजार रुपये होती. या रकमेतील ५२ लाख ४० हजार रुपयांचे पुनर्नियोजन केले आहे. उर्वरित ८५ हजार रुपयांपैकी ८४ हजार ४२६ रुपये खर्च झाला आणि ५७४ रुपयांची बचत झाली आहे.

परंतु महालेखाकार यांचे म्हणणे आहे की, मूळ तरतुदीचा विचार केला तर यामध्ये फार मोठ्या प्रमाणावर बचत झाल्याचे दिसून येते. विभागाचे म्हणणे आहे की, पुनर्नियोजन नंतर करण्यात आले आहे. मुळात विभागाला कमी रकमेची गरज असताना सुरुवातीलाच ५३ लाख २५ हजार रुपयांची तरतूद का केली ? महालेखाकार यांचे हेच म्हणणे आहे की, विभागाकडून

सुरुवातीला प्रचंड रकमेचे नियोजन केले जाते, परंतु शेवटी मात्र त्यातील बहुतांश रक्कम परत केली जाते व उर्वरित रक्कम खर्च केली जाते. या ठिकाणी सुध्दा मोठ्या प्रमाणात रक्कम परत केली व उर्वरित ८५ हजार रुपयांपैकी ८४ हजार रुपये खर्च केले. या ठिकाणी १ हजार रुपये बचत झाल्याचे, विभागाचे म्हणणे आहे. परंतु महालेखाकार यांचे म्हणणे आहे की, कमी रकमेची गरज असताना ५३ लाख २५ हजार रुपयांची तरतूद कशासाठी केली ? आपण अधिकची रक्कम परत केली असली तरी महालेखाकार कार्यालय हे मूळ तरतुदीच्या आधारे किती बचत वा अधिकचा खर्च झाला याची आकडेवारी काढत असते. महालेखाकार यांचे म्हणणे आहे की, यामध्ये बचत खूप मोठ्या प्रमाणात झालेली आहे. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, आकडेवारी ए.जी. यांनीच विभागाकडे पाठविली आहे. विभागाने जी टिप्पणी सादर केलेली आहे त्यातील केवळ विभागाचे अभिप्राय या रकान्यातील मजकूर आमच्या विभागाने नमूद केलेला आहे. उर्वरित सर्व तपशील हा ए.जी. कार्यालयाकडून प्राप्त झालेला आहे. ए.जी. यांनीच नमूद केले आहे की, ५३ लाख २५ हजार रुपये मूळ तरतूद होती आणि पुनर्विनियोजन ५२ लाख ४० हजार इतक्या रकमेचे झाले आहे. उर्वरित ८५ हजार रुपयांपैकी ८४ हजार रुपये खर्च झाला असून यामध्ये १ हजार रुपयांची बचत झाली आहे. ही सर्व आकडेवारी महालेखाकार कार्यालयाचीच आहे. महालेखाकार यांनीच मान्य केले आहे की, १ हजार रुपयांची बचत झाली आहे. याबाबत महालेखाकार कार्यालयाचे अभिप्राय दिले की, ॲप्रोप्रिएशन ॲक्टनुसार मूळ तरतूद आणि विभागाने जो खर्च केलेला आहे याचा विचार करुन आक्षेप नोंदविले जातात. या परिच्छेदामध्ये ॲप्रोप्रिएशन ॲक्टनुसार ५३ लाख २५ हजार रुपयांची तरतूद होती आणि खर्च केवळ ८४ हजार झाला आहे. त्यामुळेच मोठ्या प्रमाणावर बचत झाल्याचे नमूद केले आहे. विभागाने मूळ तरतुदीतील ५२ लाख ४० हजार रुपये इतकी रक्कम सरेंडर केली. त्यांच्याकडे असलेल्या ८५ हजार रुपयांपैकी ८४ हजार रुपये खर्च झाले आणि केवळ १ हजार रुपये बचत झाली, महालेखाकार असे विभागाचे म्हणणे आहे. सदरहू बचत अंतिम सुधारित तरतुदीशी तुलना करता १ टक्के एवढी अत्यल्प असल्यामुळे ती क्षमापित करावी, असे विभागाने नमूद केले आहे. परंतु महालेखाकार कार्यालयाने जी आकडेवारी नमूद केलेली आहे ती ॲप्रोप्रिएशन ॲक्टच्या तरतुदीनुसार नमूद केली आहे. ॲप्रोप्रिएशन ॲक्टनुसार काढलेली आकडेवारी आणि विभागाची आकडेवारी अहवालात नमूद करण्यात येते. तद्नंतर आक्षेप नोंदविण्यात येतो.

विभागाने मूळ तरतुदीतील अधिकतम रक्कम मार्च महिन्यापूर्वी शासनाकडे सरेंडर केली. तद्नंतर उर्वरित रकमेतील ८५ हजार रुपयांपैकी ८४ हजार रुपये खर्च केले आणि १ हजार रुपये बचत झाल्याचे नमूद केले. मुळात महालेखाकार यांच्या म्हणण्यानुसार ही कार्यपध्दती योग्य नाही. जर या रकमेचे पुनर्विनियोजन करावयाचे होते तर ते पुरवणी मागण्यांमध्ये करावयास हवे होते. परंतु तसे न करता, शेवटच्या क्षणी रक्कम सरेंडर केली जाते आणि या कार्यवाहीलाच पुनर्विनियोजन केल्याचे सांगितले जाते. महालेखाकार यांचे म्हणणे आहे की, मूळ तरतुदीच्या अगेन्स्ट जो खर्च केलेला असतो तो वगळता उर्वरित शिल्लक रक्कम ही बचत समजण्यात येते. या ठिकाणी सुध्दा एकूण तरतुदीच्या अगेन्स्ट जी रक्कम खर्च झालेली आहे ती वगळता उर्वरित रक्कम बचत झालेली आहे. महालेखाकार यांचे म्हणणे आहे की, This is mishandling of Budget Provisions in the Budgetary system, जी मूळ तरतूद केली आहे ती आता खर्च होणार नाही म्हणून विभागाकडून त्यातील अधिकतम रक्कम फेब्रुवारी-मार्चच्या दरम्यान परत केली जाते. एकूण मूळ तरतुदीतील सरेंडर केलेल्या रकमेनंतर जी रक्कम शिल्लक राहते त्या रकमेपुरतीच विभागाची जबाबदारी आहे असे जे विभागाचे म्हणणे आहे ते योग्य नाही ? विभागाला पुनर्विनियोजन करण्यासाठी तीन वेळा संधी उपलब्ध असते. अधिकची रक्कम सरेंडर केली. परंतु तो पैसा नेमका कुठे रिॲप्रोप्रिएट करावा या बाबतची संधी विधिमंडळाला मिळाली नाही. कारण विभाग नेमकी किती रक्कम सरेंडर करणार हे अगोदर माहीत होत नसते.

रिॲप्रोप्रिएशन आणि सरेंडर ही प्रक्रिया प्रशासकीय विभाग आणि वित्त विभाग यातील मधली प्रक्रिया आहे. परंतु प्रत्यक्ष तरतूद ही विधिमंडळाने ॲप्रूव्ह केलेली असते. त्या तरतुदीला अनुसरुनच बचत वा खर्च महालेखाकार कार्यालय निश्चित करते. ज्या रकमेसाठी विधिमंडळाची मान्यता घेतली होती तेवढा खर्च होऊ शकला नाही. त्यामुळे शेवटी अधिकतम रक्कम सरेंडर करण्यात आली असल्याचे विभागाने मान्य केले.

या प्रकरणी पुनर्विनियोजन झालेले नाही ही वस्तुस्थिती आहे. विभागाने त्यांच्या स्तरावर वित्त विभागाला सांगून ती रक्कम परत केली असली तरी विभागाने योग्यप्रकारे बजेटरी प्रोव्हीजन केली पाहिजे. कारण शेवटच्या क्षणाला परत केलेली रक्कम वापरात येत नाही. ही वस्तुस्थिती विभागाने मान्य केली व बजेटरी प्रोव्हीजन करताना अधिक दक्षता घेण्यात येईल असे समितीला अश्वासित केले व ज्या बाबींवर खर्च होईल अशी खात्री करुन त्याच बाबींवर तरतूद करण्यात येईल असे समितीला सांगण्यात आले.

**परिच्छेद क्रमांक- सी-२ मुद्रांक व नोंदणी**

प्रधानशीर्ष २०३० मुद्रांक व नोंदणी या अंतर्गत तीन विषय उपस्थित करण्यात आले असून या शिर्षाअंतर्गत एकूण अनुदान.१,८५,९६,५१ हजार रुपये प्राप्त झाले आहे त्यापैकी एक महत्वाचा मुद्दा म्हणजे अर्थसंकल्पीत रकमेपेक्षा रु.२,१४,५१९ हजार इतका अधिक खर्च झाला आहे. हा अधिकचा खर्च का झाला हे सचिवांनी स्पष्ट करताना नमूद केले की, राज्यात मुद्रांक विक्रेत्यांच्या माध्यमातून मुद्रांकांची विक्री केली जाते. नियम असा आहे की, मुद्रांक विक्रेत्यांना ३ टक्के मनौती म्हणजेच कमीशन दिले जाते. उदाहरणार्थ १०० रुपयांचा स्टॅम्प असेल तर मुद्रांक विक्रेत्यांचे ३ रुपये कमीशन वजा करुन त्यांच्याकडून ९७ रुपये घेण्यात येतात. अशाप्रकारे व्हेंडरच्या कमीशनची रक्कम ॲडजस्ट केली जाते. यावरुन निदर्शनास येईल की, ज्यावेळी स्टॅम्पची विक्री केली जाते त्याचवेळी कमीशनची रक्कम कपात करुन व्हेंडरला दिली जाते. त्यामुळे मुद्रांक विक्रेत्याला पुन्हा वेगळे कमीशन देण्याची गरज पडत नाही. जेवढी जास्त स्टॅम्प विक्री होते तेवढा कमीशनचा खर्च जास्त येतो. या प्रकरणी जास्त स्टॅम्प विक्री झाल्यामुळे कमीशनचा जास्त खर्च झाल्याचे दिसून येते. त्यामुळे बजेटरी तरतुदीपेक्षा अधिकचा खर्च झाल्याचे दिसून येते. ज्यावेळी स्टॅम्पची क्षेत्रीय पातळीवर विक्री केली जाते त्या त्या वेळी व्हेंडरला कमीशनची रक्कम कापून दिली जाते. ज्यावेळी राज्य स्तरावर ॲग्रीगेट करतो त्यावेळी असे दिसून आले की, राज्याच्या तरतुदीपेक्षा अधिक रक्कम कमीशनपोटी कपात करण्यात आली आहे. त्यामुळे या प्रक्रियेचे अधिक बळकटीकरण करण्यासाठी किंवा असा प्रकार पुढे होऊ नये म्हणून सन २०१७-१८ या वर्षी या प्रक्रियेला आणखी रिफाईन करण्यात येत आहे. शासनाचा जेडीआर ८ महिन्यानंतर आणि शेवटच्या महिन्यात या बाबतचा संपूर्ण हिशेब घेईल. जेणेकरुन अशा प्रकारचे आधिक्य होणार नाही आणि आधिक्य होत असेल तर त्यासाठी अतिरिक्त पुरवणी मागणीच्या माध्यमातून तरतूद करता येईल.

२०३० मुद्रांक व नोंदणी ०१ मुद्रांक न्यायिक, याअंतर्गत २१२ लाख ५८ हजार रुपये जास्त आणि ०२ मुद्रांक न्यायिक या अंतर्गत २८०४ लाख २६ हजार रुपये अधिक खर्च झाल्याचे नमूद केले आहे. हे नेमके कोणत्या बाबीवरील आहेत ? याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, २०३० या मुख्य हेडवर २१ कोटी ४५ लाख १९ हजार रुपये कमीशनपोटी अतिरिक्त खर्च झाला आहे. तर ०१ मुद्रांक न्यायिक या हेडवर २ कोटी १२ लाख ५८ हजार रुपये कमीशनपोटी अतिरिक्त खर्च झाला असून ०२ मुद्रांक न्यायिक या हेडवर २८ कोटी ४ लाख २६ हजार रुपये अतिरिक्त कमीशनपोटी खर्च झाला आहे.

सर्व सबहेडचा एकत्रित खर्च २१ कोटी ४५ लाख १९ हजार रुपये दर्शविण्यात आला आहे. सबहेड ००४७ वर झालेल्या खर्चाबाबत सचिवांनी स्पष्ट केले आहे की, २ कोटी १२ लाख ५८ हजार रुपये मुद्रांक विक्रीच्या मनौतीचा खर्च जास्त झाला आहे. त्यानंतर ००८३ सबहेड आहे, यामध्ये २८ कोटी ४ लाख २६ हजार रुपयांचा अधिक खर्च मुद्रांक विक्रीच्या मनौतीवर झाला आहे. आणखी एक तिसरा सबहेड आहे. मे.श्रध्दा इंडस्ट्रिज नागपूर यांचा विषय वेगळा आहे. त्या विषयाचा व या विषयाचा काही संबंध नाही. दोन सबहेडची बेरीज केली तर जवळपास ३० कोटी १६ लाख ५४ हजार रुपये होतात. यामध्ये ८ कोटी ४९ लाख ८७ हजार रुपये सरेंडर करण्यात आले आहेत. त्यामुळे फायनल आकडा २१ कोटी ४५ लाख १९ हजार रुपये इतका आहे. हे आकडे जुळत नाहीत असे समितीचे मत आहे. बाकीचे विषय वेगळे आहेत त्यामध्ये एजी यांनी कमेंट केले नाहीत, हा आकडा मुख्य हेडचा आहे. The sum total of Rs. 21 crores 45 lakhs 19thousand and Rs. 8 crores 49 lakhs and 87 thousands will be Rs.29 crores 95 lakhs and 6 thousands. You incurred excess expenditure amounting to Rs. 30 crores and 16 lakhs 54 thousands त्या अनुषंगाने ते आकडे जुळत नाहीत. यामधील बाकीचे विषय वेगळे आहेत. याबाबत सचिवांनी सांगितले की, २ कोटी १२ लाख ५८ हजार रुपये ही रक्कम एक्सेस मनौतीपोटी खर्च झाली आहे. त्यानंतर २८ कोटी ४ लाख २६ हजार रुपये मनौतीपोटी खर्च झाले आहेत. अशा प्रकारे ही रक्कम ३० कोटी १६ लाख ५४ हजार इतकी होते. ३० कोटी १६ लाख ५४ हजार रुपयांमधून ८ कोटी ४९ लाख ८७ हजार रुपये सरेंडर करण्यात आले असून उर्वरित रक्कम २१ कोटी ४५ लाख १९ हजार रुपये इतकी येते.

कमिशनच्या जास्तीच्या खर्चाचे इस्टीमेट का करण्यात आले नाही. नवीन सिस्टीममध्ये काय सुधारणा केली आहे. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, नवीन सिस्टीममध्ये जेडीआर लेव्हलवर रिकन्सिलिएशन नियमितपणे केले जाईल. संभाव्य तरतूद केली असेल व त्यापेक्षा जास्त खर्च होतो असे दिसून येत असेल तर शेवटच्या पुरवणी मागणीमध्ये ती रक्कम ॲडजेस्ट करण्यात येईल. आयजीआर यांनी दिनांक १५.११.२०१६ मध्ये काही सूचना निर्गमित केल्या आहेत. मनौतीच्या खर्चाच्या रकमा जिल्हानिहाय संबंधित जिल्हा कोषागारातून महालेखापाल यांना कळविण्यात येतात. प्रत्येक जिल्हयातून मनौतीचा किती खर्च झाला याची माहिती जिल्हा स्तरावरील अधिका-यांना नसते. त्यामुळे ताळमेळ होत नाही. हा ताळमेळ दर तीन महिन्यातून करावा अशा सूचना देण्यात आल्या आहेत. जेणेकरुन यापुढे असे प्रकार होणार नाही.

मे. श्रध्दा इंडस्ट्री, नागपूर या प्रकरणाबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, जी तरतूद करण्यात आली ती स्कॅनिंगसाठी करण्यात आली होती. मे.श्रध्दा इंडस्ट्री ही एजन्सी होती, त्यांच्याकडून इनव्हाईस घ्यावयाचे होते व ते वेळेत आले नाहीत. त्यामुळे त्यासाठी जी रक्कम राखून ठेवण्यात आली होती ती खर्च करता आली नाही.

**अनुदान क्र. सी-४ सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा :-**

सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा या शीर्षाअंतर्गत सन २०१३-१४ मध्ये मोठ्या प्रमाणात बचत झाली आहे. याबाबत महालेखाकार यांचे असे म्हणणे आहे की, मागील १० ते ११ वर्षात जी बचत झाली आहे ती मूळ प्रोव्हीजन प्रमाणे खर्च होत नाही. त्याचप्रमाणे पुरवणी मागणी देखील वेळोवेळी केली जाते. हे सर्व बजेट नियमाच्या ९,१० एवंम नियम १२७ व १३२ च्या नियमानुसार नाही. असे एजी यांचे म्हणणे आहे. याबाबत विभागाने दक्षता घ्यावी. जेणेकरुन जी अनियमितता आहे ती पुढे कोठे तरी थांबविता येईल याबाबत विभागाने नमूद केले की, जेव्हा एखाद्या हेडबाबत ओव्हरऑल चर्चा करतो तेव्हा सर्व सबहेडच्या माहितीचे संमिश्रन करुन निष्कर्ष काढतो. त्यामुळे अत्यंत भ्रामक चित्र दिसते. काही ठिकाणी असे दिसते की, पुरवणी मागणी केलेली आहे व बचत देखील दिसून येते. ती एकाच सबहेडमध्ये नसते. एकंदरीत सर्व बेरीज करुन सांगितले की, ही बचत झाली आहे, तरी देखील पुरवणी मागणी सादर केली. एजी यांनी देखील सबहेडवाईज निरीक्षण करावे. ओव्हरऑल निरीक्षण करतो तेव्हा ते भ्रामक असते. सबहेडवाईज पाहिले तर महसूल व वन विभाग २०५२- सचिवालय सर्वसाधारण सेवा यामध्ये मंजूर पदांपैकी ११४ पदे रिक्त होती. त्यामुळे ही बचत झाली आहे. ही बचतत फक्त ०.६६ टक्के इतकी आहे. मंत्रालय आस्थापनेवरील रिक्त पदांमधील वर्ग-ड ची पदे सोडली तर सर्व पदे सामान्य प्रशासन विभागामार्फत भरली जातात. यावर कोणत्याही खात्याचे नियंत्रण नसते. ही पदे कधी भरण्यात येतील याबाबत काहीही सांगता येत नाही. महसूल व वन विभागाकडे ५२१ पदांपैकी ११४ पदे रिक्त होती. त्यामुळे ही बचत झाली आहे. ही बचत अत्यल्प आहे. आपत्ती व्यवस्थापन विभागात ४० पदे होती त्यापैकी १० पदे रिक्त आहेत. यामध्ये फक्त ४१ हजार रुपयांची बचत आहे व ती ०.१६ टक्के इतकी आहे. ही बचत रिक्त पदांमुळे झालेली आहे. तसेच ज्या ठिकाणी पदे रिक्त आहेत तेथील बिले परत गेली आहेत.

शासकीय प्रयोजनाकरिता भूमी संपादनासाठी तरतूद. गृह विभाग यामध्ये भूसंपादन अधिकारी क्रमांक ४ मुंबई उपनगर यांनी १ कोटी १३ लाख ४९ हजार रुपयाचे देयक कॅफोकडे पाठविले होते मात्र ते आक्षेपीत होऊन परत आले. त्यामुळे ती रक्कम अखर्चित राहिली आहे. ती रक्कम गृहित धरुन खर्च कळविण्यात आला होता. त्यानंतर सार्वजनिक बांधकाम विभाग यामध्ये १२.७७ लाख रुपयांची बचत अत्यल्प आहे, या रकमेत कोणत्याही निवाड्याचे पेमेंट करणे शक्य नव्हते. ही रक्कम निवाड्याच्या पमेंटसाठी होती त्यामुळे ती रक्कम खर्च होऊ शकली नाही.

विधी व न्याय विभागामध्ये ४३ हजार रुपयाची बचत झाली आहे. ही रक्कम कमी आहे. उर्वरित बाबीकडे लक्ष दिले असता तरतुदीप्रमाणे खर्च झालेला आहे. त्यामुळे कोणताही प्रश्न नाही. सरदार सरोवर आस्थापनेसाठी ५० हजार रुपयांचा जास्तीचा खर्च झालेला आहे. सदर खर्च संबंधित आस्थापनेवर काम करणा-या कर्मचा-यांच्या वेतनावरील फरकेसंदर्भात करण्यात आलेला असल्यामुळे ५० हजार रुपयांचा जास्तीचा खर्च झाल्याचा दिसून येत आहे.

२०५९ सार्वजनिक बांधकाम विभागामध्ये २५ लाख ९ हजार रुपये सरेंडर करण्यात आलेले आहे. याबाबत समितीला माहिती द्यावी असे सूचविले असता सचिवांनी खुलासा केला की, सदर तरतूद भूसंपादनासाठी करण्यात आली होती. निवाडा पास झाला नाही तर केलेली तरतुद त्या वर्षी खर्च करता येत नाही. त्यामुळे ती रक्कम सरेंडर करावी लागते.

महालेखाकार यांचा मुद्दा आहे की, मागणी क्र.सी-४ मध्ये शेवटच्या वेळी खर्च होत नाही, असे नेहमीचेच ऑब्झर्व्हेशन असते. एका सबहेडमधून दुस-या सबहेडमध्ये खर्च करण्यासाठी विधिमंडळ सचिवालयाकडे जाण्याची आवश्यकता नाही. मुख्य शीर्षामध्ये सेव्हींग दिसून येत आहे. सदरहू विषयाकडे विभागाने गंभीरतेने लक्ष देण्याची आवश्यकता आहे. तरतुद कमी करुन मार्च महिन्यात पुरवणी मागण्यांच्यावेळी रिॲप्रोप्रिएशन करुन घेण्याची आवश्यकता आहे. जास्तीची तरतुद केल्यानंतर पुन्हा ते सरेंडर केले जातात किंवा क्वचित प्रसंगी ते खर्च होत नाही. पदे न भरणे ही नैसर्गिक बाब असून ती बाब कोणीही नाकारु शकत नाही. जो निष्कर्ष १० ते १५ वर्षाचा काढलेला असतो त्या दृष्टीकोनातून ठोस पावले उचलण्याची आवश्यकता आहे. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, सदरहू हेड मंत्रालय आस्थापनेशी निगडित आहे. यामध्ये दोन प्रकारच्या तरतुदी दिसून येत आहे. मागणी क्र.सी-४ हा आस्थापना खर्च आणि भूसंपादनाशी निगिडित आहे. सी-४ मध्ये दोन प्रकारची आकडेवारी दिसून येत आहे. गट-ड मधील भरती प्रक्रिया वगळता गट-अ, गट-ब आणि गट-क मधील अधिकारी आणि कर्मचा-यांची भरती सामान्य प्रशासन विभागामार्फत केली जाते. त्यामुळे पदभरती केव्हा होईल त्याबाबतचा अंदाज काढणे शक्य नसते. मंजुर पदांचा परामर्श घेऊन

खर्च करण्यासाठी मागणी केली जाते. भूसंपादनामध्ये प्रक्रिया सुरु असताना चालू वर्षात निवाडे होतील अशी अपेक्षा असते. मात्र काही प्रकरणांमध्ये निवाडे मंजुर होतात तर काही प्रकरणांमध्ये निवाडे मंजुर करताना अडचणी येतात. अशा वेळी बचत झाल्याचे दिसून येते. काही अपवाद वगळता मागणी क्र.सी-४ मध्ये बचतीचे प्रमाण जास्त असल्याचे दिसून येत नाही. बजेटरी प्रोसेस अधिक रिफाईन करण्याची आवश्यकता आहे. त्यामुळे ती पुनर्विनियोजनासाठी करण्यास किंवा अन्य हेडमध्ये त्या रक्कमेचा वापर करण्यास मदत होणार आहे. काही ठिकाणी पुनर्विनियोजन करणे शक्य होत नाही, अशा ठिकाणी तसे करता येत नाही. क्षेत्रिय पातळीवर इन्फर्मेशन सिस्टिम आहे. त्याबाबत माहिती दिली पाहिजे. आक्षेपित बिलाची आकडेवारी शेवटी कळवली तर तेवढी रक्कम सरेंडर करण्यास मदत होणार आहे. सदरहू सिस्टिम क्षेत्रिय पातळीवर अधिक प्रभावी करण्यासाठी योग्य ते निर्देश देण्यात आले आहेत. यावर समितीने मत व्यक्त केले की, आकडेवारी कमीत कमी ९८ टक्के अचूक असली पाहिजे.

मुंबई उपनगर जिल्ह्यात जमीन अधिगृहीत करण्याच्या एका प्रकरणामध्ये ११३ लक्ष रुपयांचे बिल परत गेलेले आहे. याबाबत संबंधित लेखा अधिका-यांनी आक्षेप घेतला होता आणि तो योग्य होता. जर संबंधित लेखा अधिका-यांनी पैशाची अडवणूक करण्यासाठी आक्षेप घेतला असेल तर यासंदर्भात आपल्या विभागाचा निष्कर्ष समितीस सांगताना सचिवांनी नमूद केले की, टेक्निकल स्वरुपाचे निष्कर्ष काढण्यात आलेले आहेत. देयकावरील अनुदान देयकासोबत बीडीएस तपशीलवारावरुन देयक सहाय्यक अनुदानाचे असल्याचे दिसून येत नाही. त्यामुळे लेखा अधिका-यांनी जो आक्षेप घेतलेला आहे, तो बरोबर असून विभागाकडे बचत झाल्याचे दिसून येत आहे. तसेच देयकासोबत बीडीएस जोडलेला असतो. त्यातील तपशीलवार देयक असते. देयकावरील अनुदान देयकासोबत बीडीएस तपशीलवारावरुन देयक सहाय्यक अनुदानाचे असल्याचे दिसून येत नाही. वित्त विभागाने गाईडलाईन्स निर्गमित केलेल्या आहेत. त्या आधारे त्यांनी निष्कर्ष काढलेले आहेत. अनुदान मंजुरीसाठी वित्त विभागाचे आदेश सोबत जोडण्यात आलेले नाहीत, असा देखील निष्कर्ष काढण्यात आलेला आहे. सदरची रक्कम आहरीत करण्यासाठी आहरण व संवितरण अधिकारी सक्षम असल्याबाबतचे आदेश सादर करावेत, असे देखील नमूद केलेले आहे. समितीला कम्पप्लायन केले असल्याचे सांगण्यात आले नाही. तसेच त्या वर्षी निधी आहरीत होऊ शकलेला नाही.

त्यामुळे पुढील काळात याबाबींची पूर्तता केली किंवा कसे यासंदर्भात माहिती घेऊन समितीला सादर करावी, अशी समितीने सूचना केली असता सचिवांनी त्यास मान्यता दिली.

लेखाधिका-यांनी बिलावर शेरे दिले आहे ते मॅनडेटरी आहेत. सहाय्यक अनुदानाचे आदेश सोबत जोडणे आवश्यक असते. आहरण व संवितरण अधिकारी सक्षम असल्याबाबतचे आदेश सादर करणे आवश्यक आहे. अनुदान मंजुरीसाठी वित्त विभागाचे आदेश सोबत जोडणे आवश्यक आहे. विभागाच्या सहमतीने आदेश काढला जातो. काही ठिकाणी वित्त व नियोजन विभागाच्या सहमतीने आदेश काढले जातात. काही केसेसच्या नस्तीमध्ये सहमती घेतली असेल आणि आदेशात नमुद केलेले नसावे, असे देखील असू शकते. गाईडलाईन्स असतात आणि त्या अनुषंगाने पुढील कार्यवाही केली जाते. यावर वित्त सचिवांनी मत नोंदविले की, ज्यावेळी निधी वितरित केला जातो, त्याबाबतची माहिती बीडीएस किंवा बीम्स प्रणालीवर दिसून येते. त्यावेळी विभागाला कोणत्या हेडमधून किती निधी दिलेला आहे, हे देखील समजण्यास मदत होते. विभागास निधी प्राप्त झाल्यानंतर हा निधी कधी आणि केव्हा खर्च केला याबाबतची माहिती बीडीएस व बीम्स प्रणालीवर दिसून येत नाही. त्यामुळे वित्त विभागाला निधी अखर्चित राहिल्याबाबत शेवटपर्यंत कळत नाही. त्यामुळे ही माहिती वित्त विभागाकडे वेळेवर उपलब्ध होत नाही. सदरहू माहिती ट्रेझरीकडून ज्यावेळी वित्त विभागाकडे येते, त्यावेळी थोडासा उशिरा झालेला असतो. बीडीएस प्रणालीवर कोणत्या विभागासाठी किती निधी दिला हे समजून येत असते. याच धर्तीवर खर्चाचा तपशील रिअल टाईममध्ये डे टू डे दिसला तर खूप मदत होईल, अशा प्रकारची शिफारस समितीने करावी, कारण बीडीएस प्रणालीवर वितरित केलेला निधी दिसून येतो. परंतु, खर्च केल्याबाबतची आकडेवारी दिसून येत नाही. त्यामुळे समितीने अशा प्रकारची शिफारस अहवालात निश्चितपणे करणार आहे असे सांगितले.

**अनुदान क्रमांक - सी-५ 'इतर सामाजिक सेवा' :-**

सी-५ मध्ये २२३५ सामाजिक सुरक्षा व कल्याण या उप शिर्षअंतर्गत १ कोटी २८ लाख ८७ हजार रूपये एवढा पुनर्नियोजनाद्वारे काढण्यात आलेला निधी अपुरा होता. रुपये ८ लाख ३१ हजार इतक्या रकमेची अंतिम बचत आहे आणि त्यासाठी प्रस्तावित दौरे रद्द करणे, जाहिरातींची बिले मंजूर न होणे, मागणी न करणे, संलग्न विमा योजनेत अनुदान अपुरे असणे अशी कारणे दिली आहेत. यामध्ये नियोजनाचा अभाव असल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले. जाहिरातींची बिले आली, मात्र ती मंजूर झाली नाही. विभागाने पैसे परत केले आहेत तर महालेखाकारांना सर्व कागदपत्रे विभागास प्राप्त झाली होती, मात्र वेळेवर निर्णय घेतले नाहीत. म्हणून पैसे परत केले आहे याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, कारणे बरीच आहेत. एक्सेस

सरेंडर झाले आहे, बिले लक्षात न घेता चुका झालेल्या आहेत. बिले पास झाली आहेत का याची नोंद न घेता पैसे समर्पित केले आहेत, यापुढे दक्षता घेऊ, पुढे असे होणार नाही असे समितीला आश्वासित करण्यात आले.

याबाबत समितीने नमूद केले की, बिले पास झाली तर त्यांना पेमेंट केले पाहिजे. निधी समर्पित करण्याऐवजी त्यातून पैसे दिले पाहिजेत असे महालेखाकारांचे म्हणणे आहे. शिवाय प्रत्येक ठिकाणी असे झाले आहे. सामाजिक सुरक्षेमध्ये तोच विषय सांगितला आहे. प्रत्येक मुद्याच्या संदर्भात विभाग कारणे सारखीच देत आहेत. याबाबत सचिवांनी समितीस सांगितले की, कारणे सारखीच देत आहेत. पण विषय वेगवेगळे आहेत. अधिका-यांची जबाबदारी असल्याने अधिका-यांना जबाबदार धरण्यात यावे असे समितीने सूचित केले असता त्यास सचिवांनी सहमती दर्शवली. अधिका-यांकडे बिले आली होती. मात्र त्यांची इच्छा नव्हती म्हणून पैसे परत केले आणि लोकांना पेमेंट केले नाही. त्यामुळे १ कोटी २८ लाख ८७ हजार रुपये सरेंडर केले आहेत. पैसे असताना त्याचा उपयोग करून घेतला नाही.

सरदार सरोवर प्रकल्पाच्या संदर्भात समितीने विचारणा केली की, अपर जिल्हाधिकारी कार्यालयात खूप पदे रिक्त होती. रिक्त पदांच्या संदर्भात सध्याची परिस्थिती काय आहे ?

तसेच सन २०१३-१४ मध्ये खूप पदे रिक्त होती, सध्याची परिस्थिती काय आहे, सन २०१३-१४ मध्ये किती पदे रिक्त होती आणि त्यातील आता किती भरली आहेत ? याबाबत सचिवांनी समितीस अवगत केले की, अजून सुध्दा रिक्त पदे आहेत, सदर रिक्त पदे भरण्यात येतील तत्संदर्भात माहिती सादर करावी.

विभागाने याबाबतीत काय कॉग्निजन्स घेतला ? याबाबत सचिवांनी समितीस अवगत केली की, सरदार सरोवर प्रकल्पाचा रिव्ह्यू घेतला आहे, आता त्या प्रकल्पाचे काम संपुष्टात आले आहे. फक्त ६७ लोकांचे पुनर्वसन राहिले आहे, ते सुध्दा १०-१५ दिवसांत करण्यात येईल.

समितीने सरदार सरोवर प्रकल्पाचे काम कधी संपेल असे विचारलेले नसून त्या कार्यालयात पदे रिक्त होती, म्हणून पैश्याची बचत झाली आहे. सन २०१३-१४ पासून रिक्त पदांची तशीच परिस्थिती आहे का, सध्या रिक्त पदांची परिस्थिती काय आहे ? ही माहिती समितीस अभिप्रेत आहे. यावर सचिवांनी खुलासा केला की, उप जिल्हाधिकारी यांचे पद रिक्त होते. अन्य देखील पदे रिक्त होती. या संदर्भातील एक्झॅक्ट माहिती उपलब्ध नसल्याचे सांगण्यात आले.

पदे रिक्त असल्यामुळे प्रकरणे पूर्ण करण्यात आली नाही आणि पैसे सरेंडर करण्याची वेळ आली. तसेच त्यावेळी किती पदे रिक्त होती आणि सध्या तितकीच पदे रिक्त आहेत किंवा कसे ? सन्माननीय सदस्यांनी विचारलेल्या सर्व प्रश्नांची माहिती समितीस सादर करावी. तसेच सरदार सरोवर प्रकल्पाच्या अपर जिल्हाधिकारी कार्यालयामध्ये सन २०१३-१४ मध्ये किती पदे रिक्त होती आणि सध्या त्या पदांची काय परिस्थिती आहे हे समितीस सादर करण्यात यावे अशी समितीने विचारणा केली असता सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली. त्यानुसार विभागाकडून माहिती प्राप्त झाली असून विवरणपत्र क्र. सोबत जोडले आहे.

**अनुदान क्र.सी-७ "वन"**

सी-७ मध्ये महालेखाकारांचा मुख्य मुद्दा बचतीसंदर्भात असून दर वर्षी बचत झालेली आहे. राज्याची बजेटची रेग्युलर सिस्टम असतांना बचती संदर्भात विभाग का विचार करीत नाही ? २४०६ वनीकरण व वन्यजीवन या लेखाशिर्षाअंतर्गत ३२ कोटी ३ लाख ५३ हजार रुपयांची बचत होण्याची कारणे काय आहेत ? अशी समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सन २०१३-२०१४ मध्ये ३२ कोटी ३ लाख ५३ हजार रुपयांची बचत झालेली दिसते. वन विभागामध्ये एकंदर २९ हजार अधिकारी, कर्मचारी असून त्यांच्या वेतनासाठी व वेतनाच्या अनुषंगिक सॅलरी रिलेटेड ग्रँट आहेत व त्यासंदर्भातील हे हेड आहे व त्यातून सर्व खर्च होत असतो. ब-याच वेळेला पदे रिक्त राहतात त्यामुळे सॅलरीमध्ये बचत दिसून येते. यामध्ये काही नॉन प्लॅनची कामे देखील आहेत. नॉन प्लॅनमध्ये बेसिकली वर्कींग प्लॅन असून त्यामध्ये वृक्ष कटाईची, लागवडीची कामे होत असतात. विदर्भातील नक्षलग्रस्त भागामध्ये ही कामे करण्यात अडचणी होत असल्यामुळे ही कामे होत नाहीत. याशिवाय अशी कामे आहेत की, ॲज पर दि डिमांड मागणी प्रमाणे त्यावर खर्च करीत असतो. वन्य प्राण्यांचा मनुष्यांवर जो हल्ला होतो त्यासंदर्भात आपण मदत करीत असतो. परंतु हा हल्ला किती ठिकाणी होणार आहे याचा अंदाज आपण बांधू शकत नाही. वन्य प्राण्यांच्या हल्ल्यात व्यक्ती मृत पावली किंवा जखमी झाली त्या व्यक्तीच्या नातेवाईकांना पैसे दिले जातात. या शिवाय तृणभक्षी प्राण्यामुळे शेतीचे नुकसान झाले तरी आपण नुकसान भरपाई देत असतो. तसेच वन्य प्राण्यांकडून शेतक-यांच्या पशूधनावर हल्ला झाला तर त्या-त्या शेतक-याला त्यासंदर्भात आपण मदत करीत असतो. त्यामुळे अशा घटनांमध्ये ब-याच वेळा

बचत होत असते. यावर समितीने विचारणा केली की, बचतीची जी काही कारणे सांगितली आहेत त्यामध्ये नक्षलग्रस्त भागत प्लँटींग करताना अडचणी आल्या. विदर्भात नक्षलग्रस्त भाग हा केवळ २० टक्के असून आपण विदर्भातील ८० टक्के भागामध्ये प्लँटेशन करु शकतो. एखाद्या भागात प्लँटेशन करण्यामध्ये अडचणी निर्माण होत असेल तर विभाग तेच पैसे त्याच भागात खर्च करु शकतो. नियोजन न केल्यामुळे प्लँटेशन होऊ शकले नाही अशी स्थिती आहे. विदर्भात १०-२० टक्के भागात नक्षलग्रस्त कारवाईमुळे प्लँटेशन होऊ शकले नसेल. एखाद्या जिल्ह्यात अडचण असेल तर सीसीएफचा जो एरिया असतो तेथील पैसे आपण बाजूच्या जिल्ह्यामध्ये प्लँटेशनवर खर्च करु शकतो. हे पैसे आपण नॉन प्लॅनमध्ये खर्च करु शकतो. त्यामुळे हे पैसे वाचण्याचे काही कारण नाही. वन्य प्राण्यांच्या हल्ल्यासंदर्भात १-२ कोटी रुपये खर्च होऊ शकले नाही तर आम्ही ते समजू शकतो. परंतु ३२ कोटी ३ लाख ५४३ हजार रुपयांची बचत झाली असून ही बचत कन्टीन्यूअस १० वर्षे झालेली आहे. ही कामे अधिका-यांच्या निष्काळजीपणामुळे झालेली नाहीत असे समितीचे मत आहे.

यामध्ये मेडिकल बिल, टीए, ॲरिअर्स, एलटीसी या बाबी असल्याचे सचिवांनी नमूद केले. सचिवांच्या खुलाशाला समितीने सहमती दर्शविली. परंतु प्लँटेशनसाठी किंवा इतर कामासाठी जे पैसे होते ते पैसे विभागाने ८-८ वर्षे खर्च करु शकलो नाहीत ही बाब समितीस मान्य नसल्याने समितीने सांगितले.

महालेखाकारांचा आक्षेप दिनांक ५ मार्च, २०१६ रोजी पाठवलेल्या नोट ऑफ एरर संबंधी आहे त्याची माहिती समितीस दयावी. याबाबत सचिवांनी असे नमूद केले की, सी-७ या हेडखाली दि.५ मार्च,२०१६ व २१ मार्च,२०१६ असे दोन नोट ऑफ एरर पाठविण्यात आल्या आहेत. सदर नोट ऑफ एरर सन २०१३-२०१४ या वर्षाची असून मार्च,२०१५ पर्यंत महालेखाकार कार्यालयास पोहचणे आवश्यक होती परंतु ती पोहचली नाही. विभागाने नोट ऑफ एरर दि.५ मार्च,२०१६ तसेच दि.२१ मार्च,२०१६ रोजी पाठवलेली आहे परंतु ती नोट ऑफ एरर एजीकडे पोहचली किंवा नाही हे बघितले नाही तसेच त्यासंदर्भात काय कार्यवाही झाली, हे सुध्दा बघितले नाही. महालेखाकार कार्यालयास पत्र पाठवून विभागाने जबाबदारी पूर्ण झाली असे समजून पुढील कोणतीही कार्यवाही केली नसल्यामुळे हा विषय उपस्थित झाला आहे. त्यामुळेच विभागात ३२.०३ कोटी रुपयांची बचत झालेली आहे असे एजी यांचे अभिप्राय आहे. तसेच याबाबत समितीने असेही सांगितले की, अकाऊंट कशा प्रकारे मेन्टेन केले पाहिजे यासंदर्भात पीएसीचे काही अकाऊंट नॉर्म्स आहेत मग ते एक्सेस असू द्या किंवा सेव्हींग्स असू द्या. परंतु त्या प्रकारे अकाऊंट मेन्टेन केले जात नाही असा एजी यांचा आक्षेप आहे. तसेच एजींची सिस्टीम सोडून विभाग काम करत आहेत, विभागाचे म्हणणे आहे की, सन २०१३-१४ या वर्षात सदर हेड खाली बचत आली नाही. त्यामुळे या सर्व बाबीचे स्पष्टीकरण देण्यात यावे असे समितीने सांगितले असता सचिवांनी नमूद केले की, सी-७ या हेड बाबत सन २०१३-२०१४ मध्ये एजी यांनी आपल्या अहवालात ११३३ कोटी ४० लाख ३५ हजार रुपयांच्या टोटल ग्रँटस् मिळालेल्या आहेत असा उल्लेख केलेला आहे. यासंदर्भात विभागाने माहिती तपासून एजी यांना नोट ऑफ एरर द्वारे कळवले आहे की, ही ग्रँट १०८३५७.५३ लाख एफएमजी एवढी आहे. एजी यांच्या रिपोर्टमध्ये खर्च ११०१३६.८२ लाख दाखविण्यात आलेला आहे. परंतु यासंदर्भात विभागाने १०९१८२.२८ लाख रुपये असल्याची माहिती सबमिट केलेली आहे. याचा विचार केला असता एजी यांच्या रिपोर्टमध्ये सेव्हींग ३२३.५३ लाख रुपयांचे दाखवण्यात आले आहे. विभागाचा सन २०१३-१४ या वर्षाचा खर्च अधिकचा झालेला असून तो ८२४.७५ लाख रुपये जास्तीचा झालेला आहे. शेवटच्या टोटल एफएमजीचा विचार करता तो ०.७६ कोटी रुपयांचा एक्सेस आहे. यावरुन असे दिसून येते की, वन विभाग आणि एजी यांचे अकाऊंट डिफर आहे.

विभागाचे म्हणणे आहे खर्च जास्त केला आहे व एजी यांचे म्हणणे आहे की, विभागाने बचत केलेली आहे. त्यामुळे यासंदर्भात एजी यांनी आपले विचार व्यक्त करावेत असे समितीने सांगितले असता महालेखाकारांनी असे नमूद केले की, अकाऊंट्स की कम्पायलेशन होती है. ये सन २०१३-१४ के अकाऊंट्स हैं, रिकन्सिलिएशन के लिए ॲन्युअल बैठक होती है. इसमें आपस में जो डिफरन्सेस हैं उसको महालेखाकार हल करते हैं, वह हल नहीं हुए हैं. आपके विभाग की ओर से नोट ऑफ ऐरर भी हमें समय पर मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली. आपकी ओर से हमें नोट ऑफ एरर समय पर मिलेगी तो कम्पायलेशन के स्टेज पर उस नोट ऑफ ऐरर पर महालेखाकार विचार कर सकते है. सन २०१३-१४ के आकाऊंट्स है और आप मार्च, २०१५ के बाद यदि नोट ऑफ ऐरर भेजेंगे तो उस नोट ऑफ ऐरर से समस्या हल नहीं हो सकती. भविष्यात काळजी घेण्यात येईल असे समितीस सचिवांनी आश्वासित केले होते त्यानुसार विभागाकडून पुढीलप्रमाणे माहिती प्राप्त आहेः-

महालेखापाल कार्यालयाद्वारे विनियोजन लेखे तयार करताना विधान मंडळाद्वारे स्वीकृत मूळ अनुदान, पुरवणी अनुदान व विभागाद्वारे पुनर्विनियोजन अनुदान विचारात घेतले जातात. व त्याअनुषंगाने प्रत्यक्ष खर्चाची तुलना करून अधिक किंवा बचतीवर

अभिप्राय दिले जातात. परंतु विभागास प्रत्यक्षात अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या शासन निर्णयाप्रमाणे प्राप्त अनुदान विचारात घेऊन विनियोजन लेख्यावरील महालेखापालांच्या अभिप्रायावर स्पष्टीकरण सादर करावे लागते. विनियोजन लेखे महालेखापाल कार्यालयाद्वारे विधान मंडळास सादर केले जातात. महालेखापाल कार्यालयाद्वारे नोंदविलेला खर्च व विभागाद्वारे नोंदविलेल्या प्रत्यक्ष खर्चात तफावत आढळल्यास चूक नोंद प्रस्ताव शासनामार्फत महालेखापाल कार्यालयास सादर केला जातो. सदर प्रकरणात महालेखापाल यांनी वार्षिक आर्थिक पत्रके व पुरवणी आर्थिक पत्रकाच्या आधारे एकंदर रु.३२.०३ कोटी ची बचत दाखविली आहे. तर विभागाने अंतिम सुधारित अनुदान विचारात घेऊन रु.८.२४ कोटी चा अधिक खर्च दर्शविला आहे. सन २०१३-१४ च्या लेख्यावरील चूक नोंद दुरुस्ती प्रस्ताव (Note of Error) ३० एप्रिल, २०१५ पर्यंत पाठविणे आवश्यक होते. परंतु सदर प्रस्ताव ५ मार्च व २१ मार्च, २०१६ ला शासनाकडून पाठविण्यात आला आहे.

महालेखाकारांच्या आणि वन विभागाच्या अकाऊंटींग सिस्टीममध्ये मोठी तफावत आहे. ही तफावत विभागाने एजीकडून कन्फर्म करून घेतलेली नाही त्यामुळे लेख्यामध्ये नेहमी तफावत राहते असे समितीने सूचित केले असता याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, सन २०१३-१४ वर्षाकरिता २४०६ या २४१५ या हेडसाठी सुरुवातीला १०६९ कोटी एवढी तरतूद होती. त्यानंतर जास्त पैसे लागतील यासाठी सप्लीमेंटरी घेतली. नोव्हेंबर, २०१३ मध्ये आम्ही १८९५.३४ कोटी रुपये एवढी डिमांड केली. त्यानंतर मंथली ग्रँट ११२५.५२ कोटी रुपये मंजूर झाली. एक्सपेन्डीचर १०८७.२४ कोटी रुपये झाला. आम्हाला १०८३.५७ कोटी रुपये एफएमजी मिळाला. रिकन्सीलेशनमध्ये तो १०९१.८२ कोटी रुपये झाला. एफएमजी आणि एक्झॅक्ट एक्सपेन्डीचरमध्ये ८.२४ कोटी रुपये म्हणजे ०.७६ टक्के खर्च एफएमजीपेक्षा जास्तीचा झालेला आहे.

ग्रँटवाईज बजेट घेण्यात येतो. ॲप्रोप्रिएशन ॲक्टमध्ये पास झालेली अमाऊंट टोटल ॲप्रोप्रिएशन म्हणून कन्सिडर करण्यात येते. टोटल ग्रँटमधून ॲप्रोप्रिएशन होत असते. सबहेडवाईज कन्सिडर बजेट करताना एफएमजीची जी फिगर असते, ती लक्षात घेऊन बजेट केले जाते. आता अडचण अशी होत आहे की, महालेखाकारांनी ॲप्रोप्रिएशन ॲक्टप्रमाणे टोटल ग्रँट दाखविली आहे. ती ११३३.४० लाख रुपये इतकी आहे, ती रि-ॲप्रोप्रिएशन नंतरची आहे.

महालेखाकार रि-ॲप्रोप्रिएशन किंवा सरेंडर ग्रँटवाईज कन्सिडर करीत नाही. महालेखाकारांचे कमेंट्स त्यासाठीच घेण्यात येतात. आपल्याला १०८५ मिळाले असतील, ते बरोबर आहे. पण ते एफएमजी आहे. ती टोटल ग्रँट नाही. विभागाला सेव्हिंग अपेक्षित होते, त्यापेक्षा जास्त सरेंडर केले आहे, त्यामुळे विभागाचा खर्च वाढला आहे. विभागाचे सरेंडर कमी असते तर खर्च बरोबर राहिला असता, वाढला नसता यावरुन असे दिसून येते की, वन विभागाची अकाऊंटिंग सिस्टिम बरोबर नाही जी फिगर घ्यायची होती ती एफएमजीप्रमाणे नको तर रि-ॲप्रोप्रिएशननंतर जी टोटल ग्रँट आहे, त्याप्रमाणे घ्यावी लागणार आहे असे महालेखाकारांचे म्हणणे आहे.

त्यानुसार ती फिगर ११३३ कोटी ४० लाख ३५ हजार रुपये आहे. विभाग एफएमजीप्रमाणे सांगत आहात की, विभागाला १०८३ कोटी ४६ लाख ४३ हजार रुपये मिळाले. मात्र ॲक्च्युअली विभागाची टोटल ग्रँट ११३३ कोटी ४० लाख ३५ हजार रुपये होती. विभागाने जो खर्च केला आहे, त्यामध्ये सुध्दा तफावत आहे. विभागाने १०९१ कोटी ८२ लाख २८ हजार रुपये खर्च केला आहे. मात्र महालेखाकारांच्या रेकॉर्डप्रमाणे ११०१ कोटी ३६ लाख ८२ हजार रुपये खर्च झाला आहे. खर्चामध्ये सुध्दा तफावत आहे. विभागाने रिकन्सिलिएशन करावे. विभागाच्या म्हणण्याप्रमाणे फक्त जास्तीचा ७ टक्के खर्च झाला आहे. प्रस्तुत विषय क्षमापित करता येतो. मात्र विभागाची अकाऊंटिंग सिस्टिम लोकलेखा समितीच्या सिस्टिमप्रमाणे नाही असे स्पष्ट दिसून येत आहे. त्या दृष्टीने सिस्टिम दुरूस्त करावी. विभागाने रिकन्सिलिएशन करून विभाग व महालेखाकार यांच्या अकाऊंटींग सिस्टममध्ये एक वाक्यता आणावी. समितीच्या निदेशानुसार विभागाकडून लेखी स्वरुपात खालीलप्रमाणे माहिती प्राप्त झालेली आहेः-

खर्चाचे ताळमेळ घालण्याकरिता मुंबई अर्थसंकल्प नियमावलीच्या नियम क्रमांक१५७ प्रमाणे वेळापत्रक विहित करण्यात आले आहे. त्यानुसार नियंत्रक अधिका-यांनी १० मे पर्यंत त्या आधीच्या आर्थिक वर्षाच्या खर्चाचे ताळमेळ करणे आवश्यक आहे. खर्चाची आकडेवारी संबंधित नियंत्रक अधिका-यांकडून विलंबाने प्राप्त झाल्यामुळे चूक नोंद दुरुस्ती प्रस्ताव (Note of Error) महालेखापाल कार्यालयास पाठविण्यास विलंब झाला. तथापी, यापुढे सन २०१५-१६ या आर्थिक वर्षाचा चूक नोंद दुरुस्ती प्रस्ताव (Note of Error) ३१ मार्च, २०१७ पूर्वी महालेखापाल कार्यालयास पाठविण्याची दक्षता घेण्यात आली आहे.

"Department stated that the forestry work or field work is of a seasonal nature, and if the grants are received in time, then it is possible to complete the work." आणि दुस-या बाजूला कारण देता की, नक्षलाईट एरियाची अडचण आहे. मात्र

वस्तुस्थिती अशी आहे की, विभागाला वेळेत ग्रँट मिळाली नाही. वेळेत ग्रँट मिळाली नाही म्हणून काम करता आले नाही. जर अशी स्थिती असेल तर वन विभागाने वित्त विभागाला सांगावे की, नेमकी ग्रँट कधी पाहिजे, कधी काम करू शकता. काही विभाग उन्हाळ्यात कामे करतात तर काही विभाग पावसाळ्यात कामे करतात. वन विभागाला फॉरेस्ट्री पावसाळ्यातच करावी लागते.

शासन मे महिन्यात बजेट अंतिम करते. वन विभागाने वित्त विभागाला सांगितले पाहिजे की, मे महिन्यात सर्व पैसे पाहिजेत आणि तरच वन विभागास पावसाळ्यात प्लँटेशन करता येईल. त्यानंतर पैसे दिले तर ते उपयोगी पडणार नाहीत. वन विभागाला पैसे वेळेवर मिळाले नाहीत म्हणून ते कामे करू शकले नाही. या संदर्भात निश्चित वस्तुस्थिती समितीला सादर करावी असे समितीने सूचित केले असता विभागीय सचिवांनी खुलासा केला की, मध्यप्रदेशमध्ये ग्रँट रिलिज करण्याच्या पध्दतीचा अभ्यास करण्यासाठी शासनाची सन २०१५-१६ या वर्षात एक टीम मध्यप्रदेशला जाऊन आली आहे. त्याच्या म्हणण्यानुसार वन विभागाच्या ब-याच ॲक्टिव्हिटीज सिजनल असतात, त्या वेळेवर झाल्या तर त्याचा परिणाम चांगला दिसतो. याचा आधार घेवून वित्त विभागाने सन २०१६-१७ या वर्षी सुरूवातीलाच जूनच्या आतच ८० टक्के निधी रिलिज करण्यास सुरूवात केली आहे. त्याचा फायदा निश्चितपणे विभागाला होत आहे. फक्त पुरवणी मागण्यांचा एक मुद्दा आहे. पुरवणी मागण्या डिसेंबरमध्ये घेण्यात येतात. तो निधी अजूनही रिलिज होत नाहीत. वन विभागाने सदर मुद्दा वित्त विभागाकडे मांडला आहे. निधी वेळेवर मिळाला तर वन विभागास त्याचाही निश्चितपणे फायदा होईल.

या संदर्भात समितीने अशी सूचना केली की, वन विभाग जंगलातील प्लँटेशन जुलै-ऑगस्ट महिन्यात करता. बजेट मंजूर होऊन त्यांना मे महिन्यामध्ये मिळते. बजेट सभागृहात मांडले जाते, त्यावेळी विभागाला माहीत असते की, किती पैसे मिळणार आहेत. त्यामुळे विभागाच्या प्रोसिजरच्या संदर्भात, टेंडरपासून इतर सर्व गोष्टींच्या संदर्भात, वन विभागाने वित्त विभागाकडून परवानगी मागितली पाहिजे. निविदा काढण्याची आणि बाकीची प्रोसिजर करण्याची परवानगी द्यावी तरच हे वेळेवर होईल नाही तर होणार नाही असे वन विभागाने वित्त विभागाला सांगितले पाहिजे. या प्रमाणे सर्व बाबींना परवानगी वेळेत मिळाली तर निश्चितपणे त्याचा फायदा होईल.

यामध्ये वन विभागाने ज्या कामासाठी पैसे मिळाले आहेत त्याच कामासाठी आणि वेळेवर ते खर्च केले पाहिजेत. फॉरेस्ट्री दिवाळीच्या दरम्यान केली तर कलमे टिकत नाहीत. ती कामे पावसाळ्यातच झाली पाहिजेत असे समितीचे मत आहे. त्याप्रमाणे अहवालात शिफारस करण्यात यावी. याबाबत विभागाकडून पुढीलप्रमाणे लेखी खुलासा प्राप्त झालाः-

वन विभागात बहुतांशी कामे हंगामी स्वरुपाची आहेत. विशिष्ट हंगामाचे कामांना वेळेवर मंजुरी व निधी उपलब्ध झाले तर वानिकी कामे पूर्ण करणे शक्य होतील. या अनुषंगाने मध्यप्रदेश वन विभागातील वानिकी कामांची कार्यपद्धती व निधी वितरणाचे पद्धतीबाबत वन विभागातील अधिका-यांच्या गटाने अभ्यास केलेला आहे. व याबाबत या कार्यालयाचे पत्र क्र.कक्ष-१/पी/यो/चाबाप्र/प्र.क्र.५९/२०१४-२०१५/१७६६ दिनांक २२/०१/२०१५ अन्वये शासनास अहवाल सादर केलेला आहे. सदर अहवालात खालील बाबी नमूद केलेल्या आहेत.

(१) सद्यःस्थितीत वन विभागात एकूण १२१ योजनेत्तर व योजनांतर्गत योजना आहेत. यापैकी (३६ जिल्हास्तरीय + ३५ राज्यस्तरीय + ६ केंद्रपुरस्कृत) अशा योजनांतर्गत योजना आहेत व ४४ योजनेत्तर योजना आहेत. ब-याचशा योजनांचे वैशिष्टे एकसारखे असून या योजनांचे नियतव्यय प्रस्ताव तयार करणे, नियतव्ययास मंजुरी घेणे, अर्थसंकल्पीत करणे, पूरवणी मागण्या सादर करणे, अनुदान वितरित करणे व योजनांची अंमलबजावणी करणे इत्यादी कामासाठी मंत्रालयीन, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक, वनवृत्त व विभागीय स्तरावर मोठ्या प्रमाणावर कालापव्यय होतो. यासाठी सारख्या दिसणा-या योजनांचे एकत्रिकरण करण्याची कार्यवाही सुरु आहे.

(२) सदर प्रस्तावात मंजूर राज्यस्तरीय योजनांचे अनुदानाचे वितरण प्रशासकीय विभागार्फत न करता सरळ वन विभाग प्रमुखांना उपलब्ध करून देण्याची शिफारस करण्यात आलेली आहे. यामुळे वित्त विभाग, प्रशासकीय विभाग व वन विभाग प्रमुख या मधील मोठ्या प्रमाणात होणारा कार्यालयीन पत्रव्यवहार व वेळेची बचत होईल सुलभ संदर्भासाठी वरील पत्राची छायांकित प्रत यासोबत सादर करण्यात येत आहे.

**अनुदान क्र. सी-९'इतर प्रशासनीक सेवा व सामाजिक सेवा यांवरील भांडवली खर्च' -**

सी-९ मध्ये १ कोटी १५ हजार रूपयांची प्रोव्हिजन केली, तेवढे सरेंडर केले आहेत. महालेखाकारांचे अभिप्राय असे आहे की, बजेट मॅन्युअलच्या नियम २९ प्रमाणे वित्त विभागाने देखील या संदर्भात कॉग्निजन्स घेतला पाहिजे. विभाग मागणीही करता आणि सरेंडरही करता. याबाबत सचिवांनी नमूद केले की, हा विषय भूसंपादनाच्या संदर्भातील आहे. मागणी न आल्यामुळे बचत झाली आहे. हेडमध्ये थोडे पैसे ठेवण्यात येतात. हेडमध्ये पैसे ठेवले नाहीत आणि पुढे मागणी आली तर रि-ॲप्रोप्रिएट करता येणार नाही. त्यामुळे ते पैसे ठेवले आहेत.

कोणत्या विभागाचा विषय होता ? तसेच वर्षभरात कोणतीही भूसंपादनाची मागणी का आली नाही? भूसंपादनाच्या मागण्या इतक्या प्रलंबित असतात की लोकप्रतिनिधींकडे सतत पाठपुरावा करतात. मागणी आली नाही असे कधी होत नाही. मागणी आली असेल, परंतु त्याची पूर्ण प्रोसेस करण्यात आली नाही. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, भूसंपादन वेगवेगळ्या प्रकल्पांचे असते. पूर्ण प्रोसिजर करून मागणी करण्यात आली नसल्याचे सचिवांनी मान्य केले.

पूर्ण प्रोसिजर न करणे हा विभागातील कनिष्ठ अधिका-यांचा निष्काळजीपणा आहे. लोकांची मागणी नाही असे होणार नाही. भूसंपादनाची प्रकरणे मोठ्या प्रमाणावर प्रलंबित असतात. लोक यासाठी खूप पाठपुरावा करतात. भूसंपादनाचे पैसे मिळाले नाहीत म्हणून संबंधिताकडे जातात, लोकप्रतिनिधीकडे येतात आणि विभाग पैसे सरेंडर करतात ही बाब बरोबर नसल्याचे मत समितीने व्यक्त केले तसेच पैसेच द्यायचे नव्हते तर मागणी का केली ? शिवाय विभागास पुरवणी मागणी सुध्दा घेता आली असती, एका वर्षात ३ वेळा संधी असते. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, हेडमध्ये पैसेच नसले तर पुरवणी मागणी टाकता येत नाही, रि-ॲप्रोप्रिएशन करता येणार नाही. त्यामुळे थोडे पैसे हेडमध्ये ठेवणे आवश्यक आहे.

प्रकल्पग्रस्तांची पुष्कळ प्रकरणे आहेत. समितीचे तर स्पष्ट मत आहे की, विभागाच्या ज्या अधिका-यांची जबाबदारी होती त्यांनी ती पार पाडली नाही, प्रस्ताव तयार करून सादर केले नाहीत म्हणून हे पैसे सरेंडर झाले आहेत. कोण अधिकारी होते, कोणाची जबाबदारी होती, कोणत्या भागातील होते, त्यांच्या विरूध्द कोणती कारवाई करण्यात आली आहे याची माहिती समितीस सादर करण्यात यावे असे समितीने सुचविले असता सचिवांनी सहमती दर्शविली.

**अनुदान क्र. सी-११- राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण :-**

प्रधानशीर्ष ६००३ राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण यामध्ये उत्तर विभागाकडून देण्यात आले आहे. याबाबत महालेखाकारांनी स्पष्ट नमूद केले आहे की, जे स्पष्टीकरण विभागाकडून देण्यात आले आहे ते संतोषजनक नाही. याबाबतची वस्तुस्थिती अशी आहे की, एजी यांनी जी आकडेवारी दिली आहे तो खर्च झालेला नाही असे पूर्वी दिलेल्या उत्तरात नमूद केले होते. याबाबत संबंधित जिल्ह्यातील माहितीची अधिक तपासणी केली तेव्हा असे दिसून आले की, अमरावती, अकोला, नागपूर आणि चंद्रपूर येथील ट्रेझरी कार्यालयात प्रत्यक्षात काही खर्च नोंदविण्यात आलेला आहे. त्याचबरोबर आरबीआयकडे देखील काही खर्च परस्पर नोंदविण्यात आलेला आहे. त्यासंदर्भातील माहिती आरबीआयकडून घेण्यात यावी. लॅन्ड सिलिंगमध्ये जी जमीन अतिरिक्त ठरते त्याची नुकसान भरपाई महसूल विभागाकडून रोखीने देण्यात येत नसून त्यासाठी त्यांना आरबीआयचे बाँड देण्यात येतात. हे बाँन्ड जेव्हा मॅच्युअर होतात तेव्हा पेमेंट करावे लागते. त्यावेळी हे बाँड आरबीआयकडून सबरजिस्टरकडे परस्पर जातात व तेथून ते पेमेंट होते. त्याचा हिशोब जिल्हास्तरीय अधिका-यांकडे नव्हता. त्यामुळे त्यांनी सुरुवातीच्या त्यांच्या अहवालात असे नमूद केले होते की, या खर्चाची नोंद त्याच्याकडे नाही. त्यामुळे एजी कार्यालयाला स्पष्टीकरण देताना खर्चाची नोंद नाही असे नमूद केले होते.े प्रत्यक्षात ट्रेझरी कार्यालयाकडून खात्री केली तेव्हा असे दिसून आले की, काही प्रमाणातत खर्च झालेला आहे. काही खर्च परस्पर आरबीआयकडून झालेला आहे त्याची माहिती गोळा करण्यात येत आहे. भविष्यकाळात मनौतीच्या प्रकरणात संबंधितांना सूचना निर्गमित करण्यात येणार आहेत.त ट्रेझरी व सब ट्रेझरी कार्यालयानी यासंदर्भातील माहिती जिल्हा स्तरीय अधिका-यांना द्यावी जेणेकरुन या खर्चाचा आकडा एकत्रित होईल. तरतुदीपेक्षा रक्कम कमी अधिक होत असेल तर आठमाही अंदाजात त्याची दखल घेऊन ती तरतूद कमी अधिक करता येते.

समितीने अशी विचारणा केली की, विभागाने पूर्वीचे ३ लाख रुपये सरेंडर केले आहेत. सन २०१३-१४ या वर्षात खर्च नाही असे समजून ती रक्कम सरेंडर केली होती. हा खर्च होता व ही बाब जिल्हास्तरीय अधिका-यांच्या नजरेस न आल्यामुळे ती रक्कम सरेंडर झाली आहे. याबाबत सचिवांनी स्पष्ट केले की, आरबीआयकडील बाँड असतात ते मॅच्युअर झाल्यावर ते ट्रेझरी कार्यालयात जातात व परस्पर पेमेंट होते. याबाबत जिल्हास्तरीय अधिका-यांना माहिती नसल्यामुळे त्यांनी ती रक्कम सरेंडर

केली आहे. ही प्रक्रिया अशी होऊ नये म्हणून मॅच्युअर बाँडचे पेमेंट झाल्यानंतर त्याची माहिती जिल्हास्तरीय अधिका-यांना व्हावी, जेणेकरुन येथून पुढे असे होणार नाही. यावर समितीने पुन्हा विचारणा केली की, ३ लाख रुपयांची तरतूद होती ५.९७ लाख रुपये खर्च झाले. ऑलरेडी ३ लाख रुपये सरेंडर करण्यात आले आहे. विभागाने जी रक्कम सरेंडर केली ती महालेखाकार यांच्या रेकॉर्डवर दिसत नाही. या केसमध्ये ५.९७ लाख रुपये एकूण खर्च झालेला आहे. ३ लाख रुपये सरेंडर करण्यात आले आहे. विभागाच्या म्हणण्यानुसार २.९७ लाख रुपये जास्तीचे आहेत. आता जास्तीची रक्कम ही ५.९७ लाख रुपये झाली आहे कारण विभागाने ३ लाख रुपये सरेंडर केले आहेत. ५.९७ लाख हा आकडा विभागाला दुरुस्त करावा लागेल.

महालेखाकाराकडे अशी नोंद झाली आहे की, एकूण ३ लाख रुपयांची तरतूद केली होती. प्रत्यक्षात ५.९७ लाख रुपये खर्च झाला आहे. अधिकचा खर्च २.९७ लाख रुपये आहे. ३ लाख रुपयांबाबत त्यांनी अशी टीप दिली आहे की, विचार न करता निधी परत करण्यात आला असल्यामुळे विनियोजनाखाली रुपये २.९७ लाखांचा अत्याधिक खर्च (प्रत्यक्ष खर्च रुपये २,९६,५०८) नियमात बसविणे आवश्यक आहे. यामध्ये विभागाकडे ३ लाख रुपयांची तरतूद होती. हे ३ लाख रुपये त्यांनी शेवटी परत केले आहेत. विभागाला ५.९७ लाख रुपयांचे विनियोजन करावे लागेल. एजीचे चुकीचे असले तरी विभागाच्या रिप्लाय नंतर त्यांचे असे म्हणणे आहे की, रिप्लाय चुकीचा गेलेला आहे. तसेच एजीनी याबाबत माहिती दिली की, ३ लाख रुपयांची प्रोव्हीजन होती, ५.९७ लाख रुपये खर्च झालेला आहे, यामध्ये २.९७ लाख रुपयांची तफावत होती. सरेंडरची अमाऊंट रिॲप्रोप्रिअेशन करतांना कन्सीडर करीत नाही. त्यामुळे २.९७ लाख रुपयांचा आकडा दिलेला आहे तो बरोबर आहे, विभागाचा खर्च ५.९७ लाख रुपये झालेला असून विभागाने ३ लाख रुपये पूर्ण सरेंडर केले असल्याने आता विभागाला ५.९७ लाख रुपये रेग्युलाईज करुन घ्यावे लागतील.

विभागाने फायनल सरेंडर करताना महालेखाकारांना माहिती सादर करण्यात आली आहे. या केसबाबत खर्चाचा तपशील विभागाने प्राप्त करुन घेतला आहे. जास्तीचा झालेला खर्च डायरेक्ट ट्रेझरीकडे व आरबीआयकडे पाठविला हे समितीला मान्य करता येईल. याबरोबर ३ लाख रुपये कोणताही विचार न करता सरेंडर केले तो चुकीचा पायंडा होता हे या केसमध्ये दिसून येत आहे. हे कशासाठी झाले ते सचिवांनी स्पष्ट केले आहे की, जे मॅच्युअर रोखे असतात ते आरबीआयकडून ट्रेझरीकडे आल्यानंतर त्यांचे पेमेंट केले जाते. ती माहिती जिल्हास्तरीय अधिका-यांकडे नसल्यामुळे ही रक्कम सरेंडर करण्यात आली आहे. या प्रक्रियेत यापुढे सुधारणा करण्यात यावी. जेव्हा अशा प्रकारचे रोखे येतात, तेव्हा ट्रेझरीमधून त्यांचे पेमेंट झाल्यावर तातडीने त्याची माहिती जिल्हास्तरीय अधिका-यांना दिली पाहिजे. जेणेकरुनन त्यांच्या स्तरावर याबाबत कन्सोलीडेशन होईल. मग राज्य स्तरावर एकत्रिकरण होऊनन यामध्ये कमी जास्त खर्च होत असेल तर त्यानुसार निधी ॲडजेस्ट करता येईल. अशा प्रकारच्या सूचना सर्व संबंधितांना देण्यात यावी. यापूर्वी विभागाची भूमिका अशी होती की, हा खर्च झालेलाच नाही, त्यामुळे ती बाब नाकारली होती व तसे उत्तर एजीकडे दिले होते. या विषयाचा सखोल अभ्यास केला तेव्हा असे दिसले की, एजी यांनी प्रत्यक्षात खर्च झाल्याचे नोंदविले आहे तसा खर्च झाल्याचे दिसून येत आहे. समितीच्या परवानगीने उत्तरात सुधारणा करण्यात आली.

**अभिप्राय व शिफारशी :-**

**अनुदान क्र.सी-१ 'महसूल व जिल्हा प्रशासन'**

**अभिप्रायः-**

२.३ महसूल व वन विभागाच्या सन २०१३-१४ च्या मागणी क्र.सी-१ मध्ये प्रधानशीर्ष २०२९ जमीन महसूल, २०४५ विक्रेय वस्तू व सेवा यावरील इतर कर व शुल्क, २०५३ जिल्हा प्रशासन, २०७० इतर प्रशासनिक सेवा याअंतर्गत एकूण मूळ तरतूद १४७६३४.१५ लाख करण्यात आली होती व पूरक मागणी ४३५०.०७ लाख घेण्यात आली होती. यापैकी एकूण १५१९८४.२२ लाख इतके अनुदान विभागास प्राप्त झाले व १३००१४.२१ लाख प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे. रु.२१९७०.०१ लाख बचत झाली आहे. व २०४०२.४५ लाख रुपये इतकी रक्कम वर्षभरात परत केलेली आहे.

प्राप्त अनुदानाअंतर्गत झालेला खर्च १३००१४.२१ लाख रुपये असून सदर खर्च १४७६३४.१५ लाख रुपये या मूळ तरतूदी इतका देखील झालेला नाही. त्यामुळे ४३५०.०७ लाख रुपयांची पूरक तरतूद ही अनावश्यक होती. तसेच अनुदानातील मूळ तरतूदी इतकाही खर्च न होण्याचे हे लागोपाठचे अकरावे वर्ष असल्याचे महालेखाकारांचे आक्षेप आहेत. तसेच २१९७०.०१ लाख रुपये इतकी बचत असताना वर्षभरात केवळ २०४०२.४५ लाख रुपयाचा निधी परत करण्यात आला असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

उपरोक्त प्रकरणी नागपूर, अमरावती, औरंगाबाद, नाशिक, पुणे व मुंबई असा विभागवार रिक्त पदांचा विचार करण्यात आला. यामध्ये सर्वात जास्त रिक्त पदे नागपूर व अमरावती विभागात असल्यामुळे इतर विभागांपेक्षा जास्त बचत झाल्याचे सचिवांनी मान्य केले. सन २०१३-२०१४ मध्ये नागपूर विभागात अ,ब,क,ड अशा वर्गवारीची एकूण ५६७१ पदे मंजूर होती त्यापैकी ५२३५ इतकी पदे कार्यरत आहेत ५३६ पदे रिक्त आहेत यामध्ये 'अ' वर्गात ३४ पदे, 'ब' वर्गात ७४ पदे, 'क' वर्गात ३४० पदे व 'ड' वर्गात ८८ पदे रिक्त असल्याचे समितीस सांगण्यात आले. रिक्त पदांसाठी जे अनुदान प्राप्त झाले ते पूर्णपणे खर्च होऊ शकले नाही. तीन वर्षे पदे रिक्त राहिल्यास ती व्यपगत होतात त्यामुळे सदर पदांसंबंधीची कामे प्रचंड प्रमाणात प्रलंबित राहतात. त्यावर उपाय म्हणून तात्पुरत्या स्वरुपात पदे भरण्याचा प्रयत्न करण्यात येतो किंवा अतिरिक्त कार्यभाराने कामे करुन घेण्यात येतात. यातून कामाचा निपटारा होत नाही.

**शिफारसः-**

२.४ **आता शासनाकडून चक्राकार पद्धतीने विभागवार पदे भरण्यात येतात. त्यामध्ये प्रथम क्रमांक नागपूर त्यानंतर अमरावती, औरंगाबाद व नाशिक असा क्रम निश्चित करण्यात आलेला आहे. महसूल विभागाअंतर्गत जी रिक्त पदे व्यपगत झाली आहेत त्यांच्या पुनरुज्जीवनाचा प्रस्ताव शासन स्तरावर संबंधित विभागाकडे पाठविण्यात यावा व त्याचा पाठपुरावा महसूल विभागाने करावा. याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.५ **नागपूर आणि अमरावती विभागात गेल्या दहा वर्षांपासून किती पदे व्यपगत झाली आहेत याची माहिती संकलित करुन समितीला एक महिन्यात देण्याचे सचिवांनी आश्वासित करुनही समितीला अद्याप माहिती प्राप्त झाली नाही. सदर माहिती समितीला तातडीने देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.६ **प्रधानशिर्ष २०२९ या अंतर्गत काही जिल्ह्याच्या ट्रेझरी कार्यालयात मार्च महिन्यात देयके सादर करण्यात आली होती. त्यासंबंधी बीडीएस वर खर्चदेखील नोंदविण्यात आला होता. परंतु ट्रेझरी कार्यालयाकडून काही आक्षेप घेतल्यामुळे सदर देयके परत करण्यात आली. परंतु सदर देयकाच्या बीडीएसवरील खर्च रदद् करण्यात आला नाही. सन २०१३-२०१४ मध्ये बीडीएस प्रणालीचा वापर नव्याने सुरु झाला होता त्यामुळे बीडीएसवर खर्च नोंदविणे किंवा तो रदद् करणे याबाबी दक्षतापूर्वक केल्या जात नसल्याने खर्च नोंदविण्यामध्ये चूका झालेल्या आहेत. या शीर्षांअंतर्गत बचत झालेली आहे. अशा बाबींची पुनरावृत्ती होऊ नये यासाठी विभागाने आवश्यक ती उपाययोजना करावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.७ **अर्थसंकल्पापेक्षा जास्त निधी खर्च करणे ज्याप्रमाणे अनियमितता असते त्याप्रमाणे अर्थसंकल्पीय तरतूद खर्च न करणे याचा अर्थ गरजेपेक्षा जास्त तरतूद करणे ही सुद्धा अनियमितता आहे. विभाग गरजेपेक्षा जास्त अर्थसंकल्पीय तरतूद करत असल्याचे मत समितीने व्यक्त केले. शासन स्तरावरुन जी आकडेवारी अर्थसंकल्पात देण्यात येते ती क्षेत्रीय स्तरावरुन घेण्यात येते. याबाबत सचिवांकडून सर्व क्षेत्रीय अधिका-यांना अर्थसंकल्पाबाबत अचूक व योग्य तसेच संभाव्य खर्चाची जास्तीत जास्त वस्तुनिष्ठ आकडेवारी कळविण्यासंदर्भात उपाययोजना करण्यात यावी व तसे आदेश निर्गमित करण्यात यावेत व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.८ **लेखाशीर्ष २०४५ या अंतर्गत विभागाची मूळ तरतूद ५३ लाख २५ हजार रुपये होती यापैकी ५२ लाख ४० हजार रुपयांचे पुनर्विनियोजन केले. उर्वरित ८५ हजार रुपयांपैकी ८४ हजार रुपये खर्च केले त्यामुळे १ हजार रुपयांची बचत झाल्याचे विभागाचे म्हणणे आहे. अप्रोप्रिअेशन अॅक्टनुसार मूळ तरतूद आणि विभागाने जो खर्च केला आहे याचा विचार करुनच महालेखाकार आक्षेप नोंदवितात. ही बाब विचारात घेता विभागाचे म्हणणे योग्य नसल्याचे महालेखाकारांचे अभिप्राय आहेत. कारण विभागाने मूळ तरतूदीतील अधिकतम रक्कम मार्च महिन्यापूर्वी शासनाकडे सरेंडर केली व त्यानंतर उर्वरित रक्कमेतील ८५ हजार रुपयांपैकी ८४ हजार रुपये खर्च केले आणि १ हजार रुपये बचत झाल्याचे नमूद केले आहे. विभागाची ही कार्यपद्धती योग्य नसल्याचे महालेखाकारांचे म्हणणे आहे. कारण विभागास या रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करावयाचे होते तर ते पुरवणी मागण्यांमध्ये करावयास पाहिजे होते परंतु तसे न करता शेवटच्या क्षणी रक्कम सरेंडर केली जाते आणि या कार्यवाहीलाच पुनर्विनियोजन केल्याचे सांगितले जाते. महालेखाकार यांचे असे म्हणणे आहे की, मूळ तरतूदीनुसार जो खर्च केला जातो तो वगळता उर्वरित रक्कम ही बचत समजण्यात येते. त्यानुसार या शीर्षाअंतर्गत एकूण तरतूदीपैकी जो खर्च झालेला आहे तो वगळता उर्वरित रक्कम बचत झालेली आहे. विभागाची कार्यपद्धती म्हणजे चूकीच्या पद्धतीने अर्थसंकल्पीय तरतूद हाताळणे असा होत आहे.**

२.९ पुनर्विनीयोजन व रक्कम समर्पित करणे ही प्रक्रीया प्रशासकीय विभाग आणि वित्त विभाग यातील मधली प्रक्रीया आहे. परंतु प्रत्यक्ष तरतूद ही विधीमंडळाने मान्य केलेली असते. त्या तरतूदीला अनुसरुनच बचत वा अधिक खर्च महालेखाकार कार्यालय निश्चित करते. ज्या रक्कमेसाठी विधीमंडळाची मान्यता घेतली होती तेवढा खर्च होऊ शकला नाही. त्यामुळे मार्चअखेर अधिकतम रक्कम सरेंडर करण्यात आल्याचे विभागाने मान्य केले आहे. त्यामुळे याप्रकरणी पुनर्विनियोजन झालेले नाही, ही वस्तुस्थितीदेखील विभागाने मान्य केली आहे. सदर रक्कम विभागाने वित्त विभागाच्या स्तरावर ती परत केली असली तरी, विभागाची ही कृती अॅप्रोप्रिएशन अॅक्ट व अर्थसंकल्पीय नियमपुस्तीकेनुसार नसल्याचे समितीचे मत आहे. भविष्यात विभागाने ज्या बाबींवर खर्च होईल अशा बाबींची खात्री करुन त्याच बाबींवर मागणीप्रमाणे आवश्यक तेवढीच अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्याची दक्षता घेण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

**अनुदान सी-२ 'मुद्रांक व नोंदणी'**

**अभिप्रायः-**

२.१० प्रधान शीर्ष २०३० मुद्रांक व नोंदणी या अंतर्गत १८५९६.५१ लाख रुपये अनुदान प्राप्त झाले व प्रत्यक्ष खर्च २०७४१.७० लाख रुपये झाला असून २१४५.१९ लाख रुपये अधिकचा खर्च झाला आहे. हा अधिकचा खर्च का झाला असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविला आहे.

रुपये २१४५.१९ लाख हा अधिकचा खर्च मुख्यत्वेकरुन मुद्रांक विक्रीच्या मनौतीची रक्कम प्रदान केल्यामुळे झाला. हा खर्च मुद्रांक विक्रीच्या प्रमाणावर अवलंबून असतो. सन २०१३-२०१४ या वर्षात मुद्रांकाची विक्री मोठ्या प्रमाणात झाली असल्याने मनौतीची रक्कम प्राप्त अनुदानापेक्षा जास्त द्यावी लागल्याने अधिक खर्च झालेला आहे.

**शिफारसः-**

२.११ ज्यावेळी मुद्रांकाची विक्री केली जाते त्याचवेळी कमिशनची रक्कम कपात करुन मुद्रांक विक्रेत्याला दिली जाते. त्यामुळे मुद्रांक विक्रेत्याला पुन्हा वेगळे कमिशन देण्याची आवश्यकता नसते. जेवढी जास्त मुद्रांक विक्री तेवढे जास्त कमिशन अदा करण्यात येते. उपरोक्त प्रकरणी जास्त मुद्रांक विक्री झाल्यामुळे अधिकचा खर्च झाला असून तो बजेटरी तरतूदीपेक्षा जास्त झाल्याचे दिसून येते. मुद्रांकाची विक्री क्षेत्रीय पातळीवर होत असल्यामुळे वर्षाअखेरीस कमी अधिक खर्चाची माहिती नोंदणी महानिरिक्षक यांच्या कार्यालयास सर्व जिल्ह्यातून प्राप्त होते. या प्रक्रियेत बदल करुन त्याचे बळकटीकरण करणे आवश्यक आहे. विभागाने कमिशनच्या जास्तीच्या खर्चाचे अंदाजपत्रक तयार करावे त्यासाठी नवीन सुधारीत कार्यपद्धती सुरु करावी सदर कार्यपद्धतीमध्ये सह जिल्हा निबंधक स्तरावर नियमितपणे ताळमेळ करण्यात यावा. संभाव्य तरतूद केली असेल व त्यापेक्षा जास्त खर्च होत आहे असे दिसून येत असेल त्यावेळी शेवटच्या पुरवणी मागणीमध्ये सदर रक्कमेचे समायोजन करण्यात यावे. यासंदर्भात नोंदणी महानिरिक्षक यांनी दिनांक १५ नोव्हेंबर, २०१६ रोजी निर्गमित केलेल्या सूचनांचे तंतोतंत पालन करावे तसेच भविष्यात असे प्रकार टाळण्यासाठी मनौतीच्या खर्चाच्या रक्कमा जिल्हानिहाय संबंधित जिल्हा कोषागारातून महालेखाकार कार्यालयास दर तीन महिन्यांनी कळविण्यात याव्यात अशा सूचना सर्व सह जिल्हा निबंधकास देण्यात याव्यात. याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती तीन महिन्यांत सादर करण्यात यावी अशी समिती शिफारस करीत आहे.

**अनुदान सी ४ 'सचिवालय व इतर सर्वसाधारण सेवा'**

**अभिप्रायः-**

२.१२ महसूल व वन विभागाच्या सन २०१३-२०१४ च्या मागणी क्र. ४ मध्ये मूळ तरतूद रु.१४७४७.६२ लाख इतकी होती. मात्र प्रत्यक्ष खर्च रु.३८७३.५६ लाख इतका झाला. तो मूळ तरतूदीइतका देखील झालेला नसताना विभागाने रु.१५ लाखांची पूरक तरतूद घेतली ती अनावश्यक होती. तसेच मागील १० ते १२ वर्षांपासून विभागाचा मूळ तरतूदीप्रमाणे खर्च होत नसल्याने सतत बचत होत आहे. ही आर्थिक अनियमितता समजण्यात येत असून याबाबत विभागाने दक्षता घेणे आवश्यक आहे असा महालेखाकारांचा आक्षेप आहे.

या शीर्षाखाली मोठ्या प्रमाणत रिक्त पदावरील ही बचत असल्याचे दिसून येते. सर्व उपशिर्षांच्या तरतूदीवरील खर्चाच्या माहितीचे संमिश्रण करुन निष्कर्ष काढण्यात येतो त्यावेळेस भ्रामक चित्र दिसते. परंतु प्रत्येक उपशिर्षाप्रमाणे तरतूदीचा खर्च विचारात घेतला तर वेगळे चित्र दिसून येईल. काही लेखाशीर्षामध्ये पुरवणी मागणी घेतलेली आहे व त्या मुख्य लेखाशिर्षाअंतर्गत बचत देखील झालेली आहे. कारण पुरवणी मागणी एका उपशिर्षापुरती मर्यादित असते व बचत ही सर्व उपशिर्षांची मिळून दाखविण्यात आलेली असते. महालेखाकार हे सर्व उपशिर्षांचे मिळून एकत्रित निरिक्षण नोंदवितात. त्यामुळे सर्वसाधारणपणे बचतीचे भ्रामक चित्र निर्माण होते असे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले.

**शिफारसः-**

२.१३ मागणी क्र.सी-४ मध्ये समितीच्या असे निदर्शनास आले आहे की, सर्वसाधारणपणे तरतूद करण्यात आलेला निधी आर्थिक वर्षअखेरपर्यंत खर्च होत नाही परिणामी बचत झाल्याचे दिसून येते. एका उपशीर्षामधून दुस-या उपशिर्षामध्ये खर्च करण्यासाठी विधीमंडळाकडे जाण्याची आवश्यकता नाही. मुख्य लेखाशीर्षामध्ये बचत दिसून येत आहे. या बचतीमधून मुख्य लेखाशीर्षांतर्गत पुनर्विनियोजन न करता पुरवणी मागणी घेतली गेली व बचत समर्पित केली गेली या विषयाकडे विभागाने गंभीरतेने लक्ष देण्याची आवश्यकता आहे. ज्या उपशीर्षामध्ये बचत आहे त्यातील तरतूद कमी करुन मार्च महिन्यात पुरवणी मागण्यांच्यावेळी पुरवणी मागण्यांऐवजी मुख्य लेखाशीर्षाअंतर्गत पुनर्विनियोजन करुन घेण्याची आवश्यकता आहे. जास्तीची तरतूद केल्यानंतर पुन्हा ते समर्पित केले जातात. असे प्रकार होऊ नये यासाठी विभागाने ठोस उपाययोजना करण्यात यावी व केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

२.१४ सद्यःस्थितीत बीडीएस व बीम्स प्रणालीवरील आकडेवारीचा महालेखापाल कार्यालयाशी व वित्त विभागाशी ताळमेळ घालण्यासाठी उपयोग होत नाही. प्रत्येक उपशीर्षनिहाय महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चाशी विभागाने नोंदविलेला खर्चाबरोबर ताळमेळ हा बीम्स प्रणालीचा वापर न करता करण्यात येतो. तसेच वित्त विभागाला कोषागार कार्यालयाकडून जोपर्यंत माहिती कळविण्यात येत नाही तोपर्यंत कोणतीही माहिती मिळत नाही व ज्यावेळी माहिती मिळते तेव्हा थोडा उशीरच झालेला असतो. अतः या अडचणी सोडविण्यासाठी लवकरात लवकर बीम्स प्रणालीवर सर्व कोषागारांबरोबरच उपकोशागारांचा खर्च हा रियल टाईम बेसिसवर आणून बीम्स प्रणालीवर नोंदविलेल्या खर्चाचा ताळमेळ महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चाशी घेण्याबाबतची व्यवस्था वित्त विभागामार्फत करावी व अशाप्रकारे केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस ३ महिन्याच्या आत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

२.१५ तसेच सदरहू शिर्षांतर्गत भूसंपादनासाठी असलेली तरतूद देखील अखर्चीत राहिली. महत्वाच्या शिर्षांतर्गतच्या निधीचे नियोजन विभागाने योग्यरित्या करणे आवश्यक आहे. त्यातही भूसंपादनासारखे महत्वाचे व संवेदनशील विषय विभागाने प्राधान्याने सोडविणे आवश्यक असताना व त्यासाठी मोठया प्रमाणात स्थानिक पातळीवरुन मागणीदेखील होत असताना अशाप्रकारे निधी अखर्चीत राहून तो समर्पित होणे कदापी योग्य नाही. समिती याबाबत तीव्र नापसंती व्यक्त करीत आहे. विभागाने त्यांना प्राप्त निधीचे योग्य नियोजन करावे अशी समितीची शिफारस आहे.

**अनुदान सी ५:-**

**अभिप्रायः-**

२.१६ मागणी क्रमांक सी-५ लेखाशिर्ष २२३५ सामाजिक सुरक्षा व कल्याण या अंतर्गत ८.३१ लाख रुपये इतक्या रक्कमेची अंतिम बचत आहे आणि त्यासाठी प्रस्तावित दौरे रद्द करणे, कोषागाराची बिले मंजूर न होणे, जाहिरातीची बिले मंजूर

न करणे, खर्चासाठी आवश्यक अनुदानाची मागणी न करणे, दूरध्वनीचा कमी उपयोग करणे, अनुदान उशिरा प्राप्त होणे, ठेव संलग्न विमा योजनेत अनुदान अपुरे असणे, अनुदान वितरणानंतर रक्कम शिल्लक राहणे, अध्यक्ष, जिल्हाधिकारी, सचिव, उपसचिव, लिपिक व शिपाई यांची पदे रिक्त राहणे, सुधारित अंदाजपत्रकाची कमी रक्कम प्राप्त होणे, पदे रिक्त असणे, वेतन काढण्यासाठी अपुरे अनुदान असणे या सर्व बाबी विचारात घेता विभागामध्ये नियोजनाचा अभाव असल्याचे दिसून आले. महालेखाकारांना लेखापरिक्षणाच्या वेळेस विभागास सर्व कागदपत्रे प्राप्त झाल्याचे निदर्शनास आले मात्र वेळेवर निर्णय घेतले गेले नाहीत म्हणून १२८.८७ लाख रुपये पुनर्विनियोजनाद्वारे/प्रत्यार्पणाद्वारे काढण्यात आले. सदर काढण्यात आलेला निधी रु. ८.३१ लाखाची बचत लक्षात घेता अपूरा होता असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविला आहे.

**शिफारसः-**

२.१७ **सामाजिक सुरक्षा व कल्याण या अंतर्गत खर्च करण्यात आलेल्या सर्व निधीसाठी प्रत्येक उपशीर्षाकरिता विभागाने एकसारखीच कारणे दिलेली आहेत. विभागाकडे आवश्यक कागदपत्रे प्राप्त झालेली असतानांही प्रस्तावित दौरे रद्द करणे, जाहिरातीची बिले मंजूर न करणे व संलग्न विमा योजनेअंतर्गत निधी खर्च न करणे यामुळे बचत झाल्याचे दिसून येत आहे. यामध्ये संबंधित अधिका-यांची उदासीनता दिसून येत आहे. यामध्ये अधिका-यांनी हलगर्जीपणा व दुर्लक्ष केल्यामुळे निधी खर्च झालेला नाही. यास अधिका-यांना जबाबदार धरण्यात यावे असे समितीचे मत आहे त्यामुळे याप्रकरणी संबंधित अधिका-यांवर जबाबदारी निश्चित करण्यात यावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.१८ **कोषागाराची बिले मंजूर न होणे, जाहिरातीची बिले मंजूर न होणे याबाबत महालेखाकारांना लेखापरिक्षणाच्या वेळेस असे निदर्शनास आले की, विभागास बिलासंदर्भातील सर्व कागदपत्रे प्राप्त झाले होते परंतु, संबंधित अधिका-यांनी वेळेवर निर्णय घेतले नाही आणि त्यामुळे बिलांची संबंधितांनी पूर्तता करुनही त्यांना वेळेत बिलाची रक्कम मिळू शकली नाही व निधी परत गेला असून ही बाब गंभीर आहे. याप्रकरणी संबंधित अधिका-यांची चौकशी करुन कारवाई करण्यात यावी व केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.१९ **उपरोक्त लेखाशिर्षांअंतर्गत मंजूर पदांसाठी मोठ्या प्रमाणात निधीची तरतूद करण्यात आली होती परंतु, रिक्त पदे भरण्यासाठी विभागाचा पाठपुरावा कमी पडल्यामुळे सदर रिक्त पदांचा निधी अखर्चित राहीला. पदे भरण्याची प्रक्रीया व त्यासाठी लागणारा कालावधी विचारात घेता व सदर निधीची तरतूद वर्षातून तीन वेळा पुरवणी मागण्यांच्या माध्यमातून घेणे विभागास शक्य असताना अशा प्रकारे निधीची तरतूद अर्थसंकल्पीत करुन ठेवणे व ती वर्षाअखेरीस समर्पित करणे योग्य नाही याची विभागाने दखल घ्यावी व अशा बाबीची पुनरावृत्ती टाळावी याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत द्यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.२० **महसूल विभागाकडून लेखे जुळविण्यासंदर्भातील कार्यवाही गांभीर्याने करण्यात येत नाही, तसेच खर्चाचा ताळमेळ नियमितपणे करण्यात येत नसल्यामुळे महालेखाकारांकडून लेखापरिक्षणाच्यावेळी मोठ्या प्रमाणात आक्षेप नोंदविण्यात येतात. आक्षेप कमी करण्याच्यादृष्टीने विभागाने आवश्यक ती उपाययोजना करावी व अशा बाबींची पुनरावृत्ती टाळावी. याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी, अशी समितीची शिफारस आहे.**

**अनुदान सी ७ 'वन'**

**अभिप्रायः-**

२.२१ प्रधानशीर्ष २४०६ वनीकरण व वन्य जीवन तसेच २४१५ कृषीविषयक संशोधन व शिक्षण या अंतर्गत एकूण अनुदान ११३३४०.३५ लाख प्राप्त झाले आहे व ११०१३६.८२ लाख प्रत्यक्ष खर्च झाले असून ३२०३.५३ लाख बचत झाली आहे. इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता परत करण्यात आलेला ४९८२.८२ लाख रुपयांचा निधी अत्याधिक आहे. बचत होऊन अनुदान बंद होण्याचे त्यातून अत्याधिक अंदाज करणे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे हे विभागाचे लागोपाठ नववे वर्ष आहे. विभागाने क्षेत्रिय कामे वेळेत केली नाही तसेच विभागाने नोंदविलेला खर्च व महालेखाकार कार्यालयाने नोंदविलेला खर्च यामध्ये तफावत असून विभागाची खर्च नोंदविण्याची पद्धत विहीत कार्यपद्धतीप्रमाणे नाही. विभागाकडून चूकीच्या नोंदीच्या दुरुस्तीचे प्रस्ताव महालेखाकार कार्यालयास विहित मुदतीत न पाठविल्यामुळे या खर्चाचा ताळमेळ जुळवता आला नाही असे आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेले आहे.

विभागाने उपरोक्त लेखाशिर्षाअंतर्गत बचतीची जी कारणे सांगितलेली आहेत त्यामध्ये विदर्भात नक्षलग्रस्त भागात वृक्षरोपण करताना अडचणी येत असल्याचे सांगितले आहे. विभागास ही अडचण योग्य नियोजन न केल्यामुळे येते. विदर्भात नक्षलग्रस्त भाग हा केवळ २० टक्के असून ८० टक्के भागात वृक्षारोपण करता येते. तसेच एखाद्या भागात वृक्षारोपण करण्यास अडचण येत असल्यास सदर भागाचा निधी अन्य ठिकाणी त्याच कामासाठी खर्च करता येतो. त्यामुळे विभागांनी केलेली बचत योग्य नसल्याचे मत समितीने नोंदविले. अशा स्वरुपाची बचत गेल्या दहा वर्षांपासून होत असून वन विभागाची कामे अधिका-यांच्या निष्काळजीपणामुळे झालेली नाहीत, असे समितीचे मत आहे.

**शिफारसः-**

**२.२२ वन विभागात बहुतांशी कामे हंगामी स्वरुपाची असतात त्यामध्ये वृक्षारोपण पावसाळ्यातच करावे लागते. विशिष्ट हंगामांच्या कामांना वेळेवर मंजुरी व निधी प्राप्त होणे आवश्यक आहे. याकरिता अर्थसंकल्प मंजूर झाल्यानंतर तात्काळ वन विभागाने वित्त विभागाकडे निधीची मागणी करावी. तसेच यासंदर्भात निविदा काढणे व इतर आवश्यक ती कार्यपद्धती आगाऊ पूर्ण करण्यासाठी वित्त विभागाकडून परवानगी मागण्यात यावी व वित्त विभागाने या प्रकरणाचा सकारात्मकरित्या विचार करावा व मान्य झाल्यास याबाबत वन विभागाने आवश्यक ती कार्यवाही करुन सर्व क्षेत्रिय कार्यालयांना सूचना निर्गमित करण्यात याव्यात. यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती तीन महिन्यांत समितीस देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**२.२३ विभागाने चूक नोंद दुरुस्तीचा प्रस्ताव ३१ मार्च पूर्वी न पाठविल्यामुळे विभागाने नोंदविलेल्या खर्चात व महालेखाकारांनी नोंदविलेल्या खर्चात तफावत आहे. विभागाने महालेखाकारांना नोट ऑफ एररचा प्रस्ताव विहित वेळेत दाखल केला असता तर हा खर्चाचा ताळमेळ जुळविणे शक्य झाले असते व समितीचा अमुल्य वेळ वाचला असता. विभागातील अधिकारी व कर्मचा-यांना रिकन्सीलेशनची मुदत व विहीत कार्यपध्दतीबाबतचे अज्ञान व प्रशिक्षणाचा अभाव यामुळे विभागाकडून खर्चाच्या ताळमेळाचे काम गांभीर्याने व विहीत मुदतीत करण्यात येत नाही अतः सदरहू आक्षेपाधीन खर्चाचा ताळमेळ न घालणा-या व महालेखापालांना चूक नोंद दुरुस्तीच्या प्रस्ताव विहीत वेळेत दाखल न करणा-या अधिकारी व कर्मचा-यांवर कारवाई करण्यात यावी व यासंदर्भात केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी.**

**२.२४ याव्यतिरिक्त विभागाची लेखे नोंदविण्याची पद्धत योग्य नसल्यामुळे विभाग व महालेखाकार यांच्या हिशोबात तफावत येत आहे. विभागाच्या म्हणण्यानुसार अधिकची तरतूद खर्च झाली आहे तर महालेखाकार यांच्या म्हणण्यानुसार बचत झालेली आहे. महालेखाकार यांची लेखे नोंदविण्याची कार्यपद्धती ॲप्रोप्रिएशन ॲक्टप्रमाणे आहे. ही कार्यपद्धती लोकलेखा समितीच्या कार्यपद्धतीशी जुळणारी आहे. विभागाची लेखे नोंदविण्याची कार्यपद्धती ही उपरोक्त कार्यपद्धतीशी जुळणारी नसून विभाग व महालेखाकार यांच्या लेखे नोंदविण्याच्या कार्यपद्धतीत एकवाक्यता आणण्याकरिता सध्या सुरु असलेल्या कार्यपद्धतीमध्ये सुधारणा करण्यात यावी तसेच सदरहू आक्षेपाधीन खर्चाचा ताळमेळ जुळवून महालेखाकार कार्यालयाकडून यास मान्यता घेऊन लेखे अंतिम करण्यात यावेत व खर्चाचा ताळमेळ नियमितप्रमाणे करण्यात यावा व भविष्यात अशा प्रकारचे आक्षेप टाळावेत व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती तीन महिन्यांत समितीस देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**२.२५ सद्यःस्थितीत वन विभागात एकूण १२१ योजनेत्तर व योजनांतर्गत योजना आहेत. यापैकी योजनेअंतर्गत (३६ जिल्हास्तरीय +३५ राज्यस्तरीय + ६ केंद्रपुरस्कृत) योजना आहेत व ४४ योजनेत्तर योजना आहेत. ब-याचशा योजनांचे वैशिष्टे एकसारखे असून या योजनांचे नियतव्यय प्रस्ताव तयार करणे, नियतव्ययास मंजुरी घेणे, अर्थसंकल्पीत करणे, पूरवणी मागण्या सादर करणे, अनुदान वितरित करणे व योजनांची अंमलबजावणी करणे इत्यादी कामासाठी मंत्रालयीन, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक, वनवृत्त व विभागीय स्तरावर मोठ्या प्रमाणावर कालापव्यय होतो. यासाठी सारख्या दिसणा-या योजनांचे एकत्रिकरण करण्याची कार्यवाही सुरु आहे.**

**२.२६ सदर प्रस्तावात मंजुरी राज्यस्तरीय योजनांचे अनुदानाचे वितरण प्रशासकीय विभागार्फत न करता सरळ वन विभाग प्रमुखांना उपलब्ध करुन देण्याची शिफारस करण्यात आलेली आहे. यामुळे वित्त विभाग प्रशासकीय विभाग व वन विभाग प्रमुख या मधील मोठ्या प्रमाणात होणार कार्यालयीन पत्रव्यवहार व वेळेची बचत होईल सुलभ संदर्भासाठी वरील पत्राची छायांकित प्रत यासोबत सादर करण्यात येत आहे असे विभागाकडून समितीस सांगण्यात आले अतः यासंदर्भात तातडीने निर्णय घेऊन समितीस तीन महिन्यांत कळविण्यात यावे अशी समितीची शिफारस आहे.**

**अनुदान सी ९ 'इतर प्रशासनिक सेवा व सामाजिक सेवा यांवरील भांडवली खर्च'**

**अभिप्रायः-**

२.२७ सदरहू परिच्छेदांतर्गत इतर प्रशासनिक सेवा व सामाजिक सेवा यांवरील भांडवली खर्चाबाबत महालेखाकारांनी आक्षेप नोंदविलेले असून प्रकल्पबाधित व्यक्तींना वितरीत करण्याकरिता लाभान्वीत क्षेत्रातील संपादन करण्याकरिता मागणी न आल्यामुळे संपूर्ण तरतूद रक्कम समर्पित करण्यात आली. मागील तीन वर्षांमध्ये या शिर्षाखाली कोणताही खर्च झाला नसल्याचे नोंदीवरुन लक्षात येत आहे. प्रत्यक्ष आवश्यकता/ मागणी याचा विचार न करता या शिर्षाखाली तरतूद अर्थसंकल्पीत करण्यात येत होती. उचित अंदाजपत्रकाशिवाय तरतूद करण्यात आली असा महालेखापालांचा आक्षेप आहे. तसेच महालेखाकारांनी त्यांच्या आक्षेपात या शिर्षाखाली गत दहा वर्षांच्या तरतूद निधी व खर्चाची आकडेवारी दर्शविली असता मोठ्या प्रमाणात निधीची बचत होऊन निधी परत पाठविण्याचे हे सलग अकरावे वर्ष असून ही बाब सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे दर्शविणारी आहे.

**शिफारसः-**

२.२८ **एखाद्या उपशिर्षामध्ये अर्थसंकल्पीत तरतूद नसेल तर त्यासाठी पूरवणी मागणी करता येत नाही व पुनर्विनियोजन देखील करता येत नाही यासाठी अंशतः निधीची तरतूद उपशिर्षामध्ये अर्थसंकल्पित करण्यात येते ही वस्तुस्थिती आहे जी समितीला मान्य आहे. परंतु प्रकल्पबाधीत व्यक्तींच्या पुनर्वसनासाठी अथवा नैसर्गिक आपत्तीच्या निवारणासाठी निधीची तरतूद केल्यानंतर ती परत जाणे, हे समितीला मान्य होऊ शकत नाही. राज्यात या शिर्षांतर्गत मोठ्या प्रमाणात मागणी होत असताना व प्रकल्पबाधीतांचे दावे मोठ्या प्रमाणात प्रलंबित असतांना अशाप्रकारे मागणी नाही म्हणून निधी परत जाणे कदापी योग्य नाही. समितीच्या मते भूसंपादनाची अनेक प्रकरणे प्रलंबित असताना एकही मागणी प्राप्त झाली नाही हे विभागाचे म्हणणे समितीस संयुक्तीक व विश्वासार्ह वाटत नाही. त्यामुळे प्रस्तुत उपलेखाशिर्षाअंतर्गत निधी खर्च न होण्याबाबत चौकशी करुन याप्रकरणी संबंधित अधिका-यांवर जबाबदारी निश्चित करण्यात यावी. याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

२.२९ **राज्याच्या अर्थसंकल्पात निधीची तरतूद होणे, त्याप्रमाणे निधी विभागाला खर्चासाठी वितरीत होणे यासाठीची कार्यपध्दती व करावयाचा पाठपुरावा या सर्व बाबी सोप्या नसून अत्यंत महतप्रयासाने विभागाला निधी प्राप्त होत असतांना अशाप्रकारे निधी अखर्चीत राहून तो पूर्णपणे समर्पित होणे अथवा कमी प्रमाणात खर्च होणे या बाबी निश्चितच योग्य नाही. विभागाने निधीचे योग्य नियोजन करणे आवश्यक आहे. अशाप्रकारे तरतूद वर्षभर न वापरल्यामुळे व आर्थिक वर्षअखेरीस तो समर्पित केल्यामुळे त्या निधीचा वापर अन्य सार्वजनिक कामांकरितादेखील करता आला नाही. अतः यात विभागाने याची योग्य ती दखल घेणे आवश्यक आहे व अर्थसंकल्पात निधीची तरतूद करताना गत तीन वर्षांच्या खर्चाचा आढावा घेऊन ही तरतूद करण्यात यावी. व कोणत्याही परिस्थितीत अशाप्रकारे तरतूद निधी अखर्चीत राहणार नाही यासाठीची उपाययोजना करण्यात यावी व यासंदर्भात केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**अनुदान सी ११ 'राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण'**

**अभिप्रायः-**

२.३० प्रधान शीर्ष ६००३ 'राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण' या अंतर्गत ३ लाख रुपयाची तरतूद करण्यात आली होती. व प्रत्यक्ष खर्च रु. ५.९७ लाख झाला असून रु. २.९७ लाख हा अधिक खर्च झाला आहे. तसेच वर्षभरात परत केलेली रक्कम रु.३ लाख आहे. विभागाने विचार न करता निधी परत करण्यात आला त्यामुळे विनियोजनाखाली रु. २.९७ लाखांचा झालेला अत्याधिक खर्च नियमात बसविणे आवश्यक आहे असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

विभागाने प्रथम महालेखाकार कार्यालयास कळविल्यानुसार उपरोक्त लेखाशिर्षांतर्गत कोणताही खर्च झालेला नाही व जो खर्च नोंदविण्यात आलेला आहे तो गैरवर्गीकरणाबाबतचा आहे असे त्यांच्या लेखी उत्तरात नमूद केले परंतू सचिवांनी साक्षीच्यावेळी याबाबत समितीस असे सांगितले की, संबंधित जिल्ह्यांतील माहितीची अधिक तपासणी केली तेव्हा अमरावती, अकोला, नागपूर आणि चंद्रपूर येथील ट्रेझरी कार्यालयात प्रत्यक्षात उपरोक्त शिर्षांतर्गत खर्च नोंदविण्यात आलेला आहे. त्याचबरोबर आरबीआयकडे देखील परस्पर खर्च नोंदविण्यात आलेला आहे. लॅण्ड सीलींगमध्ये जी जमीन अतिरिक्त ठरते त्याची नुकसानभरपाई महसूल विभागाकडून रोखीने न देता संबंधितांना आरबीआयचे बॉण्ड देण्यात येतात. हे बॉण्ड मॅच्युअर झाल्यानंतर त्याचे पेमेंट आरबीआयकडून सब रजिस्ट्रारकडे पाठवून करण्यात येते. ही कार्यपद्धती जिल्हास्तरीय अधिका-यांना माहित नसल्यामुळे व कोषागार कार्यालयांनी या निधीची माहिती जिल्हास्तरीय अधिका-यांना न दिल्यामुळे अशाप्रकारे खर्चाची नोंद चुकीने घेण्यात आली नाही.

**शिफारसः-**

२.३१ देशांतर्गत ऋण भागविण्यासाठी उपरोक्त शीर्षाखाली निधीची तरतूद केली होती मात्र त्यातील संपूर्ण रु.३ लाख तरतूद एकीकडे समर्पित झाली तर दुसरीकडे सदर शीर्षाखाली रु.५.९७ लाख खर्च नोंदविला गेला असल्याचे महालेखाकारांच्या आक्षेपावरुन दिसून येते सदरहू निधीचे समायोयजन हे पुर्णतः गैरवर्गीकरणामुळे करण्यात आले असून, जिल्हास्तरीय अधिका-यांना देशांतर्गत ऋण भागविण्यासाठी जी तरतूद करण्यात येते त्याचा खर्च नोंदविण्याची कार्यपद्धती माहित नसल्यामुळे तसेच कोषागार कार्यालयांनी ही खर्चाची कार्यपध्दती व या निधीची माहिती जिल्हास्तरीय अधिका-यांना न कळविल्यामुळे तसेच या प्रकरणी निश्चित वस्तुस्थिती व आकडेवारी महालेखाकार यांचेसमोर न दर्शविल्यामुळे हे आक्षेप नोंदविण्यात आले आहे. विभागीय अधिका-यांना वित्तीय लेखासंदर्भातील तरतुदींची व त्याअनुषंगाने करावयाच्या निधीच्या वर्गीकरणाची व समायोजनाची कार्यपध्दतीची अभ्यास व माहिती असणे आवश्यक व अभिप्रेत आहे. या गैरवर्गीकरणाबाबतची माहिती व वस्तुस्थिती महालेखाकारांच्या निदर्शनास आणून देण्यात आली असती तर हे आक्षेप टाळता आले असते व यामुळे समितीचा अमुल्य वेळ वाचला असता. अतः समिती यासदर्भात तीव्र नापसंती व्यक्त करते सदरहू परिच्छेद संदर्भात समितीच्या निदर्शनास आलेल्या बाबी या वित्तीय अनियमितता असून वित्तीय नियमांचे उल्लंघन करणा-या आहेत अतः आक्षेपात नमूद खर्चाचे योग्य वर्गीकरण करुन व खर्चाचा ताळमेळ कळवून महालेखाकारांची मान्यता घेण्यात यावी. यासंदर्भात विभागाने सविस्तर कार्यपद्धती नमूद करुन एक परिपत्रक सर्व संबंधित जिल्हास्तरीय अधिका-यांना निर्गमित करावे तसेच यासर्व खर्चाच्याबाबींचे संगणकीकरण करुन त्यामाध्यमातून खर्चाचे नियमीत रिकन्सीलेशन करण्यात यावे व भविष्यात अशा बाबींची पुनरावृत्ती टाळावी. व त्याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील अनुदान क्र. एफ- २,३ यामधील शिर्षातंर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले आहे.

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | मुख्य लेखाशिर्ष २२१७,नगर विकास<br>०५ इतर नगर विकास योजना, १९२ नगर परिषदांना सहाय्य, १९२ (००) (६०), जकात कर रद्द केल्यामुळे नगर परिषदांना सहायक अनुदान<br>O - मुळ अनुदान - १३०००.००<br>S- पुरक अनुदान -<br>R पुनर्विनियोजन (-) २६५०३.८८<br>१०३४९६.१२ | १०३४९६.१२ | १०३४९६.१२ | -- | • सन २०१३-१४ मुळ तरतुद रु. १३००,००,००,०००/- इतकी होती. त्यापैकी, रू.१०३४,९६,१०,००० इतका खर्च झाला आहे. शासन निर्णय दिनांक २०.०६.२०१३ अन्वये ८० टक्केच्या मर्यादेत (रूपये१०४०,००,००,०००) खर्च करण्यास मान्यता दिलेली होती. त्यानुसार सदर अनुदान वितरीत केले होते.<br>• तथापि ३७ नगरपरिषदांना वाढीव सहायक अनुदान मंजूर करण्याचा प्रस्ताव प्राप्त झाला होता. त्यानुसार ९०% खर्चास मान्यता मिळण्याबाबत वित्त विभागास प्रस्ताव सादर केला असता अर्थसंकल्प वितरण प्रणालीवर ९०% अनुदान दिनांक ३१.०३.२०१४ रोजी उपलब्ध करण्यात आले होते. सबब, सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षात सदर लेखाशीर्षांतर्गत ९०% (रूपये ११७०,००,००,०००) इतके अनुदान उपलब्ध करून देण्यात आले.<br>• परंतु, ३७ नगरपरिषदांना वाढीव सहायक अनुदान देण्यासाठी मान्यता सन २०१४-१५ मध्ये मिळाल्याने सन २०१३-१४ मधील रू. २६५,०३,८८,०००/- इतकी रक्कम खर्ची न पडल्यामुळे बचत झाली आहे. |

(Surrender of funds of Rs. 1329.71 lakh under the sub heads mentioned above in March 2014 was attributed to the revised estimates approved by Finance Department and based on actual expenditure.)

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| २ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(५८)<br>जेएनएनरयुआरएम/युआयडीएसएसएमटी/ आयडीएसएमटी प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी राज्यातील महानगरपालिकांना अतिरिक्त अनुदान<br>मूळ ४०,००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) ३२,६४.०० | ७,३६.०० | ७,३६.०० | ०० | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतुद रु.४०,००,००,०००/- इतकी होती.<br>• सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.३२,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.८,००,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• सदर सुधारीत तरतूदीपैकी रु.७,३६,००,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला असून त्यापैकी शिल्लक राहिलेली रु.२४,६४,००,०००/- इतकी रक्कम व बचतीची रु.८,००,००,०००/- अशी एकूण रु.३२,६४,००,०००/- एवढी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली. |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचा विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने/ नवि-३३

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)<br>(-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(६७) जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुनर्निर्माण अभियान/ लहान व मध्यम शहरांकरिता पायाभूत सुविधांचा विकास कार्यक्रम/ या योजनांतर्गत प्रकल्पांची कामे पूर्ण करण्यासाठी राज्यातील नगरपरिषदांना अतिरिक्त अनुदाने<br>मूळ ६०,००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) १६,१९.७७ | ४३,८०.२३ | ४३,८०.२३ | ०० | या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.६०,००,००,०००/- इतकी होती. सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.४८,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.१२,००,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे. सदर सुधारीत तरतूदीपैकी रु.४३,८०,२३,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला असून, त्यापैकी शिल्लक राहिलेली रु.४,१९,७७,०००/- इतकी व बचतीची रु.१२,००,००,०००/- इतकी अशी एकूण रु.१६,१९,७७,०००/- एवढी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली. |

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन /मूळअर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(५४) जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुननिर्माण अभियानाअंतर्गत महानगरपालिकांसाठी नगरविकासाकरिता सहाय्य<br>मूळ ३,००,००.००<br>पुनर्वि-नियोजन (-) २,९४,००.९६ | ५,९९.०४ | ५,९९.०४ | ०० | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.३००,००,००,०००/- इतकी होती. सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.१५०,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.१५०,००,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• कारण केंद्र शासनाकडून नव्याने मंजूर झालेल्या काही प्रकल्पांचा केंद्र हिसा प्राप्त झाला नाही. आणि त्यांच्याशी संबंधित राज्य हिस्सासुध्दा वितरीत करणे शक्य झाले नाही.<br>• यामुळे सदर सुधारीत तरतूदीमध्ये सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात रु.१३१,९९,०४,०००/- इतकाच खर्च झालेला आहे.<br>• तथापि या लेखाशिर्षाखाली शासन निर्णय क्र.एनयुआर-२०११/प्र.क्र.८१/११/नवि-३३, दि.३१ मार्च, २०१२ अन्वये रु.१२६.०० कोटी इतका निधी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणास वितरीत करण्यात आला होता.<br>• सदर निधी खर्च न पडल्याने सदर रु.१२६.०० कोटी इतका निधी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाने दि.२८ मार्च, २०१४ रोजी लेखाशिर्ष २२१७३२२४ मध्ये चलनाने भरणा केलेला आहे.<br>• त्यामुळे सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात खर्च झालेल्या रु.१३१,९९०४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | कोटी इतक्या रकमेशी रु.१२६.०० कोटी इतक्या जमा केलेल्या रकमेचे समायोजन होऊन रु.५,९९,०४,०००/- इतका निव्वळ खर्च वजा जाता शिल्लक राहिलेली रु.१४४,००,९६,०००/- इतकी रक्कम व बचतीची रक्कम रूपये १५० कोटी प्रत्यार्पित केली आहे. |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचा विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने/ नवि-२०

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष/ उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ५ | २२१७ नगर विकास<br>१९२ नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(५३) राज्यातील नगरपरिषदांच्या अग्निशमन व आपत्कालीन सेवांचे बळकटीकरण करण्यासाठी सहाय्य<br>मूळ :- ५०००.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन:- ४०८७.९५ लक्ष | ९,१२.०५ | ९,३२.०५ | २०.००+ | • या प्रयोजनासाठी रू. ५०००.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने रु.४००० लक्ष एवढा निधी प्रत्यक्षात खर्चाकरिता उपलब्ध करुन दिला होता.<br>• या उपलेखाशिर्षाखाली प्रत्यक्षात खर्च रु.९१२.०५ लक्ष एवढा झालेला आहे.<br>• उपलब्ध अनुदान रु. ४०००लक्ष पैकी प्रत्यक्षात खर्च रु. ९१२.०५ लक्ष वजा जाता शासन निर्णय, नगर विकास विभाग दिनांक ३०.०३.२०१४ अन्वये रु. ४०८७.९५ लक्ष एवढे अनुदान प्रत्यार्पित करण्यात आले आहेत.<br>• परिच्छेदात नमूद करण्यात आल्यानुसार प्रत्यक्षात खर्च रु. ९३२.०५ लक्ष एवढा नसून ९१२.०५ लक्ष एवढा आहे.<br>• त्याबाबत महालेखापाल यांच्या कार्यालयाकडे संचालक, अग्निशमन सेवा संचालनालयाने पडताळणी केली असता तो बरोबर असल्याचे निदर्शनास आले आहे. (सोबत पत्राची प्रत) |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचा विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने

/ नवि-०७

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ६ | मागणी क्र. एफ-२ मुख्य लेखाशीर्ष २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००) (३७) अतिरिक्त केंद्रीय सहाय §<br>मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प (२२१७१२४१)<br><br>मूळ तरतूद - १५०००<br>पुर्नविनियोजित (-) १०३४५.८९ | ४६५४.११ | ४६५४.११ | ० | • सन २०१३-१४ मध्ये रू. १५०००.०० लाख एवढया रक्कमेचा जागतिक बॅक निधी अपेक्षित होता.<br>• परंतु प्रत्यक्ष रू. ४६५४.११ लाख एवढया रक्कमेचा जागतिक बॅक निधी केंद्रशासनाकडून वितरीत झाला.<br>• परिणामी २०१३-१४ मध्ये १०३४५.८९ लाख एवढा निधी पुर्नविनियोजित झाला. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ७ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१-महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(५७) महाराष्ट्र नगरोत्थान महाभियानअंतर्गत राज्यातील महानगरपालिकांना अनुदाने<br>मूळ ३,९०,००.००<br>पुनर्वि नियोजन (-) २,७७,८७.७४ | १,१२,१२.२६ | १,१२,१२.२६ | ---- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.३९०,००,००,०००/- इतकी होती.<br>• रु.१००,००,००,०००/- इतकी रक्कम (२२१७००९१३) या लेखाशिर्षामध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे वळती केल्याने रु.२९०,००,००,०००/- इतकी तरतूद शिल्लक राहिली.<br>• सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.२३२, ००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.५८,००,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• सदर सुधारीत तरतूदीतून रु.११९, ००,००,०००/- इतकी रक्कम (२२१७९६३४) या लेखाशिर्षामध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे वळती केल्याने रु.११३,००,००,०००/- इतकी तरतूद शिल्लक राहिली.<br>• सदर शिल्लक तरतूदीपैकी रु.११२,१२,२६,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला असून, त्यापैकी शिल्लक राहिलेली रु.८७,७४,०००/- इतकी रक्कम व बचतीची रु.५८,००,००,०००/- अशी एकूण रु.१७७,८७,७४,०००/- एवढी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष/ उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ८. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९१- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९१(००)(१४)- नगरपरिषद क्षेत्रातील यात्रास्थळांच्या विकास कार्यक्रमासाठी सहायक अनुदान<br><br>मूळ १००००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) २३२१.१३<br>एकूण ७६७८.८७ | ७६७८.८७ लक्ष | ७६७८.८७ लक्ष | -- | • या प्रयोजनासाठी रु.१०००० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये या प्रयोजनाकरिता रु.८००० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिली होती.<br>• सदर तरतूदीमधून पुनर्विनियोजनाद्वारे रू.२३२१.१३ लक्ष लेखाशिर्ष (२२१७९३६४) खाली वळता केला असून, शिल्लक तरतूद रू. ७६७८.८७ लक्ष पूर्णपणे खर्च झाली आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रू. १०००० लक्ष, पुनर्विनियोजन रु.२३२१.१३.०० लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.७६७८.८७ लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रु.२०००.०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष/ उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ९. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(६२)- नागरी भागातील नगरपरिषदा क्षेत्रात दलित वस्त्यांमध्ये सुविधा पुरविणे<br><br>मूळ २१७३९.५९<br>पूरक १७६००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) १५८०३.५५<br>एकूण २३५३६.०४ | २३५३६.०४ | २३५३६.०४ | — | • या प्रयोजनासाठी रु. २१७३९.५९ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• पुरक मागणीद्वारे रू.१७६०० लक्ष या लेखाशिर्षाखाली अर्थसंकल्पित करण्यात आले आहेत.<br>• तसेच, रू.१०० लक्ष लेखाशिर्ष (२२१७११४१) मधून पुर्नविनियोजनाद्वारे या लेखाशिर्षाखाली वळती केले आहेत.<br>• सदर लेखाशिर्षाखाली उपलब्ध झालेल्या एकूण रू.३९४३९.५९ मधून रू.१११०० लक्ष इतकी तरतूद लेखाशिर्ष (२२१७११४१) मध्ये पुर्नविनियोजनाद्वारे वळती केले आहेत.<br>• शिल्लक रक्कम रू.२८३३९.५९ मधून रु. २३५३६.०४ लक्ष इतका खर्च झाला होता.<br>• उर्वरित बचतीची रक्कम (-) ४८०३.५४ लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचा विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने नवि-३३

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १० | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२ (००)(६१) महाराष्ट्र नगरोत्थान महाभियानअंतर्गत राज्यातील नगरपालिकांना अनुदान<br>मूळ २,६०,००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) १,७८,२४.५६ | ८१,७५.४४ | ८१,७५.४४ | ---- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.२६०,००,००,०००/- इतकी होती.<br>• सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.२०८,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.५२,००,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• सदर सुधारीत तरतूदीतून रु.१२६,००,००,०००/- इतकी रक्कम (२२१७९६३८) या लेखाशिर्षामध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे वळती केल्याने रु.८२,००,००,०००/- इतकी तरतूद शिल्लक राहिली.<br>• सदर शिल्लक तरतूदीपैकी रु.८१,७५,४४,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला असून, त्यापैकी शिल्लक राहिलेली रु.२४,५६,०००/- इतकी व बचतीची रु.५२,००,००,०००/- इतकी अशी एकूण रु.५२,२४,५६,०००/- एवढी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखांत)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)<br>बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| ११. | २२१७ नगर विकास<br>८० सर्वसाधारण<br>१९१ महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(१७) सिंहस्थ कुंभमेळ्यासाठी नाशिक महानगरपालिकेला अनुदान (२२१७०९२२) | २,००,३४ | २,२२,१७ | (+) २१,८३ | • सिंहस्थ कुंभमेळ्यासाठी नाशिक महानगरपालिकेने सहायक अनुदान (२२१७०९२२) या लेखाशीर्षाखाली रु.३००,००,००,०००/- ची तरतूद केली होती. वित्त विभागाच्या दि.२५.४.२०१३ च्या परिपत्रकानुसार ८०% तरतूदीच्या मर्यादेत विभागाने शासन निर्णय क्र.सिंहस्थ-२०१४/प्र.क्र.२/नवि-१६, दि.७.२.२०१४ अन्वये रु.२१८,१७,००,००० इतका निधी वितरीत करण्यास मंजूरी देण्यात आली.<br>• सन २०१३-१४ मध्ये या योजनेखाली रु.२१८,१७,००,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे. तथापि, स्वीय प्रपंजी खाते उघडण्यास विलंब झाल्यामुळे सन २०१२-१३ मध्ये नाशिक महानगरपालिकेस वितरीत केलेल्या रु.४,००,००,०००/- इतक्या रकमेचा धनादेश वटविता आला नाही.<br>• सदर अनुदानापोटी दिलेल्या धनादेशाची मुदत संपल्यामुळे सदर धनादेशाची मुदत वाढवुन घेण्यात आली. त्यानंतर सदर रक्कम जिल्हाधिकारी, नाशिक यांच्या स्वतंत्र स्वीय प्रपंजी खात्यात सन २०१३-१४ मध्ये जमा झाली.<br>• अशा रितीने सन २०१३-१४ मध्ये या लेखाशीर्षाखाली रु.२२२,१७,००,०००/- खर्च झाल्याचे दिसते. या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मूळ तरतूद रु.३००,००,००,०००/- इतकी होती. या तरतूदीतून रु.२२२,१७,००,०००/- इतका खर्च वजा जाता शिल्लक रु.७७,८३,००,०००/- इतकी रक्कम शासन निर्णय क्रमांक प्रत्यार्प-२०१४/प्र.क्र.३६/नवि-४, दि.३०.३.२०१४ अन्वये प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |
| | मूळ .. ३,००,००.०० | | | | |
| | पुनर्वि .. (-) ९९,६६.०० | | | | |

(रुपये लाखात)

| क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १२ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१ (००)(४८) जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुननिर्माण अभियानांतर्गत महानगरपालिकांना सहायक अनुदान<br>मूळ १२,००,००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) ४,०७,८८.६२ | ७,९२,११.३८ | ७,९२,११.३८ | ---- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.१२००,००,००,०००/- इतकी होती. सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.९६०,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.२४०,००,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• सदर सुधारीत तरतूदीपैकी रु.७९२,११,३८,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला आहे. कारण केंद्र शासनाकडून नव्याने मंजूर झालेल्या काही प्रकरणांचा केंद्र हिस्सा प्राप्त झाला नाही आणि त्याच्याशी संबंधित राज्य हिस्सा सुध्दा वितरीत करणे शक्य झाले नाही.<br>• शिल्लक राहिलेली रु.१६७,८८,६२,०००/- इतकी रक्कम व बचतीची रु.२४०,००,००,०००/- अशी एकूण रु.४०७,८८,६२,०००/- एवढी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १३. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(७२)- १३ व्या वित्त आयोगाच्या शिफारशींनुसार महानगरपालिकांना अनुदाने<br>मूळ ३५१९९.२३<br>पुनर्विनियोजन (-) १६९९१.११<br>एकूण १८२०८.१२ | १८२०८.१२ | १८२०८.१२ | --- | • या प्रयोजनासाठी रु. ३५१९९.२३ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• सन २०१३-२०१४ करीता १३ व्या वित्त आयोगाचा केंद्र शासनाकडून दुसरा हप्ता प्राप्त न झाल्याने रू. १६९९१.१०७७५ लक्ष निधी अखर्चित राहीला आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु. ३५१९९.२३ लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु. १८२०८.१२ लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रू. १६९९१.१० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १४. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(७३)- १३ व्या वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार नगरपरिषदांना अनुदाने<br>मूळ ४३६७७.१९<br>पुनर्विनियोजन (-) २११५३.६२<br>एकूण २२५२३.५७ | २२५२३.५७ | २२५२३.५७ | -- | • या प्रयोजनासाठी रु.४३६७७.१९ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• सन २०१३-२०१४ करीता १३ व्या वित्त आयोगाचा केंद्र शासनाकडून दुसरा हप्ता दिनांक ३१.०३.२०१४ पर्यंत प्राप्त न झाल्याने रू. २११५३.६१७४० लक्ष निधी अखर्चित राहीला आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु. ४३६७७.१९ लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु. २२५२३.५७२६० लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रू. २११५३.६१७४० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ९५ | ३०५४- मार्ग व पूल<br>०४- जिल्हा व इतर मार्ग<br>८००- इतर खर्च<br>८००(०२)(०१)- नगरपरिषदा/ महानगरपालिका इत्यादींना रस्त्यांच्या सुधारणासाठी सहायक अनुदान सामान्य मार्ग<br>मूळ ३२०९०.९१<br>पुनर्विनियोजन (-) ३२०९.२१<br>एकूण २८८८१.७० | २८८८१.७० लक्ष | २८८८१.७० लक्ष | -- | • या प्रयोजनासाठी रु. ३२०९०.९१ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती. वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये या प्रयोजनाकरिता रु.२८८८१.७० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिली होती.<br>• सदरची तरतूद रु.२८८८१.७० लक्ष पूर्णपणे खर्च झाली आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.३२०९०.९१ लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.२८८८१.७० विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रु.३२०९.२१ प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १६. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(१३)- नगरपालिका/ नगरपरिषदा यांना त्यांच्या नव्याने वाढविलेल्या सीमा क्षेत्रांसाठी नागरी सुविधा पुरविण्याबाबत सहाय्य<br>मूळ ५००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) १००.००<br>एकूण ४००.००<br>(तपशील खालील तक्त्यात) | ४०० | ४०० | — | • या प्रयोजनासाठी रु.५०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये या प्रयोजनाकरिता रु.४०० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिली होती. सदरची तरतूद रु.४०० लक्ष पूर्णपणे खर्च झाली आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.५०० लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.४०० लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रु.१०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १७. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(१२)- नव्याने स्थापन करण्यात आलेल्या नगरपालिका / नगरपरिषदांना नागरी सुविधा पुरविण्यासाठी सहाय्य<br><br>मूळ १०००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) २००.००<br>एकूण ८००.०० | ८०० | ८०० | -- | • या प्रयोजनासाठी रु.१००० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये या प्रयोजनाकरिता रु.८०० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिली होती. सदरची तरतूद रु.८०० लक्ष पूर्णपणे खर्च झाली आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.१००० लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.८०० लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रु.२०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष एफ-२ | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| १८ | २२१७- नगर विकास विकास, ८०-सर्वसाधारण, ००१-संचालन व प्रशासन ००१ (००) (०३) संचालक, नगर रचना यांची शाखा कार्यालये. दत्तमत. (योजनेतर) (२२१७ ०१३ ६) | २९११.६९ | २९११.६९ | (-) ००.००<br>मूळ ३०७३.०४<br>पुनर्विनियोजन (-) १६१.३५<br>एकूण २९११.६९<br>महालेखाकार यांच्या आकडेवारीवरुन. | १ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद ३०७३.०४<br>२ पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद ००.००<br>३ एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३) ३०७३.०४<br>४ वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद ३०६५.९९<br>५ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५) (-) ०७.०५<br>६ पुनर्विनियोजनान्वये अन्य लेखाशिर्षाखाली वळविण्यात आलेली रक्कम (-) ००.००<br>७ एकूण उपलब्ध तरतूद (४-६=७) ३०६५.९९<br>८ प्रत्यक्ष खर्च २९११.६९<br>९ बचतीची रक्कम (७-८=९) (-) १५४.३०<br>१० एकूण बचत (५+९=१०) (-) १६१.३५<br>बचतीची कारणे:- वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीमध्ये कपात केल्याने रु.०७.०५ लाख एवढी बचत झालेली आहे. वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये रु.३०६५.९९ लाख एवढी तरतूद उपलब्ध केली होती. या प्रयोजनाकरिता प्रत्यक्षात रु.२९११.६९ लाख खर्च झाला आहे. गट-अ, गट-ब व गट-क संवर्गातील रिक्त |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | पदांमुळे (-) रु.१५४.३० लाख बचत झालेली असून सदरची बचत रु.७.०५ लाख + रु.१५४.३० लाख =रु.१६१.३५ लाख प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. प्रत्यार्पणानंतर या प्रयोजनाकरिता रु.२९११.६९ लाख तरतूद उपलब्ध होती, ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. त्यामुळे या प्रयोजनाकरिता अधिक खर्च (+) व बचत (-) "निरंक" आहे.<br>सबब, सन २०१२-१३ करिता अंतिम विनियोजन रु.२९११.६९ लाख एवढे आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)<br>(-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १९ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(६९) राज्यातील महानगरपालिकांना संगणकीकरणासाठी अनुदान<br>मूळ १०,००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) ८,०१.११<br>एकूण :- १,९८.८९ | १,९८.८९ | १,९८.८९ | ---- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.१०,००,००,०००/- इतकी होती. सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.८,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.२,००,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• सदर सुधारीत तरतुदीतून रु. ७,४०,०००/- इतकी रक्कम (२२१७००१८१) या लेखाशिर्षामध्ये व रु.१,१५,०००/- इतकी रक्कम (२२१७८१७३) या लेखाशिर्षामध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे वळती केल्याने रु.७,९१,४५,०००/- इतकी तरतूद शिल्लक राहिली.<br>• सदर शिल्लक तरतूदीपैकी रु.१,९८,८९,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला असून त्यापैकी शिल्लक राहिलेला रु.५,९२,५६,०००/- इतकी रक्कम व बचतीची रु.२,००,००,०००/- अशा एकूण रु.७,९२,५६,०००/- एवढी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष एफ-२ | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| २० | २०५३, जिल्हा प्रशासन, ०९४, इतर आस्थापना ०९४(०१)(०१) नागरी जमीन (कमाल मर्यादा व विनियमन) अधिनियम, १९७६ च्या अमंलबजावणीकरिता कर्मचारी वर्ग दत्तमत (२०५३ १०७ १)<br>मूळ ४९६.७२<br>पुनर्विनियोजन (-) ८८.८७<br>एकूण ४०७.८५ | ४०७.८५ | ४०७.८५ | (-) ००.०० | १ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद ४९६.७२<br>२ पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद ००.००<br>३ एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३) ४९६.७२<br>४ वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद ४०७.८५<br>५ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५) (-) ८८.८७<br>६ पुनर्विनियोजनान्वये अन्य लेखाशिर्षाखाली वळविण्यात आलेली रक्कम (-) ००.००<br>७ एकूण उपलब्ध तरतूद (४-६=७) ४०७.८५<br>८ प्रत्यक्ष खर्च ४०७.८५<br>९ बचतीची रक्कम (७-८=९) (-) ००.००<br>१० एकूण बचत (५+९=१०) (-) ८८.८७<br>बचतीची कारणे:- वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पीय तरतुदीमध्ये कपात केल्याने (-) रु.८८.८७ लाख एवढी बचत झाली आहे. सदरची बचत प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. प्रत्यार्पणानंतर अंतिम तरतूद रु.४०७.८५ लाख उपलब्ध होती, ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. त्यामुळे अधिक खर्च (+) व बचत (-) "निरंक" आहे.<br>सबब, सन २०१३-१४ करिता या प्रयोजनासाठी अंतिम विनियोजन रु.४०७.८५ लाख एवढे आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) (-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| २१ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९१(००)(४०) राज्यातील नगरपरिषदांना संगणकीकरणासाठी अनुदान<br>मूळ १०,००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) २,००.०० | ८,००.०० | ८,००.०० | ---- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.१०,००,००,०००/- इतकी होती. सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.८,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिली आहे.<br>• सदर सुधारीत तरतूद पूर्णपणे खर्च झालेली आहे. त्यामुळे मुळ तरतूद व सुधारीत तरतूदीमधील फरकाची रु.२,००,००,०००/- इतकी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| २२ | २०७० इतर प्रशासनिक सेवा १०८ आगीपासून संरक्षण व नियंत्रण १०८(००) (०१) संचालन व प्रशासन-शासनाचे अग्निशमन सल्लागार याची आस्थापना<br>मूळ :- ४९.२६ लक्ष<br>पुनर्विनियोजन:- २०.७४ लक्ष | ~~४९.२६~~<br>२८.५२ | २८.७२ | ०.२० (+) | • या प्रयोजनासाठी रू ४९.२६ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• उपलब्ध रु. ४९.२६ लक्ष अनुदानापैकी प्रत्यार्पित करण्यात आलेले रु. २०.७४ लक्ष एवढे वजा जाता रु. २८.५२ लक्ष एवढे अनुदान खर्चासाठी उपलब्ध होते.<br>• प्रत्यक्षात खर्च रु. २८.७२ लक्ष इतका झाला आहे. अधिकचा(+) झालेला रु. ०.२० लक्ष नगण्य असल्याने क्षमापित करण्याची विनंती आहे. |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचा विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने / नवि-२०

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन मूळ / अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| २३ | २०७० इतर प्रशासनिक सेवा<br>१०८ आगीपासून संरक्षण व नियंत्रण<br>१०८(००)(०३) प्रशिक्षण-<br>शासनाच्या अग्निशमन सल्लागारांच्या प्रशिक्षणार्थींवरील प्रशिक्षण विषयक आस्थापना खर्च<br>मूळ :- ८३.४६ लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- २८.२३ लक्ष | ~~८३.४६~~<br>५५.२३ | ५५.२३ | --- | • या प्रयोजनासाठी रू. ८३.४६ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती. प्रत्यक्षात खर्च रू. ५५.२३ लक्ष इतका झाला आहे.<br>• उपलब्ध रु. ८३.४६ अनुदानापैकी प्रत्यक्षात झालेला रु. ५५.२३ लक्ष एवढा खर्च वजा जाता उर्वरित रक्कम रू. २८.२३ लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| २४ | मुख्य लेखाशिर्ष २२१७, नगर विकास<br>८० सर्वसाधारण, ००१ संचालन व प्रशासन<br>००१ (००) (०१)<br>संचालक नगरपालिका प्रशासन-<br><br>O - मुळ अनुदान - ४६५.६६<br>S- पुरक अनुदान - ०.००<br>R § पुनर्विनियोजन- (-) ३१.५७<br>४३४.०९ | ४३४.०९ | ४३०.५३ | (-) ३.५६ | • संचालनालय व विभागीय आयुक्त कार्यालयातील पदे रिक्त असल्यामुळे वेतनावरील खर्च कमी (बचत) झाला आहे.<br><br>• सदरचा कमी झालेला खर्च रु. ३.५६ लाख हा २% पेक्षा कमी असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावा ही विनंती. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| २५ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>००१-संचालन व प्रशासन<br>००१ (००) (०२) संचालक, नगर रचना (योजनेतर) दत्तमत.<br><br>(२२१७ ०११ ८)<br><br>मूळ ५५१.०४<br>पूरक (+) ५१.२५<br>पुनर्विनियोजन (-) ६१.८१<br>एकूण ५४०.८०<br>महालेखाकार यांच्या आकडेवारीवरुन. | ५४०.४८ | ५४०.४८ | (-)<br>००.००<br><br>१ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद ५५१.०४<br>२ पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद ५१.२५<br>३ एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३) ६०२.२९<br>४ वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद ६०२.२९<br>५ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५) (-) ००.००<br>६ पुनर्विनियोजनान्वये अन्य लेखाशिर्षाखाली वळविण्यात आलेली रक्कम (-) ००.००<br>७ एकूण उपलब्ध तरतूद (४-६=७) ६०२.२९<br>८ प्रत्यक्ष खर्च ५४०.८०<br>९ बचतीची रक्कम (७-८=९) ६१.८१<br>१० एकूण बचत (५+९=१०) ६१.८१<br>बचतीची कारणे:- विभागातील गट-अ/गट-ब व गट-क मधील काही राजपत्रित व अराजपत्रित अधिका-यांची पदे रिक्त राहिल्याने पूरवणी मागणीद्वारे उपलब्ध करण्यात आलेली तरतूद खर्च होऊ न शकल्याने रु.६१.८१ लाख बचत प्रत्यार्पित करण्यात आल्यानंतर अंतिम तरतूद रु. ५४०.४८ लाख उपलब्ध होती. ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. त्यामुळे अधिक खर्च (+) व बचत (-) निरंक आहे.<br>सबब, सन २०१३-१४ करिता अंतिम विनियोजन रु.५४०.४८ लाख एवढे आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष एर्फ-२ | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| २६ | २२१७- नगर विकास, ८०-सर्वसाधारण, ००१-संचालन व प्रशासन ००१ (००) (०५) कार्यान्वित विभागाकडून नगरपरिषदेच्या योजनांतर्गत कार्याच्या विकासाचा (योजनेतर) दत्तमत. (२२१७ ०१५ ४)<br><br>मूळ २१२.८७<br>पुनर्विनियोजन (-) ३०.०७<br>एकूण १८२.८०<br>महालेखाकार यांच्या आकडेवारीवरुन. | १८२.८० | १८२.८० | (-) ००.००<br>(-) | (१) मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद २१२.८७<br>(२) पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद ०.००<br>(३) एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३) २१२.८७<br>(४) वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद १८९.३०<br>(५) मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५) (-) २३.५७<br>(६) पुनर्विनियोजनान्वये अन्य लेखाशिर्षाखाली वळविण्यात आलेली रक्कम (-) ००.००<br>(७) एकूण उपलब्ध तरतूद (४-६=७) १८९.३०<br>(८) प्रत्यक्ष खर्च १८२.८०<br>(९) बचतीची रक्कम (७-८=९) ६.५०<br>(१०) एकूण बचत (५+९=१०) ३०.०७<br><br>बचतीची कारणे:- वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पिय तरतूदीमध्ये कपात केल्याने रु. २३.५७ लाख बचत झालेली आहे. या प्रयोजनाकरिता रु. १८९.३० लाख तरतूद |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | उपलब्ध होती. प्रत्यक्ष खर्च रु. १८२.८० लाख झाला आहे. विभागातील गट-अ/गट-ब व गट-क मधील काही राजपत्रित व अराजपत्रित अधिका-यांची पदे रिक्त राहिल्याने रु. ६.५० लाख बचत झालेली आहे. सदरची बचत प्रत्यार्पित करण्यात आल्यानंतर अंतिम तरतूद रु. १८२.८० लाख उपलब्ध होती. ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. त्यामुळे अधिक खर्च (+) व बचत (-) निरंक आहे.<br>सबब, सन २०१३-१४ करिता अंतिम विनियोजन रु.१८२.८० लाख एवढे आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष एफ-२ | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| २७ | २२१७- नगर विकास, ८०-सर्वसाधारण, ००१-संचालन व प्रशासन ००१(००)(०६) प्रादेशिक योजना तयार करणे. (योजनेतर) दत्तमत (२२१७ ०१६ ३) | ३३८.७९ | ३३८.७९ | (-) ००.०० | |

| | |
|---|---|
| मूळ | ३५७.१३ |
| पुनर्विनियोजन (-) | १८.३४ |
| एकूण | ३३८.७९ |

महालेखाकार यांच्या आकडेवारीवरुन.

| | | |
|---|---|---|
| १ | मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | ३५७.१३ |
| २ | पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद | ०.०० |
| ३ | एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३) | ३५७.१३ |
| ४ | वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद | ३५०.५६ |
| ५ | मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५) | ६.५७ |
| ६ | पुनर्विनियोजनान्वये अन्य लेखाशिर्षाखाली वळविण्यात आलेली रक्कम (-) | ००.०० |
| ७ | एकूण उपलब्ध तरतूद (४-६=७) | ३५०.५६ |
| ८ | प्रत्यक्ष खर्च | ३३८.७९ |
| ९ | बचतीची रक्कम (७-८=९) | ११.७७ |
| १० | एकूण बचत (५+९=१०) | १८.३४ |

बचतीची कारणे:- वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पिय तरतुदीमध्ये कपात केल्याने रु.६.५७ लाख बचत झालेली आहे. या प्रयोजनोकरिता रु.३५०.५६ लाख तरतूद उपलब्ध होती. प्रत्यक्ष खर्च रु.३३८.७९ लाख झाला आहे. विभागातील गट-अ / गट-ब व गट-क मधील कांही राजपत्रित व अराजपत्रित अधिकाऱ्यांची पदे रिक्त राहिल्याने रु.११.७७ लाख बचत झालेली आहे. सदची बचत रु.६.५७ लाख + रु.११.७७ लाख = रु.१८.३४ लाख

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. सदरची बचत प्रत्यार्पित करण्यात आल्यानंतर अंतिम तरतूद रु.३३८.७९ लाख उपलब्ध होती. ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. त्यामुळे अधिक खर्च (+) व बचत (-) निरंक आहे.<br>सबब, सन २०१३-१४ करिता अंतिम विनियोजन रु.३३८.७९ लाख एवढे होते. |

(रुपये लाखात)

<table>
<tr><th>अ. क्र.</th><th>मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२</th><th>एकूण विनियोजन</th><th>प्रत्यक्ष खर्च</th><th>अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५)</th><th>विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय</th></tr>
<tr><td>१</td><td>२</td><td>३</td><td>४</td><td>५</td><td>६</td></tr>
<tr><td>२८</td><td>२२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>००१-संचालन व प्रशासन<br>००१(००)(०७) महानगर क्षेत्र व इतर शहरे-नगरे यातील वाहतूक सर्वेक्षण योजना दत्तमत<br>(योजनेतर)<br>(२२१७ ०१७ २)<br><br>मूळ १३३.६१<br>पुनर्विनियोजन (-) १५.७७<br>एकूण ११७.८४<br>महालेखाकार यांच्या आकडेवारीवरुन.</td><td>११७.८४</td><td>११७.८४</td><td>(-)<br>००.००</td><td>
<table>
<tr><td>१</td><td>मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद</td><td>१३३.६१</td></tr>
<tr><td>२</td><td>पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद</td><td>०.००</td></tr>
<tr><td>३</td><td>एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३)</td><td>१३३.६१</td></tr>
<tr><td>४</td><td>वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद</td><td>१२६.३६</td></tr>
<tr><td>५</td><td>मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५)</td><td>०७.२५</td></tr>
<tr><td>६</td><td>पुनर्विनियोजनान्वये अन्य लेखाशिर्षाखाली वळविण्यात आलेली रक्कम (-)</td><td>००.००</td></tr>
<tr><td>७</td><td>एकूण उपलब्ध तरतूद (४-६=७)</td><td>१२६.३६</td></tr>
<tr><td>८</td><td>प्रत्यक्ष खर्च</td><td>११७.८४</td></tr>
<tr><td>९</td><td>बचतीची रक्कम (७-८=९)</td><td>८.५२</td></tr>
<tr><td>१०</td><td>एकूण बचत (५+९=१०)</td><td>१५.७७</td></tr>
</table>
<br>बचतीची कारणे:- वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पिय तरतुदीमध्ये कपात केल्याने रु.७.२५ लाख बचत झालेली आहे. या प्रयोजनोकरिता रु.१२६.३६ लाख तरतूद उपलब्ध होती. प्रत्यक्ष खर्च रु.११७.८४ लाख झाला आहे. विभागातील गट-अ / गट-ब व गट-क मधील कांही राजपत्रित व अराजपत्रित अधिकाऱ्यांची पदे रिक्त</td></tr>
</table>

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | राहिल्याने रु.८.५२ लाख बचत झालेली आहे. सदची बचत रु.७.२५ लाख + रु.८.५२ लाख = रु.१५.७७ लाख प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. सदरची बचत प्रत्यार्पित करण्यात आल्यानंतर अंतिम तरतूद रु.११७.८४ लाख उपलब्ध होती. ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. त्यामुळे अधिक खर्च (+) व बचत (-) निरंक आहे.<br>सबब, सन २०१३-१४ करिता अंतिम विनियोजन रु.११७.८४ लाख एवढे होते. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष एफ-२ | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| २९ | २२१७- नगर विकास, ८०-सर्वसाधारण, ००१-संचालन व प्रशासन ००१(००)(०८) नगर रचना विभागातील कर्मचारी वर्गात वाढ करणे. दत्तमत (योजनेतर) (२२१७ ०२१ ६)<br><br>मूळ २२२.११<br>पुनर्विनियोजन (-) १३.०६<br>एकूण २०९.०५<br>महालेखाकार यांच्या आकडेवारीवरुन. | २०९.०५ | २०९.०५ | (-) ००.०० | १ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद २२२.११<br>२ पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद ०.००<br>३ एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३) २२२.११<br>४ वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद २१६.८०<br>५ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५) ५.३१<br>६ पुनर्विनियोजनान्वये अन्य लेखाशिर्षाखाली वळविण्यात आलेली रक्कम (-) ००.००<br>७ एकूण उपलब्ध तरतूद (४-६=७) २१६.८०<br>८ प्रत्यक्ष खर्च २०९.०५<br>९ बचतीची रक्कम (७-८=९) ७.७५<br>१० एकूण बचत (५+९=१०) १३.०६<br><br>बचतीची कारणे:- वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पिय तरतुदीमध्ये कपात केल्याने रु.५.३१ लाख बचत झालेली आहे. या प्रयोजनोकरिता रु.२१६.८० लाख तरतूद उपलब्ध होती. प्रत्यक्ष खर्च रु.२०९.०५ लाख झाला आहे. विभागातील गट-अ / गट-ब व गट-क मधील कांही राजपत्रित व अराजपत्रित |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | अधिकाऱ्यांची पदे रिक्त राहिल्याने रु.७.७५ लाख बचत झालेली आहे. सदची बचत रु.५.३१ लाख + रु.७.७५ लाख = रु.१३.०६ लाख प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. सदरची बचत प्रत्यार्पित करण्यात आल्यानंतर अंतिम तरतूद रु.२०९.०५ लाख उपलब्ध होती. ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. त्यामुळे अधिक खर्च (+) व बचत (-) निरंक आहे.<br><br>सबब, सन २०१३-१४ करिता अंतिम विनियोजन रु.२०९.०५ लाख एवढे होते. |

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| ३० | मुख्य लेखाशिर्ष २२१७, ०६७३ १९२, नगर परिषदांना सहाय्य (००) (०४) नगर परिषदेच्या मुख्याधिकाऱ्यांच्या वेतनावरील खर्च<br>O - मुळ अनुदान - २८२.५१<br>S- पुरक अनुदान - ०.००<br>R § पुनर्विनियोजन- (-) २०.१४<br>२६२.३७ | २६२.३७ | २६२.३७ | — | • सन २०१३-१४ करीता मुळ तरतुद रु. २,८२,५१,०००/- इतकी होती. सुधारित अंदाजात वित्त विभागाने रु. २,८२,२६,०००/- इतकी तरतुद उपलब्ध करून दिल्यामुळे रु. २५,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• सदर सुधारित तरतुदीपैकी रु. २,६२,३६,९०६/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झाला असून त्यापैकी शिल्लक राहिलेली रु. १९,८९,०९४/- इतकी व बचतीची रु. २५,०००/- इतकी अशी एकूण रु. २०,१४,०९४/- एवढी रक्कम दि. ३० मार्च, २०१४ रोजीच्या शासन निर्णयान्वये प्रत्यार्पित केली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| ३१. | २२१७ नगर विकास<br>८० सर्वसाधारण<br>१९२ नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(१५) त्र्यंबक नगरपरिषदेला सिंहस्थ कुंभमेळ्यासाठी सहाय्यक अनुदान<br>(योजनांतर्गत) (२२१७०९३१) | ३३,२० | ३३,२० | ------ | • सिंहस्थ कुंभमेळ्याच्या नियोजनाच्या अनुषंगाने सदर लेखाशीर्षाअंतर्गत रु.४०,००,००,०००/- इतकी तरतूद करण्यात आली होती. वित्त विभागाच्या दि.२५.४.२०१३ च्या परिपत्रकानुसार ८०% तरतूदीच्या मर्यादेत विभागाने शासन निर्णय क्र.सिंहस्थ-२०१४/प्र.क्र.४/नवि-१६, दि.७.२.२०१४ अन्वये रु.३२,००,००,०००/- इतका निधी वितरीत करण्यास मंजूरी दिली.<br>• सिंहस्थ कुंभमेळ्याच्या अनुषंगाने स्वीय प्रपंजी खाते उघडण्यास विलंब झाल्याने सन २०१२-१३ मध्ये त्र्यंबक नगर परिषदेस वितरीत केलेला रु.१,२०,००,०००/- इतक्या रकमेचा धनादेश वटविता आला नाही. सदर अनुदानापोटी दिलेल्या धनादेशाची मुदत संपल्याने सदर धनादेशाची मुदत वाढवुन घेण्यात आली.<br>• त्यानंतर सदर रक्कम जिल्हाधिकारी, नाशिक यांच्या स्वतंत्र स्वीय प्रपंजी खात्यात जमा झाली. अशा रितीने सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षामध्ये या लेखाशीर्षाखाली रु.३३,२०,००,०००/- खर्च झाल्याचे दिसते. या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.४०,००,००,०००/- इतकी होती.<br>• यामधून रु.३३,२०,००,०००/- खर्च वजा जाता रु.६,८०,००,०००/- इतकी रक्कम शासन निर्णय क्रमांक प्रत्यार्प-२०१४/प्र.क्र.३६/नवि-४, दि.३०.३.२०१४ अन्वये प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |
| | मूळ .. ४०,००.०० | | | | |
| | पुनर्वि .. (-) ६,८०.०० | | | | |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३२. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९३- नगरपंचायतींना सहाय्य<br>१९३(००)(०१)- १३ व्या वित्त आयोगानुसार नगरपंचातींना सहाय्यक अनुदान<br>मूळ १०९३.५८<br>पुनर्विनियोजन (-) ५४.१३<br>एकूण १०३९.४५ | १०३९.४५ | १०३९.४५ | -- | • या प्रयोजनासाठी रु. १०९३.५८ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• सन २०१३-२०१४ करीता १३ व्या वित्त आयोगाचा केंद्र शासनाकडून दुसरा हप्ता दिनांक ३१.०३.२०१४ पर्यंत प्राप्त न झाल्याने रू. ५४.१३४८५ लक्ष निधी अखर्चित राहीला आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु. १०९३.५८ लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु. १०३९.४५ लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रू. ५४.१३ लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)<br>(-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३३ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(४९) राष्ट्रीय नागरी पध्दती अंतर्गत राज्याचे अंशदान<br>मूळ १६.००<br>पुनर्विनियोजन (-) १६.०० | ---- | ---- | ---- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.१६,००,०००/- इतकी होती.<br>• मागणी नसल्यामुळे सदरील संपूर्ण रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन मूळ / अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष ख | अधिक खर्च (+) बचत(-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३४ | २२१७नगर विकास<br>१९१ महानगरपालिकांना सहाय्य १९१(००)(३५)<br>पहिल्या राज्य वित्त आयोगाच्या<br>शिफारशीनुसार<br>महापालिकांना प्रोत्साहक अनुदाने<br><br>मूळ :- २५.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- २५.०० लक्ष | --- | --- | --- | • या प्रयोजनासाठी रू. २५.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• सदर योजनेच्या अंमलबजावणीबाबत सुधारित मार्गदर्शक सुचना प्राप्त न झाल्याने रू.२५ लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)<br>(-) बचत | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३५ | २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(५१) बृहन्मुंबई पर्जन्य जलवाहिन्या प्रकल्प (ब्रिमस्टोवॅड) यासाठी सहाय्य (केंद्र सहाय्यित योजना)<br>मूळ १,००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) १,००.०० | ---- | ---- | ---- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मुळ तरतूद रु.१,००,००,०००/- इतकी होती.<br>• या योजनेंतर्गत मागणी नसल्याने सदरील संपूर्ण रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत(-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३६ | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१ (००) (५९) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रम-साफल्य आवास योजनेसाठी महानगरपालिकांना सहाय्यक अनुदान<br>मूळ १,०० ००.<br>पुनर्विनियोजन १,०००० | --- | --- | --- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मूळ तरतूद रुपये १००.०० लक्ष इतकी होती.<br>• सुधारित अंदाजात वित्त विभागाने रुपये ८०.०० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करून दिल्यामुळे रुपये २०.०० लक्ष इतकी बचत झालेली आहे.<br>• या लेखाशिर्षामधून रुपये ८०.०० लक्ष इतकी रक्कम (२२१७८६०२) या लेखाशिर्षाखाली पुनर्नियोजनाद्वारे वळती करण्यात आल्याने निरंक तरतूद झाली.<br>• मूळ तरतूद व सुधारित तरतूदीमधील फरकाची रक्कम रुपये २०.०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

मार्च २०१४ मध्ये मुख्यत्वे सुधारित अंदाजाच्या अनुषंगाने संपूर्ण अर्थसंकल्पीय तरतूद रुपये १००.०० लक्ष प्रत्यार्पण/पुनर्विनियोजनाद्वारे काढून घेण्यात आली.

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३७ | २२१७ नगर विकास<br>१९१ महानगरपालिकांना सहाय्य १९१(००)(७४) अग्निशमन सेवा आणि आपत्कालीन सेवांच्या बळकटीकरणासाठी जिल्हा मुख्यालयाच्या ठिकाणी असलेल्या महानगरपालिकांना सहाय्य (केंद्राचा हिस्सा)<br>मूळ :- २८७.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- २८७.०० लक्ष | ---- | ... | ... | • या प्रयोजनासाठी केंद्र शासनाच्या हिश्याकरिता रू. २८७.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती.<br>• केंद्र शासनाने तरतुद वितरीत न केल्याने तरतुद खर्च झाली नाही. त्यामुळे सदर उपलब्ध रू.२८७.०० लक्ष तरतुद प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन मूळ / अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३८ | २२१७ नगर विकास<br>१९१ महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(७५) अग्निशमन सेवा आणि आपत्कालीन सेवांच्या बळकटीकरणासाठी जिल्हा मुख्यालयाच्या ठिकाणी असलेल्या महानगरपालिकांना सहाय्य (राज्याचा हिस्सा)<br>मूळ :- ९६.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- ९६.०० लक्ष | — | ... | ... | • या योजनेसाठी राज्याच्या हिश्यासाठी रू. ९६.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती.<br>• केंद्र शासनाने तरतुद वितरीत न केल्याने राज्य शासनाचा हिस्सा वितरीत करता आला नाही.<br>• त्यामुळे सदरहू तरतुद खर्च झाली नसल्याने सदर रू.९६.०० लक्ष तरतुद प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन मूळ / अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ३९ | २२१७ नगर विकास<br>१९२ नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२ (००)(७६) अग्निशमन सेवा आणि आपत्कालीन सेवांच्या बळकटीकरणासाठी जिल्हा मुख्यालयच्या ठिकाणी असलेल्या नगरपरिषदांना सहाय्य (केंद्राचा हिस्सा)<br>मूळ :- २३८.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- २३८.०० लक्ष | ---- | ... | ... | • या प्रयोजनासाठी केंद्र शासनाच्या हिश्याकरिता रू. २३८.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती.<br>• केंद्र शासनाने तरतुद वितरीत न केल्याने तरतुद खर्च झाली नाही. त्यामुळे सदर उपलब्ध रू.२३८.०० लक्ष तरतुद प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४० | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९२- नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(०७)- पहिल्या वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार राज्यातील थंड हवेचे ठिकाण असलेल्या नगरपालिकांना विशेष पर्यटन विकास अनुदाने<br><br>मूळ ६०.०८<br>पुनर्विनियोजन (-) ६०.००<br>एकूण ०.००<br><br>(मूळ ६०.०८ पुनर्विनियोजन (-) ६०.०० एकूण ०.००) | — | — | — | • या प्रयोजनासाठी रु.६०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने निधी वितरणाकरीता मान्यता न दिल्याने सदरचा निधी खर्च झालेला नाही.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.६०० लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.० लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) ६०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४१. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(६४)- हद्दवाढ झालेल्या महानगरपालिकांना नव्याने समाविष्ट क्षेत्रात नागरी सुविधा पुरविण्यासाठी महानगरपालिकांना सहाय्य<br>मूळ ५००.००<br>पुनर्विनियोजन (-) ५००.००<br>एकूण ०.००<br>(मूळ, पुनर्विनियोजन, एकूण) | — | -- | — | • या प्रयोजनासाठी रु.५०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने निधी वितरणाकरीता मान्यता न दिल्याने सदरचा निधी खर्च झालेला नाही.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.५०० लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.० लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रु. ५०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष ख | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४२ | २२१७ नगर विकास<br>१९२ नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२(००)(७७) जिल्हा मुख्यालयाच्या ठिकाणी असलेल्या अग्निशमन सेवा आणि आपत्कालीन सेवांच्या बळकटीकरणासाठी सहाय्य<br>नगरपालिकांना (राज्याचा हिस्सा)<br>मूळ :- ७९.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- ७९.०० लक्ष | --- | ... | ... | • या योजनेसाठी राज्याच्या हिश्यासाठी रू. ७९.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती.<br>• केंद्र शासनाने तरतुद वितरीत न केल्याने राज्य शासनाचा हिस्सा वितरीत करता आला नाही.<br>• त्यामुळे उपलब्ध तरतुद खर्च झाली नसल्याने सदर रू.७९ लक्ष तरतुद प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)<br>बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| ४३ | २२१७ नगर विकास<br>८० सर्वसाधारण<br>१९९ इतर अशासकीय संस्थांना सहाय्य<br>१९९(००)(०६) सिंहस्थ कुंभमेळ्याचे नियोजन व अंमलबजावणीवर पारुंडे व इतर तत्सम क्षेत्रात होणाऱ्या खर्चासाठी सहाय्य<br>(२२१७९५३६) | ----- | ----- | ----- | • सिंहस्थ कुंभमेळा अंतर्गत श्रीक्षेत्र पारुंडे येथील विकास कामांसाठी सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाकरीता सदर लेखाशीर्षांतर्गत रु.१०,००,००,०००/- इतकी अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती.<br>• सुधारित अंदाजामध्ये वित्त विभागाने रु.८,००,००,०००/- इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिल्याने रु.२,००,००,०००/- ची बचत झाली आहे.<br>• सन २०१३-१४ या वर्षात या कामांना मंजूरी न मिळाल्याने निधी वितरीत करण्यात आला नाही.<br>• या लेखाशीर्षाखालील उपलब्ध रु.८,००,००,०००/- इतकी रक्कम २२१७९६३४ या लेखाशीर्षाखाली पुनर्विनियोजनाव्दारे वळती करण्यात आल्याने निरंक तरतूद झाली.<br>• मूळ तरतूद व सुधारित तरतूदीमधील फरकाची रु.२,००,००,०००/- इतकी रक्कम शासन निर्णय क्रमांक प्रत्यार्प-२०१४/प्र.क्र.३६/नवि-४, दि.३०.३.२०१४ अन्वये प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |
| | मूळ .. १०,००.०० | | | | |
| | पुनर्वि .. (-) १०,००.०० | | | | |

(रुपये लाखात)

| अ क्र | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष एफ-२ | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (३-४=५) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| ४४ | २२१७- नगर विकास, ८०-सर्वसाधारण, ००३-प्रशिक्षण पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना. ००३(००)(०१) अभियांत्रिकी पदवीधरांना नगर रचना या विषयातील प्रशिक्षण (योजनांतर्गत) दत्तमत (२२१७ ०१८ १) | ५५.१४ | ५५.१४ | ०.०० | |

| | |
|---|---|
| मूळ | ५०.०० |
| पूरक (+) | ५.१४ |
| पुनर्विनियोजन (-) | ०.०० |
| एकूण | ५५.१४ |

| | | |
|---|---|---|
| १ | मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | ५०.०० |
| २ | पूरवणी मागणीव्दारे उपलब्ध तरतूद | ०.०० |
| ३ | एकूण उपलब्ध अनुदान (१+२=३) | ५०.०० |
| ४ | वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये उपलब्ध केलेली तरतूद | ४७.७४ |
| ५ | मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीत झालेली बचत (३-४=५) (-) | ०२.२६ |
| ६ | पुनर्विनियोजनान्वये (२२१७ ८१० १) या लेखाशिर्षामधून उपलब्ध करण्यात आलेली रक्कम (+) | ७.४० |
| ७ | एकूण उपलब्ध तरतूद (४+६=७) | ५५.१४ |
| ८ | प्रत्यक्ष खर्च | ५५.१४ |
| ९ | बचतीची रक्कम (७-८=९) (-) | ०.०० |
| १० | एकूण बचत (५+९=१०) (-) | २.२६ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | महालेखाकार यांच्या आकडेवारीवरुन. | | | | बचतीची कारणे:- वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीमध्ये कपात केल्याने रु.०२.२६ लाख एवढी बचत झालेली आहे. या प्रयोजनाकरिता वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये रु.४७.७४ लाख एवढी तरतूद उपलब्ध केली होती. या योजनेतंर्गत शासनाने प्रशिक्षणार्थींच्या संख्येत वाढ केल्याने त्यांच्या वेतन व भत्यावरील खर्चात वाढ झाली, त्यामुळे (२२१७ ८१० १) या लेखाशीर्षामधून या प्रयोजनाकरिता रु.७.४० लाख पुनर्विनियोजनाव्दारे उपलब्ध करण्यात आली होती. सबब, सन २०१३१४ करिता या प्रयोजनासाठी रु.४७.७४ लाख+रु.७.४० लाख=रु.५५.१४ लाख एवढी तरतूद उपलब्ध होती. ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. प्रत्यार्पणानंतर या प्रयोजनाकरिता रु.५५.१४ लाख तरतूद उपलब्ध होती, ही संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली आहे. तथापि, वित्त विभागाने मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूदीमध्ये कपात केलेली रक्कम रु.२.०६ लाख प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. त्यामुळे या प्रयोजनाकरिता अधिक खर्च (+) व बचत (-) "निरंक" आहे.<br>सबब, सन २०१२-१३ करिता अंतिम विनियोजन रु.५५.१४ लाख एवढे आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४५. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(०९)- महानगरपालिकेच्या क्षेत्रात पायाभूत सुखसोयीच्या विकासासाठी विशेष तरतूद<br>मूळ ३०००.००<br>पुनर्विनियोजन (+) ९४००.००<br>एकूण १२४००.०० | १२४०० | १२४०० | -- | • या प्रयोजनासाठी रु.३००० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये या प्रयोजनाकरिता रु.२४०० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिली होती.<br>• लेखाशिर्ष (२२१७८०२१) मधून पुर्नविनियोजनाद्वारे रू.१०००० लक्ष या लेखाशिर्षाखाली वळता करण्यात आला आहे.<br>• उपलब्ध झालेली एकूण तरतूद रू.१२४०० लक्ष पूर्णपणे खर्च झाली आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.३००० लक्ष, पुर्नविनियोजन रू.१०००० लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.१२४०० लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रु. ६०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४६. | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९१- महानगरपालिका, नगर सुधार मंडळे इत्यादींना सहाय्य<br>१९१(००)(२५)- नागरी भागातील महानगरपालिका क्षेत्रातील दलित वस्त्यांमध्ये सुविधा पुरविणे (विशेष घटक योजना)<br>मूळ १००१५.७६<br>पुनर्विनियोजन (-) ८७४३.९०<br>एकूण १८७५९.६६ | १८७५९.६६ | १८७५९.६६ | -- | • या प्रयोजनासाठी रु.१००१५.७६ लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• सदर तरतूदीमधून रू.१०० लक्ष लेखाशिर्ष (२२१७८०७५) खाली पुर्नविनियोजनाद्वारे वळती केले आहेत.<br>• तसेच, लेखाशिर्ष (२२१७८०७५) मधून रू.१११०० लक्ष पुर्नविनियोजनाद्वारे सदर लेखाशिर्षाखाली वळती केले आहेत.<br>• या लेखाशिर्षाखाली उपलब्ध झालेल्या एकूण रू.२१०१५.७६ मधून १८७५९.६६ लक्ष इतका खर्च झाला होता.<br>• उर्वरित बचतीची रक्कम (-) २२५६.१० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४७ | मागणी क्र. एफ-२<br>मुख्य लेखाशीर्ष २२१७- नगर विकास,<br>८०-सर्वसाधारण,<br>१९१- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००) (५०) मुंबई मेट्रो रेल्वे प्रकल्प (२२१७१४२८ )<br><br>मूळ तरतूद १६०००.००<br>पुर्नविनियोजन (+) ५०.०० | १६०५०.०० | १६०५०.०० | ० | • सन २०१३-१४ मध्ये मुंबई मेट्रो साठी रू. १६०००.०० लाख एवढया रक्कमेचा निधी केंद्र शासनाकडून अपेक्षित होता.<br>• प्रत्यक्षात केंद्र शासनाकडून रू. १६०५०.०० लाख रक्कमेचे योगदान प्राप्त झाले.<br>• परिणामी २०१३-१४ मध्ये ५०.०० लाख एवढा निधी इतर लेखाशिर्षाकडून पुर्नविनियोजित झाला. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन/ मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४८ | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९२- महानगरपालिकांना सहाय्य<br>१९१(००)(४२)- नगरपरिषदांना वैशिष्ट्यपूर्ण कामांसाठी विशेष अनुदान<br><br>मूळ १४०००.००<br>पुनर्विनियोजन (+) ८२००.००<br>एकूण २२२००.०० | २२२०० | २२२०० | -- | • या प्रयोजनासाठी रु.१४००० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• वित्त विभागाने सुधारित अंदाजान्वये या प्रयोजनाकरिता रु.११२०० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करुन दिली होती.लेखाशिर्ष (२२१७८१२८) मधून पुर्नविनियोजनाद्वारे या लेखाशिर्षाखाली रू.११००० लक्ष वळती करण्यात आला आहे.<br>• उपलब्ध झालेली एकूण तरतूद रू.२२२०० लक्ष पूर्णपणे खर्च झाली आहे.<br>• सबब, मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.१४००० लक्ष, पुर्नविनियोजन रू.११००० लक्ष व प्रत्यक्ष झालेला खर्च रु.२२२०० लक्ष विचारात घेता उर्वरित बचतीची रक्कम (-) रु. २८०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण विनियोजन मूळ / अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत(-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ४९ | २२१७- नगर विकास<br>८०- सर्वसाधारण<br>१९२-नगरपरिषदांना सहाय्य<br>१९२ (००) (७१) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर- श्रम साफल्य आवास योजनेसाठी नगरपरिषदांना सहाय्य<br><br>मूळ १,००.००<br>पुनर्विनियोजन ६०.०० | १,६०.०० | १,६०.०० | --- | • या प्रयोजनासाठी सन २०१३-१४ मध्ये मूळ तरतूद रुपये १००.०० लक्ष इतकी होती.<br>• सुधारित अंदाजात वित्त विभागाने रुपये ८०.०० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध करून दिल्यामुळे रुपये २०.०० लक्ष इतकी बचत झालेली आहे.<br>• या लेखाशिर्षाखाली रुपये ८०.०० लक्ष इतकी रक्कम (२२१७८०४८) या लेखाशिर्षामधून पुनर्नियोजनाद्वारे उपलब्ध केल्याने रुपये १६०.०० लक्ष इतकी तरतूद उपलब्ध झाली.<br>• सदर उपलब्ध तरतूद पूर्णपणे खर्च झालेली आहे. त्यामुळे मूळ तरतूद व सुधारित तरतूदीमधील फरकाची रक्कम रुपये २०.०० लक्ष प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

• मार्च २०१४ मध्ये अतिरिक्त आवश्यकतेनुसार उपरोक्त उप-लेखाशीर्षाखाली अतिरिक्त निधी रुपये २६४५९.०४ लाखाची पुनर्विनियोजनाद्वारे तरतूद करण्यात आली.

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-२ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| ५० | २२१७ नगर विकास<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>८०० (००)(०२) सिंहस्थ कुंभमेळ्याचे नियोजन व अंमलबजावणीवरील खर्चाकरीता सहायक अनुदान. (२२१७९६३४) | १,६८,०४.१३ | १,६८,०४.१३ | ----- | • सिंहस्थ कुंभमेळ्याच्या अंमलबजावणी व आयोजनासंदर्भात निधी उपलब्ध करुन देणे (२२१७९६३४) या लेखाशीर्षाअंतर्गत शासन निर्णय क्र.पुनर्वि-२०१४/प्र.क्र.४०/नवि-४, दि.२९.३.२०१४ अन्वये पुनर्विनियोजनाव्दारे उपलब्ध झालेला रु.३३,०४,१३,०००/- इतका निधी, तसेच शासन निर्णय क्र.पुनर्वि-२०१४/प्र.क्र.३७/नवि-१६, दि.२९.३.२०१४ अन्वये पुनर्विनियोजनाव्दारे उपलब्ध झालेला रु.१३५,००,००,०००/- असा एकूण रु.१६८,०४,१३,०००/- इतका निधी आयुक्त तथा संचालक, नगर परिषद प्रशासन संचालनालय यांच्याकडे आहरीत करुन ठेवण्यात आला होता.<br>• सदर निधी जिल्हाधिकारी, नाशिक यांच्याकडे शासन निर्णय क्र.कुंभमे-२०१४/प्र.क्र.४३/नवि-१६, दि.२८.४.२०१४ अन्वये सुपुर्द करण्यास मंजूरी देण्यात आली.<br>• यानुसार सदर लेखाशीर्षाखाली मूळ तरतूद रु.५०००/- सह एकूण रु.१६८,०४,१८,०००/- तरतूद उपलब्ध झाली. यापैकी रु.१६८,०४,१३,०००/- इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला असून रु.५०००/- इतकी शिल्लक राहिलेली रक्कम शासन निर्णय क्रमांक प्रत्यार्प-२०१४/प्र.क्र.३६/नवि-४, दि.३०.३.२०१४ अन्वये प्रत्यार्पित करण्यात आले आहे. |
| | मूळ .. ०.०५ | | | | |
| | पुनर्वि .. (+) १,६८,०४.०८ | | | | |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचा विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने / नवि-२०

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष / उपशिर्ष<br>एफ-३ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ५१ | २२३० कामगार व सेवायोजन<br>०२ सेवायोजन सेवा १०१ सेवा १०१(०२)(०१) सुवर्ण जयंती शहरी<br>मूळ :- ४०००.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- १९६४.२० लक्ष | ४०००.०० | २०३५.९७ | ०.१७ (+) | • या प्रयोजनासाठी रू ४०००.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• उपलब्ध रु. ४०००.०० लक्ष अनुदानापैकी प्रत्यार्पित करण्यात आलेले रु. १९६४.२०१९२ लक्ष एवढे वजा जाता रु. २०३५.७९८०८ लक्ष एवढे अनुदान खर्चासाठी उपलब्ध होते.<br>• प्रत्यक्षात खर्च रु. २०३५.८० लक्ष इतका झाला आहे. अधिकचा(+) झालेला रु. ०.१७ लक्ष नगण्य असल्याने क्षमापित करण्याची विनंती आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्षउपशिर्ष / एफ-३ | एकूण विनियोजन / मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च बचत (+) (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ५२ | २२३० कामगार व सेवायोजन<br>०२ सेवायोजन सेवा<br>१०१ सेवायोजन सेवा<br>१०१(०२)(०३) सुवर्ण जयंती रोजगार योजनेअंतर्गत अनुसुचित जातीच्या लाभार्थींना अनुदान<br><br>मूळ :- ३२६.०० लक्ष<br>पुनर्विनियोजन :- ३२६.०० लक्ष | ---- | --- | --- | • या प्रयोजनासाठी रू.३२६.०० लक्ष इतकी मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध करण्यात आली होती.<br>• लाभार्थींकडून मागणी न झाल्याने सदर ३२६.०० लक्ष एवढी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष/ उपशिर्ष<br>एफ-३ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | स्पष्टिकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| ५३ | मागणी क्र. एफ-३. सेक्रेटरिएट-सामाजिक सेवा<br>०९०-सेक्रेटरिएट<br>०९०(००)(०१), नगर विकास विभाग,<br>पूळ तरतुद--- १०५९.७८<br>पुरवणी -- १८१.००<br>पुनर्विनियोजन- -२११.९५<br>कमी खर्चाकरीता कोणतीही विर्निदिष्ट कारणे न दिल्याने सामान्यत: रु.२११.९५ लाख इतका परत केलेला निधी प्रत्यक्ष खर्चाशी संबंधेत होत।. | १०२८.८३ | १०२८.८३ | — | • सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षात मूळ तरतुद रु.१०५९.७८ लाख इतकी मंजूर होती. तसेच रु. १८१.०० लाख इतक्या रकमेची व्यावसायिक फी या उद्दिदष्टाखाली पुरवणी मागणी सादर करण्यात आली.<br>• त्यामुळे एकूण तरतुद रु.१२४०.७८ लाख इतकी मंजूर करण्यात आली. एकूण तरतूदीतून प्रत्यक्ष खर्च रु.१०२८.८३ इतका झाल्याने रु.२११.९५ लाख इतकी रक्कम अखर्चित राहिली.<br>• सदरची बचत हि व्यावसायिक फी या उद्दिष्टाखाली पुरेशी मागणी न झाल्याने तसेच विभागातील मंजूर पदे न भरल्याने वेतन या उद्दिष्टाखाली झालेली आहे.<br>• विभागाने मूळ तरतुदीच्या अनुषंगाने तरतुद समर्पित केल्याने एकूण रु. २११.९५ लाख इतकी तरतुद समर्पित केलेली आहे. |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाचा विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने / नवि-२९

(रुपये लाखात)

| अ.क्र. | मुख्य लेखाशिर्ष/ उपशिर्ष<br>एफ-३ | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | विभागाचे स्पष्टीकरणात्मक अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|---|
| ५४ | २२५१ - सेक्रेटरीएट-सामाजिक सेवा<br>०९० - सेक्रेटरीएट- ( ०० )<br>( ०३ ) नगर विकास विभाग<br>ई-गव्हर्नन्स प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीसाठी तरतूद<br>(२२५१०८१२) दत्तमत<br>( योजनांतर्गत )<br>मूळ तरतूद<br>रु.३०,००,०००<br>सुधारीत तरतूद<br>~~रु.२४,००,०००~~<br>~~रु.२७.४७~~ | ~~३०,००,०००~~<br>२.५३ | ~~३,५२,६००~~<br>२.५३ | २७,४७,४००(-) | • सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षी सदर योजनेसाठी मूळ अर्थसंकल्पीत तरतूद रु.३०,००,०००/- इतकी होती.<br>• सुधारीत अंदाजात वित्त विभागाने रु.२४,००,०००/-इतकीच उपलब्ध करुन दिल्यामुळे रु.६,००,०००/- इतकी बचत झालेली आहे.<br>• सदर सुधारित तरतूदीपैकी रु.२,५२,६००/-इतका खर्च झालेला असून त्यापैकी शिल्लक राहीलेली रु.२१,४७,४००/- इतकी रक्कम व बचतीची रु.६,००,०००/- अशी एकूण रु.२७,४७,४००/- एवढी रक्कम प्रशासकीय कारणास्तव प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. |
| या योजनेखाली सुधारीत तरतूदीपैकी रु.२,५२,६००/- इतका निधी खर्च झालेला आहे . | | | | | |

******

**साक्ष :**

उपरोक्त परिच्छेदासंदर्भात अधिक माहिती जाणून घेण्यासाठी समितीने दिनांक २७ फेब्रुवारी, २०१७ रोजी प्र.स. व सचिव, नगरविकास विभाग यांची साक्ष घेतली.

३.१ मागणी क्र. एफ-२, २२१७-नगरविकास, ८० सर्वसाधारण, १९१-महानगरपालिकांना सहाय्य, १९१ (००) (५८) जेएनएनयुआरएम/युआयडीएसएसए मटी/आयडीएसएमटी प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी राज्यातील महानगरपालिका अतिरिक्त अनुदान यामध्ये ओव्हर बजेटींग झालेले आहे. ४० कोटी रुपयांचे नियोजन केल्याचे दिसून येत आहे. यापैकी केवळ ७ कोटी ३६ लाख रुपये खर्च झाल्याचे दिसून येत आहे. परिणामी ३२ कोटी ६४ लाख रुपये सरेंडर करावे लागले आहेत. ४० कोटी रुपयांची तरतूद करीत असताना या वर्षी किती निधी लागणार आहे त्याबाबत विभागाने नियोजन केले होते काय ? असे समितीने विचारले असता सदरहू परिच्छेद हा डीएसआर डिफरन्सशी संबंधित असून विभागाने नियोजन केले होते असे सचिवांनी सांगितले.

सन २००९ पासून डीएसआर डिफरन्स दिला जात आहे. सन २०१३-२०१४ मध्ये ४० कोटी रुपयांची तरतूद केलेली होती. डीएसआर डिफरन्स हा महानगरपालिकेचा आहे. ९ महानगरपालिकांकडून प्रस्ताव येणे अपेक्षित होते. त्यामुळे सदर प्रस्तावापोटी शासनाला ६१ कोटी द्यावे लागणार होते. परंतु, प्रत्यक्षात केवळ ७ कोटी रुपये द्यावे लागलेले आहेत.

अमरावती, कोल्हापूर, सोलापूर, सांगली, मालेगाव, परभणी, नगर, औरंगाबाद आणि अकोला अशा ९ महानगरपालिकेकडून ६१कोटी रुपयांचा प्रस्ताव येण्याचे अपेक्षित होते. प्रत्यक्षात अमरावती महानगरपालिकेने अमरावतीमधील भुयारी गटाराच्या संदर्भातील प्रस्ताव शासनाला दिला होता. त्यामुळे उत्तरात ७ कोटी रुपये एवढा खर्च झालेला आहे. ६१ कोटी रुपयांचे प्रस्ताव येणे अपेक्षित होते. विभागाने ६० टक्के तरतूद केलेली आहे. असे असताना ५० टक्के देखील खर्च झालेला नाही. विभागाला नंतर पुरवणी मागणी देखील मागता आली असती. अशी समितीने विचारणा केली असता सचिवांनी खुलासा केला की, पुरवणी मागणी घेण्यासाठी अनेक वेळा कठीण प्रसंगांना सामोरे जावे लागते. तसेच, ६१ कोटी रुपये हे त्या वर्षाकरिता ९ प्रस्ताव आले तर शासनाचे अपेक्षित दायित्व होते.

सन २०१३-२०१४ मध्ये काही महानगरपालिकांचे डीएसआर डिफरन्सचे प्रस्ताव अपेक्षित असताना केवळ अमरावती महानगरपालिकेने अमरावतीमधील भुयारी गटाराच्या संदर्भातील प्रस्ताव दिला होता. त्यानंतर काही प्रस्ताव हे सन २०१४-२०१५ मध्ये प्राप्त झालेले होते. तसेच आणखी दोन प्रस्ताव हे पुढील वर्षात प्राप्त झालेले होते. औरंगाबाद महानगरपालिका वगळून उर्वरित सर्व प्रस्ताव महानगरपालिकाकडून पुढील वर्षात प्राप्त झालेले आहेत.

सन २०१४-२०१५ मध्ये सोलापूर आणि कोल्हापूर महानगरपालिकेकडून प्रस्ताव आले होते. ही बाब लक्षात घेता विभागाकडून ओव्हर बजेटींग होत आहे. सन २०१३-२०१४ मध्ये खर्च झालेला नाही. त्यानंतर सन २०१४-२०१५ मध्ये देखील सर्व महानगरपालिकाचे प्रस्ताव आलेले नाहीत. म्हणजे दोन वर्षांच्या काळात ४० कोटी रुपयांचे प्रस्ताव प्राप्त होत नसल्याने ओव्हर बजेटींग झालेले आहे.

९ महानगरपालिकांनी प्रस्ताव द्यावे, याकरिता विभागाने पाठपुरावा केलेला आहे. यामध्ये महानगरपालिकेतील आयुक्तांचा देखील दोष आहे. आयुक्तांनी वेळेवर प्रस्ताव पाठविले नाहीत ही त्यांची चूक आहे.

९ महानगरपालिकांकडून प्रस्ताव येणे अपेक्षित होते. त्यामुळे सदर प्रस्तावापोटी शासनाला ६१ कोटी द्यावे लागणार होते, अशी अपेक्षा होती. सुरुवातीला ४० कोटी रुपयांचे बजेटींग करण्यात आले होते आणि ते चांगल्या दृष्टिकोनातून केले होते. परंतु, ते खूप जास्त होते. त्यावेळी महानगरपालिकेने दक्षता घेण्याची आवश्यकता होती. परंतु, तशी दक्षता त्यांनी घेतल्याचे दिसून येत नाही. त्यामुळे ओव्हर बजेटींग झाल्याचे दिसून येत आहे. विभागाने बजेटींग प्रक्रियेमध्ये सुधारणा करावी असे अभिप्राय महालेखाकारांनी दिले.

**अ. क्र. ३**

मागणी क्र.एफ-२, २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९२ नगरपरिषदांना सहाय्य, १९२ (००) (६७) जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुनर्निर्माण अभियान/लहान व मध्यम शहरांकरिता पायाभूत सुविधांचा विकास कार्यक्रम/ या योजनेअंतर्गत प्रकल्पाची कामे पूर्ण करण्यासाठी राज्यातील नगरपरिषदांना अतिरिक्त अनुदाने याअंतर्गत केवळ ४ कोटी १९ लाख ७७ हजार रुपयांची बचत झालेली आहे. १२ कोटी रुपये विभागास प्राप्त झाले नाहीत. ४ कोटी १९ लाख ७७ हजार रुपयांची बचत होण्याची कारणे काय आहेत ? वित्त विभागाने असे नमूद केले आहे की, ४ कोटी १९ लाख ७७ हजार रुपये ओव्हर बजेटींगमुळे शिल्लक राहिले आहेत. वित्त विभागाकडून अनेक वेळा पुरवणी मागणी मंजूर करुन घेतली जाते असे असताना विभागाने तसे केले नाही कारण पुरवणी मागणी मंजूर करणे खूप अवघड काम असल्याचे सचिवांनी नमूद केले.

एकदा विभागाने आऊट ले दिल्यानंतर त्याच्या पलीकडे जाऊन अतिरिक्त नियतव्यय देण्यास वित्त विभाग तयार नसते. विभागाला जर संपूर्ण रक्कम मिळाली असती तर ती १६ कोटी १९ लाख ७७ हजार रुपये झाली असती. आता सदरहू बाब तांत्रिक झालेली आहे.

१२ कोटी रुपयांचा कट लागलेला आहे. हे सुध्दा ओव्हर बजेटींग आहे. ही बाब विभागाने मान्य केली आहे.

मागणी क्र.एफ-२, २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९१-महानगरपालिकांना सहाय्य, १९१ (००) (५४) जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुनर्निर्माण अभियानाअंतर्गत महानगरपालिकांसाठी नगरविकासाकरिता सहाय्ययाअंतर्गत केंद्र शासनाकडून निधी वितरीत झालेला नाही, त्याचे कारण काय आहे असे समितीने विचारले असता सचिवांनी खुलासा केला की, जेएनएनयुआरएमशी संबंधित विषय आहे. यामध्ये महानगरपालिकेच्या ९ आणि नगरपालिकेशी संबंधित ११ अशा मिळून २० योजना होत्या. या योजना पहिल्यांदा मंजूर झालेल्या होत्या. पण काही कारणामुळे त्या रद्द झालेल्या होत्या. त्यामुळे अपेक्षित निधी राज्य शासनाला मिळाला नाही. २० योजनांसाठी टप्प्याटप्प्याने ७५१ कोटी रुपयांचा निधी मिळणे अपेक्षित होते. सदरहू २० योजना अंतिमतः मंजूर झालेल्या नसल्यामुळे शासनाकडून अमृत किंवा नगरोत्थान योजनेच्या माध्यमातून टप्प्याटप्प्याने निधी दिला जाणार आहे.

३०० कोटी रुपयांच्या मूळ तरतुदींपैकी १५० कोटी रुपये वित्त विभागाने रिलीज केले कारण केंद्र सरकारचा निधी मिळाला नाही.

१५० कोटी रुपयांपैकी १३१ कोटी रुपये खर्च झाले आणि सर्वसाधारणपणे २९ कोटी रुपये शिल्लक राहिले असते, परंतु आधीच्या वर्षात एमएमआरडीएला दिलेले १२६ कोटी रुपये या लेखाशिर्षात जमा झाले. त्यामुळे २७६ कोटी रुपयांपैकी १३१ कोटी ९९ लाख ४ हजार रुपये खर्च झालेला आहे, परंतु प्रत्यक्षात वित्त विभागाने दिलेल्या १५० कोटी रुपयांपैकी १३१ कोटी ९९ लाख ४ हजार रुपये खर्च झाले आहेत.

आधीच्या वर्षी विभागाने १२६ कोटी रुपये एमएमआरडीएला दिले होते. ते त्यांनी परत केले असून ती रक्कम या हेडखाली जमा झाली आहे. एमएमआरडीएचे १२६ कोटी रुपये विभागाकडे परत आले म्हणून विभागाचा खर्च ५.९९ कोटी रुपये दिसतो आहे. जर १२६ कोटी रुपये विभागाकडे आले नसते तर सदरची रक्कम एवढी सरेंडर झाली नसती. १२६ कोटी रुपयांमुळे २९४ कोटी रुपयांचा आकडा जास्त दिसतो आहे.

आधीच्या वर्षात एमएमआरडीएकडे ट्रॉन्सफर केले असताना १२६ कोटी रुपये एमएमआरडीएने खर्च का केले नाहीत ? एमएमआरडीएकडे पैसे देण्याचा उद्देश काय होता, एमएमआरडीए हा नगरविकास विभागाचा भाग आहे. एमएमआरडीए पैसे खर्च करीत नाही, हीदेखील गंभीर बाब आहे. याबाबतची माहिती समितीला सादर करण्याचे सचिवानी समितीला आश्वासित केले.

१२६ कोटी रुपये एमएमआरडीएने खर्च का केलेले नाहीत याचे कारवाईसहित कारण समितीला द्यावे. असे समितीने सुचित केले असता सचिवानी एमएमआरडीएकडून यासंबंधीची माहिती घेऊन समितीला सादर करण्याचे आश्वासित करण्यात आले.

मागणी क्र.एफ-२ २२१७- नगर विकास, १९२ नगरपरिषदांना सहाय्य, १९२ (००) (५३) राज्यातील नगरपरिषदांच्य अग्निशमन व आपत्कालीन सेवांचे बळकटीकरण करण्यासाठी सहाय्य या योजनेअंतर्गत ५० कोटी रुपयांपैकी ४० कोटी ८७ लाख ९५ हजार रुपये सरेंडर झालेले आहेत.

५० कोटी रुपयांपैकी ४० कोटी रुपये मिळाले आणि ४० कोटी रुपयांपैकी ९ कोटी ३२ लाख ४ हजार रुपये खर्च झाले. विभागाने मान्य केले की, खर्च कमी झाला त्याचे कारण अग्निशमन सक्षमतेचे प्रस्ताव नगरपरिषदांकडून कमी प्राप्त झाले. यावर समितीने अशी विचारणा केली की, विभागाकडे मोठ्या प्रमाणात निधी असताना अग्निशमनदलाला सक्षम करण्यात आले नाही. मुंबई अग्नीशमन दलात प्रशिक्षित लोक आहेत. परंतु इतरत्र कोठेही प्रशिक्षित लोक नाहीत. अग्निशमन दलाला सक्षम करण्यासाठी लोकांना प्रशिक्षण देण्याची आवश्यकता आहे त्यास विभागाने सहमती दर्शविली.

जास्तीत जास्त प्रस्ताव आले पाहिजेत. ज्या वर्षात निधी प्राप्त झाला त्या वर्षात प्रस्ताव आलेले नाहीत ही वस्तुस्थिती विभागाने मान्य केली आता डीएमएला हे अधिकार किंवा ही जबाबदारी देण्यात येणार आहेत. नगरपरिषदांकडून जास्तीत जास्त प्रस्ताव प्राप्त करुन घेऊन शासनाकडे असलेल्या निधीचा विनियोग करावा. अशा स्वरुपाचे एक पत्रक विभाग काढणार आहे,

त्याची एक प्रत समितीला देण्यात यावी. समितीने असे मत व्यक्त केले की, नगरपालिकांमध्ये प्रबोधन होण्याची गरज आहे. ब-याच ठिकाणी नगरपालिका नव्याने झालेल्या असतात. तेथील कर्मचारी नवीन असतात. प्रस्ताव कसा तयार करायचा माहीत नसते, योजना कोणत्या आहेत माहीत नसते.

आजही नगरपरिषदांमध्ये फायरचा एकही माणूस प्रशिक्षित नाही. The officials of Fire Brigade was not willing to go inside. फायरच्या लोकांना प्रशिक्षण दिलेच जात नाही, हा समितीचा प्रत्यक्ष अनुभव आहे. फायर ब्रिगेडच्या आस्थापनेला पगार नगरपरिषदा देत असल्याने त्यांना प्रशिक्षण बंधनकारक करण्यात यावे. त्यास सचिवानी सहमती दर्शविली. मोठ्या महानगरपालिका वगळून सर्व महानगरपालिका व नगरपालिकामध्ये अग्निशमन प्रशिक्षण बंधनकारक करण्यात यावे. यावर सचिवानी सहमती दर्शविली. तसेच अग्निशमन प्रशिक्षणासाठी नागपूरला फायर ट्रेनिंग कॉलेज व आणखी सहा मान्यताप्राप्त संस्था उपलब्ध असल्याची माहिती समितीला दिली. यातून फायरमनने फायरचे बेसिक ट्रेनिंग घ्यावे व ते घेतले नाही तर ते नगरपरिषदांनी द्यावे. यासंबंधी एक परिपत्रक काढून त्याची एक प्रत समितीला देण्याचे सचिवानी आश्वासित केले.

परिपत्रक काढून सर्व बाबींची अंमलबजावणी होत नसल्याने डीएमएला महानगरपालिका व नगरपरिषदाधिका-याला अग्निशमन प्रशिक्षणाची जबाबदारी देण्यात यावी. या सर्व बाबी पेपरवर न ठेवता केंद्र सरकारकडून निधी मिळतो, तो संपूर्ण खर्च करण्यात यावा. राज्याला अग्निशमन प्रशिक्षणासाठी ४० कोटी रुपये एवढी मोठी रक्कम एवढ्या महत्वाच्या कामासाठी खर्च झाली नाही याचा अर्थ संबंधीतांवर कारवाई होणे आवश्यक आहे त्यास सचिवानी सहमती दर्शविली.

राज्याला अग्निशमन संबंधात जो निधी प्राप्त झाला त्या पैशांमध्ये नगरपालिकांच्या फायर ब्रिगेडच्या अनेक बाबी पूर्ण झाल्या असत्या. राज्याची स्थिती अशी आहे की, बरेच प्रयत्न करुनसुध्दा केंद्राकडून पैसे मिळत नाहीत आणि येथे खूप मोठी रक्कम नगरविकास विभागाने खर्च केलेली नाही. या प्रकरणी कारवाई होणे आवश्यक आहे. ही बाब गंभीर असून या प्रकरणी जे संबंधित आहेत त्यांच्यावर विभागाने कारवाई करावी अशी सूचना समितीने केली.

अग्निशमन संदर्भातील प्रस्ताव आवश्यक त्या प्रमाणात प्राप्त होत नाहीत. त्यामुळे पाठपुरावा करुन प्रस्ताव प्राप्त करुन घेण्याकरिता डी.एम.ए. यांचेकडे सदरहू जबाबदारी सोपविण्याकरिता परिपत्रक काढण्यात येणार आहे. त्यामध्ये प्रशिक्षणाबाबतच्या समितीच्या मुद्याचा समावेश करुन एक आठवड्याच्या आत सदर परिपत्रक काढण्यात यावे व त्याची प्रत समितीस सादर करण्यात यावी.

मागणी क्र.एफ-२, २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९१ महानगरपालिका सहाय्य, १९१ (००) (५७) महाराष्ट्र नगरोत्थान महाभियानाअंतर्गत राज्यातील महानगरपालिकांना अनुदाने याअंतर्गत सुध्दा खर्च खूपच कमी झालेला आहे.

३९० कोटी रुपये मिळाले होते. त्यामध्ये २१९ कोटी रुपयांचे रि-ॲप्रोप्रिएशन केले. एक रि-ॲप्रोप्रिएशन कुंभमेळ्यासाठी केले आणि दुसरे रि-ॲप्रोप्रिएशन मनपा पायाभूत सेवेसाठी केले होते. कुंभमेळ्यासाठी ११९ कोटी रुपये आणी मनपा पायाभूत सेवेसाठी १०० कोटी रुपये असे २१९ कोटी रुपयांचे रि-ॲप्रोप्रिएशन केलेले आहे. निव्वळ निधी १७१ कोटी रुपये उरला होता. वित्त विभागाने त्यातील ५८ कोटी रुपये रिलीज केले नाहीत. ११३ कोटी रुपये शिल्लक राहिले होते, त्यातील ११२ कोटी १२ लाख २६ हजार रुपये खर्च झाले आहेत.

१०० कोटी रुपये आणि ११९ कोटी रुपयांचे रि-ॲप्रोप्रिएशन वित्त विभागाच्या मान्यतेने केले आहे. त्यावर समितीने अशी विचारणा केली की, ज्या कारणासाठी रि-ॲप्रोप्रिएशन केले, ती रक्कम त्याच कारणासाठी खर्च झाली आहे का? त्यावर सचिवांनी खुलासा केली की, मनपा पायाभूत सेवेसाठी आणि कुंभमेळ्यासाठी रकमा खर्च झालेल्या आहेत.

महाराष्ट्र नगरोत्थान महाअभियानाच्या खाली ३९० कोटी रुपयांची तरतूद केली होती. ही रि-ॲप्रोप्रिएशनची रक्कम याच कारणासाठी होती की, आणखी दुस-या कारणासाठी होती? अशी विचारणा महालेखाकारांनी केली असता नगरोत्थान योजना ही स्कीमकरीता आहे. महानगरपालिकेला मनपा पायाभूतखाली शासन मोठ्या पायाभूत सोईसुविधांच्या स्कीम राबविण्यासाठी अनुदान देते. त्यातील १०० कोटी रुपये मनपा पायाभूत सुविधेसाठी दिले. कुंभमेळा हा फॉस्ट अप्रोचिंग होता. आधी असे ठरले होते की, सर्व विभागांनी त्यांचे त्यांचे बजेटिंग करावे. मग त्यानंतर असे ठरले की, प्रत्येक विभागाचे पुलींग नगरविकास विभागाने करावे. The Urban Development Department became the parent Department for Kumbhmela. कुंभमेळ्याचे बजेट २२१७९६३४ या लेखाशीर्षाखाली ११९ कोटी रुपये रि-ॲप्रोप्रिएट केले.

नगरोत्थान योजनेतंर्गत कोणकोणते खर्च अभिप्रत असतात. त्याची प्रोसिजर काय आहे? नगरपालिकेने जिल्हाधिका-यांमार्फत प्रस्ताव दाखल करायचा असतो का? अशी विचारणा समितीने केली असता हे बजेट हेड नगरोत्थान मनपा हेडसाठी आहे. नगरोत्थान मनपा मध्ये पूर्वी आकृतीबंध शेअरिंग पॅटर्न ५०:५० होता, त्यामुळे एवढे प्रस्ताव येत नव्हते. सन २०१४ मध्ये शासनाने हा शेअरिंग पॅटर्न बदलला. आता हा ७०:३० केला. २५, १५ आणि १० असा हा अ, ब, क साठी केलेला आहे.

नगरपालिकेला क वर्गाप्रमाणे आहे. समितीने असे मत व्यक्त केले की, नगरपालिकेला खर्च कमी केला पाहिजे. तो ५ टक्के करावा, अशी सूचना समितीने केली असता सचिवानी सहमती दर्शविली. तसेच खर्च कमी करण्याची बाब सचिवांच्या हातात असते त्यामुळे त्यावर शिफारस करण्याची आवश्यकता नाही असे ही सूचित केले.

**अनुक्रमांक-११,**

मागणी क्र.एफ-२, २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९१ महानगरपालिकांना सहाय्य, १९१ (००) (१७) सिंहस्थ कुंभमेळ्यासाठी नाशिक महानगरपालिकेला अनुदान या अंतर्गत ३०० कोटी रुपयांची मूळ तरतूद होती. त्यापैकी २१८ कोटी रुपये मिळाले. सन २०१२-१३ मध्ये नाशिक महापालिकेला वितरीत केलेल्या ४ कोटी रुपयांचा धनादेश वटविता आला नाही. हा धनादेश २०१३-१४ मध्ये जिल्हाधिकारी, नाशिक यांच्या स्वतंत्र स्वीय प्रपंजी खात्यामध्ये जमा झाला. २१८ कोटी १७ लाख रुपये अधिक ४ कोटी रुपये अशा प्रकारे एकूण २२२ कोटी १७ लाख रुपये विभागाकडे निधी होता. तो संपूर्ण खर्च झालेला आहे. जी बचत दिसून येते ती वित्त विभागाने कट लावल्यामुळे दिसून येते.

विभागाकडे २२२ कोटी १७ लाख रुपये उपलब्ध होते आणि ते सर्व खर्च झाल्यामुळे प्रत्यक्ष बचत झालेली नाही. परंतु ए.जी. यांचा आक्षेप आहे की, विभागाने ७७ कोटी ८३ लाख रुपये प्रत्यार्पित केले. सदर रक्कम वित्त विभागाने कट लावल्यामुळे प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. याचाच अर्थ विभागाने अहवाल वर्षातील ७७ कोटी ८३ लाख रुपये आणि मागील वर्षाचे प्राप्त झालेले ४ कोटी रुपये असे एकूण ८२ कोटी रुपये प्रत्यार्पित केले.

महालेखाकारांचा अभिप्राय आहे की, २४० कोटीच्या ८० टक्के रक्कम २१८.१७ कोटी रुपये होते. ही रक्कम वित्त विभागाने वितरीत केली. यावरुन विभागाचा अंतिम अधिक खर्च २१.८३ कोटी रुपये आहे. सचिवांनी खुलासा केला की, यामध्ये अहवाल वर्षातील ४ कोटी रुपयांचा धनादेश वटविता आला नव्हता. त्यामुळे तो प्रत्यक्षात खर्च झाला नव्हता. परंतु तो खर्च वित्त विभागाच्या मान्यतेने नंतरच्या वर्षी करण्यात आला. जो पर्यंत वित्त विभागाची मान्यता मिळत नाही तो पर्यंत खर्च करता येत नाही. तसेच २१८ कोटी १७ लाख रुपयांचा बीडीएस असतांना २२२ कोटी १७ लाख रुपये खर्च होणे असंभव आहे. त्यामुळे हा खर्च वित्त विभागाच्या मान्यतेने करण्यात आला आहे.

त्यामुळेच ही रक्कम २२२ कोटी १७ लाख रुपये दिसते. परंतु एकूण अनुदान २०० कोटी ३४ हजार रुपये जे नमूद केले आहे ते चुकीचे आहे, असे समितीचे मत आहे.

विभागाने अंतिम नोटीफाईड ग्रँटच्या वेळी ए.जी. यांच्याकडे क्लेरिफाय केले नाही. त्यामुळे हा अतिरिक्त खर्च झाल्याचे दिसते. हा खर्च झालेलाच नाही असे विभागाचे म्हणणे आहे. जो जादा खर्च झालेला आहे तो विभागाला नियमित करावा लागेल. याबाबत नमूद करण्यात येते की, नगर विकास विभागाला २१८.१७ कोटी रुपये मिळाले होते. तसेच मागच्या वर्षीचे ४ कोटी रुपये सुध्दा मिळाले होते. मागच्या वर्षीची रक्कम खर्च करण्यासाठी नगर विकास विभागाने वित्त विभागाकडून मान्यता घेतली होती. अशा प्रकारे एकूण २२२.१७ कोटी रुपये खर्च झालेले आहेत. ही संपूर्ण रक्कम खर्च झालेली आहे असे विभागाच्या सचिवांचे म्हणणे आहे.

यावरुन असे दिसून येते की, एक्झिट कॉन्फरन्सच्या वेळी विभागाने ए.जी. यांच्यासमोर समजावून सांगितले नाही. समितीची अपेक्षा आहे की, या परिच्छेदाच्या अनुषंगाने विभागाने ए.जी. यांच्याकडे संपूर्ण खुलासा सादर करावा आणि या परिच्छेदाचे वेटींग करुन घ्यावे त्यास सचिवांनी सहमती दर्शविली.

वित्त विभागाकडून मान्यता घेतल्याची कागदपत्रे विभागाकडे आहेत. ती ए.जी. यांच्याकडे सादर करण्यात यावी.

मागणी क्र. एफ-२, २२१७-नगरविकास, ८० सर्वसाधारण, ००१ संचालन व प्रशासन, ००१ (००) (०३) संचालक, नगर रचना यांची शाखा कार्यालये यामध्ये विभागाने दिलेल्या स्पष्टीकरणात्मक अभिप्रायामध्ये नमूद आहे की, मूळ तरतुदीच्या अगेन्स्ट १५४.३० लाख रुपयांची बचत झाली. तसेच वित्त विभागाने मूळ तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे ७.०५ लाख रुपयांची बचत झाली. अशाप्रकारे विभागाने १५४.३० लाख रुपये अधिक ७.०५ लाख रुपये असे एकूण १६१.३५ लाख रुपये प्रत्यार्पित केले. पुनर्विनियोजन झाल्यामुळे ही रक्कम अन्यत्र वापरली गेली आहे. याबाबत समितीने अशी विचारणा केली की, सदरहू रकमेचे पुनर्विनियोजन कधी केले ? जर आपण ३१ मार्च रोजी १६१.३५ लाख रुपये सरेंडर केले असतील तर ते पुनर्विनियोजन होणार नाही. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, ही रक्कम बचत झालेली आहे व सदरहू रकमेचे विनियोजन झाले आणि ती रक्कम सुध्दा फिक्स झालेली आहे.

मागणी क्र.एफ-२, २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९१ महानगरपालिकांना सहाय्य, १९१ (००) (६९) राज्यातील महानरगपालिकांना संगणकीकरणासाठी अनुदान या अंतर्गत १० पैकी ८ कोटी रुपयांचे पुनर्विनियोजन करण्यात आलेले आहे. याबाबत समितीला माहिती देताना सचिवांनी नमूद केले की, महानगरपालिकांना संगणकीकरणासाठी अनुदान देण्यासाठी १० कोटी रुपयांची मूळ तरतूद होती. त्यापैकी ८.०१ कोटी रुपयांचे पुनर्विनियोजन करण्यात आले. प्रत्यक्षात १.९८ कोटी रुपये तरतूद उपलब्ध होती व ती सर्व खर्च करण्यात आली.

राज्यातील महापालिकांमध्ये मोठ्या प्रमाणावर संगणकीकरणाचे काम झालेले नाही. महापालिकांमध्ये आयुक्त पदी आय.ए.एस. अधिकारी असतात. त्यामुळे महापालिकांमध्ये संगणकीकरणाचे काम होणे गरजेचे होते. विभागाने या परिच्छेदाच्या बाबतीत जो खुलासा केला तो समितीला स्वीकारार्ह नाही.

महापालिकांना संगणकीकरणासाठी अनुदान उपलब्ध करुन दिलेले असतांना सुध्दा १० कोटी रुपयांपैकी ८ कोटी रुपये प्रत्यार्पित करण्यात आले. विभाग ही रक्कम संगणकीकरणाच्या कामावर खर्च करु शकला नाही.

केडीएमसीने एक सॉफ्टवेअर विकसित केले होते. त्यांचा जो सॉफ्टवेअर डेव्हलपर होता त्यांच्याकडून शासनाने सॉफ्टवेअर खरेदी केले होते. तो सॉफ्टवेअर डेव्हलपर सर्व नगरपालिका आणि महापालिकांमध्ये जे मनुष्यबळ पुरवित होते, त्याचा खर्च या बजेट हेडमधून होत होता. युएलबीमध्ये जेवढा खर्च होत असे त्याबाबत व्हेंडर त्या विषयी प्रस्ताव देत होते. केडीएमसीचा कन्सलटंट हा पीडब्ल्यूसी होता. मॅनपॉवर प्रोव्हायडरचा प्रस्ताव केडीएमसी आणि पीडब्ल्यूसी तपासात होते. त्यानंतर तो प्रस्ताव डीएमए कडून राज्य सरकारकडे येत होता. अशाप्रकारे ही लांबलचक कार्यपध्दती असल्यामुळे निधी खर्च झाला नसल्याचे सचिवांनी सांगितले.

प्रत्येक नगरपालिका वा महापालिकांना केडीएमसीचेच सॉफ्टवेअर वापरणे बंधनकारक व्हावे तसेच, केडीएमसी पॅटर्न हा सर्व नगरपालिका आणि महानगरपालिकांनी राबवावा या संदर्भात शासनाने २०१० मध्ये शासन निर्णय निर्गमित केला होता. तरी सुध्दा संगणकीकरणाचे काम पूर्ण होवू शकले नाही. निधी खर्च न होण्याचे मुख्य कारण म्हणजे शासनाकडे प्रस्ताव प्राप्त झाले नाहीत म्हणून निधी खर्च होऊ शकला नाही.

केडीएमसीचा प्रोग्राम महानगरपालिका आणि नगरपालिकांमध्ये सुरु होता. केवळ प्रस्ताव वेळेत आले नाहीत म्हणून निधी अखर्चित राहिला. हा निधी पुढील वर्षी खर्च झाला काय किंवा नाही या संदर्भातील माहिती सचिवांकडे उपलब्ध नव्हती. समितीस सादर करण्याचे आश्वासित करण्यात आले. परंतु अद्याप माहिती प्राप्त नाही.

विभागाकडे ५० टक्क्यांपेक्षा जास्त रक्कम शिल्लक राहिली आणि शेवटच्या क्षणी ती रक्कम समर्पित केली. महापालिकेतील सध्याची परिस्थिती समितीला कळवावी, असे समितीने सूचित केले असता सचिवानी सहमती दर्शवली.

२०१० चा शासन निर्णय सध्या अस्तित्वात आहे काय याबाबत सचिवांनी नमूद केले की, दोन महिन्यापूर्वी एचपीसीने नवीन एजन्सी नेमण्याचे टेंडर काढले होते. ते टेंडर अंतिम टप्प्यात असून नवीन एजन्सीची ज्यावेळी प्रत्यक्षात नेमणूक करण्यात येईल त्यावेळी उक्त एजन्सी आणि हा शासन निर्णय व्यपगत होईल. ही बाब ३१ मार्चपूर्वी पूर्ण होईल.

मागणी क्र.एफ-२, २०७० इतर प्रशासनिक सेवा, १०८ आगीपासून संरक्षण व नियंत्रण, १०८ (००) (०१) संचालन व प्रशासन शासनाचे अग्निशमन सल्लागार यांची आस्थापना या लेखाशीर्षांतर्गत विभागाला कमी निधी मिळाला काय ? याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, या लेखाशीर्षांतर्गत मूळ तरतूद ४९.२६ लाख रुपये होती. यातील २०.७४ लाख रुपये प्रत्यार्पित केले. विभागाकडे मूळ तरतूद २८.५२ लाख रुपये उपलब्ध होती व ती सर्व खर्च झाली. विभागाकडे मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद २८.५२ लाख रुपये उपलब्ध होती. या तरतुदीच्या अगेन्स्ट २८.७२ लाख रुपये खर्च झाले. याचाच अर्थ या अंतर्गत ०.२० लाख

रुपयांचा अधिक खर्च झाल्याचे दिसून येते. समितीने विचारणा केली की, मूळ तरतूद ४९.२६ लाख रुपये होती. मूळ तरतुदीच्या ८० टक्के प्रमाणे विभागाला ४० लाख रुपये निधी मिळणे अपेक्षित होते. विभागाला निधी कमी का मिळाला ? मूळ तरतुदीच्या अगेन्स्ट विभागाला २८.५२ लाख रुपये निधी प्राप्त झाला. यावरुन असे दिसून येते की, वित्त विभागाकडून मूळ तरतुदीच्या ८० टक्के नव्हे तर ४० टक्के कट लावण्यात आला आहे.

२०७० इतर प्रशासकीय सेवा १०८ आगीपासून संरक्षण व नियंत्रण १०८ (००) (०३) प्रशिक्षण शासनाच्या अग्निशमन सल्लागारांच्या प्रशिक्षणार्थीवरील प्रशिक्षण विषयक आस्थापना खर्च या लेखाशीर्षांतर्गत सुध्दा ८३.४६ लाख रुपये मूळ तरतुदीच्या अगेन्स्ट ५५.२३ लाख रुपये मिळाले. विभागाला मुळात निधी कमी मिळाला की मिळालेला निधी विभागाने प्रत्यार्पित केला ? याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, संचालन व प्रशासन शासनाचे अग्निशमन सल्लागार याची आस्थापनामध्ये विभागाला मुळात निधीच कमी प्राप्त झाला. विभागाने यामध्ये कट लावल्याचा मुद्दाच नमूद केला नाही. समितीच्या मते विभागाला पूर्ण निधी मिळाला होता, परंतु तो खर्च होऊ शकत नाही म्हणून विभागाने बहुतांश रक्कम प्रत्यार्पित केली. तसेच प्रशिक्षण शासनाच्या अग्निशमन सल्लागारांच्या प्रशिक्षणार्थीवरील प्रशिक्षण विषयक आस्थापना खर्च या लेखाशीर्षांतर्गतसुध्दा तसेच घडल्याचे दिसते. यामध्ये मोठ्या प्रमाणावर रकमा प्रत्यार्पित केल्याचे दिसते.

४९ लक्ष रुपये विभागाच्या मूळ अर्थसंकल्पीय तरतुदीतून ४० लक्ष रुपये निधी मिळणे अपेक्षित असताना विभागाला कमी निधी मिळाला. सदरहू प्रकरणी विभागाची उदासीनता दिसून येते. कारण उपलब्ध कागदपत्रावरुन तीच परिस्थिती दिसून येत आहे. विभागाच्या ४९ लक्ष रुपये मूळ तरतुदीपैकी २८ लक्ष रुपये निधी प्राप्त झाला, याचा अर्थ विभागाच्या निधीस ४० टक्के कट लावण्यात आला आहे.

प्रशिक्षण शासनाच्या अग्निशमन सल्लागारांच्या प्रशिक्षणार्थीवरील प्रशिक्षण विषयक आस्थापना खर्च या लेखाशीर्षाखाली मूळ तरतूद ८३ लक्ष ४६ हजार रुपये असून त्यापैकी ५५ लक्ष २३ हजार रुपये निधी प्राप्त झाला. उपलब्ध कागदपत्रावरुन नगरविकास विभागाने निधी समर्पित केल्याचे दिसून येत आहे. नगर विकास विभागाने समितीला वित्त विभागाकडून लावलेल्या कट संदर्भात माहिती दिली नाही. विभागाला मूळ तरतुदीतील सर्व निधी प्राप्त झाला व त्यापैकी काही निधी विभागाने प्रत्यार्पित केला. नगरविकास विभागाच्या निधीस वित्त विभागाकडून कट लावण्यात आला नव्हता व विभागाने मोठ्या प्रमाणात निधी प्रत्यार्पित केला आहे.

उपरोक्त दोन्ही लेखाशीर्षाखालील मूळ तरतुदीनुसार नगरविकास विभागाकडून २५ व ४० टक्के निधी समर्पित करण्यात आला आहे. विभागाकडे उपलब्ध असलेल्या कागदपत्रानुसार खर्च झाल्याचे दिसून येत आहे. संचालन व प्रशासन शासनाचे अग्निशमन सल्लागार याची आस्थापना लेखाशीर्षाखालील विभागास प्राप्त तरतुदीतून विभागाने २८.७२ लक्ष रुपये खर्च केला व २०.७४ लाख रुपये रक्कम समर्पित केली आहे. मोठ्या प्रमाणात रक्कम प्रत्यार्पित केल्यामुळे २० हजार रुपये अधिक खर्च झाला आहे. तसेच, प्रशिक्षण शासनाच्या अग्निशमन सल्लागारांच्या प्रशिक्षणार्थीवरील प्रशिक्षण विषयक आस्थापना खर्च या लेखाशीर्षाखाली विभागास प्राप्त निधीपैकी २८.२३ लाख रुपये रक्कम प्रत्यार्पित केली आहे. सदरहू दोन्ही लेखाशीर्षाखाली विभागाने अंदाजे ५० लाख रुपये निधी प्रत्यार्पित केला असून प्राप्त निधी खर्च करण्यासंदर्भात विभागाची उदासिनता दिसून येत आहे.

**अनुक्रमांक-२५**

मागणी क्र. एफ-२, २२१७ नगरविकास, ८० सर्वसाधारण, ००१ संचालन व प्रशासन, ००१ (००) (०२) संचालक, नगर रचना (योजनेत्तर) सदरहू मुद्दा संचालक, नगर रचना यांच्या आस्थापनेशी संबंधित आहे. या कार्यालयात गट अ, गट ब व गट क मधील काही राजपत्रित व काही अराजपत्रित अधिका-यांची पदे रिक्त राहिल्यामुळे ६१.८१ लाख रुपयांची बचत झाली व ही रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. अंतिम तरतूद ५४०.४८ लाख रुपये उपलब्ध होती व ती संपूर्ण तरतूद खर्च करण्यात आली. नगर रचना कार्यालयातील पदे महत्त्वाची असून सदरहू पदे रिक्त राहणे हे नगर विकास विभागाच्या दृष्टीने योग्य नाही. ही पदे प्राधान्याने भरण्यासंदर्भात सामान्य प्रशासन विभागाने कार्यवाही केल्यास नगरविकास विभागाला निश्चितच फायदा होईल. ही पदे भरण्यासाठी सामान्य प्रशासन विभागाला सूचना देण्यात येतील. समितीने शिफारस केल्यास सामान्य प्रशासन विभागाने पद भरतीवर जे निर्बंध लावलेले आहेत ते कमी केले जातील.

सध्या पद भरतीवर जे निर्बंध आहेत ते म्हणजे रिक्त पदांच्या टक्केवारीच्या प्रमाणात भरण्यात येतात. त्यामुळे पुरेशा प्रमाणात पदे भरता येत नाहीत.

पदे भरलेली नसल्यामुळे मूळ तरतूद शिल्लक असतानाही विभागाने पुरवणी मागणी घेण्याचे कारण समितीने विचारले असता सदर विषयाच्या नस्तीमध्ये कारण नमूद नसल्याचे सचिवांनी सांगितले. परंतु ज्या कामासाठी पुरवणी मागणी घेण्यात आली होती, त्या रकमेचा वापर होणार नसल्याने ती रक्कम सरेंडर करण्यात आली.

विभागाने पुरवणी मागणी केलेल्या रकमेपेक्षा जास्त रक्कम सरेंडर केली आहे. विभागाने ५१ लाख रुपयांची पुरवणी मागणी घेतली आणि ६१ लाख रुपये प्रत्यार्पित केले असल्याने ही विभागाची चूक सचिवांनी मान्य केली.

राज्याच्या वार्षिक बजेटमध्ये निधीचे नियोजन केले जाते. जर यामध्ये बचत झाली तर ती रक्कम सरेंडर केली जाते. समितीची अपेक्षा आहे की, एखाद्या बाबीसाठी पुरवणी मागणी करताना विभागाने अधिक दक्ष असावयास पाहिजे. रिक्त पदे भरण्यासाठी समितीने शिफारस करणे गरजेचे आहे. तसेच संचालक, नगररचना कार्यालयामध्ये जी महत्त्वाची पदे रिक्त आहेत त्याची यादी समितीकडे सादर करावी, जेणेकरुन त्या बाबतची आकडेवारी अहवालामध्ये समाविष्ट करणे समितीस सुकर होईल.

रिन्यूएशन किंवा इन्फ्रास्ट्रक्चरवरील खर्च हा आस्थापना या लेखाशीर्षातून खर्च करता येत नाही. अशा प्रकारचा खर्च करण्यासाठी पुरवणी मागणी करावी लागते. परंतु एकत्रित रक्कम दर्शविल्यामुळे ब-याच वेळा असे चित्र निर्माण होते की, मूळ तरतूद खर्च झालेली नसताना सुध्दा पुरवणी मागणी करण्यात येते. पुरवणी मागणी ही दुस-या बाबीसाठी मागितलेली असते आणि ती खर्च सुध्दा झालेली असते. परंतु समर्पित केलेली रक्कम ही मूळ तरतुदीतील असते. ब-याच वेळा हा विषय समितीसमोर चर्चेला आला होता. त्यावेळी वित्त विभागाचे सचिव आणि ए.जी. यांनी निदर्शनास आणून दिले होते की, विभागाने मूळ तरतूद आणि पुरवणी मागणी ज्या कामांवर खर्च केली त्याचे बायफरकेशन करुन द्यावे. अशा प्रकारे बायफरकेशन करुन दिल्यास पूरक मागणी खर्च केल्याचे निदर्शनास येईल. अनेकदा पुरवणी मागणीची रक्कम दुस-या कारणांसाठी वापरली जाते व ती खर्चही केली जाते आणि समर्पित केलेली रक्कम ही मूळ तरतुदीतील असते.

पदे रिक्त असताना त्याकरिता आर्थिक तरतुदीची मागणी का करण्यात येते, असा मुद्दा उपस्थित केला होता. याबाबत सांगण्यात आले होते की, रिक्त पदे भरण्यात येतील या अपेक्षेने आर्थिक तरतुदीची मागणी करण्यात येते. अनेक वेळा पद भरतीसाठी दोन ते चार वर्षांचा कालावधी लागतो. त्यामुळे वित्त विभागाने सुचविले होते की, ज्या आर्थिक वर्षामध्ये पदे भरण्यात येणार आहेत त्यावर्षीच्या आर्थिक तरतुदीची मागणी केली तर निधी समर्पित करण्याची वेळ विभागावर येणार नाही.

सदरहू पूरक मागणी विभागाने वेतनासाठी अथवा रिन्युएशनसाठी केली होती काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता सदरहू नस्ती न मिळाल्याने कोणत्या कारणास्तव निधीची मागणी करण्यात आली होती याचे कारण सांगितले नाही. परंतु सदरहू माहिती समितीला सादर करण्याचे सचिवांनी समितीला आश्वस्त केले.

रिक्त पदे भरल्यानंतर त्या पदाच्या वेतनासाठी पुरवणी मागणी करण्याचे प्रयोजन केले पाहिजे व ती मंजूर झाल्यानंतर संबंधित उमेदवारांना रुजू होण्याकरिता सांगावे. वित्त विभागाकडून वेतनासाठी निधी देण्यात येतो परंतु अनेक वेळा रिक्त पदे न भरल्याने तो निधी खर्च न झाल्याने समर्पित करावा लागतो.

पुरवणी मागणी मंजूर झाली नाही तर वेतन देणे, विभागास रिक्त पदे भरल्यानंतर शक्य होणार नाही असे सचिवांनी सांगितले. परंतु विभागाची पुरवणी मागणी मंजूर झाली नाही, असे होत नाही. त्यावर सचिवांनी खुलासा केला की, वित्त विभागाकडून अगोदर पुरवणी मागणी सादर करण्याबाबत मंजुरी घ्यावी लागते.

पदे भरल्यानंतर वेतनसाठी तरतूद करावी, अशी तरतूद वित्त विभागाने करावी अशी सूचना समितीने केली. त्यास वित्त सचिवांनी सहमती दर्शविली व त्याबाबत असे मत व्यक्त केली की, भरती प्रक्रिया सुरु होण्यापूर्वीच संबंधित पदाच्या वेतनाकरिता तरतूद करु नये. परंतु विभागाचे म्हणणे आहे की, वेतनासाठी अगोदर तरतूद केली तरच पद भरती करण्यात येईल. यावर समितीने सुचीत केले आहे की, वित्त विभागाने पद भरतीसाठी मान्यता दिल्यानंतर विभागाने पदे भरावीत. त्यानंतर लगतच्या अधिवेशनामध्ये दीड-दोन महिन्यांच्या वेतनाची तरतूद करावी तशी शिफारस समितीमार्फत करण्यात यावी.

मागणी क्र.एफ-२ २२१७-नगर विकास, ८०-सर्वसाधारण, ००१-संचालन व प्रशासन, ००१(००)(०६) प्रादेशिक योजना तयार करणे, तसेच २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, ००१ संचालन व प्रशासन, ००१ (००) (०७) महानगर क्षेत्र व इतर शहरे-नगरे यातील वाहतूक सर्वेक्षण योजना याअंतर्गत किती प्रादेशिक योजना वेळेवर करण्यात येतात व किती योजना स्टाफ

नसल्यामुळे वेळेवर होत नाहीत, अशी विचारणा समितीने केली असता सचिवानी खुलासा केली की, राज्यातील १८ जिल्हे तसेच मुंबई शहर व उपनगर यांच्या सह एकूण २० जिल्ह्यांची प्रादेशिक योजना तयार करण्यात आली नाही. उर्वरित १८ जिल्ह्यांची प्रादेशिक योजना तयार करण्यासाठी महत्त्वाकांक्षी सुरुवात केली आहे. त्यापैकी ठाणे व पालघर जिल्हा वगळता उर्वरित सर्व जिल्ह्यांचे प्रादेशिक योजनेचे ड्राफ्ट पब्लिश करण्यात आले आहेत. सन २०१८ या वर्षाच्या १५ ऑगस्टपर्यंत राज्यातील सर्व जिल्ह्यांची प्रादेशिक योजना तयार करण्यात येतील. विभागामध्ये रिक्त पदांची संख्या अधिक प्रमाणात असल्यामुळे सदरहू योजनेकरिता वेगळा स्टाफ देण्याची मागणी करण्यात आली होती परंतु त्या मागणीच्या नस्तीस मंजुरी देण्यात आली नाही. त्यामुळे एमआरसॅकच्या मदतीने सदरहू योजनेचे काम हाती घेण्यात आले आहे.

नगर विकास विभागाने प्रादेशिक योजनेचे काम ज्याप्रमाणे हाती घेतले आहे त्याप्रमाणे डी.पी.प्लॅनचे काम हाती घ्यावे कारण ५-१० वर्षांचा कालावधी पूर्ण होवूनही डी.पी.प्लॅन तयार होत नाही. राज्यात २५० नगरपालिका व महानगरपालिका आहेत. त्यापैकी ८२ नगरपालिका व महानगरपालिकेचे डी.पी.प्लॅन रिव्हिजनला आले आहेत ते पूर्ण होवू शकले नाही. मागील दीड वर्षांच्या कालावधीत जवळपास ९० डी.पी.प्लॅन मंजूर केले असून अजून ८० डी.पी.प्लॅन तयार करावयाचे आहेत. मागील वर्षी ११० नगरपंचायतींना मंजुरी देण्यात आली असून त्यांचेदेखील डी.पी.प्लॅन तयार करावयाचे आहेत. त्यासंदर्भात वेगळा आराखडा तयार करण्यात येणार आहे. त्यावर समितीने अशी विचारणा केली की, नगरपंचायतींचा डी.पी.प्लॅन तयार होणे कधीपर्यंत अपेक्षित आहे ? याबाबत सचिवानी खुलासा केला की, आराखडा तयार करण्याचे काम सुरु असून त्यामधून अंदाज आल्यानंतर समितीस कळविण्यात येईल.

नगरपंचायतींच्या डी.पी.प्लॅन कोण तयार करणार आहे ? विभागाकडे रिक्त पदांची संख्या ५० टक्के असल्यामुळे टी.पी.ओ.नेमून काम करण्यात येणार आहे. सदरहू कामे कंत्राटी कर्मचा-यांकडून करता येणे शक्य नाही कारण खाजगी संस्थेकडून यापूर्वी पुणे व मुंबई येथील प्लॅन तयार करुन घेण्यात आले होते त्यांचा विभागाला फारसा चांगला अनुभव नाही. त्यामुळे टी.पी.ओ. नेमून कामे करण्यात येणार आहे. त्यासंदर्भात नियोजन करण्यात येत आहे. प्रादेशिक योजना तयार करीत असताना फायनान्सेस तयार करुन एमआरसॅकच्या मदतीने ती पब्लिश करण्यात आली.

सदरहू योजनेकरीता फायनान्स उपलब्ध करुन घेतला व तो शासनाने दिला. ११० व ८० डी.पी.प्लॅन तयार करण्यासाठी वेगळी यंत्रणा तयार करावी लागणार आहे व त्यासंदर्भातील नियोजन एक महिन्याच्या कालावधीत पूर्ण होईल. नगरपंचायतीचा डी.पी.प्लॅन वेळेवर तयार केला नाही तर त्याचे आऊटपुट राहणार नाही. त्यामुळे सदरहू बाब विभागाने प्राधान्यक्रमावर घेतली आहे. तसेच, एक वर्षाच्या कालावधीत राज्यात प्लॅन नाही असा एकही भाग राहणार नाही, अशी घोषणा नगरविकास मंत्री महोदयांनी सभागृहात केली आहे.

रिजनल प्लॅनमध्ये शासनाने गुंठेवारीची पध्दत ठेवली आहे. एका बाजूला प्रादेशिक योजना तयार करावयाची व दुस-या बाजूला सिस्टम संपवायची, असे विभाग करत असल्याचे समितीने सांगितले.

गुंठेवारीच्या संदर्भात २००१ मध्ये मर्यादा निश्चित करण्यात आली आहे ती वाढविलेली नसून वाढविण्याची बाब विचाराधीन नाही.

गुंठेवारी केव्हा व कशी करावी, यासंदर्भात विभागाने सर्क्युलर काढावे. राज्यात सरसकट गुंठेवारी सुरु आहे. एका बाजूला डी.पी. व आर.पी. तयार करण्यात येत आहे व दुस-या बाजूला गुंठेवारी करण्यात येत आहे. त्यामुळे डी.पी. व आर.पी. तयार करण्यास कोणताही अर्थ राहत नाही. त्यामुळे राज्यात अनधिकृत बांधकामांवर कारवाई करण्यात येत नाही, ही बाब सर्वाधिक महत्त्वाची आहे. रोडच्या संदर्भात काही बाबी ठरविण्यात आलेल्या असताना डी.पी.प्लॅनमध्ये त्यापेक्षा वाईडर रोडचा आग्रह धरण्यात येतो. त्यामुळे जनतेस त्रास होतो. ही वस्तुस्थिती विभागाने मान्य केली. परंतु गुंठेवारीमध्ये बांधकाम नियमित होते व रिडेव्हलपमेन्टच्या वेळी रस्ता रुंद होतो त्यामुळे फार नुकसान होत नाही असे सचिवांनी सांगितले.

गुंठेवारीची बाब विभागाने गांभीर्याने घ्यावी, अन्यथा डी.पी. व आर.पी.ला काही अर्थ राहणार नाही. सन २००१ ची मुदत असल्याने नवीन गुंठेवारी होत नाही. शासनाकडून सर्वत्र पारदर्शकता ठेवण्यात येत असून त्याप्रमाणे डी.पी. व आर.पी.संदर्भात सर्वांच्या सजेशन्स घ्याव्या व त्या सर्वांना माहिती असाव्यात. याबाबततसचिवांनी खुलासा केली की, विभागाची वाटचाल त्याप्रमाणेच सुरु आहे. ११० व ८० चा बॅकलॉग संपल्यानंतर त्यानंतरचे जे विकास आराखडे तयार करण्यात येणार आहेत ते पार्टीसिपेटीव्ह प्लॅनींग या पध्दतीने तयार करण्यात येतील. तसेच, संगणकावर डी.पी. व आर.पी.प्लॅन दर्शवून ज्या ठिकाणी आरक्षण टाकण्यासाठी मेजॉरिटी प्राप्त होईल त्या ठिकाणी आरक्षण टाकण्यात यावे. परंतु पार्टीसिपेटीव्ह प्लॅनिंगमध्ये मेजॉरिटी हा विषय घेता येणार नसल्याचे सचिवांनी सांगितले.

मागणी क्र.एफ-२, २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९२ नगर परिषदांना सहाय्य, १९२ (००) (०७) पहिल्या वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार राज्यातील थंड हवेचे ठिकाण असलेल्या नगरपालिकांना विशेष पर्यटन अनुदाने या लेखाशिर्षांतर्गत प्राप्त रक्कम विभागाने प्रत्यार्पित केली असून वित्त विभागाने निधी दिला नाही. मूळ अर्थसंकल्पीय तरतुदीची रक्कम वितरीत करण्यासाठी वित्त विभागाने नकार देण्याची कारणे सांगताना सचिवांनी नमूद केले की, वित्त विभागास वेळेवर युटिलायझेशन सर्टिफिकेट सादर केले नव्हते. सदरहु लेखाशिर्षांतर्गत नगर विकास विभागाने प्रस्ताव वेळेवर सादर केले नसल्याने वित्त विभागाने निधी नाकारला आहे. सदरहु लेखाशिर्षांतर्गत केवळ ६ गिरीस्थानांचा विकास करण्यात येतो. परंतु वित्त विभागाने सदरहु लेखाशिर्षांतर्गत तरतूद वितरीत केली नाही म्हणून विकास झाला नाही. यावर समितीने विचारणा केली की, विभागाने निधीची मागणी केली होती का, ती केव्हा केली होती, वित्त विभागाने त्याबाबत कोणत्या त्रुटी काढल्या ? याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, सदरहू आर्थिक वर्षा अगोदरच्या वर्षाच्या निधीचे युटिलायझेशन सर्टिफिकेट सादर करावे ते वेळेत सादर झाले नाहीत. त्यामुळे सदरहु रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली.

सदरहू प्रकरणी वित्त विभागास सादर केलेल्या नस्तीची प्रत समितीस सादर करावी, असे समितीने सुचित केले असता सचिवांनी सहमती दर्शवली.

वित्त विभागाकडून निधी वितरणास कट लावण्यात येतो. परंतु सदरहु कटची रक्कम वगळता उर्वरित निधी विभागाला मिळत नाही, जर विभागाने योग्य कागदपत्रे सादर केली तर वित्त विभाग निधी नाकारु शकत नाही. युटिलायझेशन सर्टिफिकेट सादर केले नाही, ही नगर विकास विभागाची चूक आहे. मागील आर्थिक वर्षामधील कामांसाठी निधी खर्च केल्याचे युटिलायझेशन सर्टिफिकेट मागण्याचा अधिकार वित्त विभागाला आहे. कट लावलेली रक्कम वगळून ऊर्वरित मूळ आर्थिक तरतूदीची रक्कम वित्त विभागाला द्यावीच लागते. नगर विकास विभागास सदरहु आर्थिक वर्षाच्या अगोदर ६ कोटी मुळ आर्थिक तरतूद प्राप्त झाली होती, त्याचे युटिलायझेशन सर्टिफिकेट वित्त विभागाला सादर करण्यात आले नाही.

युटिलायझेशन सर्टिफिकेट सादर न करण्यास जे जबाबदार आहेत त्यांचे डिटेल्स समितीला सादर करण्यात यावे. विभागाने मागील आर्थिक वर्षाचे १ कोटीचे उपयोगिता प्रमाणपत्र न दिल्यामुळे त्यांनी पुढील आर्थिक वर्षात ६ कोटीचे नुकसान केले आहे.

मागणी क्र.एफ-२, २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९१ महानगरपालिकांना सहाय्य, १९१ (००) (६४) हद्दवाढ झालेल्या महानगरपालिकांना नव्याने समाविष्ट क्षेत्रात नागरी सुविधा पुरविण्यासाठी महानगरपालिकांना सहाय्य या लेखाशिर्षांतर्गत करण्यात आलेल्या मूळ अर्थसंकल्पीय तरतुदीची सर्व रक्कम वित्त विभागाने वितरीत केली नाही, असा विभागाने अभिप्राय दिला आहे. याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, या लेखाशिर्षांतर्गत ५ कोटी रुपयांपैकी ४ कोटी रुपये वितरीत करण्यात आले परंतु ते खर्च झाले नसल्याने हे विभागाचे फेल्युअर आहे. कारण मनपा हद्दवाढीचे प्रस्ताव विभागास प्राप्त झाले नव्हते. विभागाला हद्दवाढीचे प्रस्ताव सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात प्राप्त झाले नव्हते. निकषानुसार हद्दवाढ झालेल्या ज्या मनपांना हद्दवाढीसाठी निधी देण्यात येतो ती माहिती सचिवांकडे उपलब्ध नव्हती. हद्दवाढ झालेल्या महानगरपालिकांना नागरी सुविधा पुरवण्यासाठी निधी वितरीत करण्यात आलेला नसल्याने त्यावेळी कोणती परिस्थिती होती, निधी वितरीत न करण्यास कोण जबाबदार आहे, हद्दवाढीचे प्रस्ताव प्राप्त झाले होते काय ? महानगरपालिकांची हद्दवाढ झालेली नसेल तर सदरहु प्रत्यार्पित रक्कम योग्य आहे ?

विभागाला ४ कोटी रुपये रक्कम वितरीत करण्यात आली होती ते खर्च करण्यात आले नाही त्यामुळे ते प्रत्यार्पित करावे लागले. सदरहू निधी रिअप्रोप्रिएशन करुन घेतला असता तर इतर बाबींसाठी तो खर्च करता येणे शक्य झाले असते. सदरहु प्रकरणी विभागाने कार्यवाही करून घ्यावी असे समितीने सूचीत केले असता सचिवानी त्यास मान्यता दिली.

मागणी क्र.एफ-२ २२१७ नगर विकास, ८० सर्वसाधारण, १९१ महानगरपालिकांना सहाय्य, १९१ (००) (०९) महानगरपालिकेच्या क्षेत्रात पायाभुत सुखसोईच्या विकासासाठी विशेष तरतूद या लेखाशिर्षाखाली मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद ३० कोटी रुपये होती व विभागाने पुनर्विनियोजनाद्वारे ९४ कोटी रुपये उपलब्ध करुन घेतली व प्राप्त एकूण १२४ कोटी रुपये पूर्ण खर्च करण्यात आला, असे विभागाने अभिप्राय दिले आहेत. विभागाने ३ टक्के ओरिजनल प्रोव्हिजन पुनर्विनियोजनाद्वारे केली आहे. या प्रकरणी समितीस माहिती द्यावी. याबाबत सचिवानी खुलासा केला की, या लेखाशिर्षांतर्गत मूळ अर्थसंकल्पीय तरतूद ३० कोटी रुपये होती व त्यापैकी २४ कोटी रुपयांची मान्यता दिली. तसेच, विभागाने १०० कोटी रुपयांची पुरवणी मागणी मान्य करुन घेतली आहे.

याबाबत महालेखाकारांनी मत व्यक्त केले की, The departments reply was at that time is that "additional funds of Rs. 91 cr was obtained through reappropriation and the entire amount has been expended.".

नगरोत्थान लेखाशिर्षाअंतर्गत विभागास १०० कोटी रुपये निधी मनपा पायाभूत विकासासाठी पुनर्विनियोजित केला. सदर १०० कोटी रुपये व वित्त विभागाने वितरीत केलेला २४ कोटी रुपये निधी प्राप्त झाला होता. सदरील १२४ कोटी रुपये निधी खर्च करण्यात आला आहे. यावर महालेखाकारांनी मत व्यक्त केले की, Remark over here is that, you have reappropriated thrice the original budget provision. Whereas you should have at least taken a token supplementary provision. We normally donut reappropriate this much amount.

वित्त विभागाने मान्यता दिली तर विभाग पुनर्विनियाजन करतो. विविध योजनांसाठीचे नगरविकास विभागाचे २२१७ हे लेखाशिर्ष आहे. एका लेखाशिर्षाखालील एका योजनेतून दुस-या योजनेसाठी विभागाला निधी वळती करावयाचा असेल तर वित्त विभागाकडून आक्षेप घेण्यात येत नाही. यावर महालेखाकारांनी मत व्यक्त केले की, If the Finance Department is agree with this then we won't make such remarks again. I would request the Finance Department to say that what we have done is correct.? त्यावर नस्ती पाहिल्यानंतर ते समजू शकेल, असे मत सचिवांनी व्यक्त केले.

विभागाने २२१७ लेखाशिर्षाखालील निधी त्याच लेखाशिर्षाखालील योजनेकरिता पुनर्विनियोजित केला आहे. महालेखाकारांचे म्हणणे आहे की, इतक्या मोठ्या प्रमाणात दुस-या लेखाशिर्षाखाली निधी पुनर्विनियोजित करणे योग्य नसून त्याकरिता अर्थसंकल्पीय तरतूद केली पाहिजे. विभागाचे म्हणणे आहे की, ते वित्त विभागाची परवानगी घेऊनच केलेले आहे आणि हेड एकच आहे. जेव्हा आपण पैसे मोठ्या प्रमाणावर वळते करता तेव्हा ते पैसे वळते करण्याची प्रक्रिया विधिमंडळाच्या नजरेस आणणे आवश्यक आहे.

कारण एकच आहे की, खर्च करणे हा एक उद्देश झाला परंतु विधिमंडळाला सांगण्यात येते की, अनेक योजनांकरिता विभागाकडून अशा अशा प्रकारची तरतूद केलेली आहे. त्यात काही हद्दवाढीसाठी, दलीत वस्तीसाठी पैसे ठेवले आणि त्यातील पैसे उचलून दुसरीकडे टाकणे हे योग्य नसल्याचे मत समितीने व्यक्त केले.

त्यावर सचिवांनी खुलासा केला की, विभागामध्ये जे पुर्ननियोजन होते ते सुधारित अंदाज म्हणून विधानमंडळास सादर केले जाते. याबाबत महालेखाकारांनी मत व्यक्त केले की, ही सप्लीमेंटरी ग्रांट विधिमंडळाला सादर करण्यात येते. याबाबत समितीने सांगितले की, ही सप्लीमेंटरी नाही तर रिॲप्रोप्रिएशन सादर केले जाते.

एका हेडखाली जे सबहेड्स आहेत त्यात विभागाने इंटरनली ॲडजस्ट केलेले आहे. ते विधिमंडळाला सुधारित अंदाज म्हणून सादर केले जाते. सुधारित अंदाज म्हणून सादर होत असले तरी त्याची माहिती घेवून कार्यवाही करण्यात येईल.

मागणी क्र. एफ-३, २२३० कामगार व सेवायोजन ०२ सेवायोजन सेवा, १०१ सेवा, १०१ (०२) (०१) सुवर्ण जयंती शहरी तसेच १०१ सेवायोजन सेवा, १०१ (०२) (०३) सुवर्ण जयंती रोजगार योजनेअंतर्गत अनुसूचित जातीच्या लाभार्थींना अनुदान हे लेखाशिर्ष असून यामधील सुवर्ण जयंती शहरी योजनांतर्गत ४० कोटी रुपयांची मूळ तरतूद होती व आपण १९ कोटी ६४ लक्ष २० हजार रुपये सरेंडर केले आहेत, याबाबत समितीस सांगताना सचिवांनी नमूद केले की, ४० कोटी पैकी ७ कोटी रुपयांची कपात वित्त विभागाच्या स्तरावर झाली म्हणजे एकूण ४० कोटी रुपयांची तरतूद होती त्यापैकी ३२.७२ एवढी रक्कम खर्च करण्याची परवानगी वित्त विभागाने दिली. त्यामुळे ७.२८ इतक्या रक्कमेचा कट वित्त विभागाच्या लेव्हलवर लागला. मिळालेल्या ३२.७२ एवढ्या रक्कमेपैकी विभागाने २० कोटी ३४ लाख ९७ हजार एवढी रक्कम खर्च केली आणि १२ कोटी ३६ लाख ३ हजार रुपये शिल्लक राहिले कारण प्रस्ताव प्राप्त झाले नाहीत. सुवर्ण जयंती शहरी विकास योजनेमध्ये खूप मागणी असते. त्याकरिता पैसे नेहमी कमी पडतात. यामध्ये समितीला अवेअरनेस दिसून येतो खरेतर योजनांमध्ये सहभाग घेतला पाहिजे, प्रस्ताव पाठविले पाहिजे. विभाग अवेअरनेसमध्ये कमी पडत असल्याचे समितीचे मत आहे.

२२३० कामगार व सेवायोजन, ०२ सेवायोजन सेवा, १०१ सेवायोजन सेवा, १०१ (०२) (०३) सुवर्ण जयंती रोजगार योजनेअंतर्गत अनुसूचित जातीच्या लाभार्थींना अनुदान याअंतर्गत विभागास लाभार्थीच मिळत नसल्याचे समितीस सांगण्यात आले असून, ही बाब गंभीर आहे. सुवर्ण जयंती शहरी योजनेकडे विभागाचे दुर्लक्ष झाले आहे असे समितीचे मत आहे. सन २०१३-२०१४ मध्ये तत्कालीन अधिकारी/कर्मचारी यांनी दुर्लक्ष केले आहे, सचिव त्यांना संरक्षण देण्याचा प्रयत्न करतात विभागास प्रस्ताव आले नाहीत ही वस्तुस्थिती सचिवांनी मान्य केली. त्यामुळे अनुसूचित जातीच्या लाभार्थ्यांना या योजनेचा लाभ देता आला नाही. ही अत्यंत महत्त्वपूर्ण अशी योजना आहे. पूर्ण प्राधान्याने ही योजना राबविणे अपेक्षित आहे. त्या वर्षी प्रस्ताव का आले नाहीत, याबाबतची अधिक माहिती घेऊन समितीला सादर करावी. समितीला याबाबतची माहिती १५ दिवसांच्या आत देण्याचे सचिवांनी मान्य केले. तथापि, माहिती अप्राप्त आहे.

मागणी क्र.एफ-३, सेक्रेटरीएट-सामाजिक सेवा, ०९०-सेक्रेटरिएट, ०९० (००) (०१) नगर विकास विभाग सदरहु लेखाशिर्षाखाली विभागाने १८१ लाख रुपये इतक्या रकमेची मागणी केली असून त्यानंतर विभागाने २११.९५ लक्ष रुपये रक्कम समर्पित केली आहे, सदरहु बाब आक्षेपार्ह असल्याचे समितीने सांगितले असता सदरहू प्रकरणी समितीस लेखी कळविण्यात येईल, असे सचिवानी सांगितले. सदरहु बाब गंभीर असून विभागाने पुरवणी मागणी करण्याचे कारण समितीला लेखी कळविण्याचे अश्वासित करण्यात आले. तसेच, सदरहु बाब समितीला कारवाईसह व कारणासह सादर करावीत, असे सूचित करण्यात आले.

अनावश्यक पुरवणी मागणी केली आहे, ही वस्तुस्थिती विभागाने मान्य केली आहे. मुळ तरतुदीतील रक्कम समर्पित करण्याबाबत समितीचा आक्षेप नाही. परंतु विभागाने पुरवणी मागणी सादर केली व नंतर रक्कम समर्पित केली, याबाबत समितीचा आक्षेप आहे. बजेट प्रोव्हीजन न पाहता ज्यांनी पुरवणी मागणीची नस्ती सादर केली त्यांच्या आक्षेपार्ह भूमिकेमुळे त्यांच्यावर ॲक्शन घेतली पाहिजे. तसेच सदरहु प्रकरणी कारवाई करुन समितीस कळविण्याचे आदेश देण्यात आले.

शासकीय निधी हा नगरपालिकेच्या बजेटमध्ये दाखविला जातो. कारण बजेट मध्ये दाखविल्याशिवाय त्यांना खर्च करता येत नाही. शासनाकडून १०० कोटी रुपयांचा निधी दिल्यानंतर त्यामध्ये नगरपालिकेचा १५ टक्के फंड असतो. १५ कोटी रुपयांची तरतूदच बजेटमध्ये करता येते. तरतूद मिळणार असे गृहित धरुन ती दाखविली जाते असे असले तरी बजेट तयार करीत असताना जी सिस्टिम असते त्या बाबत एजींकडून विभागाने माहिती घेऊन पुढील कार्यवाही करावी. समितीचे मत आहे की, जेवढा त्यांचा हिस्सा आहे, तेवढाच त्यांनी दाखवायलाच हवा. यावर सचिवानी नमूद केलेली राज्य शासन आणि केंद्र शासनाकडून मिळणारा निधी हा बजेटमध्ये अंतर्भूत करावा लागणार आहे. तो रिसिप्ट आणि एक्सपेंडीचर अशा दोन्ही साईटला दाखवावा लागणार आहे. याबाबत समितीने असे सांगितले की, महालेखाकार कार्यालयातील अधिका-यांसमवेत बसून बजेट कसे तयार केले पाहिजे यासंदर्भात एक फॉर्मेट तयार करण्याची गरज आहे. त्यानंतर ते कशा प्रकारे मांडून मंजूर करुन घेतले पाहिजे यासंदर्भात महालेखाकार कार्यालयातील काही अधिका-यांसमवेत बसून माहिती घेण्याची आवश्यकता आहे. त्यावर समितीने माहिती दिली की, बजेट म्हणजे सभागृहाने एखाद्या खर्चासाठी दिलेली मान्यता असते. यामध्ये एकत्रित निधीला मान्यता दिली जाते. विभागाने या वर्षी अमुक रक्कम बजेटमध्ये धरण्यासाठी इंडिकेशन केले पाहिजे. याबाबत सचिवांनी नमूद केले की, महानगरपालिकेच्या अनुदानामध्ये वेगळा पार्ट असतो. ए, बी आणि सी असे मिळून तीन पार्टमध्ये बजेट तयार होते. नगरपालिकेला शासनाकडून जे अनुदान दिले जाते ते त्यांनी त्यांच्या बजेटमध्ये दाखविणे अभिप्रेत नाही. जो पर्यंत ते अनुदान मिळत नाही तोपर्यंत त्यांना कल्पना नसते की, ते किती आहे. नगरोत्थान योजना मंजूर आहे. या योजनेस राज्य शासनाचा ९० टक्के हिस्सा असतो तर १० टक्के नगरपालिकांचा हिस्सा असतो. त्यामुळे त्यांनी अ, ब आणि क हा केवळ १० टक्के नफ्याचा हिस्सा बजेटमध्ये दाखवायला हवा. शासनाकडून जे १०० टक्के अनुदान मिळते ते त्यांनी नगरपालिकेच्या बजेटमध्ये दर्शविणे हे क्रमप्राप्त नाही. बजेट म्हणजे १० टक्के नगरपालिका, ४० टक्के राज्य शासनाकडून अनुदान दिले जाते. त्यामधील एकत्रित खर्चाला मान्यता घेणे हे आहे. जोपर्यंत शासनाकडून कोणतीही मान्यता देत नाही तो पर्यंत It is little presumtuious to take it in your Budget.

ज्यावेळी मान्यता घेतली जाईल त्यावेळी ते बजेटमध्ये दाखविण्याची आवश्यकता नसणार आहे. वार्षिक बजेटमध्ये अनुदान मिळणार आहे, असे गृहित धरुन बजेटींग करता येत नाही. त्यांना केवळ १० टक्क्यांची तरतूद करता येणार आहे.

**अनुक्रमांक ५४**

मागणी क्र.एफ-३, २२५१ सेक्रेटरीएट-सामाजिक सेवा, ०९०-सेक्रेटरिएट, (००) (०३) नगर विकास विभाग ई-गव्हर्नन्स प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीसाठी ३० लाख रुपये मूळ अर्थसंकल्पित तरतूद होती त्यापैकी २७ लाख ४७ हजार रुपये निधी विभागास प्राप्त झाला होता व तो खर्च करण्यात आला आहे. परंतु महालेखापरिक्षक यांचे म्हणणे आहे की, "Specific reason for surrender of 27 lakhs 47 thousand rupees of the budget provision may be stated." त्यावर सचिवांनी असा खुलासा केला की, सदरहु रक्कम त्यावेळी खर्च झाली नव्हती व ती वेळेत समर्पित करण्यात आली. कारण ई-गव्हर्नन्स प्रकल्पासाठी मटेरिअल पर्चेस व इत्यादि प्रक्रिया त्यावर्षी पूर्ण होऊ शकली नाही तसेच योजनाही पूर्ण होऊ शकली नाही. सदरहु योजनेस मुदतवाढ देऊन कम्प्युटरायझेशनचे काम पूर्ण झाले नाही ते आता सुरु केले आहे. मुळ तरतूदी पैकी केवळ २ लाख ५३ हजार रुपये रक्कम खर्च करण्यात आली आहे व उर्वरित सर्व रक्कम समर्पित करण्यात आली आहे. सुरुवातीला मंजुरी मिळालेली नव्हती. परंतु मंजुरी मिळेल अशी अपेक्षा होती. ई-गव्हनर्न्सचा प्रोजेक्ट होईल अशी अपेक्षा होती. पण तो झालेला नसल्याचे विभागाने मान्य केले.

**अभिप्राय व शिफारशी :-**

**मागणी क्र. एफ २**

**जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुनर्निर्माण अभियान/लहान व मध्यम शहरांकरिता पायाभुत सुविधांचा विकास कार्यक्रम या योजनांतर्गत प्रकल्प**

**अभिप्राय :-**

३.२ प्रधान शीर्ष २२१७ नगरविकास, ८० सर्वसाधारण, १९१ महानगरपालिकांना सहाय्य, १९१ (००) (५८) जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुनर्निर्माण अभियान/लहान व मध्यम शहरांकरिता पायाभुत सुविधांचा विकास कार्यक्रम या योजनांतर्गत प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी राज्यातील महानगरपालिकांना अतिरिक्त अनुदान या अंतर्गत मूळ तरतूद ४०००.०० लाख रुपये होती. प्रत्यक्ष खर्च ७३६.०० लाख रुपये झाला आहे. विभागाने ३२६४.०० लाख रुपये पुनर्विनियोजित करुन परत केले आहेत. पुनर्विनियोजित रक्कम मूळ तरतूदीच्या ८० टक्के असल्याचा व आवश्यकतेपेक्षा जादा तरतूदी अर्थसंकल्पीत झाल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

त्याबाबत विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, सन २००९ पासून जिल्हा दरसूची प्रमाणे फरक दिला जात आहे. सन २०१३-१४ मध्ये ४० कोटी रुपयांची तरतूद केली होती. हा जिल्हा दरसूची प्रमाणे फरक महानगरपालिकांचा आहे. अमरावती, कोल्हापूर, सांगली, सोलापूर, मालेगाव, परभणी, अहमदनगर, औरंगाबाद आणि अकोला अशा ९ महानगरपालिकांकडून भूयारी गटारी संबंधिचे अपेक्षित प्रस्ताव प्राप्त न झाल्यामुळे केवळ ७ कोटी ३६ लाख रुपये खर्च करण्यात आले असून ३२ कोटी ६४ लाख रुपये परत करण्यात आले आहे.

**शिफारस:-**

३.३ **विभागाकडून आवश्यकतेपेक्षा जादा तरतूदी अर्थसंकल्पित करण्यात येत असल्याचे स्पष्ट होत आहे. शिवाय भुयारी गटारी संबंधिचे प्रस्तावासाठी शासनाकडूनही पाठपुरावा करण्यात आलेला नाही. यामध्ये महानगरपालिकांचे आयुक्त देखील दोषी असल्याचे समितीचे मत आहे. शासनाने उपरोक्त लेखाशिर्षाअंतर्गत अर्थसंकल्पित रक्कम चांगल्या दृष्टीकोनातून केली होती परंतू महानगरपालिकांनी आवश्यक ती दक्षता न घेतल्यामुळे निधी परत करावा लागला. कोणतेही नियोजन न करता रक्कम अर्थसंकल्पित करणे व त्यातील केवळ २० टक्क्यापेक्षा कमी रक्कम खर्च करणे ही गंभीर अर्थसंकल्पिय अनियमितता असल्याने याप्रकरणी सर्व संबंधित महापालिकांकडून खुलासा मागवावा. सदर खुलासा समाधानकारक वाटला नाही तर विभागाने योग्य ती कारवाई करावी व याप्रकाराची पुनरावृत्ती होऊ नये ह्याची काळजी घ्यावी. यापुढे अर्थसंकल्पिय प्रक्रियेमध्ये विभागाने सुधारणा करावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुनर्निर्माण अभियान**

**अभिप्राय :-**

३.४ मुख्य लेखाशिर्ष २२१७ नगरविकास १९१ (००) (५४) जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय नागरी पुननिर्माण अभियानांअंतर्गत महानगरपालिकांसाठी नगरविकासाकरिता सहाय्य याअंतर्गत मूळ तरतूद ३०००००.०० लाख रुपये करण्यात आली असून पुनर्विनियोजित करुन परत केलेली रक्कम २९४००.९६ लाख रुपये आहे. पुनर्विनियोजनानंतर विभागाची एकूण तरतूद रुपये ५९९.०४ लाख असून त्यातून प्रत्यक्ष खर्च ५९९.०४ लाख रुपये आहे. मूळ तरतूदीच्या प्रमाणात खुप जास्त रक्कम पुनर्विनियोजित केली असल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

विभागास ३०० कोटी रुपयाच्या मूळ तरतूदीपैकी वित्त विभागाने सुधारित अंदाजात फक्त १५० कोटी रुपये मुक्त केले, कारण केंद्र सरकारचा निधी राज्य शासनास प्राप्त झाला नाही. विभागाने १५० कोटी रुपयांपैकी १३१.९९ कोटी रुपये खर्च केले त्यानंतर २८ कोटी रुपये शिल्लक राहिले असते परंतु सन २०१३-१४ या वर्षाच्या आधीच्या वर्षात मुंबई महानगर विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ला दिलेले १२६ कोटी रुपये उपरोक्त लेखाशिर्षात जमा करण्यात आल्यामुळे विभागास २०१३-१४ मध्ये २७६ कोटी रुपये प्राप्त झाले व त्यापैकी १३१ कोटी ९९ लाख ४ हजार रुपये खर्च झालेला आहे. त्यामुळे सन २०१३-१४

या आर्थिक वर्षात खर्च झालेल्या रु. १३१.९९ कोटी इतक्या रकमेशी रुपये १२६.०० कोटी इतक्या रकमेचे समायोजन होऊन रुपये ५.९९ कोटी इतका निव्वळ खर्च वजा जाता शिल्लक राहिलेली रु. १४४.०० कोटी इतकी रक्कम व वित्त विभागाने मुक्त न केलेली रुपये १५०.०० कोटी अशी एकूण २९४.०० कोटी रक्कम प्रत्यार्पित केली.

**शिफारस :-**

३.५ **एमएमआरडीए हा नगरविकास विभागाचाच भाग असल्यामुळे त्यांना ज्या उद्देशासाठी १२६ कोटी रुपये दिले होते ते त्यांनी खर्च न करणे ही गंभीर बाब आहे. त्यामुळे १२६ कोटी रुपये एमएमआरडीए ने खर्च का केले नाही याची माहिती तसेच यास कोण जबाबदार आहे त्या संबंधितांवर जबाबदारी निश्चित करुन कारवाई करावी व केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**राज्यातील नगरपरिषदांच्या अग्निशमन व आपात्कालीन सेवांचे बळकटीकरण**

**अभिप्राय :-**

३.६ मुख्य लेखाशिर्ष २२१७ नगरविकास १९२ (००) (५३) राज्यातील नगरपरिषदांच्या अग्निशमन व आपात्कालीन सेवांचे बळकटीकरण करण्यासाठी सहाय्य या अंतर्गत मूळ तरतूद ५०००.०० लाख रुपये असून त्यातून ४०८७.९५ लाख रुपये पुनर्विनियोजित केले आहे त्यानंतर विभागाची एकूण तरतूद रु.९१२.०५ लाख होत असताना विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९३२.०५ लाख रुपये झाला आहे. विभागाने जास्त प्रमाणात रक्कम पुनर्विनियोजित केली आहे व रु.२०.०० लाख जादा खर्च केला आहे असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

विभागाकडे मोठ्या प्रमाणात निधी असताना तो खर्च न करता पुनर्विनियोजित केला आहे. विभागाने सर्व निधी खर्च केला असता तर नगरपालिका व महानगरपालिका मधील अग्निशमन विभाग आज सक्षम झाला असता. ब-याच नगरपालिकांमध्ये व विशेषतः नव्याने झालेल्या नगरपालिकांमध्ये अग्निशमन विभागात काम करणारा कर्मचारी हा प्रशिक्षित नसल्याने त्यांना व नागरिकांना मोठ्या प्रमाणात धोका पोहचू शकतो. या विभागात काम करणा-या कर्मचा-यांना संबंधित नगरपालिकांकडून पगार देण्यात येतो त्यामुळे त्यांना अग्निशमनचे प्रशिक्षण संबंधित नगरपालिकांकडून देण्यात यावे.

**शिफारशी :-**

३.७ **राज्यातील सर्व महानगरपालिका व नगरपालिकांमध्ये अग्निशमन प्रशिक्षण बंधनकारक करण्यात यावे. अग्निशमन प्रशिक्षणासाठी नागपूर येथे फायर ट्रेनिंग कॉलेज आहे व आणखी सहा मान्यताप्राप्त संस्थासुद्धा उपलब्ध आहेत. यामधून त्यांना प्रशिक्षण देण्यात यावे व त्याची जबाबदारी महानगरपालिका व नगरपालिका यांच्यावर सोपविण्यात यावी. याबाबत विभागाने एक मार्गदर्शक परिपत्रक काढून सर्व संबंधितांना कळविण्यात यावे व त्याची एक प्रत समितीला देण्यात यावी याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

३.८ **राज्यातील नगरपालिकांना अग्निशमन गाड्या देण्यात आल्या आहेत. पण तेथे अग्निशमन कर्मचा-यांची संख्या कमी असून काही ठिकाणी प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध नाहीत. त्यामुळे अग्निशमन गाड्या देण्यामागचा उद्देश सफल होत नसल्याने कर्मचा-यांना प्रशिक्षण देण्यात यावे. प्रशिक्षणाचा योग्य तो कालावधी व अर्हता, कर्मचा-यांचे सेवा प्रवेश नियमामध्येच नमूद करावी. यासाठी शासनाने प्रथमतः प्रत्येक नगरपालिकेत अग्निशमन कर्मचा-यांचा आकृतीबंध मंजूर करावा व सदर आकृतीबंधाप्रमाणे सर्व मंजूर पदे प्राधान्याने भरण्यात यावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

३.९ **राज्याला अग्निशमन संबंधात ५० कोटी रुपयांचा निधी प्राप्त झाला. सदर निधीमधून नगरपालिकांनी त्यांच्या अग्निशमन संबंधीच्या अनेक बाबी पूर्ण केल्या नसल्याने या कामाची जबाबदारी संचालक, नगरपरिषद यांच्याकडे सोपविण्यात यावी. अनेक प्रयत्न करुनसुद्धा केंद्र शासनाकडून निधी मिळत नाही. या योजनांमध्ये सन २०१३-१४ मध्ये मोठ्या प्रमाणात निधी नगरविकास विभागास प्राप्त झाला परंतु संबंधित नगरपालिकांकडून प्रस्ताव प्राप्त झाले नाहीत व यासंबंधात पाठपुरावाही केला नाही ही गंभीर बाब असून याप्रकरणी संबंधितांवर कारवाई करण्यात यावी व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**४) प्रत्यक्ष खर्च रु.९३२.०५ लाख नसून रु. ९१२.०५ लाख एवढा असल्याचे व त्याबाबत संचालक, अग्निशमन सेवा संचालनालयाने महालेखाकार कार्यालयांकडे पडताळणी केल्याचे विभागाने नमूद केले आहे. याचा अर्थ विभागाने ताळमेळाचे काम तसेच हस्तांतर, नोंद/चुक, नोंद दुरुस्त प्रस्ताव चे काम विहीत वेळेत केले नाही असे सिध्द होते. सबब विभागाने ताळमेळ व त्यानुषंगाने T.E/NOE संदर्भातील कार्यवाही अर्थसंकल्पीय पुस्तिकेमध्ये नमूद केल्याप्रमाणे वेळच्या वेळी करण्याबाबत आवश्यक त्या सुचना संबंधित नियंत्रक अधिका-यांना द्याव्यात अशी समितीची शिफारस आहे.**

**राज्यातील महानगरपालिकांना संगणकीकरणासाठी अनुदान**

**अभिप्राय :-**

३.१० मुख्य लेखाशिर्ष २२१७ नगरविकास १९१ (००) (६९) राज्यातील महानगरपालिकांना संगणकीकरणासाठी अनुदान याअंतर्गत मूळ तरतूद १०००.०० लाख रुपये असून त्यातून विभागाने ८०१.११ लाख रुपये पुनर्विनियोजित केले आहेत. त्यानंतर विभागाचे एकूण अनुदान रुपये १९८.८९ लाख इतके आला. त्यातून प्रत्यक्ष खर्च १९८. ८९ लाख रुपये झाला आहे. मूळ अनुदानापैकी जास्त प्रमाणात रक्कम पुनर्विनियोजित करण्यात आल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

राज्यातील महानगरपालिकांमध्ये मोठ्या प्रमाणावर संगणकीकरणाचे काम झालेले नसताना १० कोटी रुपयांपैकी ८०% रक्कम विभागाने परत केली आहे. ही बाब आक्षेपार्ह आहे. महानगरपालिकांमध्ये आयुक्तपदी भारतीय प्रशासकीय सेवेतील अधिकारी असल्याने महानगरपालिकांमध्ये संगणकीकरणाचे काम जलदगतीने होणे गरजेचे व अपेक्षित आहे. संगणकीकरणासंबंधी कल्याण डोंबिवली महानगरपालिकेने एक सॉफ्टवेअर विकसित केले होते. सदर सॉफ्टवेअर डेव्हलपरकडून शासनाने सर्व महानगरपालिकांसाठी सॉफ्टवेअर खरेदी केले होते. कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका पॅटर्न हा सर्व नगरपालिका आणि महानगरपालिकांनी राबवावा यासंदर्भात सन २००० मध्ये शासनाने शासन निर्णय निर्गमित केला होता. असे असतांनाही संगणकीकरणाचे काम पूर्ण होऊ शकले नाही ही गंभीर व खेदाची बाब आहे.

**शिफारसः-**

३.११ **निधी खर्च न करण्याचे मुख्य कारण म्हणजे संबंधित महानगरपालिका व नगरपालिका यांच्याकडून संगणकीकरणासंबंधीचे प्रस्ताव प्राप्त झाले नाहीत. त्यामुळे निधी अखर्चित राहिला. याबाबतचे प्रस्ताव मागविण्यासाठी विभागाने काय प्रयत्न केले याची माहिती समितीला देण्यात यावी तसेच सदर निधी पुढे खर्च झाला आहे काय या संबंधीची साक्षीच्या वेळी मागविण्यात आलेली माहिती विभागाकडून समितीला प्राप्त झाली नसल्याने सदर माहिती देखील समितीस देण्यात यावी. तसेच सन २०१० चा शासन निर्णय व्यपगत झाला असून एचपीसीने नवीन एजन्सीची नियुक्ती करण्यासाठी निविदा काढण्यास परवानगी दिली होती. सदर एजन्सीने महानगरपालिका व नगरपालिकांमध्ये संगणकीकरणाच्या केलेल्या कामाची सद्यःस्थितीची माहिती समितीस देण्यात यावी. तसेच नगरपालिकांचा कारभार पारदर्शी होण्यासाठी सर्व नगरपालिकांमध्ये संगणकीकरण अनिवार्य करण्यात यावे. व याबाबत विभागाने केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**संचालक, नगररचना (योजनेतर)**

**अभिप्राय :-**

३.१२ मुख्य लेखाशिर्ष २२१७ नगरविकास ००१ (००) (०२) संचालक, नगररचना (योजनेतर) याअंतर्गत मूळ तरतूद ५५१. ०४ लाख रुपये असून पूरक मागणी ५१.२५ लाख रुपये आहे. त्यानंतर विभागाचे एकूण अनुदान रु. ६०२.२ लाख एवढे झाले. त्यातून रु. ६१.८१ लाख रुपये पुनर्विनियोजित / प्रत्यार्पित केले असल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

नगररचना कार्यालयातील गट 'अ', गट 'ब' व गट 'क' मधील काही पदे रिक्त असल्यामुळे पुरवणी मागणीद्वारे उपलब्ध करण्यात आलेली तरतूद खर्च होऊ न शकल्याने ६१.८१ लाख रुपयांची बचत प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे. पदे रिक्त असल्याने पुरवणी मागणी करणे अपुर्ण नियोजनामुळे चुकीचे ठरले. ही विभागाची चूक असल्याचे सचिवांनी देखील मान्य केले आहे. पदे रिक्त असतांना त्याकरिता करण्यात आलेली आर्थिक तरतूदीची मागणी योग्य नसल्याचे समितीचे मत आहे.

**शिफारस :-**

३.१३ **संचालक, नगररचना व त्यांचे अधिनस्त असलेली सर्व कार्यालये महत्त्वाची असून या कार्यालयातील ५० टक्के पदे रिक्त असून सदर रिक्त पदे भरण्याबाबत आवश्यक ती कार्यवाही सामान्य प्रशासन विभागाच्या मार्गदर्शक सूचनांप्रमाणे करावी व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**प्रादेशिक योजना तयार करणे (योजनेतर)**

**अभिप्राय :-**

३.१३ मुख्य लेखाशिर्ष २२१७ नगरविकास उपशीर्ष ००१ (००) (०६) प्रादेशिक योजना तयार करणे (योजनेतर) व ००१ (००) (०७) महानगरक्षेत्र व इतर शहरे-नगरे यातील वाहतूक सर्वेक्षण योजना ( योजनेतर) या अंतर्गत मूळ तरतूद ३५७.१३ लाख रुपये असून पुनर्विनियोजित रक्कम १८.३४ लाख आहे. त्यानंतर विभागाचे एकूण अनुदान रुपये ३३८.७९ लाख असून प्रत्यक्ष खर्च रुपये ३३८.७९ लाख आहे. मूळ तरतूदीप्रमाणे खर्च न करता रुपये १८.३४ लाख पुनर्विनियोजित करण्यात आले असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

राज्यातील १८ जिल्हे तसेच मुंबई शहर व उपनगर यांच्यासह एकूण २० जिल्ह्यांची प्रादेशिक योजना तयार करण्यात आलेली नाही. सदर जिल्ह्यांची प्रादेशिक योजना तयार करण्याचे काम हाती घेण्यात आले असून ठाणे व पालघर जिल्हा वगळता सर्व जिल्ह्यांचे प्रादेशिक योजनांचा मसुदा प्रसिद्ध करण्यात आला असून सन २०१८ च्या १५ ऑगस्ट पर्यंत राज्यातील सर्व जिल्ह्यांची प्रादेशिक योजना तयार करण्यात येईल. सदर काम एमआरसॅक च्या मदतीने सुरु आहे. नगरविकास विभागाने प्रादेशिक योजनेचे काम सुरु केले आहे त्याप्रमाणे डीपी प्लॅनचे काम सुरु करण्यात यावे. राज्यात नगरपालिका व महानगरपालिका यांचे प्रादेशिक योजनेप्रमाणे डिपी प्लॅनचे काम पूर्ण झालेले नाही तसेच नगरपंचायतींनाही डीपी प्लॅन तयार करावयाचा असून त्यासाठी वेगळा आराखडा तयार करण्यात येणार आहे. अशी अत्यंत महत्वाची कामे या शिर्षाखाली केलेल्या तरतूदीमधून करावयाची असताना देखील या शिर्षाखालील तरतूद पूर्णपणे खर्च होत नाही ही गंभीर बाब आहे.

**शिफारस :-**

३.१४ **विभागाकडे ५० टक्के पदे रिक्त असल्यामुळे विभागाने शासकीय नियमाप्रमाणे आवश्यक तेवढ्या निवृत्त नगररचनाकारांची नेमणूक करुन सदर काम पूर्ण करण्याची कार्यवाही करण्यात यावी. या सर्व बाबींसाठी शासनाने एक नियोजनबद्ध कार्यक्रम तयार करुन त्याची अमंलबजावणी करावी व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**विशेष पर्यटन विकास अनुदाने**

**अभिप्राय :-**

३.१५ मुख्य लेखाशिर्ष २२१७, नगरविकास १९२ (००) (०७) पहिल्या वित्त आयोगाच्या शिफारशींनुसार राज्यातील थंड हवेचे ठिकाण असलेल्या नगरपालिकांना विशेष पर्यटन विकास अनुदाने या अंतर्गत मूळ तरतूद ६०.०० लाख रुपये असून ही संपूर्ण तरतूद पुनर्विनियोजित प्रत्यार्पित करण्यात आल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

मात्र विभागाने उपरोक्त लेखाशिर्षाअंतर्गत राज्यातील थंड हवेच्या ठिकाणी असलेल्या नगरपालिकांना विशेष पर्यटन विकास या प्रयोजनासाठी ६००.०० लाख रुपये इतके मूळ अर्थसंकल्पिय तरतूद उपलब्ध असल्याचे खुलाशात नमूद केले आहे. यावरुन असे दिसून येते की, महालेखाकारांनी अहवालात ६०.०० लाख रुपये नमूद केले असले तरी विभागाच्या खुलाशावरुन ही रक्कम ६००.०० लाख रुपये आहे. सदर रक्कम सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात अर्थसंकल्पित असून या वर्षाच्या अगोदरच्या वर्षाचे निधी वापरल्याचे उपयोगिता प्रमाणपत्र वित्त विभागास वेळेत सादर केले नाही. परिणामी सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाचा ६००.०० लाख रुपयांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. उपयोगिता प्रमाणपत्र सादर केले नाही ही नगरविकास विभागाची चूक आहे.

**शिफारस :-**

३.१६ **विभागाने सन २०१२-१३ या आर्थिक वर्षाचे १ कोटी रुपयांचे उपयोगिता प्रमाणपत्र सादर न केल्यामुळे सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात ६ कोटी रुपयाचा नगरविकास विभागाचा निधी अखर्चित राहीला ही बाब गंभीर आहे. सन २०१२-१३ या वर्षाचे उपयोगिता प्रमाणपत्र वेळेवर सादर न करण्यास जे अधिकारी जबाबदार आहे त्यांच्यावर कारवाई करण्यात यावी व केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र. एफ ३**

**सुवर्ण जयंती रोजगार योजनेअंतर्गत अनुसूचित जातीच्या लाभार्थ्यांना अनुदान**

**अभिप्राय :-**

३.१७ मुख्य लेखाशीर्ष २२३० कामगार व सेवायोजन (०२) सेवायोजन सेवा १०१ सेवायोजन सेवा, १०१ (०२) (०३) सुवर्ण जयंती रोजगार योजनेअंतर्गत अनुसूचित जातीच्या लाभार्थ्यांना अनुदान या अंतर्गत मूळ तरतूद ३२६.०० लाख रुपये असून ही संपूर्ण तरतूद पुनर्विनियोजित प्रत्यार्पित करण्यात आली असल्याचा व कोणताही खर्च करण्यात आला नाही असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

**शिफारस :-**

३.१८ **सुवर्ण जयंती रोजगार योजना अनुसूचित जातीच्या लाभार्थ्यांना अनुदान या अंतर्गत विभागास लाभार्थीच मिळत नसल्याचे सांगण्यात आले आहे. ही बाब समितीला गंभीर वाटत असून सदर योजनेकडे विभागाचे पूर्ण दुर्लक्ष झाले आहे असे समितीचे मत आहे. तत्कालीन अधिकारी/ कर्मचारी यांनी सदर योजना राबविण्यासाठी कोणतेही प्रयत्न केलेले नसल्यामुळे अनुसूचित जातीच्या लाभार्थ्यांना या योजनेचा लाभ देता आला नाही. ही शासनाची अत्यंत महत्त्वपूर्ण अशी योजना असून ती विभागाने प्राधान्याने राबविणे अपेक्षित होते.विभागाला प्रस्ताव आले नाहीत ही बाब समितीला संयुक्तिक वाटत नाही. या संपूर्ण प्रकरणाची चौकशी करुन संबंधितांवर कारवाई करण्यात यावी केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**सेक्रेटरिएट-सामाजिक सेवा व नगरविकास विभाग**

**अभिप्राय :-**

३.१९ उपशीर्ष सेक्रेटरिएट-सामाजिक सेवा ०९०, सेक्रेटरिएट ०९० (००) (०१) नगरविकास विभाग याअंतर्गत मूळ तरतूद १०५९.७८ लाख रुपये असून पुरवणी मागणी १८१. ०० लाख रुपये तर पुनर्विनियोजन रुपये २११.९५ लाख इतके आहे. त्यानंतर विभागास रुपये १०२८.८३ लाख इतके अनुदान प्राप्त झाले त्यातून प्रत्यक्ष खर्च १०२८. ८३ लाख इतका झाला. कोणतीही विनिर्दीष्ट कारणे न देता विभागाने रु. २११.९५ लाख रुपये पुनर्विनियोजित केले आहेत असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

**शिफारस :-**

३.२० **विभागाने १८१.०० लाख रुपयांची पुरवणी मागणी घेऊन २११.९५ लाख रुपये समर्पित केले असल्याने संपूर्ण पुरवणी मागणी अनावश्यक असल्याचे समितीचे मत असून ही बाब आक्षेपार्ह आहे. सदर पूरवणी मागणी ही व्यावसायिक फी यासाठी घेतली होती परंतु या उद्दीष्टाखाली पुरेशी मागणी न आल्याने खर्च झाला नसल्याचा खुलासा विभागाकडून करण्यात आला आहे. हे कारण समितीस संयुक्तिक वाटत नसून पुरवणी मागणी घेऊन ती खर्च न करणे व विनाकारण निधी अडवून ठेवणे ही बाब गंभीर असल्याचे समितीचे मत आहे. पुरवणी मागणी घेण्यास जे अधिकारी जबाबदार आहेत त्यांच्यावर कारवाई करण्यात यावी व केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील अनुदान क्र. एच- ३ ते ७ यामधील शिर्षांतर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले आहे.

अ.क्र. ५

पृष्ठ क्रमांक — १६६
अनुदान क्र.एच-३
प्रधानशीर्ष -२२१६ — गृहनिर्माण
८० सर्वसाधारण
००१ संचालन व प्रशासन
(००)(०१) ( २०५९ — मधून यथाप्रमाण लेख्यांतर्गत हस्तांतरण)

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च- | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,१६,१५,८६ | १,१६,१५,८६ | १,०१,३१,६३ | (-) १४,८४,२३ |

मुंबई अर्थसंकल्प नियम पुस्तिकेतील परिच्छेद-७२ मध्ये २०५९ - सार्वजनिक बांधकाम या लेखाशीर्षाखाली आस्थापना तसेच हत्यारे व सयंत्रे खर्च आंतरखाते बदलाव्दारे इतर मांडवली व महसुली शीर्षाकडे वर्ग करण्याची पध्दत विहित केली आहे. जेणेकरून सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून करण्यात आलेल्या विविध कामावरील आस्थापने व सयंत्रावरील खर्चाचे वरील प्रमाणात योग्य निर्धारण करता यावे. यानुसार परिगणना करण्यासाठी खालील सूत्र अवलंबविण्यात येते.

१) २०५९ - सार्वजनिक बांधकामे (एक) संचालन व प्रशासन या मुख्य लेखाशीर्षाखालील एकूण तरतूद वजा

१. स्थानिक क्षेत्रासाठी तरतूद
२. रुपांतरित आस्थापनेसाठी करण्यात आलेली तरतूद.
३. राज्य रस्ते निधीकडे खर्ची टाकण्यात आलेला आस्थापना खर्च
४. अन्य शासकीय/ स्थानिक संस्था/ खाजगी संस्थांसाठी केलेल्या कामाबद्दल ००५९ - सार्वजनिक बांधकाम या शीर्षाखाली येणाऱ्या जमा रकमा
ब. हस्तांतरण करावयाचा निव्वळ आस्थापना खर्च
क. मांडवली शीर्षावरील टक्केवारी खर्च (आस्थापना खर्च)
ड. महसुली शीर्षाखाली कामावर आकारावयाचा व हस्तांतर करावयाचा निव्वळ आस्थापना खर्च (ब - क)

तद्नंतर उपरोक्त आकडेवारीच्या आधारे खालीलप्रमाणे गुणक परिगणित करण्यात येतो :-
वरील ड नुसार एकूण आस्थापना खर्च

महसुली विभागातील सर्व प्रमुख लेखाशीर्षे खालील = गुणक "क्यु"
मुळ बांधकामावरील एकुण खर्च
(प्रमुख लेखाशीर्ष) २२१७ व २२५२ वगळून)

यावरून संबंधित लेखाशीर्षाकडे हस्तांतरित करावयाची रक्कम खालीलप्रमाणे परिगणित करण्यात येते.

१. २२१६ गृहनिर्माण या शिर्षाखालील तरतूद x क्यू = २२१६ गृहनिर्माण तरतूद खालील आंतर लेखा हस्तांतरण.

२. ३०५४ - मार्ग व पूल या शीर्षाखाली तरतूद (स्थानिक क्षेत्र वगळून) x क्यू = ३०५४ रस्ते व पुल खालील आंतर लेखा हस्तांतरण

वरील (१) व (२) नुसार संबंधित लेखाशीर्षाकडे (म्हणजे २२१६-गृहनिर्माण व ३०५४-रस्ते व पूल या शीर्षाकडे खर्च हस्तांतरण केल्यानंतर॥ २०५९ - सार्वजनिक बांधकामे खालील उर्वरीत खर्च त्याच शीर्षाखाली रहातो.

हे सुत्र ह्या लेखाशीर्षाखालील एकुण अनुदान व खर्च ह्या दोन्ही बाबी खालील आकडेवारी निश्चित करण्यासाठी सामायिक आहे. पहिली बाब पुर्वानुमानावर निश्चित करण्यात येते. दुसरी बाब वर्षे अखेरीस प्रत्यक्ष आकडेवारीवर निश्चित करण्यात येते.. त्यामुळे या दोन्ही टप्प्यावरील आकडेवारी तसेच ज्या गुणकाच्या आधारे संबंधित शीर्षाकडे हस्तांतर करावयाची रक्कम ठरविली जाते तो गुणकही नेहमीच सारखा नसतो आणि ह्या गुणकामध्ये जराशी तरी तफावत झाल्यास ती परीणामत: बचत किंवा अधिक्य होण्यास प्रकरणपरत्वे कारणीभूत ठरते. हेच कारण प्रस्तुत प्रकरणी झालेल्या अधिक खर्चाबाबत आहे. तसेच फरकाबाबतची कारणे सर्वसाधारणत: विनियोजन लेख्यामधील संबंधीत शीर्षाखालील अधिक्य/ बचत बाबींवर दिलेल्या स्पष्टीकरणानुसार आहेत.

प्रसंगत: ह्या उपलेखाशीर्षाखाली दर्शविण्यात आलेला खर्च काल्पनिक आहे. आस्थापना व हत्यारे व सयंत्रे यावरील खर्च प्रथमत: २०५९ - सार्वजनिक बांधकाम या शीर्षाखाली नोंदविला जातो व तद्नंतर संबंधित उपलेखाशीर्षाकडे आंतरखाते बदल केला जातो. जेणे करुन महसुली शीर्षाखाली कामावर झालेला प्रत्यक्ष खर्च दिसून यावा. त्यामुळे सदर विनियोजन लेख्यात दर्शविण्यात आलेली बचत प्रत्यक्ष बचत नसुन सदर बचत आंतरलेखा हस्तांतरणावरील आहे.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

६ पृष्ठ क्रमांक - १६६
अनुदान क्र.एच-३
प्रधानशीर्ष - २२१६ - गृहनिर्माण
८० - सर्वसाधारण
०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री
(००)(०१) ( २०५९ - मधून यथाप्रमाण लेख्यांतर्गत हस्तांतरण )

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ६,४७.२२ | ६,४७.२२ | २,६१.१८ | (-) ३,८६.०४ |

वरील उपशीर्षातंर्गत झालेल्या रुपये १८,७०.२७ लाख इतकी अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४).

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२१६०३३१या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

मुंबई अर्थसंकल्प नियम पुस्तिकेतील परिच्छेद ७२ मध्ये २०५९ - सार्वजनिक बांधकामे या लेखाशीर्षाखाली आस्थापना तसेच हत्यारे व सयंत्रे खर्च आंतरखाते बदलाव्दारे इतर भांडवली व महसुली शीर्षाकडे वर्ग करण्याची पध्दती विहित केली आहे की, जेणेकरून सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून करण्यात आलेल्या विविध कामावरील प्रयोजनासाठीच्या खर्चाचे योग्य निर्धारण करता यावे. ह्यानुसार परिगणना करण्यासाठी खालील सूत्र अवलंबिण्यात येते.

अ) २०५९ सार्वजनिक बांधकामे (एच-६) यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री या उपलेखाशीर्षाखाली एकूण तरतूद.

**वजा**

१. स्थानिक क्षेत्रासाठी करण्यात आलेली तरतूद
२. राज्य रस्ते निधीकडे खर्ची टाकण्यात आलेला हत्यारे व संयंत्रे खर्च
३. अन्य शासकीय/ स्थानिक संस्था/ खाजगी संस्थांच्या कामाबद्दल व
४. ००५९ सार्वजनिक बांधकामे या शीर्षाखाली येणाऱ्या जमा रकमा

यावरून संबंधित लेखाशीर्षाकडे हस्तांतरित करावयाची रक्कम खालीलप्रमाणे परिगणित करण्यात येते.

१. २२१६ - गृहनिर्माण या शीर्षाखाली तरतूद (स्थानिक क्षेत्र वगळून) x क्यू = २२१६ गृहनिर्माण खालील आंतर लेखा हस्तांतरण
२. ३०५४ - मार्ग व पूल या शीर्षाखाली तरतूद (स्थानिक क्षेत्र वगळून) x क्यु = ३०५४ रस्ते व पुल खालील आंतर लेखा हस्तांतरण

वरील (१) व (२) नुसार संबंधित लेखाशीर्षाकडे (म्हणजे २२१६ - गृहनिर्माण व ३०५४ रस्ते व पूल या शीर्षाकडे) खर्च हस्तांतर केल्यानंतर २०५९ - सार्वजनिक बांधकामे या खालील उर्वरीत खर्च

त्याच शीर्षाखाली रहातो

हे सूत्र या उपलेखाशीर्षाखालील एकूण "अनुदान" व "खर्च" ह्या दोन्ही बाबीखालील आकडेवारी निश्चित करण्यासाठी सामायिक आहे. पहिली बाब पुर्वानुमानावर निश्चित करण्यात येते. तर दुसरी वर्ष अखेरीस प्रत्यक्ष आकडेवारीवर निश्चित करण्यात येते. त्यामुळे या दोन्ही टप्प्यांवरील आकडेवारी तसेच ज्या गुणकाच्या आधारे संबंधित शीर्षाकडे हस्तांतर करावयाची रक्कम ठरविली जाते तो गुणकही नेहमीच सारखा नसतो. आणि ह्या गुणकामध्ये जराशी जरी तफावत झाल्यास ती परीणामत: बचत किंवा अधिक्य होण्यास प्रकरणपरत्वे कारणीभूत ठरते. व हेच कारण प्रस्तुत प्रकरणी झालेल्या अधिक्या बाबत देण्यात येत आहे. तसेच फरकाबाबतची कारणे सर्वसाधारणत: विनियोजन लेख्यामधील संबंधीत शीर्षाखालील अधिक्य/ बचत बाबींवर दिलेल्या स्पष्टीकरणानुसार आहेत.

प्रसंगत: ह्या उपलेखाशीर्षाखाली दर्शविण्यात आलेला खर्च काल्पनिक आहे. आस्थापना व हत्यारे व सयंत्रे यावरील खर्च खर्च प्रथमत: २०५९ - सार्वजनिक बांधकाम या शीर्षाखाली नोंदविला जातो व तद्नंतर संबंधित उपलेखाशीर्षाकडे आंतरलेखा हस्तांतरण केला जातो. जेणेकरून मुख्यसुली शीर्षाखालील कामावर झालेला प्रत्यक्ष खर्च दिसून यावा.

त्यामुळे सदर विनियोजन लेख्यात दर्शविण्यात आलेली बचत प्रत्यक्ष बचत नसुन सदर बचत आंतरलेखा हस्तांतरणावरील आहे.

सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १७ | पृष्ठ क्रमांक-१६६<br>अनुदान क्रमांक-एच-३-गृहनिर्माण (सर्व दत्तमत)<br>प्रधानशीर्ष -२२१६ गृहनिर्माण<br>०७ इतर गृहनिर्माण<br>०५३ परीक्षण व दुरुस्ती<br>(००)(०१) प्रबंधक,उच्च न्यायालय,अपील शाखा | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२१६०३४९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या वित्तिय वर्षामध्ये योजनांतर्गत तरतुदीना २० टक्के कपात लावल्याने रु.६०.००लाख इतके अनुदान खर्चासाठी उपलब्ध झाले नव्हते. तसेच रु.२.०१ लाख एवढे अनुदान काही कामे पूर्ण झाल्याने प्रबंधक, उच्च न्यायालय मुंबई यांनी वर्षाखेरिस समर्पित केल्याने एकुण रु.६२.०१ लाख एवढे अनुदान समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात)

| | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ३,००,०० | | |
| पूरक | -- | २,३७.९९ | २,३७.९९ | -- |
| पुनर्वि. | (-) ६२.०१ | | |

कोणतेही कारणे नमूद न करता मार्च,२०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील रु.६२.०१ लाख एवढा निधी काढून घेण्यात आला.

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

८ पृष्ठ क्रमांक-१६७
अनुदान क्रमांक-एच-३-गृहनिर्माण
प्रधानशीर्ष -२२१६ गृहनिर्माण
०५ एकत्रित सर्वसाधारण निवासव्यवस्था बांधकाम
०५३ परीरक्षण व दुरुस्ती
(०३)(०२)नगरपालिका कर

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | २,४३.४५ | | |
| पूरक | ०.०१ | ५,९२.६६ | ५,११.०४ (-) १.६२ |
| पुनर्वि. | ३,४९.२० | | |

रु. १.६२ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता,वरील उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाव्दारे रु. ३,४९.२० लाख इतक्या निधीची वाढ अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले.

रु.१.६२ लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४).

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२१६०३२२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सदर बचत सा.बां. मंडळ पुणे यांचेकडील असुन एकूण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे.

निवासी इमारतीच्या नगरपालिका करांच्या रकमा प्रदान करण्यासाठी अतिरिक्त अनुदानाची आवश्यकता विचाराच घेऊन लाक्षणिक पुरवणी मागणी मंजूर करण्यात आली होती. त्यानुसार रु.३४९.२० लाख इतके अनुदान पुनर्विनियोजनाद्वारे या लेखाशिर्षाखाली वळती करण्यात आले होते.

सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखाचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १ | पृष्ठ क्रमांक-१६७<br>अनुदान क्रमांक-एच-३-गृहनिर्माण<br>प्रधानशीर्ष -२२१६ गृहनिर्माण<br>०५ एकत्रित सर्वसाधारण निवासव्यवस्था बांधकाम<br>०५३ परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(०३)(०१) इमारतींच्या दुरुस्त्या | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२१६०३११ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत एकुण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करावी.<br>या वित्तिय वर्षात या लेखाशीर्षाखालील तरतुदींना वित्त विभागाने २० टक्के कपात लावल्याने रु. ५६७१.६० लाख एवढी तरतुद समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखांत)

| | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,२२,८५.०० | | |
| पूरक | १,६०,७३.०० | २,२६,८६.४० | २,२६,८५.९८ (-) ०.४२ |
| पुनर्वि | - ५६,७१.६० | | |

प्रत्यक्ष सुधारित अंदाजांवर आधारित वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखालील पुनर्विनियोजन/प्रत्यर्पण यांव्दारे मार्च २०१४ मध्ये काढण्यात आलेला रु. ५६,७१.६० लाख एवढा निधी अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले.

वरील उपशीर्षाखालील रु. ०.४२ लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षाधीन आहेत. (ऑगस्ट २०१४.)

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखाचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १० | पृष्ठ क्रमांक-१६७<br>अनुदान क्रमांक-एच-४-सचिवालय व इतर-आर्थिक सेवा(सर्व दत्तमत)<br>प्रधानशीर्ष -२४०६ वनीकरण व वन्यजीवन<br>३०५१ बंदरे व दीपगृहे<br>३०५३ नागरी विमानचालन<br>३४५१ सचिवालय - आर्थिक सेवा | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम विचारात घेता, प्रत्यक्षात रु.१७५.५० लाख (रुपये एक कोटी पंचाहत्तर लाख पन्नास हजार फक्त) (रु. १०९९.८० लाख – रु. ९२४.३० लाख) इतकी बचत झाली असून ती मागणी क्र. एच-४ मधील एकत्रित बचत आहे. गौणशिर्षनिहाय स्पष्टीकरणे पुढील पानांवर दिलेली आहेत. |

(रुपये हजारांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ४३,५४,४२ | | |
| पूरक | ५०,०० | ४४,०४,४२ | ३३,०४,६२ | (-) १०,९९.८० |

वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) ९,२४,३०

टिपा व भाष्ये:

रु. १०,९९.८० लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता,अनुदानांतर्गत रु.९,२४.३० लाख इतकी रक्कम प्रत्यर्पणासाठी विचारात घेण्यात आली असून ती अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले. अनुदान बचतीसहीत समाप्त झाल्याचे हे सलग नववे वर्ष आहे.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ११ | पृष्ठ क्रमांक-१६८<br>अनुदान क्रमांक-एच-४- सचिवालय व इतर-आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष -२४०६, वनीकरण व वन्यजीवन<br>०२ पर्यावरणीय वनीकरण आणि वन्यजीवन<br>११२ सार्वजनिक उदयाने<br>(००) (०१) संचालक,उपवने व उदयाने | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२४०६०८०१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील कनिष्ठ लिपिक यांचे अतिरिक्त कार्यभार संभाळण्याबदलचे देयक अधिदान व लेखा कार्यालयास सादर करण्यात आले होते. परंतु सदर देयक पारित न झाल्याने रु.०.०७ लाख इतकी बचत झालेली आहे. सदर बचतीची रक्कम अनावधानाने सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षात समर्पित करण्यात आलेली नाही.<br>तसेच वर्ग-३ व वर्ग-४ ची पदे रिक्त असल्याने रु. १०४.०९ लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ९,०८.६५ | | | |
| पूरक | | ८,०४.५६ | ८,०४.४९ | (-) ०.०७ |
| पुनर्वि | (-) १,०४.०९ | | | |

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १२ | पृष्ठ क्रमांक-१६८<br>८अनुदान क्रमांक-एच-४- सचिवालय व इतर-आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष -३०५३, नागरी विमान चालन<br>०२ विमानतळ<br>१०२ विमानक्षेत्र<br>(००)(०१) लहान बांधकामे | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५३००७५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे.<br>या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयांकडून करण्यात आलेली मागणी व वित्त विभागाने मंजूर केलेले सुधारित अंदाज विचारात घेता रु.५.२१ लाख (रुपये पाच लाख एकविस हजार फक्त) तरतूद समर्पित करण्यात आली. अंतिम बचत रु. ०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) ही अंतिम वितरित तरतूदीच्या तुलनेत अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी. |

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५२.०६ | | |
| | ४६.८५ | ४६.८४ | (-)०.०१ |
| पुनर्वि | (-)५.२१ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

१३ पृष्ठ क्रमांक-१६८

अनुदान क्रमांकएच-४- सचिवालय व इतर-आर्थिक सेवा

प्रधानशीर्ष -३४५१ सचिवालय -आर्थिक सेवा

०९० सचिवालय

(००)(०१) सार्वजनिक बांधकाम विभाग

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ३२,७७.२१ | | |
| | २५,७३.०६ | २३,९७.६४ | (-)१,७५.४२ |
| पुनर्वि | (-) ७,०४.१५ | | |

रु. १,७५.५० लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता,मार्च २०१४ मध्ये वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखालील कोणतेही कारण न देता काढलेला रु.८,१३.४५ लाख एवढा निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.

रु. १,७५.५० लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत(ऑगस्ट २०१४).

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३४५१०२६२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

वेतन व आस्थापनाविषयक खर्चाची देयके आक्षेप घेऊन अधिदान व लेखा कार्यालयाकडुन आर्थिक वर्ष संपल्यानंतर विभागास परत केल्यामुळे त्याचे निराकरण करुन देयके त्याच वित्तीय वर्षात पुन्हा सादर करणे शक्य न झाल्यामुळे रु.१२१.२१ लाख तसेच दुरध्वनी,वीज, पाणी व आकस्मिक खर्चाची देयके वेळीच प्राप्त न झाल्यामुळे रु.५४.२१ लाख अशी एकूण रु.१७५.४२ लाख इतकी बचत झाली आहे.

रिक्त पदे न भरल्याने वेतन व आस्थापना खर्चाचा आढावा घेऊन, वेतनावरील रु.३०९.२८ लक्ष व आस्थापना बाबीवरील खर्चाची काही देयके विहीत कालावधीत प्राप्त न झाल्याने रु.३५३.७६ लाख तसेच अतिकालिक भत्ता, प्रवास खर्च, कार्यालयीन खर्च, प्रकाशने व संगणकावरील खर्चाची देयके प्राप्त न झाल्यामुळे रु.४१.११ लाख असे एकूण रु.७०४.१५ लाख इतका निधी समर्पित करण्यात आला.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १४ | पृष्ठ क्रमांक- १६८<br>अनुदान क्रमांक एच-४-सचिवालय व इतर आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष-२४०६,वनीकरण व वन्यजीवन<br>०२ पर्यावरणीय वनीकरण आणि वन्यजीवन<br>११२ सार्वजनिक उदयाने<br>(००)(०२) परिरक्षण आणि विकास | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२४०६९०८२८ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये योजनेत्तर तरतुर्दीना १० टक्के कपात लावल्याने रु.४५.९५ लाख एवढेच अनुदान अर्थसंकल्पिय वितरण प्रणालीवर प्राप्त झालेले होते. त्यामुळे उर्वरित रु. ५.११ लाख इतके अप्राप्त अनुदान समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५१.०६ | | |
| | ४५.९५ | ४५.९५ | -- |
| पुनर्वि. | (-) ५.११ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १५ | पृष्ठ क्रमांक- १६८<br>अनुदान क्रमांक एच-४-सचिवालय व इतर आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष-३०५१, बंदरे व दीपगृहे<br>०२ लहान बंदरे<br>१०२ बंदर व्यवस्थापन<br>(००)(०१)अधीक्षक अभियंता,संकल्पचित्र मंडळ,नवी मुंबई | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५१०४९२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षात मुळ तरतुद रु. २२.६३ लाख असुन प्रत्यक्षात बि.डी.एस द्वारे रु. १८.१० लाख एवढे अनुदान वितरित करण्यात आले आहे. सदर अनुदानातुन रु.७.४५लाख खर्च झालेला आहे व उर्वरित रु.१०.६५लाख एवढे दि. २०/०३/२०१४ रोजी शासनास समर्पित करण्यात आले आहे. त्यामुळे अधिक/बचत झालेली नाही.<br>सन २०१३-१४ या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयांकडून करण्यात आलेली मागणी विचारात घेता रु.१५.१८ लाख (रु.पंधरा लाख अठरा हजार) एवढी रक्कम समर्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | २२.६३ | | |
| | ७.४५ | ७.४५ | -- |
| पुनर्वि. | (-) १५.१८ | | |

वर नमुद केलेल्या उपशिर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे काढण्यात आलेल्या रु.२०.२९ लाख इतक्या निधीची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत.

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १६ | पृष्ठ क्रमांक-१६९<br>अनुदान क्रमांक एच-४-सचिवालय व इतर आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष -३०५१ बंदरे व दीपगृहे<br>०२ लहान बंदरे<br>१०१ बांधकाम व दुरुस्ती<br>(००)(०१) मूळ लहान बांधकामे-स्थापत्यविषयक बांधकामे | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५१०६७९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ मध्ये एकूण रु.१५.३१ लाख (रुपये पंधरा लाख एकतीस हजार फक्त) एवढी अर्थसंकल्पीय तरतूद या लेखाशीर्षाखाली उपलब्ध होती. सदर लेखाशिर्षाअंतर्गत महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड या प्रशासकीय विभागाने मंजूरी दिलेली कामे केली जातात. सन २०१३-१४ मध्ये या तरतूदीतून करण्यात येणाऱ्या कामांना महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड यांनी मंजूरी दिली नसल्याने, अर्थसंकल्पीय अनुदानाइतकीच रु.१५.३१ लाख (रुपये पंधरा लाख एकतीस हजार) एवढी रक्कम समर्पित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १५.३१ | | | |
| पुरक | -- | -- | -- | -- |
| पुनर्वि. | (-) १५.३१ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १७ | पृष्ठ क्रमांक- १६९<br>अनुदान क्रमांक एच-४-सचिवालय व इतर आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष -३०५१, बंदरे व दीपगृहे<br>०२, लहान बंदरे<br>१०१ बांधकाम व दुरुस्ती<br>(००)(०२) नागरीविषयक बांधकामाची दुरुस्ती | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५१०६८८ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ मध्ये एकूण रु.१५.०० लाख (रुपये पंधरा लाख फक्त) एवढी अर्थसंकल्पीय तरतूद या लेखाशीर्षाखाली उपलब्ध होती. सदर लेखाशिर्षाअंतर्गत महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड या प्रशासकीय विभागाने मंजूरी दिलेली कामे केली जातात. सन २०१३-१४ मध्ये या तरतूदीतून करण्यात येणाऱ्या कामांना महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड यांनी मंजूरी दिली नसल्याने रक्कम सर्मपित करण्यात आली आहे. |

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १५.०० | | |
| पूरक | --- | | |
| पुनर्वि. | (-) १५.०० | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १८ | पृष्ठ क्रमांक- १६९<br>अनुदान क्रमांक एच-४-सचिवालय व इतर आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष -३४५१, सचिवालय -- आर्थिक सेवा<br>०९० सचिवालय,<br>(०२)(०१) ई- गव्हर्नन्स प्रकल्पाचे कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३४५१२७९१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>ई-गव्हर्नन्ससाठीचा खर्च विभागातील मंजुर तरतुदीतून भागविण्यात आल्यामुळे रु.१०.०० लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १०.०० | | |
| पुरक | -- | -- | -- |
| पुनर्वि | (-) १०.०० | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १९ | पृष्ठ क्रमांक-१६९<br>अनुदान क्रमांक एच-४-सचिवालय व इतर आर्थिक सेवा<br>प्रधानशीर्ष -३४५१, सचिवालय – आर्थिक सेवा<br>०९० सचिवालय,<br>(०२)(०२) प्रशिक्षण धोरणावरील खर्च | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३४५१२८८२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>राज्य प्रशिक्षण धोरणांतर्गत यशदा, पुणे या प्रशिक्षण संस्थेमार्फत अधिकारी/कर्मचारी यांना प्रशिक्षण देण्यासाठी नामांकने प्राप्त न झाल्याने सदर अनुदान अखर्चिक राहिले. परिणामी रु.५०.०० लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | | | |
| पुरक | ५०.०० | -- | -- |
| पुनर्वि. | (-) ५०.०० | | |

कोणतेही विनिर्दिष्ट कारणे न देता मार्च,२०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली प्रत्यर्पणाव्दारे संपूर्ण अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.९०.३१ लाख काढून घेण्यात आली.

बचतीसह अनुदान बंद होण्याचे हे लागोपाठचे नववे वर्ष आहे. त्यातून अत्याधिक अंदाज केल्याचे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निदर्शनात येते.

आधीच्या वर्षातील बचत खाली दिल्याप्रमाणे आहे:-

आधीच्या वर्षातील बचत खाली दिल्याप्रमाणे आहे:-

| वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च (रु.लाखात) | अधिक खर्च |
|---|---|---|---|
| २००५-०६ | २०,७८.८५ | १८,१०.११ | २,६८.६६ |
| २००६-०७ | २१,२९.०१ | १८,४९.०५ | २,७९.९६ |
| २००७-०८ | २१,५१.९३ | २०,२६.५० | १,२५.४३ |
| २००८-०९ | २४,५१.८३ | २१,७८.७० | २,७३.१३ |
| २००९-१० | ३०,३४.२७ | २६,८२.३२ | ३,५१.९५ |
| २०१०-११ | ३६,२८.०१ | २८,७८.१५ | ७,४९.८६ |
| २०११-१२ | ३९,८७.१० | २९,५६.२४ | १०,३०.८६ |
| २०१२-१३ | ४०,८७.८३ | ३१,१०.३० | ९,७७.५३ |

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| २० | पृष्ठ क्रमांक-१७० | |
| | अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल | |
| | प्रधानशीर्ष -३०५४, मार्ग व पूल | |

दत्तमत -

(रुपये हजारांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | २५,४०,१२,०६ | | |
| पूरक | १३,८०,४४,३९ | ३९,२०,५६,४५ | २६,०६,४४,६१ (-)१३,१४,११,८४ |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | | | ११,७०,१९,५५ |

भारित-

| | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १५,०० | | |
| पूरक | ... १५,०० | -- | (-)१५,०० |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च, २०१४) | | | १५,०० |

टीपा व भाष्ये -

रु.१३,१४,११.८४ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, रु.११,७०,१९.५५ लाखांचा परत करण्यात आलेला निधी अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले.

२. मोठया बचतीसह अनुदान बंद होण्याचे हे लागोपाठचे पाचवे वर्ष आहे. त्यातून अत्याधिक अंदाज केल्याचे व अवास्तव अर्थसंकल्पीय तरतूद असल्याचे दिसून येते.

३. मागील दोन वर्षापासून,भारित खाली रु.१५ लाखांची तरतूद केली होती.परंतु या शीर्षाखाली खर्च केली नाही आणि कोणत्याही विनिदिष्ट कारणांशिवाय संपूर्ण निधी परत करण्यात आला.

वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम विचारात घेता, प्रत्यक्षात रु.१४३,९२.२९ लाख (रुपये एकशे त्रेचाळीस कोटी ब्याण्णव लाख एकोणतीस हजार फक्त) (रु. १३१४,११.८४ लाख – रु. ११७०,१९.५५ लाख) इतकी बचत झाली असून ती मागणी क्र.एच-५ मधील एकत्रित बचत आहे. गौणशिर्षनिहाय स्पष्टीकरणे खालील पृष्ठाबर नमूद केली आहेत.

तसेच सन २०१३-१४ मध्ये भारीत खर्चासाठी एकुण रु.१५.०० लाख (रुपये पंधरा लाख) एवढी तरतूद या (३०५४ ०६१२) लेखाशिर्षाखाली उपलब्ध झाली होती. ही तरतूद भारित स्वरूपाची असून या तरतूदीतून न्यायालयीन आदेशाच्या तरतूदी नुसार तातडीने करावयाचा खर्च प्रामुख्याने करण्यात येतो. परंतु या वर्षात न्यायालयीन प्रकरणे प्राप्त न झाल्याने वर्षअखेरीस रु.१५.०० लाख एवढी संपूर्ण रक्कम समर्पित करण्यात आली आहे.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| २१ | पृष्ठ क्रमांक-१७०<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल<br>८०, सर्वसाधारण<br>१९०, सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य<br>(००)(०३) खाजगीकरणाच्या माध्यमातून बांधा,वापरा व हस्तांतरीत करा या तत्वावर कार्यान्वित केलेल्या रस्ते व पूल बांधकामासाठी शासनाचा सहभाग | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०८१९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ मध्ये मूळ व पूरक तरतूद मिळून एकूण रु.४२५,००.०० लाख (रुपये चारशे पंचवीस कोटी फक्त) एवढी एकूण अर्थसंकल्पीय तरतूद या लेखाशीर्षाखाली उपलब्ध होती. त्यापैकी रु.३४०,००.०० लाख (रुपये तीनशे चाळीस कोटी फक्त) एवढी तरतूद वितरीत करण्यात आली होती. तर त्या तूलनेत प्रत्यक्ष खर्च रु.३,३९,९९.९९ लाख (रुपये तीनशे एकोणचाळीस कोटी नव्याण्णव लाख नव्याण्णव हजार फक्त) दर्शविण्यात आला आहे. परिणामी रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) बचत झाल्याचे दिसून येते. सदर बचत अत्यल्प असल्याने क्षमापित करण्यात यावी. क्षेत्रिय कार्यालयांनी केलेल्या मागणीनुसार व वित्त विभागाच्या सुधारीत अंदाजाच्या अनुषंगाने रु.८५,००.०० लाख (रुपये पंच्याऐंशी कोटी फक्त) एवढा वाढीव निधी उपलब्ध करुन देण्यात आला. |

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,७५,००.०० | | |
| पुरक | २,५०,००.०० | ३,४०,००.०० | ३,३९,९९.९९ | (-)०.०१ |
| पुनर्वि. | ८५,००.०० | | |

प्रादेशिक प्राधिकरणांकडून मागणी कमी आल्याचे नमूद कडून वरील उपशीर्षाखाली मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे रु.८५,००.०० लाख एवढा निधी काढण्यात आला.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१०१-१२ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| २२ | पृष्ठ क्रमांक-१७० | |
| | अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल | |
| | प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल | |
| | ८० सर्वसाधारण | |
| | ७९७, राखीव निधी व ठेवी लेख्यांमध्ये हस्तांतरण | |
| | (००)(०१) रस्त्यांची बांधकामासाठी असलेल्या अनुदानाचे केंद्रीय मार्ग निधीतून ठेव शीर्षाकडे हस्तांतरण | |

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ७५,००.०० | | | |
| पुरक | | ६७,५०.०० | ६३,४२.५१ | (-)४,०७.४९ |
| पुनर्व | (-) ७,५०.०० | | | |

अपेक्षित बचती असल्याचे नमूद केल्यामुळे वरील उपशीर्षाखाली मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे रु. ७,५०.०० लाख एवढा निधी काढण्यात आला.

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०२४७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयांकडून करण्यात आलेली मागणी व वित्त विभागाने मंजूर केलेले सुधारित अंदाज विचारात घेता रु.७,५०.०० लाख (रुपये सात कोटी पन्नास लाख) तरतूद समर्पित करण्यात आली. परिणामी रु.४,०७.४९ लाख (रुपये चार कोटी सात लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) अंतिम बचत ही अंतिम वितरित तरतूदीच्या तुलनेत अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.

सदरहु लेखाशिर्ष हे कार्यकारी लेखाशिर्ष नसून केंद्रीय मार्गनिधीतून ठेव लेखाशिर्षाखाली हस्तांतरणासाठीचे लेखाशिर्ष आहे. त्यामुळे झालेली बचत क्षमापित करण्यात यावी.

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

२३ पृष्ठ क्रमांक-१७१
अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल
प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल
८०, सर्वसाधारण
७९७ राखीव निधी व ठेवी लेख्यांमध्ये हस्तांतरण
(००)(०४) तेराव्या वित्त आयोगाच्या अनुदानातून बांधकामे

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ४,०८,७५.०० | | |
| पूरक | | १,६६,१९.३१ | १,६६,१९.२९ | (-)०.०२ |
| पुनर्वि. | (-)२,४२,५५.६९ | | |

प्रादेशिक प्राधिकरणाच्या मार्ग परिरक्षण मागणीच्या कृती आराखडयाला मान्यता न मिळाल्याने मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील रु. २,४२,५५.६९ लाख एवढा निधी परत करण्यात आला.

रु.०.०२ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता,वरील उपशीर्षाखालील रु.२,४२,५५.६९ लाखांचा काढलेला निधी अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले.

रु. ०.०२ लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४).

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४२३४८ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सन २०१३-१४ मध्ये या लेखाशिर्षाखाली एकूण अर्थसंकल्पीय तरतूद रु.४०८,७५.०० लाख (रुपये चारशे आठ कोटी पंच्याहत्तर लाख फक्त) एवढी करण्यात आली होती. त्यापैकी रु.१६६,१९.३१ लाख (रुपये एकशे सहासष्ट कोटी एकोणीस लाख एकतीस हजार फक्त) एवढी तरतूद वितरीत करण्यात आली होती. तर त्या तूलनेत प्रत्यक्ष खर्च रु.१६६,१९.२९ लाख (रुपये एकशे सहासष्ट कोटी एकोणीस लाख एकोणतीस हजार फक्त) दर्शविण्यात आला आहे. परिणामी रु.०.०२ लाख (रुपये दोन हजार फक्त) इतकी बचत झाल्याचे दिसून येते. सदर बचत अत्यल्प असल्याने क्षमापित करण्यात यावी.

या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयांकडून करण्यात आलेली मागणी विचारात घेता रु.२४२,५५.६९ लाख (रुपये दोनशे बेचाळीस कोटी पंचावन्न लाख एकोणसत्तर हजार) तरतूद समर्पित करण्यात आली. सदरहु योजनेसाठी केंद्र शासनाकडून निधी प्राप्त झाला असून तो व्यपगत न होता पुढील आर्थिक वर्षात (सन २०१४-१५) वित्त विभागाकडून प्राप्त झाला आहे.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

२४ पृष्ठ क्रमांक-१७१
अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल
प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल
८०, सर्वसाधारण
००१ संचालन व प्रशासन
(००)(०१) (लेख्यांतर्गत हस्तांतरण प्रधानशीर्ष २०५९ सार्वजनिक बांधकामे यामधून यथाप्रमाणे हस्तांतरित केलेला आस्थापना खर्च )

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,६८,००.०० | | | |
| पूरक | -- | १,६८,००.०० | २९,८०.७८ | (-)१,३८,१९.२२ |
| पुनर्वि. | -- | | | |

मुंबई अर्थसंकल्प नियम पुस्तिकेतील परिच्छेद-७२ मध्ये २०५९ सार्वजनिक बांधकाम या लेखाशीर्षाखाली आस्थापना तसेच हत्यारे व सयंत्रे खर्च आंतरखाते बदलाव्दारे इतर भांडवली व महसुली शीर्षाकडे वर्ग करण्याची पध्दत विहित केली आहे. जेणेकरून सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून करण्यात आलेल्या विविध कामावरील आस्थापना व सयंत्रावरील खर्चाचे वरील प्रमाणात योग्य निर्धारण करता यावे. यानुसार परिगणना करण्यासाठी खालील सूत्र अवलंबविण्यात येते.

अ) २०५९ सार्वजनिक बांधकामे (एक) संचालन व प्रशासन या मुख्य लेखाशीर्षाखालील एकूण तरतूद

**वजा**

१. स्थानिक क्षेत्रासाठी केलेली तरतूद
२. रुपांतरित आस्थापनेसाठी केलेली तरतूद
३. राज्य रस्ते निधीकडे खर्ची टाकण्यात आलेला आस्थापना खर्च

४. अन्य शासकीय/ स्थानिक संस्था/ खाजगी संस्थांसाठी केलेल्या कामाबद्दल ००५९ सार्वजनिक बांधकाम या शीर्षाखाली येणाऱ्या जमा रकमा

ब. हस्तांतरण करावयाचा निव्वळ आस्थापना खर्च

क. भांडवली शीर्षावरील टक्केवारी खर्च (आस्थापना खर्च)

ड. महसुली शीर्षाखाली कामावर आकारावयाचा व हस्तांतर करावयाचा निव्वळ आस्थापना खर्च (ब क)

तद्नंतर उपरोक्त आकडेवारीच्या आधारे खालीलप्रमाणे गुणक परिगणित करण्यात येते.

वरील ड नुसार एकुण आस्थापना खर्च
महसुली विभागातील सर्व प्रमुख लेखाशीर्षा खालील मुळ बांधकामावरील एकुण खर्च (प्रमुख लेखाशीर्ष) २२१७ व २२५२ वगळून) गुणक "क्यु"

यावरून संबंधित लेखाशीर्षाकडे हस्तांतरित करावयाची रक्कम खालीलप्रमाणे परिगणित करण्यात येते.

१. २२१६ गृहनिर्माण या शिर्षाखालील तरतूद x क्यु २२१६ गृहनिर्माण तरतूद खालील आंतर लेखा हस्तांतरण.

२. ३०५४ मार्ग व पूल या शीर्षाखाली तरतूद (स्थानिक क्षेत्र वगळून) x क्यु ३०५४ रस्ते व पुल खालील आंतर लेखा हस्तांतरण

वरील (१) व (२) नुसार संबंधित लेखाशीर्षाकडे (म्हणजे २२१६-गृहनिर्माण व ३०५४- रस्ते व पूल या शीर्षाकडे खर्च हस्तांतरण केल्यानंतर २०५९ सार्वजनिक बांधकामे खालील उर्वरीत खर्च त्याच शीर्षाखाली रहातो.

हे सुत्र ह्या लेखाशीर्षाखालील एकुण अनुदान व खर्च ह्या दोन्ही बाबी खालील आकडेवारी निश्चित करण्यासाठी सामायिक आहे. पहिली बाब पुर्वानुमानावर निश्चित करण्यात येते. दुसरी बाब वर्षे अखेरीस प्रत्यक्ष आकडेवारीवर निश्चित करण्यात येते.. त्यामुळे या दोन्ही टप्प्यावरील आकडेवारी तसेच ज्या गुणकाच्या आधारे संबंधित शीर्षाकडे हस्तांतर करावयाची रक्कम ठरविली जाते तो गुणकही नेहमीच सारखा नसतो आणि ह्या गुणकामध्ये जराशी तरी तफावत झाल्यास ती परीणामत: बचत किंवा अधिक्य होण्यास प्रकरणपरत्वे कारणीभूत ठरते. हेच कारण प्रस्तुत प्रकरणी झालेल्या बचतीबाबत आहे. तसेच फरकाबाबतची कारणे सर्वसाधारणत: विनियोजन लेख्यामधील संबंधीत शीर्षाखालील अधिक्य/ बचत बाबींवर दिलेल्या स्पष्टीकरणानुसार आहेत.

प्रसंगत: ह्या उपलेखाशीर्षाखाली दर्शविण्यात आलेला खर्च काल्पनिक आहे. आस्थापना व हत्यारे व सयंत्रे यावरील खर्च प्रथमत: २०५९ सार्वजनिक बांधकाम या शीर्षाखाली नोंदविला जातो व तद्नंतर संबंधित उपलेखाशीर्षाकडे आंतरखाते बदल केला जातो. जेणे करुन महसुली शीर्षाखाली कामावर झालेला प्रत्यक्ष खर्च दिसून यावा.

त्यामुळे सदर विनियोजन लेख्यात दर्शविण्यात आलेली बचत प्रत्यक्ष बचत नसुन सदर बचत आंतरलेखा हस्तांतरणावरील आहे.

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

२५ पृष्ठ क्रमांक-१७१
अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल
प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल
८०, सर्वसाधारण
०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री
(००)(०१) (लेख्यांतर्गत हस्तांतरण प्रधानशीर्ष २०५९ सार्वजनिक बांधकामे यामधून हत्यारे व संयंत्रे खर्चाचे यथाप्रमाण हस्तांतरण )

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ८,६७.८३ | ८,६७.८३ | ७६.८४ | (-)७,९०.९९ |

वरील खर्च हा समायोजित स्वरुपाचा असला तरी अपेक्षित बचत करुन ती वेळेत परत करणे ही विभागाची जबाबदारी आहे. जेणेकरुन,इतर कार्यक्रमाकरिता ती रक्कम वापरता येऊ शकेल. तथापि,वरील उपशीर्षाखालील रु. १,४६,१०.२१ लाख इतका निधी परत न करण्यात आल्याबाबतची कारणे प्रतिक्षेत आहेत.(ऑगस्ट २०१४)

मुंबई अर्थसंकल्प नियम पुस्तिकेतील परिच्छेद ७२ मध्ये २०५९ - सार्वजनिक बांधकामे या लेखाशीर्षाखाली आस्थापना तसेच हत्यारे व सयंत्रे खर्च आंतरखाते बदलाव्दारे इतर भांडवली व महसुली शीर्षाकडे वर्ग करण्याची पध्दती विहित केली आहे की, जेणेकरून सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून करण्यात आलेल्या विविध कामावरील प्रयोजनासाठीच्या खर्चाचे योग्य निर्धारण करता यावे. ह्यानुसार परिगणना करण्यासाठी खालील सूत्र अवलंबिण्यात येते.

अ) २०५९ सार्वजनिक बांधकामे (एच-६) यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री या उपलेखाशीर्षाखाली एकूण तरतूद.

वजा

१. स्थानिक क्षेत्रासाठी करण्यात आलेली तरतूद
२. राज्य रस्ते निधीकडे खर्ची टाकण्यात आलेला हत्यारे व संयंत्रे खर्च
३. अन्य शासकीय/ स्थानिक संस्था/ खाजगी संस्थांच्या कामाबद्दल व
४. ००५९ सार्वजनिक बांधकामे या शीर्षाखाली येणाऱ्या जमा रकमा

ब) हस्तांतरण करावयाच्या निव्वळ हत्यारे व सयंत्रे खर्च - (वजा)

क) भांडवली शीर्षावर टक्केवारी खर्च (हत्यारे व सयंत्रे खर्च)

ड) एकूण (ब व क) महसुली शीर्षाखालील कामावर आकारावयाच्या व करावयाच्या एकूण हत्यारे व सयंत्रे खर्च. तदनंतर उपरोक्त आकडेवारीच्या आधारे खालीलप्रमाणे गुणक परिगणित करण्यात येतो.

<u>वरील ड नुसार एकुण हत्यारे व सयंत्रे खर्च</u>

महसुली विभागातील सर्व प्रमुख लेखाशीर्षाखालील मूळ = गुणक "क्यू"
बांधकामावरील एकूण खर्च (प्रमुख लेखाशीर्ष २२१७ व २४०६) वगळून

यावरून संबंधित लेखाशीर्षाकडे हस्तांतरित करावयाची रक्कम खालीलप्रमाणे परिगणित करण्यात येते.

१. २२१६ - गृहनिर्माण या शीर्षाखाली तरतूद (स्थानिक क्षेत्र वगळून) x क्यू = २२१६ गृहनिर्माण खालील आंतर लेखा हस्तांतरण

२. ३०५४ - मार्ग व पूल या शीर्षाखाली तरतूद (स्थानिक क्षेत्र वगळून) x क्यु = ३०५४ रस्ते व पुल खालील आंतर लेखा हस्तांतरण

वरील (१) व (२) नुसार संबंधित लेखाशीर्षाकडे (म्हणजे २२१६ - गृहनिर्माण व ३०५४ रस्ते व पूल या शीर्षाकडे) खर्च हस्तांतर केल्यानंतर २०५९ - सार्वजनिक बांधकामे या खालील उर्वरीत खर्च त्याच शीर्षाखाली रहातो

हे सूत्र या उपलेखाशीर्षाखालील एकूण "अनुदान" व "खर्च" ह्या दोन्ही बाबीखालील आकडेवारी निश्चित करण्यासाठी सामायिक आहे. पहिली बाब पुर्वानुमानावर निश्चित करण्यात येते. तर दुसरी वर्ष अखेरीस प्रत्यक्ष आकडेवारीवर निश्चित करण्यात येते. त्यामुळे या दोन्ही टप्प्यांवरील आकडेवारी तसेच ज्या गुणकाच्या आधारे संबंधित शीर्षाकडे हस्तांतर करावयाची रक्कम ठरविली जाते तो गुणकही नेहमीच सारखा नसतो. आणि ह्या गुणकामध्ये जराशी जरी तफावत झाल्यास ती परीणामत: बचत किंवा अधिक्य होण्यास प्रकरणपरत्वे कारणीभूत ठरते. व हेच कारण प्रस्तुत प्रकरणी झालेल्या अधिक्या बाबत देण्यात येत आहे. तसेच फरकाबाबतची कारणे सर्वसाधारणत: विनियोजन लेख्यामधील संबंधीत शीर्षाखालील अधिक्य/ बचत बाबींवर दिलेल्या स्पष्टीकरणानुसार आहेत.

प्रसंगत: ह्या उपलेखाशीर्षाखाली दर्शविण्यात आलेला खर्च काल्पनिक आहे. आस्थापना व हत्यारे व सयंत्रे यावरील खर्च खर्च प्रथमत: २०५९ - सार्वजनिक बांधकाम या शीर्षाखाली नोंदविला जातो व तद्नंतर संबंधित उपलेखाशीर्षाकडे आंतरलेखा हस्तांतरण केला जातो. जेणेकरून महसुली शीर्षाखालील कामावर झालेला प्रत्यक्ष खर्च दिसून यावा.

त्यामुळे सदर विनियोजन लेख्यात दर्शविण्यात आलेली बचत प्रत्यक्ष बचत नसुन सदर बचत आंतरलेखा हस्तांतरणावरील आहे.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| २६ | पृष्ठ क्रमांक-१७१<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल<br>८०, सर्वसाधारण<br>१९०, सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य<br>(००)(०१) महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ मर्यादित यांना सहाय्य | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०७१२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>वित्त विभागाने मंजूर केलेले सुधारित अंदाज विचारात घेता रु.१६,८७.०० लाख (रुपये सोळा कोटी सत्याऐंशी लाख फक्त) एवढी तरतूद सर्मपित करण्यात आली. |

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ७०,००.०० | | | |
| पुरक | ९८,६७.०० | १,५१,८०.०० | १,५१,८०.०० | -- |
| पुनर्वि | (-)१६,८७.०० | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

२७ पृष्ठ क्रमांक- १७१
अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल
प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल
८० सर्वसाधारण
१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमांना सहाय्य
(००)(०४) महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाव्दारे हाती घेतलेल्या प्रकल्पांकरिता वित्तीय सहाय्य

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,१०,००.०० | | | |
| पुरक | १०,००.०० | ८८,००.०० | ८८,००.०० | -- |
| पुनर्वि | (-)३२,००.०० | | | |

अपेक्षित बचती नमूद केल्यामुळे वरील उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे रु.४८,८७.०० लाखांचा निधी काढण्यात आला.

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४१९८७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

या वर्षात वित्त विभागाने मंजूर केलेले सुधारित अंदाज विचारात घेता रु.३२,००.०० लाख (रुपये बत्तीस कोटी फक्त) एवढी उर्वरित तरतूद समर्पित करण्यात आली.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| २८ | पृष्ठ क्रमांक- १७२<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ पूल<br>(०१)(०१) पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>(रुपये लाखांत)<br>एकूण अनुदान / प्रत्यक्ष खर्च / अधिक खर्च (+) बचत(-)<br>मूळ २१.००<br>पुरक -- ५.५० ५.५० --<br>पुनर्वि (-)१५.५०<br>कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता वरील उपशीर्षाखाली मार्च २०१४ मध्ये रु. १५.५०लाख एवढा निधी परत करण्यात आला | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०५३२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयांकडून करण्यात आलेली मागणी व वित्त विभागाने मंजूर केलेले सुधारित अंदाज विचारात घेता रु.१५.५० लाख (रुपये पंधरा लाख पन्नास हजार फक्त) एवढी उर्वरित तरतूद समर्पित करण्यात आली. |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

२९ पृष्ठ क्रमांक- १७२

अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल

प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल

०५ आंतरराज्यीय आणि आर्थिक दृष्टया महत्वाचे मार्ग

३३७ रस्त्याची बांधकामे

(००)(०२) आर्थिक दृष्टया महत्वाचे मार्ग (केंद्राचा हिस्सा)

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५०.०० | | |
| पुरक | -- | -- | --- |
| पुनर्वि | (-) ५०.०० | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४२३२१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात लेखाशिर्षाखाली रु.५०.०० लाख (रुपये पन्नास लाख फक्त) एवढी अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती. परंतु या लेखाशिर्षाखाली कामे अर्थसंकल्पीत नसल्याने सदर रु.५०.०० लाख (रुपये पन्नास लाख फक्त) एवढी तरतूद समर्पित करण्यात आली आहे.

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | | | | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| ३० | पृष्ठ क्रमांक-१७२<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशीर्ष-३०५४, मार्ग व पूल<br>०३ राज्य महामार्ग<br>१०३ परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(०२) (०१) राज्य क्षेत्रातील दळणवळणाच्या मार्गाची दुरुस्ती | | | | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०१११ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>वित्त विभागाने सदर लेखाशिर्षाखाली रु.१३,९०,२०.०० लाख मूळ अनुदान मंजूर केले होते. वित्त विभागाने सदर अनुदानातून १०% कपात केल्यामुळे विभागास प्रत्यक्षात रु.१२,५१,१८.०० लाख इतके अनुदान प्राप्त झाले. सन २०१३ मध्ये झालेल्या अतिवृष्टीसाठी वित्त विभागाने डिसेंबर,२०१३ च्या अर्थसंकल्पात पूरहानी दुरुस्ती कार्यक्रमासाठी रु.९,००,००.०० लाख (रुपये नऊशे कोटी फक्त)ची पूरक मागणी मान्य केली. तथापि, वित्त विभागाने एकुण अंतिम सुधारीत अंदाज रु.१६,००,००.०० लाख (रुपये एक हजार सहाशे कोटी फक्त) इतके मंजूर केल्यामुळे पूरहानीसाठी प्रत्यक्षात रु.३,४८,८२.०० लाख (रु.१६,००,०० लाख – रु.१२,५१,१८लाख) इतकाच निधी प्राप्त झाला. सुधारित अंदाज विचारात घेता रु.६९०,२०.०० लाख (रुपये सहाशे नव्वद कोटी वीस लाख) तरतूद समर्पित करण्यात आली.<br>एकुण अनुदान व खर्चाच्या तुलनेने रु.४,५२.८४ लाख (रुपये चार कोटी बावन्न लाख चौऱ्याशी हजार फक्त) अधिक खर्च अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावा. |

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १३,९०,२०.०० | | | |
| पुरक | ९,००,००.०० | १६,००,००.०० | १६,०४,५२.८४ | (+)४,५२.८४ |
| पुनर्वि | (-)६,९०,२०.०० | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

३१ पृष्ठ क्रमांक- १७२
अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल
प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल
०४ जिल्हा व इतर मार्ग
८०० इतर खर्च
(०१)(०१) केंद्रीय मार्ग निधी (वाटप)

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | | १८,२७.०० | | |
| पुरक | | ६,०९.६७ | १६,८६.४६ | १६,८६.४७ | (+)०.०१ |
| पुनर्वि | | (-) ७,५०.२१ | | |

रु.४,५२.८५ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता,वित्त विभागाने कपात लादल्यामुळे सुधारित मंजूर अंदाजातील, तरतूद कमी केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखालील प्रत्यर्पणाव्दारे काढण्यात आलेला रु.६,९७,७०.२१ लाख इतका निधी विवेकहीन सिध्द झाला.

रु.४,५२.८५ लाख इतक्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४).

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०१६७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) अधिक खर्च हा अंतिम वितरित तरतूदीच्या तुलनेत अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावा.

या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयांकडून करण्यात आलेली मागणी व वित्त विभागाने मंजूर केलेले सुधारित अंदाज विचारात घेता रू.७५०.२१ लाख (रुपये सात कोटी पन्नास लाख एकवीस हजार) तरतूद समर्पित करण्यात आली.

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३२ | पृष्ठ क्रमांक- १७२<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशीर्ष -३०५४ मार्ग व पूल<br>०३, राज्य महामार्ग<br>१०२ पूल<br>(०१)(०२) केंद्रीय मार्ग निधी (वाटप) मोठी बांधकामे<br>(रुपये लाखांत) | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४००७८ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>अधिक खर्च हा अंतीम वितरित तरतुदीच्या तुलनेत अल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावा.<br>या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयानी करण्यात आलेली मागणी व वित्त विभागाने मंजुर केलेले सुधारित अंदाज विचारात घेता रु.२७७४.१३ लाख समर्पित करण्यात आली. |

| | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५६,०२.५० | | |
| पुरक | १८,१७.०५ | ४६,४५.४२ | ४६,५६.०४ (+)१०.६२ |
| पुनर्वि | (-) २७,७४.१३ | | |

रु.१०.६२ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता,नियंत्रण अधिकाऱ्यांनी मागणी केल्याच्या आधारावर प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखालील कमी करण्यात आलेली रु.२७,७४.१३ लाख इतक्या रकमेची तरतूद अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले,त्याची कारणे प्रतिक्षेत आहेत (ऑगस्ट २०१४)

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३३ | पृष्ठ क्रमांक-१७३<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशिर्ष-३०५४-मार्ग व पूल<br>०३ राज्य महामार्ग<br>१०२ पूल<br>(०१)बांधकाम<br>(०१) (०१) सर्वसाधारण मोठी/लहान बांधकामे<br>(रुपये लाखात ) | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४००६९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ मध्ये वित्त विभागाने मंजूर केलेल्या सुधारीत अंदाजानुसार रु. ३०.०० लक्ष इतकी तरतूद समर्पित करण्यात आली. |

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,५०.०० | | |
| पूरक | -- | १,२०.०० | २,४३.०१ | (+) १,२३.०१ |
| पुनर्वि. | (-) ३०.०० | | |

रु.१,२३.०१ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता,सुधारित अंदाजातील नमूद निधी कमी केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली काढण्यात आलेला रु.३०.०० लाखाचा निधी अधिक असल्याचे सिध्द झाले (ऑगस्ट २०१४.)

रु. १,२३.०१ लाख इतक्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४.)

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३४ | पृष्ठ क्रमांक-१७३<br>क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशिर्ष-३०५४-मार्ग व पूल<br>०४ जिल्हा व इतर मार्ग<br>१९६ जिल्हा परिषदांना सहाय्य<br>(०३)परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०३) (०२) नियमित आस्थापनेवर आणण्यात आलेल्या कार्यकाची आणि रोजंदारीवरील कर्मचारी वर्गाकरीता जिल्हा परिषदांना आस्थापना अनुदान | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०२२९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ मध्ये रुपांतरीत आस्थापनेवर आणण्यात आलेल्या कर्मचाऱ्यांना सहावा वेतन आयोगाचे हप्ते व थकबाकीचे प्रदाने इ.कारणांनी सुधारीत अंदाजानुसार रु.३८.९५ लाख (रुपये अडतीस लाख पंच्याण्णव हजार फक्त) एवढा अधिक खर्च झालेला आहे. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ५७,७१.४८ | | | |
| पूरक | -- | ५६,१५.१० | ५६,५४.०५ | (+) ३८.९५ |
| पुनर्वि. | (-) १,५६.३८ | | | |

रु.३८.९५ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता,प्रादेशिक प्राधिकरणाव्दारे कमी मागणी केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखालील काढण्यात आलेला रु.१,५६.३८ लाख इतका निधी अधिक असल्याचे सिध्द झाले.

रु.३८.९५ लाख इतक्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४)

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३५ | पृष्ठ क्रमांक-१७३<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशिर्ष-३०५४-मार्ग व पूल<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(००) (०६) तेराव्या वित्त आयोगाची अनुदाने-दुर्गम क्षेत्रातील रस्त्यांचा विकास | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४२३६६ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>क्षेत्रीय कार्यालयांनी केलेल्या मागणीइतकी आवश्यक ती तरतूद ठेवण्यात येऊन शिल्लक तरतूद रु.५८,२६.८९ लाख (रुपये अठ्ठावन्न कोटी सव्वीस लाख एकोणनव्वद हजार) समर्पित करण्यात आलेली आहे.सदर योजनेअंतर्गत समर्पित केलेली तरतूद पुढील आर्थिक वर्षात वित्त विभागाने उपलब्ध करुन दिलेली आहे. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | -- | | |
| पूरक | ९६,७७.८३ | ३८,५०.९४ | ३८,५०.९४ | -- |
| पुनर्वि. | (-) ५८,२६.८९ | | |

प्रादेशिक प्राधिकरणाव्दारे मागणी कमी केल्याचे नमूद केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील पूरक तरतूदीतून रु. ५८,२६.८९ लाख इतका निधी काढण्यात आला.

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३६ | पृष्ठ क्रमांक-१७३<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>प्रधानशिर्ष-३०५४-मार्ग व पूल<br>०३ राज्य महामार्ग<br>१०३ परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(०२) (०१) राज्य क्षेत्रातील दळणवळणाच्या मार्गांची दुरुस्ती<br>(रुपये लाखात ) | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.३०५४०६१२या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या संदर्भात स्पष्ट करण्यात येते की, सदर लेखाशिर्षाखाली रु.१५.०० लाख (रुपये पंधरा लाख फक्त) एवढी अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली होती. सदर तरतूद ही भारीत तरतूद असून न्यायालयीन प्रकरणी या तरतूदीतून खर्च करण्यात येतो. सन २०१३-१४ मध्ये या लेखाशिर्षाखाली क्षेत्रिय कार्यालयांकडून मागणी प्राप्त न झाल्याने रु.१५.०० लाख (रुपये पंधरा लाख फक्त) एवढी संपूर्ण तरतूद वर्ष अखेरीस समर्पित करण्यात आली. |

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १५.०० | | |
| पूरक | -- | -- | -- |
| पुनर्वि | (-)१५.०० | | |

६. बचतीसह अनुदान बंद होण्याचे हे लागोपाठचे पाचवे वर्ष आहे. त्यातून अत्याधिक अंदाज केल्याचे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निदर्शनात येते. मागील वर्षातील बचत खाली दिल्याप्रमाणे आहे:-

| वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च (रु. लाखात) | अधिक खर्च |
|---|---|---|---|
| २००९-१० | २९,६२,१९.६२ | २५,९७,४६.७५ | ३,६४,७२.८७ |
| २०१०-११ | २९,९९,१८.४० | २८,९६,२०.६६ | १,०२,९७.७४ |
| २०११-१२ | ३४,११,५९.३३ | ३०,३७,१२.८८ | ३,७४,४६.४५ |
| २०१२-१३ | ३२,५६,३३.२३ | २६,९६,९१.८८ | ५,५९,४१.३५ |

# सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१२-१३ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३७ | पृष्ठ क्रमांक- १७३<br>अनुदान क्रमांक एच-५-मार्ग व पूल<br>**केंद्रीय मार्ग निधीमधून अर्थसहाय्य** :- या अनुदानाखालील खर्चात रु.२,२९,६१.८१ लाख इतका खर्च ८४४९ इतर ठेवी केंद्रीय मार्ग निधीमधून अर्थसहाय्य या जमा शीर्षाकडे हस्तांतरित केल्याचा समावेश आहे. मोटार स्पिरीट यावरील वाढलेल्या उत्पादन व आयात शुल्कांची वसुली केलेला अतिरिक्त महसूल हा भारत सरकारने स्थापन केलेल्या निधीकडे जमा करण्यात येतो. भारत सरकारने मंजूर केलेल्या मार्ग विकासाच्या योजनांवरील खर्चासाठी राज्य शासनाला त्या निधीमधून अर्थसहाय्य करण्यात येते आणि विकासावरील व तेवढीच रक्कम या अनुदानाखालील तरतूदीमधून ८४४९-इतर ठेवी-केंदीय मार्ग निधीमधून अर्थसहाय्य करण्यात येते आणि विकासावरील व तेवढीच रक्कम या अनुदानाखालील तरतूदीमधून ८४४९-इतर ठेवी – केंद्रीय मार्ग निधीमधून अर्थसहाय्य या शीर्षाकडे हस्तांतरित करण्यात येते. मार्ग विकासावरील प्रत्यक्ष खर्चाची प्रथमत: या अनुदानाखाली नोंद करण्यात येते व नंतर ती त्या वर्षाच्या लेख्यातील केंद्रीय मार्ग निधीमधून अर्थसहाय्य या जमा लेख्यांकडे हस्तांतरित करण्यात येते. | कार्यपध्दतीविषयक टिप्पणी, म्हणून कोणतेही अभिप्राय नाहीत. |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३८ | पृष्ठ क्रमांक-१७३<br>अनुदान क्रमांक-एच-६ सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>२२०२ सर्वसाधारण शिक्षण<br>२२०३ तंत्र शिक्षण<br>२२०५ कला व संस्कृती<br>२२१० वैदयकीय सेवा व सार्वजनिक आरोग्य<br>२२१७ नगरविकास<br>२२३० कामगार व सेवायोजन<br>२४०३ पशुसंवर्धन<br>२४०५ मत्स्यव्यवसाय<br>दत्तमत- | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम विचारात घेता, प्रत्यक्षात रु.९९९.३३ लाख (रुपये नऊ कोटी नव्याण्णव लाख तेहतीस हजार फक्त) (रु. ३७६,९५.३१ लाख – रु. ३६६,९५.९८ लाख) इतकी बचत झाली आहे. |

(रुपये हजारात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २२,३६,०४,५० | | | |
| पुरक | २,२१,१०,६६ | २४,५७,१५,१६ | २०,८०,१९,८५ | (-) ३,७६,९५,३१ |

वर्षभरातपरत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) ३,६६,९५,९८

भारित-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ३,१५,९६ | ३,१५,९६ | २,९६,२३ | (-)१९,७३ |
| पूरक | --- | | | |

वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) २१,१०

टिपा व भाष्ये:

अनुदानातील रु.२०,८०,१९.८५ लाखांचा एकूण खर्च हा रु.२२,३६,०४.५० लाखांच्या मूळ तरतूदीइतकाही झाला नाही रु.२,२१,१०.६६ लाखांची पूरक तरतूद (जुलै २०१३ मध्ये रु. ७८,३९.६४ लाख,डिसेंबर २०१३ मध्ये रु.१,४२,७१.०० लाख आणि मार्च २०१४ मध्ये रु.०.०२ लाख) अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाली.

२. बचतीसह अनुदान बंद होण्याचे हे लागोपाठचे पाचवे वर्ष असून,त्यातून अत्याधिक अंदाज केल्याचे व त्यामुळे सदोष अर्थसंकल्पन असल्याचे निदर्शनात येते.

३. पूरक अनुदानाची तरतूद करण्यात आल्यामुळे ही दीर्घकालीन बचत आहे असे दर्शविते आणि निधी रोखून ठेवण्यात आल्याचे दिसून आले असून जो निधी अन्यत्र इतर गरजू विभागातील उत्पादक योजनांसाठी वापरत येणे शक्य होऊ शकेल. वित्त विभागाने याबाबत आढावा घेण्याची गरज आहे.

४. अनुदानाखालील अंतिम बचत रु.३,७६,९५.३१ लाख असताना,वर्षभरात केवळ रु. ३,६६,९५.९८ लाखांचा निधी परत करणे अपेक्षित होते.

५. अनुदानातील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली.

तसेच सन २०१३-१४ मध्ये भारित खर्चासाठी एकूण रु.३,१५.९६ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख शहाण्णव हजार फक्त) एवढी अर्थसंकल्पीय तरतूद या लेखाशिर्षाखाली उपलब्ध झाली होती. तर त्या तूलनेत प्रत्यक्ष खर्च रु.२,९६.२३ लाख (रुपये दोन कोटी शहाण्णव लाख तेवीस हजार फक्त) दर्शविण्यात आला आहे. परिणामी रु. १९.७३ लाख (रुपये एकोणीस लाख त्र्याहत्तर हजार फक्त) बचत दर्शविण्यात आली आहे. परंतु वर्षभरात रु.२१.१० लाख एवढी तरतुद समर्पित केली असल्याने रु.१.३७ लाख इतका अधिक खर्च दिसुन येत आहे. सदर अधिक खर्च २०५९२९०२ खाली न्यायालयीन न्यायनिर्णयानुसार अदा करावयाच्या रकमांवरील आहे. सदर लेखाशिर्षाखाली रा.म. विभाग लातूर व नांदेड यांनी अनुक्रमे रु.०.९०लाख व रु. ०.४७ लाख केला आहे.

मागणी क्र. एच-६ मधील बचत/अधिक खर्चाची गौणशिर्षनिहाय स्पष्टीकरणे पुढील पानावर दिलेली आहेत.

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ३९ | पृष्ठ क्रमांक-१७५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६ सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>०१ , कार्यालयीन इमारती<br>०५३, परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०२)(०१) इमारतींची दुरुस्ती | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२०४५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत एकूण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे.<br>या वित्तिय वर्षात सदर लेखाशीर्षाखालील तरतुदींना २० टक्के कपात लावल्याने रु. ७०६३९.६४ लाख तरतुदीपैकी रु.१४१२७.९३ लाख एवढी तरतुद प्राप्त झालेली नव्हती. प्राप्त रु.५६५११.७१ लाख तरतुदीपैकी रु.१९००.१६ लाख एवढी तरतुद मंत्रालय इमारतींच्या दुरुस्तीच्या कामांवर खर्च होऊ न शकल्याने एकूण रु.१६०२८.०९ लाख (रु.१४१२७.९३ + रु.१९००.१६) एवढी तरतुद समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात )

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५,२८,००.०० | | |
| पूरक | १,७८,३९.६४ | ५,४६,११.५५ | ५,४६,०८.३६ | (-) ३.१९ |
| पुनर्वि. | (-) १,६०,२८.०९ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४० | पृष्ठ क्रमांक-१७५<br>अनुदान अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(३७) अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.)मंडळ,नागपूर<br>(३७)(०२)कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९११८३ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील कर्मचा-यांची वैद्यकीय देयके व वेतनाचे देयके कोषागार कार्यालयात पारित न झाल्यामुळे रु.३२.०४ लाख इतकी बचत झालेली आहे.<br>या मंडळाअंतर्गत रिक्त पदे न भरल्यामुळे व कालेलकर आस्थापनेवरील पदे सेवानिवृत्तीमुळे रिक्त झाल्याने, वेतन/भत्याच्या दरामध्ये अपेक्षित वाढ न झाल्याने रु.१९,००,६० लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,०१,९१.७३ | | | |
| पूरक | १०.०० | ८३,०१.१३ | ८२,६९.०९ | (-) ३२.०४ |
| पुनर्वि. | (-)१९,००.६० | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४१ | पृष्ठ क्रमांक-१७५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>०५२, यंत्रसामग्री व साधनसामग्री<br>(००)(०१) दुरुस्ती व वाहनावळ | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२११६ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर विनियोजन लेख्यात दर्शविण्यात आलेली बचत एकूण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये योजनेतर तरतुदींना १० टक्के कपात लावल्याने प्रत्यक्षात खर्चासाठी रु.५५,८०.०० लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली होती. त्यामुळे उर्वरित रु. ६,२०.०२ लाख इतकी तरतूद सर्मपित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ४२,००.०२ | | | |
| पूरक | २०,००.०० | ५५,८०.०० | ५५,७९.९५ | (-) ०.०५ |
| पुनर्वि. | (-)६,२०.०२ | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४२ | पृष्ठ क्रमांक-१७५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम<br>०१, कार्यालयीन इमारती<br>०५१, बांधकाम<br>(०२) न्यायदान<br>(०२)(०१) प्रबंधक उच्च न्यायालय,अपील शाखा स्वेच्छाधीन अनुदानामधून लहान बांधकामासाठी वित्त सहाय्य | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१४३२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर लेखाशिर्षाखाली दर्शविण्यात आलेल्या रु.४.३४ लाख बचतीपैकी रु.१.६४ लाख एवढी बचत उपकार्यकारी अभियंता सा.बां.विभाग,सोलापूर यांचेकडील असुन उर्वरित रु.२.७० लाख एवढी बचत प्रबंधक उच्च न्यायालय, अपिल शाखा यांच्याकडील आहे.<br>वित्त विभागाने योजनांतर्गत तरतुदींना कपात लावल्यामुळे रु.१००.०० लाख तसेच काही कामे पूर्ण झाल्याने रु.२.०४ लाख असे एकूण रु.१०२.०४ लाख इतके अनुदान समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ५,००.०० | | | |
| पूरक | -- | ३,९७.९६ | ३,९३.६२ | (-) ४.३४ |
| पुनर्वि. | (-) १,०२.०४ | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४३ | पृष्ठ क्रमांक-१७६<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>०१,कार्यालयीन इमारती<br>०५१,बांधकाम<br>(०५) पोलीस<br>(०५)(०१) पोलीस महासंचालक स्वेच्छाधीन अनुदानामधून लहान बांधकामासाठी वित्तसहाय्य | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१६२१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>राज्यातील विविध ठिकाणच्या लहान लहान कामांवरील रु.६.८१ लाख एवढी अखर्चित तरतुद अनावधानाने समर्पित करावयाची राहून गेली. परिणामी रु.६.८१ लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>राज्यात सार्वत्रिक निवडणूकांची आचारसंहिता दि.५/०३/२०१४ पासुन लागु झाली होती. त्यामुळे कामावर निधी खर्च करण्यासाठी आवश्यक परवानगी घेऊन निधी खर्च करणे शक्य नव्हते. त्यामुळे रु.२०.७९लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १.१०.२५ | | |
| पूरक | -- ८९.४६ | ८२.६५ | (-) ६.८१ |
| पुनर्वि. | (-)२०.७९ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४४ | पृष्ठ क्रमांक-१७६<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>०१,कार्यालयीन इमारती<br>०५३, परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(०२)(०२) पशुसंवर्धन इमारतीची दुरुस्ती | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२७२४ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे.<br>या वित्तिय वर्षात योजनेत्तर तरतुदींना १० टक्के कपात लावल्याने रु.१७.९३ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,७९.३० | | |
| पूरक | -- | १,६१.३७ | १,६१.३६ (-) ०.०१ |
| पुनर्वि. | (-) १७.९३ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४५ | पृष्ठ क्रमांक-१७६<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(४४)अधिक्षकअभियंता,औरंगाबाद-प्रदेश (विदयुत)मंडळ,औरंगाबाद<br>(४४)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०८२१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये रिक्त पदे विचारात घेऊन रु.१०.७५ लाख एवढे अनुदान समर्पित करणे आवश्यक होते. तथापि आठमाही सुधारित अनुदानामध्ये रु.६.२१ लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. अर्थसंकल्प वितरण प्रणालीमध्ये अडथळा निर्माण झाल्यामुळे उर्वरित रु.४.५४ लाख इतकी तरतुद प्रत्यक्षात समर्पित करावयाची राहून गेली परिणामी सदर बचत दिसुन येत आहे. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ७८.५४ | | |
| पूरक | -- | ७२.३३ | ६७.७९ | (-) ४.५४ |
| पुनर्वि. | (-) ६.२१ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४६ | पृष्ठ क्रमांक-१७६<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(०२) अधीक्षक अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम मंडळ, मुंबई<br>(०२)(०१)पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०८६६ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षामध्ये अधिदान व लेखाधिकारी कार्यालयाकडून काही देयके आक्षेप लावून परत करण्यात आली त्यामुळे रु.२.०० लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>या मंडळ कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु.१५.६७ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,७४.७७ | | | |
| पूरक | -- | १,५९.१० | १,५७.१० | (-) २.०० |
| पुनर्वि. | (-)१५.६७ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४७ | पृष्ठ क्रमांक-१७६<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(०३) अधिक्षक अभियंता, सा.बां.मंडळ,ठाणे<br>(०३)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०८८४या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या मंडळ कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु.२७.९८ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च(+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,९८.८२ | | | |
| पूरक | -- | १,७०.८४ | १,७०.८३ | (-)०.०१ |
| पुनर्वि | (-)२७.९८ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४८ | पृष्ठ क्रमांक-१७७<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(०५) अधिक्षक अभियंता, सा.बां. मंडळ, रायगड,नवी मुंबई<br>(०५)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०१२८ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत एकूण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.१०.१६ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले |

(रुपये लाखात )

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५५.१२ | | |
| पूरक | -- | ४४.९६ | ४४.९५ (-) ०.०१ |
| पुनर्वि. | (-)१०.१६ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ४९ | पृष्ठ क्रमांक-१७७<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(२२) अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.)मंडळ,नाशिक<br>(२२)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०९५५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील वैद्यकिय देयके व अन्य देयके कोषागारातून आक्षेप लावुन परत आल्यामुळे रु. ०.६३ लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.१६.०१ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,५६.६७ | | | |
| पूरक | -- | १,४०.६६ | १,४०.०३ | (-) ०.६३ |
| पुनर्वि. | (-)१६.०१ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५० | पृष्ठ क्रमांक-१७७<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(१५) अधीक्षक अभियंता (सा.बां.)मंडळ ,पुणे<br>(१५) (०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१०११ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत प्रामुख्याने वेतनावरील असुन एकूण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे.<br>या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.११.९३ लाख इतके अनुदान सर्मपित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,६६.८५ | | | |
| पूरक | -- | १,५४.९२ | १,५४.८१ | (-) ०.११ |
| पुनर्वि. | (-) ११.९३ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५१ | पृष्ठ क्रमांक-१७७<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० ,सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(२९) अधिक्षक अभियंता, सा.बां.मंडळ,उस्मानाबाद<br>(२९)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९११११११ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत वेतनावरील असुन एकूण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे.<br>या मंडळातंर्गत रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु. ५६.०६ लाख इतकी तरतुद समर्पित करण्यात आली. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,५४.६४ | | |
| पूरक | -- | १८.५८ | १७.७७ (-)०.८१ |
| पुनर्वि. | (-) ५६.०६ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५२ | पृष्ठ क्रमांक-१७७<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० ,सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(३३) अधिक्षक अभियंता, सा.बां.मंडळ,अमरावती<br>(३३)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९११३८या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या कार्यालयांतर्गत रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु.१९.४९ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,२६.९९ | | |
| पूरक | -- | १,०७.५० | १,०७.३९ | (-) ०.११ |
| पुनर्वि. | (-) १९.४९ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५३ | पृष्ठ क्रमांक-१७८<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(३९) अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.) मंडळ,चंद्रपूर<br>(३९)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९११५६ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>सन २०१३-१४ मध्ये वेतनाकरिता अनुदानाची मागणी करताना गृहित धरलेल्या प्रमाणात महागाईभत्त्यामध्ये वाढ न झाल्यामुळे व नियतवयोमान/ स्वेच्छा सेवानिवृत्ती, मृत्यू इत्यादी कारणांमुळे वर्षभरात काही पदे रिक्त झाल्यामुळे वेतनावरील खर्च कमी झाला. परिणामी रु. ३५.५९ लाख इतका निधी समर्पित करण्यात आला. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,४९.९४ | | | |
| पूरक | -- | १,१४.३५ | १,१४.३४ | (-) ०.०१ |
| पुनर्वि. | (-)३५.५९ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५४ | पृष्ठ क्रमांक-१७८<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(०६) अधिक्षक अभियंता, दक्षता व गुण नियंत्रण मंडळ, नवी मुंबई<br>(०६) (०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१२५४ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या लेखाशिर्षाखालील रु.०.१४ लाख इतका खर्च २०५९२११६ या लेखाशिर्षाखाली दर्शविण्यात आला आहे. त्यामुळे रु.०.१४ लाख इतकी बचत दिसुन येते.याबाबतचा चुकीचा नोंदीचा दुरुस्ती प्रस्ताव महालेखापाल, नागपूर यांनी त्यांचे पत्र जा.क्र.निकाले-३ग्रुप-४/पीडब्ल्युडी-२१६/३६,दि.२१/५/२०१४ अन्वये मान्य करण्यात आला आहे.<br>वर्ग १ ते वर्ग-४ या संवर्गातील रिक्त पदे न भरल्यामुळे तसेच काही कर्मचा-यांकडून विहित कालावधीत प्रवास भत्ते देयके प्राप्त न झाल्यामुळे रु.३५.५१ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | २,७८.५० | | |
| पूरक | -- | २,४२.९९ | २,४२.८५ (-) ०.१४ |
| पुनर्वि. | (-) ३५.५१ | | |

# सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५५ | पृष्ठ क्रमांक-१७८<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(३०) अधिक्षक अभियंता, दक्षता व गुण नियंत्रण मंडळ,औरंगाबाद<br>(३०)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१२९२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या कार्यालयातील काही पदे रिक्त असल्यामुळे रु.३८.८३ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २,९७.८३ | | | |
| पूरक | -- | २,५९.०० | २,५८.९९ | (-) ०.०१ |
| पुनर्वि. | (-)३८.८३ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५६ | पृष्ठ क्रमांक-१७८<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष- २०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(३५) अधिक्षक अभियंता, दक्षता व गुण नियंत्रण मंडळ,अमरावती<br>(३५)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२५७३ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत एकूण अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या कार्यालयातील एकुण ४५ मंजूर पदापैकी १२ पदे रिक्त असल्यामुळे अंतिम तरतुदीची मागणी कमी करण्यात आली. परिणामी रु.३६.२९ लाख इतके अनुदान सर्मपित करण्यात आले. |

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)/ बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २,२७.०० | | | |
| पूरक | -- | १,९०.७१ | १,९०.७० | (-) ०.०१ |
| पुनर्वि. | (-) ३६.२९ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५७ | पृष्ठ क्रमांक-१७८<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(०७) अधिक्षक अभियंता, विशेष प्रकल्प मंडळ,वरळी,मुंबई<br>(०७)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२६२६ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्ष अखेरीस वेतन फरकाची देयके कोषागार कार्यालयाकडून वेळीच पारीत न झाल्यामुळे रु.१.०८ लाख बचत झाली आहे.<br>रिक्त झालेली पदे न भरल्याने रु.१५.९२ लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १.०६.३० | | | |
| पूरक | -- | ९०.३८ | ८९.३० | (-) १.०८ |
| पुनर्वि. | (-) १५.९२ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५८ | पृष्ठ क्रमांक-१७८<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८०, सर्वसाधारण ००१, संचालन व प्रशासन<br>(३४) अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.) मंडळ, यवतमाळ<br>(३४)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२६४४ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या मंडळाअंतर्गत विविध कार्यालयांतील रिक्त पदे भरली न गेल्याने रु. १३.१३ लाख इतके अनुदान सर्मपित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १.०१.९४ | | | |
| पूरक | -- | ८८.८१ | ८८.८० | (-) ०.०१ |
| पुनर्वि. | (-) १३.१३ | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ५९ | पृष्ठ क्रमांक-१७९<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(११) अधिक्षक अभियंता, रस्ते विकास व संकल्पचित्र मंडळ,नवी मुंबई<br>(११)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०६९७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील कर्मचा-यांच्या वेतनातून केलेल्या वजातीची रक्कम रु.१७,९३९/- व एका कर्मचा-याने राजिनामा दिल्याने त्याचे एक महिन्याचे वेतन रु.९,११०/- चलनाद्वारे कोषागारात भरल्याने तसेच कार्यकारी अभियंता विशेष प्रकल्प विभाग,आरे,गोरेगाव मुंबई यांनी लेखाशीर्ष २०५९२६३५ खाली चलनाद्वारे भरावयाची रु.२,५६,५९४/- इतकी रक्कम चुकीने या लेखाशिर्षाखाली भरणा केली. त्यामुळे एकूण रु. २.८४ लाख इतकी बचत दिसुन येते.<br>या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.२२८.६४ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ४,११.७४ | | | |
| पूरक | -- | १,८३.१० | १,८०.२६ | (-) २.८४ |
| पुनर्वि. | (-)२,२८.६४ | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६० | पृष्ठ क्रमांक-१७९<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८०सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(४२) अधीक्षक अभियंता, मुंबई विभागीय (विदयुत)मंडळ,मुंबई<br>(४२)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०७९५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये रिक्त पदे विचारात घेऊन रु.३७३.४० लाख एवढे अनुदान समर्पित करणे आवश्यक होते. तथापि आठमाही सुधारित अनुदानामध्ये रु.३५२.९८ लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. उर्वरित रु.२०.४२ लाख इतकी तरतुद अनावधानाने समर्पित करावयाची राहून गेली परिणामी सदर बचत दिसुन येत आहे. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २५,४०.६३ | | | |
| पूरक | -- | २१,८७.६५ | २१,६७.२३ | (-)२०.४२ |
| पुनर्वि. | (-) ३,५२.९८ | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६१ | पृष्ठ क्रमांक- १७९<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष- २०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालक व प्रशासन<br>(४३) अधीक्षक अभियंता,पुणे विभागीय (विदयुत)मंडळ,पुणे<br>(४३) (०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०८१२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील फरकाची देयके व वैद्यकिय देयके कोषागार कार्यालयाने आक्षेप लावुन परत केल्याने पारित झाली नाहीत.त्यामुळे रु.२.६८ लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.३१०.८३ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात )

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १०,२५.४६ | | |
| पूरक | -- | ७,१४.६३ | ७,११.९५ | (-) २.६८ |
| पुनर्वि. | (-)३,१०.८३ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६२ | पृष्ठ क्रमांक-१७९<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष- २०५९- सार्वजनकि बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(४४) अधीक्षक अभियंता,औरंगाबाद विभागीय (विदयुत)मंडळ,औरंगाबाद<br>(४४) (०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०८३९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये रिक्त पदे विचारात घेऊन रु.२२६.३७ लाख एवढे अनुदान समर्पित करणे आवश्यक होते. तथापि आठमाही सुधारित अनुदानामध्ये रु.१४२.०७ लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. अर्थसंकल्प वितरम प्रणालीमध्ये अडथळा निर्माण झाल्यमुळे उर्वरित रु.८४.३० लाख इतकी तरतुद प्रत्येक्षात समर्पित करावयाची राहून गेली परिणामी सदर बचत दिसुन येत आहे. |

(रुपये लाखात )

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ७,२०.५६ | | |
| पूरक | -- | ५,७८.४९ | ४,९४.१९ (-) ८४.३० |
| पुनर्वि. | (-)१,४२.०७ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६३ | पृष्ठ क्रमांक-१७९<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष- २०५९- सार्वजनकि बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०२) अधीक्षक अभियंता,सा.बां.मंडळ,मुंबई<br>(०२) (०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०८७५या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>मार्च २०१४ अखेरिस सादर केलेली काही देयके लेखा व अधिदान कार्यालयाकडून आक्षेप लावुन परत आल्याने रु.१५८.६९ लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>या कार्यालयांतर्गत रिक्त पदे न भरल्याने रु.९७४.०७ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ६५,५७.७४ | | |
| पूरक | -- | ५५,८३.६७ | ५४,२४.९८ (-) १,५८.६९ |
| पुनर्वि. | (-)९,७४.०७ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

६४ पृष्ठ क्रमांक-१८०

अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती

प्रधानशिर्ष- २०५९- सार्वजनकि बांधकामे

८० सर्वसाधारण

००१ संचालन व प्रशासन

(०३) अधीक्षक अभियंता,सा.बां.मंडळ,ठाणे

(०३) (०२) कार्यान्वयन

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ५८,०१.२५ | | | |
| पूरक | -- | ४९,०७.८१ | ४७,६४.६९ | (-) १,४३.१२ |
| पुनर्वि. | (-)८,९३.४४ | | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०८९३ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

या मंडळ कार्यालयाच्या अधिपत्याखाली कार्यरत असलेले कार्यकारी अभियंता, सा.बां. विभाग, पालघर व सा.बां. विभाग क्र.२, ठाणे यांनी अनुक्रमे रु.९१.५१ लाख व रु.५१.६१ लाख असे एकूण रु.१४३.१२ लाख इतके वाढीव अनुदान अंतिम सुधारित अनुदानामध्ये दर्शविल्यामुळे रु.१४३.१२ लाख इतकी बचत दिसून येत आहे.

या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.८९३.४४लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

पृष्ठ क्रमांक-१८०

अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती

प्रधानशिर्ष- २०५९- सार्वजनकि बांधकामे

८० सर्वसाधारण

००१ संचालन व प्रशासन

(०५) अधीक्षक अभियंता,सा.बां.मंडळ,रायगड नवी मुंबई

(०५) (०२) कार्यान्वयन

(रुपये लाखात )

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ३२,६३.४४ | | |
| पूरक | -- | २७,४२.१३ | २७,२५.२३ | (-) १६.९० |
| पुनर्वि. | (-) ५,२१.३१ | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०९३७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

या संदर्भात स्पष्ट करण्यात येते की, या लेखाशिर्षाखाली दर्शविण्यात आलेली बचत कार्यकारी अभियंता, मार्ग प्रकल्प विभाग क्र.३ भिंगारी (पनवेल) यांचेकडील असून अखर्चित रक्कम वेळीच समर्पित केली नसल्याने सदर बचत दिसून येते.

या कार्यालयांतर्गत वर्ग -३ व वर्ग -४ या संवर्गातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.५२१.३१ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६६ | पृष्ठ क्रमांक-१८०<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०५) अधीक्षक अभियंता,सा.बां.मंडळ,रायगड नवी मुंबई<br>(०५) (०३) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०९४६ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या कार्यालयांतर्गत वर्ग ३ व वर्ग ४ मधील विविध संवर्गातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.१८.९९ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ९६.३२ | | | |
| पूरक | -- | ७७.३३ | ७७.३२ | (-)०.०१ |
| पुनर्वि. | (-)१८.९९ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६७ | पृष्ठ क्रमांक-१८०<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(२२)अधिक्षक अभियंता, (सा. बां.) मंडळ, नाशिक<br>(२२)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०९६४ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयाच्या अधिपत्याखालील कार्यालयाकडून पारित करण्यात आलेले रु.२९.५० लाख इतक्या रकमेच्या देयकावरील खर्चाची नोंद महालेखापालांकडे झालेली नाही. तसेच रु.११.३८ लाख रकमेची देयके आक्षेप लावुन कोषागारातून परत आल्यामुळे एकूण रु.४०.८८ लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>या कार्यालयांतर्गत रिक्त पदे न भरल्याने तसेच वैद्यकीय देयके शासकीय रुग्णालयातुन मंजूर न झाल्याने व काही देयके आक्षेप लावून परत आल्याने रु. २७९.६४ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५३,५२.४८ | | |
| पूरक | -- | ५०,७२.८४ | ५०,३१.९६ | ( -)४०.८८ |
| पुनर्वि. | (-)२,७९.६४ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६८ | पृष्ठ क्रमांक-१८० | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१०२२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे. |
| | अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती | सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षात रु.६११६.९९ लाख एवढे अंतिम सुधारित अनुदान उपलब्ध झाले होते, तेवढाच खर्च झालेला आहे. विनियोजन लेख्यांमध्ये फक्त वेतनावरील रु.६०५४.२० लाख एवढ्या खर्चाची नोंद महालेखापाल कार्यालयाकडे झालेली असून कार्यालयीन खर्च, अतिकालीक भत्ता,जाहिरात खर्च,प्रवास खर्च इ. बाबींवरील रु.६२.७९ लाख इतक्या खर्चाची नोंद महालेखापाल कार्यालयाकडे न झाल्याने रु.६२.७९ लाख इतकी बचत दिसून येते. |
| | प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम | |
| | ८०, सर्वसाधारण | |
| | ००१, संचालन व प्रशासन | |
| | (१५)अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.)मंडळ,पुणे | |
| | (१५)(०२) कार्यान्वयन | या कार्यालयांतर्गत ११३ रिक्त पदे न भरल्याने रु.७९८.५२ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ६९,१४.५१ | | | |
| पूरक | -- | ६१,१६.९९ | ६०,५४.२० | (-)६२.७९ |
| पुनर्वि. | (-)७,९७.५२ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ६९ | पृष्ठ क्रमांक-१८०<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८० ,सर्वसाधारण<br>००१,संचालन व प्रशासन<br>(२८)अधीक्षक अभियंता, (सा.बां.)मंडळ, नांदेड<br>(२८)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९११०२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या मंडळाच्या अधिपत्याखालील कार्यालयानी विहित वेळेत अनुदान शासनास समर्पित न केल्याने रु.१४२.५९ लाख इतकी बचत झालेली आहे.<br>या कार्यालयांतर्गत रिक्त पदे न भरल्याने रु.४३७.४० लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ६३,२०.५८ | | |
| पूरक | -- | ५८,८३.१८ | ५७,४०.५९ | (-)१,४२.५९ |
| पुनर्वि. | (-)४,३७.४० | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७० | पृष्ठ क्रमांक-१८१<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८० ,सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(२९) अधीक्षक अभियंता, (सा.बां.)मंडळ,उस्मानाबाद<br>(२९)(०२)कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९११२९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या मंडळातंर्गत विविध कार्यालयाकडुन वस्तुनिष्ठ मागणी विहित वेळेत सादर न झाल्यामुळे तसेच वेळेवर अनुदान प्रत्यर्पित न केल्यामुळे अंतिम सुधारित अनुदानापेक्षा कमी खर्च होऊन रु.८३.९० लाख इतकी बचत झाली असल्याचे दिसुन येते.<br>या मंडळातंर्गत रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु.७५०.९९ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ६६,२३.६४ | | | |
| पूरक | -- | ५८,७२.६५ | ५७,८८.७५ | (-)८३.९० |
| पुनर्वि. | (-) ७,५०.९९ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

७१ पृष्ठ क्रमांक-१८१

अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती

प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम

८०, सर्वसाधारण

००१, संचालन व प्रशासन

(३९) अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.)मंडळ,चंद्रपूर

(३९)(०२) कार्यान्वयन

(रुपये लाखात )

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५३,५२.८१ | | |
| पूरक | -- | ३९,३०.६७ | ३९,०१.१४ (-) २९.५३ |
| पुनर्वि. | (-)१४,२२.१४ | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९११६५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सा. बां. विभाग १ चंद्रपूर, सा. बां. विभाग २ चंद्रपर,रोहयो विभाग चंद्रपूर,मार्ग प्रकल्प विभाग,चंद्रपूर,सा.बां.विभाग,आर्वी यांनी सादर केलेली देयके कोषागार कार्यालयाकडून वेळीच पारित न झाल्यामुळे रु.२९.५३ लाख इतकी बचत झालेली आहे.

सन २०१३-१४ मध्ये वेतनाकरिताअनुदानाची मागणी करताना गृहित धरलेल्या प्रमाणात महागाईभत्त्यामध्ये वाढ न झाल्यामुळे व नियतवयोमान/स्वेच्छा सेवानिवृत्ती, मृत्यू इत्यादी कारणांमुळे वर्षभरात काही पदे रिक्त झाल्यामुळे वेतनावरील खर्च कमी झाला. तसेच वेतनासाठी अर्थसंकल्पीय अंदाज सादर करतांना मंजूर पदसंख्येच्या तुलनेत अनुदानाची मागणी करण्यात आली होती. मात्र रिक्त पदे भरली न गेल्यामुळे देखील अनुदानामध्ये मोठया प्रमाणावर बचत अपेक्षित होती. त्यामुळे रु. १४,२२.१४ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७२ | पृष्ठ क्रमांक-१८१<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८० ,सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(१८) अधीक्षक अभियंता,(सा.बां)मंडळ,सोलापूर<br>(१८)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१२०९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>उपरोक्त बचतीपैकी सा.बां. विभाग अकलूज अंतर्गत उपविभाग करमाळा येथील कालेलकर आस्थापनेवरील कर्मचा-यांचे वेतन रु.४,०४,०१५/- इतके रक्कमेचे देयक सादर करण्यात आलेले होते. सदर देयक कोषागारातून वित्तिय वर्ष संपल्यानंतर आक्षेप लावून परत केल्याने बचत झालेली आहे. तसेच उर्वरित रु.५,०१,९८५/- इतकी रक्कम विभाग, उपविभाग व जि. प. सोलापूर यांनी वेळेत समर्पित न केल्याने एकूण (रु.४०४०१५/- + रु.५०१९८५/-) रु.९.०६ लाख इतकी बचत झालेली आहे.<br>या मंडळातंर्गत रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु. २७९.६४ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ३५,१९.०१ | | | |
| पूरक | -- | ३२,३९.३७ | ३२,३०.३१ | (-)९.०६ |
| पुनर्वि. | (-) २,७९.६४ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७३ | पृष्ठ क्रमांक-१८१<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(३८) अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.) मंडळ, गडचिरोली<br>(३८)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१२२७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयाची वेतनाची देयके कोषागारातून वित्तिय वर्षात पारित न झाल्याने देयके परत करण्यात आली त्यामुळे रु. १५.९६ लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>या मंडळातंर्गत विविध संवर्गातील एकूण ३८ रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु.२०१.२१ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २६,४७.६७ | | | |
| पूरक | | २४,४६.४६ | २४,३०.५० | (-) १५.९६ |
| पुनर्वि. | (-)२,०१.२१ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७४ | पृष्ठ क्रमांक-१८१<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(०८) अधिक्षक इलाखा शहर विभाग,मुंबई (विभागीय लेखापालांबाबत रजा व प्रशिक्षण राखीव पदांकरीता तरतूद)<br>(०८) (०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१२४५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाकरिता महालेखापाल कार्यालयाकडे अपेक्षित असलेले प्रशिक्षणार्थी विभागीय लेखापालांची संख्या विचारात घेऊन त्यांच्या वेतनावरील खर्च भागविण्यासाठी रु.११५.००लाख एवढी अर्थसंकल्पीय तरतुद करण्यात आली होती.सदर वित्तिय वर्षात कमी प्रशिक्षणार्थी हजर झाल्याने रु.६३.२७ लाख एवढाच खर्च करण्यात आला आहे. उर्वरित रु.५१.७३ लाख एवढे अनुदान सर्मपित करणे आवश्यक होते. मात्र महालेखापाल, नागपूर यांनी रु.२८.७३ लाख तरतुद सर्मपित केली नाही, त्यामुळे सदर बचत दिसुन येत आहे. |

(रुपये लाखात )

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १.१५.०० | | |
| पूरक | -- | ९२.०० | ६३.२७ | (-)२८.७३ |
| पुनर्वि. | (-)२३.०० | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७५ | पृष्ठ क्रमांक-१८१<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(१६) अधिक्षक अभियंता, (सा.बां.) मंडळ,सातारा<br>(१६)(०२)कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१३३४ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>कार्यकारी अभियंता, रा.म. विभाग, क्र.६ पुणे यांचेकडील रुपांतरीत आस्थापनेवरील खर्च वजा वसुलीच्या रकमा लेखाशिर्ष २०५९२२४१-७० खाली दर्शविणे आवश्यक होते तथापि सदर वजा वसुलीच्या रकमा लेखाशिर्ष २०५९१३३४ खाली नोंदविण्यात आल्यामुळे रु.१५.०७ लाख इतकी बचत दिसुन येत आहे.<br>या कार्यालयांतर्गत सेवानिवृत्ती,बदली व पदोन्नतीने रिक्त झालेली पदे न भरल्याने रु.६२१.९८ लाख एवढे अनुदान वर्ष अखेरिस शासनास समर्पित करण्यात आले आहे. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ३६,८२.४५ | | | |
| पूरक | -- | ३०,६०.४७ | ३०,४५.४० | (-) १५.०७ |
| पुनर्वि. | (-)६,२१.९८ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७६ | पृष्ठ क्रमांक-१८२<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१,संचालन व प्रशासन<br>(१२)अधीक्षक अभियंता, मुंबई बांधकाम मंडळ,मुंबई<br>(१२)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१३८१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील वेतन फरकाची व वैद्यकिय प्रतीपुर्तीच्या खर्चाची देयके कोषागार कार्यालयाकडून पारित न झाल्याने रु.०.७३ लाख एवढी बचत झालेली आहे.<br>सुधारित आकृतीबंधानुसार नव्याने निर्माण झालेली पदे तसेच बदली व पदोन्नतीने रिक्त झालेली पदे न भरल्याने रु. १७२.९४ लाख एवढे अनुदान वर्ष अखेरिस शासनास समर्पित करण्यात आले आहे. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ८,९७.०० | | |
| पूरक | -- | ७,२४.०६ | ७,२३.३३ | (-) ०.७३ |
| पुनर्वि. | (-) १,७२.९४ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७७ | पृष्ठ क्रमांक-१८२<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(१३) अधीक्षक अभियंता, विशेष प्रकल्प मंडळ, औरंगाबाद<br>(१३)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२४९३ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर विनियोजन लेख्यात दर्शविण्यात आलेली रक्कम रु.४.७९ एवढी बचत प्रामुख्याने वेतनाची आहे.कोषागारातून वित्तीय वर्ष संपल्यानंतर आक्षेप घेवून देयके परत करण्यात आले त्यामुळे सदर रक्कम समर्पित करणे शक्य झाले नाही परिणामी रु.४.७९ लाख एवढी बचत दिसून येत आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये विविध संवर्गातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.२,६४.३८ लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १४,८७.०१ | | | |
| पूरक | -- | १२,२२.६३ | १२,१७.८४ | (-) ४.७९ |
| पुनर्वि. | (-)२,६४.३८ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७८ | पृष्ठ क्रमांक-१८२<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१, संचालन व प्रशासन<br>(०७) अधिक्षक अभियंता, विशेष प्रकल्प मंडळ,वरळी मुंबई<br>(०७)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२६३५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाखेर वेतन फरकाची व वैद्यकिय प्रतीपुर्तीच्या खर्चाची देयके कोषागार कार्यालयाकडून वेळीच पारीत न झाल्यामुळे रु.१.७२ लाख इतकी बचत झाली आहे. सदर बचत अत्यल्प असल्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>सुधारित आकृतीबंधानुसार नव्याने निर्माण झालेली पदे तसेच बदली व पदोन्नतीने रिक्त झालेली पदे न भरल्याने रु.२९९.७५लाख एवढे अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १२,१३.२७ | | | |
| पूरक | -- | ९,१३.५२ | ९,११.८० | (-) १.७२ |
| पुनर्वि. | (-) २,९९.७५ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ७९ | पृष्ठ क्रमांक-१८२<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष- २०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८० ,सर्वसाधारण<br>००१,संचालन व प्रशासन<br>(४७) किनारी अभियंता,मुंबई<br>(४७)(०२)कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२६७१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयांतर्गत पत्तन अभियंता, कोकणभवन या विभागामार्फत सादर केलेली वेतन व भत्याची देयके कोषागार कार्यालयाकडुन पारित न होता सदर देयके वित्तिय वर्ष संपल्यानंतर परत केल्याने रु. ५.०९ लाख इतकी बचत दिसुन येते.<br>या कार्यालयांतर्गत अधिकारी व कर्मचारी यांची रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु.२८४.४३ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १०,२५.१३ | | | |
| पूरक | -- | ७,४०.७० | ७,३५.६१ | (-) ५.०९ |
| पुनर्वि. | (-) २,८४.४३ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

८० पृष्ठ क्रमांक-१८२

अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती

प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे

८०,सर्वसाधारण

००१ संचालन व प्रशासन

(५५)(०१) वास्तुशास्त्रज्ञ,मुंबई

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ५,९५.९३ | | |
| पूरक | -- | ५,०१.५९ | ४,९२.५४ | (-) ९.०५ |
| पुनर्वि. | (-) ९४.३४ | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०६३२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सन २०१३-१४ हे वित्तिय वर्ष संपल्यानंतर काही देयके अधिदान व लेखाधिकारी कार्यालयाकडून नामंजूर करुन परत केल्याने रु.९.०५ लाख इतकी बचत झाली आहे.

या कार्यालयातील व कार्यालयाच्या अधिपत्याखालील विविध संवर्गातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.९४.३४ लाख इतके अनुदान सर्मपित करण्यात आले.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ८१ | पृष्ठ क्रमांक-१८२<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०,सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(२६) मुख्य अभियंता,सा.बां.प्रदेश औरंगाबाद<br>(२६) (०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०७३२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील वेतनाची देयके वित्तीय वर्ष संपल्यानंतर आक्षेप लावून परत केल्याने, सदर बचतीची रक्कम विहित वेळेत शासनास समर्पित करणे शक्य झाले नाही. परिणामी रु.१.२१ लाख इतक्या रकमेची बचत दिसून येत आहे.<br>या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.१७.५८ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,६८.८६ | | | |
| पूरक | -- | १,५१.२८ | १,५०.०७ | (-) १.२१ |
| पुनर्वि. | (-) १७.५८ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ८२ | पृष्ठ क्रमांक-१८३<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष- २०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८०,सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) मुख्य अभियंता सा.बां.प्रदेश मुंबई<br>(०१) (०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९२९५८ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये या कार्यालयातील उपअभियंता यांची ४ पदे, निम्नश्रेणी लघुलेखक यांचे १ पद,वरिष्ठ लिपीक १ पद,शिपाई १ पद, टपाली १ पद अशी एकूण ८ पदे रिक्त असल्यामुळे रु.४१.५८ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले आहे. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २,५७.०५ | | | |
| पूरक | -- | २,१५.४७ | २,१५.४६ | (-) ०.०१ |
| पुनर्वि | (-) ४१.५८ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ८३ | पृष्ठ क्रमांक-१८३<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम<br>८०, सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(१०) मुख्य अभियंता (विशेष प्रकल्प) मंडळ, मुंबई<br>(१०)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१९६७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये या कार्यालयातील उप अभियंता हे पद १० महिने, वरिष्ठ लिपीक २ पदे ६ महिने, सहा. अभियंता हे पद ४ महिने अशी रिक्त होते. तसेच कनिष्ठ लिपीक ३ पदे व टपाली १ पद हे पद वर्षअखेर पर्यंत रिक्तच असल्याने रु. १३.२५ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,२१.१५ | | | |
| पूरक | -- | १,०७.९० | १,०७.८७ | (-) ०.०३ |
| पुनर्वि. | (-)१३.२५ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ८४ | पृष्ठ क्रमांक-१८३<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकाम<br>८०,सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(४१) मुख्य अभियंता ,विदयुत,मुंबई.<br>(४१)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९३००५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सदर बचत अत्यल्प आहे. त्यामुळे क्षमापित करण्यात यावी.<br>या कार्यालयांतर्गत रिक्त पदे न भरल्याने रु.२१.३३ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,२१.६३ | | |
| पूरक | -- | १,००.३० | १,००.२९ (-) ०.०१ |
| पुनर्वि. | (-)२१.३३ | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्यांचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ८५ | पृष्ठ क्रमांक-१८३<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० ,सर्वसाधारण<br>००१,संचालन व प्रशासन<br>(०४) अधीक्षक अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम मंडळ,रत्नागिरी<br>(०४)(०२) कार्यान्वयन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०९१९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या लेखाशिर्षाखालील रु.२.११ लाख इतका खर्च अ. अ.,संकल्पचित्र मंडळ, नवी मुंबई यांचेकडे नोंदविला गेला आहे. तसेच रु.२.००लाख इतक्या रकमेची देयके कोषागार कार्यालयाने आक्षेप घेऊन वित्तिय वर्ष संपल्यानंतर परत केल्याने एकुण रु.४.११ लाख इतकी बचत दिसुन येत आहे.<br>सुधारित आकृतीबंधातील ३४ संवर्गातील रिक्त पदे न भरल्यामुळे रु.८७६.०२ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ५०,१४.४२ | | | |
| पूरक | -- | ४१,३८.४० | ४१,३४.२९ | (-) ४.११ |
| पुनर्वि. | (-)८,७६.०२ | | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

८६ पृष्ठ क्रमांक- १८३

अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती

प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम

८०, सर्वसाधारण

००१, संचालन व प्रशासन

(२४) अधिक्षक अभियंता, सा.बां.मंडळ, जळगांव

(२४)(०२) कार्यान्वयन

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ४५,२९.९१ | | | |
| पूरक | -- | ४१,०३.१४ | ४०,५२.४० | (-) ५०.७४ |
| पुनर्वि. | (-) ४,२६.७७ | | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१००२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षात या मंडळाने Online Reconcilation तपासले असता मंजूर अनुदानापैकी प्रत्यक्ष खर्च रु.४०८५.३८लाख इतका झालेला असुन रु.१७.७६ लाख इतकी बचत झालेली आहे. या कार्यालयांतर्गत कार्यकारी अभियंता,सा.बां.(उत्तर)विभाग जळगाव, कार्यकारी अभियंता रा.म. विभाग क्र.९ नाशिक व रा.म. विभाग जळगाव,या विभागामार्फत सादर केलेली वेतन व भत्ता, कार्यालयीन खर्च, प्रवास भत्ता व दूरध्वनी यांची देयके कोषागार कार्यालयाकडुन आक्षेप लावून परत केल्याने व सदर अनुदान वेळीच शासनास समर्पित न केल्याने रु.१७.७६ लाख इतकी बचत दिसुन येते.

या कार्यालयांतर्गत रिक्त पदे न भरल्याने रु.४२६.७७ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

८७ पृष्ठ क्रमांक- १८३

अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती

प्रधानशिर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम

८०, सर्वसाधारण

००१ संचालन व प्रशासन

(२१) अधीक्षक अभियंता,(सा.बां.)मंडळ,अहमदनगर

(२१)(०२) कार्यान्वयन

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ४५,७८.६६ | | | |
| पूरक | -- | ३९,१६.३४ | ३८,९५.०७ | (-) २१.२७ |
| पुनर्वि. | (-)६,६२.३२ | | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१०४९ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षात कार्यकारी अभियंता जि. प. सा.बां. दक्षिण/उत्तर विभाग अंतर्गत उप अभियंता जि. प. (बां) उपविभाग पारनेर अ.नगर व अकोले ही तीन पदे रिक्त होती. या तीन पदाकरिता असलेली रु.२०.०८ लाख एवढी तरतुद कार्यकारी अभियंता,जि.प. (बां) दक्षिण/ उत्तर विभाग अहमदनगर यांनी वेळीच समर्पित केलेली नाही. तसेच प्रवासभत्त्याची कार्यकारी अभियंता जि.प. (बां) दक्षिण/ उत्तर विभाग अहमदनगर यांची रु. ०.२८लाख एवढ्या रकमेचे व कार्यकारी अभियंता सा.बां. विभाग, संगमनेर यांची रु.०.९१ लाख ची देयके कोषागार कार्यालयाकडून वर्षाअखेरिस स्विकारली नाहीत. त्यामुळे रु.२१.२७ लाख इतकी बचत दिसुन येते.

या कार्यालयांतर्गत रिक्त पदे न भरल्याने रु.६६२.३२ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ८८ | पृष्ठ क्रमांक-१८४<br>अनुदान क्रमांक-एच-६- सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२२०३, तंत्र शिक्षण<br>८००, इतर खर्च इमारती-स्वेच्छा अनुदानांमधून वित्त व्यवस्था केलेली लहान बांधकामे<br>(००)(०१) संचालक,तंत्र शिक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२०३०४१६ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षामध्ये योजनांतर्गत तरतूदींना २०% कपात असल्याने रु.२०.०० लाख इतके अनुदान खर्चासाठी उपलब्ध झाले नव्हते. तसेच रु.३.८२ लाख इतक्या कमी रकमेची बांधकाम विषयक कामे उपलब्ध होऊ शकली नसल्याने रु.१.७४ लाख शासनास समर्पित करण्यात आले व उर्वरित रु.२.०८ लाख एवढ्या रकमेचे समर्पण करण्याचे नजर चूकीने राहून गेले त्यामुळे रु. २.०८ लाख इतकी बचत झाली. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,००.०० | | | |
| पूरक | -- | ७८.२६ | ७६.१८ | (-) २.०८ |
| पुनर्वि. | (-)२१.७४ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ८९ | पृष्ठ क्रमांक-१८४<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२२०३, तंत्र शिक्षण<br>८००, इतर खर्च इमारती-स्वेच्छा अनुदानांमधून वित्त व्यवस्था केलेली लहान बांधकामे<br>(००)(०२) संचालक,व्यावसायिक शिक्षण व प्रशिक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२०३०४२५ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>राज्यात सार्वत्रिक निवडणूकांची आचारसंहिता दि.५/०३/२०१४ पासुन लागु झाली होती. त्यामुळे अंदाजपत्रक प्राप्त न झाल्याने रु.२६.६३ लाख इतका निधी खर्च होऊ शकला नाही. सदर अखर्चित निधी अनावधानाने शासनास समर्पित करणे राहून गेल्यामुळे रु.२६.६३लाख इतकी बचत दिसुन येते.<br>वित्त विभागाने योजनांतर्गत तरतुदींना २०% कपात लावल्याने रु.३०.०० लाख एवढे अनुदान समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात )

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,५०.०० | | | |
| पूरक | -- | १,२०.०० | ९३.३७ | (-) २६.६३ |
| पुनर्वि. | (-)३०.०० | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्यांचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ९० | पृष्ठ क्रमांक-१८४<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२२०५ कला व संस्कृती<br>०१ ललित कला शिक्षण - स्वेच्छा अनुदानांमधून वित्त व्यवस्था केलेली लहान बांधकामे<br>(००)(०१) संचालक,कला, मुंबई<br>(रुपये लाखात ) | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२०५०५११ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षामध्ये प्राप्त झालेल्या अनुदानापैकी अखर्चित रु.४.८९ लाख इतके अनुदान शासनास वेळीच समर्पित न केल्याने सदर बचत दिसुन येत आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये वित्त विभागाने योजनांतर्गत तरतूदींना २० टक्के कपात लावली होती. यास्तव वर्षअखेरिस रु. २०.०० लाख इतकी तरतुद समर्पित करणे भाग पडले. |

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १.००.०० | | | |
| पूरक | -- | ८०.०० | ७५.११ | (-) ४.८९ |
| पुनर्वि. | (-)२०.०० | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ९१ | पृष्ठ क्रमांक-१८४<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२२१० वैदयकीय सेवा व सार्वजनिक आरोग्य<br>०१ नागरी आरोग्य सेवा-विषमचिकीत्सा<br>८०० इतर खर्च इमारती-स्वेच्छा अनुदानांमधून वित्त व्यवस्था केलेली लहान बांधकामे<br>(००)(०२) संचालक,वैदयकीय शिक्षण व संशोधन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२१०००४८ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील रु.२.७१ लाख इतक्या रकमेची कामे उपलब्ध न झाल्याने व सदर रकम नजर चुकीने शासनास समर्पित न केल्याने रु.२.७१ लाख इतकी बचत झाली आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षात वित्त विभागाने योजनांतर्गत तरतुदींना २०% कपात लावल्याने रु. ३८.०० लाख इतके अनुदान समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,९०.०० | | |
| पूरक | -- | १,५२.०० | १,४९.२९ | (-) २.७१ |
| पुनर्वि. | (-)३८.०० | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १२ | पृष्ठ क्रमांक-१८४<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२२१० वैदयकीय सेवा व सार्वजनिक आरोग्य<br>०१ नागरी आरोग्य सेवा-विषमचिकीत्सा<br>८०० इतर खर्च इमारती-स्वेच्छाअनुदानांमधून वित्त व्यवस्था केलेली लहान बांधकामे<br>(००)(०४)सहसंचालक आरोग्यसेवा (वैदयकीय),मुंबई<br>(रुपये लाखात ) | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२१०००५७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br><br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये किरकोळ बांधकामे/ दुरुस्त्या अंतर्गत रु.३.१७ लाख इतक्या रकमेचे अंदाजपत्रक प्राप्त न झाल्यामुळे सदर रक्कम अखर्चित राहिली आहे. सदर रक्कम वेळीच शासनास समर्पित न केल्याने रु.३.१७ लाख इतकी बचत दिसुन येत आहे.<br><br>वित्त विभागाने योजनांतर्गत तरतुदींना २०% कपात लावल्याने रु.५०.०० लाख एवढे अनुदान समर्पित करणे भाग पडले. |

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २,५०.०० | | | |
| पूरक | -- | २,००.०० | १,९६.८३ | (-)३.१७ |
| पुनर्वि. | (-) ५०.०० | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १३ | पृष्ठ क्रमांक-१८५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२२३० कामगार व सेवायोजन<br>०३ प्रशिक्षण<br>१०१ औदयोगिक प्रशिक्षण संस्था पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना लहान बांधकामे<br>(००)(०१)स्वेच्छा अनुदानांमधून वित्त व्यवस्था केलेली लहान बांधकामे | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२२३००९२४ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>राज्यात सार्वत्रिक निवडणूकांची आचारसंहिता दि.५/०३/२०१४ पासुन लागु झाल्यामुळे अंदाजपत्रक प्राप्त होऊ शकले नाहीत. त्यामुळे रु.३.९५ लाख इतका निधी खर्च होऊ शकला नाही. सदर अखर्चित निधी अनावधानाने शासनास समर्पित करणे राहून गेल्यामुळे रु.३.९५लाख इतकी बचत दिसुन येते.<br>वित्त विभागाने योजनांतर्गत तरतुदींना २०% कपात लावल्याने रु.३०.०० लाख एवढे अनुदान समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | १,५०.०० | | |
| पूरक | -- | १,२०.०० | १,१६.०५ | (-) ३.९५ |
| पुनर्वि. | (-)३०.०० | | |

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ९४ | पृष्ठ क्रमांक-१८५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२४०३ पशुसंवर्धन<br>८००, इतर खर्च<br>स्वेच्छा अनुदानांमधून वित्त व्यवस्था केलेली लहान बांधकामे<br>(००)(०१) आयुक्त पशुसंवर्धन | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२४०३०९६४ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयाकडे एकुण रु. १९१.००लाख निधीचे परिपूर्ण प्रस्ताव प्राप्त होते. त्यापैकी रु.१२१.८४लाख एवढ्या निधीचे प्रस्ताव शासनाकडून (कृषी व पदुम विभाग) मान्य करण्यात आले. मंजूर प्रस्तावापैकी रु.११०.१५ लाख इतकी तरतुद बांधकाम विभागाकडून खर्च करण्यात आली. उर्वरित अखर्चित तरतुद वेळीच शासनास समर्पित केली नसल्याने रु.१५९.६६ लाख एवढी बचत दिसुन येते.<br>सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षामध्ये योजनांतर्गत तरतुदींना २०% कपात लावल्याने रु.५३.९६ लाख एवढी तरतुद व उर्वरित रु.१३.५० लाख अशी एकूण रु.६७.४६ लाख एवढी तरतुद समर्पित करण्यात आली. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ३,३७.२७ | | | |
| पूरक | -- | २,६९.८१ | १,१०.१५ | (-)१,५९.६६ |
| पुनर्वि. | (-)६७.४६ | | | |

रु. १२,१५.२४ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता,कोणत्याही विनिदिष्ट कारणाशिवाय मार्च,२०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील प्रत्यर्पणाव्दारे काढण्यात आलेला रु.३,०७,१५.९९ लाखांचा निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.

रु.१२,१५.२४ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४).

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ९५ | पृष्ठ क्रमांक-१८५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>०१, कार्यालयीन इमारती<br>०५३ परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(०२) इमारतींची दुरुस्ती<br>(०२)(१०) मुंबई येथील ऐतिहासिक वारसाप्राप्त शासकीय इमारती पूर्ववत करणे | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९४०५७ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षामध्ये वित्त विभागाने योजनेतर तरतूदींना १० टक्के कपात लावली होती. यास्तव वर्षअखेरिस रु. ५५.०० लाख इतकी तरतुद समर्पित करणे भाग पडले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ५,५०.०० | | | |
| | | ४,९५.०० | ४,९५.०० | --- |
| पुनर्वि. | (-)५५.०० | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ९६ | पृष्ठ क्रमांक-१८५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(५०)(०१) अधीक्षक अभियंता,संकल्पचित्र (पूल)नागपूर | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९३१३१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.२८.९८ लाख लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ २,६५.५० | | | |
| | २,३६.५२ | २,३६.५२ | -- |
| पुनर्वि. (-)२८.९८ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १७ | पृष्ठ क्रमांक-१८५<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(५८)अधीक्षक अभियंता,नाशिक (विदयुत)मंडळ नाशिक<br>(५८)(०२) कार्यान्वनय | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९४०९३ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>या कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्याने रु.३६.४१ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ३,२३.०० | | |
| पूरक | | २,८६.५९ | २,८६.५९ | -- |
| पुनर्वि | (-) ३६.४१ | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १८ | पृष्ठ क्रमांक-१८६<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४)अधीक्षक अभियंता,सा.बां.मंडळ,रत्नागिरी<br>(०४)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९०९०१ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>सुधारित आकृतीबंधानुसार मंजुर पदापैकी रिक्त असलेली पदे न भरल्यामुळे तसेच प्रवास खर्च व कार्यालयीन खर्चातील निधीची बचत झाल्यामुळे रु.२१.४१ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १,२९.३० | | | |
| पूरक | ---- | १,०७.८९ | १,०७.८९ | -- |
| पुनर्वि | (-) २१.४१ | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ९९ | पृष्ठ क्रमांक-१८६<br>अनुदान क्रमांक-एच-६-सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती<br>प्रधानशिर्ष-२०५९ सार्वजनिक बांधकामे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(१९)अधीक्षक अभियंता,दक्षता व गुण नियंत्रण मंडळ,पुणे<br>(१९)(०१) पर्यवेक्षण | सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.२०५९१२६३ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.<br>रिक्त पदे भरली न गेल्याने तसेच प्रवास खर्च व कार्यालयीन खर्चातील निधीची बचत झाल्यामुळे रु. २३.५४ लाख इतके अनुदान समर्पित करण्यात आले आहे. |

(रुपये लाखात)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | २,७९.५२ | | | |
| पूरक | --- | २,५५.९८ | २,५५.९८ | -- |
| पुनर्वि | (-) २३.५४ | | | |

| तक्ता | कलम २०(३)-(ब) चा विशिष्ट पोलाद लोखंडाचे पुरवठे संबंधात ई. | प्रपत्र/क्रम |
|---|---|---|

तक्ता

पुरवठादाराचे नाव व पत्ता

प्रपत्र/क्रम

कलम २०(३)-(ब) खालील पोलाद लोखंडाचे पुरवठे संबंधात ई.

पुरवठादाराचे नाव व पत्ता

(अ) पोलादाचा

(ब) लोखंडाचा व प्रकाराचा

(क) अंतिमरीत्या तयारीकेलेल्या मालाचे वर्णन व संख्याकरीता

केलेल्या मालाचे मूल्य

(रु.)(अ+ब) खालीलप्रमाणे

| | | | ( रुपये लाखांत ) |
|---|---|---|---|
| | एकूण | जिल्ह्या खर्च | अतिरिक्त खर्च (अ) |
| | खालील | | खालील (ब) |
| मूल्य | (अ)+(ब) | | |
| पुरवठा | ——— | (अ)(i) | (अ)(ii) |
| पुरवठा | (ब)(i) | | |

कलम ३०(३) (ब) खालील पोलाद लोखंडाचे पुरवठे संबंधात ई.

पुरवठादाराचे नाव व पत्ता

(अ) पोलादाचा

(ब) लोखंडाचा व प्रकाराचा

(क) अंतिमरीत्या तयारीकेलेल्या मालाचे वर्णन व संख्याकरीता

केलेल्या मालाचे मूल्य

(रु.)(अ+ब) खालीलप्रमाणे

| | | | ( रुपये लाखांत ) |
|---|---|---|---|
| | एकूण | जिल्ह्या खर्च | अतिरिक्त खर्च (अ) |
| | खालील | | खालील (ब) |
| मूल्य | (अ)+(ब) | | |
| पुरवठा | ——— | (अ)(i) | (अ)(ii) |
| पुरवठा | (ब)(i) | | |

## वर्ष २०२३-२४ चा विशेष कार्यकाल विनियोजन लेखे आणि लेखापरीक्षक अहवाल

| तपशील | वर्ष २०२३-२४ चा विनियोजन लेखामधील पुरवणी अनुदान रु. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| दिनांक | पुरवणी अनुदान - I.Cs | |
| | अनुदान अनुसूचीनुसार ६ आकस्मिक खर्चासाठी आणि प्रशासकीय व व्यवस्थापन प्रयोजनांसाठी | |
| | उद्यानविद्येसाठी २५.२ आकस्मिक खर्चासाठी | |
| | ८.७ एकीकरणासाठी | |
| | २४६ विस्तार सेवांसाठी अनुदान | |
| | ४९(७५) मध्यवर्ती खेळणीघर योजना- महाराष्ट्र विभाग वगळून व केवळ खाणीचे अधिकारक्षेत्र २४६ क्षेत्रफळ वगळून ६८२ कर्मचारी विभाग परिसरात व्यवस्थापन व्यवस्थेकरता अनुदान | उक्त प्रदान करण्यात आलेल्या रु.२५,५१,६७,०००/- पेक्षा अधिकची रक्कम खर्च झाली. |
| | | उक्त २०२३-२४ या विशेष कार्यकाल विनियोजन लेखामधील ६ (२) खाली करण्यात आलेल्या तरतुदीनुसार २,२६,८० लाख इतके अनुदान मंजूर झाले. त्यांपैकी खर्च झालेली पूर्ण रक्कम रु.२,२६,८०,००,००० इतकी व ८.७ एकीकरण खाली अनुदान मंजूर केलेली संपूर्ण रक्कम रु. ३१.६० लाख इतके अनुदान व्यवस्थित व्यवस्थापन झाले. |

| | | (रुपये लाखात) | |
|---|---|---|---|
| | मंजूर अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक (+) उणे (-) |
| मूळ | ३,०७,५१ | | |
| पुरवणी | — | २,२६,८० | २,२६,८० |
| पुनर्विनियोजन | (-) ३१.५५ | | |

| तपशील | वर्ष २०१३-१४ या विनियोजन लेखेनुसार मूळ अनुदान रु. | शेरेबाबत |
|---|---|---|

दिनांक मूळ अनुदान-३८८०

अनुदान अनुक्रमांक-मूळ-६- कार्यालयीन खोदकाम आणि लाकडीकाम व

बांधकामाच्या इमारती

व्यवस्थापकीय २०१७ वैद्यकीय खोदा व कार्यालयीन खोदकाम

०२ कार्यालयीन खोदकाम खोदा

७४ अनुदाने – इमारती

लेखेचा अनुदानाचा वित्त व्यवस्था वेगळेपणे व्यवस्था खोदकाम

(२०१३/१८) अनुदाने योजनेचा

| | | | ( हजारो रुपयांत ) |
|---|---|---|---|
| | मंजूर अनुदान | उपलब्ध खर्च | अधिक-खर्च(+) वजा(-) |
| मूळ | ५,५,००० | | |
| पूरक | — | ३४,५४ | ८२,५४ — |
| पुनर्विनि | ३,३५,००० | | |

खोदकामाची विनियोजित व्यवस्थापकीयता खर्च ३०१३ खर्चाचे पहिला

इमारतीच्याखालील व्यवस्थापकाची ४८,३३,८० व्यवस्थापन विभागे व्यवस्थापन व्यवस्था.

राहट डायस कंपनीच्या खोदकामाचे ४८,२१७०-४९ या लेखेशीर्षाखाली समाविष्ट केलेले.

खर्च ३०१३-१४ मध्ये जिल्हा विकासाचे पोलवाहतुकीचे व्यवस्थापन ५० टक्के खाजगी व्यवस्थापकाकडून रु. ६०,७५ व्यवस्था इमारती व्यवस्थापन करण्यात आलेले.

## वर्ष २०१३-१४ का वित्तीय लेखांकन विनियोजन लेखों (सामान्यकरीय लेखापरीक्षण) प्रतिवेदन

| अनुच्छेद | वर्ष २०१३-१४ का वित्तीय लेखांकन पर टिप्पणियां | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| १०८ | मुख्य लेखांकन नीतियां<br>अनुसूची २४ को लेखांकन नीतियां तथा टिप्पणियां के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार किया गया है।<br>अनुसूची १०-१८ में लेखांकन नीतियां<br>(a) वर्गीकरण<br>व्यय/पूंजीगत व प्राप्तियां<br>(VI) लेखांकन नीतियों/लेखा मानकों में परिवर्तन (लेखा मानक/लेखा मानक<br>(१,२,३,४,५) का लेखांकन | |

| | अनुसूची | प्रारम्भिक शेष | अतिरिक्त प्रावधान (+) | [रुपये लाखों में] |
|---|---|---|---|---|
| मूल | ३,२६,७९ | | | |
| पूंजी | | ३,८७,३८ | ३,८७,५६ | ७५,५८ |
| पूंजी | (-) ४६,२८ | | | |

अन्य लेखा संबंधी टिप्पणियां के ३०५/२०१५ का लेखापरीक्षण प्रतिवेदन।

कार्यालयों अधिकांश जिला लेखाकारों द्वारा बजट प्रावधान (४९) केवल या अधिकांशतः खर्च अंतिम चुकाने अनुदान कराया पर चुकाने ९,२८,८५, लाख चुकाया परिणामस्वरूप ९,२८,२७० लाख प्रावधान पर्याप्त, लाखों ९,८८,२८ लाख चुकाया अधिक चुकाने दिखाने गये हैं।

उक्त के कार्यालयवार ब्यौरा जो ९ मामलों में ९,४९,२८ लाख चुकाया दिखाये अनियमित पाया गया।

| | | |
|---|---|---|
| १४. | ३१ मार्च २०१६ रोजी संपलेल्या वर्षासाठी पुनरीक्षित विवरणपत्र दाखल करण्याची मुदत संपल्यानंतर करदात्याने भरलेला कर, व्याज, शास्ती, फी किंवा इतर रक्कम | रक्कम |
| १५. | पुनरीक्षित उत्पन्न-६८८ | |
| | अनुक्रम क्रमांक १४ मध्ये उल्लेखलेल्या रकमेवर लागू असलेला व्याज दर | |
| | व्याजाची गणना केलेला कालावधी | |
| | व्याजाची रक्कम | |
| | अनुक्रम क्रमांक १४ मध्ये उल्लेखलेल्या रकमेवर लागू असलेला शास्ती दर | |
| | शास्तीची रक्कम | |
| | अनुक्रम क्रमांक १४ मध्ये उल्लेखलेल्या रकमेवर लागू असलेला फी दर | |
| | फीची रक्कम | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |

| लेखाशीर्ष | वर्ष २०२३-२४ तक वित्तियोजन संबंधित पुराने अभिलेख T. | | | अभिलेखन |
|---|---|---|---|---|
| मुद्रण | मुद्रण कार्यालय ।LCC | | | |
| | कार्यालय-मुद्रण,-खरीदसंबंधी कार्यकलाप आदेश लेखापरीक्षण व कार्यसंचालन | | | |
| | मुद्रणकार्य | | | |
| | एकाकीकरण २०५१; खरीदसंबंधी संशोधनों | | | |
| | ८८ संशोधनादेश | | | |
| | ७८( संशोधनों का प्रावधान | | | |
| | (१a) संबंधित संशोधन,३८ को पंजीकृत,संशोधनों | | | |
| | (३a)(४) अभिलेखन | | | |
| | | | | (सभी लेनदेन) |
| | | मूलभूत | अन्तर खर्च | अतिरिक्त खर्च (+) |
| | | अनुदान | — | कमी (-) |
| मुद्रण | ५६,३४,८९१ | | | |
| मुद्रण | — | ४४,४३,४४४ | ४८,५१,६४१ | (+)१,१७,९८ |
| मुद्रणसंबंधित | (-)१५,८९,३१० | | | |

यहां खाता लेनदेन खरीदसंबंधित ३८,२८+(१)८८ का लेखाशीर्षसंबंधित अंकित,

यह संशोधन नमूना कार्यालय खरीद संबंधी, ४८,१३ संबंध प्रकाश पर ३८,३८ आदेश संबंधित,लेखापरीक्षण संबंधित संबंधित विभाग लेखापरीक्षण ने विभागवर्तमान खाता विभाग विभागों (खरीदसंबंधी ३८, ४८+(१)८८(a) खरीद संबंधित, प्रकाश प्रकार्य का संबंधसंबंधित लेखापरीक्षण ६८,१५ तथा प्रकाश संबंधित खरीद विभाग किए जाते,

यह संशोधनसंबंध 'विभाग' खरीद का लेखापरीक्षण ४८,२८,१५ संबंध एवं अनुदान कार्यालय कार्यालय आदेश जाते,

| खंड | वित्त २०१३-[illegible] तथा वित्तीय कार्यकलाप नियमावली पुस्तक अवलोकन हेतु | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| ११.१ | पूरक अनुदान (PAC)<br>निम्नलिखित अवस्थाओं में पूरक अनुदान आवश्यक है:<br>(क) अनुसूची [illegible] में दर्शाये गये अनुदानों<br>(ख) अतिरिक्त व्यय<br>(ग) [illegible] के पुनर्विनियोजन<br>(घ) अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, [illegible]<br>(ङ) अनुदान | [illegible] |

(रुपये लाखों में)

| | मंजूर अनुदान | उपयोग धनराशि | अधिक धनराशि (+) कम (-) |
|---|---|---|---|
| मूल: | [illegible] | | |
| पूरक: | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| पुनर्विनि: | [illegible] | | |

[illegible] [illegible] [illegible] [

| अहवाल | वर्ष २०२३-२४ चा वित्तीय लेखापरीक्षण अहवाल पृष्ठ उपलब्ध | लेखापरीक्षण |
|---|---|---|

(₹ लाखात)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | एकूण अनुदान | उपयोग पत्रके | अधिक खर्च (+) अखर्च (-) |
| मुख्य | ४५,५२,९७० | | | |
| पूरक | — | ३८,७४,२३ | ३८,७४,२८ | (+)४.५५ |
| पुनर्नि. | (-)७८,०१,५०० | | | |

वरील प्रमाणे कलम ३८(२)(ब) चा भंग झालेला आहे.

वर २०२३-२४ वर्षी झालेल्या अनावश्यक खर्चाची बाब ही विधान मंडळाचे पायाभूत तत्त्वांचे उल्लंघन आहे. त्यामुळे हा खर्च विधानमंडळाची मंजुरीच नाही. त्यामुळे हा खर्च अनियमित खर्च ठरतो.

या गंभीर बाबीकडे लक्ष वेधले असता शासनाने हा खर्च अनुदान समितीच्या मान्यतेस्तव सादर करणे.

## कर निर्धारण वर्ष २०२१-२२ का विवरण पर्यवेक्षण हेतु चयनित करदाता

| | | |
|---|---|---|
| | | |

**दिनांक:** मूल्यांकन-I(1)

**विषय:** मूल्यांकन आदेश, कार्यवाही की प्रकृति, आवश्यकता व कार्यवाही

**आयकर अधिनियम, १९६१ की कार्यवाही की जानकारी**

(i) पर्यवेक्षणाधीन

(ii) पर्यवेक्षणाधीन प्रावधान

(iii) अधिकारिक अधिसूचना, (यदि कोई) संदर्भित, यथालागू

(iv) (a+i) कार्यवेक्षण

| | | | [राशि लाखमें] |
|---|---|---|---|
| | घोषित आय/हानि | संशोधन योग्य आय | अधिकतम संशोधन योग्य आय (+) कमी (-) |
| मूल | ₹६,४०,५०,१२० | | |
| पुनरीक्षण | ₹६,५६,४०,९८० | ₹६,००,७८,८४० | (+) ₹५५,८२,१४० |
| पुनरीक्षण | ₹६,८०,९३,४० | | |

यह आयकर अधिनियम की धारा ६८,१४,१२६,३ के अंतर्गत निर्धारित अवधि समाप्त होने से पहले.

आयकर अधिनियम मूल्यांकन धारा ६८,१४,१२६,३ के अंतर्गत निर्धारितकर्ता द्वारा ६,१२,३० लाख घोषित किया गया है। ६,००,७८,८४० (अनुमानित) का निर्धारितकर्ता द्वारा उल्लेखन हेतु अधिक अनुमान प्रस्तावित किया गया है, आयकर्ताओं द्वारा ६,००,७८,८४० का निर्धारितकर्ता द्वारा निर्धारित है। यदि कार्यवाही प्रक्रिया पुनरीक्षण के तहत किसी अधिकारी द्वारा ६,१२,३० लाख द्वारा ६,००,७८,८४० का पुनरीक्षण ६,१२,३० लाख द्वारा ६,००,७८,८४० का पुनरीक्षण ६,००,७८,८४० लाख द्वारा ६,००,७८,८४० लाख द्वारा ६,००,७८,८४० लाख द्वारा

कलम ७४(३)-(४) चा विविध तरतुदी विनियोजन लेखे व महालेखापरीक्षक लेखापरीक्षण अहवाल

| महत्त्व: कलम ७४(३)-(४) चा विविध तरतुदी विनियोजन लेखे व महालेखापरीक्षक लेखापरीक्षण अहवाल | लेखापरीक्षण |
|---|---|

एका कृषी कार्यालय-१(२०

अनुदान क्रमांक ४२, ग्रामीण व नागरी उद्योग, उद्योग संचालनालय व कार्यालय, मुंबई

उद्योग-विभाग, २०५१ ग्रामीण व नागरी उद्योग

४०१ संचालनालय

२०१ संचालनालय व प्रशासन

(१५) मुख्य अधिकारी, (मध्यवर्ती) प्रशासकीय, मान्यता (वित्त) पर्यवेक्षण

(रुपये लाखांत)

| | | मंजूर अनुदान | अन्यत्र खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ५,६८,७५ | | | |
| पूरक | — | २,१७,३१ | २,३४,८८ | (-)१७,५७ |
| पुनर्वि | (+)३१,८८ | | | |

उक्त मूळ संचालनालय प्रशासकीय कार्यालयाकडे रु.२५,५८ च्या लेखापरीक्षणाचे प्रलंबित आहे.

तसेच संचालनालय पुनरीक्षण अनुदान २५३, त्यापैकी खर्चाचा व्यवहार नाही.

कलम ७५(३)-(४) चा विविध बाबींचा या कार्यालयातील खात्यातून प्रलंबित बाबींचे ४ पत्रे, ज्या अधिकाऱ्यांना पत्र दिले त्यांच्याकडे ३ पत्रे व त्यानंतर त्यापैकी ३ पत्रे २०२५-२६ पर्यंत पाठविण्यात आली. ३ पत्रांचे ३ पत्रांचे पाठविण्यात आले. पत्रांचे ३ पत्रांचे पाठविण्यात आले. पत्रांचे ३ पत्रांचे पाठविण्यात आले.

## खण्ड १०(३)-१४ चा वित्तीय वर्षाच्या विनियोजन लेखी आक्षेपाबाबत स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| खंड/उपखंड/पोटकलम/तरतूद क्रमांक दर्शवावे | स्पष्टीकरण |
|---|---|
| १(अ) मूळ खर्चाचे रेखा<br>अनुदान क्रमांक एक-२, नगरविकास विभागाचे अंतिम सादरीकरण व<br>सादरीकरण पुस्तिका<br>तक्ता/विवरण १०-२, नगरविकास योजनांचे<br>(अ) वर्गीकरण<br>(ब) योजनानिहाय तपशील<br>(३८) अतिक्रमित अभिन्यास, (झ.पा.यो.) मेहट, कनगुर<br>(रेखा (४+१) पहावेत) | वरील प्रमाणे कलम अनियोजित रु.२७५(रुपये २७५ फक्त) या लेखाशिर्षाची अनियोजित आहे.<br>या कार्यालयाकडून वेळोवेळी खर्च कार्यालयांकडे पाठीव अनुदानाची मागणी करण्यात आलेली होती, त्यानुसार १८-२० लाख इतके अनुदान पुनर्विनियोजनाद्वारे उपलब्ध करून देण्यात आले. |

(रुपये लाखात)

| | मंजूर अनुदान | उपलब्ध तरतूद | अंतिम खर्च (+) बचत (-) | — |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १२१.२४ | | | |
| पुरक | — | १.६८.२१ | १.७८.१९ | — |
| पुनर्वि | १२३.०२ | | | |

| क्रमांक | कलम २०१(३)-ड या विशिष्ट कार्यालय संदर्भातील पुरावा क्रमांक ३ | कार्यालय |
|---|---|---|

१२६ पुरावा क्रमांक ०१:

अनुक्रमांक क्रमांक ४: स्वतंत्रीकरण कार्यालयाने आणि व्यावसायिक या कार्यालयाचा

प्रस्तावी

प्रस्ताव दोषांचे २०२१ स्वतंत्रीकरण कार्यालय

(अ) प्रस्तावकाचा

(ब) प्रस्तावाचा व दोषांचा

(क) प्रस्तावित स्वतंत्रीकरण, स्वतंत्र व पूर्ण नियंत्रण, वार्षिक

(क्र) (ब-क) = प्रस्तावित

| | | | प्रस्तावी स्वतंत्रीकरण | |
|---|---|---|---|---|
| | पहिला अनुक्रमांक | मागच्या दोषांचे | वार्षिक दोषांचे (+) वाढ (-) | |
| पहिला | ₹२०,८६,४४ | | | |
| दुसरा | — | ₹२०,९६,२५ | ₹२७,४२,२५ | — |
| तिसरी | (+)₹३,४१ | | | |

प्रस्ताव क्रमांक प्रस्तावक प्रस्तावित क्रमांक ३,२०,५१,२५,८२ या स्वतंत्रीकरणे प्रस्तावित आहे.

स्वतंत्रीकरण व नियंत्रित प्रस्तावाचे अनुक्रमांक पहिला अनुक्रमांक प्रस्तावित प्रस्ताव व स्वतंत्रीकरणे स्वतंत्र प्रस्ताव व स्वतंत्रीकरणे स्वतंत्र स्वतंत्रीकरणे, प्रस्ताव स्वतंत्रीकरणे स्वतंत्र व प्रस्तावाचे खर्च स्वतंत्रीकरणे ₹.२३,२३ स्वतंत्र प्रस्तावित अनुक्रमांकाचे प्रस्तावकाचा प्रस्तावाचे ₹.२३.८८ स्वतंत्र प्रस्तावे स्वतंत्रीकरण अनुक्रमांक प्रस्तावाचे स्वतंत्र दिलेला आहे.

| | | |
|---|---|---|
| | वर्ष २०१३-१४ तक विनियोजन लेखाओं पर प्रभाव है. | पृष्ठ/टिप्पणी |
| (ग) | मुख्य शीर्षक-[illegible] | |
| | अनुदान क्रमांक [illegible]-सार्वजनिक कार्यालयों संबंधी प्रशासनिक व कार्यालयीन [illegible] | |
| | प्रशासनिक [illegible] सार्वजनिक कार्यालयों | |
| | (ii) कार्यालय व्यय | |
| | [illegible] कार्यालय व प्रशासन | |
| | (iii) सार्वजनिक परिसंपत्ति, [illegible] के [illegible] रोपण | |
| | [illegible] कार्यालय भवन [illegible] | |

(रुपये लाखों में)

| | मंजूर अनुदान | उपयोग किये | कमी (-) बचत (+) |
|---|---|---|---|
| मूल | [illegible] | | |
| पूरक | — | [illegible] | [illegible] |
| कुल | [illegible] | | |

[illegible] लेखा लेखा परीक्षक [illegible] के [illegible] के संबंधित [illegible] संबंधित [illegible]।

विभाग के कार्यालयीन कार्यालय-व्यय [illegible] [illegible] विभाग [illegible] विनियोजनानुसार नियंत्रण [illegible] [illegible] [illegible]

| अ.क्र. | वर्ष २०१३-१४ चा वित्तीय अहवालाचा परिच्छेद एवढा संदर्भ द. | लेखापरीक्षण |
|---|---|---|

१४९

मुद्दा क्रमांक १११

क्रमांक एफ.१-एप्रोमॉलिक अन्वयार्थे अतिरिक्त व कार्यालयाचा

मुद्दाचा

आकारणीसाठी १३०५५ लेखापरीक्षणाचा

८७०० मुद्दा खर्च

पर्यंत अनुदानासाठी नियंत्रक लेखापरीक्षण लेखाचा कोणताही

१७४३७९ खात्यावर, लेखापरीक्षण लेखाचा

(रकमेचे तपशील)

| मुद्दा क्रमांक | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मुद्दा | ८,५०,००० | | | |
| मुद्दा | — | ९,७०,५०० | ९,७०,५०० | — |
| मुद्दाचे | (-) १२,५०० | | | |

नियंत्रण नियंत्रणाचे मुद्दाचित अहवाल करणे व लेखा योग्य केल्याच्या

आकडेवार रकमेपेक्षाचे रु. १२,५०० पेक्षा झालेले लेखन लेखापरीक्षण आलेले.

झाला झालेल्या लेखापरीक्षण लेखाचित्रण क्र. १७४३७९८१९ या लेखापरीक्षणाचे लेखांकित आहे.

वर्ष २०१३-१४ या वित्तीय लेखांचे अनुदान लेखापरीक्षणाचे पोस्टमार्टमचे अनुदानित रु.१० एवढी रकमेचे खात्यावरचे रु.१०,००० पेक्षा एवढी अनुदान खर्च झाले नाही. लेखांचे अनुदान मंजूरकरणाचे दोषे लक्षात्मुदित अधिकाऱ्यांना विलंब झाल्यामुळे रु.२,५०० पेक्षा झालेले अनुदान समर्पित केल्याने मंजूर रु.२ ६,५०० पेक्षा झालेले अनुदान समर्पित करण्यात आले.

| क्र.सी. | सन २०२३-२४ यात विविध व्यक्तिगत लेखाशीर्षे पुढील प्रमाणेः- | तपशील |
|---|---|---|
| १३० | मुख्य प्रकरण-१३८: | |
| | कलम-पुरवठा-१३८: | |
| | पुरवठादार | |
| | तपशीलः २०२३ खर्चाचीच खोलवरची | |
| | अ) कार्यालयीन खर्चाची | |
| | अ.२ वाहिनीवरील खर्चाची | |
| | ३०४३/४८ नमनाटीकेचा खर्च | |

(रक्कम रुपयांत)

| | मंजूर अनुदान | जमाझाले खर्च | शिल्लक खर्ची (+)/ जास्त (-) | |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | १८,४८,८१ | | | |
| पूरक | ०.००/ | १८,०४,६४ | १७४८,८१ | (-) १२.४८ |
| पुनर्विनि | १८१८.४१ | | | |

१. १,४८ पर्यंतची अधिक जमा लहान केस जन्मठेपीच्या खर्च २ पर्यंत जन्मठेपीच्या अंकातल्या किंवा कलमाप्रमाणे न्यायालयाने ठरवून कलमानुसार शिक्षेच्या कलमांमध्ये बदल तपशीलेखकाची पुनर्विनियोजनेच्या खर्चाचे ३०१४ पर्यंत रु १,१२८ रुपये पर्यंत खर्ची दिलेल्या पक्षा कलमाप्रमाणे ठरवणे.

१. १,४८ पर्यंत खालच्या अधिक जमाचीही पक्षाने न्यायालयाला खर्चाचे पक्षीलेखा. (अधिनियम २०१४/४८).

खरा उतारा कलमाच्या खर्चाचेच ३८२०१४/२०२३ या न्यायालयीन दाखविला आहे.

खरा खर्च अनुक्रमांक ३८ हा न्यायालय पुढे खर्चाचीच आहे. या लेखाशीर्षाखालील खर्चाचे तीन वेगवेगळ्या लेखाशीर्षांखाली कलमाचे खरा खर्च निश्चित केला आहे.

खर्चाचीच प्रस्तावित जमाखर्चाच्या कलमाच्या पक्षाच्या खरा कलमाखाली अधिनियम अनुक्रमाचे जमाखरच निवडले जिल्हा न्यायालयीन पुरवणी मागणी मंजूर करण्यात आलेली होती. त्यानुसार ६,२१८.४८ रुपयांच्या मूळच्या अनुदान पुनर्विनियोजनेतून या लेखाशीर्षाखाली पाठवली खरा कलमाच्या खर्चाचे आहे.

वर्ष २०२१-२२ का वित्तीय लेखों से संबंधित लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

| अनुच्छेद | वर्ष २०२१-२२ तथा पिछले वर्षों से संबंधित मुख्य टिप्पणियां | राशि (₹ लाख में) |
|---|---|---|
| ३.१ | मुख्य आपत्तियां- शून्य<br>अनियमित/संदिग्ध खर्च/अवरुद्ध अतिरिक्त व्यवसायिक व्यवधान<br>मुख्यालय:<br>व्यवसायिक वर्ष २०२१ में संदिग्ध खर्च:<br>(क) व्यवसायिक मुख्यालय<br>(ख) विभाग परिसरों में स्थापित केन्द्रों से संबंधित<br>(ग)=(क)+(ख) संदिग्ध खर्च का योग: | |

(राशि लाख में)

| | मुख्यालय | अन्य केन्द्र | संदिग्ध खर्च (ग) |
|---|---|---|---|
| कुल | ६,४९,२९९ | | |
| पूंजी | २,७४,७०० | ३४,५७,८९९ | ३४,५७,८९९ |
| पूंजीगत | (-) ६,५९,२९९ | | |

व्यवसायिक विश्लेषण खर्च न होने के कारण व्यवसायिकों पर ३.१४ लाख ३२,५७,८९९ लाख खर्च किये जाने चाहिए थे.

इस खर्च के लिए व्यवसायिक विश्लेषण के अनुसार ३२,५७,८९९ रु. के व्यवसायिकों को संबंधित करें.

व्यवसायिकों के विश्लेषण के लिए व्यवसायिक (१९२ पुरुषों एवं ३२ महिलाओं) के मुख्यालय व मुख्यालयों के विभाग परिसरों में उपलब्ध कराए जाने चाहिए.

व्यवसायिक खर्च के विश्लेषण के अनुसार ३० दिनों के भीतर व्यवसायिकों ३२,५७,८९९ लाख खर्च अनुसार संबंधित करने चाहिए.

| कलम: | कलम ७०(३)-ए(२) खाली दिलेल्या सवलतीचे पुढे करण्यात ये | सभासदांना |
|---|---|---|

पुढे: मूल्य कलम ११(१)

एए.५ सार्वजनिक कंपनीतील अंतिम लाभांशाच्या व कार्यान्वयन सवलती

सवलतीचे (५५८) सार्वजनिक कंपनीने

(अ) घोषित केला

(ब) वितरण व लाभांश

(५८) सार्वजनिक-कंपनीला

(५८)(अ)(१) कार्यान्वयन

कलम लेखापरीक्षकांनी त्यांच्याकडील त्यांच्या त्यांच्याकडील लेखा त्यांच्याकडील त्यांच्या त्यांच्याकडील सवलतीचे लाभ कलम ७०(३) खाली दिलेल्या सवलतीचे (५८)(अ) खाली दिलेले लाभांश वितरण करण्यासाठी आवश्यकतेनुसार कलम ११(५)-AC खाली दिलेले अनुपालन तपासणे आवश्यक आहे.

(रक्कम लाखांत)

| | | वास्तव खर्च | अधिक खर्च (+) वजा (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ₹५,००० | | |
| सुधारित | — | ५,५२ | ५,५३ |
| पूर्वीचे | ११(५)-AC | | |



खाली दिलेले कलम ७०(३) खाली दिलेल्या सवलतीचे कलम ११(५)-AC खाली दिलेल्या

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |

## वर्ष २०२३-२४ या वित्तीय वर्षाच्या वित्तीय लेखे अहवालावरील भारतीय लेखापरीक्षकांचा अहवाल

| अ.क्र. | वर्ष २०२३-२४ च्या वित्तीय लेखांवरील मुद्दे उपस्थित | मार्गदर्शन |
|---|---|---|
| एक. | मुद्दा क्रमांक एक<br>अनुदान क्रमांक एक व सहायिक लेखा व वार्षिक लेखा यांमधील<br>फरकाची रक्कम<br>लेखापरीक्षणात आढळले की,<br>(अ) वैधानिक मुदतीमध्ये<br>(आ) (अ) खालील कारणांमुळे प्रलंबित-उपयोजन रक्कमे | खाद्य प्रशासन विभागाने अनुदान क्रमांक ८२,२५५,०४१, या लेखाशिर्षाखाली वर्गीकरण व्हावे.<br>मुद्दा क्रमांक तिसरा (विशेष) (६४,७८,०४,०००), मुद्दयाचे व तपशील पंजीकरण अहवालात (३,५५,८४,०००) वर्गीकरणाचे उपयोजन झालेली रक्कम ६१,५८ लाख रुपयांची रक्कम विशेष लेखा लेखे.<br>वित्त २०२३-२४ या वित्तीय वर्षाचे लेखापरीक्षण अहवाल ३७५५ अन्वेषे खालील मुद्दा नोंदवलेल्या अनुदानाचा ६३१० रुपये रुपये ६,७१,२८ लाख इतका अनुदानाचे उपयोजन खर्चाच्या अहवालात अहवालाने उर्वरित ६१,५८,७८ लाख खर्चे अनुदान वर्गीकरण करण्यात आले. |

(रुपये लाखांत)

| | मंजूर अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च(+) कमी(-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ६४,८८ | | |
| पूरक | ६,३१,७३ | ६,९६,४१ | ६,३६,५७ |
| पुनर्विनियोजन | (-) ५८,७४ | | |

सन २०२३-२४ चा विशेष वार्षिक विनियोजन लेखे आणि लेखापरीक्षक अहवाल

| मजकूर | सन २०२३-२४ चा विनियोजन लेखेचा मूळ अंदाज ₹ | अंदाजपत्रक |
|---|---|---|
| एकूण | मूळ अंदाज-एकूण, | |
| | अनुदान अंदाज-एक व- व्यवस्थापन खेरीज व व्यतिरिक्त खेर्च पोटखाती खर्च | |
| | प्रशासकीय खर्च, पोटविभागांना पोटखाती खर्च, | |
| | भांडवी खेर्चाचा मूळ अंदाज | |
| | अ(१) अ(२) व्यवस्थापन निधीतून मूळअंदाजपत्रकात केलेली तरतूद | |

(रुपये लाखांत)

| मूळ अनुदान | अनुदान खर्च | अधिक खर्च (+) कमी (-) |
|---|---|---|
| १७,४१,६७ | | |
| १,४८,२०,८८ | ८४,९३,८१ | (-) ६३,२६,७७ |
| (-) ३७,६७,५१ | | |

मूळ अंदाज अनुदान व्यतिरिक्त अ(१०)अ(२०)(१) च पोटखातेनिहाय तरतूद.

मूळ अधिनस्त निधीतून, मूळचे पोटखातीय ६८.३३ लक्ष इतपत्या रकमा अनुदान मंजूर अनुदानाच्या तुलनेत करण्यात आल्या आहेत.

सन २०२३-२४ च्या विशेष पर्याय करा लेखापरीक्षणाने ६.१२९८.८१ लक्ष एवढी मंजूर अर्थसंकल्पित विनियोजन प्रस्तावित केले आहे. सदर अनुदानाचे ६.१४१.१३ लक्ष रकमेचे मूळचे, वर्षे, पोटखाते, व्यतिरिक्त, पोटखाते, पोटखाते व मूळ अधिनस्त (निधीतून) च पोटखातेनिहाय खर्च होऊन शासनाचे मंजूर ६.३४६०.५१ लक्ष इतकी मंजूर करण्यात आलेले.

| तारीख | खण्ड अनुदेश-एवं तथा विनियोजन लेखाओं पुनर्वलोकन हेतु | अभ्युक्तियाँ |
|---|---|---|

१८१ पुनर्वलोकन टिप्पणी

अनुदेश खण्डांक ९१-७, खण्डीकरण सीमांत व व्यक्तिगत लेखा पालनीय

पढ़ाकर्ता: दुर्ग

प्रस्तावित्रेखा५,४७,३ पालनीय व पुनर्वलोकन पढ़ाकर्ता: दुर्ग,

५७ विवाह व प्रसार पालनीय

८७५ प्रसार दुर्ग

(५८,७५१) वैयक्तिक पोषकांश्च पोषकांश्च, अवधारण दुर्ग

(हजार रुपयों)

| | पहला अनुमान | अन्तर दुर्ग | अंतिम दुर्ग (+)/ कमी (-) |
|---|---|---|---|
| मूल | ९८,४१,००० | | |
| पुनः | ९४८,३८,८४१ | ९४९,३८,२१ | ६,४९,९६,९६ (७४७,६३ |
| पुनर्वि | ८,१५८,९६,८३ | | |

प्रसार प्रसार कोपाक्ष खंडांकित (४,५०,१७,९१२), व लेखाधिकारियों

प्रमाणित गयी.

यह लेखा होकर खंडांकारियों कल्पना अवलोकने कारणों व किस विवरणों संयुक्त केलेखे पुनर्वलित लेखन पत्रकों रु. ४१,५१ (हजार संचिकाओं लाख केवल हजार) कमल प्रकरणों लाखों, हजार लेखाधिकारियों प्रकरण दुर्ग कल्पना पेंच संयुक्त लेखाधिकारियों ५७,१७,२८८ प्रकरण प्रसार प्रसार निम्न लाखेका टिप्पणाक्ष दर्शाकर ११,७५६ अवधारण दुर्ग पुनर्वलि संचालकारणों लाखों कल्पना पेंचक, लाखपुरा प्रेक्षित लाखेकारियों केलेखन कल्पनीयकों प्रकरणक्ष लें लाखुत केलाखन पेंचन विभिन्न लाखुत ४,५८,८९,८३ लाख (हजार अनुमान कोटी लाखों लाख लाखेके हजार) व्यक्ति कल्पना लाखेकारियों लाखें.

## [illegible]

[illegible]

[illegible]

[

## [illegible]

| [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] |

(रुपये लाखमा)

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

| लेखा | खण्ड २०१३-१४ तथा विभिन्न लेखाओं पृष्ठ अन्तर्गत | लागतलेखा |
|---|---|---|

पृष्ठ सन्दर्भ-१३८

अनुभाग अधिकारी पृष्ठ-७० लागतिक संगठन व लागिक लेखा संगठित

कोड़ाकर्मी पृष्ठ में

उपलब्धियाँ २०१३: पुनर्विनियोजनार्थ कोड़ाकर्मी पर्व,

क) खानाबीज निकलने खानाबीज

ख) एकत्रित खनिजकार्य निकालनाकाल

[२०१३-१४] खानाबाल पूर्व

(रुपये लाखमें)

| | मंजूर अनुदान | उपयुक्त पर्व | अधिक पर्व (+)/ बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूल | १,२९,२१ | | |
| पूरक | १९,४५ | १,५५,६८ | १,७४,१३ |
| पुनर्वि | ६८,१४ | | |

खण्ड प्रशान लागिक लेखाकेन्द्र अ.२१(६)-१४/८ में लेखाकेन्द्रीयों समीक्षित

लेखे.

खण्ड लेखा परीक्षाकेन्द्रीय १८.८.२०१४(खण्ड) व दि. व लेखा पुर्वा (१४-१५खण्ड) परीक्षाकेन्द्रीय खण्डपाल खण्डीय पर्व लेखे खण्डीयकाल कार्यालयकर्ता द्वारामार्ग १८.८.२०१४ तक एकत्रे बचत दिनुत्र दिए लेखे.

खण्ड २०१३-१४ का विभिन्न कार्यों लेखाकेन्द्रीयों २०१४-१५ खण्डीय अनुभाग लेखाकालय लागतलेखा कालाल १५.१० उसके १८.१०.२०१४ तक्षत्र द्वारा अनुपालनों लेखाकालय खण्डिकारी खण्डकाल खण्डकाले अन्य लेखाकेन्द्रीयखण्डीय १८.८.२०१४ तक एकत्रे लागत्र का लेखाकेन्द्रीयकाले खण्डों कालाल खण्डों.

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

१५६ पृष्ठ क्रमांक-१९८

अनुदान क्रमांक-एच-७- सामाजिक सेवा व आर्थिक सेवा यांवरील भांडवली खर्च

प्रधानशिर्ष-५०५४ मार्ग व पूल यांवरील भांडवली खर्च,

०४ जिल्हा व इतर मार्ग

८०० इतर खर्च

(०४) (०१) नाबार्डच्या कर्ज सहाय्यातून कार्यानिवत केलेली कामे - मोठी बांधकामे

(रुपये लाखांत)

| | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)/ बचत (-) |
|---|---|---|---|
| मूळ | ४,७५,००.०० | | |
| पूरक | ७५,८७.०१ | ५,८१,४६.९० | ५,८१,४५.१८ (-)१.७२ |
| पुनर्वि | ३०,५९.८९ | | |

रु.१०.६४ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता,मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील पुनर्वविनियोजव्दारे रु.३०,७९.५७ लाख्या इतका वाढ करण्यात आलेला निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.

रु.१०.६४ लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे कळविण्यात आलेली नाही.

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.५०५४०७५२ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

या वर्षात क्षेत्रीय कार्यालयांकडून करण्यात आलेली मागणीच्या अनुषंगाने रु.३०,५९.८९ लाख (रुपये तीस कोटी एकोणसाठ लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) पुनर्विनियोनाने उपलब्ध करुन देण्यात आली आहे. एकुण अनुदान व प्रत्यक्ष खर्चाच्या अनुषंगाने केवळ रु.१.७२ लाख (रुपये एक लाख बहात्तर हजार मात्र) अंतिम बचत झाल्याचे दिसून येते. सदर बचत अत्यल्प असल्याने सदर बचत क्षमापित करण्यात यावी.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

## सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालावरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन

| अ.क्र. | सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्याचे पृष्ठ क्रमांक इ. | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|

१६१ पृष्ठ क्रमांक-२००

अनुदान क्रमांक-एच-८-सार्वजनिक बांधकामे, प्रशासकिय व कार्यचालन इमारती यांवरील भांडवली खर्च

प्रधानशिर्ष-४०५९ सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च,

०१ कार्यालयीन इमारती

०५१ बांधकाम

(०५)विक्री कर (योजनेतर)

(०५) (०२) आस्थापना खर्च

(रुपये लाखांत)

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+)/ बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ | ४९.८२ | | | |
| पूरक | ६६.६९ | ९३.३४ | ९०.९३ | (-)२.४१ |
| पुनर्वि | (-) २३.१७ | | | |

सदर ज्ञापन संगणक सांकेतांक क्र.४०५९०७४३ या लेखाशिर्षाशी संबंधित आहे.

सदर विनियोजन लेख्यात दर्शविण्यात आलेली रु.२.४१ लाख एवढी बचत पुणे(रु.१.१५लाख) व अमरावती (रु.२.२६लाख) या मंडळाकडील आस्थापना खर्चाची कमी नोंद महालेखापाल कार्यालयाकडे झाल्याने सदर बचत दिसुन येत आहे.

सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षात लेखाशिर्ष ४०५९०७३४ खालील प्रमुख बांधकामाच्या तरतुदीच्या १३.९० टक्के रु.९३.३४ लाख इतक्या अनुदानाची आस्थापना खर्चासाठी आवश्यकता असल्याने उर्वरित रु.२३.१७ लाख एवढी तरतुद समर्पित करणे भाग पडले.

**साक्ष :-**

उपरोक्त परिच्छेदासंदर्भात अधिक माहिती जाणून घेण्यासाठी समितीने दिनांक ३ जानेवारी, २०१७ रोजी सचिव, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांची साक्ष घेतली.

**अनुदान क्रमांक-एच-३ गृहनिर्माण (सर्व दत्तमत) :-**

४.१ प्रधानशिर्ष -२२१६, गृहनिर्माण या लेखाशिर्षांतर्गत मूळ तरतूद रु.२५१७०.२१ लाख होती. पूरक मागणी रु.१६०७३.०१ लाख घेण्यात आली. एकूण अनुदान ४१२४३.२२ लाख रुपये प्राप्त झाले त्यापैकी ३३९७२.५४ लाख रुपये प्रत्यक्ष खर्च झाले व ७२७०.६८ लाख रुपये बचत झाली व सन २०१३-२०१४ या वर्षभरात ५३९८.८१ लाख रुपये रक्कम परत करण्यात आलेली आहे. महालेखाकारांनी नोंदविलेली बचत व वर्षभरात परत केलेली रक्कम यातील फरक हा १८७१.८७ लाख रुपये असून ही प्रत्यक्ष बचत असल्याचे विभागाचे म्हणणे आहे यावर समितीने विचारणा केली की, सार्वजनिक बांधकाम विभागाने आंतरखाते खर्चाची परिगणना करण्याची एकसमान पध्दत महालेखाकार, नागपूर यांच्याकडे सल्लामसलत करुन सुरु केली आहे काय ? याबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, बजेट मॅन्युअलच्या नियमानुसार जी अंतर्गत ॲडजस्टमेंट असते ती मागच्या वर्षीच्या खर्चावर आधारित असते. परंतु तशा प्रकारची ॲडजस्टमेंट न करता त्या त्या वर्षी मार्च महिन्याच्या खर्चावर आधारित ॲडजस्टमेंट करता येईल काय, या बाबतचा अभ्यास करण्याचे ठरले होते. परंतु महालेखाकार कार्यालयाकडे अशा प्रकारच्या कार्यालयीन ऑर्डर्स नाहीत. परंतु सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे विभागीय स्तरावरील कार्यालय, मंत्रालयीन स्तर व महालेखाकार कार्यालयाने प्रोग्रेसिव्ह एक्स्पेंडीचरच्या बाबतीत वित्त विभाग, सार्वजनिक बांधकाम विभाग आणि महालेखाकार कार्यालय एकत्र येऊन मार्च महिन्यानंतर अशा प्रकारची ॲक्टीव्हिटी केली तर सध्या विनियोजन लेख्यांमध्ये जो फरक आढळतो तो आढळणार नाही. महालेखाकार आणि सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे कार्यालयामध्ये या संदर्भातील अपडेटेशन होईल. त्यामुळे वित्त विभाग, सार्वजनिक बांधकाम विभाग व महालेखाकार कार्यालयाच्या माध्यमातून लेखाशीर्षांचा आढावा घेऊन जो फरक येत होता तो आता इलिमिनेट करण्यात येईल यावर समितीने असे निदेश दिले की, जी पध्दत अवलंबणार आहात ती पुढे तशीच राहील या दृष्टीने विभागाने काळजी घ्यावी. जेणेकरुन पुन्हा या विषयावर समितीचा वेळ वाया जाणार नाही, समितीच्या सूचनेस सचिवांनी सहमती दर्शविली.

प्रधानशिर्ष -२२१६ गृहनिर्माण ०५ एकत्रित सर्वसाधारण निवासव्यवस्था बांधकाम ०५३ परिरक्षण व दुरुस्ती (०३) (०२) नगरपालिका कर या शिर्षांतर्गत १.६२ लाख रुपयांच्या अंतिम बचतीची कारणे काय आहेत ? अशी विचारणा समितीने केली असता सचिवांनी खुलासा केला की, लेखाशीर्ष-२२१६०३२२ हे नगरपालिका कर या संदर्भातील आहे. पुणे जिल्ह्यातील भोर आणि जेजुरी नगरपालिकांकडे कार्यकारी अभियंता (पूर्व) यांनी नगरपालिकेच्या कराची बिले मागितली होती. बिले प्राप्त होतील या उद्देशाने ही रक्कम राखीव ठेवण्यात आली होती. जानेवारी महिन्यामध्ये रक्कम सरेंडर केली जाते किंवा १५ मार्चला ती शासनाकडे सरेंडर करण्यात येते. पण ती बिले आली नाहीत म्हणून ते पैसे वापरता आले नाहीत.

सार्वजनिक बांधकाम विभागाने पाठपुरावा केला असता नगरपालिकेकडून वेळेत बिले मिळाली असती. कारण नगरपालिकेची सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे मागील तीन-चार वर्षांची बिले थकीत असल्यास २४ टक्के पेनल्टी लावण्याची तरतूद आहे. ही परिस्थिती केवळ एका जिल्ह्यापुरती मर्यादित नसून, संपूर्ण राज्यात बिले थकीत असल्याची परिस्थिती आहे. त्यामुळे नगर विकास विभागाचा २४ टक्के पेनल्टीचा क्लॉज आहे. परंतु सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे कार्यकारी अभियंता यांनी समितीस सांगितले की, पेनल्टी भरण्याची तरतूद नसल्यामुळे ती माफ करण्यात यावी. जर ती पेनल्टी भरली तर ए.जी. हे आक्षेप घेतील. मुळात ही रक्कम वेळेवर भरली नाही म्हणून पेनल्टी भरण्याची वेळ आली आहे. त्यामुळे या संदर्भातील जबाबदारी निश्चित करावी, असा आक्षेप महालेखाकार कार्यालयाकडून घेण्यात येऊ शकेल. समितीची अपेक्षा आहे की, संपूर्ण राज्यातील परिस्थितीचा आढावा घेऊन हा विषय निकाली काढावा असे न केल्यास हा विषय प्रत्येक विभागामध्ये ऑडिटच्या वेळी निर्माण होत राहील यावर सचिवांनी खुलासा केला की, पूर्वी या लेखाशीर्षासाठी ठोक स्वरुपात अडीच-तीन कोटी रुपये तरतूद राखून ठेवली जात होती. परंतु २०१३-१४ मध्ये या संदर्भात सुधारणा करुन ही तरतूद ५ कोटी ९२ लाख ६६ हजार रुपये ठेवली. महानगरपालिकांचा कर हा अटळ खर्चाचा भाग आहे. नगरपालिका असो किंवा महानगरपालिका यांच्या खर्चाची बाब त्यांना विचारुन त्या संदर्भातील पूर्ण तरतूद डिसेंबर महिन्यात करुन त्याच महिन्यात त्याचे पेमेंट करावे. विद्युत बिले असतील तर त्या बाबत सुध्दा तरतूद करुन ठेवावी. पेनल्टी क्लॉजेज ऑपरेट होऊ नयेत म्हणून अशा प्रकारची कार्यवाही करणे आवश्यक आहे. मुंबईच्या बाबतीत सुधारणा केली आहे. इतर महानगरपालिकांच्या बाबतीत तरतूद अगोदर अदा होईल या दृष्टीने काळजी घेण्यात यावी.

याप्रकरणी वर्षाच्या आत आढावा घेवून कार्यवाही करण्यात यावी. राज्यातील नगरपालिका / महानगरपालिका यांच्या मागील थकीत बिलांच्या संदर्भात तातडीने कार्यवाही करावी.

**अनुदान क्रमांक-एच-४ -सचिवालय व इतर - आर्थिक सेवा :-**

प्रधानशीर्ष-२४०६ वनीकरण व वन्यजीवन ३०५१ बंदरे व दीपगृहे ३०५३ नागरी विमानचालन ३४५१ सचिवालय-आर्थिक सेवा या अंतर्गत एकूण अनुदान रु.४४०४.४२ लाख प्राप्त झाले व रु.३३०४.६२ लाख खर्च झाले व रु.१०९९.८० लाख बचत झाली आहे. अशा प्रकारे अनुदान बचतीसह समाप्त झाल्याचे सन २०१३-२०१४ हे सलग नववे वर्ष असण्याची सर्वसाधारण कारणे काय आहेत ? अशी विचारणा समितीने केली असता सचिवांनी खुलासा केला की, महाराष्ट्र मेरिटाईम बोर्ड आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग या दोन एजन्सीज अंतर्गत बंदरे व दीपगृहे, मत्स्यव्यवसाय विभागाची छोटीछोटी बांधकामे यांचे एकत्रितरित्या काम करण्यात येते. त्यासाठी कोस्टल इंजिनियर हे पद गेल्या ८-९ वर्षापासून सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे निर्माण करण्यात आलेले आहे. बंदरे व दीपगृहांची मोठ्या स्वरुपाची कामे मेरिटाईम बोर्डात मंजूर होत असल्यामुळे व बोर्ड ही कामे स्वतःच्या खर्चातून करीत असल्यामुळे त्यांनी शासनाकडे पुरवणी मागणी केली नाही किंवा या रकमेचा वापर सुध्दा केला नाही. एकाच कामासाठी मेरिटाईम बोर्ड आणि सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे निधी असतो. यामध्ये ड्युप्लीकेशन होत होते. त्यामुळे सन २०१५-२०१६ या वर्षी असा निर्णय घेण्यात आला की, यातील काही कामे स्पेसिफिक मेरिटाईम बोर्डानी करावीत. उदाहरणार्थ नित्य-नियमित दुरुस्त्या, सर्वसाधारण कामे, मत्स्यव्यवसाय विभागाच्या जेट्टीची कामे मेरिटाईम बोर्डाने करावीत. धूप प्रतिबंधक बंधा-यांची कामे सार्वजनिक बांधकाम विभागाने करावीत. त्यामुळे सन २०१६-२०१७ या वर्षापासून रकमा सरेंडर करण्याचे प्रकार आढळणार नाहीत. या वर्षी सार्वजनिक बांधकाम विभागाला २५ कोटी रुपये आऊटले मिळाला होता आणि तो पूर्णपणे खर्च होत आहे यावर समितीने विचारणा केली की, सार्वजनिक बांधकाम विभागाला २५ कोटी रुपये ठराविक कामासाठी दिले गेले. पुरवणी मागण्यांमध्ये रक्कम वाढवून मागत असता. राज्याला ७५० कि.मी. लांबीचा समुद्रकिनारा लाभला आहे. हा विषय सार्वजनिक बांधकाम विभागाशी संबंधित नसला तरी मेरिटाईम बोर्ड व मत्स्यव्यवसाय विभागाशी संबंधित आहे. या संदर्भातील अंदाज काढण्याची आवश्यकता आहे याबाबत सचिवांनी नमूद केले की, या विषयी मेरिटाईम बोर्डासोबत बैठक झालेली आहे. मेरिटाईम बोर्डाने सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे मुख्य अभियंता हे पद सुध्दा त्यांच्याकडे घेतले आहे. मेरिटाईम बोर्डाचे आणि सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे मुख्य अभियंता यांच्याकडून एकत्रितपणे या बाबतचा आढावा घेण्यात येईल. जे छोटेछोटे धूप प्रतिबंधक बंधारे आहेत किंवा छोट्या दुरुस्त्या आहेत त्यांची कामे सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून करीत आहोत. परंतु एखादे मोठे पोर्ट बांधावयाचे असेल किंवा जेट्टीची मोठ्या स्वरुपातील दुरुस्ती करावयाची असेल तर ते काम मेरिटाईम बोर्डाकडून करण्यात येते. त्या बाबत सार्वजनिक बांधकाम विभागाला कळविण्यात येते.

मार्वे बिच येथे बंद पडलेली जेट्टी असून तिला सुरु करावयाचे आहे. त्या परिसरात मासेमारी करणारा मोठा वर्ग आहे. त्यांना त्या ठिकाणी मनोरी आणि मार्वे या दोन जेट्टी उपलब्ध आहेत. मेरीटाईम बोर्ड सांगतात की, जेट्टीची दुरुस्ती सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून करण्यात येणार आहे आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग सांगत आहे की, मोठ्या स्वरुपातील जेट्टीच्या दुरुस्तीची कामे मेरिटाईम बोर्डाकडून करण्यात येतात. सदरहू दुरुस्तीचे काम कोणत्या विभागाकडून किंवा मिसलेनिअस वा बजेटरी प्रोव्हीजन यापैकी कशातून करण्यात येणार, याबाबतची माहिती समितीला द्यावी त्यावर सचिवांनी खुलासा केला की, या विषयी मेरिटाईम बोर्डाकडून निर्णय करुन घ्यावा लागेल की, सदरहू काम सार्वजनिक बांधकाम विभागाने करावे. मेरीटाईम बोर्डाने जेट्टीच्या दुरुस्तीचे काम सार्वजनिक बांधकाम विभागाने करावे अशा प्रकारचा निर्णय घेतल्यास सदरहू जेट्टीच्या दुररुस्तीचे काम सार्वजनिक बांधकाम विभाग करेल.

प्रधानशीर्ष -३०५१ बंदरे व दीपगृहे ०२ लहान बंदरे १०१ बांधकाम व दुरुस्ती (००) (०१) मूळ लहान बांधकामे- स्थापत्यविषयक बांधकामे या लेखाशिर्षांअंतर्गत रुपये १५.३१ इतकी संपूर्ण तरतूद समर्पित केल्याबाबत परिक्षण करुन त्याचा खुलासा करण्याबाबत समितीने सांगितले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, मेरिटाईम बोर्डाच्या अनुषंगाने विभागाने उत्तर दिलेले आहे ते पुढीलप्रमाणे आहेः-

जे छोटेछोटे धूप प्रतिबंधक बंधारे आहेत किंवा छोट्या दुरुस्त्या आहेत त्यांची कामे सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून करीत आहोत. परंतु एखादे मोठे पोर्ट बांधावयाचे असेल किंवा जेट्टीची मोठ्या स्वरुपातील दुरुस्ती करावयाची असेल तर ते काम मेरिटाईम बोर्डाकडून करण्यात येते.

तरतूद समर्पित केल्याबाबतच्या परिक्षण करण्याचा प्रश्न उपस्थित होऊन ९ वर्षे झाली आहेत. विभागाने एखादे धोरण ठरवून हा प्रश्न निकाली काढावा, जेणेकरुन तो १० व्या वर्षी उद्भवणार नाही असे समितीने मत व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, धूप प्रतिबंधक बंधारे, लहान पूल, लहान कामे या कामांसाठी पूर्वी सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे खास निधी राखीव

असायचा. परंतु ही कामे आता एकाच लेखाशीर्षाखाली घेतलेली आहेत. या कामाची मंजुरी किंवा मॉनिटरींग आता सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून होत आहे. त्यामुळे आता पुढील आर्थिक वर्षात हा प्रश्न येणार नाही.

३४५१, सचिवालय-आर्थिक सेवा ०९० सचिवालय, (०२)(०२) प्रशिक्षण धोरणावरील खर्च या शीर्षांतर्गत राज्य प्रशिक्षण धोरणांतर्गत यशदा, पुणे या प्रशिक्षण संस्थेमार्फत अधिकारी/कर्मचारी यांना प्रशिक्षण देण्यासाठी नामांकने प्राप्त न होण्याची कारणे काय आहेत ? अशी समितीने विचारणा केली असता, विभागीय सचिवांनी खुलासा करताना नमूद केले की, अहवाल वर्षात यशदामध्ये जे प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करण्यात आले होते ते साधारणतः महसूल विभागाशी संबंधित होते. त्या वर्षी ट्रेनिंग पॉलिसी म्हणून शासनाने सर्वच विभागांना सांगितले होते की, विभागाच्या अधिका-यांना प्रशिक्षणासाठी पाठविण्यात यावे. सार्वजनिक बांधकाम विभागाची दिल्ली येथे नॅशनल हायवे चिफ इन्स्टिट्युट नावाची प्रशिक्षण संस्था (निथे) आहे. दुसरी प्रशिक्षण संस्था सीआरआरआय आहे, तिसरी प्रशिक्षण संस्था महाराष्ट्र इंजिनियरींग रिसर्च इन्स्टिट्युट (मेरी) आहे. तसेच मेटा नावाची एक प्रशिक्षण संस्था आहे. मेटा प्रशिक्षण संस्थेतील प्रशिक्षण विनामूल्य होते. हैद्राबाद आणि निथे येथे जे ट्रेनिंग देण्यात येते त्यासाठी निथे या प्रशिक्षण संस्थेने केंद्र सरकारकडून जी ग्रँट मिळते त्यातूनच निधी दिला. उक्त वर्षी यशदा येथे सार्वजनिक बांधकाम विभागाशी संबंधित कोर्सेस नव्हते. त्यामुळे त्यांनी कळविलेल्या कोर्सेसाठी विभागाच्या अधिका-यांना पाठवू शकलो नाही. त्यामुळे सन २०१५-१६ मध्ये विभागाने यशदाच्या व्यवस्थापानाला विनंती केली की, सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या अनुषंगाने इमारतींच्या स्ट्रक्चरल ऑडिटचा कॉमन कोर्स ठेवावा. कारण हा कोर्स महापालिकेच्या अधिका-यांना सुध्दा उपयोगी आहे. तसेच कॉम्प्युटरायझेशन इन गव्हर्नमेंट, ई-गव्हर्नन्स, कॉन्ट्रॅक्ट मॅनेजमेंट आणि अर्बन डेव्हलपमेंटच्या अनुषंगाने इंटीग्रेटेड ले-आऊटस असे कोर्स ठेवण्याबाबत विनंती केली होती. आता त्यांनी हे कोर्सेस सुरु केलेले आहेत. राज्यातील सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या कार्यकारी अधिका-यांचे यशदा येथे दोन दिवसांचे वर्कशॉप सुध्दा झाले आहे. तसेच आता रेग्युलर कोर्सेस सुरु आहेत. त्या वर्षी हा निधी खास प्रशिक्षणासाठी राखीव होता. परंतु त्यांचा वापर न केल्यामुळे ती रक्कम परत करण्यात आली.

विभागाने प्रशिक्षणाबाबत सविस्तर सांगितल्यामुळे समितीने निदर्शनास आणून दिले की, शिकागो येथील एका विद्यापीठाने कोणताही पूल वा अन्य बांधकाम करीत असताना त्याचे आयुष्यमान जास्तीत जास्त कसे वाढेल, या संदर्भात संशोधन केले आहे. परंतु एखाद्या इमारतीला ३० वर्षे पूर्ण झाल्यानंतर त्या इमारतीचे आयुष्य संपले असे आपण समजतो. बांधकामाच्या आयुष्याबाबत प्रत्येक विभागाचे वेगवेगळे आयुष्यमान ठरलेले आहे. ब्रिटिशांनी १०० वर्षांपूर्वी बांधलेल्या आणि विभागाने ५ वर्षांपूर्वी बांधलेल्या इमारती बघितल्या तर विभागाने बांधलेल्या इमारती मोडकळीस आलेल्या दिसतात. त्यामुळे विभागाने बांधकाम केलेली इमारत पुढील ५०-१०० वर्षे कशी टिकेल यावर खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, भारतामध्ये १९७८ मध्ये बिल्डींग शास्त्राचे IS ४५६ या नावाचे कोड तयार करण्यात आले होते. या कोडमधील ज्या तरतुदी होत्या त्या केवळ कॉंक्रीटच्या ताकदीच्या नव्हे तर स्ट्रेंथच्या होत्या. त्यावेळी विभागाकडे ड्युरॅबिलिटी हा फोकस नव्हता. परंतु नंतर याचे दुष्परिणाम दिसायला लागले. कारण कॉंक्रीटमध्ये जे सिमेंट वापरण्यात येते त्याची ग्रेड पूर्वी ३३ अशी होती. परंतु कालांतराने जगामध्ये जेव्हा मोठ्या प्रमाणात ग्राईंडींग मिल्स् उपलब्ध झाल्या त्यावेळी या ग्रेडमध्ये बदल झाला. सद्यःस्थितीत ५३ ग्रेडचे सुध्दा सिमेंट मिळू लागले आहे. सिमेंटचा ग्रेड बदलल्यामुळे प्रॉपर्टीज बदलतात. स्त्रिंकलेज प्रॉपर्टीज बदलल्यामुळे क्रॅकींग होते. ज्याच्यासाठी कोड डिझाईन केले त्या तरतुदींमध्ये २००० मध्ये सुधारणा झाली. २००० मध्ये ड्युरॅबिलिटी कन्सीडरेशन झाले. या अंतर्गत कॉंक्रीटचे कव्हर वाढविण्यात आले, फॉस्फेट ॲटॅकसाठी वेगळी तरतूद करण्यात आली, तसेच कोस्टल ॲटमॉसफिअरच्या ठिकाणी फ्युजन क्वॉंटीटी बॉक्साईट स्टील वापरण्याची तरतूद करता आली. त्यामुळे आता ड्युरॅबिलिटी कन्सीडरेशनचा विचार करता कॉंक्रीटच्या रस्त्यासाठी १५ वर्षे आयुष्य अपेक्षित धरलेले आहे, इमारत बांधकामासाठी ५० वर्षे अधिक मेंटेनन्स गृहीत धरुन १० वर्षे एक्स्टेंड केल्यास ६० वर्षे आयुष्य गृहीत धरीत आहोत. कोडल प्रोव्हीजनचे तंतोतंत पालन झाल्यास इमारतीचे आयुष्य १०० वर्षे होण्यास काहीच हरकत नाही. फक्त आपल्याकडे स्टीलच्या मॅन्युफॅक्चरींगमध्ये रिफाईनमेंटची आवश्यकता आहे. आपल्या येथील स्टीलमध्ये कार्बनचे प्रमाण थोडेसे जास्त असते. यावर जर नियंत्रण आले तर विभागाच्या कोडमध्ये ज्या बांधकामाचे जे जे आयुष्य गृहीत धरलेले आहे ते नक्कीच प्राप्त करु शकतो. या दृष्टीने केंद्र सरकार प्रचंड प्रयत्न करीत आहे. स्ट्रक्चरल स्टीलच्या कार्बनवर मोठ्या प्रमाणात नियंत्रण येणे आवश्यक आहे. मिल्समध्ये रिरोल करावयाचे असेल तर त्याबाबत मेन कंपनीकडून इनगॉटस् घेतलेले असावेत. त्यानुसार त्यांनी स्टॅण्डर्ड रिलॉलिंग करावे. संपूर्ण भंगार गोळा करुन त्यातून स्टील निर्मिती होत असेल तर त्यामध्ये कार्बनचे प्रमाण वाढते. हे प्रमाण वाढले तर बेंडींगवर परिणाम होतो आणि आपला हेतू साध्य होत नाही.

विभाग जे स्टॅण्डर्ड ॲक्सेप्ट करतो ते मेंटेन झाले पाहिजे. वाशिम येथे केंद्र सरकारच्या सार्वजनिक बांधकाम विभागाने नवोदय विद्यालयाचे बांधकाम केले. इतरही तीन-चार कामे सुरु आहेत. तसेच राज्याच्या सार्वजनिक बांधकाम विभागाने सुध्दा बांधकाम केलेले आहे. वाशिम जिल्हा नव्याने निर्माण झालेला आहे. तेथील सर्व इमारती नवीन आहेत. परंतु त्या इमारतींना पाहिल्यास, त्या इमारती ५०-१०० वर्षे टिकतील असे वाटत नाही. याला मूळ कारण विभागाचे अंदाजपत्रक आणि प्रोसीजर आहे. परंतु या शिवाय या कामांवर नियंत्रण ठेवणे हा फार मोठा अभाव आहे. विभागाच्या सचिवांनी वाशिम येथे भेट देऊन पाहणी केली आहे. त्या ठिकाणी भेट देण्यापूर्वी सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या मुख्य अभियंत्यांनी, अधीक्षक अभियंत्यांनी किंवा कार्यकारी अभियंत्यांनी सदरहू बांधकाम केलेल्या ठेकेदारावर कारवाई करावी किंवा ती इमारत अधिक वर्षे टिकावी म्हणून काही प्रयत्न करावेत, असे त्यांना वाटले काय ? हा प्रश्न केवळ वाशिमपुरता मर्यादित नाही. राज्यात सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून ज्या इमारतींचे बांधकाम होते ते उत्कृष्ट व दर्जेदार होण्यासाठी प्रयत्न करणे ही विभागाच्या अधिका-यांची जबाबदारी नाही काय ? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी विभागाची जबाबदारी मान्य केली. विभागाने या सर्व बाबींमध्ये सुधारणा करण्यासाठी गेल्या वर्षभरात काय प्रामाणिक प्रयत्न केले हे नमूद केले आहे. वास्तविक पाहता कोणतेही बांधकाम करताना ते चांगल्या प्रतीचे व्हावे हा मूळ उद्देश असावयास पाहिजे. विभाग स्पेसिफिकेशन्स उत्तम दर्जाची कशी राहतील याचाच विचार करीत आहे. पूर्वी इकॉनॉमी सर्क्युलरच्या नावाखाली सार्वजनिक बांधकाम विभागावर ब-यापैकी रिस्ट्रीक्शन टाकण्यात आले होते. पोलिसांच्या वसाहतीच्या ठिकाणी फरशी बसवू नये असे बंधन होते. तेथे फरशी बसविली तर संबंधित अभियंत्यांवर कारवाई होत असे. हे स्पेसिफिकेशन बदलण्याचा मुद्दा सन २०१५-२०१६ मध्ये मान्य झाला आहे. विभाग या सुधारणेच्या अनुषंगाने काम करीत आहे. त्यामुळे १५ वर्षे मिनीमम रिन्यूअल सायकल देऊन १५ वर्षाचे लाईफ कसे मिळेल याचा विभाग विचार करीत आहे. तशीच परिस्थिती विभागाकडून इमारतीच्या संदर्भात करण्यात येणार असून विभाग स्पेसिफिकेशनची लेव्हल वाढविणार आहे.

ज्या इमारती एक कोटीच्या वरच्या किमतीच्या आहेत त्यांचे ॲज पर स्पेसिफिकेशन काम झाले आहे की, नाही या बाबतीत ऑडिट करण्याची आवश्यकता आहे. आता विभागाकडील दर्जाचा विषय फार गंभीर झालेला आहे असे समितीने सूचित केले असता सर्व जिल्ह्यात जाण्याचा प्रयत्न करण्यात येत आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले.

राज्यात अशी परिस्थिती असणे योग्य नसून गेल्या ५-१० वर्षात बांधलेली इमारत मोडकळीस येते हे राज्याच्यादृष्टीने हितकारक नाही. १० टक्के बिलो किंवा १५ टक्के बिलोने इमारतींची कामे घेतली की, ती परवडत नाही. असे असतानाही ठेकेदार अशा प्रकारची कामे घेतात आणि ती पूर्ण सुध्दा करतात. परंतु कामे करताना दर्जाचा विचार केला जात नाही. विभागाकडून त्यावर काही कॉग्नीजन्स घेण्यात येत नाही, कारवाई करण्यात येत नाही त्यामुळे हे प्रकार मोठया प्रमाणात वाढलेले असल्यामुळे या विषयाकडे लक्ष देण्याची नितांत आवश्यकता असून इमारतींच्या संदर्भात तरी ऑडीट होण्याची आवश्यकता आहे असे मत समितीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे क्वॉलिटी कंट्रोलची यंत्रणा आहे. परंतु त्याबरोबर समितीने सूचित केल्यानुसार विभागाच्या टेंडरमध्ये निश्चितपणे सुधारणा करण्याचा प्रयत्न करण्यात येईल तसेच विभागाचे काम चांगले करण्याचा उद्दिष्ट निश्चितपणे ठेवण्यात येईल. अमरावती येथील कोर्टाची इमारत समितीने बघितली असेलच. या ठिकाणी विभागाने स्पेसिफिकेशन चांगले ठेवल्यामुळे या इमारतीचे उत्तम दर्जाचे काम झालेले आहे. मोठया कामाकडे फोकस असला की, त्याकडे लक्ष दिले जाते. परंतु छोटी छोटी जी कामे असतात त्यावरुन शासनाची प्रतिमा निर्माण होत असते व त्यामुळे विभाग छोटी छोटी कामे सुध्दा चांगल्या प्रकारे करण्याचा निश्चितपणे प्रयत्न करण्यात येईल असे सचिवांनी सांगितले.

**अनुदान क्र.एच-५ मार्ग व पूलः-**

प्रधानशीर्ष-३०५४, मार्ग व पूल या शीर्षांतर्गत रु.१३,१४,११.८४ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता रु.११,७०,१९.५५ लाखांचा परत करण्यात आलेला निधी अपूरा पडण्याची कारणे काय आहेत ? अशी समितीने विचारणा केली असता, विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सदरहू बचत निरनिराळया शीर्षांची एकत्रित बचत आहे.

ही एकत्रित बचत असली तरी काही विभाग किंवा ऑफिसेसमध्ये काही जास्तीची बचत असेल. त्यामुळे कोणत्या डिव्हीजनमध्ये किंवा कोणत्या झोनमध्ये जास्तीची बचत झालेली आहे व जास्तीची बचत होण्याची कारणे काय आहेत ? याचा खुलासा करतांना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, प्रधानशीर्ष-३०५४, मार्ग व पूल यामध्ये योजनेतर कामे येतात व ही कामे बेसिकली नॉन प्लॅन वर्क्सची असतात. यामध्ये एकंदर १६ उप लेखाशीर्ष असून ही त्यातील एकत्रित बचत आहे. यामध्ये विभागाची एकूण तरतूद २५,४०,१२.०६ लाखांची होती नंतर यामध्ये तरतूद वाढवून मिळाल्यानंतर ही तरतूद ३९,२०,५६.४५ लाख रुपयांची झाली व त्यामध्ये एकंदर ८३२ कोटी रुपयांची कपात झाली. यामध्ये विभागाचा २७५० कोटी रुपयांचा सुधारित अंदाज होता त्यापैकी विभागाने २५०२ कोटी रुपये खर्च केले आहेत.

एखादे डिव्हीजन, एखादे सर्कल किंवा एखाद्या झोनमध्ये मेजर बचत झाली आहे काय ? अशी विचारणा समितीने केली यावर विभागीय सचिवांनी खुलासा केली की, अंतरलेखा गुणक चांगला असता तर यामधून १५० कोटी रुपयांची बचत निघूनच गेली असती. परंतु ही बचत आता पुढील वेळेस येणार नाही. यामध्ये एका ठिकाणी नॅशनल हायवेचा ४५२ लाख रुपयांचा खर्च दाखविण्यात आलेला असून तो सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या नावाने नोंदविण्यात आलेला आहे. परंतु महालेखापाल कार्यालयात जावून वेळीच विभागाने दुरुस्ती केली असती किंवा त्यांच्या कार्यालयाने विभागाला वेळीच सतर्क केले असते तर ही बाब समितीसमोर आली नसती.

**अनुदान क्रमांक एच-६, सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकीय व कार्यचालन इमारती, :-**

प्रधानशीर्ष २०५९, सार्वजनिक बांधकामे ०१, कार्यालयीन इमारती ०५३, परिरक्षण व दुरुस्ती (०२)(०१) इमारतींची दुरुस्ती अंतर्गत मंत्रालय इमारतीच्या दुरस्तीच्या कामांवर तरतूद खर्च न होण्याची कारणे काय आहेत ? अशी समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी खुलासा केला की, मंत्रालयाला आग लागल्यानंतर विभागाने मंत्रालय इमारतीच्या दुरुस्तीचे काम सुरु केले होते. दुरुस्तीकरताना वरच्या मजल्यांची दुरुस्ती प्रथम करण्यात आली होती. दुरुस्तीसाठी मजला क्र.१,२,३ ची मागणी केली होती परंतु या तिन्ही मजल्यावर ऑक्यूपन्सी होती. हे मजले व्हॅकेट करुन मिळाले नसल्यामुळे कामाचा स्ट्रेस राखता आला नाही. वरचे काम जास्तीत जास्त जेवढे करता येईल तेवढे करण्यात आले आहे. परंतु हे पैसे नंतर शासनाकडे पुढच्या वर्षी वर्ग करण्यात आलेले आहेत.

प्रधानशीर्ष-२०५९, सार्वजनिक बांधकाम ८०, सर्वसाधारण ००१, संचालन व प्रशासन (०३) अधिक्षक अभियंता, सां.बा. मंडळ, ठाणे (०३)(०१) पर्यवेक्षण या लेखाशीर्षांतर्गत रिक्त पदामुळे पैसे वाचले हा विषय नेहमी का येतो ? अशी विचारणा समितीने केली असता सद्यःस्थितीत सार्वजनिक बांधकाम विभागात ४९६८ पदे रिक्त आहेत. पद भरतीवर निर्बंध असून केवळ ४ टक्के पदे भरता येतात. दि. ३१.३.२०१४ रोजी ३५९५ पदे रिक्त होती. रिक्त पदे भरली जातात असे गृहीत धरुन त्यांच्या वेतनाचे अंदाज ऑगस्टमध्ये सादर करीत असतो. त्यामुळे पदे न भरल्यामुळे सॅलरीचे सेव्हींग दिसते असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

स्टाफ पॅटर्न चेंज केल्यामुळे तरतूद कमी करण्याची गरज आहे किंवा येणा-या नवीन वर्षात टेक्नॉलॉजी अपग्रेड झाल्यामुळे शासन यापेक्षा जास्त स्टाफ देणार नाही किंवा माणसे कमी करण्याची गरज आहे यासंदर्भात विभाग काहीच निर्णय घेत नाही काय? विभागाचा जो ढाचा आहे तोच पुढे नेणार आहात काय ? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता त्यावर खुलासा करतांना विभागीय सचिवांनी नमुद केले की, सन २०१६-१७ मध्ये वित्त विभागाने सूचना दिल्या असून त्यानुसार सर्व विभागाचे आकृतींबध तयार करणार असून त्यामध्ये टेक्नॉलॉजीचा जास्तीत जास्त वापर करण्यात येवून, जेथे शक्य असेल तेथे आऊट सोर्सींग करावे त्यामुळे आता विभाग गट " ड " च्या सर्व्हीसेस निर्माणच करीत नाही. जेथे सर्व्हीसेस तयार करणार नाही तेथे विभाग पदाची मागणीच करणार नाही. त्यामुळे येथून पुढे समितीस प्रत्यक्षात सेव्हींग दिसून येईल.

वाशिम नगरपालिकेचे सुपरव्हीजन करण्याचे काम सार्वजनिक बांधकाम विभागाला दिलेले आहे. या ठिकाणी ८४ कोटी रुपयांच्या कामाचे सुपरव्हीजन केले जात आहे. परंतु विभागाच्या पूर्ण डिव्हीजनचे बजेट तेवढे नाही. सार्वजनिक बांधकाम विभागामध्ये एकंदर ५ सबडिव्हीजन्स आहेत. एक सबडिव्हीजन ८४ कोटी रुपयांचे सुपरव्हीजन करते आणि ५ सबडिव्हीजनकडे एकंदर ८४ कोटी रुपयांची देखील कामे नाहीत. त्यामुळे पूर्ण राज्यात रिस्ट्रक्चरींग करण्याची गरज आहे. काही सबडिव्हीजनकडे ५ कोटी रुपयांची देखील कामे नाहीत परंतु त्यापेक्षा किती तरी जास्त खर्च डिव्हीजनवर होत असतो त्यामुळे हा खर्च करणे आवश्यक आहे काय ? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता खुलासा करतांना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, जेथे कार्यभार जास्त आहे तेथे जास्त कर्मचारी वर्ग दिले जात आहे व जेथे कार्यभार कमी आहे तेथे कमी कर्मचारी वर्ग दिले जात आहेत. सार्वजनिक बांधकाम विभागाने आदिवासी विकास विभागाला काम करण्यासाठी ९ डिव्हीजन्स उपलब्ध करुन दिलेल्या आहेत. राष्ट्रीय महामार्गाची कामे वाढलेली असल्यामुळे विभागाने त्यांच्याकडेही डिव्हीजन्स उपलब्ध करुन दिलेले आहेत. सन २०१७-१८ मध्ये साधारणतः २० हजार कोटी रुपयांची कामे सुरु होणार असल्यामुळे कर्मचारी वृदांचे वर्गीकरण करावे लागणार असून विभाग ते करणार आहे.

जेवढे स्टेट रोड आहेत त्यातील ७० टक्के रोड हँडओव्हर झालेले असून केवळ ३-४ रोडचे हँडओव्हरचे काम शिल्लक आहे. त्यामुळे भविष्यात डिव्हीजन ठेवायचे की, सबडिव्हीजन ठेवायचे हा प्रश्न निर्माण झाला आहे. त्यावर विभागीय सचिवांनी जिल्हा ठिकाणी नॅशनल हायवे डिव्हीजन ठेवावे लागणार असून त्याअंतर्गत २ किंवा ३ सबडिव्हीजन ठेवावे लागेल असे सांगितले.

विभागाकडे कर्मचारी वृंद असून निधी देखील आहे. त्यामुळे भविष्यात असे होणार नाही याकडे लक्ष देण्याबाबत समितीने सूचित केले असता यासंदर्भात पूर्वीचे सचिव, रस्ते व आताचे सचिव, रस्ते यांच्या बरोबर एक्झरसाईज केलेले आहे. ही कामे जानेवारी एंडला सुरु होणार असल्यामुळे १ एप्रिल पासून त्यांना नॅशनल हायवेकडे वर्ग करण्यात येणार आहे. यामध्ये पेमेंट किंवा रिस्ट्रक्चरींगच्या संदर्भात ऑफिस ऑर्डर्स काढाव्या लागत असतात त्या मार्च महिन्यांच्या शेवटच्या आठवड्याच्या दरम्यान काढणार आहोत असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

महालेखाकार नागपूर, यांनी समितीच्या माध्यमातून विचारणा केली की, मूळ अर्थसंकल्पात विभाग निधीसाठी मागणी करत नाही पुरवणी मागणीच्या माध्यमातून निधीची मागणी करता तर विभागास तो निधी प्राप्त होतो का? यावर खुलासा करतांना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, जो स्टेट प्लान बनते हैं उसकी प्रोसेस दिसम्बर, जनवरी माह में शुरु हो जाती है. प्लान वार्षिक रुप में बताना पऱता है. प्लान आऊट ले निश्चित करते समय पिछले साल का जो खर्चा है, डिमांड है, उस पर दस प्रतिशत खर्चा ज्यादा जोडकर हम वार्षिक प्लान सबमिट करते है. सरकार हमारी डिमांड के अनुसार निधि उपलबध कर दें तो ठीक है, लेकिन निधि थोडी कम मिलती है. जो रिसोर्सेस मोबलाईजेशन होता है वह धीरे धीरे होता है. कभी कभी हमें जुलाई या दिसम्बर में सप्लीमेंटरी ग्रांट मिलती है.

महालेखाकार का कहना है कि विभाग स्टाफ की सैलरी, पेंशन और अन्य कामों के लिए पैसा मांगते है,. आपके पास जितना स्टाफ है, जितने पैसे मांगे है, तो क्या विभागको ऐसा लगता है कि हमें हमारा स्टाफ भरकर ही मिल रहा है? उसके हिसाब से आप पैसे मांग रहे है असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता, विभागने समितीके सुझाव को नोट कर लिया है. दो हिअरींग में विभाग को इस बारे में बताना परा. इसलिए इस समय विभागने निश्चित किया है कि जितनी ॲक्च्युअल पोस्ट भरी हैं इतने लोगों के लिए ही निधि मांगेंगे, यदि ज्यादा भर्ती होती है तो उसके लिए ज्यादा पैसे की मांग करेंगे. उसके लिए ज्यादा निधि मिल जाएगा. इस साल विभागने इस बारे में सुधार कर लिया है.

हा विषय सार्वजनिक बांधकाम विभागापुरता मर्यादित न ठेवता वित्त विभागाने सहभाग घेऊन ज्या विभागात पदे रिक्त आहेत, त्यांचा निधी जो वर्षभर अखर्चित राहतो तो निधी राखून न ठेवता जेव्हा केव्हा ही पदे भरली जातील तेव्हा वित्त विभागाने तात्काळ हा फंड त्यांना रिलीज करुन दिला तर जो फंड अडकून राहतो तो कमी प्रमाणात अडकून राहील. ही कार्यपध्दती सर्व विभागामध्ये अवलंबविण्याची आवश्यकता आहे. असे समितीने सूचित केले असता,वित्त विभागाच्या सचिवांनी सूचना योग्य असून यासंदर्भात विभागात जनरल परिपत्रक काढण्याचा प्रयत्न करण्यात येईल असे नमूद केले त्यावर समितीने सर्व विभागांना यासंदर्भात परिपत्रक काढण्यात यावे. पैसे सरेंडर केले आणि जेव्हा पदे मंजूर झाली तेव्हा वित्त विभागाकडून पैसे मिळतील की नाही याची विभागाला शाश्वती नसते त्यामुळे विभाग पैशांची तरतूद करुन ठेवते व पद भरती झाली नाही की, मग ते पैसे सरेंडर करतात. यामध्ये विनाकारण रक्कम अडकून पडते. परंतु वित्त विभागाने संबंधित विभागाला हा फंड अडकवून न ठेवता जेव्हा गरज लागेल तेव्हा हा फंड तात्काळ रिलीज करु अशी शाश्वती दिली पाहिजे. हा फंड विभागांना सर्क्यूलेशनमध्ये तेवढा मिळेल. परंतु ही कार्यवाही सर्व विभागांमध्ये करण्याची आवश्यकता आहे असे मत समितीने व्यक्त केले.

वेतनाच्या बाबतीत समितीची सूचना विभागास मान्य असून परंतु वैद्यकीय बिलाच्या बाबतीत आकस्मिकता निधी ठेवता येईल,बाकीच्या बाबतीत रिलॅक्स करता येईल. असे विभागीय सचिवांनी सांगितले. वैद्यकीय बिलाची विभाग जेवढी प्रतीपुर्ती करतो त्याऐवजी सर्वांचा विमा उतरवला तर कमी पैशामध्ये हे सर्व काम होईल. वर्षभरात विभाग वैद्यकीय बिलासाठी जेवढी प्रतीपुर्ती करतो त्याऐवजी गट विमा काढला तर वर्षभरासाठी किती प्रिमियम भरावा लागेल याचा अभ्यास केला तर विभागाला विम्यासाठी कमी पैसे मोजावे लागतील. विम्यामुळे कर्मचारी/अधिका-यांनाही चांगली सुविधा मिळेल त्यामुळे विम्याची प्रोसिजर सुरु केली तर शासनाच्यादृष्टीने ते योग्य होईल असे समितीने सूचित केले असता विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, शासनाचा गट विमा असतो. परंतु यामध्ये आर्थिक बाब असल्यामुळे समितीने सूचना केली तर वेगळया रितीने एक्झामीन करुन घेता येईल.

दर वर्षी वैद्यकीय बिलाच्या प्रतीपुर्तीसाठी एकंदर किती पैसे लागतात व गट विमा उतरवला तर एकंदर किती प्रिमियमम येईल याबाबतची समितीने विचारणा केली असता विभागामध्ये सद्यःस्थितीला १५,३६५ करंट स्टाफ असून गट विम्याचे पैसे दरमहा जात असतात. यासंदर्भात जीआयएसची योजना आहे. मेडिक्लेम किंवा इतरसाठी जो काही प्रमियम द्यावा लागतो तो कर्मचा-यानी द्यावा असे धोरण स्वीकारावे लागेल. शासनाला हा बोजा स्वीकारता येणार नाही. समिती म्हणते त्या प्रमाणे विभाग अभ्यास करेन असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले.

गट विमा आणि मेडिकल रिएम्बर्समेंटची शासन जी काही तरतूद करुन ठेवतो तो भाग वेगळा आहे. ते कॅशलेस केले तर ही तरतूद करण्याची गरज राहणार नाही. विभागाने प्रत्येक कर्मचारी/अधिका-याचा दर महिन्याला प्रिमियम भरुन दिला तर हा सर्व भाग

कॅशलेस होईल. यामुळे रिएम्बर्समेंटची प्रोसिजरच राहणार नाही. त्याचप्रमाणे सीएसकडे जाऊन वैद्यकीय प्रमाणपत्र आणण्यासंदर्भात मॅनिप्यूलेशन केले जाते. यामध्ये २५ ते ५० टक्के बोगस काम केले जाते व शासनाने विम्याची योजना आणली तर या सर्व गैरप्रकारालाही आळा बसू शकेल असे मत समितीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, त्यानुषंगाने याबाबत सर्वंकष आढावा घेऊन वित्त विभागास प्रस्ताव सादर करण्यात येईल.

विम्याच्या संदर्भात विभागाने अभ्यास करण्याची आवश्यकता असून वैद्यकीय खर्चाच्या तरतूदीसाठी फार मोठया प्रमाणात खर्च करण्याची आवश्यकता नाही. ३ लाखापर्यंतच्या बिलांना ग्राऊंड लेव्हलवर अधिकार देण्यात आलेले आहेत परंतु ३ लाखाच्या वरील बिले ही विभाग प्रमुखांकडे येत असतात. ही बिले सुध्दा सहा सहा महिने क्लिअर होत नाहीत. यासंदर्भात विभागाला सप्लीमेंटरीची सुविधाही आहे. त्यामुळे वैद्यकीय बिलासाठी सुध्दा मोठया प्रमाणात निधी ठेवण्याची गरज नाही. असे मत समितीने व्यक्त केले असता, वित्त विभागाच्या अनुमतीने यासंदर्भात पाठपुरावा करुन वित्त विभागाकडे प्रस्ताव सादर करण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले.

सार्वजनिक बांधकाम विभागामध्ये रिकन्सीलिएशनचा विषय फार मोठ्या प्रमाणावर असून सन २०१४-१५ पासून उर्वरित परिच्छेदांचे रिकन्सीलिएशन करून घ्यावे असे समितीने सूचित केले असता, सन २०१४-१५ या वर्षाचे आता लगेचच रिकन्सीलिएशन करता येणार नाही. परंतु, सन २०१५-१६, २०१६-१७ पासूनचे जे परिच्छेद आहेत त्यासंबंधी कडक भूमिका घेऊन विभागाच्या पातळीवर मॉनेटरींग करण्यात येणार आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

ज्या सर्कलने, झोनने, डिव्हिजनने काम केले नसेल तर त्यांच्यावर विभागाने कारवाई करावी. तेथून कम्प्लायन्स योग्यरितीने होत नसल्यामुळे विनाकारण समितीचा वेळ जात असल्याचे निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, याप्रकरणी विभागाने १६० जणांचे स्पष्टीकरण मागितले असून त्यापैकी आता पर्यंत ३४ जणांवर कारवाई करण्यात आली आहे.

**अनुदान क्रमांक एच-७ सामाजिक सेवा व आर्थिक सेवा यांवरील भांडवली खर्चः–**

प्रधान शिर्ष ४०५५, पोलीसांवरील भांडवली खर्च, २११ पोलीस गृहनिर्माण, (०२) (०२) शासकीय निवासी इमारती-आस्थापना खर्च या अंतर्गत रूपये १४९.५७ लाख एवढी बचत झालेली आहे. त्यासंबंधी विभागास विचारण केली असता विभागीय सचिवांनी खुलासा केला की, कामाचा खर्च झाल्यानंतर आस्थापना खर्च हा १३.९० टक्के झालेला आहे. हत्यारे व संयंत्रांवरील खर्च हा १.१० टक्क्याने बुक ॲडजेस्टमेंटने करावा लागतो. अशा प्रकारे एकूण १५ टक्के बुक ॲडजेस्टमेंट करावयाची असते. ती बुक ॲडजेस्टमेंट या कार्यालयांकडून झालेली नाही. त्यांनी तो खर्च नोंदविला असता तर हा प्रश्न आला नसता. कधी कधी हेड ऑफ अकौंटमध्ये चुका होतात. नॉर्मली हे सर्व क्लेरिकल स्तरावर पाहिले जाते. आता १३.९०टक्के व १.१० टक्के हे सर्व शासन पातळीवर मॉनेटरींग झाले तर हा प्रश्नच येणार नाही. यासाठी विभागाकडून एक विशेष गट तयार करण्यात येत असून हा गट अकौंटींगच्या वेळी या सर्व बाबी महालेखापाल कार्यालयात जाऊन बघणार आहे. त्यामुळे येथून पुढे हा प्रश्न येणार नाही. हा प्रत्यक्ष खर्च नसून ही बुक ॲडजेस्टमेंट आहे.

महालेखाकार यांनी काही नोट ऑफ एरर काढले आहेत. त्याचा सुद्धा अजून पर्यंत कम्प्लायन्स करण्यात आलेला नाही. यात महालेखाकार कार्यालय आणि विभागाचा समन्वय असणे आवश्यक आहे असे मत समितीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, अशी बाब शासनस्तरावर निदर्शनास आलेली नाही. विभागाने महालेखाकार कार्यालयाकडून नोट ऑफ एरर संबंधातील माहिती जाणून घेण्यात येऊन त्यासंबंधातील तर्कशुद्ध स्पष्टीकरण ताबडतोब सादर करण्यात येईल. त्याचप्रमाणे विभागीय सचिव स्वतः महालेखाकार कार्यालयात गेले होते. आता दोन महिन्यांतून एकदा हिशोब तपासण्यासाठी महालेखाकार कार्यालयात जाणार आहेत. यासाठी विभाग एक गट तयार करीत असूनन हा गट यावरच आपले लक्ष केंद्रीत करेल. अशाने अकौंटींगसंबंधातील इश्यू सॉर्ट आऊट होतील. यासंबंधात प्रधान सचिवांनी सूचना देखील दिल्या आहेत. त्यावर आता विभाग काम देखील करीत आहे असे समितीस अवगत केले.

विभागाकडून प्राप्त झालेल्या स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनातील सर्व इश्यू हे एकसमान असल्याचे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, या सर्व इश्यू संबंधी दोन पानातच तक्ता तयार होत आहे. हे सर्व पाहिल्यानंतर क्षेत्रिय अधिका-यांनी गफलत केली आहे असे वाटत नाही. अकौंटींगमधील ज्या बाबी आहेत त्या इंजिनिअर्सना ज्ञात नव्हत्या. त्यासंबंधी आता त्यांना प्रशिक्षण देण्यात आले आहे. आता बुक ॲडजेस्टमेंट शासन स्तरावर व महालेखाकार स्तरावर तपासली जाणार आहे. सन २०१६-२०१७ या आर्थिक वर्षासाठी विभागाने टार्गेट ठरविले आहे. विनियोजन लेख्यांचे सादरीकरण आणि विनियोजन लेख्यांची तपासणी याची जी मूलभूत पद्धत आहे त्यामध्ये दुरूस्ती करण्यात येत आहे. ती दुरूस्ती झाली तर सन २०१६-१७, २०१५-१६ यामधील अकौंटसमध्ये अशा प्रकारचे प्रश्न येणार नाहीत. सन २०१४-१५ मध्ये मात्र अशा प्रकारचे प्रश्न येतील.

**अभिप्राय व शिफारशी :-**

**मागणी क्र.एच ३ :**

**अभिप्राय :**

**४.२** लेखाशिर्ष २२१६ गृहनिर्माण ०५ एकत्रित सर्वसाधारण निवास व्यवस्था बांधकाम, ०५३ परिरक्षण व दुरुस्ती (०३) (०२) नगरपालिका कर लेखा शिर्षांतर्गत मुळ तरतूद रु.२४३.४५ लाख असून त्यामध्ये रु.३४९.२० लाख इतकी रक्कम उपशिर्षाखाली पुनर्विनियोजनाद्वारे वळती करुन घेण्यात आली. अशाप्रकारे एकूण प्राप्त अनुदान रु.५९२.६६ लाख झाले. त्यातून प्रत्यक्ष खर्च रु.५९१.०४ लाख आहे. व रु.१.६२ लाख इतकी अंतिम बचत झालेली आहे. रु.३४९.२० लाख इतका पुनर्विनियोजित निधी पाहता विभागाने त्यांना आवश्यक असणा-या निधीची तरतूद मुळ अंदाजपत्रकातच करणे अपेक्षित व अभिप्रेत असताना ती तरतूद न करता मुळ तरतूदीपेक्षा आर्थिक रक्कम उपशिर्षांतर्गत पुनर्विनियोजित करणे निश्चितच आक्षेपार्ह आहे.

सदर लेखाशिर्षांअंतर्गत झालेली बचत ही पुणे जिल्ह्यातील भोर अणि जेजूरी या नगरपालिकांकडून कराची बिले वेळेत प्राप्त झाले नाहीत या कारणामुळे झालेली असल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले.

**शिफारस :**

**४.३ उपरोक्त लेखा शिर्षाअंतर्गत मुळ तरतूद रु.२४३.४५ लक्ष इतकी असून त्यामध्ये रु.३४९.२० लक्ष इतकी रक्कम अन्य उपशिर्षाअंतर्गत पुनर्विनियोजनाद्वारे वळती करुन घेण्यात आली व त्यातील रु.१.६२ लक्ष इतकी रक्कम अंतिम बचत झालेली असून ती समर्पित करण्यात आली. सदरहु प्रकरणी मुळ तरतूदीपेक्षा उपशिर्षाखाली पुनर्विनियोजित रक्कम ही जास्त असल्याचे दिसून येते. विभागाने त्यांना आवश्यक असणा-या निधीची तरतूद मुळ अंदाजपत्रकातच करणे अपेक्षित व अभिप्रेत असताना ती न करता मुळ तरतूदीपेक्षा अधिक रक्कम उपशिर्षांतर्गत पुनर्विनियोजित करणे ही बाब आर्थिक शिस्तीला धरुन नाही व वित्तीय नियमांचे उल्लंघन करणारी आहे. विभागाने त्यांना योजनांसाठी लागणा-या निधीचे व त्यासाठी प्राप्त निधीचे योग्य ते नियोजन करणे आवश्यक आहे. अतः यासंदर्भात जबाबदार अधिका-यांवर जबाबदारी निश्चित करण्यात यावी व या बाबींची पुनरावृत्ती भविष्यात टाळावी व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**४.४ सदरहु लेखाशिर्षांतर्गत अंतिम बचतीची कारणे समितीने विचारली असता जिल्ह्यांतील भोर व जेजूरी या नगरपालिकेकडून कराची बिले विहित वेळेत प्राप्त झाली नाहीत त्यामुळे ही बचत असल्याचे समितीला दिसून आले. यासंदर्भात सार्वजनिक बांधकाम विभागाने देखील बिले प्राप्त करुन घेण्यास पाठपुरावा करण्याची आवश्यकता होती.नगरपालिकेची बिले थकीत राहिल्यास यावर २४ टक्के दंड आकारण्याची तरतूद आहे. परंतु असा दंड भरण्याची तरतूद सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे नसल्यामुळे ती माफ करण्यात यावी अशी मागणी कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांनी समितीकडे केली. जर बांधकाम विभागाच्या चुकीमुळे प्रदानास विलंब झाला असेल व त्यासाठी नगरपालिका वा महानगरपालिकेने दंडाची अथवा व्याजाची आकारणी केली असेल तर ती करण्याची तरतूद उपलब्ध असली पाहिजे असे समितीचे स्पष्ट मत आहे. ही विसंगती शासनस्तरावरुन दुर करण्याची आवश्यकता आहे. या दंडाच्या आकारणीमध्ये व त्याच्या वसुलीमध्ये सुसुत्रता आणावी. जेणेकरुन असे आक्षेप विभागाला टाळता येतील. परंतु असे असले तरीही कराची बिले नियमित रुपाने प्राप्त व्हावीत व त्याचे प्रदान त्या-त्या आर्थिक वर्षात व्हावे यासाठी आवश्यक ती उपाययोजना शासनस्तरावरुन नगरपालिका व महानगपालिका यांना विश्वासात घेवून करण्यात यावी व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र.एच ४ :**

**अभिप्राय :**

**४.५** प्रधान शीर्ष २४०६ वनीकरण व वन्यजीवन, ३०५१ बंदरे व दिपगृहे, ३०५३ नागरी विमानचालन, ३४५१ सचिवालय - आर्थिक सेवा या अंतर्गत मूळ तरतूद रु.४३५४.४२ लाख असून पूरक मागणी रु.५०.०० लाख आहे. एकूण प्राप्त अनुदान रु.४४०४.४२ लाख प्राप्त झाले असून प्रत्यक्ष खर्च रु.३३०४.६२ लाख आहे व रु.१०९९.८० लाख बचत झाली आहे. परंतु बचत झालेली संपुर्ण रक्कम समर्पित न करता फक्त रु.९२४.३० लक्ष समर्पित करण्यात आली.परत करण्यात आलेली रक्कम अपर्याप्त असल्याचे व मोठ्या प्रमाणात अनुदान बचतीसह समाप्त झाल्याचे सन २०१३-१४ हे सलग नववे वर्ष असल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेले आहेत.

महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग मिळून बंदरे, दिपगृहे व मत्स्यव्यवसाय विभागाची छोटी मोठी कामे एकत्रितरित्या करण्यात येतात.या अंतर्गत समितीच्या निदर्शनास आले की, एकाच कामाची तरतूद सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे देखील करण्यात येते व सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे देखील त्या कामांसाठीच्या निधीची तरतूद करण्यात येते. त्यामुळे ही तरतूद दुबार पध्दतीने होते व त्यातील एक तरतूद अखर्चित राहते. त्यामुळे सन २०१५-१६ या वर्षी दोन्ही विभागांनी करावयाच्या कामाची विभागणी करण्यात आली असून त्यासाठीची तरतूद देखील त्या त्या विभागात करण्यात येत असल्यामुळे रक्कम समर्पित करण्याचे प्रकार कमी झाल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले. दोन्ही विभागाच्या समन्वयाने आता कामाचे व निधीचे नियोजन करण्यात येत असल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले.

या मुळ लेखाशिर्षांतर्गत येणा-या उपशिर्षा संदर्भात समितीने चर्चा केली असता समर्पित रकमेपैकी सर्वात जास्त रक्कम रु.७०४.१५ लक्षसार्वजनिक बांधकाम विभागाची असून रिक्त पदे न भरल्याने व आस्थापना बाबी वरिल खर्चाची काही देयके विहीत कालावधीत प्राप्त न झाल्याने तसेच अतिकालिक भत्ता, प्रवास भत्ता, प्रवास खर्च, कार्यालयीन खर्च, प्रकाशने, संगणकावरील खर्चाची देयके प्राप्त न झाल्यामुळे सदर रक्कम समर्पित करण्यात आल्याचे विभागाने स्पष्ट केले.

त्याचप्रमाणे सार्वजनिक बांधकाम विभागातील अधिकारी / कर्मचा-यांना प्रशिक्षण देण्यासाठी निधीची तरतूद करण्यात आली होती. परंतु यासाठीची नामांकने प्राप्त न झाल्याने सदर तरतूद पुर्णतः समर्पित करण्यात आली आहे.

**शिफारस :**

**४.६ सदरहु प्रधान शिर्षांतर्गत मुळ तरतूद रु.४३५४.४२ लक्ष एवढी असून त्यासाठी पूरक मागणी रु.५० लक्ष एवढी करण्यात आली होती. त्यापैकी प्राप्त अनुदान रु.४४०४.४२ लक्ष प्राप्त झाले असून त्यातील प्रत्यक्ष खर्च रु.३३०४.६२ लक्ष एवढा झाला आहे व रु.१०९९.८० लक्ष एवढी बचत झाल्याचे दिसून येते. या बचतीमागील कारणांची तपासणी समितीने केलीअसता मेरीटाईम बोर्ड व सार्वजनिक बांधकाम विभाग या दोन्ही विभागांमध्ये एकाच कामाची व निधीची तरतूद दुबार पध्दतीने झाल्यामुळे ही एका विभागातील रक्कम अखर्चित राहिल्याचे दिसून येते. तसेच सार्वजनिक बांधकाम विभागाची पदे मोठ्या प्रमाणात त्या आर्थिक वर्षात रिक्त राहिल्यामुळे तसेच आस्थापना बाबींवरील खर्चाची देयके विहित कालावधीत प्राप्त न होणे, तसेच अतिकालिक भत्ता, प्रवास भत्ता, प्रवास खर्च, कार्यालयीन खर्च, प्रकाशने, संगणकावरील खर्चाची देयके प्राप्त न झाल्याने ही मोठ्या प्रमाणात रकमेची बचत झाल्याचे दिसून येते.रिक्त पदे भरण्यासाठीचा लागणारा मोठा कालावधी पाहता अशाप्रकारे मोठ्या प्रमाणात अगोदरच निधीची तरतूद करुन ठेवणे योग्य नाही. वर्षातून तीनदा पुरवणी मागण्यांच्या माध्यमातून हा निधी प्राप्त करुन घेणे विभागाला शक्य असताना अशाप्रकारच्या प्रशासकीय खर्चास्तव मोठा निधी वर्षभर अडकून पडणे नक्कीच समर्थनीय नाही. त्या निधीमधून विभागाला अन्य सार्वजनिक महत्वाची कामे करणे शक्य झाले असते. अतः विभागाने या निधीचे योग्य ते नियोजन भविष्यात करावे व कोणत्याही परिस्थितीत निधी अखर्चित राहून तो वर्ष अखेरीस समर्पित होवू नये याची दक्षता घेण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**४.७ सदरहू लेखाशिर्षांतर्गत चर्चा करतेवेळी सार्वजनिक बांधकाम विभागांतर्गत करण्यात येणारी कामे, निधीचे नियोजन, कामाचा दर्जा, त्यासाठी लागणारे दर व निविदा प्रक्रिया याचे योग्य नियोजन करुन कामाचे आयुष्य व दर्जा वाढविण्यासाठी उपाययोजना करणे आवश्यक असल्याचे समितीने विदित केले. त्यासाठी इमारतीच्या बांधकामाचा दर्जा व त्याचे लेखापरिक्षण (स्ट्रक्चरल ऑडीट) कसे असावे, तसेच त्या कामासाठीचे मापदंड/परिमाण (Specifications) निश्चित करण्याची कार्यवाही व त्या स्पेसिफिकेशनप्रमाणे काम करुन घेण्यासाठी अवलंबावयाची उपाययोजना याचे योग्य नियोजन शासनस्तरावरुन करण्यात यावे व कोणत्याही परिस्थितीत कामाची गुणवत्ता व दर्जा अबाधित राखावी यासाठी आवश्यकता असल्यास सार्वजनिक बांधकाम विभागातील अधिकारी/कर्मचा-यांसाठी यासाठी सामाईक अभ्यासक्रम वा कार्यशाळा आयोजित करण्यात यावी व विभागाचे नियंत्रण या कामांवर ठेवण्या संदर्भात योग्य ती उपाययोजना करण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र.एच ५ :**

**अभिप्राय :**

**४.८** लेखाशिर्ष ३०५४ मार्ग व पूल या अंतर्गत मूळ तरतूद रु.२५४०१२. ०६ लाख इतकी असून पूरक मागणी रु.१३८०४४.३९ लाख आहे. असे मिळून एकूण अनुदान रु.३९२०५६.४५ लाख प्राप्त झाले असून प्रत्यक्ष खर्च रु.२६०६४४.६१ लाख आहे व बचत रु.१३१४११.८४ लाख झाली असून ही संपुर्ण बचतीची रक्कम समर्पित होणे आवश्यक असतानारु.११७०१९.५५ लाख समर्पित

करण्यात आले. अंतिम बचत लक्षात घेता परत करण्यात आलेला निधी बचतीच्या तुलनेत कमी प्रमाणात असल्याचे सिध्द झाले व मोठी बचत होण्याचे हे लागोपाठ पाचवे वर्ष असून त्यातून अत्याधिक अंदाज व अवास्तव अर्थसंकल्पीय तरतूद दिसून येते असा आक्षेप महालेखाकारांनी घेतला आहे.

मार्ग व पुल याअंतर्गत कामे मुख्यत्वे योजनेतर बांधकामाची असतात. यामध्ये एकंदर १६ उपलेखाशिर्ष असून सदर बचत ही सर्व उपलेखाशिर्षाची एकत्रित बचत आहे. प्रत्यार्पित करण्यात आलेल्या निधीपैकी रु.८३२००.०० लाख निधी हा वित्त विभागाने लावलेल्या कपाती संदर्भातील आहे. शिवाय यामध्ये एका ठिकाणी सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या नावाने नॅशनल हायवेचा रु.४५२ लाखांचा खर्च सुध्दा नोंदविण्यात आलेला आहे. त्यामुळे बचतीची रक्कम वाढलेली दिसून येत आहे.

विभागीय सचिवांनी दिलेल्या माहितीवरुन समितीच्या असे निदर्शनास आले की, विभागाने अर्थसंकल्पीय तरतूदींच्या खर्चाबाबतचे योग्य नियोजन केले नाही व अवास्तव अर्थसंकल्पीय तरतूदी केल्या. तसेच ताळमेळाचे काम विहीत वेळेत केले नाही. वेळीच निधीचा ताळमेळ घेतला असता तर सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे नावे नोंदविलेला नॅशनल हायवेचा खर्च वेळीच निदर्शनास आला असता व त्याबाबत वेळीच हस्तांतर नोंद अथवा चूक नोंद दुरुस्त प्रस्ताव (NOE) देता आला असता व बचतीची रक्कम एवढ्या मोठ्या प्रमाणात वाढली नसती.

**शिफारस :**

**४.९ उपरोक्त लेखा शिर्षांतर्गत एकूण तरतूद निधीपैकी प्राप्त निधी, खर्चित निधी व बचत झालेल्या निधीची तपासणी समितीने केली असता बचत झालेला संपुर्ण निधी विभागाने आर्थिक वर्षा अखेरीस समर्पित करणे बंधनकारक असताना पुर्ण निधी समर्पित न केल्याचे समितीला दिसून आले. ही बाब अतिशय गंभीर स्वरुपाची असून वित्तीय नियमांची उल्लंघन करणारी ठरते. विभागाने त्रैमासिकरित्या नियमितपणे खर्चाचा ताळमेळ घालणे बंधनकारक असताना त्याची पुर्तता न केल्यामुळे हे आक्षेप नोंदविण्यात आले आहेत. बचत झालेला परंतु वेळीच समर्पित न करण्यात आलेल्या निधीबाबत संबंधितांवर कारवाई करणे आवश्यक आहे.तसेच या प्रकरणी विभागाने महालेखाकारांसमवेत विहित वेळेत समन्वय साधून खर्चाची हस्तांतर नोंद किंवा चुकीची नोंद दुरुस्ती प्रस्ताव सादर करणे अभिप्रेत असताना विभागाने तसे न केल्यामुळे हे आक्षेप नोंदविण्यात आले आहेत. अतः या प्रकरणी संबंधित अधिका-यांवर जबाबदारी निश्चित करण्यात येवून कारवाई करण्यात यावी. तसेच भविष्यात अशा बाबींची पुनरावृत्ती टाळण्यासाठी खर्चाचा नियमित ताळमेळ विभागाने करावा यासाठी आवश्यक ते प्रशिक्षण अधिकारी/कर्मचारी यांना देण्यात यावे व यासंदर्भात केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र.एच ६ :**

**अभिप्राय :**

**४.१०** लेखाशिर्ष २०५९ सार्वजनिक बांधकाम, ८० सर्वसाधारण, ००१ संचालन व प्रशासन, (०३) अधिक्षक अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम मंडळ ठाणे (०३) (०१) पर्यवेक्षण याअंतर्गत मूळ तरतूद रु.१९८. ८२ लाख होती. एकूण प्राप्त अनुदान रु.१७०.८४ लाख व प्रत्यक्ष खर्च रु.१७०.८३ लाख आहे व रु.०.०१ लाख बचत झाली आहे. सदर बचत अत्यल्प असली तरी सदर मंडळ कार्यालयातील रिक्त पदे न भरल्यामुळे एकूण मुळ तरतूदीपैकीरु.२७.९८ लाख अनुदान समर्पित करण्यात आल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

**शिफारस :**

**४.११ रिक्त पदांसाठी मोठ्या प्रमाणात निधी अडवून ठेवला जातो. ज्या विभागात पदे रिक्त आहेत त्यांचा निधी वर्षभर अखर्चित राहतो व पदे भरले गेले नसल्यामुळे आर्थिक वर्षा अखेरीस हा निधी समर्पित परत करण्यात येतो. वेतनासाठी असलेला निधी इतर लेखाशीर्षांअंतर्गत वापरता येत नाही. जेवढी प्रत्यक्ष पदे भरली आहेत तेवढयाच निधीची मागणी विभागाने करावी रिक्त पदे जेव्हा भरण्यात येतील त्यावेळी निधीची मागणी वित्त विभागाकडे करण्यात यावी व ही कार्यपद्धती सर्व विभागात अवलंबिण्यात यावी. तसेच ज्या-ज्यावेळी आवश्यक असेल तेव्हा निधी तात्काळ वितरीत करण्याची शाश्वती वित्त विभागाने सर्व विभागांना द्यावी. जेणेकरुन मोठ्या प्रमाणात निधी अडवून ठेवण्याच्या प्रवृत्तीवर निर्बंध घालणे विभागाला शक्य होईल.यासाठी वित्त विभागाने आवश्यक ती उपाययोजना करावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**४.१२ सार्वजनिक विभागाअंतर्गत कर्मचारी/अधिका-यांना वैद्यकीय सुविधा पुरविण्यात येतात. त्यासाठी त्यांच्याकडून सादर करण्यात येणा-या वैद्यकीय बिलांची प्रतिपूर्ती करण्यात येते. ही प्रतिपूर्ती देण्यास बराच विलंब होतो. ब-याचदा मागणी देखील प्राप्त न झाल्यामुळे निधी अखर्चित राहतो. ब-याचदा यामध्ये गैरव्यवहार असण्याची शक्यता देखील नाकारता येत नाही. त्यामुळे यामध्ये सुधारणा करणे आवश्यक असल्याचे समितीचे मत आहे. यासाठी कर्मचारी व अधिका-यांकरिता दरमहा प्रिमियम आकारुन कॅशलेस उपचार पद्धती सुरु केल्यास यामध्ये सुरु असलेल्या गैरव्यवहारांना आळा बसेल तसेच शासनास खर्चाचे शाश्वत नियोजन करणे शक्य होईल. याबाबत विभागाने आवश्यक ती उपाययोजना करावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**४.१३ सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात खर्चमेळ्याचे काम नियमित व नियमानुसार न केल्यामुळे हे आक्षेप मोठ्या प्रमाणात नोंदविण्यात आले आहे. या बाबी भविष्यात टाळण्यासाठी खर्चमेळ्यासंबंधीची कार्यवाहीसाठी विभागाने कडक भूमिका घेणे आवश्यक असून स्थानिक पातळीवर त्याचे नियंत्रण करण्यात यावे. याप्रकरणी विभागाने १६० जणांचे स्पष्टीकरण मागितले असून ३४ जणांवर कारवाई करण्यात आल्याचे समितीस सांगण्यात आले आहे. उर्वरित १२६ जणांवर विभागाने केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस तीन महिन्यांत सादर करण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र.एच ७ :**

**अभिप्राय :**

**४.१४** प्रधानशीर्ष ४०५५ पोलिसांवरील भांडवली खर्च, २११ पोलिस गृहनिर्माण (०२) (०२) शासकीय निवासी इमारती आस्थापना खर्च याअंतर्गत मूळ तरतूद रु.२४१.७४ लाख करण्यात आली असून पूरक मागणी रु.१४५०.४४ लाख घेण्यात आली आहे. विभागास एकूण अनुदान रु.११६९.५३ लाख प्राप्त झाले व प्रत्यक्ष खर्च रु.१०१९.९६ लाख झाला आहे. व बचत रु.१४९.५७ लाख झाली आहे. तसेच रु.५२२.६५ लाख समर्पित केलेले आहे असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे. नियंत्रक अधिका-यांकडील आस्थापना खर्चाची नोंद महालेखापाल कार्यालयाकडे न झाल्याने सदर बचत दिसून येत आहे. असे विभागाने याबाबत आपल्या खुलाशात सांगितले.

**शिफारस :**

**४.१५ उपरोक्त लेखाशिर्षांअंतर्गत आस्थापना खर्च हा १३.९० टक्के झालेला असून हत्यारे व संयत्रावरील खर्च हा १.१० टक्के झालेला आहे. हे सर्व पुस्तकी समायोजन असून ते १५ टक्क्यांपर्यंत करावयाचे होते. हा प्रत्यक्ष खर्च नसून पुस्तकी समायोजन आहे. त्यावर शासन स्तरावरुन नियंत्रण होणे आवश्यक होते. परंतु ते विहित वेळेत न केल्यामुळे हे आक्षेप नोंदविण्यात आलेले आहे. यासंदर्भात संबंधितांवर कारवाई करण्यात यावी व भविष्यात अशा बाबींची पुनरावृतती टाळावी व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

अचूक

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील अनुदान क्र. आय-१, ३, ५ व ७ वामधील शिर्षांतर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले आहे.

२०१३-२०१४

मुख्य लेखाशिर्ष- २०४९-व्याज प्रदाने (सर्व भारीत)

मागणी क्र. आय-१

| पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | ३ |
| २२१ | | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रु. हजारांत) | मागणी क्र. आय-१, खाली महालेखापालांनी विनियोजन लेखात एकूण भारित अनुदान रु.१६४६१.६२ लाख (रुपये एकशे चौसष्ट कोटी एकसष्ट लाख बासष्ट हजार फक्त) इतके दर्शविले असून रु.१६५०४.५७ लाख (रुपये एकशे पासष्ट कोटी चार लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका प्रत्यक्ष खर्च नोंदविला असून रु.४२.९५ लाख (रुपये बेचाळीस लाख पंच्याण्णव हजार फक्त) इतके अधिक दर्शविले आहे. महालेखापालांनी केलेल्या टिपा व भाष्यांच्या अनुषंगाने स्पष्टीकरण ज्ञापनात नमूद करण्यात आले आहे व शासनाने महालेखापालांनी दिलेला सल्ला/सूचनांची नोंद घेतली आहे. |
| | प्रधान शीर्ष<br>२०४९ - व्याज प्रदाने<br>भारीत — | | | | मुख्य लेखाशीर्ष "२०४९ - व्याज प्रदाने (भारित)" खाली एकूण अनुदान रु.१६४६१.६२ लाख (रुपये एकशे चौसष्ट कोटी एकसष्ट लाख बासष्ट हजार फक्त) असून रु. ७.७३ लाख (रुपये सात लाख त्र्याहत्तर हजार फक्त) इतकी बचत शासन निर्णय क्र.बीजीएम-१०.१४/१९९/२०१४/अर्थ-१, दिनांक ३१.३.२०१४ अन्वये विशेष गौणशीर्षे सार्वजनिक भारीतकडे वर्ग करण्यात आली आहे. परिणामी रु.१६४५३.८९ लाख (रुपये एकशे चौसष्ट कोटी त्रेपन्न लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतके अंतिम सुधारीत अनुदान मंजूर करण्यात आले आहे. त्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१६४५३.८९ लाख (रुपये एकशे चौसष्ट कोटी त्रेपन्न लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतका झाल्याने बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | मूळ .. १,६४,६१,६२<br>पूरक .. ..... | १,६४,६१,६२ | १,६५,०४,५७ | +४२.९५ | महालेखापालांनी विनियोजन लेखात रु.१६५०४.५७ लाख (रुपये एकशे पासष्ट कोटी चार लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.१६४५३.८९ लाख इतका प्रत्यक्ष खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाच्या प्रत्यक्ष खर्चामध्ये रु.५०.६८ लाख इतकी तफावत आहे. सदर तफावत प्रामुख्याने ०१-देशांतर्गत अल्पावधीत व्याज, २००-इतर देशांतर्गत अल्पावधीत व्याज, ४५-व्याज, (००)(०२) गृहनिर्माण व नगर विकास महामंडळाकडून घेतलेल्या कर्जावरील व्याज (२०४९ २०७७) या उपशीर्षाखाली हुडकोकडून प्रत्यक्ष मंजूर कर्ज व त्यावर कर्ज यापोटील परताव्याच्या रकमेचा पुनर्ताळे समायोजनाने ताळमेळ करण्याबाबत सन २०१२-१३ च्या हिवाळी अधिवेशनात रु.५०६८४१५/- इतकी रक्कम अर्थसंकल्पित करण्यात आली. सदरहू अर्थसंकल्पित रक्कम पुनर्ताळे समायोजनाने महसूली जमा शीर्षे ६-सरकारी ऋण, ६००३-राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण (संगणक संकेतांक ६००३५१४६) या जमा शीर्षाखाली वर्ग करण्याबाबत क्र. बीजीएम-१०१३/३५१/२०१२/अर्थ-१, दि.२०.३.२०१३ च्या शासन निर्णयान्वये मंजूरी देण्यात येऊन महालेखापाल (ले व ह), मुंबई व नागपूर यांना कळविण्यात आले होते. परंतु महालेखापाल कार्यालयाने सदरहू रु.५०६८४१५/- इतकी रक्कम सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षातील नोव्हेंबर महिन्यात पुनर्ताळे समायोजनाव्दारे समायोजित केली असल्यामुळे सदरची तफावत दिसून येत आहे. यावाबत महालेखापाल (ले व ह)-२, नागपूर यांना शासन क्र.बीजीओटी-२०१२ /(प्र.क्र.७०/१२)/रोख शाखा, दि.४.१२.२०१५च्या पत्रान्वये अवगत करण्यात आले आहे. |
| | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) ७.७३<br><br>टिपा व भाष्ये :<br>विनियोजनातील रु.४२.९५ लाख (प्रत्यक्ष अधिक खर्च रु.४२.९५.२३३) इतका अधिक खर्च नियमात बसविणे आवश्यक आहे. | | | | |

अर्थसंकल्पीय बाबीचे स्पष्टीकरण

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे'

अनुदान क्रमांक :- आय-३

| पृ.क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | ३ |
| | | एकूण अनुदान किंवा विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | |
| | | | | (रु. हजारांत) | |
| २२२ | प्रधान शीर्ष<br>२४०२ - मृद व जलसंधारण<br>२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>२७०२ - लहान पाटबंधारे<br>२७०५ - लाभक्षेत्र विकास<br>२७११ - पूर निर्यंत्रण व जलनि:स्सारण<br>२८०१ - वीज<br>३४०२ — अवकाश संशोधन | | | | मागणी क्रमांक आय-३ अंतर्गत एकूण अनुदान रुपये. २६२४,५५.५९ लाख (रुपये दोन हजार सहाशे चोवीस कोटी पंचावन्न लाख एकोणसाठ हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने महालेखापाल कार्यालयाने रु. २२१८,६८.७६ लाख (रुपये दोन हजार दोनशे अठरा कोटी अडूसष्ट लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. परिणामी रु. ४०५,८६.८३ लाख (रुपये चारशे पाच कोटी शहाऐंशी लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त ) इतकी बचत दिसून येत आहे. |
| | दत्तमत –<br>मूळ .. २३,९१,२८,१६<br>पूरक .. २,३३,२७,४३ | २६२४,५५,५९ | २२१८,६८,७६ | -४,०५,८६,८३ | मागणी क्र.आय-३ अंतर्गत सर्व प्रधान लेखाशिर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २६२४,५५.५९ लाख (रुपये दोन हजार सहाशे चोवीस कोटी पंचावन्न लाख एकोणसाठ हजार फक्त ) पैकी रु.४१७,६४.०६ लक्ष (रुपये चारसे सतरा कोटी चौसष्ट लक्ष सहा हजार फक्त ) इतकी रक्कम आय ३ अंतर्गत असलेल्या एकूण सहा प्रधान शीर्षाची एकत्रितरित्या शासन निर्णय दि.३९/३/२०१४ अन्वये राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आली. परिणामी रु. २२०६,९९.५३ लक्ष (रु. दोन हजार दोनशे सहा कोटी एक्याण्णव लाख त्रेपन्न हजार फक्त) इतके अंतिम सुधारीत अनुदान (संबंधीत प्रधानशिर्षाखालील शासनाचे अंतिम सुधारीत अनुदान) निश्चित करण्यात आले. त्या अनुषंगाने उपशिर्षनिहाय संबंधीत प्रधान लेखाशिर्षाखाली झालेला प्रत्यक्ष एकत्रित खर्च विचारात घेऊन विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२२०७,५७.२० लक्ष (रुपये दोन हजार दोनशे सात कोटी सत्तावन लाख वीस हजार फक्त) इतका खर्च झाला आहे. परिणामी रु. ६५.६७ (रुपये पासष्ट लक्ष सदुसष्ट हजार फक्त ) इतका अधिक खर्च झालेला आहे. त्याबाबतची कारणे उपलेखाशिर्षनिहाय स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात नमूद करण्यात आली आहेत. |
| | कोषागारात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) ४,१७,६४,०६ | | | | मागणी क्र.३ अंतर्गत दत्तमत (अनुदान ) महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखे अहवालात रु.२२१८,६८.७६ लक्ष (रुपये दोन हजार दोनशे अठरा कोटी अडुसष्ट लाख शहात्तर हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे व रु.२२०७,५७.२० लक्ष (रुपये दोन हजार दोनशे सात कोटी सत्तावन लाख वीस हजार फक्त) इतका विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे.परिणामी रु.११,११.५६ लक्ष (रुपये अकरा कोटी अकरा लाख छपन्न हजार ) इतकी तफावत महालेखापालाने नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाने केलेल्या प्रत्यक्ष खर्चात आहे. त्याची कारणे स्वतंत्ररित्या उपशिर्षनिहाय स्पष्टीकरण ज्ञापनात नमुद करण्यात आलेली आहेत. |
| | टिपा व भाष्ये :<br>अनुदानाखालील रु.२२,१८,६८,७६ लाख एवढा एकूण खर्च, मूळ तरतूदीच्या रु.२३,९१,२८.१६ इतकाही झाला नाही, रु.२,३३,२७.४३ लाख इतकी पूरक तरतूद (जुलै २०१३ मध्ये रु.१,२७,००.०० लाख, डिसेंबर २०१३ मध्ये रु.१,०६,२७.४३ लाख अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले. अत्याधिक अंदाज व सदोष अर्थसंकल्पन दर्शवून बचतीसहित अनुदान बंद करण्यात आल्याचे हे लागोपाठचे पाचवे वर्ष आहे. पूरक अनुदानाची तरतूद केल्यामुळे नियमित बचत झाली आहे आणि उत्पादक योजनांसाठी इतर गरजू विभागांसाठी विनियोगात/खापरात आली असती याबाबत वित्त विभागाने आढावा घेण्याची गरज आहे.<br>अनुदानाखालील रु.४,०५,८६.८३ इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, मार्च, २०१४ मध्ये परत केलेला लाख रु.४,१७,६४.०६ लाख एवढा निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने दर्शविलेल्या टिपा व भाष्याच्या अनुषंगाने खालील प्रमाणे खुलासा करण्यात येत आहे:- |

मागणी क्र. आय-३ अंतर्गत सन २०१३-१४ या वर्षात पुरक मागणीद्वारे रु. २३३,२७.४३ लक्ष ची तरतूद अर्थसंकल्पीत करण्यात आली. सर्वसाधारणपणे पुरक मागणीद्वारे ज्या बाबीकरीता अतिरिक्त तरतूद अर्थसंकल्पित करण्यात आली आहे त्याबाबीच्या विद्यमान तरतूदीमधील बचत प्रत्यार्पित केली नसून सदर बाबीसाठी अर्थसंकल्पीत असलेले विद्यमान तरतूद खर्ची टाकण्यात आली आहे.तथापि, पुरक मागणीद्वारे ज्या बाबीसाठी अतिरीक्त तरतूद अर्थसंकल्पित केली आहे त्यापैकी प्रामुख्याने १३ वा वित्त आयोगातंर्गत अर्थसंकल्पीत तरतूदीमध्ये बचत झाली आहे. १३ वा वित्त आयोगातर्गत केंद्रशासनाकडून अपेक्षित केंद्रिय सहाय्य प्राप्त झाल्यानंतर ते खर्च करता येणे शक्य व्हावे याकरीता मुळ अर्थसंकल्पीत तरतूदी व्यतीरिक्त २७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे २७०२ - लहान पाटबंधारे या प्रधान शिर्षातंर्गत अनुक्रमे रु. ८७.७८ कोटी व रु. १०.४६ कोटी अशी एकुण रु. ९८.२४ कोटी तरतूद अर्थसंकल्पीत करण्यात आली होती. तथापि, अपेक्षित केंद्रिय सहाय्य प्राप्त न झाल्यामुळे एकुण उपलब्ध तरतूदीतून (मुळ + पूरक) रु. ११८.४६ कोटी तरतूद समर्पित झाली आहे.

सदर मागणी क्रमांक आय-३ अंतर्गत एकुण समर्पित तरतुदीपैकी १) महाराष्ट्र जलक्षेत्र सुधार प्रकल्प कार्याक्रमांतर्गत २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे या प्रधानशिर्षाखाली रु. ३८६.३३ कोटी इतक्या मंजुर तरतूदीपैकी रु. २१०.५० कोटी इतका प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे. म्हणजेच या प्रयोजनासाठी अर्थसंकल्पीत तरतूदीपैकी रु. १७५.८३ कोटी इतकी बचत झाली आहे. २) जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या स्थानिक उपकरासाठी केलेल्या तरतूदीमध्ये रु. ४४.५३ कोटी इतकी बचत झाली आहे. विभागाच्या नियंत्रक अधिकाऱ्यांना प्राप्त होणाऱ्या पाणी पट्टीवर स्थानिक स्वराज्य संस्थाना देय ठरणाऱ्या उपकरापोटी विचाराधीन तरतूद केली जाते. मात्र अपेक्षित वसूलीपेक्षा प्रत्यक्षात कमी वसूली झाल्यास त्यावर देय ठरणाऱ्या उपकराच्या खर्चात देखील बचत होते. त्यामूळे सदर प्रयोजनावरील तरतूदीमध्ये बचत झाली आहे. ३) १३ वा वित्त आयोगातर्गत वर नमुद केल्यानुसार रु. ११८.४६ कोटी तरतूद समर्पित झाली आहे. ४) याव्यतिरीक्त उर्वरित बचत ही वेतन व वेतनेत्तर बाबी अथवा विविध लेखाशिर्षातंर्गत तूलनात्मकरित्या अल्पस्वरूपातील आहे.

तथापि वर नमुद केल्यानुसार रु. २२०६,९१.५३ लक्ष इतके अंतिम सुधारित अनूदानाच्या तुलनेत रु. ६५.६७ लाख इतके खर्चाचे अधिक्य सदर परिस्थितीत पुरक अनूदानाद्वारे अर्थसंकल्पीय तरतूद अनावश्यक नसल्याचे दिसते. तसेच, उपशिर्षनिहाय झालेली बचत / अधिक्य याबाबतचा खुलासा संबंधित उपशिर्षनिहाय ज्ञापनात नमूद केला असून त्याबरून निधीचे समर्पण समर्पक असल्याचे निदर्शनास येते.

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २२३ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(०१) अधीक्षक अभियंता, अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला. | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ १५८३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२८,८२.६० लाख (रुपये अठ्ठावीस कोटी ब्याऐंशी लाख हजार साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२८,७०.७३ लाख (रुपये अठ्ठावीस कोटी सत्तर लाख त्र्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. परिणामी रु. ११.८७ लाख इतकी बचत झाली. सदर बचत ही अतिप्रदान केलेल्या वेतनावरील वसूलीमुळे दिसून येत आहे. |
| | मूळ ... ३६,६८.३९ | २८,८२.६० | २८,७०.७३ | -११.८७ | |
| | पूरक ... ७.२९ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.२८,७०.७३ लाख (रुपये अठ्ठावीस कोटी सत्तर लाख त्र्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.२८,७०.७३ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -७,९३.०८ | | | | तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजन/प्रत्यार्पणद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ७,९३.०८ लाख एवढा काढण्यात करण्यात आलेला निधी जरी अपूरा पडला तरी अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत प्रत्यक्ष खर्च विचारात घेता उर्वरित बचत अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | रु.११.८७ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, अपेक्षित बचतीमुळे पुनर्विनियोजन/प्रत्यार्पण या द्वारे वरील उपशीर्षाखालील रु.७, ९३.०८ लाख एवढा काढण्यात आलेला निधी अपूरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु. ११.८७ लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ ११०८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १०,३४.४० लाख (रुपये दहा कोटी चौतीस लाख चाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १०,३१.०५ लाख (रुपये दहा कोटी एकतीस लाख पाच हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ३.३५ लाख (रुपये तीन लाख पस्तीस हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदर बचत प्रामुख्याने कर्मचाऱ्यांना अतिप्रदान केलेल्या प्रवासभत्ता व वेतनावरील वसूली असल्यामुळे बचत दिसुन येते. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) तांत्रिक नियंत्रण व पर्यवेक्षण<br>(०१)(०१) सचिव, जलसंपदा विभाग, मंत्रालय | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १०,३१.०५ लाख (रुपये दहा कोटी एकतीस लाख पाच हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १०,३१.०५ लाख (रुपये दहा कोटी एकतीस लाख पाच हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १२,६४.०२<br>पुनर्विनियोजन ... -२,२९.६२ | १०,३४.४० | १०,३१.०५ | -३.३५ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २,२९.६२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ १११७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१६.४८ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख अठठेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१६.३५ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख पस्तीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.१३ लाख (रुपये तेरा हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदर बचत प्रामुख्याने काही कर्मचारी / अधिकारी यांना अतिप्रदान केलेल्या वेतनावरील वसूली व देशांतर्गत प्रवास खर्चा मधून अतिरिक्त अदा केलेली वसूली केल्याने दिसून येते. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) तांत्रिक नियंत्रण व पर्यवेक्षण<br>(०१)(०४) सचिव, जलसंपदा विभाग, मंत्रालय | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१६.३५ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख पस्तीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु १,१६.३५ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,६८.५० | १,१६.४८ | १,१६.३५ | -०.१३ | महालेखापालांनी अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ५२.०२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला |
| | पुनर्विनियोजन .. -५२.०२ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ ९३८८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६,१२.०७ लाख (रुपये सहा कोटी बारा लक्ष सात हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.६,१२.०६ लाख (रुपये सहा कोटी बारा लक्ष सहा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तूलनेत नगण्य आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३) सामान्य आस्थापना-कार्यकारी<br>(०३)(०४) अधीक्षक अभियंता, चंद्रपूर पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, चंद्रपूर. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु ६,१२.०६ लाख (रुपये सहा कोटी बारा लक्ष सहा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६,१२.०६ लाख (रुपये सहा कोटी बारा लक्ष सहा हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ७,४९.४१<br>पुनर्विनियोजन ... —१,३७.३४ | ६,१२.०७ | ६,१२.०६ | -०.०१ | महालेखापालांनी अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.१,३७.३४ ~~लाख~~ ९.३७.३४ एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ १७१६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५२,६८.४९ लाख (रुपये बावन कोटी आडुसष्ट लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५१,४८.८४ लाख (रुपये एकावन कोटी अठ्ठेचाळीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. १,१९.६५ लाख एवढी बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही वेतनावरील आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(०४) प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५१,४८.७६ लाख (रुपये एकावन कोटी अठ्ठेचाळीस लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.५१,४८.८४ लाख (रुपये एकावन कोटी अठ्ठेचाळीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत रु. ०.०८ लाख (रुपये आठ हजार) दिसून येते ती ए.जी.नागपूर यांनी दि. १३.०६.२०१४ च्या पत्रान्वये पुरवणी २ अन्वये समायोजित केली आहे. |
| | मूळ ... ६१,०१.१८<br>पुनर्विनियोजन ... -१०,३२.६९ | ५२,६८.४९ | ५१,४८.७६ | -१,१९.७३ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.१०,३२.६९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ ९९८७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.५३,१७.०२ लाख (रुपये त्रेपन्न कोटी सतरा लाख दोन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५३,१३.१० लाख (रुपये त्रेपन्न कोटी तेरा लाख दहा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.३.९२ लाख (रुपये तीन लाख ब्याण्णव हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही वेतनावरील आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(१२) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५३,१३.१० लाख (रुपये त्रेपन्न कोटी तेरा लाख दहा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५३,१३.१० लाख (रुपये त्रेपन्न कोटी तेरा लाख दहा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६१,४३.३८<br>पूरक.... ५.००<br>पुनर्विनियोजन ... -८,३१.३६ | ५३,१७.०२ | ५३,१३.१० | -३.९२ | महालेखापालांनी अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.८,३१.३६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ बी२२४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १७,९६.९१ लक्ष (रुपये सतरा कोटी शहाण्णव लाख ऐक्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७,८६.५२ लक्ष (रुपये सतरा कोटी शहाऐंशी लाख बावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.१०.३९ लक्ष (रुपये दहा लाख ऐकोणचाळीस हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदर बचत प्रामुख्याने देयके कोषागारातून पारीत न झाल्याने दिसून येत आहे. तसेच अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत सदर बचत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०६) लाभक्षेत्र विकास आस्थापना<br>(०६)(०७) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, बीड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १७,८६.५२ लक्ष (रुपये सतरा कोटी शहाऐंशी लाख बावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १७,८६.५२ लक्ष (रुपये सतरा कोटी शहाऐंशी लाख बावन्न हजार फक्त लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २०,७५.५३ | १७,९६.९१ | १७,८६.५२ | -१०.३९ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु २७८.६२ लाख एवढा निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -२,७८.६२ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे२९१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,२६.७२ लाख (रुपये तीन कोटी सव्वीस लाख बाहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,२६.६६ लाख (रुपये तीन कोटी सव्वीस लाख सहासष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०६ लाख (रुपये सहा हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे, सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प-परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(५०) कृष्णा कोयना नदी प्रकल्प, अधीक्षक अभियंता, सांगली पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,२६.६६ लाख (रुपये तीन कोटी सव्वीस लाख सहासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,२६.६६ लक्ष (रुपये तीन कोटी सव्वीस लाख सहासष्ट हजार ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३,६३.०३ | ३,२६.७२ | ३,२६.६६ | -०.०६ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.३६.३१ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव वित्तमतकडे वर्ग करण्यात आला |
| | पुनर्विनियोजन ... -३६.३१ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ ९८७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.४४.२४ लाख (रुपये चव्वेचाळीस लाख चोवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४४.२४ लाख (रुपये चव्वेचाळीस लाख चोवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०२) सामान्य आस्थापना- पर्यवेक्षी<br>(०२)(१०) अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, पुणे | | | | महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४१.३९ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख एकोण चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४४.२४ लाख (रुपये चव्वेचाळीस लाख चोवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. रू. २.८५ लाख इतकी देयके कोषागारात सादर केली परंतू काही आक्षेपामुळे देयके परत आली. ते वितरणप्रणालीवरून डिलीट न झाल्यामुळे विभागाचा खर्च झालेला नाही. परिणामी तफावत दिसून येते. |
| | मूळ ... १,५७.७५ | ४४.२४ | ४१.३९ | -२.८५ | |
| | पुनर्विनियोजन... -१,१३.५१ | | | | महालेखापालांनी अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.१,१३.५१ लाख एवढा आवर्धित करण्यात आलेलानिधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे'

अनुदान क्रमांक :- आय-३

सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ ९१५४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,७२.९३ लाख (रुपये एक कोटी बाहत्तर लाख त्र्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,७२.८३ लाख (रुपये एक कोटी बाहत्तर लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.१० लाख (रुपये दहा हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. जी अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत सदर बचत अल्प आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००२ माहिती संग्रह (डाटा कलेक्शन)<br>(०५) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०५)(०४) अधीक्षक अभियंता, माहिती संग्रह मंडळ, नाशिक | | | | |
| | मूळ ... १,९२.२३ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,७२.८३ लाख (रुपये एक कोटी बाहत्तर लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त लाख इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,७२.८३ लक्ष (रुपये एक कोटी बाहत्तर लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन.... -१९.३० | १,७२.९३ | १,७२.८३ | -०.१० | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १९.३० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे'

अनुदान क्रमांक :- आय-३

सन २०१३-२०१४.

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २२५ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ संशोधन<br>(०१)(०१) मुख्य अभियंता व संचालक, महाराष्ट्र अभियांत्रिकी संशोधन संस्था (एमइआरआय), नाशिक | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ २६०५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १०,३४.६५ लाख (रुपये दहा कोटी चौतीस लाख पासष्ठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १०,३४.५७ लाख (रुपये दहा कोटी चौतीस लाख सत्तावण हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०८ लाख (रुपये आठ हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत सदर बचत नगण्य आहे.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १०,३४.५७ लाख (रुपये दहा कोटी चौतीस लाख सत्तावण हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु १०,३४.५७ लाख (रुपये दहा कोटी चौतीस लाख सत्तावण हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १,६५.९१ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला |
| | मूळ ... १२,००.५६ | १०,३४.६५ | १०,३४.५७ | -०.०८ | |
| | पुनर्विनियोजन.... -१,६५.९१ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ओ ३६२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४९.७१ लाख (रुपये एकोणपण्णास लाख एकाहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४९.७१ लाख (रुपये एकोणपण्णास लाख एकाहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत / अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प – परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(१७) अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४९.०० लाख (रुपये एकोणपन्नास लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.४९.७१ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु. ०.७१ लाख इतकी तफावत आहे. |
| | मूळ ... ६९.६८ | ४९.७१ | ४९.०० | -०.७१ | सदर तफावती संदर्भात महालेखापाल कार्यालयास चुकीच्या नोंदीचा प्रस्ताव सादर करण्यात आलेला होता. सदर प्रस्ताव महालेखापाल नागपूर यांने त्यांच्या पत्र क्र. निकाले-२ / ग्रुप -५ / एनओई /३२१ दि. १३.०७.२०१५ अन्वये स्विकृत केला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन.... -१९.९७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १९.९७ लाख इतका निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २२५ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(०९) अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ ९९५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५५,४२.५९ लाख (रुपये पंचाव्वन कोटी बेचाळीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५५,३८.६२ लाख (रुपये पंचाव्वन कोटी अडतीस लाख बासष्ठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ३.९७ लाख (रु. तीन लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येते. सदर बचत ही काही कर्मचारी/ अधिकारी याच्या वेतन आस्थापना खर्चावरील असून ती अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | मूळ ... ६७,५७.९४ | ५५,४२.५९ | ५५,३८.६२ | -३.९७ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५५,३८.६२ लाख (रुपये पंचाव्वन कोटी अडतीस लाख बासष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५५,३८.६२ लाख (रुपये पंचाव्वन कोटी अडतीस लाख बासष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१२,१५.३५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु.१२,१५.३५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ बी४९४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४,०९.१४ (रुपये चार कोटी नऊ लाख चौदा हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,०४.७६ लाख (रुपये चार कोटी चार लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.४.३८ लाख (रुपये चार लाख आडतीस हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येते. सदर बचत ही प्रामुख्याने वेतनावरील आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(१६) अधीक्षक अभियंता, वाशीम पाटबंधारे मंडळ, वाशीम | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,०४.७६ लाख (रुपये चार कोटी चार लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४,०४.७६ लाख (रुपये चार कोटी चार लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४,५०.४९<br>पुनर्विनियोजन ... -४१.३५ | ४,०९.१४ | ४,०४.७६ | -४.३८ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु.४१.३५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे'

अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २२५ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०६) लाभक्षेत्र विकास आस्थापना<br>(०६)(०३) अधीक्षक अभियंता, चंद्रपूर पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, चंद्रपूर | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ बी १८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,९८.७७ (रुपये एक कोटी अठ्ठ्याण्णव लाख सत्याहत्तर हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१,८६.२६ लाख (रुपये एक कोटी शहाऐंशी लाख सहवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. १२.५१ लाख (रुपये बारा लाख एकावन्न हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येते. सदर बचत ही वेतनावरील आहे. |
| | मूळ ... २,४१.८७ | १,९८.७७ | १,८६.२६ | -१२.५१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,८६.२६ लाख (रुपये एक कोटी शहाऐंशी लाख सहवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,८६.२६ लाख (रुपये एक कोटी शहाऐंशी लाख सव्वीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -४३.१० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.४३.१० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ २४८१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.७,१५.२० लाख (रुपये सात कोटी पंधरा लाख वीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.७,१४.७५ लाख (रुपये सात कोटी चौदा लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.४५ लाख (रुपये पंच्चेचाळीस हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत आस्थापना खर्चावरील आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००३ प्रशिक्षण<br>(०१) आस्थापना<br>(०१)(०१) मुख्य अभियंता व संचालक, महाराष्ट्र अभियंता प्रशिक्षण संस्था, नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७,१४.७५ लाख (रुपये सात कोटी चौदा लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.७,१४.७५ लाख ( रुपये सात कोटी चौदा लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ११,६५.३२<br>पुनर्विनियोजन ... -४,५०.१२ | ७,१५.२० | ७,१४.७५ | -०.४५ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.४,५०.१२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ १५२९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.७०.९६ लाख (रुपये सत्तर लाख शहाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.७०.१४ लाख (रुपये सत्तर लाख चौदा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.८२ लाख (रुपये ब्याऐंशी हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही वेतनावरील आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०२)(२७) अधीक्षक अभियंता, दक्षता पथक( मंडळ), नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७०.१४ लाख (रुपये सत्तर लाख चौदा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.७०.१४ लाख ( रुपये सत्तर लाख चौदा हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ८७.५५<br>पुनर्विनियोजन ... -१६.५९ | ७०.९६ | ७०.१४ | -०.८२ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.१६.५९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | **मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे,** ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ १३७८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १४,५४.२५ लाख (रुपये चौदा कोटी चौपन्न लाख पंचवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१४,५२.४५ लाख (रुपये चौदा कोटी बावन्न लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. १.८० लाख (रुपये एक लाख ऐंशी हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही आस्थापना खर्चावरील आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३)(०३) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १४,५२.४५ लाख (रुपये चौदा कोटी बावन्न लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १४,५२.४५ लाख (रुपये चौदा कोटी बावन्न लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १५,३६.६१<br>पूरक.... १०.५०<br>पुनर्विनियोजन ... -९२.८६ | १४,५४.२५ | १४,५२.४५ | -१.८० | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.९२.८६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २७०१ ९९६९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४१,३४.१३ लाख (रुपये एकेचाळीस कोटी चौतीस लाख तेरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४१,३३.४८ लाख (रुपये एकेचाळीस कोटी तेत्तीस लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.६५ लाख (रुपये पासष्ठ हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही वेतनावरील आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४)(१०) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, गळगांव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४१,३३.४८ लाख (रुपये एकेचाळीस कोटी तेत्तीस लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४१,३३.४८ लाख (रुपये एकेचाळीस कोटी तेत्तीस लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४९,८५.५६<br>पूरक.... २.५०<br>पुनर्विनियोजन ... -८,५३.९३ | ४१,३४.१३ | ४१,३३.४८ | -०.६५ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ८.५३.९३ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल संगणक, सांकेतांक २७०२०३२९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९९.८१ लाख (रुपये नव्यान्नव लाख एक्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९९.६१ लाख (रुपये नव्यान्नव लाख एकषष्ठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.२० लाख (रुपये वीस हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>१०२ उध्दरण जलसिंचन योजना<br>(०१) आस्थापना<br>(०१)(०१) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९९.६१ लाख (रुपये नव्यान्नव लाख एकषष्ठ हजार फक्त)) इतका खर्च-नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९९.६१ लाख (रुपये नव्यान्नव लाख एकषष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,७२.५६<br>पुनर्विनियोजन.... -७२.७५ | ९९.८१ | ९९.६१ | -०.२० | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ७२.७५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०५ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०५ लाभक्षेत्र विकास, ००१ संचालन व प्रशासन, संगणक सांकेतांक २७०५ ३५७८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,२२.५९ लाख (रुपये दोन कोटी बावीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,२१.९७ लाख (रुपये दोन कोटी एकवीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.६२ लाख (रुपये त्रेसष्ट हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेतअल्प आहे.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,२१.९७ लाख (रुपये दोन कोटी एकवीस लाख सत्याण्णव हजार फक्त)) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,२१.९६ लाख (रुपये दोन कोटी एकवीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु. ०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त ) तफावत आहे. ही तफावत आरएसपी रक्कम रु.११७४/- एजी मुंबई यांच्या लेखात आढळून आलेली नाही. सदर रक्कम नागपूर एजी यांच्याकडे आढळून आलेली आहे याबाबत चुकीची दुरुस्ती नोंद प्रस्ताव सादर केलेला आहे.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. ४३.२६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | २७०५ लाभक्षेत्र विकास<br><br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) सचिव, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, जलसंपदा विभाग, मंत्रालय<br>(०१)(०२) आस्थापना (योजनेतर) | | | | |
| | मूळ ... २,६५.८५ | २,२२.५९ | २,२१.९७ | -०.६२ | |
| | पुनर्विनियोजन ... -४३.२६ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २८०१ बीज, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक २८०१ २५७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,५०.८० लाख (रुपये दोन कोटी पन्नास लाख ऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,५०.७९ लाख (रुपये दोन कोटी पन्नास लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु ०.०१ लक्ष (रुपये एक हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही नगण्य आहे. |
| | २८०१ बीज<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ संशोधन व विकास पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>(०२) सर्वेक्षण व अन्वेषण - आस्थापना<br>(०२)(०६) अधीक्षक अभियंता , कोयना संकल्पचित्र मंडळ, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,३१.८४ लाख (रुपये दोन कोटी एकतीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,५०.७९ लाख (रुपये दोन कोटी पन्नास लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु. १८.९६ लाख तफावत आहे. |
| | मूळ ... ३,३८.२५<br>पुनर्विनियोजन ... -८७.४५ | २,५०.८० | २,३१.८४ | -१८.९६ | कार्यकारी अभियंता जलविद्युत विभाग क्र. २ यांचा संचालन व प्रशासन तसेच प्रमुख बांधकामे इत्यादी खर्च तसेच मंडळ कार्यालय कार्यकारी अभियंता कोयना संकल्पचित्र विभाग क्र. ४ पुणे व भुवैज्ञानिक पथक पुणे यांचा संचालन व प्रशासन यांचा इतर खर्च ४८०१ या मुख्य लेखाशिर्ष अंतर्गत करण्यात येतो. एप्रिल, २०१३ मध्ये कार्यकारी अभियंता जलविद्युत विभाग क्र. २ पुणे. यांचा मु.ले.शी. २८०१ (यांचेमार्फत ०१ या उपशिर्षावर (१ ) रु. १८,५७.६५३ व (२) रु. ३८,४०७ असा मिळून एकुण रु. १८.९६,०६० इतका खर्च करण्यात आला होता. तथापि सदरचा खर्च हा महालेखापाल कार्यालयाकडून ..... |
| | रु. १,८५.६९ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता वरील उपशीर्षाखाली मार्च,२०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाव्दारे अपेक्षित बचतीमुळे काढण्यात आलेला रु. ५८,३३,४१ लाख एवढा निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु. १,८५,६९ लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४) | | | | |

| | | |
|---|---|---|
| | | मागील पृष्ठावरून क्रमश: |
| | | मु.ले.शी. ४८०१ २४१२ (०१ वेतन ) या उपशिर्षाखाली दाखवण्यात आला आहे. त्यामुळे मु.ले.शी. २८०१ २५७१ वर महालेखापाल यांनी दर्शविलेला रु. १८.९६, लाख इतका कमी खर्च दिसून येतो. त्यासंदर्भात चुकीच्या नोंदीचा प्रस्ताव शासन पत्र क्र. विनियो ४८०१ २०१३-१४ /(१७/२०१५) / लेखा दि. १७.०३.२०१६ अन्वये महालेखापाल (ले.व अ) १ / २, मुंबई / नागपूर यांना सादर करण्यात आलेला आहे.<br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. ८७.४५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला.<br>महालेखापाल कार्यालयाने तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानुसार प्रत्यार्पणाद्वारे अपेक्षित बचतीमुळे कमी करण्यात आलेला निधी रु. ५८३३.४१ लाख बाबतची कारणे पृ. ४ ते २५ पृ. वर स्वंतत्रपणे नमुद करण्यात आलेली आहेत. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक २८०१ २२२१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५९.०० लाख (रुपये एकोणसाठ लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५७.१७ लाख (रुपये सत्तावन लाख सतरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु १.८३ लाख (रुपये एक लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही वेतनावरील आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ वीज<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०६) पेंच जलविद्युत प्रकल्प<br>(०६)(०१) प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५७.१७ लाख (रुपये सत्तावन लाख सतरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.. ५७.१७ लाख (रुपये सत्तावन लाख सतरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ११.७७<br>पुनर्विनियोजन ... -३२.७७ | ५९.०० | ५७.१७ | -१.८३ | |
| | रु.१.८३ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, सेवानिवृत्ती कोषागारात देयके सादर न केल्याने आणि अपेक्षित बचत झाल्याचे नमूद केल्यामुळे प्रत्यर्पणाव्दारे मार्च,२०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखालील काढण्यात आलेला रु,३२.७७ लाख इतका निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.१.८३ लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४) | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी ०७३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २१०,५०.४७ लाख (रुपये दोनशे दहा कोटी पन्नास लाख सत्तेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २१०,३५.४९ लाख ((रुपये दोनशे दहा कोटी पन्नास लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु १४.९८ लाख (रुपये चौदा लाख अठयाण्णव हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. त्यापेकी, रु. ७.८७. लाख एवढी रक्कम लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण औरंगाबाद पाटबंधारे विभाग, औरंगाबाद कार्यालयाने ठेकेदारास अतिप्रदान झालेल्या रकमेची वसूली २७०१ बी ०७३ या खाली खातेबदल नोंद (टीईओ) सादर केल्यामुळे येत आहे. उर्वरित बचत ही अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(११) महाराष्ट्र जलक्षेत्र सुधार प्रकल्प<br>(११)(०१) जागतिक बँक सहायित, महाराष्ट्र जलक्षेत्र सुधार प्रकल्प | | | | |
| | मूळ ... ३,८६,३३.१९ | २,१०,५०.४७ | २,०५,४४.०३ | -५,०६.४४ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २०५,४४.०३ लक्ष (रुपये दोनशे पाच कोटी चौवेचाळीस लाख तीन हजार फक्त)) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २१०,३५.४९ लक्ष (रुपये दोनशे दहा कोटी पस्तीस लाख एकोणपन्नास हजार फक्त फक्त)लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. ही तफावत मुख्यत: अधिक्षक अभियंता लाक्षेविप्रा जळगांव यांचे अधिनस्त जळगांव पाटबंधारे विभाग जळगांव यांनी मजसूप्र अंतर्गत कामावर वित्तीय वर्षे २०११-१२ व २०१२-१३ मध्ये |
| | पुनर्विनियोजन ... -१,७५,८२.७२ | | | | |
| | मार्च,२०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखालील रु.१,७५,८२.७२ लाख इतका निधी (एक) कालव्याचे बांधकाम पूर्ण न झाल्याने (दोन) काळ, घोड, वागड आणि पांजरा यांच्या न्यायीक प्रक्रियेमुळे (तीन) काटेपूर्णा प्रकल्पाच्या कालव्याचे पुनर्वसन व निरा नदीच्या उगव्या आणि डाव्या कालव्याला पाणी सोडण्याचे काम अपूर्ण असल्यामुळे (चार) उर्ध्व पक्ष व निम्न मनार प्रकल्पाच्या पुनर्वसनाचे बांधकाम पूर्ण न झाल्यामुळे (पाच) मज्जासुर प्रकल्पांचे बांधकाम पूर्ण झाल्यामुळे रु.५,०६.४४ लाखांच्या अंतिम बचतीनुसार काढण्या आलेला रु,१,७५,८२.७२ लाखाचा निधी हा अवास्तववादी असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.५,०६.४४ लाखाच्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट,२०१४) | | | | |

| | | |
|---|---|---|
| | | मागील पृष्ठावरून क्रमश:<br><br>ठेकेदारांना झालेल्या अतिप्रदान रकमेची वसूली सदर लेखाशिर्षाखाली बदली नोंद प्रस्तावाद्वारे जमा केली आहे. वास्तवीक सदर वसूली मागील कालावधीची असल्याने जमा लेखा शिर्षाखाली दाखवणे आवश्यक होते. तथापि सदर रक्कम रू. ४.९२ कोटी २७०१ बी ०७३ खाली जमा केलेली आहे. त्यामुळे सदर तफावत रु. ४.९२ कोटी दिसून येत आहे. त्यासंदर्भात चुकीचे नोंदप्रस्ताव शासन पत्र क्र. विनियो २७०१ /२०१३-१४ / (०६/२०१५) / लेखा दि. १०.०८.२०१५ अन्वये महालेखापाल (ले.व.अ )२ , नागपूर यांना सादर करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ए ०९५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५,३६.८६ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,३६.८६ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे — वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(३०) उजनी प्रकल्प (भिमा) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, सोलापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५,३६.८६ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५,३६.८६ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५,२६.०१ | ५,३६.८६ | ५,३६.८६ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १,६५.६९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पूरक..... १,७६.५४ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१,६५.६९ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ बी ११७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४१.३१ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख एकतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४१.३१ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख एकतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(५३) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४१.३१ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख एकतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४१.३१ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख एकतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १८.७४<br>पूरक..... ३५.८८<br>पुनर्विनियोजन ... -१३.३१ | ४१.३१ | ४१.३१ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १३.३१ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ए २०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,२०.०६ लाख (रुपये एक कोटी वीस लाख सहा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,२०.०६ लाख (रुपये एक कोटी वीस लाख सहा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे — वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(४१) वीर (तिसंगी तलाव समावेशक निरा उजवा कालवा) अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,२०.०६ लक्ष (रुपये एक कोटी वीस लाख सहा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,२०.०६ लाख (रुपये एक कोटी वीस लाख सहा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४,४९.३४ | १,२०.०६ | १,२०.०६ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३,८७.७९ ६८.५७ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पूरक..... ५८.५१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... -३,८७.७९ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ९७३५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१६.०७ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख सात हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१६.०७ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख सात हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे — वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(२६) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, अहमदनगर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१६.०७ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख सात हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,१६.०७ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख सात हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६४.९२ | १,१६.०७ | १,१६.०७ | ------- | |
| | पूरक.... ८४.६० | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... -३३.४५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३३.४५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ०२०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु ६९.६० लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६९.६० लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख साठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(१३) सुर्या प्रकल्प, अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | |
| | मूळ ... ४१.३९ | ६९.६० | ६९.६० | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६९.६० लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६९.६० लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पूरक..... ४७.५७ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१९.३६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १९.३६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ०१७२६ (०७३५) या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,७४.६५ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याहत्तर लाख पासष्ठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,७४.६५ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याहत्तर लाख पासष्ठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(२५) मुळा प्रकल्प, अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,७४.६५ लक्ष (रुपये एक कोटी चौऱ्याहत्तर लाख पासष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,७४.६५ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याहत्तर लाख पासष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,२७.४२ | १,७४.६५ | १,७४.६५ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १५.०९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पूरक..... ४२.३२ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१५.०९ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २२९ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>९०१ बोर प्रकल्प<br>(०१)(५६) अधीक्षक अभियंता, चंद्रपूर पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, चंद्रपूर | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ बी ४७६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३३.५० लाख (रुपये तेहतीस लाख पन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३३.५० लाख (रुपये तेहतीस लाख पन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.३३.५० लाख (रुपये तेहतीस लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३३.५० लाख (रुपये तेहतीस लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ८.३७ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मूळ ... ०.०१ | ३३.५० | ३३.५० | ------ | |
| | पूरक..... ४१.८६ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... -८.३७ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ८८२८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,३९.३२ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणचाळीस लाख बत्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,३९.३२ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणचाळीस लाख बत्तीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) महाराष्ट्र जलसंपदा विकास केंद्र, औरंगाबाद<br>(०६)(०२) मुख्य अभियंता, महाराष्ट्र जलसंपदा विकास केंद्र, औरंगाबाद पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,३९.३२ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणचाळीस लाख बत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,३९.३२ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणचाळीस लाख बत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,४५.७१<br>पूरक..... २६.६५<br>पुनर्विनियोजन ... -३३.०४ | २,३९.३२ | २,३९.३२ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३३.०४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ओ १७५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२,०४.८५ लाख (रुपये दोन कोटी चार लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु २,०४.८५ लाख (रुपये दोन कोटी चार लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(३८) नीरा डावा कालवा (भाटघर),अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,०४.८५ लाख (रुपये दोन कोटी चार लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,०४.८५ लाख (रुपये दोन कोटी चार लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,७५.५३ | २,०४.८५ | २,०४.८५ | ------ | |
| | पूरक.... ३,५९.३७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३,३०.०५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -३,३०.०५ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण संगणक, संकेतांक २७०१ १६४५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.६,७२.८४ लाख (रुपये सहा कोटी बहात्तर लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६,७२.८४ लाख (रुपये सहा कोटी बहात्तर लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(०२) अधीक्षक अभियंता,कोकण पाटबंधारे मंडळ, रत्नागिरी | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६,७२.८४ लाख (रुपये सहा कोटी बहात्तर लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६,७२.८४ लाख (रुपये सहा कोटी बहात्तर लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ७,७०.७४ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... -९७.९० | ६,७२.८४ | ६,७२.८४ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ९७.९० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २२९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ओ५८७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८३.१५ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख पंधरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८३.१५ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख पंधरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८३.१५ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख पंधरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ८३.१५ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख पंधरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १६.८५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे — वाणिज्यिक<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(१०) अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | |
| | मूळ ... १,००.०० | ८३.१५ | ८३.१५ | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१६.८५ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण संगणक संकेतांक २७०१ ३२१८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६.२२.१८ लक्ष (रुपये सहा कोटी बावीस लाख अठरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६.२२.१८ लक्ष (रुपये सहा कोटी बावीस लाख अठरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपटटीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(०४) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६.२२.१८ लाख (रुपये सहा कोटी बावीस लाख अठरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६.२२.१८ लाख (रुपये सहा कोटी बावीस लाख अठरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १२,३०.०० | ६,२२.१८ | ६,२२.१८ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ६,०७.८२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -६,०७.८२ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ०७३८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,२७.०९ लाख (रुपये तीन कोटी सत्तावीस लाख नऊ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,२७.०९ लाख (रुपये तीन कोटी सत्तावीस लाख नऊ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(०९) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,२७.०९ लाख (रुपये तीन कोटी सत्तावीस लाख नऊ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,२७.०९ लाख (रुपये तीन कोटी सत्तावीस लाख नऊ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ११,४९.०० | ३,२७.०९ | ३,२७.०९ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ८,२१.९१ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -८,२१.९१ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ऑ७७४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,०८.२८ लाख (रुपये एक कोटी आठ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,०८.२८ लाख (रुपये एक कोटी आठ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त)इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(१३) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,०८.२८ लाख (रुपये एक कोटी आठ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,०८.२८ लाख (रुपये एक कोटी आठ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,९७.५० | १,०८.२८ | १,०८.२८ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ८९.२२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -८९.२२ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २३० | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपटटीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(०६) अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ते ७०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७२.०० लाख (रुपये बहात्तर लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७२.०० लाख (रुपये बहात्तर लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७२.०० लाख (रुपये बहात्तर लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ७२.०० लाख (रुपये बहात्तर लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ७८.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मूळ ... १,५०.०० | ७२.०० | ७२.०० | ------ | |
| | पुनर्विनियोजन ... -७८.०० | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे०८६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,४८.२० लाख (रुपये दोन कोटी अठ्ठेचाळीस लाख वीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,४८.२० लाख (रुपये दोन कोटी अठ्ठेचाळीस लाख वीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प - परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(२९) अप्पर पैनगंगा प्रकल्प - अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,४८.२० लाख (रुपये दोन कोटी अठ्ठेचाळीस लाख वीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,४८.२० लाख (रुपये दोन कोटी अठ्ठेचाळीस लाख वीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३,१०.८८ | २,४८.२० | २,४८.२० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ६२.६८ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -६२.६८ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ९८९८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,०२.०१ लाख (रुपये एक कोटी दोन लाख एक हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,०२.०१ लाख (रुपये एक कोटी दोन लाख एक हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०२) सामान्य आस्थापना – पर्यवेक्षी<br>(०२)(१२) अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,०२.०१ लाख (रुपये एक कोटी दोन लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,०२.०१ लाख (रुपये एक कोटी दोन लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,२०.५० | १,०२.०१ | १,०२.०१ | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१८.४९ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १८.४९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०८ सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ बी ३३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,२०.०० लाख (रुपये तीन कोटी वीस लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,२०.०० लाख (रुपये तीन कोटी वीस लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००३ प्रशिक्षण<br>(०६) वाल्मीसाठी सहायक अनुदान<br>(०६)(०४) लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरणा अंतर्गत वाल्मीसाठी सहायक अनुदान | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,२०.०० लाख (रुपये तीन कोटी वीस लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,२०.०० लाख (रुपये तीन कोटी वीस लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४,००.०० | ३,२०.०० | ३,२०.०० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ८०.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -८०.०० | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ९७३५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८८.१६ लाख (रुपये अठ्ठ्याऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु ८८.१६ लाख (रुपये अठ्ठ्याऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००५ सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>(०४) मोठी बांधकामे - सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>(०४)(०३) अधीक्षक अभियंता व संचालक, पाटबंधारे संशोधन व विकास, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८८.१६ लाख (रुपये अठ्ठ्याऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ८८.१६ लाख (रुपये अठ्ठेऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,१०.२५ | ८८.१६ | ८८.१६ | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -२२.०९ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २२.०९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ९७३५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८८.१६ लाख (रुपये अठ्ठ्याऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु ८८.१६ लाख (रुपये अठ्ठ्याऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००५ सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>(०४) मोठी बांधकामे - सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>(०४)(०३) अधीक्षक अभियंता व संचालक, पाटबंधारे संशोधन व विकास, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८८.१६ लाख (रुपये अठ्ठ्याऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ८८.१६ लाख (रुपये अठठेऐंशी लाख सोळा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,१०.२५<br>पुनर्विनियोजन ... -२२.०९ | ८८.१६ | ८८.१६ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २२.०९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ ८०१३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,८२.९७ लाख (रुपये एक कोटी ब्याऐंशी लाख सत्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,८२.९७ लाख (रुपये एक कोटी ब्याऐंशी लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०२) प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,८२.९७ लाख (रुपये एक कोटी ब्याऐंशी लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे, आणि विभागाने रु. १,८२.९७ लाख (रुपये एक कोटी ब्याऐंशी लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,०३.३० | १,८२.९७ | १,८२.९७ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु.२०.३३ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -२०.३३ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३१ | २७०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ८०७८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१४.२१ लाख (रुपये एक कोटी चौदा लाख एकवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१४.२१ लाख (रुपये एक कोटी चौदा लाख एकवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत, नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०३) अधीक्षक अभियंत, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१४.२१ लाख (रुपये एक कोटी चौदा लाख एकवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,१४.२१ लाख (रुपये एक कोटी चौदा लाख एकवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,२६.९१ | १,१४.२१ | १,१४.२१ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १२.७० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१२.७० | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे५४२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत, नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०६) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, जळगांव | | | | महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,००.०० | ९०.०० | ९०.०० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १०.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१०.०० | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ओ५५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०७) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, सोलापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,००.०० | ९०.०० | ९०.०० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १०.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अंर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१०.०० | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे ५६९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२) (०८) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे, आणि विभागाने रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,००.०० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १०.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१०.०० | ९०.०० | ९०.०० | ------- | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे- वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ए ५७८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०९) अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे | | | | " महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,००.०० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १०.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१०.०० | ९०.०० | ९०.०० | ------- | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे , संगणक संकेतांक २७०१ अे३५३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३२.९४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३२.९४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे<br>(०१) मध्यम प्रकल्प – परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(१६) अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे मंडळ पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३२.९४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३२.९४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६३.९१ | ३२.९४ | ३२.९४ | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -३०.९७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३०.९७ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ८१३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१८.६० लाख (रुपये एक कोटी अठरा लाख साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१८.६० लाख (रुपये एक कोटी अठरा लाख साठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०२) अधीक्षक अभियंता, अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१८.६० लाख (रुपये एक कोटी अठरा लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,१८.६० लाख (रुपये एक कोटी अठरा लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,४८.२८ | १,१८.६० | १,१८.६० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २९.६८ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -२९.६८ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | **मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे,** ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ए५९६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,९७.७६ लाख (रुपये तीन कोटी सत्याण्णव लाख शहात्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,९७.७६ लाख (रुपये तीन कोटी सत्याण्णव लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०६) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिरण, जळगांव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,९७.७६ लाख (रुपये तीन कोटी सत्याण्णव लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,९७.७६ लाख (रुपये तीन कोटी सत्याण्णव लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४,४१.९६ | ३,९७.७६ | ३,९७.७६ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ४४.२० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -४४.२० | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ०६११ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,९०.२० लाख (रुपये एक कोटी नव्वद लाख वीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,९०.२० लाख (रुपये एक कोटी नव्वद लाख वीस हजार फक्त)इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(०८) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिरण, औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,९०.२० लाख (रुपये एक कोटी नव्वद लाख वीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,९०.२० लाख (रुपये एक कोटी नव्वद लाख वीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,११.३४ | १,९०.२० | १,९०.२० | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -२१.१४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २१.१४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे६३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,३९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणचाळीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,३९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणचाळीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे — वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे रुपांतरीत नियमित स्थायी/अस्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(१०) अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,३९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणचाळीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,३९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणचाळीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,७५.०० | १,३९.९६ | १,३९.९६ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३५.०४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -३५.०४ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ अे६७५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,२५.२५ लाख (रुपये दोन कोटी पंचवीस लाख पंचवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२,२५.२५ लाख (रुपये दोन कोटी पंचवीस लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपटटीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(१२) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, सोलापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,२५.२५ लाख (रुपये दोन कोटी पंचवीस लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,२५.२५ लाख (रुपये दोन कोटी पंचवीस लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,५५.०० | २,२५.२५ | २,२५.२५ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २९.७५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -२९.७५ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ३१८३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,८४.०१ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याऐंशी लाख एक हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,८४.०१ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याऐंशी लाख एक हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपटटीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(०३) अधीक्षक अभियंता, चंद्रपूर पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, चंद्रपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,८४.०१ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याऐंशी लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,८४.०१ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याऐंशी लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ८,३३.२० | ३,८४.०१ | ३,८४.०१ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ४.४९.१९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -४,४९.१९ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ३२३६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४३,४४.५७ लाख (रुपये त्रेचाळीस कोटी चव्वेचाळीस लाख सत्तावन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४३,४४.५७ लाख (रुपये त्रेचाळीस कोटी चव्वेचाळीस लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(०५) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४३,४४.५७ लाख (रुपये त्रेचाळीस कोटी चव्वेचाळीस लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४३,४४.५७ लाख (रुपये त्रेचाळीस कोटी चव्वेचाळीस लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४८,२७.३१ | ४३,४४.५७ | ४३,४४.५७ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ४,८२.७४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -४,८२.७४ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२४०२ — मृद व जलसंधारण' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २४०२ मृद व जलसंधारण, १०२ मृद संधारण , संगणक संकेतांक २४०२ ०५०४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,६०.०० लाख (रुपये एक कोटी साठ लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,६०.०० लाख (रुपये एक कोटी साठ लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२४०२ — मृद व जलसंधारण<br>१०२ मृद संधारण<br>(०१) खार व खाजण जमिनीचे पुनःप्रापण इतर शीर्षामधून हस्तांतरित केलेला खर्च<br>(०१)(०२) विस्तार व सुधारणा | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६०.०० लाख (रुपये एक कोटी साठ लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे, आणि विभागाने रु. १,६०.०० लाख (रुपये एक कोटी साठ लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.००.०० | १,६०.०० | १,६०.०० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. ४०.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -४०.०० | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २४०२ मृद व जलसंधारण, १०२ मृद संधारण, संगणक संकेतांक २४०२ ०३८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,९७.५६ लाख (रुपये एक कोटी सत्याण्णव लाख छप्पन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,९७.५६ लाख (रुपये एक कोटी सत्याण्णव लाख छप्पन हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२४०२ — मृद व जलसंधारण<br>१०२ मृद संधारण<br>(०१) खार व खाजण जमिनीचे पुन:प्रापण इतर शीर्षामधून हस्तांतरित केलेला खर्च<br>(०१)(०१) परिरक्षण व दुरूस्ती | | | | |
| | मूळ ... २.१९.५१ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,९७.५६ लाख (रुपये एक कोटी सत्याण्णव लाख छप्पन हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,९७.५६ लाख (रुपये एक कोटी सत्याण्णव लाख छप्पन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -२१.९५ | १,९७.५६ | १,९७.५६ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. २१.९५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४६६५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१,६१.६० लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१,६१.६० लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख साठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(११) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. सोलापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६१.६० लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,६१.६० लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,७९.५५ | १,६१.६० | १,६१.६० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १७.९५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१७.९५ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०२ — लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२२२१४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४९.०९ लाख (रुपये एकोणपन्नास लाख नऊ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४९.०९ लाख (रुपये एकोणपन्नास लाख नऊ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(०७) अधीक्षक अभियंता , कोकण- पाटबंधारे मंडळ, रत्नागिरी | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.४९.०९ लाख (रुपये एकोणपन्नास लाख नऊ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.४९.०९ लाख (रुपये एकोणपन्नास लाख नऊ हजार फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चांमध्ये व विभागाच्या खर्चांमध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५९.१७ | ४९.०९ | ४९.०९ | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१०.०८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १०.०८ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४६५६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३५.०८ लाख (रुपये पस्तीस लाख आठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३५.०८ लाख (रुपये पस्तीस लाख आठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(१०) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३५.०८ लाख (रुपये पस्तीस लाख आठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३५.०८ लाख (रुपये पस्तीस लाख आठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ७६.०० | ३५.०८ | ३५.०८ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु.४०.९२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -४०.९२ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे असे चुकीचे दर्शविले आहे. तथापि, सदरहू लेखाशीर्ष २७०२-लहान पाटबंधारे असे असून ०१- भूपृष्ठ जल यावरील संगणक संकेतांक २७०२ ४६७४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१३.८१ लाख (रुपये तेरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १३.८१ लाख (रुपये तेरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | '२७०१ — मोठे व मध्यम पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना पावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(१२) अधीक्षक अभियंता,- सांगली पाटबंधारे मंडळ,सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १३.८१ लाख (रुपये तेरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १३.८१ लाख (रुपये तेरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ७१.०० | १३.८१ | १३.८१ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. ५७.१९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -५७.१९ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ — मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०१ ८२१२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २.४० लाख (रुपये दोन लाख चाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २.४० लाख (रुपये दोन लाख चाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०१ — मोठे व मध्यम पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(१५) अधीक्षक अभियंता,- वाशिम पाटबंधारे मंडळ, वाशिम | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २.४० लाख (रुपये दोन लाख चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २.४० लाख (रुपये दोन लाख चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १५.००<br>पुनर्विनियोजन ... -१२.६० | २.४० | २.४० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १२.६० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४६८३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१.५० लाख (रुपये एक लाख पन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१.५० लाख (रुपये एक लाख पन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(१३) अधीक्षक अभियंता- नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१.५० लाख (रुपये एक लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १.५० लाख (रुपये एक लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १२.००<br>पुनर्विनियोजन ... -१०.५० | १.५० | १.५० | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १०.५० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ — लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ १०२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४.५९ लाख (रुपये चार लाख एकोणसाठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४.५९ लाख (रुपये चार लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(०२) अधीक्षक अभियंता- अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४.५९ लाख (रुपये चार लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४.५९ लाख (रुपये चार लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १८.५४ | ४.५९ | ४.५९ | ------ | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१३.९५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १३.९५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२१०३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९.२८ लाख (रुपये नऊ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९.२८ लाख (रुपये नऊ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(०३) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्र. नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९.२८ लाख (रुपये नऊ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९.२८ लाख (रुपये नऊ लाख अठ्ठावीस हजार फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २६.४३ | ९.२८ | ९.२८ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १७.१५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१७.१५ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०२ — लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४६९२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३५.८२ लाख (रुपये पस्तीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३५.८२ लाख (रुपये पस्तीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना पाठवाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(१४) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. जळगाव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३५.८२ लाख (रुपये पस्तीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३५.८२ लाख (रुपये पस्तीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ९०.०० | ३५.८२ | ३५.८२ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु.५४.१८ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... -५४.१८ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०२ — लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२११४७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५.०२ लाख (रुपये पाच लाख दोन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५.०२ लाख (रुपये पाच लाख दोन हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(१३)(०६) अधीक्षक अभियंता-- चंद्रपूर पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, चंद्रपूर. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५.०२ लाख (रुपये पाच लाख दोन हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५.०२ लाख (रुपये पाच लाख दोन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३३.४५<br>पुनर्विनियोजन ... -२८.४३ | ५.०२ | ५.०२ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. २८.४३ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२१०५८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,१५.९७ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,१५.९७ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१३)(०४) अधीक्षक अभियंता—ठाणे,पाटबंधारे मंडळ, ठाणे. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,१५.९७ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,१५.९७ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३,५१.०८ | ३,१५.९७ | ३,१५.९७ | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -३५.११ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. ३५.११ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३६ | २७०५ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०५ लाभक्षेत्र विकास, संगणक संकेतांक २७०५ ३६६७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,११.६४ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख चौसष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,११.६४ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख चौसष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०५ — लाभक्षेत्र विकास<br>(०९) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, जळगांव.<br>(०९)(०२) प्रशासक आस्थापना | | | | |
| | मूळ ... १,३७.८० | १,११.६४ | १,११.६४ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,११.६४ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख चौसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,११.६४ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख चौसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -२६.१६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधुन रु.२६.१६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३७ | २७११ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७११ पुर नियंत्रण व जल निस्सारण, ०३ जल निस्सारण, संगणक संकेतांक २७११ ०८२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २३.५४ लाख (रुपये तेवीस लाख चौपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २३.५४ लाख (रुपये तेवीस लाख चौपन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७११ — पुर नियंत्रण व जल निस्सारण'<br>०३ जल निस्सारण<br>१०३ नागरी बांधकामे — परिरक्षण व दुरूस्ती<br>(०१) चालू बांधकामे<br>(०१) (०१) अधिक्षक अभियंता व संचालक पाटबंधारे संशोधन व विकास पुणे. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २३.५४ लाख (रुपये तेवीस लाख चौपन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २३.५४ लाख (रुपये तेवीस लाख चौपन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,९६.३८ | २३.५४ | २३.५४ | ------- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -२,७२.८४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. २,७२.८४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | कोणतीही विनिर्दिष्ट कारणे न देता पुनर्वियोजनाद्वारे वरील उपशिर्षाखाली रू. ६ ५९.०१ लाख इतका निधी काढण्यात आला. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानूसार पुनर्वियोजनाद्वारे सदर उपशीर्षाखाली कमी करण्यात आलेला निधी रु. ६,५९.०१ लाख बाबतची कारणे पृ.६४ ते पृ.७८ वर स्वतंत्रपणे नमूद करण्यात आलेली आहेत. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३७ | २७११ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७११-पुर नियंत्रण व जल निस्सारण, ०३ जल निस्सारण, संगणक संकेतांक-२७११ ०४४८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १०,९६.६४ लाख (रुपये दहा कोटी शहाण्णव लाख चौसष्ठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १०,९६.६४ लाख (रुपये दहा कोटी शहाण्णव लाख चौसष्ठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२७११ – पुर नियंत्रण व जल निस्सारण'<br>०३ जल निस्सारण'<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) चालू बांधकामे<br>(०१)(०१) अधिक्षक अभियंता व संचालक पाटबंधारे संशोधन व विकास, पुणे. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १०,९६.६४ लाख (रुपये दहा कोटी शहाण्णव लाख चौसष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १०,९६.६४ लाख (रुपये दहा कोटी शहाण्णव लाख चौसष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ११,०८.६६ | १०,९६.६४ | १०,९६.६४ | ------ | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१२.०२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १२.०२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३७ | २८०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २८०१- वीज, ०१ जल विद्युत निर्मिती , संगणक सांकेतांक -२८०१ १४६८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,१०.८६ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,१०.८६ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२८०१ — वीज<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>८०० इतर खर्च<br>(०१) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(०२) कोयना जलविद्युत प्रकल्प टप्पा तीन<br>अधिक्षक अभियंता- कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा. | | | | महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,१०.८६ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,१०.८६ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३,४५.९६<br>पुनर्विनियोजन ... -३५.१० | ३,१०.८६ | ३,१०.८६ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३५.१० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक २८०१ १२८१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.४.४२.६३ लाख (रुपये चार कोटी बेचाळीस लाख त्रेसष्ठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४.४२.६३ लाख (रुपये चार कोटी बेचाळीस लाख त्रेसष्ठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | '२८०१ — वीज<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) कोयना जलविद्युत प्रकल्प टप्पा एक व दोन<br>अधिक्षक अभियंता- कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा.<br>(०१)(०१) अधिक्षक अभियंता- कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा. | | | | |
| | मूळ ... ६,०१.०७ | ४,४२.६३ | ४,४२.६३ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४.४२.६३ लाख (रुपये चार कोटी बेचाळीस लाख त्रेसष्ठ हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४.४२.६३ लाख (रुपये चार कोटी बेचाळीस लाख त्रेसष्ठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१,५८.४४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १,५८.४४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२८०१ —वीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक २८०१ २४०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,१५.६२ लाख (रुपये दोन कोटी पंधरा लाख बासष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,१५.६२ लाख (रुपये दोन कोटी पंधरा लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२८०१ — वीज<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) भिरा अवजल जलविद्युत प्रकल्प,.<br>(०४)(०१) अधिक्षक अभियंता- ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे. | | | | |
| | मूळ ... २,६८.३४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,१५.६२ लाख (रुपये दोन कोटी पंधरा लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,१५.६२ लाख (रुपये दोन कोटी पंधरा लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -५२.७२ | २,१५.६२ | २,१५.६२ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ५२.७२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशिर्षाखाली प्रत्यर्पण / पुनर्विनियोजन याद्वारे रु.२,५८.२८ लाख इतका काढण्यात आलेला निधी, अपेक्षित बचतीमुळे नमूद करण्यात आले. | | | | |

मु.ले.शी.:- '२८०१ - वीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २८०१ ०१८५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,९१.१३ लाख (रुपये एक कोटी एक्याण्णव लाख तेरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,९१.१३ लाख (रुपये एक कोटी एक्याण्णव लाख तेरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ वीज<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ संशोधन व विकास<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>(०१) "४८०१ वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च"<br>या शीर्षाखाली प्रथम योजनांतर्गत म्हणून नोंदलेला खर्च आणि योजनेत्तर म्हणून हस्तांतरित केलेलाआस्थापना खर्च.<br>(०१)(०४) अधीक्षक अभियंता,मध्यवर्ती संकल्पचित्र संघटना (वीजगृह) नाशिक. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,९१.१३ लाख (रुपये एक कोटी एक्याण्णव लाख तेरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,९१.१३ लाख (रुपये एक कोटी एक्याण्णव लाख तेरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,८९.१२<br>पुनर्विनियोजन. -९७.९९ | १,९१.१३ | १,९१.१३ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ९७.९९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२८०१ - बीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ बीज, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक २८०१ ५०३३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३९.१६ लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख सोळा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३९.१६ लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख सोळा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ बीज<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८०० इतर खर्च<br>(०१) कोयना बांधकाम मंडळ सातारा<br>(०१)(१८) अधीक्षक अभियंता , कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.३९.१६ लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख सोळा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३९.१६ लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख सोळा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,३५.०० | ३९.१६ | ३९.१६ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १,९५.८४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन. -१,९५.८४ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ — बीज, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक २८०१ २२३२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,३०.३६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख छत्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,३०.३६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख छत्तीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ बीज<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(०७) अधीक्षक अभियंता , प्रसासक ला.क्षे.वि.प्रा. नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१,३०.३६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख छत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,३०.३६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख छत्तीस हजार फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,६१.९९ | १,३०.३६ | १,३०.३६ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३१.६३ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन. -३१.६३ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२८०१ - बीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ - बीज, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक २८०१ १३५२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,६९.५६ लाख (रुपये तीन कोटी एकोणसत्तर लाख छप्पन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,६९.५६ लाख (रुपये तीन कोटी एकोणसत्तर लाख छप्पन हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ बीज<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा<br>(०१)(०१) अधीक्षक अभियंता , कोयना बांधकाम सातारा | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.३,६९.५६ लाख (रुपये तीन कोटी एकोणसत्तर लाख छप्पन हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,६९.५६ लाख (रुपये तीन कोटी एकोणसत्तर लाख छप्पन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४,१०.६२ | ३,६९.५६ | ३,६९.५६ | --- | |
| | पुनर्विनियोजन. - ४१.०६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ४१.०६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२८०१ - बीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी २८०१ - बीज, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २८०१ २५११ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३८.८३ लाख (रुपये अडतीस लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३८.८३ लाख (रुपये अडतीस लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०२ बीज<br>८० सर्वसाधारण<br>०४ संशोधन व विकास<br>(०२) कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा<br>(०५)(०५) कोयना संकल्पचित्र मंडळ पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३८.८३ लाख (रुपये अडतीस लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३८.८३ लाख (रुपये अडतीस लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,५०.०० | ३८.८३ | ३८.८३ | ... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १,११.१७ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन. - १,११.१७ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी २७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण , संगणक संकेतांक २७०१ ओ७११ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १७,७७.५० लाख (रुपये सतरा कोटी सत्याहत्तर लाख पन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७,७७.५० लाख (रुपये सतरा कोटी सत्याहत्तर लाख पन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणी पट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना दयावयाच्या वसूलीच्या रक्कमा<br>(०२)(०७) अधिक्षक अभियंता- पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १७,७७.५० लाख (रुपये सतरा कोटी सत्याहत्तर लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १७,७७.५० लाख (रुपये सतरा कोटी सत्याहत्तर लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १९,७५.०० | | | | |
| | पुनर्विनियोजन.... -१,९७.५० | १७,७७.५० | १७,७७.५० | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमुद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १,९७.५० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशिर्षाखाली प्रत्यार्पणाव्दारे रु.६,७५.१९ लाख एवढा निधी, अपेक्षित बचतीमुळे काढण्यात आल्याचे नमुद करण्यात आले. | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण , संगणक संकेतांक २७०१ बी५६५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६५,६५.४८ लाख (रुपये पासष्ट कोटी पासष्ट लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६५,६६.३७ लाख (रुपये पासष्ट कोटी सहासष्ट लाख सदतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.८९ लाख (रुपये एकोणनव्वद हजार फक्त ) इतके अधिक्य दिसून येते. सदर अधिक्य हे ४१- ह नुसार मागणी करताना अनावधानाने कमी निधीची मागणी केल्याने सदर खर्च अधिक दिसून येतो. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१६) तेराव्या वित्त आयोगाच्या अनुदानांतर्गत परिररक्षण व दुरुस्तीची कामे<br>(१६) (०१) मोठे व मध्यम पाटबंधारे प्रकल्प | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६५,६६.३७ लाख (रुपये पासष्ट कोटी सहासष्ट लाख सदतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६५,६६.३७ लाख (रुपये पासष्ट कोटी सहासष्ट लाख सदतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ - ८४,००,००<br>पुरक ८७,७८.००<br>पुनर्विनियोजन.... - १,०६,१२.५२ | ६५,६५.४८ | ६५,६६.३७ | +०.८९ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १०६.१२.५२ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली रु. १,०६,१२.५२ लाखाचा निधी हा निविदा प्रक्रीया अपुरी राहील्यामुळे व केंद्र सरकारकडून अनुदान न मिळाल्यामुळे काढण्यात आल्याचे नमूद करण्यात आले. रु.०.८९ लाखाचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, हा निधी अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले. | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल संगणक, सांकेतांक २७०२ ८४६४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.५,९८.०६ (रुपये पाच कोटी अठ्ठ्याण्णव लाख सहा हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,९८.२१ लाख (रुपये पाच कोटी अठ्ठ्याण्णव लाख एकवीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.१५ लाख (रुपये पंधरा हजार फक्त) इतकी अधिक्य दिसून येत आहे. केंद्र सरकारकडून अनुदान न मिळाल्यामुळे आणि संरचनात्मक संकल्पचित्र व निविदा इत्यादीच्या प्रक्रीयेत विलंब झाल्यामुळे सदर अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे'<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१९) तेराव्या वित्त आयोगाच्या अनुदानांतर्गत परिररक्षण व दुरुस्तीची कामे<br>(०१९)(०१) लहान पाटबंधारे प्रकल्प | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५,९८.२१ लाख (रुपये पाच कोटी अठ्ठ्याण्णव लाख एकवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५,९८.२१ लाख (रुपये पाच कोटी अठ्ठ्याण्णव लाख एकवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ८,००.०० | ५,९८.०६ | ५,९८.२१ | +०.१५ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १२.४७.९६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पूरक ... १०,४६.०२ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... - १२,४७.९६ | | | | |
| | वित्तीय वर्षात प्रत्यार्पण/ पुनर्विनियोजन यांव्दारे वरील उपशिर्षाखाली रु. १२,४७.९६ लाख एवढा निधी, वर्ष २०१३-१४ मध्ये केंद्र सरकारकडून अनुदान न मिळाल्यामुळे आणि संरचनात्मक संकल्पचित्र व निविदा इत्यादीच्या प्रक्रीयेत विलंब झाल्यामुळे काढण्यात आलेला निधी रु. ०.१५ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले. | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २३९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसासधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी५४७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) निरंक असून विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२०.३७ लाख (रुपये वीस लाख सदतीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे, रु. २०.३७ लाख अधिक्य दिसुन येते सदर खर्च काल्पनिक असून तो प्रत्यक्षात न करता पुस्तकी समायोजनाने टीईद्वारे करण्यात आला त्यांची नोंद अर्थसंकल्प वितरणप्रणालीवर होत नसल्याने अंतिम सुधारित अनुदान दर्शविले गेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२)(१५) अधीक्षक अभियंता, वाशिम पाटबंधारे मंडळ, वाशिम | | | | |
| | मूळ ... २५.०० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २०.३७ लाख (रुपये वीस लाख सदतीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २०.३७ लाख (रुपये वीस लाख सदतीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... - २५.०० | ----- | २०.३७ | +२०.३७ | |
| | मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे खरील उपशिर्षाखाली रु.२५.०० लाख एवढा कावण्यात आलेला समग्र निधी रु.२०.३७ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता वास्तव असल्याचे सिध्द झाले.<br>अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत.(ऑगस्ट २०१४) | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २५.०० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २४० | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००२ आधारसामुग्री संकलन<br>(०१) आस्थापना<br>(०१)(०३) मुख्य अभियंता,जलविज्ञान प्रकल्प, नाशिक | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ८८७३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,२१.६६ लाख (रुपये एक कोटी एकवीस लाख सहासष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,२१.८४ लाख (रुपये एक कोटी एकवीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.१८ लाख ( रुपये अठरा हजार फक्त ) इतकी अधिक्य दिसून येते. सदर अधिक्य हे शासकिय वाहन विमा रक्कमेचे पुस्तकी समायोजन झाल्याने दिसून येते. |
| | मूळ ... १,५२.८४ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... - ३१.१८ | १,२१.६६ | १.२१,८४ | + ०.१८ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,२१.८४ लाख (रुपये एक कोटी एकवीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,२१.८४ लाख (रुपये एक कोटी एकवीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधुन रु. ३१.१८ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ बी ०३७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २५.६५ लाख (रुपये पंचवीस लाख पासष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ६४.३५ लाख इतके अधिक्य दिसून येते. सदर अधिक्य हे पालखेड पाटबंधारे विभाग, नाशिक वगळता इतर सर्व विभागीय कार्यालयाने फक्त खाते बदल नोंद द्वारे खर्च केल्यामुळे अधिक्य झाल्याचे अधिक्य दिसून येते. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनेद्वारे रुपांतरित नियमित अस्थायी/स्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरित होणारा खर्च<br>(०२)(११) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक | | | | |
| | मूळ ... १,००.०० | २५.६५ | ९०.०० | + ६४.३५ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९०.०० लाख (रुपये नव्वद लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -७४.३५ | | | | महालेखापालांनी अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. ७४.३५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २४० | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या व सुलीच्या रकमा<br>(०२)(०१) अधीक्षक अभियंता , अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला. | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ३०८५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५५.६७ लाख (रुपये पंच्चावन लाख सदुसष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६२.७२ लाख (रुपये बासष्ट लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ७.०५ लाख इतके अधिक्य दिसून येते. सदर अधिक्य हे पाणिपट्टी वसूलीच्या प्रत्यक्षात निश्चित केलेल्या उद्दिष्टापेक्षा पाणीपट्टीची वसूली जास्त झाल्यामुळे अधिक्य झाल्याचे अधिक्य दिसून येते. सदर तरतूद प्रामुख्याने जिल्हा परिषदांना दयावयाच्या उपकराच्या प्रदानासाठी करण्यात येते. पाणीपट्टीच्या वसूलीच्या प्रमाणात सदर उपकर जिल्हा परिषदांना देय असतो. यासाठी करण्यात येणारी तरतूद ही अपेक्षित पाणीपट्टीच्या वसूलीच्या प्रमाणात केली जाते. प्रत्यक्षात वसूली ही अपेक्षित वसूली प्रमाणात जास्त झाल्याने त्याची परिणीती त्यावर देय ठरणाऱ्या उपकरासाठी केलेल्या अंदाजित तरतूदीपेक्षा जास्त झाल्यामुळे सदर अधिक्य दिसून येत आहे.<br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६२.७२ लाख (रुपये बासष्ट लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६२.७२ लाख (रुपये बासष्ट लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु.२,१२.१० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव वित्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मूळ ... २,६७.७७ | ५५.६७ | ६२.७२ | +७.०५ | |
| | पुनर्विनियोजन ... —२,१२.१० | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ अे७२९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.६.६२.५५ लाख (रुपये सहा कोटी बासष्ट लाख पंच्चावन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६.६२.५६ लाख (रुपये सहा कोटी बासष्ट लाख छप्पन हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रू.०.०१ लाख (रूपये एक हजार ) इतके अधिक्य दिसून येते. सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी खर्च पुर्णांकांत केला असल्यामुळे सदरचे अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(०८) अधीक्षक अभियंता, सांगली पाटबंधारे मंडळ, सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६.६२.५६ लाख (रुपये सहा कोटी बासष्ट लाख छप्पन हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६.६२.५६ लाख (रुपये सहा कोटी बासष्ट लाख छप्पन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ८,९०.०० | ६.६२.५५ | ६.६२.५६ | +०.०१ | |
| | पुनर्विनियोजन ... -२.२७.४५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. २,२७.४५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २४० | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(१०) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. बीड | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ओ७४७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.५३.८७ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५३.८८ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख अठ्ठ्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार ) इतके अधिक्य दिसून येते. सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी खर्च पुर्णांकात केला असल्यामुळे सदरचे अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | मूळ ... २,५०,०० | ५३.८७ | ५३.८८ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५३.८८ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख अठ्ठ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५३.८८ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख अठ्ठ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... — १,९६.१३ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १,९६.१३ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ बी०५५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.३,४७.०५ लाख (रुपये तीन कोटी सत्तेचाळीस लाख पाच हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,२९.६२ लाख (रुपये चार कोटी एकोणतीस लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ८२.५७ लाख (रुपये ब्याऐंशी लाख सत्तावन्न हजार फक्त ) इतके अधिक्य दिसून येते. सदर अधिक्य हे सर्व विभागीय कार्यालयाने बीडीएसवर खर्च केलेला नाही फक्त खाते बदल नोंद द्वारे खर्च केल्यामुळे अधिक्य दिसुन येते. |
| | | | | | (रुपये लाखात) |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(१४) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,२९.६२ लाख (रुपये चार कोटी एकोणतीस लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४,२९.६२ लाख (रुपये चार कोटी एकोणतीस लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १६,२२.९५ | ३,४७.०५ | ४,२९.६२ | +८२.५७ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १२,७५.९० लाख कमी करण्यात आलेला निधी अन्यत्र आवश्यकता असल्याने पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन ... —१२.७५.९० | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ १६८१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १३,७४.१६ लाख (रुपये तेरा कोटी चौऱ्याहत्तर लाख सोळा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १३,८२.३९ लाख (रुपये तेरा कोटी ब्याऐंशी लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ८.२३ लाख (रुपये आठ लाख तेवीस हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे सदर अधिक्य काही कर्मचारी / अधिकारी यांना आश्वासीत योजनेच्या लाभांतर असलेली थकबाकीची रक्कम अदा केल्यामुळे तसेच ६ व्या वेतन आयोगाचा ५ वा हप्ता अदा केल्याने खर्च अधिक दिसुन येत आहे. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(०३) अधीक्षक अभियंता, चंद्रपूर पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ, चंद्रपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु १३,८२.३९ लाख (रुपये तेरा कोटी ब्याऐंशी लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १३,८२.३९ लाख (रुपये तेरा कोटी ब्याऐंशी लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २२,५१.९१<br>पुनर्विनियोजन ... —८,७७.७५ | १३,७४.१६ | १३,८२.३९ | +८.२३ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ८,७७.७५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभाग व स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | |
| २४१ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>०२ आधारसामुग्री संकलन (डेटा कलेक्शन)<br>(०१) आस्थापना<br>(०१)(०४) अधीक्षक अभियंता,आधारसामुग्री पृथ्थकरण मंडळ, नाशिक | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ९२५२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,४३.६६ लाख (रुपये तीन कोटी त्रेचाळीस लाख सहासष्ठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,४३.९३ लाख (रुपये तीन कोटी त्रेचाळीस लाख त्र्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्या मुळे रु.०.२७ लाख (रुपये तेवीस हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे सदर अधिक्य शासकीय वाहने विमा रक्कमेचे पुस्तकी समायोजन केल्यामुळे अधिक्य दिसुन येते. |
| | मूळ ... ४,४०.९५ | ३,४३.६६ | ३,४३.९३ | +०.२७ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,४३.१३ लाख (रुपये तीन कोटी त्रेचाळीस लाख त्र्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,४३.९३ लाख (रुपये तीन कोटी त्रेचाळीस लाख त्र्याण्णव हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -९७.२९ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ९७.२९ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प निगमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ १२७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,६६.७१ लाख (रुपये एक कोटी सहासष्ट लाख एकाहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,६६.७२ लाख (रुपये एक कोटी सहासष्ट लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त, झाले आहे. सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी खर्च पुर्णांकित केला असल्यामुळे सदरचे अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३) सामाइक आस्थापना –कार्यान्वयन<br>(०३)(०१) अधीक्षक अभियंता, अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६६.७२ लाख (रुपये एक कोटी सहासष्ट लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,६६.७२ लाख (रुपये एक कोटी सहासष्ट लाख बहात्तर हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,९४.४५<br>पुनर्विनियोजन ... - २७.७४ | १,६६.७१ | १,६६.७२ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २७.७४ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०५ लाभक्षेत्र विकास, २७०५ ३६४९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१,१६.३७ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख सदतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१६.८६ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.४९ लाख (रुपये एकोणपन्नास हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर उपशिर्षाखाली आस्थापना खर्चाअंतर्गत दुरध्वनी, वीज, पाणी संदर्भातील असल्यामुळे सदरचे अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | '२७०५ — लाभ क्षेत्र विकास<br>(०८) अधीक्षक अभियंता प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. बीड;<br>(०८)(०४) प्रशासक आस्थापना | | | | |
| | मूळ ... १,३८.५२<br>पुनर्विनियोजन ... — २२.१५ | १,१६. ३७ | १,१६.८६ | +०.४९ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु १,१६.८६ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,१६.८६ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. २२.१५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०५ लाभक्षेत्र विकास , संगणक सांकेतांक २७०५ ३६५८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,५८,३४ लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख चौतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,५८,७५ लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.४१ लाख (रुपये एकेचाळीस हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर अधिक्य प्रामुख्याने आस्थापना अंतर्गत सेवानिवृत्ती कालीक भत्त्याबाबत असल्यामुळे दिसून येत आहे. |
| | | | | | |
| | '२७०५ — लाभ क्षेत्र विकास<br>(०८) अधीक्षक अभियंता प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. बीड<br>(०८)(०४) प्रशासक आस्थापना | | | | |
| | मूळ ... २,५७,५० | १,५८,३४ | १,५८,७५ | +० ४१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,५८,७५ लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,५८,७५ लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -९९.१६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ९९.१६ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतदेडे वर्ग करण्यात आला. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २४२ | '२७०५ — लाभ क्षेत्र विकास<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>४२७ ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे<br>(०२) कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा.<br>(०२)(०९) प्रशासकांची आस्थापना (योजनेत्तर) | | | | मु.ले.शी. २७०५ लाभक्षेत्र विकास, ००१ संचालन व प्रशासन, संगणक संकेतांक २७०५ ३५१६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,२१.५३ लाख (रुपये दोन कोटी एकवीस लाख त्रेपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,२१.६० लाख (रुपये दोन कोटी एकवीस लाख साठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०७ लाख (रुपये सात हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर अधिक्य प्रामुख्याने आस्थापना अंतर्गत अतिकालीक भत्त्याबाबत असल्यामुळे दिसून येत आहे. |
| | मूळ ... २,३१.९० | २,२१.५३ | २,२१.६० | +०.०७ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,२१.६० लाख (रुपये दोन कोटी एकवीस लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,२१.६० लाख (रुपये दोन कोटी एकवीस लाख साठ हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... -१०.३७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. १०.३७ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२८०१ - बीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ बीज, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २८०१ १८१५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २८.३५ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख पस्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २८.३६ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख छत्तीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी खर्च पुर्णांकात केला असल्यामुळे सदरचे अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ बीज<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ संशोधन व विकास<br>(०५) मोठी बांधकामे<br>(०५)(०१) अधीक्षक अभियंता, बांधकाम मंडळ, कोल्हापूर | | | | |
| | मूळ ... ८०.०० | २८.३५ | २८.३६ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २८.३६ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख छत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २८.३६ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख छत्तीस हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुरक .... -५१.६५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ५१.६५ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |

मु.ले.शी.:- '२८०१ - वीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २८०१ ०४४३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३०.१० लाख (रुपये तीस लाख दहा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३०.११ लाख (रुपये तीस लाख अकरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी खर्च पुर्णांकांत केला असल्यामुळे सदरचे अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ वीज<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ संचालन व प्रशासन<br>(०१) तंत्र नियत्रण व पर्यवेक्षण<br>(०१)(०१) सचिव, पाटबंधारे विभाग (खुद्द) | | | | |
| | मूळ ... ७१.५० | ३०.१० | ३०.११ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३०.११ लाख (रुपये तीस लाख अकरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३०.११ लाख (रुपये तीस लाख अकरा हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन.. -४१.४० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ४१.४० लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | रु.१,६३.६७ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता, वरील उपशीर्षाखाली प्रत्यार्पणाव्दारे काढण्यात आलेला रु. ३२,४४.६२ लाख एवढा निधी अधिक असल्याचे सिध्द झाले. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने यांनी तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानूसार प्रत्यार्पणाद्वारे अपेक्षित बचतीमुळे कमी करण्यात आलेला निधी रु. ३२,४४.६२ लाख बाबतची कारणे पृ.९२ ते पृ.१०५ वर स्वतंत्रपणे नमूद करण्यात आलेली आहेत. |

मु.ले.शी.:- '२८०१ - बीज' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ बीज, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक. २८०१ २४१९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,०९.३७ लाख (रुपये एक कोटी नऊ लाख सदतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,०९.३७ लाख (रुपये एक कोटी नऊ लाख सदुतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २८०१ बीज<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०७) वैतरणा अवजल विद्युत प्रकल्प<br>(०७)(०१) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु १,०९.४२ लाख (रुपये एक कोटी नऊ लाख बेचाळीस हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,०९.३७ लाख (रुपये एक कोटी नऊ लाख सदुतीस हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे रु. ०.०५ लाख (रुपये पाच हजार फक्त ) इतकी तफावत दिसून येत आहे. |
| | मूळ ... १,४३.८४ | १.०९.३७ | १.०९.४२ | +०.०५ | सदर तफावतीच्या अनुषंगाने रु. ०.०५ लाख इतक्या रकमेचा चुकीचा दुरुस्ती नोंद प्रस्ताव शासन पत्र क्र. विनियो २८०१/२०१३-१४/( १०/१५) / लेखा,दि ०६ .०२.२०१७ अन्वये महालेखापाल कार्यालय नागपूर यांना सादर करण्यात आलेला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन.. -३४.४७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षामधून रु. ३४.४७ लाख एवढा कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली प्रस्तावणाव्दारे रु.३४.४७ लक्ष इतका निधी वाहन अर्थसंकल्प उपलब्ध न झाल्यामुळे काढण्यात आल्याचे नमूद केले. हा अर्थसंकल्प तांत्रिक समस्यांच्या कारणाने वापरता येऊ शकला नाही. रु.०.०५ लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, अपेक्षित बचती अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले आहे.<br>रु.०.०५ लाख इतका अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षेत आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ००१ संचालन व प्रशासन , संगणक संकेतांक २७०१ अे२२८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५,८०.७९ लाख (रुपये पाच कोटी ऐंशी लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,८०.७६ लाख (रुपये पाच कोटी ऐंशी लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०३ लाख (रुपये तीन हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तूलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>८८९ जायकवाडी प्रकल्प दोन<br>(०१)(४३) अधीक्षक अभियंता ला.क्षे.वि.प्रा. औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५,८०.७६ लाख (रुपये पाच कोटी ऐंशी लाख शहात्तर हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५,८०.७६ लाख (रुपये पाच कोटी ऐंशी लाख शहात्तर हजार फक्त ) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३,९५.६७<br>पुरक १,२३.५६<br>पुनर्विनियोजन ... ६१.५६ | ५,८०.७९ | ५,८०.७६ | - ०.०३ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ६१.५६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ अे४१५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १३.७९ लाख (रुपये तेरा लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १३.७६ लाख (रुपये तेरा लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०३ लाख (रुपये तीन हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तूलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(०८) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा., औरंगाबाद | | | | |
| | मूळ ... २.८२ | १३.७९ | १३.७६ | - ०.०३ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १३.७६ लाख (रुपये तेरा लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १३.७६ लाख (रुपये तेरा लाख शहात्तर हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... १०.९७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १०.९७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ९९४२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४६,१९.९८ लाख (रुपये सेहेचाळीस कोटी एकोणीस लाख अठ्ठ्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४६,००.२१ लाख (रुपये सेहेचाळीस कोटी एकवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. १९.७७ लाख (रुपये एकोणीस लाख सत्याहत्तर हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत ही अधिकारी / कर्मचारी यांच्या सेवानिवृत्त व बदलीमुळे दिसुन येत आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(०८) अधीक्षक अभियंता, सांगली पाटबंधारे मंडळ सांगली | | | | |
| | मूळ ... ४३,९९.३० | ४६,१९.९८ | ४६.००.२१ | -१९.७७ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४६,००.२१ लाख (रुपये सेहेचाळीस कोटी एकवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४६,००.२१ लाख (रुपये सेहेचाळीस कोटी एकवीस हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... २,२०.६८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,२०.६८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ — लहान पाटबंधारे अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२०९०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,३३.४४ लाख (रुपये तीन कोटी तेहतीस लाख चव्वेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,३३.४३ लाख (रुपये तीन कोटी तेहतीस लाख त्रेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परीरक्षण व दुरुस्ती(२५० हेक्टर वरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(०३) अधीक्षक अभियंता, अकोला पाटबंधारे मंडळ अकोला | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,३३.४३ लाख (रुपये तीन कोटी तेहतीस लाख त्रेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,३३.४३ लाख (रुपये तीन कोटी तेहतीस लाख त्रेचाळीस हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,१३.७७<br>पुनर्विनियोजन ... २,१९.६७ | ३,३३.४४ | ३,३३.४३ | - ०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,१९.६७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | आधिक्य खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४२६२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४७.८४ लाख (रुपये सत्तेचाळीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४७.१५ लाख (रुपये सत्तेचाळीस लाख पंधरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.६९ लाख (रुपये एकोणसत्तर हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. ही बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत अल्प आहे. |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७)(०५) प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा., नागपूर. | | | | |
| | मूळ ... ८.३७ | ४७.८४ | ४७.१५ | - ०.६९ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४७.१५ लाख (रुपये सत्तेचाळीस लाख पंधरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४७.१५ लाख (रुपये सत्तेचाळीस लाख पंधरा हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ३९.४७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ३९.४७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ३६२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,७३.२५ लाख (रुपये दोन कोटी त्र्याहत्तर लाख पंचवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२,७३.२५ लाख (रुपये दोन कोटी त्र्याहत्तर लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१०) इतर आकार<br>(१०)(०१) आस्थापना हिस्सा | | | | |
| | मूळ ... ५२.१७ | २,७३.२५ | २,७३.१२ | - ०.१३ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,७३.१२ लाख (रुपये दोन कोटी त्र्याहत्तर लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,७३.२५ लाख (रुपये दोन कोटी त्र्याहत्तर लाख पंचवीस हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये विभागाच्या खर्चामध्ये रु. ०.१३ लाख (रुपये तेरा हजार फक्त ) इतकी तफावत दिसून येते. सदर तफावत ही महालेखापाल व विभागाच्या इटीपी परिगणणेच्या भिन्न पध्दतीमुळे दिसून येतो. |
| | पुनर्विनियोजन ... २,२१.०८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,२१.०८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४४७८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,६१.५३ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख त्रेपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च १,६१.५२ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख बावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परीरक्षण व दुरुस्ती(२५० हेक्टर वरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(०९) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.,सोलापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६१.५२ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख बावन्न हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,६१.५२ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख बावन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,१६.८९<br>पुनर्विनियोजन ... ४४.६४ | १,६१.५३ | १,६१.५२ | - ०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ४४.६४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंमित सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४४९६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) २७०२ ४४९६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९२.०६ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख सहा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९२.०५ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख पाच हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परीरक्षण व दुरुस्ती(२५० हेक्टर वरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(११) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.,औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९२.०५ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख पाच हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९२.०५ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख पाच हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४९.८८<br>पुनर्विनियोजन ... ४२.१८ | ९२.०६ | ९२.०५ | - ०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ४२.१८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२१९०६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १६.७६ लाख (रुपये सोळा लाख शहात्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १६.७६ लाख (रुपये सोळा लाख शहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०९) इतर खर्च<br>(०९)(०३) सचिवालयीन खर्च | | | | |
| | मूळ ... ५.२४ | १६.७६ | १६.७५ | - ०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु १६.७५ लाख (रुपये सोळा लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १६.७६ लाख (रुपये सोळा लाख शहात्तर हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु ०.०१ लाख (एक हजार फक्त ) तफावत दिसुन येते ती प्रामुख्याने विभागाच्या व महालेखापालाच्या ईटीपी परिगणनेच्या भिन्न पध्दतीमुळे दिसुन येते. |
| | पुनर्विनियोजन ... ११.५२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ११.५२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ — लहान पाटबंधारे अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२१९१५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,८४.३१ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख एकतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,८४.३१ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख एकतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०९) इतर खर्च<br>(०९)(०४) हत्यारे व संयंत्रे हिस्सा | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,८४.३० लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख तीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु १,८४.३१ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख एकतीस हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये रु ०.०१ लाख (एक हजार फक्त ) तफावत दिसून येते ती प्रामुख्याने विभागाच्या व महालेखापालाच्या ईटीपी परिगणनेच्या भिन्न पध्दतीमुळे दिसून येते. |
| | मूळ ... ५७.६३<br>पुनर्विनियोजन ... १.२६.६८ | १,८४.३१ | १,८४.३० | - ०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,२६.६८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ — लहान पाटबंधारे अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ३६६९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८३.४९ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.८३.४९ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०२ — लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१०) इतर खर्च<br>(१०)(०४) हत्यारे व संयत्रे हिस्सा | | | | |
| | मूळ ... १५.९४ | ८३.४९ | ८३.४५ | - ०.०४ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८३.४५ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ८३.४९ लाख (रुपये त्र्याऐंशी लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु. ०.०४ लाख (रुपये चार हजार फक्त ) इतकी तफावत दिसून येते. सदर तफावत ही महालेखापाल व विभागाच्या इटीपी परिगणणेच्या भिन्न पध्दतीमुळे दिसून येते. |
| | पुनर्विनियोजन ... ६७.५५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ६७.५५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २४०२ मृद व जलसंधारण, ००१ संचालन व प्रशासन, संगणक संकेतांक २४०२ ०३६२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १८,३९.५९ लाख (रुपये अठरा कोटी एकोणचाळीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १८,२८.८२ लाख (रुपये अठरा कोटी अठ्ठावीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.१०.७७ लाख (रुपये दहा लाख सत्याहत्तर हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे. सदर बचत वेतन आणि आस्थापना बाबीवरील बचत दिसून येते. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२४०२ – मृद व जलसंधारण<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) आस्थापना<br>(०२)(०१) अधीक्षक अभियंता, खारभुमी विकास मंडळ ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १८,२८.८२ लाख (रुपये अठरा कोटी अठ्ठावीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १८,२८.८२ लाख (रुपये अठरा कोटी अठ्ठावीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेला खर्च व प्रत्यक्ष खर्च यात तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १४,२४.५० | १८,३९.५९ | १८,२८.८२ | - १०.७७ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ४,१५.०९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन.... ४,१५.०९ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २८०१ ०१७६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,११.२३ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख तेवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च १,११.१८ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख अठरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०५ लाख (रुपये पाच हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तूलनेत नगण्य आहे. |
| | '२८०१ - वीज<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ संशोधन व विकास<br>(०१) ४८०१ — वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च या प्रथम योजनांतर्गत म्हणून नोंदवलेला खर्च आस्थापना योजनेतर क्षेत्र म्हणून हस्तांतरीत केला.<br>(०१)(०३) अधीक्षक अभियंता, जलविद्युत प्रकल्प मंडळ, कळवा ठाणे. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,११.१८ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख अठरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,११.१८ लाख (रुपये एक कोटी अकरा लाख अठरा हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,००.०० | १,११.२३ | १,११.१८ | -०.०५ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ११.२३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन ११.२३ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ४५७६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४९.०० लाख (रुपये एकोणपन्नास लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४८.९९ लाख (रुपये अठ्ठेचाळीस लाख नव्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७)(११) अधीक्षक अभियंता, ला.क्षे.वि.प्र.औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४८.९९ लाख (रुपये अठ्ठेचाळीस लाख नव्याण्णव हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४८.९९ लाख (रुपये अठ्ठेचाळीस लाख नव्याण्णव हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४२.११<br>पुनर्विनियोजन ... ६.८९ | ४९.०० | ४८.९९ | - ०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ६.८९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे |
| | रु. ३१.५७ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता, कोणतीही विनिर्दिष्ट कारणे न देता वरील उपशीर्षाखाली पुनर्विनियाजनाव्दारे रु.१४,९९.२१ लाख एवढया निधीची वाढ अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले आहे.<br>त्याबाबतची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | महालेखापाल यांनी तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानूसार पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. १४,९९.२१ लाख आवश्यकतेनुसार वाढ करण्यात आली असून ती खर्ची करण्यात आलेली असून उर्वरित बचतीबाबतची तसेच पुनर्विनियोजनाबाबतची कारणे पृ.१०७ ते पृ.१२० वर स्वतंत्रपणे नमूद करण्यात आलेली आहेत. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी३०४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २८.३३ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख तेहतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २८.३३ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख तेहतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१३)(०६) अधीक्षक अभियंता,नांदेड पाटबंधारे मंडळ, नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २८.३३ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख तेहतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २८.३३ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख तेहतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१ | २८.३३ | २८.३३ | --- | |
| | पुनर्विनियोजन ... २८.३२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २८.३२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे, संगणक संकेतांक २७०१ ००९५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.३,९४.९४ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याण्णव लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,९४.९४ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याण्णव लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे<br>(०१) मोठे प्रकल्प<br>(०१)(०४) इटियाडोह प्रकल्प<br>प्रशासक ला. क्षे.वि.प्रा.नागपूर. | | | | |
| | मूळ ... १,१३.०३ | ३,९४.९४ | ३,९४.९४ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,९४.९४ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याण्णव लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,९४.९४ लाख (रुपये तीन कोटी चौऱ्याण्णव लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पूरक... १,३८.८२ | ३,९४.९४ | ३,९४.९४ | | |
| | पुनर्विनियोजन ... १,४३.०९ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,४३.०९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आला असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४५ | २७०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे, संगणक संकेतांक २७०१ ०१०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२,९५.४६ लाख (रुपये दोन कोटी पंच्याण्णव लाख सेहचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,९५.४६ लाख (रुपये दोन कोटी पंच्याण्णव लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे<br>(०१) मोठे प्रकल्प<br>(०१)(०५) बाघ प्रकल्प<br>प्रशासक ला. क्षे.वि.पा.नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,९५.४६ लाख (रुपये दोन कोटी पंच्याण्णव लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,९५.४६ लाख (रुपये दोन कोटी पंच्याण्णव लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६३,२९ | २,९५.४६ | २,९५.४६ | ..... | |
| | पूरक... १,१६.७५ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... १,१५.४२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,१५.४२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे, संगणक संकेतांक २७०१ ०१९३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २७,५४.५० लाख (रुपये सत्तावीस कोटी चौपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २७,५४.५० लाख (रुपये सत्तावीस कोटी चौपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे<br>(०१) मोठे प्रकल्प<br>(०१) (१२) काळ प्रकल्प<br>अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २७,५४.५० लाख (रुपये सत्तावीस कोटी चौपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २७,५४.५० लाख (रुपये सत्तावीस कोटी चौपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५.०० | २७,५४.५० | २७,५४.५० | ..... | |
| | पूरक... २५,००.०० | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... २,४९.५० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. २,४९.५० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे, संगणक संकेतांक २७०१ ८८४६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २९.०९ लाख (रुपये एकोणतीस लाख नऊ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २९.०९ लाख (रुपये एकोणतीस लाख नऊ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे<br>(०१) मोठे प्रकल्प<br>(०१)(२०) कालीसरार प्रकल्प<br>प्रशासक ला. क्षे.वि.पा.नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २९.०९ लाख (रुपये एकोणतीस लाख नऊ हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २९.०९ लाख (रुपये एकोणतीस लाख नऊ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ९.९१ | २९.०९ | २९.०९ | ..... | |
| | पूरक... १३.८० | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... ५.३८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु.५.३८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४६ | २७०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे२५५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १२,२५.८४ लाख (रुपये बारा कोटी पंचवीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १२,२५.८४ लाख (रुपये बारा कोटी पंचवीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प-परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(४६) कुकडी प्रकल्प<br>अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १२,२५.८४ लाख (रुपये बारा कोटी पंचवीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १२,२५.८४ लाख (रुपये बारा कोटी पंचवीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४,३९.८१ | १२,२५.८४ | १२,२५.८४ | ..... | |
| | पूरक... ५,७७,८८ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... २,०८.१५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,०८.१५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४६ | २७०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक , संगणक संकेतांक २७०१ ओ११२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०१) मोठे प्रकल्प-परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(३२) माजलगाव प्रकल्प, अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. बीड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,२३.४९<br>पूरक... १५.१९<br>पुनर्विनियोजन ... १९.३२ | १,५८.०० | १,५८.०० | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १९.३२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४६ | २७०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी.२७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक. २७०१ अे१८४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६,७५.१७ लाख (रुपये सहा कोटी पंच्याहत्तर लाख सतरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६,७५.१७ लाख (रुपये सहा कोटी पंच्याहत्तर लाख सतरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८६३ खडकवासला प्रकल्प<br>(०१)(३९) अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.६,७५.१७ लाख (रुपये सहा कोटी पंच्याहत्तर लाख सतरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६,७५.१७ लाख (रुपये सहा कोटी पंच्याहत्तर लाख सतरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,१२.६३ | ६,७५.१७ | ६,७५.१७ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ४,४५.५१ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पूरक... १७.०३ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... ४,४५.५१ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४६ | २७०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी.२७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक. २७०१ बी०८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२,०७.९० लाख (रुपये दोन कोटी सात लाख नव्वद हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,०७.९० लाख (रुपये दोन कोटी सात लाख नव्वद हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८०० इतर खर्च<br>(०१)(५२) लघू वेना प्रकल्प<br>अधीक्षक अभियंता व ला.क्षे.वि.प्रा. नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,०७.९० लाख (रुपये दोन कोटी सात लाख नव्वद हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,०७.९० लाख (रुपये दोन कोटी सात लाख नव्वद हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ८३.२८ | २,०७.९० | २,०७.९० | ..... | |
| | पूरक... ६४.४७ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... ६०.१५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ६०.१५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी.२७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे१६६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१९.८४ लाख (रुपये एक कोटी एकोणीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१९.८४ लाख (रुपये एक कोटी एकोणीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८६८ चानकापरूर प्रकल्प<br>(०१)(३७) अधीक्षक अभियंता, ला.क्षे.वि.प्रा.जळगांव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१९.८४ लाख (रुपये एक कोटी एकोणीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,१९.८४ लाख (रुपये एक कोटी एकोणीस लाख चौऱ्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३९.५१ | १,१९.८४ | १,१९.८४ | ..... | |
| | पूरक... २१.८४ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन ... ५८.४९ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५८.४९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४६ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | **मु.ले.शी.२७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१** मोठे पाटबंधारे — वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे२५७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.४,००.६५ लाख (रुपये चार कोटी पासष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४,००.६५ लाख (रुपये चार कोटी पासष्ट हजार फक्त)इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे —वाणिज्यिक<br>८६९ गिरणा प्रकल्प<br>(०१)(३६) अधीक्षक अभियंता, ला.क्षे.वि.प्रा.जळगांव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,००.६५ लाख (रुपये चार कोटी पासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४,००.६५ लाख (रुपये चार कोटी पासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,८४.०८ | ४,००.६५ | ४,००.६५ | ..... | |
| | पूरक ... १३.१२ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन.. २,०३.४५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,०३.४५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो पुर्णत: खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४६ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी.२७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक. २७०१ अे२४६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१,९४.७२ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याण्णव लाख बहात्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,९४.७२ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याण्णव लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८७३ घोड प्रकल्प<br>(०१)(४५) अधीक्षक अभियंता, ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१,९४.७२ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याण्णव लाख बहात्तर हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,९४.७२ लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याण्णव लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५७.६९<br>पूरक ... ९७.९७<br>पुनर्विनियोजन... ३९.०६ | १,९४.७२ | १,९४.७२ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३९.०६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक. २७०१ ०१२१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.४,३६.९६ लाख (रुपये चार कोटी छत्तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,३६.९६ लाख (रुपये चार कोटी छत्तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) ~~(रुपये एक कोटी चौऱ्याण्णव लाख बहात्तर हजार फक्त)~~ इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८७४ पेच प्रकल्प<br>(०१)(०६) परिक्षण व दुरस्ती (एम व आर)प्रशासन ला.क्षे.वि.प्रा.नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.४,३६.९६ लाख (रुपये चार कोटी छत्तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने ४,३६.९६ लाख (रुपये चार कोटी छत्तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,९४.०१<br>पूरक ... ९०.१२<br>पुनर्विनियोजन... ५२.८३ | ४,३६.९६ | ४,३६.९६ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५२.८३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो पुर्णत: खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे — वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे२३७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५,२६.५१ लाख (रुपये पाच कोटी सव्वीस लाख एकावन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,२६.५१ लाख (रुपये पाच कोटी सव्वीस लाख एकावन हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे —वाणिज्यिक<br>८५७ कृष्णा प्रकल्प<br>(०१) अधीक्षक अभियंता, ला.क्षे.वि.प्र, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५,२६.५१ लाख (रुपये पाच कोटी सव्वीस लाख एकावन हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५,२६.५१ लाख (रुपये पाच कोटी सव्वीस लाख एकावन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २,०८.२७ | ५,२६.५१ | ५,२६.५१ | ..... | |
| | पूरक ... १,३५.२४ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन... १,८३.०० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,८३.०० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे०७७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१,८४.९० लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख नव्वद हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१,८४.९० लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख नव्वद हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८८२ विष्णुपुरी प्रकल्प<br>(०१)(२८) अधीक्षक अभियंता, नांदेड पाटबंधारे,नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१,८४.९० लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख नव्वद हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.१,८४.९० लाख (रुपये एक कोटी चौऱ्याऐंशी लाख नव्वद हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५२.१०<br>पूरक ... ७२.५५<br>पुनर्विनियोजन... ६०.२५ | १,८४.९० | १,८४.९० | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ६०.२५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे — वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक. २७०१ ७३५८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.५३.२८ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५३.२८ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे —वाणिज्यिक<br>८८८ नालगंगा प्रकल्प<br>(०१)(१५) परिक्षण व दुरुस्ती बुलढाणा पाटबंधारे मंडळ ,बुलढाणा | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५३.२८ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५३.२८ लाख (रुपये त्रेपन्न लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २४.५९<br>पूरक ... २०.८१<br>पुनर्विनियोजन... ७.८८ | ५३.२८ | ५३.२८ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ७.८८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे.. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे३०८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१२.४१ लाख (रुपये एक कोटी बारा लाख एकेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१२.४१ लाख (रुपये एक कोटी बारा लाख एकेचाळीस हजार फक्त)इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८९० राधानगरी प्रकल्प<br>(०१)(५१) अधीक्षक अभियंता, सांगली पाटबंधारे मंडळ,सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१,१२.४१ लाख (रुपये एक कोटी बारा लाख एकेचाळीस हजार फक्त)खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,१२.४१ लाख (रुपये एक कोटी बारा लाख एकेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ७४.७६<br>पूरक ... ३०.५६<br>पुनर्विनियोजन... ७.०९ | १,१२.४१ | १,१२.४१ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे -या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ७.०९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी.२७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ०१०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,९०.४९ लाख (रुपये तीन कोटी नव्वद लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,९०.४९ लाख (रुपये तीन कोटी नव्वद लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८९४ जायकवाडी प्रकल्प<br>(०१)(३१) अधीक्षक अभियंता,व ला.क्षे.वि.प्रा. बीड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,९०.४९ लाख (रुपये तीन कोटी नव्वद लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,९०.४९ लाख (रुपये तीन कोटी नव्वद लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,१७.३२ | ३,९०.४९ | ३,९०.४९ | ..... | |
| | पूरक ... २,५७.७१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन... १५.४६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. १५.४६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे१४८या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,१०.०९ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख नऊ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,१०.०९ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख नऊ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८९५ अप्पर तापी प्रकल्प (हातनूर)<br>(०१)(३५) अधीक्षक अभियंता,व ला.क्षे.वि.प्रा. जळगांव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,१०.०९ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख नऊ हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३,१०.०९ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख नऊ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,०६.४८<br>पुनर्विनियोजन... २,०३.६१ | ३,१०.०९ | ३,१०.०९ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. २,०३.६१ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४८ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ओ१३९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.७५.०९ लाख (रुपये पंच्याहत्तर लाख नऊ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७५.०९ लाख (रुपये पंच्याहत्तर लाख नऊ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८९७ लघू तेरणा प्रकल्प )<br>(०१)(३४) अधीक्षक अभियंता,व ला.क्षे.वि.प्र. बीड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७५.०९ लाख (रुपये पंच्याहत्तर लाख नऊ हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ७५.०९ लाख (रुपये पंच्याहत्तर लाख नऊ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २८.१५<br>पूरक ... ३८.४१<br>पुनर्विनियोजन... ८.५३ | ७५.०९ | ७५.०९ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ८.५३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४८ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ अे२८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५६.४५ लाख (रुपये छप्पन लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु रु. ५६.४५ लाख (रुपये छप्पन लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे,–वाणिज्यिक<br>८९८ दुधगंगा प्रकल्प )<br>(०१)(४९) अधीक्षक अभियंता,सांगली पाटबंधारे मंडळ सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५६.४५ लाख (रुपये छप्पन लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५६.४५ लाख (रुपये छप्पन लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २८.१५<br>पूरक ... १७.६१<br>पुनर्विनियोजन... १०.६९ | ५६.४५ | ५६.४५ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १०.६९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४८ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ ८८३७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,६१.७५ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,६१.७५ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८१९ भातसा प्रकल्प)<br>(०१)(१९) अधीक्षक अभियंता,ठाणे पाटबंधारे मंडळ ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६१.७५ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,६१.७५ लाख (रुपये एक कोटी एकसष्ट लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६४.७४<br>पूरक ... ४५.८२<br>पुनर्विनियोजन... ५१.१९ | १,६१,.७५ | १,६१,.७५ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५१.१९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४८ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ बी६२७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१६.७१ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख एकाहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१६.७१ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख एकाहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>९०३ बाभळी प्रकल्प<br>(०१)(५८). अधीक्षक अभियंता,ला.क्षे.प्रा.नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१६.७१ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख एकाहत्तर हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,१६.७१ लाख (रुपये एक कोटी सोळा लाख एकाहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६.३४<br>पूरक ... २३.०७<br>पुनर्विनियोजन... ८७.३० | १,१६..७१ | १,१६..७१ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ८७.३० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४८ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४४६९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७,२७.५२ लाख (रुपये सात कोटी सत्तावीस लाख बावन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७,२७.५२ लाख (रुपये सात कोटी सत्तावीस लाख बावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(०८) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ,ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७,२७.५२ लाख (रुपये सात कोटी सत्तावीस लाख बावन्न हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ७,२७.५२ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ३०.१० | ७,२७.५२ | ७,२७.५२ | ---- | |
| | पूरक ५,४६.०० | | | | |
| | पुनर्विनियोजन १,५१.४२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. १,५१.४२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४८ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ४५४९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,६९.८७ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणसत्तर लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,६९.८७ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणसत्तर लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०७)(०८) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ,ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,६९.८७ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणसत्तर लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २,६९.८७ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणसत्तर लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... १२.७७<br>पूरक २,३४.०० | २,६९.८७ | २,६९.८७ | ----- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २३.१० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन २३.१० | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४९ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२८२८६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५.८९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५.८९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतका खर्च झाला आहे, त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(२८)(०५) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ,ला.क्षे.वि.प्रा.नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५.८९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५.८९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन ५.८८ | ५.८९ | ५.८९ | —— | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५.८८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ०१- जलविद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक २८०१ २०५२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,१५.६९ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख एकोणसाठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,१५.६९ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ वीज<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>८०० इतर खर्च<br>(०१)(०९) अधीक्षक अभियंता, उत्तर कोकण पाटबंधारे प्रकल्प मंडळ ठाणे | | | | |
| | मूळ ... १,३९.६६<br>पुरक १,००.००<br>पुनर्विनियोजन.. ७६.०३ | ३,१५.६९ | ३,१५.६९ | ..... | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,१५.६९ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३,१५.६९ लाख (रुपये तीन कोटी पंधरा लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ७६.०३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४९ | २७०१ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ बी१२६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१,०४.४९ लक्ष (रुपये एक कोटी चार लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,०४.४९ लक्ष (रुपये एक कोटी चार लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८०० इतर खर्च<br>(०१)(५४) अधीक्षक अभियंता,व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा, नाशिक | | | | |
| | मूळ ... ४४.५३ | १,०४.४९ | १,०४.४९ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,०४.४९ लक्ष (रुपये एक कोटी चार लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,०४.४९ लक्ष (रुपये एक कोटी चार लाख एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ५९.९६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५९.९६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ ओ२१९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,४४.०१ लाख (रुपये एक कोटी चव्वेचाळीस लाख एक हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,४४.०१ लाख (रुपये एक कोटी चव्वेचाळीस लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८५८ चालकमान प्रकल्प<br>(०१)(४२) अधीक्षक अभियंता,पुणे, पाटबंधारे, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,४४.०१ लाख (रुपये एक कोटी चव्वेचाळीस लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,४४.०१ लाख (रुपये एक कोटी चव्वेचाळीस लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४८.८५ | १,४४.०१ | १,४४.०१ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन ... ९५.१६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ९५.१६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ ०३२६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४,०१.९८ लाख (रुपये चार कोटी एक लाख अठयाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,०१.९८ लाख (रुपये चार कोटी एक लाख अठयाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(०१) अधीक्षक अभियंता,अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला | | | | महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,०१.९८ लाख (रुपये चार कोटी एक लाख अठयाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने ४,०१.९८ लाख (रुपये चार कोटी एक लाख अठयाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,९८.३० | ४,०१.९८ | ४,०१.९८ | — | |
| | पुनर्विनियोजन ... २,०३.६८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,०३.६८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ ४१८१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६८.७४ लाख (रुपये अडुसष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६८.७४ लाख (रुपये अडुसष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(०३) अधीक्षक अभियंता,ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६८.७४ लाख (रुपये अडुसष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ६८.७४ लाख (रुपये अडुसष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ९.६९ | ६८.७४ | ६८.७४ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन ... ५९.०५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५९.०५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ अे३१७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,१२.६९ लाख (रुपये दोन कोटी बारा लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,१२.६९ लाख (रुपये दोन कोटी बारा लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) इतका खर्च झाला आहे. त्यामुळे इतके अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(१२) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक (ला.क्षे.वि.प्रा.)सोलापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,१२.६९ लाख (रुपये दोन कोटी बारा लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,१२.६९ लाख (रुपये दोन कोटी बारा लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५४.२१ | २,१२.६९ | २,१२.६९ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन ... १,५८.४८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,५८.४८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २५० | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(१३) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक (ला.क्षे.वि.प्रा.)चौड | | | | **मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे,** ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ अे३२६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,२३.१८ लाख (रुपये एक कोटी तेवीस लाख अठरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,२३.१८ लाख (रुपये एक कोटी तेवीस लाख अठरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | मूळ ... ६३.२१ | १,२३.१८ | १,२३.१८ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,२३.१८ लाख (रुपये एक कोटी तेवीस लाख अठरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,२३.१८ लाख (रुपये एक कोटी तेवीस लाख अठरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ५९.९७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ५९.९७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २५० | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(१९) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक (ला.क्षे.वि.प्र.)पुणे | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ बी१०८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९३.९६ लाख (रुपये त्र्याण्णव लाख शहाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९३.९६ लाख (रुपये त्र्याण्णव लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९३.९६ लाख (रुपये त्र्याण्णव लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ९३.९६ लाख (रुपये त्र्याण्णव लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १५.२९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | मूळ ... ७८.६७ | ९३.९६ | ९३.९६ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन ... १५.२९ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ ०४१५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,८२.५० लाख (रुपये दोन कोटी ब्याऐंशी लाख पन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,८२.५० लाख (रुपये दोन कोटी ब्याऐंशी लाख पन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(०५) अधीक्षक अभियंता, चंद्रपूर पाटबंधारे मंडळ चंद्रपूर | | | | |
| | मूळ ... २,०५.५३ | २,८२.५० | २,८२.५० | — | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,८२.५० लाख (रुपये दोन कोटी ब्याऐंशी लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,८२.५० लाख (रुपये दोन कोटी ब्याऐंशी लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ७६.९७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ७६.९७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २५० | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्था<br>(०१)(०४) अधीक्षक अभियंता, कोकण पाटबंधारे मंडळ ,रत्नागिरी | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक २७०१ ६२१७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २८.८९ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २८.८९ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | मूळ ... ४.३३ | २८.८९ | २८.८९ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २८.८९ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २८.८९ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख एकोणनव्वद हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... २४.५६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २४.५६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे — वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ ९२९९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२,०८.३३ लाख (रुपये दोन कोटी आठ लाख तेहतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,०८.३३ लाख (रुपये दोन कोटी आठ लाख तेहतीस हजार फक्त)इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे —वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प —परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(१०) अधीक्षक अभियंता व प्रसासक ला.क्षे.वि.प्रा.नागपुर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,०८.३३ लाख (रुपये दोन कोटी आठ लाख तेहतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २,०८.३३ लाख (रुपये दोन कोटी आठ लाख तेहतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,२०.७१ | २,०८.३३ | २,०८.३३ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन ... ८७.६२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ८७.६२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ अे३३५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.३,३१.५१ लाख (रुपये तीन कोटी एकतीस लाख एकावन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.३,३१.५१ लाख (रुपये तीन कोटी एकतीस लाख एकावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(१४) अधीक्षक अभियंता, व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. जळगांव | | | | |
| | मूळ ... १,७४.४९ | ३,३१.५१ | ३,३१.५१ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.३,३१.५१ लाख (रुपये तीन कोटी एकतीस लाख एकावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.३,३१.५१ लाख (रुपये तीन कोटी एकतीस लाख एकावन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... १,५७.०२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. १,५७.०२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | **मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे,** ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ ९७४४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,०३.५३ लाख (रुपये दोन कोटी तीन लाख त्रेपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,०३.५३ लाख (रुपये दोन कोटी तीन लाख त्रेपन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(११) अधीक्षक अभियंता, व प्रशासक लाभ क्षेत्र विकास प्राधीकरण अहमदनगर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,०३.५३ लाख (रुपये दोन कोटी तीन लाख त्रेपन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २,०३.५३ लाख (रुपये दोन कोटी तीन लाख त्रेपन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ८४.५१ | २,०३.५३ | २,०३.५३ | ----- | |
| | पुनर्विनियोजन ... १,१९.०२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,१९.०२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ अे३४४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,३०.९६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,३०.९६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१) (१५) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक लाभ क्षेत्र विकास प्राधिकरण, औरंगाबाद | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाल रु. १,३०.९६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,३०.९६ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख शहाण्णव हजार फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ९७.२२ | १,३०.९६ | १,३०.९६ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन ... ३३.७४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३३.७४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | **मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे,** ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ अे३७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,२७.६६ लाख (रुपये दोन कोटी सतावीस लाख सहासष्ट हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,२७.६६ लाख (रुपये दोन कोटी सतावीस लाख सहासष्ट हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(१८) अधीक्षक अभियंता, सांगली पाटबंधारे मंडळ सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,२७.६६ लाख (रुपये दोन कोटी सतावीस लाख सहासष्ट हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २,२७.६६ लाख (रुपये दोन कोटी सतावीस लाख सहासष्ट हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५.१० | २,२७.६६ | २,२७.६६ | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,२२.५६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन ... २,२२.५६ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ बी५०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.३६.६९ लाख (रुपये छत्तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३६.६९ लाख (रुपये छत्तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त)इतका झालेला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्ती<br>(०१)(२०) अधीक्षक अभियंता, वाशिम पाटबंधारे मंडळ वाशिम | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३६.६९ लाख (रुपये छत्तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३६.६९ लाख (रुपये छत्तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१ | ३६.६९ | ३६.६९ | ----- | |
| | पुनर्विनियोजन ... ३६.६८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३६.६८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | **मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे,** ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ बी ६४५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५७.८६ लाख ( रुपये सत्तावन्न लाख शहाऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५७.८६ लाख ( रुपये सत्तावन्न लाख शहाऐंशी हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प –परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(२१) अधीक्षक अभियंता, ऊर्ध्व वर्धा प्रकल्प मंडळ अमरावती | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५७.८६ लाख ( रुपये सत्तावन्न लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५७.८६ लाख ( रुपये सत्तावन्न लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१ | ५७.८६ | ५७.८६ | | |
| | पुनर्विनियोजन ... ५७.८५ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५७.८५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले, असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे — वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ १५३८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६९.२६ लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख सव्वीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६९.२६ लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख सव्वीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे —वाणिज्यिक<br>(०१) मध्यम प्रकल्प —परिक्षण व दुरुस्त्या<br>(०१)(२३) अधीक्षक अभियंता, दक्षता पथक मंडळ अमरावती विभाग अमरावती | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६९.२६ लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख सव्वीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६९.२६ लाख (रुपये एकोणसत्तर लाख सव्वीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... (०८) ६२.४४ | ६९.२६ | ६९.२६ | | |
| | पुनर्विनियोजन ... ६.८२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ६.८२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ २७८६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००५ सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>(०४)(०२) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ ठाणे. | | | | |
| | मूळ ... १,३५.०० | १,५८.०० | १,५८.०० | — | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,५८.०० लाख (रुपये एक कोटी अठ्ठावन्न लाख फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... २३.०० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २३.०० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | **मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे,** ८० सर्वसाधारण,संगणक संकेतांक. २७०१ २८०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १७.९३ लाख ( रुपये सतरा लाख त्र्याण्णव हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७.९३ लाख ( रुपये सतरा लाख त्र्याण्णव हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००५ सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>(०५)(०१) अधीक्षक अभियंता व संचालक पाटबधारे संशोधन व विकास (डीआयआरडी)पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १७.९३ लाख ( रुपये सतरा लाख त्र्याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १७.९३ लाख ( रुपये सतरा लाख त्र्याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १२.८१<br>पुनर्विनियोजन ... ५.१२ | १७.९३ | १७.९३ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५.१२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २५२ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०३)(०३) अधीक्षक अभियंता व ला.क्षे.वि.प्र.औरंगाबाद | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ओ७८३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,०३.७९ लाख (रुपये एक कोटी तीन लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,०३.७९ लाख (रुपये एक कोटी तीन लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | मूळ ... ४.२२ | १,०३.७९ | १,०३.७९ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,०३.७९ लाख (रुपये एक कोटी तीन लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,०३.७९ लाख (रुपये एक कोटी तीन लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ९९.५७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ९९.५७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ६७४५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५०.४८ लाख (रुपये पन्नास लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५०.४८ लाख (रुपये पन्नास लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(०१) अधीक्षक अभियंता कोकण पाटबंधारे मंडळ, रत्नागिरी | | | | |
| | मूळ ... ४०.५४ | ५०.४८ | ५०.४८ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५०.४८ लाख (रुपये पन्नास लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५०.४८ लाख (रुपये पन्नास लाख अठ्ठेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ९.९४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ९.९४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण संगणक संकेतांक. २७०१ ७०३५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१,३५.३७ लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख सदतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,३५.३७ लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख सदतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(०६) अधीक्षक अभियंता यांत्रिकी मंडळ सोपी नांदेड | | | | |
| | मूळ ... ६.८१ | १,३५.३७ | १,३५.३७ | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,३५.३७ लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख सदतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,३५.३७ लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख सदतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... १,२८.५६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,२८.५६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ७३६७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५६.७२ लाख (रुपये छप्पन लाख बहात्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५६.७२ लाख (रुपये छप्पन लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(०८) अधीक्षक अभियंता यांत्रिकी मंडळ सीपी नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५६.७२ लाख (रुपये छप्पन लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५६.७२ लाख (रुपये छप्पन लाख बहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६.३४<br>पुनर्विनियोजन ... ५०.३८ | ५६.७२ | ५६.७२ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५०.३८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ७७२३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५५.१२ लाख (रुपये पंच्चावण लाख बारा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५५.१२ लाख (रुपये पंच्चावण लाख बारा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(०९) प्रशासक , ल.क्षे.वि.प्रा.नागपूर | | | | |
| | मूळ ... १५.९६ | ५५.१२ | ५५.१२ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५५.१२ लाख (रुपये पंच्चावण लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५५.१२ लाख (रुपये पंच्चावण लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ३९.१६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३९.१६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोगीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ९५८४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २८.५८ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख अठ्ठावन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २८.५८ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख अठ्ठावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(१०) अधीक्षक अभियंता यांत्रिकी मंडळ सीपी पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २८.५८ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख अठ्ठावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २८.५८ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख अठ्ठावन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.८२<br>पुनर्विनियोजन ... २५.७६ | २८.५८ | २८.५८ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २५.७६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ९७६२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २४.०८ लाख (रुपये चोवीस लाख आठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २४.०८ लाख (रुपये चोवीस लाख आठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(११) अधीक्षक अभियंता प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.अहमदनगर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २४.०८ लाख (रुपये चोवीस लाख आठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २४.०८ लाख (रुपये चोवीस लाख आठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १५.४९<br>पुनर्विनियोजन ... ८.५९ | २४.०८ | २४.०८ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ८.५९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण संगणक संकेतांक. २७०१ ओ४०६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १५.८६ लाख (रुपये पंधरा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १५.८६ लाख (रुपये पंधरा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(१७) अधीक्षक अभियंता प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १५.८६ लाख (रुपये पंधरा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १५.८६ लाख (रुपये पंधरा लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.८२<br>पुनर्विनियोजन ... १३.०४ | १५.८६ | १५.८६ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १३.०४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आव-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक.२७०१ अे४५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४२.६३ लाख (रुपये बेचाळीस लाख त्रेसष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४२.६३ लाख (रुपये बेचाळीस लाख त्रेसष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(२२) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक सांगली पाटबंधारे मंडळ सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४२.६३ लाख (रुपये बेचाळीस लाख त्रेसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ४२.६३ लाख (रुपये बेचाळीस लाख त्रेसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.८२<br>पुनर्विनियोजन ... ३९.८१ | ४२.६३ | ४२.६३ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३९.८१ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २५३ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(०३) अधीक्षक अभियंता कोकण पाटबंधारे मंडळ रत्नागिरी | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ७०८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७१.७४ लाख (रुपये एकाहत्तर लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७१.७४ लाख (रुपये एकाहत्तर लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७१.७४ लाख (रुपये एकाहत्तर लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ७१.७४ लाख (रुपये एकाहत्तर लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ७.५८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | मूळ ... ६४.१६ | ७१.७४ | ७१.७४ | --- | |
| | पुनर्विनियोजन ... ७.५८ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ७७९७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३०.५५ लाख (रुपये तीस लाख पंच्चावन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३०.५५ लाख (रुपये तीस लाख पंच्चावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(०८) अधीक्षक अभियंता यांत्रिकी मंडळ, सीपी, नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३०.५५ लाख (रुपये तीस लाख पंच्चावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३०.५५ लाख (रुपये तीस लाख पंच्चावन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३.६६<br>पुनर्विनियोजन ... २६.८९ | ३०.५५ | ३०.५५ | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २६.८९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ७८४१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९२.७४ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९२.७४ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त)इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(०५) प्रशासक , ला.क्षे.वि.प्रा.नागपूर | | | | |
| | मूळ ... ३९.९० | ९२.७४ | ९२.७४ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९२.७४ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ९२.७४ लाख (रुपये ब्याण्णव लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ५२.८४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५२.८४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ८५६१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३४.३९ लाख (रुपये चौतीस लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३४.३९ लाख (रुपये चौतीस लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(०६) अधीक्षक अभियंता , संचालक, पाटबंधारे संशोधन व विकास (डीआयआरडी) पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३४.३९ लाख (रुपये चौतीस लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३४.३९ लाख (रुपये चौतीस लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २९.७४<br>पुनर्विनियोजन ... ४.६५ | ३४.३९ | ३४.३९ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ४.६५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ९५९३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३१.४६ लाख (रुपये एकतीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३१.४६ लाख (रुपये एकतीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(११) अधिक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ, सीपी पुणे. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३१.४६ लाख (रुपये एकतीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३१.४६ लाख (रुपये एकतीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.८२<br>पुनर्विनियोजन ... २८.६४ | ३१.४६ | ३१.४६ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २८.६४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक.२७०१ ओ४७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २५.९६ लाख (रुपये पंचवीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २५.९६ लाख (रुपये पंचवीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(१६) अधीक्षक अभियंता , ला.क्षे.वि.प्रा.बीड | | | | |
| | मूळ ... २.६९ | २५.९६ | २५.९६ | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २५.९६ लाख (रुपये पंचवीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २५.९६ लाख (रुपये पंचवीस लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... २३.२७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २३.२७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक.२७०१ ओ४९८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १७.८५ लाख (रुपये सतरा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७.८५ लाख (रुपये सतरा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(१८) अधीक्षक अभियंता , प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.औरंगाबाद. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १७.८५ लाख (रुपये सतरा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु १७.८५ लाख (रुपये सतरा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.८२<br>पुनर्विनियोजन ... १५.०३ | १७.८५ | १७.८५ | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १५.०३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ अे५०४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३२.१४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौदा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३२.१४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौदा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(१९) अधीक्षक अभियंता , ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे | | | | |
| | मूळ ... २.८२ | ३२.१४ | ३२.१४ | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३२.१४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौदा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३२.१४ लाख (रुपये बत्तीस लाख चौदा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... २९.३२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २९.३२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक.२७०१ अे५१३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५७.५१ लाख (रुपये सत्तावण लाख एकावण हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५७.५१ लाख (रुपये सत्तावण लाख एकावण हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(२०) अधीक्षक अभियंता , पुणे पाटबंधारे मंडळ पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५७.५१ लाख (रुपये सत्तावण लाख एकावण हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु ५७.५१ लाख (रुपये सत्तावण लाख एकावण हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.८२<br>पुनर्विनियोजन ... ५४.६९ | ५७.५१ | ५७.५१ | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५४.६९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ अ५२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १५.५३ लाख (रुपये पंधरा लाख त्रेपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १५.५३ लाख (रुपये पंधरा लाख त्रेपन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(२१) अधीक्षक अभियंता , नांदेड पाटबंधारे मंडळ नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १५.५३ लाख (रुपये पंधरा लाख त्रेपन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १५.५३ लाख (रुपये पंधरा लाख त्रेपन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २.८२<br>पुनर्विनियोजन ... १२.७१ | १५.५३ | १५.५३ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १२.७१ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ अे५३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २३.४६ लाख (रुपये तेवीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २३.४६ लाख (रुपये तेवीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(२२) अधीक्षक अभियंता ,सांगली पाटबंधारे मंडळ सांगली | | | | |
| | मूळ ... २.८२ | २३.४६ | २३.४६ | — | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २३.४६ लाख (रुपये तेवीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु २३.४६ लाख (रुपये तेवीस लाख सेहचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... २०.६४ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २०.६४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी२५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७९.१२ लाख (रुपये एकोणऐंशी लाख बारा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७९.१२ लाख (रुपये एकोणऐंशी लाख बारा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीवापर संस्थाना परिरक्षण व दुरुस्त्यांसाठी अनुदाने<br>(१३) (०१) अधीक्षक अभियंता , व प्रशासक लो.क्षे.वि.प्रा.नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७९.१२ लाख (रुपये एकोणऐंशी लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु ७९.१२ लाख (रुपये एकोणऐंशी लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन ... ७९.११ | ७९.१२ | ७९.१२ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ७९.११ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ बी४२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३७.४७ लाख (रुपये सदतीस लाख सत्तेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३७.४७ लाख (रुपये सदतीस लाख सत्तेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणीवापर संस्थाना परिरक्षण व दुरुस्त्यांसाठी अनुदाने<br>(१३) (११) अधीक्षक अभियंता , व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.सोलापूर | | | | |
| | मूळ ... ०.०१ | ३७.४७ | ३७.४७ | — | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३७.४७ लाख (रुपये सदतीस लाख सत्तेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३७.४७ लाख (रुपये सदतीस लाख सत्तेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ३७.४६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३७.४६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ३७९१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३९.४० लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख चाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३९.४० लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख चाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०५) इतर शीर्षाकडून हस्तांतरीत करण्यात आलेला खर्च<br>(०५)(०२) निवृत्तीवेतनावरील खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.३९.४० लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३९.४० लाख (रुपये एकोणचाळीस लाख चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... २३.१८<br>पुनर्विनियोजन ... १६.२२ | ३९.४० | ३९.४० | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १६.२२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ३८०८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.७८.७९ लाख (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७८.७९ लाख (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०५) इतर शीर्षाकडून हस्तांतरीत करण्यात आलेला खर्च<br>(०५)(०३) सचिवालय खर्च. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७८.७९ लाख (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ७८.७९ लाख (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४६.३८<br>पुनर्विनियोजन ... ३२.४१ | ७८.७९ | ७८.७९ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ३२.४१ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ २०६२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.८,६६.७४ लाख (रुपये आठ कोटी सहासष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८,६६.७४ लाख (रुपये आठ कोटी सहासष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>०५२ यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री<br>(०३) इतर खर्च<br>(०३)(०१) इतर शीर्षाकडून हस्तांतरीत करण्यात आलेला हत्यारे व संयंत्रे यावरील खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८,६६.७४ लाख (रुपये आठ कोटी सहासष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ८,६६.७४ लाख (रुपये आठ कोटी सहासष्ट लाख चौऱ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ५,१०.१६<br>पुनर्विनियोजन ... ३,५६.५८ | ८,६६.७४ | ८,६६.७४ | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३,५६.५८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २५५ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५) परिक्षण व दुरुस्ती –निवासी इमारती<br>(०५)(२४) अधीक्षक अभियंता उर्ध्व वर्धा प्रकल्प मंडळ अमरावती | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी५८३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २५.५९ लाख (रुपये पंचवीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २५.५९ लाख (रुपये पंचवीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २५.५९ लाख (रुपये पंचवीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २५.५९ लाख (रुपये पंचवीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २५.५८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | मूळ ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन ... २५.५८ | २५.५९ | २५.५९ | ---- | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | |
| २५६ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४) परिक्षण व दुरुस्ती –प्रशासकीय इमारती<br>(०४)(२४) अधीक्षक अभियंता उर्ध्व वर्धा प्रकल्प मंडळ अमरावती | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे – वाणिज्यिक संगणक संकेतांक. २७०१ बी६१८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९.१२ लाख (रुपये नऊ लाख बारा हजार फक्त)च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९.१२ लाख (रुपये नऊ लाख बारा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१ | ९.१२ | ९.१२ | — | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९.१२ लाख (रुपये नऊ लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ९.१२ लाख (रुपये नऊ लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ९.११ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ९.११ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी२७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४०.१२ लाख (रुपये चाळीस लाख बारा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४०.१२ लाख (रुपये चाळीस लाख बारा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणी वापर संस्थाना परिरक्षण व दुरुस्त्यावरील अनुदाने<br>(१३)(०३) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४०.१२ लाख (रुपये चाळीस लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु ४०.१२ लाख (रुपये चाळीस लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन ... ४०.११ | ४०.१२ | ४०.१२ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ४०.११ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आव-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ बी २८९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १२.९७ लाख (रुपये बारा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १२.९७ लाख (रुपये बारा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणी वापर संस्थाना परिरक्षण व दुरुस्त्यावरील अनुदाने<br>(१३)(०४) अधीक्षक अभियंता,पुणे पाटबंधारे मंडळ पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १२.९७ लाख (रुपये बारा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १२.९७ लाख (रुपये बारा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१ | १२.९७ | १२.९७ | | |
| | पुनर्विनियोजन ... १२.९६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १२.९६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी४११ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १५.८१ लाख (रुपये पंधरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १५.८१ लाख (रुपये पंधरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणी वापर संस्थाना परिरक्षण व दुरुस्त्यावरील अनुदाने<br>(१३)(१०) अधीक्षक अभियंता,व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. बीड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १५.८१ लाख (रुपये पंधरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १५.८१ लाख (रुपये पंधरा लाख ऐक्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन ... १५.८० | १५.८१ | १५.८१ | ---- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १५.८० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ बी४३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५५.३१ लाख (रुपये पंचावन लाख एकतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५५.३१ लाख (रुपये पंचावन लाख एकतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(१३) पाणी वापर संस्थाना परिरक्षण व दुरुस्त्यावरील अनुदाने<br>(१३) (१२) अधीक्षक अभियंता,व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५५.३१ लाख (रुपये पंचावन लाख एकतीस हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५५.३१ लाख (रुपये पंचावन लाख एकतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन ... ५५.३० | ५५.३१ | ५५.३१ | ------- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ५५.३० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक.२७०१ अे४३३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,३५.८० लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख ऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,३५.८० लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख ऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(२०) अधीक्षक अभियंता,पुणे पाटबंधारे मंडळ पुणे | | | | |
| | मूळ ... २.८२ | १,३५.८० | १,३५.८० | ------ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,३५.८० लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख ऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,३५.८० लाख (रुपये एक कोटी पस्तीस लाख ऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... १,३२.९८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,३२.९८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१ भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२३५७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४६.०३ लाख (रुपये सेहचाळीस लाख तीन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४६.०३ लाख (रुपये सेहचाळीस लाख तीन हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७)(०४) अधीक्षक अभियंता,चंद्रपूर प्रकल्प मंडळ चंद्रपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४६.०३ लाख (रुपये सेहचाळीस लाख तीन हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ४६.०३ लाख (रुपये सेहचाळीस लाख तीन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १८.४८<br>पुनर्विनियोजन २७.५५ | ४६.०३ | ४६.०३ | -- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २७.५५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४५५८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १९.५४ लाख (रुपये एकोणीस लाख चोपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १९.५४ लाख (रुपये एकोणीस लाख चोपन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७)(०९) अधीक्षक अभियंता ला.क्षे.वि.प्रा.सोलापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १९.५४ लाख (रुपये एकोणीस लाख चोपन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १९.५४ लाख (रुपये एकोणीस लाख चोपन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६.९८<br>पुनर्विनियोजन १२.५६ | १९.५४ | १९.५४ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. १२.५६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ००१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,५३.५० लाख (रुपये एक कोटी त्रेपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,५३.५० लाख (रुपये एक कोटी त्रेपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७)(१३) अधीक्षक अभियंता ला.क्षे.वि.प्रा.जळगांव. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,५३.५० लाख (रुपये एक कोटी त्रेपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.१,५३.५० लाख (रुपये एक कोटी त्रेपन्न लाख पन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १५.२९ | १,५३.५० | १,५३.५० | --- | |
| | पुनर्विनियोजन १,३८.२१ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,३८.२१ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२८३०१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५.७९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५.७९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१८)(०७) अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५.७९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५.७९ लाख (रुपये पाच लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ०.०१ | ५.७९ | ५.७९ | --- | |
| | पुनर्विनियोजन ५.७८ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ५.७८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५७ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७११ पूर नियंत्रण व जलनिस्सारण, ०३ जलनिस्सारण, संगणक संकेतांक २७११ ०२८८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १.९९.३१ लाख (रुपये एक कोटी नव्याण्णव लाख एकतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १.९९.३१ लाख (रुपये एक कोटी नव्याण्णव लाख एकतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७११ पुर नियंत्रण व जलनिस्सारण<br>०३ जल निस्सारण<br>१०३ जल निस्सारण प्रकल्प योजना<br>(०२)(०१) संचालक , पाटबंधारे संशोधन व विकास (डीआयआरडी) पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १.९९.३१ लाख (रुपये एक कोटी नव्याण्णव लाख एकतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १.९९.३१ लाख (रुपये एक कोटी नव्याण्णव लाख एकतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६५.६८ | १.९९.३१ | १.९९.३१ | --- | |
| | पुनर्विनियोजन १.३३.६३ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. १.३३.६३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २८०१ बीज, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक २८०१ २२१२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १.६४.२३ लाख (रुपये एक कोटी चौसष्ट लाख तेवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १.६४.२३ लाख (रुपये एक कोटी चौसष्ट लाख तेवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २८०१ बीज<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>८०० इतर खर्च<br>(०१)(०८) अधीक्षक अभियंता, कोकण पाटबंधारे मंडळ रत्नागिरी | | | | |
| | मूळ ... १.०४.४६ | १.६४.२३ | १.६४.२३ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १.६४.२३ लाख (रुपये एक कोटी चौसष्ट लाख तेवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.१.६४.२३ लाख (रुपये एक कोटी चौसष्ट लाख तेवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन.. ५९.७७ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५९.७७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. २८०१ वीज, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक २८०१ २८०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २८.६७ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख सदूसष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २८.६७ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख सदूसष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २८०१ वीज<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>८०० इतर खर्च<br>(०१) (१०) घाटघर (ई आणि एम ) मंडळ कळवा ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २८.६७ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख सदूसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २८.६७ लाख (रुपये अठ्ठावीस लाख सदूसष्ट हजार फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १७.२२ | २८.६७ | २८.६७ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ११.४५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन.. ११.४५ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ७०५३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,१०.८५ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,१०.८५ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५) परीरक्षण व दुरुस्ती निवासी इमारती<br>(०५)(०१) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,१०.८५ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३,१०.८५ लाख (रुपये तीन कोटी दहा लाख पंच्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,५५.६५<br>पुनर्विनियोजन ... १,५५.२० | ३,१०.८५ | ३,१०.८५ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,५५.२० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ओ७५६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६,०५.४० लाख (रुपये सहा कोटी पाच लाख चाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६,०५.४० लाख (रुपये सहा कोटी पाच लाख चाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा<br>(०२)(११) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, जळगाव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६,०५.४० लाख (रुपये सहा कोटी पाच लाख चाळीस हजार फक्त) इतका.खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ६,०५.४० लाख (रुपये सहा कोटी पाच लाख चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ३,५६.०० | ६,०५.४० | ६,०५.४० | — | |
| | पुनर्विनियोजन ... २,४९.४० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,४९.४० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ अे३९१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२७.८२ लाख (रुपये सत्तावीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २७.८२ लाख (रुपये सत्तावीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(१६) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, बीड | | | | |
| | मूळ ... २.८२ | २७.८२ | २७.८२ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २७.८२ लाख (रुपये सत्तावीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त)' इतका खर्च नोंदविला आहे, आणि विभागाने रु. २७.८२ लाख (रुपये सत्तावीस लाख ब्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... २५.०० | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २५.०० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५८ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ४५२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,५९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणसाठ लाख शहाण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,५९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणसाठ लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(६)) परीरक्षण व दुरुस्ती<br>( २५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(१४) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, जळगांव | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,५९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणसाठ लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,५९.९६ लाख (रुपये एक कोटी एकोणसाठ लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ६३.०३ | १,५९.९६ | १,५९.९६ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ९६.९३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन... ९६.९३ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २५९ | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०९)(०२) निवृती वेतनविषयक खर्च | | | | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ १८८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८.३८ लाख (रुपये आठ लाख अडूतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८.३८ लाख (रुपये आठ लाख अडूतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८.३८ लाख (रुपये आठ लाख अडूतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ८.३८ लाख (रुपये आठ लाख अडूतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ५.७६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | मूळ... २.६२ | ८.३८ | ८.३८ | — | |
| | पुनर्विनियोजन... ५.७६ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५९ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ३६५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.७.५९ लाख (रुपये सात लाख एकोणसाठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७.५९ लाख (रुपये सात लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१०)(०३) सचिवालय खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७.५९ लाख (रुपये सात लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ७.५९ लाख (रुपये सात लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... १.४५ | ७.५९ | ७.५९ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ६.१४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन... ६.१४ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५१ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ०१२८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५८.९२ लाख (रुपये अठ्ठावन्न लाख ब्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५८.९२ लाख (रुपये अठ्ठावन्न लाख ब्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६)(०४) अधीक्षक अभियंता चंद्रपूर पाटबंधारे मंडळ, चंद्रपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५८.९२ लाख (रुपये अठ्ठावन्न लाख ब्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५८.९२ लाख (रुपये अठ्ठावन्न लाख ब्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ३०.०६<br>पुनर्विनियोजन... २८.८६ | ५८.९२ | ५८.९२ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २८.८६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५९ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ३४०८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५.३६.३४ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख चौतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५.३६.३४ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख चौतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७)(०१) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५.३६.३४ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख चौतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५.३६.३४ लाख (रुपये पाच कोटी छत्तीस लाख चौतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ७६.५८ | ५.३६.३४ | ५.३६.३४ | — | |
| | पुनर्विनियोजन... ४,५९.७६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ४,५९.७६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५९ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२ ८५२६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१३.१५ लाख (रुपये तेरा लाख पंधरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १३.१५ लाख (रुपये तेरा लाख पंधरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१८)(१६) अधीक्षक अभियंता उर्ध्व वर्धा प्रकल्प मंडळ अमरावती | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १३.१५ लाख (रुपये तेरा लाख पंधरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १३.१५ लाख (रुपये तेरा लाख पंधरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन... १३.१४ | १३.१५ | १३.१५ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १३.१४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५९ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४२५३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,३०.६९ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,३०.६९ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) (२५०हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(०५) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा, नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,३०.६९ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे, आणि विभागाने रु. १,३०.६९ लाख (रुपये एक कोटी तीस लाख एकोणसत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ४१.७६ | १,३०.६९ | १,३०.६९ | — | |
| | पुनर्विनियोजन... ८८.९३ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ८८.९३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०५ — लाभ क्षेत्र विकास अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २५९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०५ लाभक्षेत्र विकास, संगणक संकेतांक २७०५ ३६३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६०.२५ लाख (रुपये साठ लाख पंचवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६०.२५ लाख (रुपये साठ लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | '२७०५ — लाभ क्षेत्र विकास<br>(०७) अधीक्षक अभियंता प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. सोलापूर<br>(०७)(०६) भूविकास आस्थापना | | | | |
| | मूळ ... ४३.७३ | ६०.२५ | ६०.२५ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६०.२५ लाख (रुपये साठ लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ६०.२५ लाख (रुपये साठ लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... १६.५२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १६.५२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६० | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४३४२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,६३.२० लाख (रुपये दोन कोटी त्रेसष्ट लाख वीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,६३.२० लाख (रुपये दोन कोटी त्रेसष्ट लाख वीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(०६) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा, अहमदनगर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,६३.२० लाख (रुपये दोन कोटी त्रेसष्ट लाख वीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २,६३.२० लाख (रुपये दोन कोटी त्रेसष्ट लाख वीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ६१.९१ | २,६३.२० | २,६३.२० | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २,०१.२९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन... २,०१.२९ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६० | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४४५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६,५४.४८ लाख (रुपये सहा कोटी चौपन्न लाख अठठेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६,५४.४८ लाख (रुपये सहा कोटी चौपन्न लाख अठठेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(०७) अधीक्षक अभियंता पुणे पाटबंधारे मंडळ पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६,५४.४८ लाख (रुपये सहा कोटी चौपन्न लाख अठठेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६,५४.४८ लाख (रुपये सहा कोटी चौपन्न लाख अठठेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... १,२१.५५<br>पुनर्विनियोजन... ५,३२.९३ | ६,५४.४८ | ६,५४.४८ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ५,३२.९३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६० | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४४८७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,१७.८० लाख (रुपये एक कोटी सतरा लाख ऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१७.८० लाख (रुपये एक कोटी सतरा लाख ऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५०हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(१०) अधीक्षक अभियंता सांगली पाटबंधारे मंडळ सांगली | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१७.८० लाख (रुपये एक कोटी सतरा लाख ऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,१७.८० लाख (रुपये एक कोटी सतरा लाख ऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ३०.६४<br>पुनर्विनियोजन... ८७.१६ | १,१७.८० | १,१७.८० | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ८७.१६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६० | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४५०५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,७९.४१ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणऐंशी लाख एकेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,७९.४१ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणऐंशी लाख एकेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५०हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(१२) अधीक्षक अभियंता प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. बीड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,७९.४१ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणऐंशी लाख एकेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २,७९.४१ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणऐंशी लाख एकेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... १,८५.७२<br>पुनर्विनियोजन... ९३.६९ | २,७९.४१ | २,७९.४१ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ९३.६९ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६० | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२८१८८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,४५.९७ लाख (रुपये एक कोटी पंचेचाळीस लाख सत्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,४५.९७ लाख (रुपये एक कोटी पंचेचाळीस लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५०हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(१५) अधीक्षक अभियंता वाशिम पाटबंधारे मंडळ वाशिम | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,४५.९७ लाख (रुपये एक कोटी पंचेचाळीस लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे, आणि विभागाने रु. १,४५.९७ लाख (रुपये एक कोटी पंचेचाळीस लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... १,१५.७६<br>पुनर्विनियोजन... ३०.२१ | १,४५.९७ | १,४५.९७ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३०.२१ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६१ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल संगणक, सांकेतांक २७०२ ८४८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,६३.६० लाख (रुपये एक कोटी त्रेसष्ठ लाख साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,६३.६० लाख (रुपये एक कोटी त्रेसष्ठ लाख साठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०६) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०६)(१६) अधीक्षक अभियंता उर्ध्व वर्धा प्रकल्प मंडळ अमरावती | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६३.६० लाख (रुपये एक कोटी त्रेसष्ठ लाख साठ हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,६३.६० लाख (रुपये एक कोटी त्रेसष्ठ लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... १८.९६<br>पुनर्विनियोजन... १,४४.६४ | १,६३.६० | १,६३.६० | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,४४.६४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६१ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२३४२६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३२.०६ लाख (रुपये बत्तीस लाख सहा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३२.०६ लाख (रुपये बत्तीस लाख सहा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७) परीरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०७)(०२) अधीक्षक अभियंता कोकण पाटबंधारे मंडळ रत्नागिरी | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३२.०६ लाख (रुपये बत्तीस लाख सहा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३२.०६ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ९.१९ | ३२.०६ | ३२.०६ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २२.८७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन... २२.८७ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२३५४२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,२०.६५ लाख (रुपये एक कोटी वीस लाख पासष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,२०.६५ लाख (रुपये एक कोटी वीस लाख पासष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २६१ | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०७)(०३) अधीक्षक अभियंता अकोला पाटबंधारे मंडळ अकोला | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,२०.६५ लाख (रुपये एक कोटी वीस लाख पासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.१,२०.६५ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... २९.१८<br>पुनर्विनियोजन... ९१.४७ | १,२०.६५ | १,२०.६५ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ९१.४७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६१ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४३५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५०.५७ लाख (रुपये पन्नास लाख सत्तावन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५०.५७ लाख (रुपये पन्नास लाख सत्तावन हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०७)(०६) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५०.५७ लाख (रुपये पन्नास लाख सत्तावन हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५०.५७ लाख (रुपये पन्नास लाख सत्तावन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ११.०३<br>पुनर्विनियोजन... ३९.५४ | ५०.५७ | ५०.५७ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३९.५४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६२ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२६५३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८१.०५ लाख (रुपये ऐक्याऐंशी लाख पाच हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८१.०५ लाख (रुपये ऐक्याऐंशी लाख पाच हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५०) हेकटरखरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०७)(०७) अधीक्षक अभियंता, पुणे पाटबंधारे मंडळ पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८१.०५ लाख (रुपये ऐक्याऐंशी लाख पाच हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ८१.०५ लाख (रुपये ऐक्याऐंशी लाख पाच हजार फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... २४.५३<br>पुनर्विनियोजन... ५६.५२ | ८१.०५ | ८१.०५ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५६.५२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६२ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२८४९१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४३.८६ लाख (रुपये त्रेचाळीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४३.८६ लाख (रुपये त्रेचाळीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त)इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७) परिरक्षण व दुरुस्ती<br>(२५० हेक्टरवरील लहान पाटबंधारे योजना)<br>(०७)(१५) अधीक्षक अभियंता उर्ध्व वर्धा प्रकल्प मंडळ अमरावती | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४३.८६ लाख (रुपये त्रेचाळीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ४३.८६ लाख (रुपये त्रेचाळीस लाख शहाऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ५.७६<br>पुनर्विनियोजन... ३८.१० | ४३.८६ | ४३.८६ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ३८.१० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६१ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२८२६८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७.११ लाख (रुपये सात लाख अकरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७.११ लाख (रुपये सात लाख अकरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१८) सहकारी पाणीवापर संस्थाना अनुदाने<br>(१८)(०३) अधीक्षक अभियंता अकोला पाटबंधारे मंडळ अकोला | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७.११ लाख (रुपये सात लाख अकरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ७.११ लाख (रुपये सात लाख अकरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन... ७.१० | ७.११ | ७.११ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ७.१० लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०२ - लहान पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आच-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६२ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२८२७७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६.६४ लाख (रुपये सहा लाख चौसष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६.६४ लाख (रुपये सहा लाख चौसष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(१८) सहकारी पाणीवापर संस्थाना अनुदाने<br>(१८)(०४) अधीक्षक अभियंता चंद्रपूर पाटबंधारे मंडळ चंद्रपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६.६४ लाख (रुपये सहा लाख चौसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ६.६४ लाख (रुपये सहा लाख चौसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन... ६.६३ | ६.६४ | ६.६४ | — | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ६.६३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६२ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७११ पुर निर्यंत्रण व जलनिस्सारण, ०३ जलनिस्सारण, संगणक संकेतांक २७११ ०३१२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३५.८८ लाख (रुपये पस्तीस लाख अठ्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३५.८८ लाख (रुपये पस्तीस लाख अठ्याऐंशी हजार फक्त) च्या इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७११ पूर निर्यंत्रण व जलनिस्सरण<br>०३ जलनिरसारण<br>१०३ नागरी बांधकामे - परिरक्षण<br>(०३) सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>इतर शीर्षाकडून हस्तांतरण करण्यात आलेला खर्च<br>(०३)(०१) आस्थापना खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३५.८८ लाख (रुपये पस्तीस लाख अठ्याऐंशी हजार फक्त) च्या इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३५.८८ लाख (रुपये पस्तीस लाख अठ्याऐंशी हजार फक्त) च्या इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ११.८२<br>पुनर्विनियोजन... २४.०६ | ३५.८८ | ३५.८८ | --- | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २४.०६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | कोणतीही विनिर्दीष्ट कारणे न देता वरील उपशिर्षाखालील निधीमध्ये रू. ८४,३८.१४ लाखांची वाढ करण्यात आली. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने नमूद केलेल्या तळटीपेसंदर्भात स्पष्टीकरण करण्यात येते की, उपशिर्षाखालील निधीमध्ये रू. ८४,३८.१४ लाखांची वाढ करण्यात आली, त्याबाबतची कारणे पृष्ठ १२२ ते पृष्ठ २३० वर स्वतंत्रपणे नमूद करण्यात आलेली आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे, संगणक संकेतांक २७०१ ९७१७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५,९३.९९ लाख (रुपये पाच कोटी त्र्याण्णव लाख नव्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,९४.३४ लाख (रुपये पाच कोटी चौऱ्याण्णव लाख चौतीस हजार फक्त) च्या इतका झाला आहे. त्यामुळे ४१- ह सादर करतांना अनावधानाने कमी रकमेची मागणी केल्यामुळे रु.०.३५ लाख इतके अधिक्य दिसून येते. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे<br>(०१) मोठे प्रकल्प<br>(०१)(२४) ऊर्ध्व गोदावरी प्रकल्प<br>अधीक्षक अभियंता, व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५,९४.३४ लाख (रुपये पाच कोटी चौऱ्याण्णव लाख चौतीस हजार फक्त)च्या इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.५,९४.३४ लाख (रुपये पाच कोटी चौऱ्याण्णव लाख चौतीस हजार फक्त) च्या इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... १,९४.१६<br>पुरक ३,१६.५५<br>पुनर्विनियोजन ... ८३.२८ | ५,९३.९९ | ५,९४.३४ | +०.३५ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ८३.२८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ०२१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.९९,८६.०८ लाख (रुपये नव्याण्णव कोटी शहाऐंशी लाख आठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १००,००,०० लाख (रुपये शंभर कोटी फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. १३.९२ (रुपये तेरा लाख ब्याण्णव हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर अधिक्य हे वेतनावरील व वैद्यकीय खर्चाची प्रतीपूर्ती दिल्याने दिसून येत आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) परिरक्षण आस्थापना<br>(०४)(१५) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, नाशिक. | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १००,००.०० लाख (रुपये शंभर कोटी फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १००,००,०० लाख (रुपये शंभर कोटी फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ७५,५४.२१<br>पुनर्विनियोजन ... २४,३१.८७ | ९९,८६.०८ | १,००,००.०० | +१३.९२ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २४.३१.८७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ३७८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२८,३६.६० लाख (रुपये अठ्ठावीस कोटी छत्तीस लाख साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २८,३६.६० लाख (रुपये अठ्ठावीस कोटी छत्तीस लाख साठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०५) इतर शीर्षाकडून हस्तांतरीत करण्यात आलेला खर्च<br>(०५)(०१) आस्थापना हिस्सा | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २८,३६.६२ लाख (रुपये अठ्ठावीस कोटी छत्तीस लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २८,३६.६० लाख (रुपये अठ्ठावीस कोटी छत्तीस लाख साठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु.०.०२ लाख (रुपये दोन हजार फक्त) इतकी तफावत दिसून येत. सदर तफावत ही महालेखापाल व विभाग यांच्या ईटीपी परिगणनेच्या भिन्न पध्दतीमुळे दिसून येते. |
| | मूळ ... १६,६९.६३ | २८,३६.६० | २८,३६.६२ | +०.०२ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ११,६६.९७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन ... ११,६६.९७ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ९७७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.३८.६० लाख (रुपये अडतीस लाख साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४१.०७ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख सात हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.२.४७ लाख (रुपये दोन लाख सत्तेचाळीस हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. अनावधानाने ४१ ह नुसार शासनाकडे कमी अनुदानाची मागणी केली होती. प्रत्यक्षात बीडीएस वर प्राप्त अनुदानाएवढाच खर्च केलेला आहे. त्यामुळे अनुदानाची कमी मागणी केल्यामुळे अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०५)(११) अधीक्षक अभियंता , लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, अहमदनगर | | | | |
| | मूळ ... १५.४९ | ३८.६० | ४१.०७ | +२.४७ | |
| | पुनर्विनियोजन ... २३.११ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४१.०७ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख सात हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ४१.०७ लाख (रुपये एकेचाळीस लाख सात हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २३.११ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ २६७९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१,१२.०० (रुपये एक कोटी बारा लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१२.९७ लाख (रुपये एक कोटी बारा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.९७ (रुपये सत्याण्णव हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर खर्च हा आस्थापना वेतनावरील व वैद्यकिय खर्चाची प्रतिपुर्तीमुळे झालेला आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००४ संशोधन<br>(०४)(०१) मुख्य अभियंता व संचालक, महाराष्ट्र अभियांत्रिकी संशोधन संस्था (एमईआरआय) नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१२.९७ लाख (रुपये एक कोटी बारा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,१२.९७ लाख (रुपये एक कोटी बारा लाख सत्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ९१.१६<br>पुनर्विनियोजन ... २०.८४ | १,१२.०० | १,१२.९७ | +०.९७ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. २०.८४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ६७९२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९५.४४ लाख (रुपये पंच्याण्णव लाख चौ-येचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.९५.६७ लाख (रुपये पंच्याण्णव लाख सदुसष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.२३ लाख (रुपये तेवीस हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर अधिक्य हे ४१ ह नूसार अनावधानाने कमी रकमेची मागणी केल्यामुळे अधिक्य झाला आहे. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(०२) पाटबंधारे संशोधन व विकास पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९५.६७ लाख (रुपये पंच्याण्णव लाख सदुसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ९५.६७ लाख (रुपये पंच्याण्णव लाख सदुसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४७.३७<br>पुनर्विनियोजन ... ४८.०७ | ९५.४४ | ९५.६७ | +०.२३ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ४८.०७ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २६३ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०४)(०५) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे मंडळ ठाणे | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ८५३२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,०६.०० (रुपये एक कोटी सहा लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,१९.२९ लाख (रुपये एक कोटी एकोणीस लाख एकोणतीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. १३.२९ लाख (रुपये तेरा लाख एकोणतीस हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत आहे. सदर उपशिर्षाखाली रु. १,१९.२९ लाख एवढे मंजूर अनुदान होते तथापि अर्थसंकल्पीय वितरण प्रणालीवर अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करतेवेळी रु. १,०६.०० लाख इतका खर्च नोंदविला गेल्याने सदर उपशिर्षाखाली मंजुर अनुदान सिमीत करून अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. त्यामुळे सदर अधिक्य दिसुन येते. |
| | मूळ ... २९.५८ | १,०६.०० | १,१९.२९ | +१३.२९ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,१९.२९ लाख (रुपये एक कोटी एकोणीस लाख एकोणतीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,१९.२९ लाख (रुपये एक कोटी एकोणीस लाख एकोणतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ७६.४२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ७६.४२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ४१४३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.५४१,७५,२५ लाख (रुपये पाचशे एकेचाळीस कोटी पंच्याहत्तर लाख पंचवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५४१,७५,२५ लाख (रुपये पाचशे एकेचाळीस कोटी पंच्याहत्तर लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०१)(०१) व्याज | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५५१,८५,०८ लाख (रुपये पाचशे एकावन कोटी पंच्याऐंशी लाख आठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५४१,७५,२५ लाख (रुपये पाचशे एकेचाळीस कोटी पंच्याहत्तर लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालाने नोंदवलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु. १०,०९,८३ लाख (रुपये दहा कोटी नऊ लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतकी तफावत दिसून येते सदर तफावत वाणिज्यिक व्याजाच्या परिगणनेतील भिन्न पध्दतीमुळे दिसून येत आहे. विभाग ही परिगणना मागील वर्षाच्या प्रत्यक्ष खर्चाच्या आधारे करते. तर महालेखापाल कार्यालय ही परिगणना त्याच आर्थिक वर्षाच्या प्रत्यक्ष खर्चाच्या आधारे करतात. त्यामुळे सदरची तफावत दिसून येत आहे. |
| | मूळ ... ५,२७,११.१२<br>पुनर्विनियोजन ... १४,५४.१३ | ५,४१,७५.२५ | ५,५१,८५.०८ | +१०,०९.८३ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १४,५४.१३ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | |
| २६४ | २७०१मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>०३ प्रशिक्षण<br>(०६) वाल्मीला सहायक अनुदान<br>(०६)(०१) अधीक्षक अभियंता व संचालक पाटबंधारे संशोधन व<br>(०६)(०२) विकास पुणे | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक. २७०१ ९१९२ या उपशीर्षाखाली रु. १६,९३ लाख (रुपये सोळा लाख त्र्याण्णव हजार फक्त) इतके अंतिम सुधारीत अनुदान वितीय लेखयात दर्शवले होते. विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१६.९३ लाख (रुपये सोळा लाख त्र्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही<br>तथापि महालेखापालांनी उपशिर्ष २७०१ ९३९७ व २७०१ ९१९२ या दोन संगणक संकेतांकासमोरील खर्च रु. १६३४.१५ लाख (रुपये सोळा कोटी चौतीस लाख पंधरा हजार फक्त) इतका एकत्रितपणे दर्शविला आहे. त्यामुळे खर्चामध्ये रु. १६१७.२२ लाख (रुपये सोळा कोटी सतरा लाख बावीस हजार फक्त) इतकी तफावत दिसुन येत आहे. त्या अनुषंगाने सदर उपशिर्षाखाली रु. १६१७.२२ लाख (रुपये सोळा कोटी सतरा लाख बावीस हजार फक्त) इतक्या गैरवर्गीकरणाच्या अनुषंगाने चुकीची दुरूस्ती नोंद प्रस्ताव महालेखापाल कार्यालयास शासन पत्र क्र. विनियो २७०१/२०१३-१४ / (०६/२०१५ ) / लेखा दिनांक १२.०६.२०१५ सादर करण्यात आला आहे.<br>महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. १५.३८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | मूळ ... १५,१८.७७ | १५,३४.१५ | १६,३४.१५ | +१,००.०० | |
| | पुनर्विनियोजन ... १५.३८ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक २७०१ ओ१२१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,१९.०० लाख (रुपये दोन कोटी एकोणीस लाख फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,१९.०१ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणीस लाख एक हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येते. सदर सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी दर्शविलेली रक्कम ही पुर्णांकित नोंदवल्यामुळेअधिक्य दिसुन येते. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०१ मोठे पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>८८५ मांजरा प्रकल्प<br>(०१)(३३) एसी व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्र.बीड | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,१९.०१ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणीस लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे, आणि विभागाने रु. २,१९.०१ लाख (रुपये दोन कोटी एकोणीस लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५१.३१<br>पुरक ३४.६१<br>पुनर्विनियोजन ... १,३३.०८ | २,१९.०० | २,१९.०१ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. १,३३.०८ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भूपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२१८७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६,०३.१७ (रुपये सहा कोटी तीन लाख सतरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६,०३.१७ (रुपये सहा कोटी तीन लाख सतरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०९) इतर खर्च<br>(०९)(०१) आस्थापना हिस्सा | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६,०३.१८ (रुपये सहा कोटी तीन लाख अठरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६,०३.१७ (रुपये सहा कोटी तीन लाख सतरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. रु.०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतकी तफावत दिसून येते सदर तफावत हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी दर्शविलेली रक्कम ही पुर्णांकित नोंदवल्यामुळे दिसुन येते. |
| | मूळ ... १.८८.६२ | ६,०३.१७ | ६,०३.१८ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ४,१४.५५ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन.... ४,१४.५५ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१- भुपृष्ठ जल, संगणक सांकेतांक २७०२४५६७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.४४.१३ लाख (रुपये चव्वेचाळीस लाख तेरा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४४.१४ लाख (रुपये चव्वेचाळीस लाख चौदा हजार फक्त) इतका झाला आहे. रु .०.०१ लाख (रुपये एक हजार फक्त) इतके अधिक्य दिसून येत. सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी दर्शविलेली रक्कम ही पुर्णांकित नोंदवल्यामुळेअधिक्य दिसुन येते. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(०७)(१०) अधीक्षक अभियंता, सांगली पाटबंधारे मंडळ, सांगली | | | | |
| | मूळ ... ८.०१ | ४४.१३ | ४४.१४ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४४.१४ लाख (रुपये चव्वेचाळीस लाख चौदा हजार फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ४४.१४ लाख (रुपये चव्वेचाळीस लाख चौदा हजार फक्त )इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे तफावत दिसून येत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन.... ३६.१२ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनुसार रु. ३६.१२ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७०५ लाभक्षेत्र विकास, ००१ संचालन व प्रशासन, संगणक संकेतांक २७०५ ३५८७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,४१.०८ लाख (रुपये एक कोटी एकेचाळीस लाख आठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,४१.०९ लाख (रुपये एक कोटी एकेचाळीस लाख नऊ हजार फक्त फक्त) इतका झाला आहे. सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी दर्शविलेली रक्कम ही पुर्णांकित नोंदवल्यामुळे अधिक्य दिसुन येते. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | २७०५ लाभक्षेत्र विकास<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, औरंगाबाद<br>(०१)(०३) आस्थापना (योजनेतर) | | | | |
| | मूळ ... १,३५.६२ | १,४१.०८ | १,४१.०९ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,४१.०९ लाख (रुपये एक कोटी एकेचाळीस लाख नऊ हजार फक्त फक्त)इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,४१.०९ लाख (रुपये एक कोटी एकेचाळीस लाख नऊ हजार फक्त फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्यामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन ... ५.४६ | | | | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशीर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५.४६ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |

मु.ले.शी.:- '२७११ - पूर निर्यंत्रण व जलनिस्सरण' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६४ | शीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी. २७११ पूर निर्यंत्रण व जलनिस्सारण, ०३ जलनिस्सारण, संगणक संकेतांक २७११ ०३४१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१०.९५ लाख (रुपये दहा लाख पंच्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१०.९६ लाख (रुपये दहा लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लाख इतकेअधिक्य दिसून येते. सदर सदर अधिक्य हे नियंत्रक अधिकाऱ्यांनी दर्शविलेली रक्कम ही पुर्णांकित नोंदवल्यामुळेअधिक्य दिसुन येते. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | २७११ पूर निर्यंत्रण व जलनिस्सरण<br>०३ जलनिरसारण<br>१०३ नागरी बांधकामे - परिरक्षण व दुरूस्त्या<br>(०३) सर्वेक्षण व अन्वेषण<br>इतर शीर्षाकडून हस्तांतरीत करण्यात आलेला खर्च(पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना)<br>(०३)(०४) हत्यारे व संयत्रे यावरील खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १०.९६ लाख (रुपये दहा लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १०.९६ लाख (रुपये दहा लाख शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ३.६१<br>पुनर्विनियोजन... ७.३४ | १०.९५ | १०.९६ | +०.०१ | महालेखापाल कार्यालयाने अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे या उपशिर्षाकरीता आवश्यकतेनूसार रु. ५.३४ लाख एवढा वाढीव निधी पुनर्विनियोजीत करण्यात येऊन अंतिम सुधारित अनूदान निश्चित करण्यात आले असून तो खर्ची करण्यात आला आहे. |
| | कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता, मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे उपशीर्षाखाली रु.५९.१६.६२ लाखांचा वाढीव निधी हा,रु.११,४१.१३ लाखांचा अधिक खर्च लक्षात घेता , अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.. | | | | महालेखापाल यांनी तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे उपशीर्षाखाली रु.५९.१६.६२ लाखांचा वाढीव निधी घेतल्याबाबतची कारणे पृष्ठ २३१ ते पृष्ठ २४४ वर स्वंतत्रपणे नमूद करण्यात आले आहेत. |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २६५ | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>०३ मध्यम पाटबंधारे –वाणिज्यिक<br>(०२) पुस्तक समायोजनाव्दारे परिवर्तीत नियमित स्थायी / अस्थायी आस्थापणेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च<br>(०२)(११) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा. नाशिक. | | | | मु.ले.शी. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०३ मध्यम पाटबंधारे वाणिज्यिक, संगणक संकेतांक २७०१ बी०४६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान निरंक असून विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,०२.१२ लाख (रुपये एक कोटी दोन लाख बारा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य रु. १,०२.१२ लाख दिसून येत येते. सदर अधिक्य पुस्तकी समायोजन केल्याने दिसून येत आहे. बीडीएस वर सदर खर्च प्रत्यक्ष नोंदवला नसल्याने अंतिम सुधारित अनुदान निरंक झालेले आहे.<br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,०२.१२ लाख (रुपये एक कोटी दोन लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,०२.१२ लाख (रुपये एक कोटी दोन लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे तफावत दिसून येत नाही.<br>महालेखापालांनी अहवालात नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून रु. १,१३.४७ लाख कमी करण्यात आलेला निधी अर्थसंकल्प नियमपुस्तिका खंड पहिला नियम १७४ नुसार राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मूळ ... १,१३.४७ | ---- | १,०२.१२ | +१,०२.१२ | |
| | पुनर्विनियोजन ... -१,१३.४७ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | २७०१ बी१५३<br>सदर उपशिर्षाखाली केंद्र शासनाकडून कोणतीही काहीही तरतुद न मिळाल्याने अंतिम सुधारित अनुदान निरंक आहे. त्यामुळे खर्चही झालेला नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८० सर्वसाधारण<br>००३ प्रशिक्षण<br>(०६) वाल्मीला सहायक अनुदान<br>(०६)(०३) अधीक्षक अभियंता व संचालक पाटबंधारे संशोधन व विकस पुणे केंद्र पुरस्कृत योजना | | | | |
| | मूळ ... १,०१.५५ | -- | -- | --- | |
| | पुनर्विनियोजन ... १,०१.५५ | | | | |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे' अनुदान क्रमांक :- आय-३ सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | २७०१ बी४८५<br>~~सदर उपशिर्षाखाली पुरस्कारासंबंधी तरतुद करण्यात आली नव्हती त्यामुळे अनुदान न मिळाल्याने प्रत्यक्ष खर्चही करण्यात आलेला नाही.~~<br>सदर उपशिर्षाखाली पाणी वापर संस्थांना पुरस्कार देण्यासाठी तरतूद केली नाही. तथापि, कार्यक्रम न झाल्याकारणे खर्च झाला नाही. |
| | २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे<br>८०० इतर खर्च<br>(११) महाराष्ट्र जलक्षेत्र सुधारणा प्रकल्प<br>(१५)(०१) पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर पाणी वापर संघ व्यवस्थापन पुरस्कार | | | | |
| | मूळ ... ४५.०० | -- | -- | --- | |
| | पुनर्विनियोजन ... -४५.०० | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये (रुपये लाखात) | २७०२ मुख्य लेखाशिर्षाखाली सचिव लाक्षेवि याचे नावे ठोक तरतुद केली जाते. आर्थिक वर्षाच्या कालावधीत सदर मुख्य लेखाशिर्षांतर्गत आवश्यकता असल्यास ती पुनर्विनियोजनाद्वारे उपलब्ध करून दिली जाते त्यामुळे, सदर लेखाशिर्षाखाली थेट प्रत्यक्ष खर्च होत नाही तसेच अवितरीत असलेली तरतुद वर्षाखेरीस समर्पित करण्यात येते. |
| | २७०२ लहान पाटबंधारे<br>०१ भूपृष्ठ जल<br>८०० इतर खर्च<br>(२०) लहान पाटबंधारे प्रकल्पाची दुरुस्ती व परिक्षण यांसाठी तरतुद<br>(२०)(०१) सचिव , लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, पाटबंधारे विभाग, मंत्रालय, मुंबई | | | | |
| | मूळ ... १३,०९.३२ | -- | -- | --- | |
| | पूरक ---- १५,३५.२५ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन.... -२८,४४.५७ | | | | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) रुपये | मु.ले.शी ३४०२ |
| | | | | (रुपये लाखात) | अर्थसंकल्पात करण्यात येणारी तरतुद ही वर्षभरातील अपेक्षित मागणीच्या अनुषंगाने केली जाते तथापि निधीचे वितरण हे प्रत्यक्ष प्राप्त झालेल्या मागण्यानूसार केले जाते. त्याप्राप्त झालेल्या मागण्यानूसार निधी वितरीत केल्यानंतर शिल्लक राहीलेला निधी समर्पित करण्यात येतो |
| | ३४०२ अवकाश संशोधन<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)(०२) मुख्य अभियंता व संचालक महाराष्ट्र अभियांत्रिकी संशोधन संस्था ( एमईआरआय ) नाशिक. | | | | |
| | मूळ ... ३०..२० | | | | |
| | पूरक — — | — | — | — | |
| | पुनर्विनियोजन.... -३०.२० | | | | |

कोणतही कारण न देता, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाव्दारे खरील उपशीर्षाखाली रु.१,०२,५४.५७ लाख इतका संपुर्ण निधी काढण्यात आला. अत्याधिक अंदान व सदोष अर्थसंकल्प यांकडे निर्देश करुन बचतीसह अनुदान बंद करण्यात आल्याचे हे सलग असे पाचवे वर्ष आहे.
मागील वर्षातील बचती पुढे देण्यात आल्या आहेत.

| वर्ष | एकूण तरतुद | खर्च (रु.लाखात) | बचत |
|---|---|---|---|
| २००९-१० | २१,३५,५५,३७ | १९,५५,००.४८ | १,८०,५४.८९ |
| २०१०-११ | २२,४१,३९.२८ | २०,०२,०१.९१ | २,३९,३७.३७ |
| २०११-१२ | २४,३९,५५.७५ | २१,७७,०७.४९ | २,६२,४८.२६ |
| २०१२-१३ | २४,०१,६४.८८ | २०,२१,२२.९६ | ३,८०,४१.९२ |

मु.ले.शी.:- '२७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे'

अनुदान क्रमांक :- आय-३

सन २०१३-२०१४

निलंबन व्यवहार :- अनुदानातील एकूण खर्चामध्ये २७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे या प्रधान शीर्षाखालील रु.१०,४६ लाखाचा समावेश आहे. निलंबन व्यवहाराचे स्वरुप अनुदान क्रमांक एच-६ "सार्वजनिक बांधकाम आणि प्रशासकीय व कार्यालयीन इमारती" या विनियोजन लेख्याखालील टिपणीमध्ये स्पष्ट करण्यात आलेले आहे. सन २००९-१० या वर्षातील अनुदानाच्या निलंबन व्यवहाराचे विश्लेषण खालीलप्रमाणे आहे :-

प्रधान शीर्ष - २७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | | ३. |
| २६६ | निलंबन शीर्ष | प्रारंभिक शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | खर्च (रू.लाखात) | जमा | अखेरची शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | लेखा परिक्षणात नमूद केलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | |
| | संग्रह | - ४,७९.४३ | ६,१३.४५ | ०.०१ | +१,३४.०१ | |
| | खरेदी | - २९,३०.९० | --- | --- | - २९,३०.९० | |
| | संकीर्ण सार्वजनिक बांधकाम विषयक आगाऊ रकमा | + २८,४२.५५ | --- | ३,०९.९५ | + २५,३२.६० | |
| | कार्यशाळा निलंबन | - १९.१६ | --- | --- | - १९.१६ | |
| | रोकडमेळ निलंबन लेखा | + ७,८०.७२ | --- | --- | + ७,८०.७२ | |
| | एकूण | + १,९३.७८ | ६,१३.४५ | ३,०९.९६ | + ४,९७.२७ | |

| वितियोजन लेखा पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | | ३ |
| २७०० | निलंबन शीर्ष | प्रारंभीक शिल्लक (अ खर्च) (-जमा) | खर्च (रुपये लाखांत) | जमा (रुपये लाखांत) | अखेरची शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | महालेखापालांनी दर्शविलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | संग्रह | + १४.२८ | - | - | + १४.२८ | |
| | खरेदी | + ०.०२ | - | - | + ०.०२ | |
| | संकीर्ण सार्वजनिक बांधकाम विषयक आगाऊ रकमा | - ६.२९ | - | - | - ६.२९ | |
| | कार्यशाळा निलंबन | - | - | - | - | |
| | रोकडमेळ निलंबन लेखा | - २.५५ | - | - | - २.५५ | |
| | एकुण | + ५.४६ | - | - | + ५.४६ | |

निलंबन व्यवहार :-

अनुदान क्रमांक :- आय-३

प्रधानशीर्ष :- २७११ - पूर निर्यंत्रण व जलनिस्सारण सन २०१३-२०१४

| विनियोजन लेखा पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | | ३ |
| २७० | निलंबन शीर्ष | प्रारंभीक शिल्लक (+ खर्च) (-जमा) | खर्च (रुपये लाखात) | जमा (रुपये लाखात) | अखेरची शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | महालेखापालांनी दर्शविलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | संग्रह | + ०.५५ | - | - | + ०.५५ | |
| | खरेदी | - २.७६ | - | - | - २.७६ | |
| | संकीर्ण सार्वजनिक बांधकाम विषयक आगाऊ रकमा | + ०.१४ | - | - | + ०.१४ | |
| | कार्यशाळा निलंबन | - | - | - | - | |
| | रोकडमेळ निलंबन लेखा | + ०.१० | - | - | + ०.१० | |
| | एकूण | -१.९७ | - | - | -१.९७ | |

| पृष्ठ क्रमांक | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | | ३. |
| २७१ | निलंबन शीर्ष | प्रारंभीची शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | खर्च (रु.लाखात) | जमा | अखेरची शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | लेखा परिक्षणात नमूद केलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | |
| | | | | | (रुपये लाखात) | |
| | संग्रह | + ३.४५ | ------- | ------- | + ३.४५ | |
| | खरेदी | +१६.२१ | ------ | ------ | + १६.२१ | |
| | संकीर्ण सार्वजनिक बांधकाम विषयक आगाऊ रकमा | (-).६.५० | ------ | ------ | -६.५० | |
| | कार्यशाळा निलंबन | - २.८१ | --- | --- | - २.८१ | |
| | रोकडमेळ निलंबन लेखा | + ४.६५ | --- | --- | + ४.६५ | |
| | एकूण | + १५.०० | ------ | ------ | + १५.०० | |

(स.दि.सावंत)
कक्ष अधिकारी महाराष्ट्र शासन

# अनुदान क्रमांक आय-५, पाटबंधारे-यावरील मांडवली खर्च (एकत्रित सद्य:स्थिती)

विनियोजन लेखा व लेखापरिक्षा अहवाल सन २०१३-२०१४ मध्ये नमूद केलेल्या जलसंपदा विभागाशी संबंधीत अर्थसंकल्पीय बाबींचे स्पष्टीकरण दर्शविणारे विवरणपत्र

कवच — २०१३-२०१४

| वि.ले.पु.क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | ३ |
| २६९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | |
| | | | | (रुपये हजारात) | |
| | प्रधान शीर्ष<br>४४०२ - मृद व जलसंधारण यावरील मांडवली खर्च<br>४४०१ - मोठ्या व लघन पाटबंधा-यांवरील मांडवली खर्च<br>४४०२ - लहान पाटबंधा-यांवरील मांडवली खर्च<br>४४११ - पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>४८०१ - वीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>५४०२ - अवकाश संशोधनावरील मांडवली खर्च<br>दत्तमत - | | | | |
| | मूळ ८८,०२,८३,२३<br>पूरक ७,२२,४०,३२ | ९५,२५,४३,५५ | ७९,७३,१४,६० | - १५,४८,२८,९५ | |
| | वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | १५,४८,६१,५० | |
| | भारित -<br>मूळ २०,००<br>पूरक ---- | २०,०० | १,३४ | - १०,६६ | |
| | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | १०,६६ | |
| | टिपा व भाष्ये: -<br>अनुदानार्थवर्गीय रु. ७९,७३,१४,६० लाखांचा प्रत्यक्ष खर्च हा रु. ८८,०२,८३,२३ लाखांएवढया मूळ तरतूदीइतका दर्शविल झाला नाही. रु. ७,२२,४०.३२ लाखांचे पुरक तरतूद अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.<br>२) रु. १५,४८,२८,९५ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता मार्च, २०१४ मध्ये, परत करण्यात आलेला रु. १५,४८,६१,५० लाख इतका निधी, अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले. | | | | |

मागणी क्रमांक आय-५ अंतर्गत एकूण दत्तमत अनुदान रुपये. २५२५,४३.५५ लाख (रुपये नऊ हजार पाचशे पंचवीस कोटी त्रेपाळीस लाख पंचावन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने महालेखापाल कार्यालयाने रु. ७९७३,१४.६० लाख (रुपये सात हजार नऊशे सत्याहत्तर कोटी चौदा लाख व सात हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. परिणामी रु. १५४८,२८.९५ लाख (रुपये एक हजार पाचशे अठ्ठेचाळीस कोटी अठ्ठावीस लाख पंच्याण्णव हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे.

मागणी क्र.आय ५ अंतर्गत सर्व प्रधान लेखाशिर्षाखाली एकूण बचतस रु.९५२५,४३.५५ लाख (रुपये नऊ हजार पाचशे पंचवीस कोटी त्रेपाळीस लाख पंचावन्न हजार फक्त ) पैकी रु.१५४८,६१.५० लाख (रु.एक हजार पाचशे अठ्ठेचाळीस कोटी एकसष्ठ लाख पन्नास हजार फक्त ) इतकी रक्कम आय ५ अंतर्गत असलेल्या एकूण सहा प्रधान शीर्षाची एकत्रितरित्या शासन निर्णय दि.३१/३/२०१४ अन्वये शासकीय दायमतकडे वर्ग करण्यात आली. परिणामी रु. ७९४६,८२.०५ लाख (रु. सात हजार नऊशे सेहचाळीस कोटी ब्याऐंशी लाख पाच हजार फक्त) इतके अंतिम सुधारीत अनुदान (संबंधीत प्रधानशिर्षाखालील शासनाचे अंतिम सुधारीत अनुदान ) निश्चित करण्यात आले. त्या अनुषंगाने उपशिर्षनिहाय संबंधीत प्रधान लेखाशिर्षाखाली झालेला प्रत्यक्ष एकत्रित खर्च विचारात घेऊन विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.७९७३,१४.६० लाख (रुपये सात हजार नऊशे त्र्याहत्तर कोटी सत्याहत्तर लाख एकतीस हजार फक्त) इतका खर्च झाला आहे. परिणामी रु. २३,९५.९६ (रुपये तेवीस कोटी पंच्याण्णव लक्ष सोळा हजार फक्त ) इतके अधिक्य झालेले आहे. त्यामागची कारणे उपलेखाशिर्षनिहाय स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात नमूद करण्यात आली आहेत.

मागणी क्र.५ अंतर्गत दत्तमत (अनुदान ) महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखे अहवालात रु.७९७३,१४.६० लाख (रुपये सात हजार नऊशे त्र्याहत्तर कोटी चौदा लक्ष सात हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे व रु.७९७०,७७.२९ लाख रुपये सात हजार नऊशे सत्तर कोटी सत्याहत्तर लाख एकवीस हजार फक्त) इतका विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे.परिणामी रु.६,३७.३९ लक्ष (रुपये सहा कोटी सदतीस लक्ष एकोणचाळीस हजार फक्त) इतकी तफावत महालेखापालांने नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाने केलेल्या प्रत्यक्ष खर्चात आहे. त्याची कारणे स्वतंत्ररित्या उपशिर्षनिहाय स्पष्टीकरण ज्ञापनात नमूद करण्यात आलेली आहेत.

.....२.....

# अनुदान क्रमांक आय-५, पाटबंधाऱ्यावरील भांडवली खर्च (एकत्रित सद्यःस्थिती)

वचत — विनियोजन लेखा व लेखापरिक्षा अहवाल सन २०१३-२०१४ मध्ये मंजूर केलेल्या जलसंपदा विभागाशी संबंधीत अर्थसंकल्पीय बाबींचे स्पष्टीकरण दर्शविणारे — २०१३-२०१४

| वि.ले. पु.क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| | | मागणी आय क्र. ५ अंतर्गत मारीत अनुदान रु.२०.०० लक्ष (रु.वीस लक्ष फक्त), असून रु.१०.६६ लक्ष (रुपये दहा लक्ष सहासष्ट हजार फक्त )इतकी रक्कम राखीव दरामत करुन वर्ग केलेली आहे. परिणामी रु.९.३४ लक्ष (रुपये नऊ लक्ष चौतीस हजार फक्त )इतकी अंतिम सुधारित अनुदान मंजूर झाले. त्याअनुषंगाने विभागाने प्रत्यक्ष (मारीत) खर्च रु. ९.३४ लक्ष इतका केलेला आहे. परिणामी अधिक्य/ बचत दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने रु. ९.३४ लक्ष (रुपये नऊ लक्ष चौतीस हजार फक्त ) इतका खर्च (मारीत) नोंदविला आहे. व विभागाने रु. ९.३४ लक्ष इतका प्रत्यक्ष खर्च केलेला आहे.परिणामी महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या (मारीत) खर्च व विभागाच्या प्रत्यक्ष (मारीत) खर्चात तफावत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने दर्शविलेल्या टिप्पणीच्या अनुषंगाने खालील प्रमाणे खुलासा करण्यात येत आहे:-<br><br>सर्वसाधारणपणे पुरक मागणीद्वारे ज्या कामांकरीता अतिरिक्त तरतूद अर्थसंकल्पित करण्यात आली आहे त्यामधील्या विद्यमान तरतूदीमधील बचत प्रत्यर्पित केली नसून सदर बाबीसाठी अर्थसंकल्पित असलेले विद्यमान तरतूद खर्ची टाकण्यात आली आहे. मागणी क्र. आय-५ अंतर्गत सन २०१३-१४ या वर्षात पुरक मागणीद्वारे रु. ७,२२,७०,३२ लक्ष ची तरतूद अर्थसंकल्पित करण्यात आली. यापैकी, रु. ७०० कोटी इतका निधी गोसीखुर्द राष्ट्रीय प्रकल्पाच्या पुनर्वसन पॅकेज करण्याकरता अर्थसंकल्पित करण्यात येऊन तो पुर्णत: वितरीत करण्यात आला आहे. तर रु. ८१०.१४ लक्ष महाराष्ट्र जलसेत्र सुधार प्रकल्प याकरीता व रु. १३५० लक्ष यवतमाळ जिल्हयातील पुर संरक्षण योजनेच्या कामाकरीता अर्थसंकल्पित करण्यात येऊन वितरीत करण्यात आले आहे. मागणी क्र. आय -५ अंतर्गत झालेली एकुण बचत ही प्रामुख्याने सन २०१३-१४ या वर्षात वित्त विभागाने ८० % मर्यादेत निधी वितरण केल्याने झाली आहे. तथापि पर मंजूर केल्यानुसार रु. ७९४८८२.०५ लक्ष इतक्या अंतिम सुधारित अनुदानाच्या तुलनेत रु.२३,१५.१६ लक्ष इतके खर्चाचे अधिक्य सदर परिस्थितीत पुरक अनुदानाद्वारे अर्थसंकल्पित तरतूद अनावश्यक नसल्याचे दिसते. तसेच उपरोक्तनिहाय झालेली बचत / अधिक्य याबाबतचा खुलासा संबंधित उपशिर्षनिहाय आपणास मंजूर केला असून त्यानंतर निधीचे समर्पण शासकीय असल्याचे निदर्शनास येते. | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ६६७८ या उपशीर्षाखाली एकुण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२६,४६.३२ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी सेहेचाळीस लाख बत्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २६,१९.५७ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी एकोणीस लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतकी बचत झाली आहे. त्यामुळे रु.२६.७५ लक्ष (रुपये सहवीस लाख पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतकी ~~अधिक खर्च~~ बचत दिसून येत आहे. सदर बचत प्रामुख्याने सन २०१३-१४ मध्ये अधिक्षक अभियंता यांत्रिकी (द्वारे ) पुणे या कार्यालयाचे अधिक्षक अभियंता यांत्रिकी मंडळ नाशिक येथे स्थलांतर झाल्याने मंडळ कार्यालयातील कर्मचारी इतरत्र बदली झाल्यामुळे दिसुन येत आहे.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २६,१९.५७ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी एकोणीस लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २६,१९.५७ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी एकोणीस लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसुन येत नाही. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)(१०) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ, (द्वारे) पुणे | | | | |
| | मूळ ... ३१,७३.१२ | २६,४६.३२ | २६,१९.५७ | - २६.७५ | |
| | पुनर्विनियोजन. -५,३०.८० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २६९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ६६८७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३७,५८.३५ लक्ष (रुपये सदतीस कोटी अठ्ठावन्न लाख पस्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३७,५१.५२ लक्ष (रुपये सदतीस कोटी एक्कावन्न लाख बावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ६.८३ लक्ष (रुपये सहा लाख त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदरची बचत वेतनावरील अतिप्रदान रक्कम वसुली करुन चलनाने भरल्यामुळे दिसून येत आहे. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)(११) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ, (उ.सं) पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३७,५१.५२ लक्ष (रुपये सदतीस कोटी एक्कावन्न लाख बावन्न हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.३७,५१.५२ लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ४१,१५.२५<br>पुनर्विनियोजन. -४,३६.९० | ३७,५८.३५ | ३७,५१.५२ | - ६.८३ | |
| | रू.३३.५८ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता, वित्त विभागाने अर्थसंकल्पीय खर्चावर कपात लादल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशीर्षामधून काढण्यात आलेला रू.९,६७.७० लाखांचा निधी अपुरा असल्याचे सिद्ध झाले.<br>रू.३३.५८ लाखांची अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत. | | | | |

मु.ले.शी. ४४०२ - मृद व जलसंधारण यावरील मांडवली खर्च अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले मू. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | ३ |
| २७० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४४०२ मृद व जलसंधारण यावरील मांडवली खर्च, १०२-मृद संधारण, संगणक संकेतांक ४४०२ २४२२ या उपशिर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रू.१३,७०.८० लक्ष (रूपये तेरा कोटी सत्तर लक्ष ऐंशी हजार फक्त) पैकी विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रू.१३,७०.८० (रूपये तेरा कोटी सत्तर लक्ष ऐंशी हजार फक्त) इतका झालेला आहे.परिणामी अधिक्य अथवा बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रूपये लाखात) | |
| | ४४०२ - मृद व जलसंधारण यावरील मांडवली खर्च<br>१०२ मृद संधारण<br>(०३) (१) प्रकल्प संचालक व अधीक्षक अभियंता, खारभूमी विकास मंडळ, ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखे अहवालात रू. १३,७०.८० लक्ष ( रूपये तेरा कोटी सत्तर लक्ष ऐंशी हजार) इतका खर्च नोंदविलेला असून विभागाचाही रू. १३,७०.८० लक्ष ( रूपये तेरा कोटी सत्तर लक्ष ऐंशी हजार) इतका प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे. त्यामुळे विभागाच्या खर्चात व महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चात तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ १७,१३.५० | १३,७०.८० | १३,७०.८० | — | |
| | पुनर्विनियोजन -३.४२.७० | | | | |
| | वित्त विभागाने अर्थसंकल्पीय खर्चावर कपात लादल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशिर्षांमध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे रू.३,४२.७० लाखाचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक ४८०१ ०९५७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान) अंतिम सुधारीत अनुदान रु.३,८२.२७ लक्ष (रुपये तीन कोटी ब्याऐंशी लक्ष सत्तावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,८२.२१ लक्ष (रुपये तीन कोटी ब्याऐंशी लक्ष एकवीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु ०.०६ लक्ष (रूपये सहा हजार फक्त) इतकी अत्यल्प बचत दिसून येत आहे सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) (०८) अधीक्षक अभियंता, मध्यवर्ती संकल्पचित्र संघटना (बीजगृह) नाशिक | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.३,८२.२१ लक्ष (रुपये तीन कोटी ब्याऐंशी लक्ष एकवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३,८२.२१ लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५,७८.२४<br>पुनर्विनियोजन. -१,९५.९७ | ३,८२.२७ | ३,८२.२१ | - ०.०६ | |

मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक ४८०१ ३९४७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.८,६२.६७ लक्ष (रुपये आठ कोटी बासष्ट लक्ष सदुसष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८,६२.४३ लक्ष (रुपये आठ कोटी बासष्ट लक्ष त्रेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रूपये ०.२४ लक्ष (रूपये चोवीस हजार) इतकी बचत अतिप्रदान झालेल्या वसुलीची व अंतिम सुधारीत अनुदानाची मागणी पूर्णाकात दर्शविल्यामुळे दिसून येत आहे. एकूण बचत रू. ०.२४ लक्ष बाबत खुलासा करण्यात येतो की,कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा या कार्यालयाने रू.२२,७७२/-इतक्या रक्कमेचा भरणा चलनाने केला आहे. तसेच उर्वरित रू.१२२८/- ची बचत जी अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०४) अधीक्षक अभियंता , कोयना बांधकाम मंडळ ,सातारा<br>(०७) (०३) कोयना धरण (पायथा) बीज केंद्र (डावा तट) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.८,६२.२७ लक्ष (रुपये आठ कोटी बासष्ट लक्ष सत्तावीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ८,६२.४३ लक्ष (रुपये आठ कोटी बासष्ट लक्ष त्रेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.०.१६ लक्ष (रूपये सोळा हजार) इतकी तफावत दिसून येत आहे. सदर तफावतीच्या अनुषंगाने रू.१६९५५/-ची चुकीची नोंद दुरूस्ती प्रस्ताव पत्र क्र.विनियो ४८०१/२०१३-१४/१७/२०१५/(४)लेखा दि.१६.४.२०१५ अन्वये महालेखापाल, मुंबई कार्यालयास सादर करण्यात आला. सदर प्रस्ताव महालेखापाल, मुंबई यांनी त्यांच्या पत्र क्र.डीसी-४/एनओई/१३-१४/२२ दि .११.०५.२०१५ अन्वये आपल्या लेखयात सुधारीत नोंद घेतल्याचे शासनास कळविले आहे. |
| | मूळ ... १०,३१.८८ | ८,६२.६७ | ८,६२.२७ | - ०.४० | |
| | पुनर्विनियोजन. -१,६९.२१ | | | | |

मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक ४८०१ ३९५६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.३,५१.३१ लक्ष (रुपये तीन कोटी एकावन्न लाख एकतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,५०.९६ लक्ष (रुपये तीन कोटी पन्नास लक्ष श्याहण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रूपये ०.३५ लक्ष (रूपये पस्तीस हजार) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदर बचत ही वेतनावरील असून ०१ वेतन व भत्ते यावरील असून अतिप्रदान केलेल्या रक्कमेची वसूली व कर्मचा-यांनी दिलेल्या राजीनाम्यामुळे रू. ३४,८८१/- इतकी रक्कमेची वसूली करून वलनाने भरल्यामुळे सदर बचत दिसून येत आहे. तसेच उर्वरित बचत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>०७ अधीक्षक अभियंता, कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा<br>(०७) (०४) सरदार सरोवर प्रकल्प | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,५०.९६ लक्ष (रुपये तीन कोटी पन्नास लक्ष शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ३,५०.९६ लक्ष (रुपये तीन कोटी पन्नास लक्ष शहाण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे; परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४,३५.४० | ३,५१.३१ | ३,५०.९६ | -०.३५ | |
| | पुनर्विनियोजन. -८४.०९ | | | | |

मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पु. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | तपशील | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | |
| २७३ | ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०८) अधीक्षक अभियंता , कोयना (वि व यो) संकल्पचित्र मंडळ, सातारा<br>(०८) (०२) कोयना धरण (पायथा) बीज केंद्र (डाटा सह) | | | | मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक ४८०१ ३९७४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान ) रु. ४,१३.९७ लक्ष (रुपये चार कोटी तेरा लाख सत्त्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,१३.८७ लक्ष (रुपये चार कोटी तेरा लक्ष सत्त्याऐंशी हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रुपये ०.१० लक्ष (रुपये दहा हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे ,सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे.<br><br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अडवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,१३.८७ लक्ष (रुपये चार कोटी तेरा लक्ष सत्त्याऐंशी हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ४,१३.८७ लक्ष (रुपये चार कोटी तेरा लक्ष सत्त्याऐंशी हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४,१४.५६ | ४,१३.९७ | ४,१३.८७ | -०.१० | |
| | पुनर्विनियोजन. -६१.५९ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७१ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३९९२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ८,३८.५० लक्ष (रुपये आठ कोटी अडतीस लक्ष पन्नास हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८३७.४३ लक्ष (रुपये आठ कोटी सदतीस लक्ष त्रेचाळीस हजार फक्त )इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. १.०७ लक्ष (रुपये एक लाख सात हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे. सदरहू बचत प्रामुख्याने कर्मचा-याला अतिप्रदान केलेले वेतनाची वसूली, बदली प्रवास भत्ता, धुलाई भत्ता इ. बाबीची रक्कमेची वसुली चलनाने भरणा केलेली असल्याने दिसून येते. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) अधिक्षक अभियंता ,कोयना (वि व यां) बांधकाम मंडळ ,सातारा<br>(०१) (०२) कोयना धरण ( पायथा ) बीज केंद्र ( डावा तट ) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू. ८,३७.८० लक्ष (रुपये आठ कोटी सदतीस लक्ष ऐशी हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ८,३७.४३ लक्ष (रुपये आठ कोटी सदतीस लक्ष त्रेचाळीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.०.३७ लक्ष (रुपये सदतीस हजार फक्त) इतकी तफावत दिसून येते. तफावतीसंदर्भात कोयना बां. मं. सातारा (४८०१ ३९४७ व ४८०१ २२३४ ) यांनी चलनाने भरलेल्या रक्कमा (रू.१६,९५५ /- + रू. २१,५७० = रू.३८,५२५/- ) कोयना (विवया) उभारणी मंडळ, सातारा (४८०१ ३९९२ ) यांच्या नावे दर्शविण्यात आल्या होत्या त्या वजा करण्याबाबत , तसेच कोयना (विवया) उभारणी मंडळ, सातारा (४८०१ ३९९२) या लेखाशिर्षावर खर्च झालेली रू.१५४०/- इतकी रक्कम कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा (४८०१ ३९२९) यांच्या नावे दर्शविण्यात आलेल्या रक्कमेबाबतची चुकीची नोंद दुरूस्ती प्रस्ताव पत्र क्र. विनियो ४८०१/२०१३-१४/१७/२०१५/(४)लेखा दि.१६.४.२०१५ अन्वये महालेखापाल, मुंबई कार्यालयास सादर करण्यात आला. महालेखापाल मुंबई कार्यालय, यांनी त्यांचे पत्र क्र. DC४/NOE १३-१४/२२ दि. ११.५.२०१५ अन्वये त्यांच्या लेख्यात सुधारीत नोद घेतल्याचे कळविले आहे. |
| | मूळ ... १०,०१.५० | ८,३८.५० | ८,३७.८० | - ०.७० | |
| | पुनर्विनियोजन.. -१,६३.०० | | | | |
| | रिक्त पदे, विद्युत दैयके वेळेवर प्राप्त न होणे,शासकीय वाहनांचा निर्बंधित वापर आणि एकूण बचत असल्याचे नमूद केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाव्दारे वरील उपशिर्षाखाली काढण्यात आलेला ६,७६.८६ लाखांचा निधी रू.१.६१ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, अपुरा असल्याचे सिद्ध झाले.<br><br>त्याबाबतची कारणे प्रतिक्षित आहेत.(ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७१ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी.४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ २०५६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. १,२३.१६ लक्ष (रुपये एक कोटी तेवीस लक्ष सोळा हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १२३.१५ लक्ष (रुपये एक कोटी तेवीस लक्ष पंधरा हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लक्ष (रुपये एक हजार फक्त) इतकी बचत दिसून येत आहे, सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>८१३ घाटघर<br>(३०) (०२) अधीक्षक अभियंता, घाटघर (वि य यां ) मंडळ कळवा ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु १,२३.१५ लक्ष (रुपये एक कोटी तेवीस लक्ष पंधरा हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १,२३.१५ लक्ष (रुपये एक कोटी तेवीस लक्ष पंधरा हजार फक्त )इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही . |
| | मुळ ... १,५४.०० | १,२३.१६ | १,२३.१५ | - ०.०१ | |
| | पुनर्विनियोजन.. -३०.८४ | | | | |
| | अर्थसंकल्पात १० % कपात केल्याचे नमुद करण्यात आल्यामुळे मार्च २०१४मध्ये , प्रत्यार्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली काढण्यात आलेला रु.३०.८४ लाखाचा निधी अपुरा असल्याचे सिध्द झाले. त्यामुळे रु.०.०१ लाख एवढी अंतिम बचत झाली.<br>त्याबाबतची कारणे प्रतिक्षित आहेत.(ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७१ | शिर्ष | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ १२५६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ७.८३ लक्ष (रुपये सात लक्ष त्र्याऐंशी हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७.८२ लक्ष (रुपये सात लक्ष ब्याऐंशी हजार फक्त )इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लक्ष (रुपये एक हजार फक्त) इतकी नगण्य बचत दिसून येत आहे, सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ - वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>०५२ यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री<br>(००) (०४) अधीक्षक अभियंता, कोयना (वि व यां) बांधकाम मंडळ सातारा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू. ७.८२ लक्ष (रुपये सात लक्ष ब्याऐंशी हजार फक्त )इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ७.८२ लक्ष (रुपये सात लक्ष ब्याऐंशी हजार फक्त )इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही . |
| | मूळ ... ३५.८६ | ७.८३ | ७.८२ | - ०.०१ | |
| | पुनर्विनियोजन.. -२८.०३ | | | | |

मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७१ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३८४९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ६.०० लक्ष (रुपये सहा लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६.०० लक्ष (रुपये सहा लक्ष फक्त )इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>०५२ यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री<br>(०१) अधीक्षक अभियंता, कोयना बांधकाम मंडळ<br>(०१)(०२) घाटघर पंप बसविलेली जलाशय योजना | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू. ६.०० लक्ष (रुपये सहा लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ६.०० लक्ष (रुपये सहा लक्ष फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही . |
| | मूळ ... ३१.८० | ६.०० | ६.०० | -- | |
| | पुनर्विनियोजन.. -२५.८० | | | | |
| | खरेदी न करण्यात आल्यामुळे किंवा वाहनांची कमी खरेदी केल्याचे नमूद केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली काढण्यात आलेला रु.५३.८३ लाखांचा निधी रु.०.०१ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता अपुरा असल्याचे सिध्द झाले<br>रु.०.०१ लाखांचा अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७१ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ २३३२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ०.३३ लक्ष (रुपये तेहतीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ०.३३ (रुपये तेहतीस हजार फक्त )इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू. ०.३३ लक्ष (रुपये तेहतीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ०.३३ लक्ष (रुपये तेहतीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.०.०१ लक्ष (रूपये एक हजार फक्त ) इतकी तफावत दिसून येते सदर तफावतीच्या अनुषंगाने शासन पत्र क्र.विनियो. ४८०१/२०१३-१४/१७/२०१५/ लेखा दि. १७/०४/२०१५ अन्वये रू. ५२५/-इतक्या रकमेचा चुकीचा दुरूस्ती नोंद प्रस्ताव महालेखापाल कार्यालयास सादर करण्यात आला आहे. सदर चुकीचा दुरूस्ती नोंद प्रस्तावाच्या अनुषंगाने महालेखापाल कार्यालय मुंबई यांनी त्यांच्या पत्र क्र. NO.DC-IV / NOE / १३-१४/३२-A, Dated २६/०५/२०१५- अन्वये आपल्या लेखात सुधारीत नोंद घेतल्याचे शासनास कळविले आहे. |
| | ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br><br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>०५२ यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री<br>(००) (०५) अधीक्षक अभियंता, कोयना (वि व यां) संकल्पचित्र मंडळ पुणे | | | | |
| | मूळ ... २१.०५ | ०.३३ | ०.३३ | — | |
| | पुनर्विनियोजन.. -२०.७२ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७२ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ०६३४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २५.७६ लक्ष (रुपये पंचवीस लक्ष शहात्तर हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २५.७६ लक्ष (रुपये पंचवीस लक्ष शहात्तर हजार फक्त )इतका झाला आहे. परिणामी अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>१०१ जलविद्युत योजना<br>(१३) (०२) कोयना जलविद्युत प्रकल्प टप्पा- चार | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २५.७६ लक्ष (रुपये पंचवीस लक्ष शहात्तर हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने २५.७६ लक्ष (रुपये पंचवीस लक्ष शहात्तर हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५०.००<br>पुनर्विनियोजन.. -२४.२४ | २५.७६ | २५.७६ | — | |
| | काम पुर्ण न झाल्यामुळे, मार्च २०१४मध्ये वरील उपशीर्षाखाली रु.४४.९६ लाखांचा निधी परत करण्यात आला. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | ४७०१-आय-१८४ |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०२) लाभक्षेत्र विकासा अंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(०२)(२१) भीमा प्रकल्प | | | | लेखा परिक्षण अहवालात नमूद केलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | मूळ ... ४,००.०० | १,८३.७७ | १,८३.७७ | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन.. -२, १६.२३ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | ४७०१ जे २०२ |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०२) लाभक्षेत्र विकासा अंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(०२) (२५) घोम बालकवडी (राज्य हिस्सा) | | | | लेखा परिक्षण अहवालात नमूद केलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | मूळ ... २,४६.०० | २,२१.१५ | २,२१,.१५ | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन.. -२४.८५ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | ४७०१-जे-२११ |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०२) लाभक्षेत्र विकासा अंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>केंद्र पुरस्कृत योजना<br>(०१) (२६) घोम बालकवडी (केंद्राचा हिस्सा) | | | | लेखा परिक्षण अहवालात नमूद केलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | मूळ ... २,४६.०० | २,२१.१५ | २,२१.१५ | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -२४.८५ | | | | |
| | | | | | |

मु.ले.शी. ४७०९- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील माडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २४२ | शीर्ष | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेख्यात मु.ले.शी ४७०७ ४७०९१४६ या सीआरसी अंतर्गत अधिक्षक अभियंता , यांत्रिकी मंडळ, द्वारे पुणे. असे दर्शविलेले आहे. परंतू त्याचे नवीन नांव अधिक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ, नाशिक असे आहे. |
| | ४७०९ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री<br>(०१) हत्यारे व सयंत्रे<br>(०१)(०७) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ (द्वारे), पुणे | | | | |
| | मूळ ... १,७५.०० | १,३९.६६ | १,३९.६६ | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -३५.३४ | | | | |

6133

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७३ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | महालेखापाल कार्यालयांने दर्शविलेले मु.ले.शी. ४८०१-वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च यावरील नसून सदरहू लेखाशीर्ष ४७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च यावरील असून ५२-यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री यावरील संगणक सांकेतांक ४७०२-७३७१ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. ६३.३६ लक्ष (रुपये त्रेसष्ठ लाख छत्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६३.३६ लक्ष (रुपये त्रेसष्ठ लाख छत्तीस हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६३.३६ लक्ष (रुपये त्रेसष्ठ लाख छत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ६३.३६ लक्ष (रुपये त्रेसष्ठ लाख छत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | ४७०१- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील माडवली खर्च<br><br>८० सर्वसाधारण<br>०५२ यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री<br>(०१) हत्यारे व सयंत्रे<br>(०१) (१०) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ (उ.स) नांदेड | | | | |
| | मूळ ... ७९.७३<br>पुनर्विनियोजन -१६.३७ | ६३.३६ | ६३.३६ | — | |
| | वित्त विभागाच्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रु.३,१७.६४ लाखांचा निधी काढण्यात आला. | | | | |

मु.ले.शी.४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | |
| २७३ | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००) (१६) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | मु.ले.शी. ४७०२ -लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-७४६१ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. ९४.४० लक्ष (रुपये चौ-याण्णव लक्ष चाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९४.४० लक्ष (रुपये चौ-याण्णव लक्ष चाळीस हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ९,१८.०० | ९४.४० | ९४.४० | — | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९४.४० लक्ष (रुपये चौ-याण्णव लक्ष चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९४.४० लक्ष (रुपये चौ-याण्णव लक्ष चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन.. -२३.६० | | | | महालेखापाल कार्यालयांने अभिप्रायात नमूद केल्यानुसार रु. २३.६० लक्ष इतकी रक्कम पुनर्विनियोजनाद्वारे आवर्धित करण्यात आली कारण वित्त विभागाने कपात केल्यामुळे बचत प्रस्तावित करण्यात आली आहे. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७३ | शिर्ष | एकुण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी ४७०२ –लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-७४९९ या उपशिर्षखाली एकुण अनुदान रु.४५३.०४ लक्ष (रुपये चार कोटी त्रेपन्न लक्ष चार हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४५३.०४ लक्ष (रुपये चार कोटी त्रेपन्न लक्ष चार हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००) (१९) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.४५३.०४ लक्ष (रुपये चार कोटी त्रेपन्न लक्ष चार हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.४५३.०४ लक्ष (रुपये चार कोटी त्रेपन्न लक्ष चार हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५,६६.३० | ४,५३.०४ | ४,५३.०४ | — | महालेखापाल कार्यालयांने तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानुसार पूर्वपृष्ठावरील व या पृष्ठावर नमूद केल्यानुसार (रु. २३.६० +१,९३.२६ ) = रु. १,३६.८६ लाखाचा निधी वित्त विभागाने अनुदानात कपात केल्यामुळे बचत प्रस्तावित करण्यात आली. शासन निर्णय क्र- बीजीएम-१०१४/६३/१४/अर्थ-२ ,दिनांक-३१/०३/२०१४. |
| | पुनर्विनियोजन.. -१,९३.२६ | | | | |
| | कोणतीही कारणे न देता मार्च २०१४ मध्ये, प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशिर्षाखाली रु.१,३६.८६ लाखांचा निधी काढण्यात आला. | | | | |

मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च | अनुदान क्रमांक :- अक्ष-५ | सन २०१३-२०१४

| वि.ले पु. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | |
| २४३ | ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जल विद्युत निर्मिती<br>४१ कोयना धरण (पायथा)वीजगृह<br>(४१) (०२) अधीक्षक अभियंता, कोयना (वि व सं) बांधकाम मंडळ सातारा | | | | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३४५५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २१,६४.३८ लक्ष (रुपये एकवीस कोटी चौसष्ट लाख अडतीस हजार फक्त) त्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २१,६४.३८ लक्ष (रुपये एकवीस कोटी ~~चौसष्ट लाख अडतीस~~ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे, रु. ७.१७ लक्ष इतकी बचत दिसून येत आहे. सदरची बचत प्रामुख्याने मार्च, २०१४ मध्ये एम.एस.पी.जी.कंपनी पोफळी यांचे विद्युत देयक अदा करण्यात आले. लेखाशिर्ष ४८०१ ३४५५ मधून खर्च दाखवून लेखाशिर्ष ८४४३ ५१०९ भाग क्र. ५ मध्ये जमा दाखवण्यात आली होती. सदर रक्कम टी.ई मार्फत लेखाशिर्ष ८४४३ ५१०९ भाग-५ मधून लेखाशिर्ष ४८०१ ३४५५ मध्ये टी ई द्वारे जमा दाखवण्यात आली व लेखाशिर्ष ४८०१ ३४५५ मध्ये रु ७,१७,८२१ /- वजा दाखवून, लेखाशिर्ष ४८०१ २८५१ रुपांतरीत आस्थापना जमा वसुली या शिर्षाखाली जमा दाखविण्यात आली त्यामुळे बचत दिसून येत आहे.<br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.२१,६४.३८ लक्ष (रुपये एकवीस कोटी चौसष्ट लाख अडतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २१,६४. ३८ लक्ष (रुपये एकवीस कोटी चौसष्ट लाख अडतीस हजार फक्त ) लक्ष इतका झाला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ६९,३९.८८ | २१,६४.३८ | २१,६४.३८ | — | |
| | पुनर्विनियोजन... -४८,७५.५० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ल.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ६८६५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३७,०७.८७ लक्ष (रुपये सदतीस कोटी सात लाख सत्त्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.३६,७७.५७ लक्ष (रुपये छत्तीस कोटी सत्त्याहत्तर लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.३०.३० लक्ष (रुपये तीस लक्ष तीस हजार फक्त) इतकी बचत झाली आहे. सदर बचत प्रामुख्याने मार्च अखेरीस कोषागार कार्यालयाने आक्षेप नोंदवून देयके न स्वीकारल्याने दिसून येत आहे. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)(१४) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ (उ.स.), नागपूर | | | | |
| | मूळ ... ४३,७५.७६ | ३७,०७.८७ | ३६,७७.५७ | -३०.३० | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३६,७७.५७ लक्ष (रुपये छत्तीस कोटी सत्त्याहत्तर लाख सत्तावन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३६,७७.५७ लक्ष (रुपये छत्तीस कोटी सत्त्याहत्तर लाख सत्तावन्न हजार फक्त) लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन.. - ६,६७.८९ | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ६,६७.८९ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ७२८२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५७.२७ लक्ष (रूपये सत्तावन्न लक्ष सत्तावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५७.२२ लक्ष (रुपये सत्तावन्न लाख बावीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.०५ लक्ष (रुपये पाच हजार फक्त) इतकी अत्यल्प बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत झाली आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री<br>(०१) हत्यारे व सयंत्रे<br>(०१)(०९) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ (उ.सं), कोल्हापूर | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५७.२२ लक्ष (रुपये सत्तावन्न लाख बावीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.५७.२२ लक्ष (रुपये सत्तावन्न लाख बावीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ७२.०८ | ५७.२७ | ५७.२२ | -०.०५ | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १४.८१ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले |
| | पुनर्विनियोजन. - १४.८१ | | | | |

| वि.ले. पृ.क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | ३ |
| २७४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४४०२-मृद व जलसंधारण यावरील मांडवली खर्च, १०२ मृद व संधारण, संगणक संकेतांक ४४०२०३८४ या उपशिर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रू.२,७७.६० लक्ष (रूपये दोन कोटी सत्त्याहत्तर लक्ष साठ हजार फक्त) पैकी विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रू.२७७.४७ लक्ष (रूपये दोन कोटी सत्त्याहत्तर लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त) इतका झालेला आहे. परिणामी रूपये ०.१३ लक्ष (रूपये तेरा हजार फक्त ) इतकी बचत दिसून येते. सदरहू बचत ही अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत अत्यल्प आहे. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | ४४०२ - मृद व जलसंधारण यावरील मांडवली खर्च<br>पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना<br>१०२ मृद संधारण<br>(०१) (०१) खारभूमी योजना | | | | |
| | मूळ ३,४९.०० | २७७.६० | २७७.४७ | - ०.१३ | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखे अहवालात रू. २७७.४७ लक्ष ( रूपये दोन कोटी सत्त्याहत्तर लक्ष सत्तेचाळीस हजार )इतका खर्च नोंदविलेला असून विभागाचाही रू.२७७.४७ लक्ष ( रूपये दोन कोटी सत्त्याहत्तर लक्ष सत्तेचाळीस हजार ) इतका प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे. वास्तव विभागाच्या खर्चात व महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चात तफावत दिसून येत नाही. |
| | पुरक ०.०१ | | | | या उपशिर्षाखाली (संगणक सांकेतांक ४४०२ ०३८४) रू.६९.४१ इतका निधी पुनर्विनियोजनाखाली काढण्यात आला होता. याबाबतची कारणे खालीलप्रमाणे नमूद करण्यात आली आहेत. |
| | पुनर्विनियोजन -६९.४१ | | | | सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात अर्थसंकल्पीय तरतुदीच्या ८०% इतका निधी (मूळ अर्थसंकल्पीय तरतुदीच्या ८०% म्हणजेच रू.२७७.५९ लक्ष ) वित्त विभागाकडून उपलब्ध झाला होता. त्यामुळे उर्वरित २० % निधी (रू.६९.४१ लक्ष ) इतका निधी शासन ज्ञापन क्र. बीजीएम - १०१४/(५५/१४) अर्थ-२ दि.३१.३.२०१३ अन्वये राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | कोणतेही कारण न देता मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशिर्षाखाली प्रत्यार्पित करण्यात आलेला रु. ५५,२७.६१ लाखांचा निधी रु. ३०.४८ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता अपुरा असल्याचे सिध्द झाले.<br>त्याबाबतची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगष्ट, २०१४) | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ६९.४१ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले.<br>महालेखापाल कार्यालयाने तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानुसार रु. ५५,२७.६१ लाखांचा निधी रु. ३०.४८ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता अपुरा असल्याचे सिध्द झाले. त्याबाबतची कारणे पृष्ठ २४ ते २६ व उपरोक्त परिच्छेदात नमूद केलेली आहेत. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७४ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ७६१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.२३,१६.२४ लक्ष (रूपये तेवीस कोटी सोळा लक्ष चोवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २३,१६.२४ लक्ष (रूपये तेवीस कोटी सोळा लक्ष चोवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यांवरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०७) योजनांतर्गत (राष्ट्रीय कृषी व ग्रामीण विकास बँक नाबार्ड अंतर्गत भाग मांडवली अंशदान)<br>(०७)(०१) कृष्णा खोरे पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.२३,१६.२४ लक्ष (रूपये तेवीस कोटी सोळा लक्ष चोवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रू. २३,१६.२४ लक्ष (रूपये तेवीस कोटी सोळा लक्ष चोवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २८,९५.३०<br>पुनर्विनियोजन. -५,७९.०६ | २३,१६.२४ | २३,१६.२४ | — | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ५,७९.०६ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७५ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ७७९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५१,६३.३० लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी त्रेसष्ट लक्ष तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५१,६३.३० लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी त्रेसष्ट लक्ष तीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यांवरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०७) योजनांतर्गत (राष्ट्रीय कृषी व ग्रामीण विकास बँक नाबार्ड अंतर्गत भाग भांडवली अंशदान)<br>(०७)(०२) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५१,६३.३० लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी त्रेसष्ट लक्ष तीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५१,६३.३० लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी त्रेसष्ट लक्ष तीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ६०,११.०० | ५१,६३.३० | ५१,६३.३० | — | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ८,४७.७० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | पुनर्विनियोजन.. - ८,४७,७० | | | | |
| | | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७५ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च ८०-सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ७८८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८४,४३.२० लक्ष (रूपये चौ-याऐंशी कोटी त्रेचाळीस लक्ष वीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८४,४३.२० लक्ष (रूपये चौ-याऐंशी कोटी त्रेचाळीस लक्ष वीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यांवरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०७) योजनांतर्गत (राष्ट्रीय कृषी व ग्रामीण विकास बँक नाबार्ड अंतर्गत भाग भांडवली अंशदान)<br>(०७)(०३) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८४,४३.२० लक्ष (रूपये चौ-याऐंशी कोटी त्रेचाळीस लक्ष वीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ८४,४३.२० लक्ष (रूपये चौ-याऐंशी कोटी त्रेचाळीस लक्ष वीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १,०५,५४.०० | ८४,४३.२० | ८४,४३.२० | — | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. २१,१०.८० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | पुनर्विनियोजन.. -२१,१०.८० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७५ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च , ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे २७४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३९,५७.५३ लक्ष (रूपये एकोणचाळीस कोटी सत्तावन्न लक्ष त्रेपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रू. ३९,५७.५३ लक्ष (रूपये एकोणचाळीस कोटी सत्तावन्न लक्ष त्रेपन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ -मोठे व मध्यम पाटबंधारे यांवरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०७) योजनांतर्गत (राष्ट्रीय कृषी व ग्रामीण विकास बँक नाबार्ड अंतर्गत भाग भांडवली अंशदान)<br>(०७)(०७) उर्वरित महाराष्ट्रासाठी गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३९,५७.५३ लक्ष (रूपये एकोणचाळीस कोटी सत्तावन्न लक्ष त्रेपन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३९,५७.५३ लक्ष (रूपये एकोणचाळीस कोटी सत्तावन्न लक्ष त्रेपन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४९,४६.९३ | ३९,५७.५३ | ३९,५७.५३ | — | पृ. २७ ते पृ. ३० वर नमूद केलेला एकूण रू.४५,२६.९६ लाखांचा निधी वित्त विभागाने योजनातंर्गत तरतुदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे मूळ तरतुदीत घट केल्याने सदर निधी परत करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन.. – ९,८९.४० | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ९,८९.४० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | कोणतीही कारणे न देता मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशिर्षाखाली रु.४५,२६.९६ लाखांचा निधी परत करण्यात आला. | | | | |

मु.ले.शी . ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ -लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-७५१४ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.१६,२४.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी चोवीस लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१६,२४.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी चोवीस लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ - लहान पाटबंधा-यांवरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००) (०७) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१६,२४.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी चोवीस लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१६,२४.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी चोवीस लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २०,३०.०० | १६,२४.०० | १६,२४.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन.. - ४,०६.०० | | | | |

मु.ले.शी . ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ -लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-७५०५ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.४६१.६० लक्ष (रुपये चार कोटी एकसष्ठ लक्ष साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४६१.६० लक्ष (रुपये चार कोटी एकसष्ठ लक्ष साठ हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ - लहान पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०६) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे पाटबंधारे विकास महामंडळास (आरआरआर)(मराठवाडा विभाग) भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.४६१.६० लक्ष (रुपये चार कोटी एकसष्ठ लक्ष साठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.४६१.६० लक्ष (रुपये चार कोटी एकसष्ठ लक्ष साठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५,७७.०० | ४,६१.६० | ४,६१.६० | -- | |
| | पुनर्विनियोजन.. -१,१५.४० | | | | |

मु.ले.शी . ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ -लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-७५५२ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. ५६.०० लक्ष (रुपये छप्पन्न लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५६.०० लक्ष (रुपये छप्पन्न लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५६.०० लक्ष (रुपये छप्पन्न लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.५६.०० लक्ष (रुपये छप्पन्न लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | ४७०२ - लहान पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(११) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... ७०.०० | ५६.०० | ५६.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन.. -१४.०० | | | | |
| | वित्त विभागाव्दारे अर्थसंकल्पीय खर्चात कपात करण्यात आल्याचे नमूद केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाव्दारे, वरील उपशीर्षाखाली रु.५,३५.४० लाखाचा निधी काढण्यात आला. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण , संगणक सांकेतांक ४७०१ एच ६२९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७,५५,३५.५६ लक्ष (रूपये सातशे पंचावन्न कोटी पस्तीस लक्ष छपन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७,५५,३५.५६ लक्ष (रूपये सातशे पंचावन्न कोटी पस्तीस लक्ष छपन्न हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०२) योजनांतर्गत (भाग भांडवली अंशदान)<br>(०२)(०१) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७,५५,३५.५६ लक्ष (रूपये सातशे पंचावन्न कोटी पस्तीस लक्ष छपन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ७,५५,३५.५६ लक्ष (रूपये सातशे पंचावन्न कोटी पस्तीस लक्ष छपन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ९,३९,४२.१० | ७,५५,३५.५६ | ७,५५,३५.५६ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१,८४,०६.५४ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु .ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ एच ७५४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,०५,१९.२५ लक्ष (रूपये दोनशे पाच कोटी एकोणिस लक्ष पंचवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,०५,१९.२५ लक्ष (रूपये दोनशे पाच कोटी एकोणिस लक्ष पंचवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०२) योजनांतर्गत (भाग भांडवली अंशदान)<br>(०२)(०३) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,०५,१९.२५ लक्ष (रूपये दोनशे पाच कोटी एकोणिस लक्ष पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने २,०५,१९.२५ लक्ष (रूपये दोनशे पाच कोटी एकोणिस लक्ष पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,५४,३२.०० | २,०५,१९.२५ | २,०५,१९.२५ | — | |
| | पुरक— ०.०१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४९,१२.७६ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ एच ७६३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,४०,११.२८ लक्ष (रूपये दोनशे चाळीस कोटी अकरा लक्ष अठ्ठावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,४०,११.२८ लक्ष (रूपये दोनशे चाळीस कोटी अकरा लक्ष अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०२) योजनांतर्गत (भाग भांडवली अंशदान)<br>(०२)(०४) तापी पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,४०,११.२८ लक्ष (रूपये दोनशे चाळीस कोटी अकरा लक्ष अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रू. २,४०,११.२८ लक्ष (रूपये दोनशे चाळीस कोटी अकरा लक्ष अठ्ठावीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,९८,१२.३८ | २,४०,११.२८ | २,४०,११.२८ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -५८,०१.१० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ७३२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५०,६९.२५ लक्ष (रूपये पन्नास कोटी एकोणसत्तर लक्ष पंचवीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५०,६९.२५ लक्ष (रूपये पन्नास कोटी एकोणसत्तर लक्ष पंचवीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०६) योजनांतर्गत (वेगवर्धीत सिंचनालाभ कार्यक्रमाअंतर्गत भाग भांडवली अंशदान ( राज्याचा हिस्सा )<br>(०६)(०३) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५०,६९.२५ लक्ष (रूपये पन्नास कोटी एकोणसत्तर लक्ष पंचवीस हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ५०,६९.२५ लक्ष (रूपये पन्नास कोटी एकोणसत्तर लक्ष पंचवीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १,०१,३८.५० | ५०,६९.२५ | ५०,६९.२५ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -५०,६९.९५ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे २२९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.५१,९८.०६ लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी अठ्ठ्याण्णव लक्ष सहा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५१,९८.०६ लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी अठ्ठ्याण्णव लक्ष सहा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०२)(०६) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५१,९८.०६ लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी अठ्ठ्याण्णव लक्ष सहा हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.५१,९८.०६ लक्ष (रूपये एकावन्न कोटी अठ्ठ्याण्णव लक्ष सहा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. महालेखापाल कार्यालयांने |
| | मूळ ... ६४,६१.६८ | ५१,९८.०६ | ५१,९८.०६ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१२,६३.६२ | | | | |
| | वित्त विभागाच्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार, मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रु.३,५४,५३.२७ लाखांचा निधी काढण्यात आला. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ एच ६६५ योजनांतर्गत १७८८७४.२३ लक्ष +एच ६६१ योजनेतर अंतर्गत रू.१०,३८.९१ लक्ष असे एकत्रित एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १७९९,१३.१४ लक्ष (रूपये सतराशे नव्याण्णव कोटी तेरा लक्ष चौदा हजार फक्त) च्या अनुषंगाने दोन्ही उपशीर्षाखालील (अनुक्रमे रु.१७८८,७४.२३ लक्ष + रू.१०३८.९१ लक्ष = रु.१७९९,१३.१४ लक्ष इतका ) एकूण प्रत्यक्ष खर्च रु. १७९९,१३.१४ लक्ष (रूपये सतराशे नव्याण्णव कोटी तेरा लक्ष चौदा हजार फक्त) इतका झाला असून बचत/अधिक्य दिसून येत नाही<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१७९९,१३.१४ लक्ष (रूपये सतराशे नव्याण्णव कोटी तेरा लक्ष चौदा हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू.१७९९,१३.१४ लक्ष (रूपये सतराशे नव्याण्णव कोटी तेरा लक्ष चौदा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०२) योजनांतर्गत (भाग भांडवली अंशदान)<br>(०२)(०२) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... १३,०१,२१.५१ | १७,९९,१३.१४ | १७,९९,१३.१४ | — | |
| | पुरक- ४,००,००.०० | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -२,०२,०८.३७ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे १४९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३,३१.४७ लक्ष (रूपये तीन कोटी एकतीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,३१.४७ लक्ष (रूपये तीन कोटी एकतीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,३१.४७ लक्ष (रूपये तीन कोटी एकतीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ३,३१.४७ लक्ष (रूपये तीन कोटी एकतीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. | | | | (रूपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br><br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१०) विस्तार व सुधारणा यांसाठी भाग भांडवली अंशदान (मोठे पाटबंधारे )(योजनांतर्गत )<br>(१०)(०२) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान( मराठवाडा विभाग) | | | | | |
| | मूळ ... ४,१४.३४<br><br>पुनर्विनियोजन .. -८२.८७ | ३,३१.४७ | ३,३१.४७ | — | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च , ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे १५८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २१,५९.६८ लक्ष (रूपये एकवीस कोटी एकोणसाठ लक्ष अडुसष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २१,५९.६८ लक्ष (रूपये एकवीस कोटी एकोणसाठ लक्ष अडुसष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.२१,५९.६८ लक्ष (रूपये एकवीस कोटी एकोणसाठ लक्ष अडुसष्ट हजार फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. २१,५९.६८ लक्ष (रूपये एकवीस कोटी एकोणसाठ लक्ष अडुसष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(११)(०१) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... २६,९९.६० | २१,५९.६८ | २१,५९.६८ | --- | |
| | पुरक--- ०.०१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -५,३९.९३ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु .ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे १६७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.४,००.०० लक्ष (रूपये चार कोटी फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,००.०० लक्ष (रूपये चार कोटी फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१२)(०१) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,००.०० लक्ष (रूपये चार कोटी फक्त) खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ४,००.०० लक्ष (रूपये चार कोटी फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५,००.०० | ४,००.०० | ४,००.०० | — | |
| | पूरक ... ०.०१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१,००.०१ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे १७६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ४,०५.६० लक्ष (रुपये चार कोटी पाच लक्ष साठ हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,०५.६० लक्ष (रुपये चार कोटी पाच लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१२)(०२) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,०५.६० लक्ष (रुपये चार कोटी पाच लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ४,०५.६० लक्ष (रुपये चार कोटी पाच लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५,०७.०० | ४,०५.६० | ४,०५.६० | — | |
| | पुरक— ०.०१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१,०१.४१ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे १८५ या खाली एकूण अनुदान रु. १७,६०.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी साठ लक्ष फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७,६०.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी साठ लक्ष फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१२) (०३) तापी पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १७,६०.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी साठ लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १७,६०.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी साठ लक्ष फक्त )इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २२,००.०० | १७,६०.०० | १७,६०.०० | — | |
| | पूरक ... ०.०१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४,४०.०१ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे १९४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३०,३५.११ लक्ष (रुपये तीस कोटी पस्तीस लक्ष अकरा हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३०,३५.११ लक्ष (रुपये तीस कोटी पस्तीस लक्ष अकरा हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३०,३५.११ लक्ष (रुपये तीस कोटी पस्तीस लक्ष अकरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ३०,३५.११ लक्ष (रुपये तीस कोटी पस्तीस लक्ष अकरा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१२)(०४) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... ३७,९३.९० | ३०,३५.११ | ३०,३५.११ | — | |
| | पुरक— ०.०१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -७,५८.८० | | | | |

मु.ले.शी. ४७०१- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील भांडवली खर्च अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे २५६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १०३,८५.४४ लक्ष (रुपये एकशे तीन कोटी पंच्याऐंशी लक्ष चव्वेचाळीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १०३,८५.४४ लक्ष (रुपये एकशे तीन कोटी पंच्याऐंशी लक्ष चव्वेचाळीस हजार फक्त ) इतका झालेला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१०३,८५.४४ लक्ष लक्ष (रुपये एकशे तीन कोटी पंच्याऐंशी लक्ष चव्वेचाळीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. रु. १०३,८५.४४ लक्ष (रुपये एकशे तीन कोटी पंच्याऐंशी लक्ष चव्वेचाळीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०६) (०७) मराठवाडा विभागासाठी गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... १,२३,५९.६५ | १,०३,८५.४४ | १,०३,८५.४४ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१९,७४.२१ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे २९२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ४७,४२.०० लक्ष (रुपये सत्तेचाळीस कोटी बेचाळीस लक्ष फक्त)च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४७,४२.०० लक्ष (रुपये सत्तेचाळीस कोटी बेचाळीस लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>९९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१३)(०२) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास मराठवाडा विभागाकरीता भांडवली अंशदान( वेगवर्धित सिंचन लाभ कार्यक्रमा केंद्राचा हिस्सा) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४७,४२.०० लक्ष (रुपये सत्तेचाळीस कोटी बेचाळीस लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४७,४२.०० लक्ष (रुपये सत्तेचाळीस कोटी बेचाळीस लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ६४,९०.३५ | ४७,४२.०० | ४७,४२.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१७,४८.३५ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे ३१८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९७,३२.०० लक्ष (रुपये सत्याण्णव कोटी बत्तीस लक्ष फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.९७,३२.०० लक्ष (रुपये सत्याण्णव कोटी बत्तीस लक्ष फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१५) (०१) उर्वरित महाराष्ट्र वेगवर्धित सिंचन लाभ कार्यक्रमाबाबत केंद्रीय हिस्सासाठी, महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९७,३२.०० लक्ष (रुपये सत्याण्णव कोटी बत्तीस लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.९७,३२.०० लक्ष (रुपये सत्याण्णव कोटी बत्तीस लक्ष फक्त) केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,२३,९३.८७ | ९७,३२.०० | ९७,३२.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१,२६,६१.८७ | | | | |

मु.ले.शी. ४७०१- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे ३३६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३७,३४.०० लक्ष (रुपये सदतीस कोटी चौत्तीस लक्ष फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३७,३४.०० लक्ष (रुपये सदतीस कोटी चौत्तीस लक्ष फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(४७)(०१) उर्वरित महाराष्ट्र वेगवर्धित सिंचन लाभ कार्यक्रमाबाबत केंद्रीय हिस्सासाठी,<br>(०७)(०३) तापी पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३७,३४.०० लक्ष (रुपये सदतीस कोटी चौत्तीस लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. रु. ३७,३४.०० लक्ष (रुपये सदतीस कोटी चौत्तीस लक्ष फक्त) केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १,२९,७१.०० | ३७,३४.०० | ३७,३४.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -९२,३७.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २७९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ते ८९७५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १,६४.१६ लक्ष (रुपये एक कोटी चौसष्ट लक्ष सोळा हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१,६४.१६ लक्ष (रुपये एक कोटी चौसष्ट लक्ष सोळा हजार फक्त ) इतका झालेला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इत्तर खर्च<br>०४ गुण नियंत्रण<br>(०४) (०९) अधीक्षक अभियंता, गुण नियंत्रण, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६४.१६ लक्ष (रुपये एक कोटी चौसष्ट लक्ष सोळा हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,६४.१६ लक्ष (रुपये एक कोटी चौसष्ट लक्ष सोळा हजार फक्त )इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,०५.५५ | १,६४.१६ | १,६४.१६ | --- | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४१.३९ | | | | |
| | वित्त विभागाच्या मार्गदर्शक सूचनानुसार, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली रु.४,७८,९४.२२ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

मु.ले.शी. ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) वचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ -लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-४९०९ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.१३१,३७.०४ लक्ष (रुपये एकशे एकतीस कोटी सदतीस लक्ष चार हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१३१,३७.०४ लक्ष (रुपये एकशे एकतीस कोटी सदतीस लक्ष चार हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०२) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडाळास, भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१३१,३७.०४ लक्ष (रुपये एकशे एकतीस कोटी सदतीस लक्ष चार हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१३१,३७.०४ लक्ष (रुपये एकशे एकतीस कोटी सदतीस लक्ष चार हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १,६४,२१.३० | १,३१,३७.०४ | १,३१,३७.०४ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -३२,८४.२६ | | | | |

मु.ले.शी. ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-४९९२ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.१३०,२३.८० लक्ष (रुपये एकशे तीस कोटी तेवीस लक्ष ऐशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१३०,२३.८० लक्ष (रुपये एकशे तीस कोटी तेवीस लक्ष ऐशी हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>९९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०४) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१३०,२३.८० लक्ष (रुपये एकशे तीस कोटी तेवीस लक्ष ऐशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१३०,२३.८० लक्ष (रुपये एकशे तीस कोटी तेवीस लक्ष ऐशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १,६२,७९.७५ | १,३०,२३.८० | १,३०,२३.८० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -३२,५५.९५ | | | | पूर्वपृष्ठावर व सदर पृष्ठावर नमूद केल्यानुसार (रु. ३२,४४.२६ +३२,९५.९५ ) = रु. ६५,४०.२१ लाखाचा निधी पुनर्विनियोजन / प्रत्यार्पण यादवारे काढण्यात आलेला निधी राखीव दत्मतकडे वर्ग करण्यात आला. शासन निर्णय क्र- बीजीएम-१०१४/८०/१४/अर्थ-२ ,दिनांक-३१/०३/२०१४. |
| | कोणतेही कारणे न देता मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे रूपये ६५,४०.२१ लाखांचा निधी काढण्यात आला. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ६५५१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रू. २,०३.६४ लक्ष (रुपये दोन कोटी तीन लक्ष चौसष्ट हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,०३.६४ लक्ष (रुपये दोन कोटी तीन लक्ष चौसष्ट हजार फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन आस्थापना (लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण विभागाव्यतिरिक्त)<br>(०१)(०२) अधीक्षक अभियंता, ठाणे पाटबंधारे , ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,०३.६४ लक्ष (रुपये दोन कोटी तीन लक्ष चौसष्ट हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,०३.६४ लक्ष (रुपये दोन कोटी तीन लक्ष चौसष्ट हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,३८.८९ | २,०३.६४ | २,०३.६४ | -- | |
| | पुनर्विनियोजन. -३५.२५ | | | | |

मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-४९२७ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.७३,९४.५६ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी चौ-याण्णव लक्ष छप्पन्न हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.७३,९४.५६ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी चौ-याण्णव लक्ष छप्पन्न हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २८० | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०३) तापी पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.७३,९४.५६ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी चौ-याण्णव लक्ष छप्पन्न हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.७३,९४.५६ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी चौ-याण्णव लक्ष छप्पन्न हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ९२,४३.२० | ७३,९४.५६ | ७३,९४.५६ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१८,४८.६४ | | | | |

मु.ले.शी ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च , ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२-५१०१ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.५०४,०७.९१ लक्ष (रुपये पाचशे चार कोटी सात लक्ष एक्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५०४,०७.९१ लक्ष (रुपये पाचशे चार कोटी सात लक्ष एक्याण्णव हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०५) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५०४,०७.९१ लक्ष (रुपये पाचशे चार कोटी सात लक्ष एक्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.५०४,०७.९१ लक्ष (रुपये पाचशे चार कोटी सात लक्ष एक्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५,७३,३९.७९ | ५,०४,०७.९१ | ५,०४,०७.९१ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -६९,३१.८८ | | | | |

मु.ले.शी .४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ७५२३ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.१६,००.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१६,००.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २८१ | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०८) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१६,००.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१६,००.०० लक्ष (रुपये सोळा कोटी फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २०,००.०० | १६,००.०० | १६,००.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४,००.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ७५३२ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.२,८०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी ऐंशी लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२,८०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी ऐंशी लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०९) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास मार्ग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.२,८०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी ऐंशी लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.२,८०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी ऐंशी लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ३,५०.०० | २,८०.०० | २,८०.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -७०.०० | | | | |

मु.ले.जी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आव-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पु. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | वित्तीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | आधिक्य (+) बचत (-) | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २८१ | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक बांधकामाकडील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूक<br>(००)(१०) लघु पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | मु .ले.जी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ७१४१ या उपशिर्षाखाली एकूण अनुदान रु.१३,३६.०० लक्ष (रुपये तेरा कोटी छत्तीस लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१३,३६.०० लक्ष (रुपये तेरा कोटी छत्तीस लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/आधिक्य दिसून येत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१३,३६.०० लक्ष (रुपये तेरा कोटी छत्तीस लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१३,३६.०० लक्ष (रुपये तेरा कोटी छत्तीस लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मुळ ... १६,४०.०० | १३,३६.०० | १३,३६.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन – ३,३४.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ७४४३ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.७८.५६ लक्ष (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लक्ष छप्पन हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.७८.५६ लक्ष (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लक्ष छप्पन हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००४१४) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास मांग मांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.७८.५६ लक्ष (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लक्ष छप्पन हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.७८.५६ लक्ष (रुपये अठ्ठ्याहत्तर लक्ष छप्पन हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ९८.२० | ७८.५६ | ७८.५६ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१९.६४ | | | | |

मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | भागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ७६२१ या उपशिर्षाखाली एकूण अनुदान रु.२७,२०.०० लक्ष (रुपये सत्तावीस कोटी वीस लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२७,२०.०० लक्ष (रुपये सत्तावीस कोटी वीस लक्ष फक्त) इतका आहे त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.२७,२०.०० लक्ष (रुपये सत्तावीस कोटी वीस लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.२७,२०.०० लक्ष (रुपये सत्तावीस कोटी वीस लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१२) भाग मांडवली अंशदान<br>(१२)(०१) मराठवाडा विभागाकरीता, महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... ३४,००.०० | २७,२०.०० | २७,२०.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -६,८०.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च , ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ७६३२ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.१७,३२.८० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बत्तीस लक्ष ऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१७,३२.८० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बत्तीस लक्ष ऐशी हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१७,३२.८० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बत्तीस लक्ष ऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१७,३२.८० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बत्तीस लक्ष ऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | (रुपये लाखात) | | | | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१२) भाग भांडवली अंशदान<br>(१२)(०२) उर्वरित महाराष्ट्राकरिता गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... २१,६६.०० | १७,३२.८० | १७,३२.८० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४,३३.२० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - वीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ २४०३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. १,७०.०६ लक्ष (रुपये एक कोटी सत्तर लक्ष सहा हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,६९.८१ लक्ष (रुपये एक कोटी एकोणसत्तर लक्ष एक्याऐंशी हजार फक्त )इतका झाला आहे. परिणामी रू. ०.२५ लक्ष ( रूपये पंचवीस हजार फक्त ) इतकी बचत दिसून येते. सदर बचत ही एका कर्मचा-याची बदली झाल्याने अतिप्रदान झालेल्या रू. १४,१३६/- इतक्या रक्कमेची वसुली केल्यामुळे तसेच उत्सव अग्रिमाची रक्कम वसूल केल्यामुळे बचत दिसून येते. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१) (११) मुख्य अभियंता (स्थापत्य) जलविद्युत प्रकल्प ,पुणे. | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६९.८१ लक्ष (रुपये एक कोटी एकोणसत्तर लक्ष एक्याऐंशी हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. १,६९.८१ लक्ष (रुपये एक कोटी एकोणसत्तर लक्ष एक्याऐंशी हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १,९२.२८<br>पुनर्विनियोजन .. -२२.२२ | १,७०.०६ | १,६९.८१ | -०.२५ | |
| | वित्त विभागाद्वारे अर्थसंकल्पात कपात करण्यात आल्यामुळे, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली रु.१,०७,७४.८३ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले आहे. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च , ०१ पुर नियंत्रण, संगणक सांकेतांक ४७११-२८४७ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. २,४०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी चाळीस लक्ष फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,४०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी चाळीस लक्ष फक्त इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ पूर नियंत्रण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१) सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१)(०४) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहयालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,४०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी चाळीस लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २,४०.०० लक्ष (रुपये दोन कोटी चाळीस लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ३,००.०० | २,४०.०० | २,४०.०० | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन .. - ६०.०० | | | | |

मु.ले.शी.४७११ - पूर पियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आठ-५

२०१३-२०१४

| मि.ले पु. क्र. १. | महालेखापालांचे अभिप्राय २. | | | | वित्तीय स्पष्टीकरण ३. |
|---|---|---|---|---|---|
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | |
| २८३ | ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ पूर नियंत्रण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१) सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१)(०५) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळाचा भाग मांडवली अंशदान | | | | मु.ले.शी.४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च, ०१ पूर नियंत्रण, संगणक सांकेतांक ४७११ २८८३ या उपशिर्षाखाली एकूण अनुदान रु. १७,५२.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बावन्न लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७,५२.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बावन्न लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशिर्षाखाली रु. १७,५२.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बावन्न लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १७,५२.०० लक्ष (रुपये सतरा कोटी बावन्न लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ८,४०.०० | १७,५२.०० | १७,५२.०० | — | |
| | पूरक... १३,५०.०० | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४,३८.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७११ पूर निर्यंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च , ०३ जलनिस्सारण, संगणक सांकेतांक ४७११ २७९४ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. १,२०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी वीस लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,२०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी वीस लक्ष फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,२०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी वीस लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,२०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी वीस लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | ४७११ पूर निर्यंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०३ जल निस्सारण<br>१०३ नागरी बांधकामे<br>(०२) जल निस्सारण बांधकामे<br>(०२)(०३) लागक्षेत्रे प्राधिकरणांतर्गत जल निस्सारण प्रकल्प | | | | |
| | मूळ ... १,५०.०० | १,२०.०० | १,२०.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -३०.०० | | | | |
| | वित्त विभागाव्दारे अर्थसंकल्पात कपात करण्यात आल्यामुळे , मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रूपये ५,२८.०० लाखांचा निधी काढण्यात आला. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १.- | २. | | | | ३. |
| २८३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३८५८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ८.४१ लक्ष (रुपये आठ लक्ष एकेचाळीस हजार फक्त)च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८.४१ लक्ष (रुपये आठ लक्ष एकेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री<br>(०१) अधीक्षक अभियंता , कोयना बांधकाम मंडळ.<br>(०१) (०३) सरदार सरोवर प्रकल्प | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८.४१ लक्ष (रुपये आठ लक्ष एकेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.८.४१ लक्ष (रुपये आठ लक्ष एकेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५२.००<br>पुनर्विनियोजन .. -४३.५९ | ८.४१ | ८.४१ | — | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३८३१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ६.८६ लक्ष (रुपये सहा लक्ष शहाऐंशी हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६.८६ लक्ष (रुपये सहा लक्ष शहाऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत / अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री<br>(०१) अधीक्षक अभियंता ,कोयना बांधकाम मंडळ.<br>(०१) (०१) कोयना जलविद्युत प्रकल्प टप्पा- चार | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.६.८६ लक्ष (रुपये सहा लक्ष शहाऐंशी हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. ६.८६ लक्ष (रुपये सहा लक्ष शहाऐंशी हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २८.०० | ६.८६ | ६.८६ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन .. -२१.१४ | | | | |

| वि.ले पृ.क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ – बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३८६७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २१.५४ लक्ष (रुपये एकवीस लक्ष चोपन्न हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २१.५४ लक्ष (रुपये एकवीस लक्ष चोपन्न हजार फक्त )इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री<br>(०१) अधीक्षक अभियंता , कोयना बांधकाम मंडळ .<br>(०४) कोयना धरण (पायथा ) बीज केंद्र (डावा तट) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २१.५४ लक्ष (रुपये एकवीस लक्ष चोपन्न हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २१.५४ लक्ष (रुपये एकवीस लक्ष चोपन्न हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५०.००<br>पुनर्विनियोजन .. -२८.४६ | २१.५४ | २१.५४ | — | |
| | नविन वाहने खरेदी न करणे आणि अपेक्षित बचत यांमुळे मार्च २०१४ मध्ये , प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रुपये ९३.१९ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमुद केले. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३८०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान निरंक असून विभागाचा प्रत्यक्ष खर्चही निरंक आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च नोंदविला आहे आणि विभागानेही निरंक खर्च केला असल्याने तफावत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(००) (०१) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास मार्ग मांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... ५,००,०० | — | — | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -५,००,०० | | | | |
| | प्रकल्पाला पर्यावरणीय मंजुरीच्या अभावी, काहीच खर्च न झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रूपये ५,००,०० लाखांचा निधी कादण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३७८७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ४,९०.०३ लक्ष (रुपये चार कोटी नव्वद लक्ष तीन हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,९०.०३ लक्ष (रुपये चार कोटी नव्वद लक्ष तीन हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>(३८) कुंभे जलविद्युत प्रकल्प<br>(३८) (०२) अधीक्षक अभियंता, घाटघर ( वि य यो) मंडळ, कळवा ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,९०.०३ लक्ष (रुपये चार कोटी नव्वद लक्ष तीन हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ४,९०.०३ लक्ष (रुपये चार कोटी नव्वद लक्ष तीन हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ६,१२.५४<br>पुनर्विनियोजन .. -१,२२.५१ | ४,९०.०३ | ४,९०.०३ | — | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३३८४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २८,००.०० लक्ष (रुपये अठ्ठावीस कोटी फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २८,००.०० लक्ष (रुपये अठ्ठावीस कोटी फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २८,००.०० लक्ष (रुपये अठ्ठावीस कोटी फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. २८,००.०० लक्ष (रुपये अठ्ठावीस कोटी फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br><br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>(३८) कुंभे जलविद्युत प्रकल्प<br>(३८) (०१) अधीक्षक अभियंता ,ठाणे पाटबंधारे मंडळ ,ठाणे | | | | |
| | मूळ ... ३५,००.०० | २८,००.०० | २८,००.०० | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन .. -७,००.०० | | | | |
| | प्रस्तावित कार्य पूर्ण न झाल्यामुळे, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रू. ८,२२.५१ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी ४८०१ – वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३४४६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. १९,०४.७५ लक्ष (रुपये एकोणीस कोटी चार लक्ष पंच्याहत्तर हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १९,०४.७५ लक्ष (रुपये एकोणीस कोटी चार लक्ष पंच्याहत्तर हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>(४१) कोयना धरण पायथा वीजगृह<br>(४१) (०१) अधीक्षक अभियंता ,कोयना बांधकाम मंडळ ,सातारा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १९,०४.७५ लक्ष (रुपये एकोणीस कोटी चार लक्ष पंच्याहत्तर हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. १९,०४.७५ लक्ष (रुपये एकोणीस कोटी चार लक्ष पंच्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४०,००.०० | १९,०४.७५ | १९,०४.७५ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन .. -२०,९५.२५ | | | | तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानूसार अपेक्षित बचतीमुळे वरील उपशीर्षाखाली मार्च, २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन / प्रत्यार्पण याद्वारे रूपये २०,९५.२५ लाखांचा निधी काढण्यात आला कारण आवश्यक असलेला निधी ठेऊन उर्वरित निधी समर्पित करण्यात आला. |
| | अपेक्षित बचतीमुळे वरील उपशीर्षाखाली मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन / प्रत्यर्पण यांव्दारे रूपये २०,९५.२५ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती संगणक सांकेतांक ४८०१ ३८२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ४५.४७ लक्ष (रुपये पंचेचाळीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४५.४७ लक्ष (रुपये पंचेचाळीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>(४५) तिल्लारी जलविद्युत प्रकल्प , टप्पा - तीन<br>(४५) (०१) अधीक्षक अभियंता ,कोकण पाटबंधारे मंडळ ,रत्नागिरी | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४५.४७ लक्ष (रुपये पंचेचाळीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ४५.४७ लक्ष (रुपये पंचेचाळीस लक्ष सत्तेचाळीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५,००.०० | ४५.४७ | ४५.४७ | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४,५४.५३ | | | | |
| | प्रकल्पांसाठी वनजमीन उपलब्ध नसल्यामुळे वरील उपशीर्षाखाली मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे रुपये ४,५४.५३ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ४०३२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ७.५७ लक्ष (रुपये सात लक्ष सत्तावन्न हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७.५७ लक्ष (रुपये सात लक्ष सत्तावन्न हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>(४६) जल विद्युत प्रकल्पाचे नुतनीकरण व आधुनिकीकरण<br>(४६) (०१) अधीक्षक अभियंता ,घाटघर (वि व यो) मंडळ ,कळवा ,ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७.५७ लक्ष (रुपये सात लक्ष सत्तावन्न हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ७.५७ लक्ष (रुपये सात लक्ष सत्तावन्न हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ९,००.०० | ७.५७ | ७.५७ | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन .. -८,९२.४३ | | | | |
| | शासनाकडून मंजुरी न मिळाल्यामुळे, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणापणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रुपये ८,९२.४३ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२ ७५६१ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.१४,५०.४० लक्ष (रुपये चौदा कोटी पन्नास लक्ष चाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१४,५०.४० लक्ष (रुपये चौदा कोटी पन्नास लक्ष चाळीस हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(१२) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१४,५०.४० लक्ष (रुपये चौदा कोटी पन्नास लक्ष चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१४,५०.४० लक्ष (रुपये चौदा कोटी पन्नास लक्ष चाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १८,१३.०० | १४,५०.४० | १४,५०.४० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -३,६२.६० | | | | |

मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले मू. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०२ - लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च , ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ४७९४ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.५६,७१.४९ लक्ष (रुपये छप्पन्न कोटी एकाहत्तर लक्ष एकोणपन्नास हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५६,७१.४९ लक्ष (रुपये छप्पन्न कोटी एकाहत्तर लक्ष एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(००)(०१) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास (लहान पाटबंधारे )भाग मांडवली अंशदान (उर्वरीत महाराष्ट्र ) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.५६,७१.४९ लक्ष (रुपये छप्पन्न कोटी एकाहत्तर लक्ष एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.५६,७१.४९ लक्ष (रुपये छप्पन्न कोटी एकाहत्तर लक्ष एकोणपन्नास हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ७०,८९.३५ | ५६,७१.४९ | ५६,७१.४९ | — | |
| | पूरक.... ०.०१ | | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१४,१७.८७ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०२- ७४५२ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु.१,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत/अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | ४७०२ लहान पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>९९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>भाग मांडवली अंशदान<br>(००)(१५) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास (विस्तार व सुधारणा) महामंडळास भाग मांडवली अंशदान (उर्वरीत महाराष्ट्र ) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,००.०० | १,६०.०० | १,६०.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४०.०० | | | | |
| | वित्त विभागाकडून अर्थसंकल्पात कपात करण्यात आल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रु. १८,२०.४७ लाखांचा निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले. | | | | |

मु.ले.शी. ४७०१ - लहान पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च , ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे २३८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ६२५,०१.२४ ( रुपये सहाशे पंचवीस कोटी एक लाख चोवीस हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ६२५,०१.२४ ( रुपये सहाशे पंचवीस कोटी एक लाख चोवीस हजार फक्त )इतका झाला आहे त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ -मोठे व मध्यम पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०२)(०७) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ६,१९,३९.०० लक्ष (रुपये सहाशे एकोणीस कोटी एकोणचाळीस लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रू. ६२५,०१.२४ ( रुपये सहाशे पंचवीस कोटी एक लाख चोवीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत रु. ५.६२.२४ (रु.पाच कोटी बासष्ट लाख चोवीस हजार फक्त) इतकी तफावत दिसून येत आहे. सदर तफावतीच्या अनुषंगाने मु.ले.शि. ४७०१ जे २३८ खालील खर्च रू.५,६२,२४०००/- मु.ले.शी. ४७०१ एच ८९९ मध्ये नोंदविल्यामुळे सदरचे गैरवर्गीकरण झाले असून याबात शासन पत्र क्र.विनियो ४७०१/१३-१४/२०१५/लेखा दि. १७.१०.२०१६ अन्वये महालेखापाल कार्यालयास चुकीचा नोंद प्रस्ताव सादर केला आहे. |
| | मूळ ... ७,४०,०८.८७ | ६,२५,०१.२४ | ६,१९,३९.०० | -५.६२.२४ | |
| | पुनर्विनियोजन. -१,४५,०७.६३ | | | | |
| | रू.५.६२.२४ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, कोणतेही कारण न देता, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली काढण्यात आलेला रू.१,४५,०७.६३ लाखांचा निधी अपुरा असल्याचे सिद्ध झाले.<br>त्याबाबतची कारणे प्रतिक्षित आहेत: (ऑगस्त, २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३९०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २,२२.४६ लक्ष (रुपये दोन कोटी बावीस लक्ष सेहेचाळीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,२२.३६ लक्ष (रुपये दोन कोटी बावीस लक्ष छत्तीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे त्यामुळे रु. ०.१० लक्ष (रुपये दहा हजार फक्त) इतकी नगण्य बचत दिसून येत आहे, सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | (रुपये लाखात) | | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>(००१) संचालन व प्रशासन<br>(०६) अधीक्षक अभियंता, (वि व यां) मंडळ ,कळवा ,ठाणे<br>(०६) (०२) कुंभे जलविद्युत प्रकल्प | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,२२.३६ लक्ष (रुपये दोन कोटी बावीस लक्ष छत्तीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. २,२२.३६ लक्ष (रुपये दोन कोटी बावीस लक्ष छत्तीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४,४३.४३<br>पुनर्विनियोजन .. -२,२०.९७ | २,२२.४६ | २,२२.३६ | -०.१० | |
| | रू.०.१० लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, रिक्त पद, देयक प्राप्त न होणे संगणक खरेदी न करणे , काटकसरीचा उपाय आणि कार्यालयीन दौरे व प्रशिक्षणात कपात केल्याचे नमूद केल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली काढण्यात आलेला रू. २,२०.९७ लाखांचा निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले.<br>त्या बाबतची कारणे प्रतिक्षित आहेत (ऑगस्ट २०१४). | | | | |

मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३९३८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु.५,३८.११ लक्ष (रुपये पाच कोटी अडतीस लक्ष अकरा हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५,३८.११ लक्ष (रुपये पाच कोटी अडतीस लक्ष अकरा हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>(००१) संचालन व प्रशासन<br>(०७) अधीक्षक अभियंता कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा<br>(०७) (०२)पंप बसविलेली घाटघर जलाशय योजना | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५,३७.९२ लक्ष (रुपये पाच कोटी सदतीस लक्ष ब्याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ५,३८.११ लक्ष (रुपये पाच कोटी अडतीस लक्ष अकरा हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे रू.०.१९ लक्ष इतकी तफावत दिसून येते. शासन पत्र क्र.विनियो ४८०१/२०१३-१४/ १७/२०१५/(१)/लेखा दि.४.४.२०१५ अन्वये रू.१८७३५/- इतक्या गैरवर्गीकरणाच्या अनुषंगाने चुकीची नोंद दुरूस्ती प्रस्ताव महालेखापाल कार्यालयास पाठविण्यात आला. |
| | मूळ ... ९,२९.०० | ५,३८.११ | ५,३७.९२ | -०.१९ | |
| | पुनर्विनियोजन .. -३,९०.८९ | | | | सदर चुकीचा दुरूस्ती नोंद प्रस्तावाच्या अनुषंगाने महालेखापाल कार्यालय मुंबई यांनी त्यांच्या पत्र क्र. NO.DC-IV / NOE / 4801/ 13-14/ 34, Dated 28/05/2015- अन्वये आपल्या लेख्यात सुधारीत नोंद घेतल्याचे शासनास कळविले आहे. |
| | सेवानिवृत्ती व रिक्त पदे यांमुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रू. ३,९०.८९ लाख इतका निधी काढण्यात आल्याचे नमूद केले, परिणामी रू. ०.१९ लाख इतकी अंतिम बचत झाली. | | | | |

मु.ले.शी. ४७११ - पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च अनुदान क्रमांक :- अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च, ०१ पुर नियंत्रण, संगणक सांकेतांक ४७११- ०२१८ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. १,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत / अधिक्य दिसून येत नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. १,६०.०० लक्ष (रुपये एक कोटी साठ लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही.<br><br>वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ४०.०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ पूर नियंत्रण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१)(०२) तापी पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... २,००.०० | १,६०.०० | १,६०.०० | — | |
| | पुनर्विनियोजन .. -४०.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८७ | शिर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ७४१३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७१.०६ लक्ष (रूपये एकाहत्तर लक्ष सहा हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७१.०६ लक्ष (रूपये एकाहत्तर लक्ष सहा हजार फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ -मोठे व मध्यम पाटबंधारे यांवरील भांडवली<br>८० सर्वसाधारण<br>०५२ यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री<br>(०१) हत्यारे व संयंत्रे<br>(०१) (११) अधीक्षक अभियंता यांत्रिकी मंडळ ( उ.स) नागपूर | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७१.०६ लक्ष (रूपये एकाहत्तर लक्ष सहा हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रू. ७१.०६ लक्ष (रूपये एकाहत्तर लक्ष सहा हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ९०.४३ | ७१.०६ | ७१.०६ | — | |
| | पुनर्विनियोजन.. -१९.३७ | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १९.३७ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ८०३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५९,२८.०४ लक्ष (रूपये एकोणसाठ कोटी अठ्ठावीस लक्ष चार हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५९,२८.०३ लक्ष (रूपये एकोणसाठ कोटी अठ्ठावीस लक्ष तीन हजार फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे रु.०.०१ लक्ष (रूपये एक हजार फक्त ) इतकी अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत अत्यल्प बचत झाली आहे. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०४) (०५) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५९,२८.०३ लक्ष (रूपये एकोणसाठ कोटी अठ्ठावीस लक्ष तीन हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५९,२८.०३ लक्ष (रूपये एकोणसाठ कोटी अठ्ठावीस लक्ष तीन हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ७४,१०.०४<br>पुनर्विनियोजन.. -१४,८२.०० | ५९,२८.०४ | ५९,२८.०३ | -०.०१ | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १४,८२.०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |

मु.ले.शी. ४७०१- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २८७ | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>०५२ यंत्रसामुग्री व साधनसामुग्री<br>(०२)(१) इतर शीर्षाकडून हस्तांतरीत केलेला खर्च | | | | मु.ले.शी ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च , ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ७४४२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ८३.३० लक्ष (रूपये त्र्याऐंशी लक्ष तीस हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८३.३० लक्ष (रूपये त्र्याऐंशी लक्ष तीस हजार फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | मूळ ... १,५८.२२ | ८३.३० | ८३.३० | ..... | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८३.३० लक्ष (रूपये त्र्याऐंशी लक्ष तीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ८३.३० लक्ष (रूपये त्र्याऐंशी लक्ष तीस हजार फक्त)इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन.. -७४.९२ | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ७४.९२ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च, ०१ पुर नियंत्रण, संगणक सांकेतांक ४७११- ०२०९ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. ८,८०.०० लक्ष (रुपये आठ कोटी ऐंशी लक्ष फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ८,८०.०० लक्ष (रुपये आठ कोटी ऐंशी लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत / अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च<br>०१ पूर नियंत्रण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१) सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१)(०२) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ८,८०.०० लक्ष (रुपये आठ कोटी ऐंशी लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ८,८०.०० लक्ष (रुपये आठ कोटी ऐंशी लक्ष फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ११,००.०० | ८,८०.०० | ८,८०.०० | ---- | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. २,२०.०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | पुनर्विनियोजन .. -२,२०.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| २८७ | ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ पूर नियंत्रण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१) सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०१)(०३) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | मु.ले.शी ४७११- पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च, ०१ पुर नियंत्रण, सांकेतांक ४७११ ०२३६ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. ४८.०० लक्ष (रुपये अठ्ठेचाळीस लक्ष फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४८.०० लक्ष (रुपये अठ्ठेचाळीस लक्ष फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत / अधिक्य दिसून येत नाही.<br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४८.०० लक्ष (रुपये अठ्ठेचाळीस लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ४८.०० लक्ष (रुपये अठ्ठेचाळीस लक्ष फक्त) इतका खर्च केलेला आहे.परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही.<br>वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १२.०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | मूळ ... ६०.०० | ४८.०० | ४८.०० | ---- | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१२.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३४१९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. १२,००.०० लक्ष (रुपये बारा कोटी फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ११,९९.९९ लक्ष (रुपये अकरा कोटी नव्व्याण्णव लक्ष नव्व्याण्णव हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०१ लक्ष (रुपये एक हजार फक्त) इतकी नगण्य बचत दिसून येत आहे, सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८५१ काळ जलविद्युत प्रकल्प<br>(४०) (०१) अधीक्षक अभियंता ठाणे पाटबंधारे मंडळ ,ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ११,९९.९९ लक्ष (रुपये अकरा कोटी नव्व्याण्णव लक्ष नव्व्याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ११,९९.९९ लक्ष (रुपये अकरा कोटी नव्व्याण्णव लक्ष नव्व्याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १५,००.०० | १२,००.०० | ११,९९.९९ | -०.०१ | |
| | पुनर्विनियोजन .. -३,००.०० | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ३,००.०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ – बीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३७९६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ४,४१.६० लक्ष ( रुपये चार कोटी एकेचाळीस लक्ष साठ हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४,४१.६० लक्ष ( रुपये चार कोटी एकेचाळीस लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८५१ काळ जलविद्युत प्रकल्प<br>(४०) (०२) अधीक्षक अभियंता घाटघर (वि व यां ) मंडळ,कळवा ठाणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४,४१.६० लक्ष ( रुपये चार कोटी एकेचाळीस लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ४,४१.६० लक्ष ( रुपये चार कोटी एकेचाळीस लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ११,४९.६०<br>पुनर्विनियोजन .. -७,०८.०० | ४,४१.६० | ४,४१.६० | — | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ७,०८.०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ – बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती संगणक सांकेतांक ४८०१ २२९९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. १५,६०.०० लक्ष ( रुपये पंधरा कोटी साठ लक्ष फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १५,६०.०० लक्ष ( रुपये पंधरा कोटी साठ लक्ष फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पांवरील मांडवली खर्च AG Shown CRC ( ४८०१ २६८२ )<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८२० कोयना जलविद्युत योजना टप्पा चार<br>(१३) (०१) अधीक्षक अभियंता कोयना बांधकाम मंडळ ,सातारा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १५,६०.०० लक्ष (रुपये पंधरा कोटी साठ लक्ष फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. १५,६०.०० लक्ष ( रुपये पंधरा कोटी साठ लक्ष फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १९,५०.०० | १५,६०.०० | १५,६०.०० | --- | |
| | पुनर्विनियोजन .. -३,९०.०० | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ३,९०.०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | कोणतीही विनिर्दिष्ट कारणे न देता, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षाखाली रु.३२,४६.२९ लाखांचा निधी काढण्यात आला. | | | | तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानूसार रु.३२,४६.२९ लाखांचा निधी प्रत्यार्पणाद्वारे काढण्यात आला त्याबाबतची कारणे स्वंतत्रपणे पृ. ८१ ते ८८ वर व उपरोक्त परिच्छेदात नमूद करण्यात आली आहेत. |

मु.ले.शी. ४७०१- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील मांडवली खर्च - अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे - वाणिज्यिक, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ९९३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १८.२६ लक्ष (रूपये अठरा लक्ष सव्वीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १८.२६ लक्ष (रूपये अठरा लक्ष सव्वीस हजार फक्त) इतका आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>(०२) लाभक्षेत्र विकासा अंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>राज्य योजना अंतर्गत योजना<br>(०२)(२२) अप्पर पैनगंगा (केंद्र पुरस्कृत योजना) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १८.२६ लक्ष (रूपये अठरा लक्ष सव्वीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. १८.२६ लक्ष (रूपये अठरा लक्ष सव्वीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही. |
| | मूळ ... ७०.२४ | १८.२६ | १८.२६ | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -५१.९८ | | | | केंद्र पुरस्कृत योजनातंर्गत या उपशिर्षाखाली तरतुद असून अप्राप्त केंद्र सहाय्यापोटी वित्त विभागाकडून तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे सदरचे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. ५१.९८ लक्ष काढून घेण्यात आले. |
| | केंद्र शासनाकडून निधी निधी प्राप्त न झाल्याने मार्च २०१४ मध्ये, वरील उपशीर्षाखाली रु.५१.९८ लाख निधी काढण्यात आला | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ० २ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय९०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>(०२) लाभक्षेत्र विकासा अंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>राज्य योजना अंतर्गत योजना<br>(०२) (१४) निम्न उन्ना प्रकल्प (केंद्र पुरस्कृत) | | | | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | मूळ ... १४.१५ | ..... | ..... | ..... | केंद्र पुरस्कृत योजनातंर्गत या उपशिर्षाखाली तरतुद असून अप्राप्त केंद्रसहाय्यापोटी वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. १४.१५ लक्ष इतका निधी काढुन घेण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन. -१४.१५ | | | | |

मु.ले.शी. ४७०१- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील माडवली खर्च - अनुदान क्रमांक :- आय-५ सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ – मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च ० २ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प संगणक सांकेतांक ४७०१ १३९१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>(०२) लाभक्षेत्र विकासा अंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>(०२) (०३) निम्न उन्ना प्रकल्प (राज्य योजनांतर्गत योजना) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | मूळ ... १४.१५ | ..... | ..... | ..... | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १४.१५ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | पुनर्विनियोजन. -१४.१५ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ६४३ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे - वाणिज्यिक<br>०२ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>राज्य योजनातंर्गत योजना<br>(०२)(११) कृष्णा प्रकल्प (अधीक्षक अभियंता व प्रशासक लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण, पुणे) | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १३.८० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | मूळ ... १३.८० | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -१३.८० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ८८६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे.<br><br>वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ४,००,०० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br><br>०१ मोठे पाटबंधारे - वाणिज्यिक<br>०२ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>राज्य योजनातंर्गत योजना<br>(०२)(१२) भीमा प्रकल्प | | | | |
| | मूळ ... ४,००,०० | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -४,००,०० | | | | |
| | | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ६१६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक<br>०२ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>राज्य योजनातंर्गत योजना<br>(०२)(०८) कुकडी प्रकल्प ( केंद्र पुरस्कृत योजना ) | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे.<br>केंद्र पुरस्कृत योजनातंर्गत या उपशिर्षाखाली तरतुद असून अप्राप्त केंद्रसहाय्यापोटी रु. ४२.२५ लक्ष इतक्या रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | मूळ ... ४२.२५ | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -४२.२५ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ९६६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक<br>०२ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>राज्य योजनातंर्गत योजना<br>(०२)(२०) कृष्णा (केंद्र पुरस्कृत योजना) | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १३.८० लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | मूळ ... १३.८० | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -१३.८० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २८९ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ९३९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | ०१ मोठे पाटबंधारे -वाणिज्यिक<br>०२ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प<br>राज्य योजनातंर्गत योजना<br>(०२)(१७) कुकडी (केंद्र पुरस्कृत योजना) | | | | केंद्र पुरस्कृत योजनातंर्गत या उपशिर्षाखाली तरतुद असून अप्राप्त केंद्रसहाय्यापोटी वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. ४२.२५ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | मूळ ... ४२.२५ | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -४२.२५ | | | | |

मु.ले.शी. ४७०१- मोठे व मध्यम पाटबंधाऱ्यावरील भांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ६३४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे.तसेच, महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत केलेल्या तरतुदीमध्ये कपात केल्यामुळे रु. १८.४५ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे - वाणिज्यिक<br>०२ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प - राज्य योजनातंर्गत योजना<br>(०२) (१०) चासकमान प्रकल्प (अधीक्षक अभियंता व प्रशासक लाभक्षेत्र विकास प्राधिकारण, पुणे) | | | | |
| | मूळ ... १८.४५ | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -१८.४५ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ – मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ९५७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. तसेच, महालेखापाल कार्यालयाने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे - वाणिज्यिक<br>०२ लाभक्षेत्र विकासाअंतर्गत मोठे प्रकल्प - राज्य योजनातंर्गत योजना<br>(०२) (१९) चासकमान (केंद्र पुरस्कृत योजना) | | | | केंद्र पुरस्कृत योजनातंर्गत या उपशिर्षाखाली तरतुद असून अप्राप्त केंद्रसहाय्यापोटी रु. १८.४५ लक्ष इतकी रक्कमेचे पुनर्विनियोजन करुन अंतिम सुधारित अनुदान निश्चित करण्यात आले. |
| | मूळ ... १८.४५ | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. -१८.४५ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यीक, संगणक संकेतांक ४७०१ आय ०१७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे.तसेच महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>०१ मोठे पाटबंधारे - वाणिज्यिक<br>०३ मध्यम पाटबंधारे प्रकल्प - वाणिज्यिक<br>(०१) (१०) सचिव जलसंपदा | | | | सदर लेखाशिर्षातर्गत सचिव जलसंपदा याचे नावे ठोक स्वरूपात तरतूद केली जाते. आर्थिक वर्षाच्या कालावधीत सदर प्रधानशिर्षातर्गत इतरत्र आवश्यकता असल्यास ती पुनर्विनियोजनाद्वारे उपलब्ध करण्यात येते त्यामुळे सदर लेखाशिर्षाखाली थेट प्रत्यक्ष खर्च होत नाही. तसेच अवितरीत असलेली तरतूद वर्षाअखेरीस राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात येते. यास्तव वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये कपात केल्यामुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. २३,९२.७७ लक्ष इतका निधी राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मूळ ... २३,९२.७७ | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. ... - २३,९२.७७ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ - मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक ४७०१ जे ३२७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. तसेच, महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१५) (०२) उर्वरित महाराष्ट्राच्या एआयबीपी केंद्रीय हिस्सा साठी कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | सदर लेखाशिर्षातर्गत एआयबीपी केंद्रीय हिस्यासाठी करण्यात आलेली तरतूद उपलब्ध झाली नाही. यास्तव, वित् विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. ३३,७९.५० लक्ष इतका निधी राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला |
| | मूळ ... ३३,७९.५० | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. .. -३३,७९.५० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९० | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ – मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक संकेतांक ४७०१ जे३४५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे.<br><br>सदर लेखाशिर्षातर्गत एआयबीपी केंद्रीय हिस्यासाठी करण्यात आलेली तरतूद उपलब्ध झाली नाही. वास्तव, वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. ६१,२०.०० लक्ष इतका निधी राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(१५) (०४) उर्वरित महाराष्ट्राच्या एआयबीपी केंद्रीय हिस्सा साठी गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... ६१,२०.०० | ..... | ..... | ..... | |
| | पुनर्विनियोजन. ... ६१,२०.०० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जलविद्युत निर्मिती, संगणक संकेतांक ४७०१ २८१५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रुपये निरंक असून प्रत्यक्ष खर्च देखील निरंक आहे. तसेच, महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली निरंक खर्च दर्शविलेला आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८२० कोयना जलविद्युत योजना टप्पा चार<br>(१३) (०४) अधीक्षक अभीयंता कोयना इ आणि एम बांधकाम मंडळ , सातारा | | | | प्रशासकिय मान्यतेपेक्षा अधिक खर्च होत असल्यांने पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. २५.०० लक्ष अनुदान समर्पित करून ते राखीव दत्तमत कडे वर्ग करण्यात आले. |
| | मूळ .... २५.०० | — | — | — | महालेखापाल कार्यालयांने तळटीपेमध्ये नमूद केल्याप्रमाणे कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशिर्षाखालील रू.१,२४,९४.५७ लाखांची संपूर्ण तरतूद काढण्यात आली. त्याबाबतची कारणे पृष्ठ ९१ /प.वि. ते १०३ प.वि. व उपरोक्त परिच्छेदात नमूद केल्याप्रमाणे आहेत. |
| | पुनर्विनियोजन .. -२५.०० | | | | |
| | कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशिर्षाखालील रू.१,२४,९४.५७ लाखांची संपूर्ण तरतूद काढण्यात आली. | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ८९६६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५०,४१.६५ लक्ष (रुपये पन्नास कोटी एकेचाळीस लाख पासष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५०,४१.५९ लक्ष (रुपये पन्नास कोटी एकेचाळीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.०६ लक्ष (रुपये सहा हजार फक्त) इतका अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत अत्यल्प अधिक खर्च दिसून येत आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>(०३)(०१) यांत्रिकी संघटनेची कार्ये | | | | महालेखापाल कार्यालयांने कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५०,४२,१० लक्ष (रुपये पन्नास कोटी बेचाळीस लाख दहा हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ५०,४१.५९ लक्ष (रुपये पन्नास कोटी एकेचाळीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू. ०.५१ लाख (रुपये एकावन्न हजार फक्त )इतकी तफावत आहे. सदर तफावत ही इतर आकारासाठी तरतूद निश्चित करताना विभाग लाक्षेवि अंतर्गत प्रकल्पावरील खर्च, यांत्रिकी संघटनेच्या बांधकामावरील झालेला खर्च विचारात घेतो व संचालन व प्रशासन (आस्थापना) यावरील खर्च हा अंदाजित केला जातो. तथापि महालेखापाल कार्यालयाने प्रकल्पावरील प्रत्यक्ष खर्च विचारात घेतला आहे. |
| | मूळ ... ६२,५१,११ | ५०,४१.६५ | ५०,४२.१० | +०.४५ | |
| | पुनर्विनियोजन .- १२,०९.४६ | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. १२,०९.४६ लक्ष इतका निधी समर्पित करण्यात आला. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) (रुपये लाखात) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च सर्वसाधारण संगणक सांकेतांक ४७०१ एच८९९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १७८,९७.०१ लक्ष (रुपये एकशे अठ्ठ्याहत्तर कोटी सत्याण्णव लाख एक हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७८,९७.०१ लक्ष (रुपये एकशे अठ्ठ्याहत्तर कोटी सत्याण्णव लाख एक हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसून येत नाही. मु.ले.शि.४७०१ जे २३८ वरील खर्च रू.५,६२,२४,०००/-एवढा खर्च या लेखाशिर्षात नोंदविण्यात आल्यामुळे वाढ दिसून येत आहे. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०२) योजनांतर्गत (गाग मांडवली अंशदान)<br>(०२)(०५) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास गाग मांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १८४,५९.२५ लक्ष (रुपये एकशे चौ-याऐंशी कोटी एकोणसाठ लाख पंचवीस हजार फक्त) इतका विभागाचा खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. १७८,९७.०१ लक्ष (रुपये एकशे अठ्ठ्याहत्तर कोटी सत्तयाण्णव लाख एक हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.५,६२,२४,०००/तफावत दिसून येत. याबाबत चुकीचा नोंद दुरुस्ती प्रस्ताव विभागीय कार्यालयाकडून A.G. ला सादर करण्यात आला आहे. (पत्र क्र.विनियो ४७०१/१३-१४/२०१५/लेखा दि. १७.१०.२०१६) |
| | मूळ ... २,२९,३४.०० | १,७८,९७.०१ | १,८४,५९.२५ | +५.६२.२४ | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या बचतीमुळे आहे. पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. ५०,३६.९९ लक्ष इतका निधी समर्पित करण्यात आला. |
| | पुनर्विनियोजन. -५०,३६.९९ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ६७६७ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान ) रू. २६,४५.३५ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी पंचेचाळीस लाख पस्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२६,४५.७९ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी पंचेचाळीस लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु. ०.४४ लक्षच (रुपये चव्वेचाळीस हजार फक्त) इतका अधिक खर्च झाला आहे. सेवानिवृत्त कर्मचा-यांची डी.सी.आर.जी.च्या अतिप्रदान रक्कमेची वसुली केल्याने झाला आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन आस्थापना (लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण विभागाव्यतिरिक्त)<br>(०१)(०६) अधीक्षक अभियंता, मुण नियंत्रण मंडळ, पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू. २६,४६.१२ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी सेहेचाळीस लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.२६,४५.७९ लक्ष (रुपये सव्वीस कोटी पंचेचाळीस लाख एकोणऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये ०.३३ लक्ष इतकी तफावत दिसून येते. त्यासंदर्भात विभागाकडून महालेखापाल कार्यालयास रू.३२,३७९/- इतक्या रक्कमेचा चुकीच्या नोंदीचा प्रस्ताव सादर करण्यात आला होता. सदर प्रस्तावास महालेखापाल महालेखापाल, मुंबई कार्यालयाने त्यांच्या पत्र क्र.DC-४-२०१३-१४/४७०१३१ दि. २०.५.२०१५ अन्वये मान्यता देण्यात आली व त्यानुषंगाने महालेखापाल कार्यालयाने एकत्रित गोषवा-यात नोंद घेतली आहे. |
| | मूळ ... २९,७३.१६ | २६,४५.३५ | २६,४६.१२ | +०.७७ | |
| | पुनर्विनियोजन. - ३,२७.८१ | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. ३,२७.८१ लक्ष इतका निधी समर्पित करण्यात आला . |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९१ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ६६९६ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान ) रु. ५०,४१.३६ लक्ष (रूपये पन्नास कोटी एकेचाळीस लक्ष छत्तीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५०,४१.३६ लक्ष (रूपये पन्नास कोटी एकेचाळीस लक्ष छत्तीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०१)(१३) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ, (उ.स.), नांदेड | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५०,४१.३६ लक्ष (रूपये पन्नास कोटी एकेचाळीस लक्ष छत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रू. ५०,४१.३६ लक्ष (रुपये पन्नास कोटी एकेचाळीस लक्ष छत्तीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५१,८८.४४ | ५०,४१.३६ | ५०,४१.३६ | — | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. १,४७.०८ लक्ष इतका निधी समर्पित करण्यात आला . |
| | पुनर्विनियोजन .. -१,४७.०८ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ९१२२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ३२.७८ लक्ष (रुपये बत्तीस लक्ष अठ्ठ्याहत्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३२.७८ लक्ष (रुपये बत्तीस लक्ष अठ्ठ्याहत्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>०३ इतर शीर्षाकडून हस्तांतरीत करण्यात आलेला खर्च<br>(०३)(०३) सचिवालय खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३२.८३ लक्ष (रुपये बत्तीस लक्ष त्र्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ३२.७८ लक्ष (रुपये बत्तीस लक्ष अठ्ठ्याहत्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.०.०५ लक्ष (रुपये पाच हजार) इतकी तफावत दिसून येते.सदर तफावत ही इतर आकारासाठी तरतूद निश्चित करतांना विभाग लाक्षेवि अंतर्गत प्रकल्पावरील खर्च, यांत्रिकी संघटनेच्या बांधकामावरील झालेला खर्च विचारात घेतो व संचालन व प्रशासन (आस्थापना) यावरील खर्च हा अंदाजित केला जातो. तथापि महालेखापाल कार्यालयाने या सर्व बाबींचा (प्रकल्पावरील प्रत्यक्ष खर्च) विचारात घेतला आहे. |
| | मूळ ... ४५.४८<br>पुनर्विनियोजन .. -१२.७० | ३२.७८ | ३२.८३ | +०.०५ | ~~पृ.१०४ ते पृ.१०३ व वर~~ नमूद केलेला एकूण रू. ५,६३.५१ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च, प्रत्यक्ष कामावर झालेल्या खर्चाच्या अनुषंगाने इतर आकाराच्या तरतुदी परिगणित झाल्याने, घट प्रस्तावित केल्याने झालेला आहे. त्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली रू.६७,३४.०४ लाखांचा निधी काढण्यात आला. |
| | रू. ५,६३.५१ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली रू.६७,३४.०४ लाखांचा निधी काढण्यात आला.<br>अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. १२.७० लक्ष इतका निधी समर्पित करण्यात आला. महालेखापाल कार्यालयांने तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानुसार रु. ५,६३.५१. लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली रू.६७,३४.०४ लाखांचा निधी काढण्यात आला. त्याबाबतची कारणे पृ. [illegible] प.वि. ते १०८ प.वि. व उपरोक्त परिच्छेदात नमूद केल्याप्रमाणे आहेत. (१०४) |

मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च

अनुदान क्रमांक :- आय-५

सन २०१३-२०१४

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३८९४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २,४८.०६ लक्ष ( रुपये दोन कोटी अठ्ठेचाळीस लक्ष सहा हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,४८.१४ लक्ष (रुपये रुपये दोन कोटी अठ्ठेचाळीस लक्ष चौदा हजार फक्त ) इतका झाला आहे. ४१- ह प्रस्ताव शासनास सादर करताना अंतिम अनुदान अनवधानाने कमी रकमेचा सादर केल्यामुळे अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत अधिक्य दिसून येत आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०६) अधीक्षक अभियंता,विवयां मंडळ कळवा ठाणे<br>(०६) (०१) घाटघर पंप बसविलेली जलाशय योजना. | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,४८.१४ लक्ष (रुपये दोन कोटी अठ्ठेचाळीस लक्ष चौदा हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु. २,४८.१४ लक्ष इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४,०३.४० | २,४८.०६ | २,४८.१४ | +०.०८ | वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु.१,५५.३४ लक्ष इतका निधी समर्पित करण्यात आला . |
| | पुनर्विनियोजन. -१,५५.३४ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ – वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३९२९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ३,४७.९४ लक्ष ( रुपये तीन कोटी सत्तेचाळीस लक्ष चौ-याण्णव हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,४७.९४ लक्ष ( रुपये तीन कोटी सत्तेचाळीस लक्ष चौ-याण्णव हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०७) अधीक्षक अभियंता कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा<br>(०७) (०१) कोयना जलविद्युत प्रकल्प टप्पा चार | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.३,४७.९५ लक्ष ( रुपये तीन कोटी सत्तेचाळीस लक्ष पंच्याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ३,४७.९४ लक्ष ( रुपये तीन कोटी सत्तेचाळीस लक्ष चौ-याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे रू.१५४०/- इतकी तफावत असून त्यासंदर्भात चुकीचा दुरुस्ती नोंद प्रस्ताव शासन पत्र क्र विनियो-४८०१/२०१३-१४ /( १७/२०१५/(४))/ लेखा, दि. १६/०४/२०१५ अन्वये महालेखापाल कार्यालय मुंबई यांना करण्यात आलेला होता. सदर प्रस्तावच्या अनुषंगाने महालेखापाल कार्यालय मुंबई यांचे पत्र क्र.DC-IV/NOE/१३-१४/२२ दि. ११.५.२०१५ अन्वये आपल्या लेख्यात सुधारीत नोंद घेतल्याचे शासनास कळविण्यात आले आहे. |
| | मूळ ... ३,९७.५८ | ३,४७.९४ | ३,४७.९५ | +०.०१ | |
| | पुनर्विनियोजन. -४९.६४ | | | | |
| | रु. ०.०१लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, पदे रिक्त असणे, देयके प्राप्त न होणे आणि ती मंजूर न होणे , संगणक खरेदी न करणे आणि कार्यालयीन दौरे व प्रशिक्षणामध्ये घट होणे यामुळे मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाव्दारे वरील उपशीर्षामधून रु.२,०४.९८ लाखांचा निधी काढण्यात आला.<br>अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहे(ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९२ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ एच ११९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) दिलेले नसल्याने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च निरंक आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इतर खर्च<br>०१ विस्तार व सुधारणा<br>(०१)(०१) सचिव ला.क्षे.वि.प्रा. पाटबंधारे विभाग | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू. ०.१० लक्ष (रुपये दहा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने निरंक खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू. ०.१० लक्ष (रूपये दहा हजार फक्त ) इतकी तफावत दिसून येते. सदर लेखाशिर्षातर्गत सचिव ला.क्षे.वि याचे नावे ठोक स्वरूपात तरतूद केली जाते. आर्थिक वर्षाच्या कालावधीत सदर प्रधानशिर्षातर्गत इतरत्र आवश्यकता असल्यास ती पुनर्विनियोजनाद्वारे उपलब्ध करण्यात येते त्यामुळे सदर लेखाशिर्षाखाली थेट प्रत्यक्ष खर्च होत नाही. तसेच अवितरीत असलेली तरतूद वर्षाअखेरीस समर्पित करण्यात येते. यास्तव वित्त विभागाने योजनाअंतर्गत तरतूदीमध्ये कपात केल्यामुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. २५.०० लक्ष इतका निधी राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आला. |
| | मूळ ... २५.०० | — | ०.१० | +०.१० | |
| | पुनर्विनियोजन .. -२५.०० | | | | |
| | रू. ०.१० लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन / प्रत्यार्पणाद्वारे रू.२५.०० लाखांचा काढण्यात आलेला संपूर्ण निधी अवास्तव असल्याचे सिद्ध झाले.<br>अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय १६२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २,६७,०३.९२ लक्ष (रूपये दोनशे सदुसष्ट कोटी तीन लक्ष ब्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २,६७,०३.९२ लक्ष (रूपये दोनशे सदुसष्ट कोटी तीन लक्ष ब्याण्णव हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणुका<br>(०४) योजनेतर (वेतन लेख्यावरील भाग भांडवली अंशदान)<br>(०४)(०१) महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,६७,०३.९२ लक्ष (रूपये दोनशे सदुसष्ट कोटी तीन लक्ष ब्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. २,६७,०३.९२ लक्ष (रूपये दोनशे सदुसष्ट कोटी तीन लक्ष ब्याण्णव हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,२६,१५.९२<br>पूरक — ०.०९<br>पुनर्विनियोजन. ४०,८७.९९ | २,६७,०३.९२ | २,६७,०३.९२ | ..... | नियंत्रक अधिकाऱ्यांची आवश्यकता विचारात घेऊन रू. ४०,८७.९९ लक्ष पुनर्विनियोजनाद्वारे वाढ देण्यात आली. संपुर्ण निधी खर्च पडला आहे. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय १७१ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २४६,००.२२ लक्ष (रुपये दोनशे सेहचाळीस कोटी बावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २४६,००.२२ लक्ष (रुपये दोनशे सेहचाळीस कोटी बावीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २४६,००.२२ लक्ष.(रुपये दोनशे सेहचाळीस कोटी बावीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु २४६,००.२२ लक्ष (रुपये दोनशे सेहचाळीस कोटी बावीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही.<br><br>नियंत्रक अधिकाऱ्यांची आवश्यकता विचारात घेऊन रू. ५,९९.९९ लक्ष पुनर्विनियोजनाद्वारे वाढ देण्यात आली. संपुर्ण निधी खर्च पडला आहे. |
| | | (रुपये लाखात) | | | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च<br><br>८० सर्वसाधारण<br>९९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०४) योजनेतर ( वेतन व लेख्यावरील भाग भांडवली अंशदान)<br>(०४) (०२) विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | |
| | मूळ ... २,४०,००.२२<br>पूरक ... ०,०१<br>पुनर्विनियोजन. ५,९९.९९ | २,४६,००.२२ | २,४६,००.२२ | .... | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय १८९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७३,८०.४५ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी ऐंशी लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७३,८०.४५ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी ऐंशी लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधा-यांवरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०४) योजनेत्तर ( वेतन व लेख्यावरील भाग मांडवली अंशदान)<br>(०४) (०३) कोकण पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७३,८०.४५ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी ऐंशी लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु ७३,८०.४५ लक्ष (रुपये त्र्याहत्तर कोटी ऐंशी लाख पंचेचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये) तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ६८,२७.४५<br>पूरक ... १,१०.०१<br>पुनर्विनियोजन. ४,४२.९९ | ७३,८०.४५ | ७३,८०.४५ | .... | नियंत्रक अधिकाऱ्यांची आवश्यकता विचारात घेऊन रू. ४,४२.९९ लक्ष पुनर्विनियोजनाद्वारे वाढ देण्यात आली. संपुर्ण निधी खर्च पडला आहे. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय १९८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ५९,२०.८७ लक्ष (रुपये एकोणसाठ कोटी वीस लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५९,२०.८७ लक्ष (रुपये एकोणसाठ कोटी वीस लाख सत्याऐंशी हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधा-यांवरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>९९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०४) योजनेतर ( वेतन व लेख्यावरील भाग मांडवली अंशदान)<br>(०४)(०४) तापी पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग मांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५९,२०.८७ लक्ष (रुपये एकोणसाठ कोटी वीस लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु ५९,२०.८७ लक्ष (रुपये एकोणसाठ कोटी वीस लाख सत्याऐंशी हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ५६,९५.८७<br>पूरक ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन. २,२४.९९ | ५९,२०.८७ | ५९,२०.८७ | .... | नियंत्रक अधिकाऱ्यांची आवश्यकता विचारात घेऊन रू. २,२४.९९ लक्ष पुनर्विनियोजनाद्वारे वाढ देण्यात आली. संपुर्ण निधी खर्च पडला आहे. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९३ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय २०४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २१८,८५.३७ लक्ष (रुपये दोनशे अठरा कोटी पंच्याऐंशी लाख सदतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २१८,८५.३७ लक्ष (रुपये दोनशे अठरा कोटी पंच्याऐंशी लाख सदतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>१९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका<br>(०४) योजनेतर ( वेतन व लेख्यावरील भाग भांडवली अंशदान)<br>(०४)(०५) गोदावरी पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २१८,८५.३७ लक्ष (रुपये दोनशे अठरा कोटी पंच्याऐंशी लाख सदतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु २१८,८५.३७ लक्ष (रुपये दोनशे अठरा कोटी पंच्याऐंशी लाख सदतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २,०९,६९.३७<br>पूरक ... ०.०१<br>पुनर्विनियोजन. ९.१५.९९ | २,१८,८५.३७ | २,१८,८५.३७ | .... | नियंत्रक अधिकाऱ्यांची आवश्यकता विचारात घेऊन रू. ९.१५.९९ लक्ष पुनर्विनियोजनाद्वारे वाढ देण्यात आली. संपुर्ण निधी खर्च पडला आहे. |
| | कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय, मार्च २०१४ मध्ये वरील उपशीर्षाखाली पुनर्विनियोजनाद्वारे रू.६२,७१.९५ लाखांचा निधी वाढविण्यात आला. | | | | महालेखापाल कार्यालयांने तळटीपेमध्ये नमूद केल्यानुसार पुनर्विनियोजनाद्वारे रू.६२,७१.९५ लाखांच्या निधी आवर्धित करण्यात आला त्याबाबतची कारणे पृष्ठ ११३ ते ११५ व उपरोक्त परिच्छेदात नमूद केल्याप्रमाणे आहे. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ९१११ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान)रु. १६.३९ लक्ष (रुपये सोळा लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१६.३९ लक्ष (रुपये सोळा लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०३) इतर शीर्षाकडून हस्तांतरण करण्यात आलेला खर्च<br>(०३)(०२) निवृत्तीवेतनविषयक खर्च | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,८७.०१ लक्ष (रुपये तीन कोटी सत्त्याऐंशी लक्ष एक हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.१६.३९ लक्ष (रुपये सोळा लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.३,७०.६२ लक्ष (रूपये तीन कोटी सत्तर लक्ष बासष्ट हजार) इतकी तफावत दिसून येते.सदर तफावत ही इतर आकारासाठी तरतूद निश्चित करतांना विभाग लाक्षेवि अंतर्गत प्रकल्पावरील खर्च, यांत्रिकी संघटनेच्या बांधकामावरील झालेला खर्च विचारात घेतो व संचालन व प्रशासन (आस्थापना) यावरील खर्च हा अंदाजित केला जातो. तथापि महालेखापाल कार्यालयाने या सर्व बाबींचा (प्रकल्पावरील प्रत्यक्ष खर्च) विचारात घेतला आहे. |
| | मूळ ... २३.७४<br>पुनर्विनियोजन... -७.३५ | १६.३९ | ३,८७.०१ | +३,७०.६२ | पुनर्विनियोजनाद्वारे रु.७.३५ लक्ष इतका निधी आवर्धित करण्यात आला कारण वित्त विभागानें यांत्रिकी संघटनेवरील तरतूदीमध्ये केलेली बचत आणि कामावरील झालेल्या खर्चाच्या अनुषंगाने इतर आकाराच्या तरतूदी परिगणित झाल्यामुळे घट प्रस्तावीत झाली. रू. ३,७०.६२ लाखांचा अधिक खर्च , प्रत्यक्ष कामावर झालेल्या खर्चाच्या अनुषंगाने इतर आकाराच्या तरतुदी परिगणित झाल्याने, घट प्रस्तावित केल्याने झालेला आहे .(शासन निर्णय क्र. १०.१४ / (१०३/२०१४) / अर्थ- १ दि. ३१.०३.२०१४ |
| | रु. ३,७०.६२ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे रू.७.३५ लाखांचा काढण्यात आलेला संपूर्ण निधी अवास्तव असल्याचे सिद्ध झाले.<br>अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक.४७०१ ९१०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. २२.७२ लक्ष (रुपये बावीस लक्ष बहात्तर हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु . २२.७२ लक्ष (रुपये बावीस लक्ष बहात्तर हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालक व प्रशासन<br>(०३) (०१) आस्थापना हिस्सा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २,७२.६२ लक्ष (रूपये दोन कोटी बाहत्तर लक्ष बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.२२.७२ लक्ष (रुपये बावीस लक्ष बहात्तर हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.२,४९.९० लक्ष (रूपये दोन कोटी एकोणपन्नास लक्ष नव्वद हजार फक्त ) इतकी तफावत दिसून येते.सदर तफावत ही इतर आकारासाठी तरतूद निश्चित करतांना विभाग लाक्षेवि अंतर्गत प्रकल्पावरील खर्च, यांत्रिकी संघटनेच्या बांधकामावरील झालेला खर्च विचारात घेतो व संचालन व प्रशासन (आस्थापना) यावरील खर्च हा अंदाजित केला जातो. तथापि महालेखापाल कार्यालयाने या सर्व बाबींचा (प्रकल्पावरील प्रत्यक्ष खर्च) विचारात घेतला आहे. यास्तव कामावरील झालेल्या खर्चाच्या अनुषंगाने इतर आकाराच्या तरतूदी परिगणित झाल्यामुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु २६.९५ .लक्ष इतकी घट प्रस्तावीत झाली शासन) .निर्णय क्र / १०.१४ . / (२०१४/१०३)अर्थ १ -दि ३१.०३.२०१४ . |
| | मूळ ... ४९.६७ | २२.७२ | २,७२.६२ | +२,४९.९० | |
| | पुनर्विनियोजन... -२६.९५ | | | | |
| | रु. २,४९.९० लाखांचा प्रचंड अधिक खर्च विचारात घेता खर्च कमी झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजन /प्रत्यार्पण याद्वारे रू.२६.९५ लाखांचा काढण्यात आलेला निधी अवास्तव असल्याचे सिद्ध झाले.<br>अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ जे १०२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. १४,२५.९८ लक्ष (रुपये चौदा कोटी पंचवीस लाख अठ्ठ्याण्णव हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.१४,२५.१३ लक्ष (रुपये चौदा कोटी पंचवीस लाख तेरा हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.०.८५ लक्षची (रुपये श्याऐंशी हजार फक्त) इतकी बचत झाली आहे. अ.अ.गुणनियंत्रण मंडळ, अकोला या कार्यालयाचे रू.८५,१२१/- चे वेतनदेयक कोषागार कार्यालय, अकोला यांच्याकडून आक्षेपित करण्यात आलेले होते. परंतु बी.डी.एस. रद्द न झाल्यामुळे बचत दिसून येते.<br><br>महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. १४,२५.१३ लक्ष (रुपये चौदा कोटी पंचवीस लाख तेरा हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१४,२५.१२ लक्ष (रुपये चौदा कोटी पंचवीस लाख बारा हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्येरू.०.०१ लक्ष (रूपये एक हजार फक्त ) तफावत दिसून येते, जी अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे.<br><br>वेतनावरील खर्चात झालेल्या वाढीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु.१,०४.८३ लक्ष इतका निधी उपलब्ध करून देण्यात आला असून रु. ०.८५ लक्ष इतकी बचत झाली असून याबाबतचे कारण उपरोक्त परिच्छेद क्र.१ मध्ये नमूद करण्यात आलेले आहे. |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील मांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>००१ संचालन व प्रशासन आस्थापना (लाभक्षेत्र विकास प्राधिकरण विभागाव्यतिरिक्त)<br>(०१)(१८) अधीक्षक अभियंता, गुण नियंत्रण मंडळ, नागपूर | | | | |
| | मूळ ... १३,२१.१५ | १४,२५.९८ | १४,२५.१३ | -०.८५ | |
| | पुनर्विनियोजन- १,०४.८३ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९४ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ ७१६४ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु.१७८.६२ लक्ष (रुपये एक कोटी अठ्ठ्याहत्तर लाख बासष्ट हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. १७८.६२ लक्ष (रुपये एक कोटी अठ्ठ्याहत्तर लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे अधिक्य / बचत दिसुन येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>०५२ यंत्रसामग्री व साधनसामग्री<br>(०१) हत्यारे व सयंत्रे<br>(०१)(०८) अधीक्षक अभियंता, यांत्रिकी मंडळ (उ.स.), पुणे | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु.१७८.६२ लक्ष (रुपये एक कोटी अठ्ठ्याहत्तर लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.१७८.६२ लक्ष (रुपये एक कोटी अठ्ठ्याहत्तर लाख बासष्ट हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही . |
| | मूळ ... १,६०.९७<br>पुनर्विनियोजन. १७.६५ | १,७८.६२ | १,७८.६२ | ..... | पुनर्विनियोजनाद्वारे रु.१७.६५ लक्ष इतका निधी आवश्यकतेनुसार उपलब्ध करून देण्यात आला असून तो पुर्णत: खर्ची करण्यात आलेला आहे. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३९११ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ३,१२.०९ लक्ष ( रुपये तीन कोटी बारा लक्ष नऊ हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ३,१२.०७ लक्ष ( रुपये तीन कोटी बारा लक्ष सात हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रू.०.०२ लक्ष (रूपये दोन हजार फक्त ) इतकी बचत झाली आहे , सदर बचत अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत नगण्य आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>००१ संचालन व प्रशासन<br>(०६) (०३) काळ जलविद्युत प्रकल्प | | | | |
| | मूळ ... १,३९.३० | ३,१२.०९ | ३,१२.०७ | -०.०२ | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ३,१२.०७ लक्ष इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ३,१२.०७ लक्ष ( रुपये तीन कोटी बारा लक्ष सात हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | पुनर्विनियोजन. १,७२.७९ | | | | वेतनावरील अधिक निधीची आवश्यकता विचारात घेऊन रु. १,७२.७९ लक्ष इतका निधी उपलब्ध करुन देण्यात आला असून रु. ०.०२ लक्ष बचतीबाबतचे कारण उपरोक्त परिच्छेदात नमूद करण्यात आले आहे. |
| | | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ - बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३७४२ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. २४,८६.२० लक्ष ( रुपये चोवीस कोटी श्याऐंशी लक्ष वीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. २४,८६.२० लक्ष ( रुपये चोवीस कोटी श्याऐंशी लक्ष वीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ बीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८२९ सरदार सरोवर<br>(१०) (०२) अधीक्षक अभियंता कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २४,८६.२० लक्ष ( रुपये चोवीस कोटी श्याऐंशी लक्ष वीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. २४,८६.२० लक्ष ( रुपये चोवीस कोटी श्याऐंशी लक्ष वीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १५,००.०० | २४,८६.२० | २४,८६.२० | — | |
| | पुनर्विनियोजन. ९,८६.२० | | | | पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. ९,८६.२० लक्ष इतका निधी आवश्यकतेनूसार उपलब्ध करून देण्यात आला असून तो पुर्णत: खर्ची करण्यात आलेला आहे. |
| | | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ – वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती संगणक सांकेतांक ४८०१ ३७६९ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ५०,१७.९० लक्ष ( रुपये पन्नास कोटी सतरा लक्ष नव्वद हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ५०,१७.९० लक्ष ( रुपये पन्नास कोटी सतरा लक्ष नव्वद हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पावरील मांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>८५४ गुजरात शासनाला हिस्सा<br>(४३) (०२) अधीक्षक अभियंता कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ५०,१७.९० लक्ष ( रुपये पन्नास कोटी सतरा लक्ष नव्वद हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ५०,१७.९० लक्ष ( रुपये पन्नास कोटी सतरा लक्ष नव्वद हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये विभागाच्या खर्चात तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ३०,००.०० | ५०,१७.९० | ५०,१७.९० | | पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. २०,१७.९० लक्ष इतका निधी आवश्यकतेनूसार उपलब्ध करून देण्यात आला असून तो पुर्णत: खर्ची करण्यात आलेला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन. २०,१७.९० | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४८०१ – वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च, ०१ जल विद्युत निर्मिती, संगणक सांकेतांक ४८०१ ३७७८ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु. ४०,२८.३१ लक्ष ( रुपये चाळीस कोटी अठ्ठावीस लक्ष एकतीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ४०,२८.३१ लक्ष ( रुपये चाळीस कोटी अठ्ठावीस लक्ष एकतीस हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४८०१ वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च<br>०१ जलविद्युत निर्मिती<br>३०) (घाटघर पंप बसविलेली जलाशय योजना<br>(३०) (०५) अधीक्षक अभियंता कोयना बांधकाम मंडळ, सातारा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ४०,२८.३१ लक्ष (रूपये चाळीस कोटी अठ्ठावीस लक्ष एकतीस हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. ४०,२८.३१ लक्ष ( रुपये चाळीस कोटी अठ्ठावीस लक्ष एकतीस हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... १९,९७.०० | ४०,२८.३१ | ४०,२८.३१ | | पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. २०,३१.३१ लक्ष इतका निधी आवश्यकतेनूसार उपलब्ध करून देण्यात आला असून तो पुर्णत: खर्ची करण्यात आलेला आहे. |
| | पुनर्विनियोजन. २०,३१.३१ | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९५ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७११- पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च, ०३ जल निस्सारण, संगणक सांकेतांक ४७११ ०१११ या उपशिर्षखाली एकूण अनुदान रु. २१.६० लक्ष (रुपये एकविस लक्ष साठ हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.२१.६० लक्ष (रुपये एकविस लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका आहे. त्यामुळे बचत / अधिक्य दिसून येत नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च<br>०३ जल निस्सारण<br>१०३ नागरी बांधकामे योजना प्रत्येकी दर रु.५० लाख व त्यापेक्षा कमी<br>(०१) (०१) इतर शीर्षामधून हस्तांतरीत केलेला आस्थापना हिस्सा | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. २१.६० लक्ष (रुपये एकविस लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. २१.६० लक्ष (रुपये एकदिस लक्ष साठ हजार फक्त ) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | पुरक... ०.०१ | २१.६० | २१.६० | — | पुनर्विनियोजनाद्वारे रु.२१.५९ लक्ष इतका निधी वाढविण्यात आला कारण, जलनिस्सारण प्रकल्पावरील बांधकामाच्या तरतुदीवर झालेल्या प्रत्यक्ष खर्चाच्या अनुषंगाने इतर आकारासाठी आवश्यक असणारा निधी पुनर्विनियोजनाने उपलब्ध करणे आवश्यक आहे. |
| | पुनर्विनियोजन – २१.५९ | | | | |
| | रु. ०.८७ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता, मार्च, २०१४ मध्ये वरील पुनर्विनियोजनाव्दारे रु.५३,५२.२७ लाखांचा वाढविण्यात आलेला निधी अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले.<br>रु.०.८७ इतक्या अंतिम बचतीची कारणे प्रतिक्षित आहे (ऑगस्ट २०१४) | | | | तळटीपेमध्ये नमूद केल्याप्रमाणे रु. ०.८७ लाखांची अंतिम बचत लक्षात घेता कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता, मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाव्दारे रु.५३,५२.२७ लाखांचा वाढविण्यात आलेला निधी त्याबाबतची कारणमिमांसा खालील प्रमाणे करण्यात येत आहे.<br>पृष्ठ ११९ ते १२४ व उपरोक्त परिच्छेदात नमूद केल्याप्रमाणे पुनर्निनियोजनाबाबतची स्वतंत्र कारणे स्वतंत्रपणे नमूद करण्यात आली आहेत. रु. ०.८७ लाख अंतिम बचतीच्या अनषंगाने रू. ०.८५ लाख इतकी बचतीबाबतचे कारण पृ. ११९ वर नमुद केले असून उर्वरित रु.०.०२ लाख इतकी बचत नगण्य असून पुनर्विनियोजन अत्याधिक असल्याचे दिसून येत नाही. |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २१६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ आय ९७५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ७,४२.१९ लक्ष (रुपये सात कोटी बेचाळीस लाख एकोणिस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ७,४२.३९ लक्ष (रुपये सात कोटी बेचाळीस लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे रू.०.२० लक्ष (रुपये वीस हजार ) इतके अधिक्य झालेले आहे. सदरहू अधिक खर्च प्रामुख्याने वाहनांच्या विमा इन्सुरंसचा असून सदर रक्कम पुस्तकी समायोजनाने खर्ची पडली आहे. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>८०० इत्तर खर्च<br>(०७) जलविद्युत प्रकल्प<br>(०७)(०१) जलविद्युत प्रकल्प टप्पा २ | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ७,४२.३९ लक्ष (रुपये सात कोटी बेचाळीस लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ७,४२.३९ लक्ष (रुपये सात कोटी बेचाळीस लाख एकोणचाळीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... ४,९४.२२<br>पुनर्विनियोजन... २,४७.९७ | ७,४२.१९ | ७,४२.३९ | +०.२० | वित्त विभागाने योजनांतर्गत केलेल्या कपातीमुळे पुनर्विनियोजनाद्वारे रु.२,४७.९७ लक्ष इतका निधी वाढविण्यात आला . |
| | रू. ०.२० लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे वरील उपशिर्षाखाली रू.२,४७.९७ लाखांचा वाढविण्यात आलेला निधी अपुरा असल्याचे सिद्ध झाले.<br>रू. ०.२० लाखांचा अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षित आहेत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | | |

| वि.ले पृ. क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९६ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मु.ले.शी. ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, संगणक सांकेतांक ४७०१ सी ६४५ या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रु. ९.३४ लक्ष (रुपये नऊ लाख चौतीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु. ९.३४ लक्ष (रुपये नऊ लाख चौतीस हजार फक्त) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत किंवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रुपये लाखात) | |
| | ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च<br>८० सर्वसाधारण<br>(०३) इतर खर्च<br>(०३)(०१) यांत्रिकी संघटनेची कार्ये | | | | महालेखापाल कार्यालयांने विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रु. ९.३४ लक्ष (रुपये नऊ लाख चौतीस हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु. ९.३४ लक्ष (रुपये नऊ लाख चौतीस हजार फक्त) इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयांने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसून येत नाही. |
| | मूळ ... २०.०० | ९.३४ | ९.३४ | .... | |
| | पुनर्विनियोजन... -१०.६६ | | | | प्रत्यक्ष प्राप्त दाव्यांनुसार प्रदाने झाल्यानंतर उर्वरित निधीमध्ये बचत झाल्यामुळे, मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे रू. १०.६६ लाखांचा निधी काढण्यात आला. |
| | कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय , मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे रू. १०.६६ लाखांचा निधी काढण्यात आला. | | | | |

<u>निलंबन व्यवहार :-</u> वर्ष २०१३-१४ या वर्षभरात अनुदानाखालील एकूण खर्च निरंक होता. निलंबन व्यवहाराच्या स्वरूपाचे स्पष्टीकरण विनियोजन लेखा एच-०६ " सार्वजनिक बांधकामे आणि प्रशासकीय व कार्यचालन इमारती " याखाली दिलेल्या टिपांमध्ये आहे. २०१३-१४ या वर्षभरातील अनुदानातील निलंबन व्यवहाराचे विश्लेषण पुढीलप्रमाणे देण्यात आले आहे. :-

**प्रधान शीर्ष-४७०१, मोठया व मध्यम पाटबंधारे प्रकल्पावरील भांडवली खर्च (मागणी क्र. आय-५)** **सन २०१३-२०१४**

| विनियोजन लेखा पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | | ३ |
| ३०२ | निलंबन शीर्ष | प्रारंभिक शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | खर्च | जमा | अखेरची शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | लेखा परीक्षणात नमूद केलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | |
| | | | | | (रुपये लाखात) | |
| | संग्रह | +१,५२,७५.८४ | ..... | ..... | +१,५२,७५.८४ | |
| | खरेदी | -१,०५,१६.८५ | ..... | ..... | -१,०५,१६.८५ | |
| | संकीर्ण सार्वजनिक बांधकाम अग्रीम विषयक आगाऊ रकमा | +८६,८१.१३ | ..... | ८८.८५ | +८५,९२.२८ | |
| | कार्यशाळा निलंबन | +७०,७४.९० | ..... | ..... | +७०,७४.९० | |
| | रोकड मेळ निलंबन लेखा | +७,२६.१२ | ..... | ..... | +७,२६.१२ | |
| | एकूण | +२,१२,४१.१४ | ..... | ८८.८५ | +२,११,५२.२९ | |

मुख्य लेखाशीर्ष :- ४८०१-वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च  मागणी क्रमांक :- आय - ५  सन २०१३-२०१४

| विनियोजन लेखा पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |

**प्रधान शीर्ष-४८०१--वीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च**

२९७

| निलंबन शीर्ष | प्रारंभिक शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) | खर्च (रुपये लाखात) | जमा (रुपये लाखात) | अखेरची शिल्लक (+ खर्च) (- जमा) |
|---|---|---|---|---|
| | | | | (रुपये लाखात) |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| संग्रह | + ३,९९.४८ | -- | ---- | + ३,९९.४८ |
| खरेदी | -६,०४.६६ | -- | -- | -६,०४.६६ |
| संकीर्ण सार्वजनिक बांधकाम विषयक आगाऊ रक्कमा | + २,०१.७५ | -- | -- | + २,०१.७५ |
| कार्यशाळा निलंबन | + १.८१ | --- | ---- | + १.८१ |
| रोकड मेळ निलंबन लेखा | + ८८.०४ | --- | ---- | + ८८.०४ |
| एकूण | + ८६.४२ | --- | -- | + ८६.४२ |

लेखा परिक्षण अहवालात दर्शविलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे.

सदिसावंत
( स.दि.सावंत )
कक्ष अधिकारी महाराष्ट्र शासन

999

विनियोजन लेखा व लेखा परीक्षा अहवाल सन २०१३-२०१४ मध्ये नमूद केलेल्या जलसंपदा विभागाशी संबंधीत
अर्थसंकल्पीय बाबींचे स्पष्टीकरण दर्शविणारे विवरणपत्र

मुख्य लेखाशिर्ष- ६००३ राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण (सर्व भारीत)

मागणी क्र. आय-६

| पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | ३ |
| २९७ | | एकूण विनियोजन | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) | मागणी क्रमांक आय-६ अंतर्गत एकूण भारित अनुदान रु.३७१४०.२८ लक्ष (रुपये तीनशे एकाहत्तर कोटी चाळीस लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) च्या अनुषंगाने महालेखापालांनी रु.३७१४०.५९ लक्ष (रुपये तीनशे एकाहत्तर कोटी चाळीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका प्रत्यक्ष खर्च दर्शविला आहे. त्यामुळे रु.०.३१ लक्ष (रुपये एकतीस हजार फक्त) इतके अधिक्य दर्शविले आहे. महालेखापालांनी केलेल्या टिपा व भाष्येच्या अनुषंगाने स्पष्टीकरण ज्ञापनात नमूद करण्यात आले आहे व शासनाने महालेखापालांनी दिलेला सल्ला/सूचनांची नोंद घेतली आहे. |
| | | | | (रु. हजारांत) | |
| | प्रधान शीर्ष<br>६००३ राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण<br><br>भारित - | | | | मागणी क्रमांक आय-६ अंतर्गत **मुख्य लेखाशिर्ष ६००३-राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण (भारीत)** एकूण रु.३७१४०.२८ लाख (रुपये तीनशे एकाहत्तर कोटी चाळीस लाख अठ्ठावीस हजार फक्त) इतक्या अनुदानापैकी रु.५३.३४ लक्ष (रुपये त्रेपन्न लाख चौत्तीस हजार फक्त) इतकी रक्कम शासन निर्णय क्र.बीजीएम-१०१४/(१००/२०१३)/अर्थ-१, दिनांक ३१.३.२०१४ अन्वये गौणशीर्ष " राखीव भारितकडे वर्ग करण्यात आली आहे. परिणामी रू.३७०८६.९४ लक्ष (रुपये तीनशे सत्तर कोटी शहाऐंशी लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त)इतके अंतिम सुधारित अनुदान मंजूर करण्यात आले. व त्या अनुषंगाने विभागाने रू.३७०८६.९४ लक्ष (रुपये तीनशे सत्तर कोटी शहाऐंशी लाख चौऱ्याण्णव हजार फक्त) इतका प्रत्यक्ष खर्च झालेला आहे. त्यामुळे अधिक्य किंवा बचत झालेली नाही. |
| | मूळ .. ३,७१,४०,२८<br>पूरक .. ..... | ३,७१,४०,२८ | ३,७१,४०,५९ | + ३१ | |
| | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) ५३,३४ | | | | महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात रु.३७१४०.५९ लक्ष (रुपये तीनशे एकाहत्तर कोटी चाळीस लाख एकोणसाठ हजार फक्त) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.३७०८६.९४ लक्ष इतका प्रत्यक्ष खर्च केलेला आहे. त्यामुळे महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाच्या प्रत्यक्ष खर्चात रु.५३.६५ लक्ष (रुपये त्रेपन्न लाख पासष्ठ हजार फक्त) इतकी तफावत आढळून आली आहे. सदर तफावत प्रामुख्याने मु.ले.शी. ६००३-राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण, १०९-इतर संस्थानकडून कर्जे (००)(०१) गृहनिर्माण व नगरविकास महामंडळाकडून घेतलेली कर्जे (६००३ ०३५१) या उपशीर्षाखाली हुडकोकडून प्रत्यक्ष मंजूर कर्ज व हुडकोकडून प्रत्यक्ष प्राप्त कर्ज यामधील फरकाच्या रकमेचा ताळमेळ करण्याकरीता फ्रंट वजा केलेली रु.५३६५२००/- इतकी रक्कम सन २०१२-१३ च्या हिवाळी अधिवेशनात अर्थसंकल्पीत करण्यात आली. सदरहू अर्थसंकल्पीत रक्कम महसूली जमा शीर्ष ई-सरकारी ऋण ६००३५१४६ या जमा शीर्षाखाली वर्ग करण्याबाबत क्र.बीजीएम-१०.९३/(५८/२०१३)/अर्थ-१, दिनांक ३०.३.२०१३ च्या शासन निर्णयान्वये मंजूरी देण्यात येऊन महालेखापाल (ले व ह) मुंबई व नागपूर यांना कळविण्यात आलेले आहे. परंतु महालेखापाल कार्यालयाने सदरहू रु.५३६५२००/- इतकी रक्कम सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षातील नोव्हेंबर महिन्यात पुस्तकी समायोजनाव्दारे समायोजित केली असल्यामुळे सदरची तफावत दिसून येत आहे. याबाबत महालेखापाल (ले व ह)-२, नागपूर यांना शासन क्र.बीजीटी-२०१२ /(प्र.क्र.७०/१२)/रोख शाखा, दि.४.१२.२०१५ च्या पत्रान्वये अवगत करण्यात आले होते. |
| | रु.०.३१ लाखांचा अधिक खर्च (रु.३१,११६ चा प्रत्यक्ष अधिक खर्च) नियमात बसविणे आवश्यक आहे. | | | | |

**प्रधानशिर्ष : ७६१० — शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे** **मागणी क्रमांक :- आय-७** **सन २०१३-२०१४**

| पृ.क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | | | | ३. |
| २९७ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च(+) बचत(-) | **मागणी क्रमांक आय-७** मुख्य लेखाशीर्ष ७६१०-शासकीय कर्मचारी, इत्यादींना कर्जे याखाली एकूण दत्तमत अनुदान रू.७४८२.७५ लक्ष ( रूपये चौ-याहत्तर कोटी ब्याऐंशी लाख व पंच्याहत्तर हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने महालेखापालांनी रूपये ३०,०३.५१ लक्ष (रूपये तीस कोटी तीन लाख व एकावन्न हजार ) इतका खर्च नोंदविला आहे. परिणामी रू.४४,७९.२४ लक्ष ( रूपये चव्वेचाळीस कोटी एकोणऐंशी लाख व चोवीस हजार ) इतकी बचत दिसून येत आहे.महालेखापालांनी तळटिपेमध्ये नमूद केलेल्या टिपा व भाष्याच्या अनुषंगाने उपशिर्षनिहाय तपशीलवार स्पष्टीकरण देण्यात आले आहे.महालेखापालांनी दिलेल्या सूचनांची नोंद घेण्यात आली आहे. |
| | | | | (रू. हजारात) | |
| | प्रधान शीर्ष ७६१० —शासकीय कर्मचारी, इत्यादिंना कर्जे<br>दत्तमत - | | | | यापैकी मुख्य लेखाशिर्ष "मुख्य लेखाशीर्ष ७६१० शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे " खाली एकूण अनुदान रूपये ७४,८२.७५ लक्ष ( रूपये चौ-याहत्तर कोटी ब्याऐंशी लाख व पंच्याहत्तर हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने रू.४५,०६.९५ लक्ष (रूपये पंचेचाळीस कोटी सहा लाख व पंच्याण्णव हजार फक्त ) इतके अनुदान शासन निर्णय क्रमांक बीजीएम - १०१४/(५६/१४)/अर्थ-२ दि. ३१ मार्च २०१४ अन्वये अंतिमत: राखीव दत्तमतकडे वर्ग करण्यात आले. त्यामुळे रू.२९७५.८० लक्ष (रूपये एकोणतीस कोटी पंच्याहत्तर लाख व ऐशी हजार फक्त ) इतके सुधारीत अनुदान मंजूर करण्यात आले. त्यानुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रूपये २९८०.५३ लक्ष (रूपये एकोणतीस कोटी ऐंशी लाख व त्रेपन्न हजार ) इतका नोंदविला आहे. परिणामी रू.४.७३ लक्ष ( रूपये चार लाख त्र्याहत्तर हजार फक्त ) इतका अधिक खर्च दिसून येत आहे. अधिक्यबाबतची कारणे स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात नमूद करण्यात आली आहे. |
| | मूळ .. ७४,८२,७५ | ७४,८२,७५ | ३०,०३,५१ | -४४,७९,२४ | |
| | पूरक .. ..... | | | | |
| | वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) ४५,०६,९५<br>टिपा व भाष्ये :-<br>रू.४४,७९,२४ लाखांची बचत असताना, मार्च २०१४ मध्ये फक्त रू.४५,०६.९५ लाखांचा परत करण्यात आलेला निधी अत्याधिक असल्याचे सिद्ध झाले. | | | | महालेखापालांनी प्रारूप विनियोजन लेखा अहवालात सदर मुख्य लेखाशिर्षाखाली रूपये ३०,०३.५१ लक्ष (रूपये तीस कोटी तीन लाख व एकावन्न हजार ) इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रू. २९८०.५३ लक्ष (रूपये एकोणतीस कोटी ऐंशी लक्ष त्रेपन्न हजार फक्त) इतका प्रत्यक्ष खर्च केला आहे. त्यामुळे महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाच्या प्रत्यक्ष खर्चात रू.२२.९८ लक्ष ( रूपये बावीस लक्ष अठ्ठ्याण्णव हजार ) इतकी तफावत दिसून येत आहे.सदर तफावतीचा खुलासा उपशीर्षनिहाय स्पष्टीकरण ज्ञापनात नमूद करण्यात आला आहे. |
| | | | | | महालेखापालांनी तळटिपेमध्ये नमूद केलेल्या मुद्यांच्या अनुषंगाने नमूद करण्यात येते की, सदर लेखाशिर्षांतर्गत विभागातील अधिकारी / कर्मचारी यांना घरबांधणी अग्रिम, मोटार वाहन, वैयक्तिक संगणक अग्रिम यासाठी तरतूद अर्थसंकल्पीत करण्यात येते. प्रस्तुत अर्थसंकल्पीत करण्यात येणारी तरतूद ही वर्षभरातील अपेक्षित मागणीच्या अनुषंगाने केली जाते. तथापि, निधीचे वितरण हे प्रत्यक्ष प्राप्त झालेल्या मागण्यांनुसार केली जाते. प्राप्त झालेल्या मागण्यानुसार निधी वितरीत केल्यानंतर शिल्लक राहिलेला निधी समर्पित केला आहे. |

| पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | | | | | |
| २९८ | ७६१० ०४२५ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च(+) बचत(-) | या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान ) रू.३५०.७९ (रूपये तीन कोटी पन्नास लाख एकोणऐशी हजार फक्त ) च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च ३,५०.७९ (रूपये तीन कोटी पन्नास लाख एकोणऐशी हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे बचत अथवा अधिक्य झालेले नाही. |
| | | | | (रू. लाखात ) | |
| | प्रधान शीर्ष<br>**७६१०** —शासकीय कर्मचारी, इत्यादिंना कर्जे<br>**२०२ मोटार वाहन खरेदीसाठी अग्रिमे** | | | | |
| | मूळ .. १०,८९,०० | ३,५०.७९ | ३,५०.७९ | | |
| | पुनर्विनियोजन .. - ७,३८,२१ | | | | |

प्रधानशिर्ष : ७६१० –शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे  मा  क्रमांक :- आय – ७  सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | | | | ३ |
| २१८ | ७६१००४३४ शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च(+) बचत(-) | लेखापरीक्षणात नमूद केलेली वस्तुस्थिती बरोबर आहे. |
| | | | | (रू. हजारात ) | |
| | प्रधान शीर्ष<br>७६१० –शासकीय कर्मचारी, इत्यादींना कर्जे<br>२०३ इतर वाहन खरेदीसाठी अग्रिम | | | | |
| | मूळ .. १३.७५ | ..... | | | |
| | पुनर्विनियोजन .. -१३.७५ | | | | |
| | कर्मचारी / अधिकारी यांच्याकडून योग्य दस्तऐवज सादर न केल्यामुळे, अग्रिम देयकावर कोषागार कार्यलयाकडून घेतलेल्या आक्षेपांचे वेळेत अनुपालन सादर न करणे आणि अधिकारी / कर्मचारी यांच्याकडून अग्रिमासाठी कमी मागणी येणे यामुळे वरील उपशीर्षांखाली मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे रू.७,५१,९६ लाख एवढी निधी काढण्यात आला. | | | | |

प्रधानशिर्ष : ७६१० –शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे

मागणी क्रमांक :- आय – ७

सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | | | | | |
| २९८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च(+) बचत(-) | या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान) रू.२३,५६.४१ (रूपये तेवीस कोटी छप्पन लाख एकेचाळीस हजार फक्त )च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रू.२३,६१.१४ लक्ष (रूपये तेवीस कोटी एकसष्ट लाख चौदा हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रू.४.७३ लक्ष (रूपये चार लाख त्र्याहत्तर हजार फक्त ) इतका अधिक खर्च झालेला आहे. |
| | | | | (रू. लाखात ) | |
| | प्रधान शीर्ष<br>**७६१०** –शासकीय कर्मचारी, इत्यादिना कर्जे<br>**२०१ – घरबांधणी अग्रिमे** | | | | महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू.२३,८२.१२ लक्ष (रूपये तेवीस कोटी ब्याऐंशी लाख ब्याण्णव हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रू. २३,६१.१४ लक्ष (रूपये तेवीस कोटी एकसष्ट लक्ष चौदा हजार फक्त ) इतका प्रत्यक्ष खर्च केला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू. २१.७८ लक्ष (रूपये एकवीस लक्ष अठ्याहत्तर हजार फक्त) इतकी तफावत आहे. सदर तफावतीचे कारण असे नमूद करण्यात येते की, मुख्यलेखाशिर्ष ७६१०-शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे अंतर्गत मंत्रालयीन सर्व विभागातील अधिकारी व कर्मचारी यांना वेगवेगळ्या संगणक संकेताकामधून अग्रीम वितरीत करण्यात येते. महालेखापाल कार्यालयाने प्रारूप विनियोजन लेखा अहवालामध्ये या उपशीर्षाखाली झालेला खर्च नियंत्रक अधिकारीनिहाय न दर्शविता एकत्रितरित्या दर्शविलेला आहे. त्यामुळे सदर तफावतीबाबत महालेखापालांनी नोंदविलेला खर्च व विभागाने केलेला खर्च यामधील गैरवर्गीकरणाचा शोध लावणे कठीण आहे. (म्हणजेच सदर वर्गीकरण जलसंपदा विभागातर्गत नियंत्रक अधिका-यातंर्गत आहे किंवा इतर विभागातंर्गत आहे.) (उपरोक्त नमूद परिच्छेदातील वस्तुस्थिती विचारात घेता सदरचा अधिक खर्च मंजूर अनुदानाच्या मर्यादेत असल्यामुळे कृपया क्षमापित करण्याची विनंती आहे. ) |
| | मूळ .. ५५,००.०० | २३,५६.४१ | २३,८२.९२ | +२६.५१ | |
| | पुनर्विनियोजन .. –३१,४३,५९ | | | | |

प्रधानशिर्ष : ७६१० —शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे

मागणी क्रमांक :- आय – ७

सन २०१३-२०१४

| पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | | | | | |
| २९८ | शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च(+) बचत(-) | या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान (अंतिम सुधारीत अनुदान ) रू.२,६८.६० (रूपये दोन कोटी अडुसष्ट लाख साठ हजार फक्त च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रू.२,६९.८० लक्ष (रूपये दोन कोटी एकोणसत्तर लक्ष ऐशी हजार फक्त ) इतका झाला आहे. त्यामुळे रू.१.२० लक्ष (एक लाख वीस हजार फक्त) इतका अधिक खर्च झाला आहे. महालेखापालांनी विनियोजन लेखा अहवालात सदर उपशीर्षाखाली रू.२,६९.८० लक्ष ( दोन कोटी एकोणसत्तर लाख ऐशी हजार फक्त ) इतका खर्च नोंदविलेला आहे आणि विभागाने रू.२,६८.६०लक्ष (रूपये दोन कोटी अडुसष्ट लाख साठ हजार फक्त ) इतका प्रत्यक्ष खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रू.१.२० (रूपये एक लक्ष वीस हजार फक्त )तफावत दिसून येते. सदर तफावतीचे कारण असे नमूद करण्यात येते की, मुख्यलेखाशिर्ष ७६१०-शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे अंतर्गत मंत्रालयीन सर्व विभागातील अधिकारी व कर्मचारी यांना वेगवेगळ्या संगणक संकेताकामधून अग्रीमे वितरीत करण्यात येते. महालेखापाल कार्यालयाने प्रारूप विनियोजन लेखा अहवालामध्ये या उपशीर्षाखाली झालेला खर्च नियंत्रक अधिकारीनिहाय न दर्शविता एकत्रितरित्या दर्शविलेला आहे. त्यामुळे सदर तफावतीबाबत महालेखापालांनी नोंदविलेला खर्च व विभागाने केलेला खर्च यामधील गैरवर्गीकरणाचा शोध लावणे कठीण आहे. (म्हणजेच सदर वर्गीकरण जलसंपदा विभागातर्गत नियंत्रक अधिका-यातंर्गत आहे किंवा इतर विभागातंर्गत आहे, याबाबतचा आहे.) |
| | | | | (रू. लक्षात ) | |
| | प्रधान शीर्ष<br>**७६१० —शासकीय कर्मचारी, इत्यादिंना कर्जे**<br>**२०४ – संगणक खरेदीसाठी अग्रिमे** | | | | |
| | मूळ .. ८,८०.०० | २,६८.६० | २,६९.८० | +१.२० | |
| | पुनर्विनियोजन .. -६,११.४०<br>३१,४३,५९ | | | | |
| | रू. २७.७१ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कर्मचारी / अधिकारी यांच्याकडून योग्य दस्तऐवज सादर न केल्यामुळे, अग्रिम देयकांवर कोषागार कार्यालयांकडून उपस्थित केलेल्या आक्षेपांचे अनुपालन वेळेत सादर न केल्यामुळे आणि अधिकारी / कर्मचारी यांच्याकडून अग्रिमासाठी कमी मागणी आल्यामुळे वरील उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यर्पणाद्वारे रू. ३७,५४,.९९ लाखांचा निधी काढण्यात आला. रू.२७.७१ लाख इतक्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षेत आहेत ( ऑगस्ट २०१४ ) | | | | |

| पृष्ठ क्र. | महालेखापालांचे अभिप्राय | विभागाचे स्पष्टीकरण |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| २९८ | ३. मोठ्या प्रमाणावर बचत होऊन अनुदान बंद होण्याचे हे सलग नववे वर्ष आहे. त्यातून अत्याधिक अंदाज करण्याचे व सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निदर्शनास येते.<br><br>यापूर्वीच्या वर्षभरातील बचत पुढीलप्रमाणे झाली :- | महालेखापालांनी वर्ष २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखे अहवालातील मागणी क्र. आय-७ अंतर्गत प्रधान लेखाशीर्ष ७६१०-शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे संदर्भात, मागील ८ वर्षांपासून मोठ्या प्रमाणात तरतूद समर्पित केल्याचा मुद्दा उपस्थित करून मोठ्या प्रमाणावर बचत होऊन अनुदान बंद होण्याचे सन २०१३-१४ हे सलग नववे वर्ष असून त्यातून अत्याधिक अंदाज करण्याचे व सदोष अर्थसंकल्प असल्याचे निदर्शनास येत असल्याची बाब अधोरेखीत केली आहे.<br><br>सदर मुद्दयाच्या अनुषंगाने नमूद करण्यात येते की, सदर लेखाशिर्षांतर्गत विभागातील अधिकारी / कर्मचारी यांना घरबांधणी अग्रिम, मोटार वाहन, वैयक्तिक संगणक अग्रिम यासाठी तरतूद अर्थसंकल्पीत करण्यात येते. प्रस्तुत अर्थसंकल्पीत करण्यात येणारी तरतूद ही वर्षभरातील अपेक्षित मागणीच्या अनुषंगाने केली जाते. तथापि, निधीचे वितरण हे प्रत्यक्ष प्राप्त झालेल्या मागण्यांनुसार केले जाते. प्राप्त झालेल्या मागण्यानुसार निधी वितरीत केल्यानंतर शिल्लक राहिलेला निधी समर्पित केला आहे. |

| वर्ष | एकूण तरतूद | खर्च (रू. लाखात) | बचत |
|---|---|---|---|
| २००५-०६ | ४५,६७.५० | ३०,८३.०४ | १४,८४.४६ |
| २००६-०७ | ४५,६२.५० | ४१,१३.९३ | ४,४८.५७ |
| २००७-०८ | ५३,६२.५० | ३२,४१.१८ | २१,२१.३२ |
| २००८-०९ | ५८,३५.०० | ४५,०७.५७ | १३,२७.४३ |
| २००९-१० | ६६,६३.३७ | ३३,२१.५८ | ३३,४१.७९ |
| २०१०-११ | ६८,०२.५० | ३६,४८.२७ | ३१,५४.२३ |
| २०११-१२ | ७४,८२.७५ | ३२,९६.२१ | ४१,८६.४६ |
| २०१२-१३ | ७४,८२.७५ | ३७,०६.१६ | ३७,७६.५९ |

**५.१ साक्ष**

**अनुदान क्र.आय-१ मुख्य लेखाशिर्ष - २०४९-"व्याज प्रदाने"**

अनुदान क्रमांक आय-१ प्रधान शीर्ष २०४९- व्याज प्रदाने' या संदर्भात समितीला माहिती देताना विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सन २००४-०५ मध्ये हुडकोकडून २ हजार कोटी रुपयांचे कर्ज महाराष्ट्र वॉटर सेक्टर इम्प्रुव्हमेंट प्रोग्रामसाठी घेण्यात आले होते आणि हुडकोने कर्ज मंजूर करताना दोन हफ्ते कापून घेतले असून सुरुवातीला फ्रंट एंड फी आणि दस्तऐवज शुल्कासाठी (डॉक्यूमेंटेशन चार्जेस) जवळपास ५३ लाख रुपये घेतले. तसेच, व्याजाचा पहिला हप्ता ५० लाख ६८ हजार रुपये होता. तो त्यांनी कापून घेतला होता. सन २०१२-१३ मध्ये हे लक्षात आल्यानंतर विभागाने ही रक्कम बुक केलेली आहे.

विभागाने सन २०१२-१३ च्या हिवाळी अधिवेशनात ती रक्कम अर्थसंकल्पीत केलेली आहे असे समितीने निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली व सांगितले की, महालेखाकार कार्यालयाने सन २०१३-१४ मध्ये याची नोंद घेतलेली आहे. ही केवळ बुक ॲडजेस्टमेंट आहे. महालेखाकार कार्यालयाने सन २०१३-१४ मध्ये नोंद घेतली आणि विभागाची ॲडजेस्टमेंट सन २०१२-१३ मधील होती. विभागाने या संदर्भात दिनांक २३.०२.२०१७ आणि ०७.०३.२०१७ रोजी महालेखाकार कार्यालयाला कळविले होते.

शासनाने या संदर्भात दिनांक २०.०२.२०१३ रोजी निर्णय घेतल्यानंतर विभागाने पुरवणी मागणी मंजूर झाल्यानंतर या संदर्भात महालेखाकार कार्यालयाला कळविले होते असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, विभागाने दिनांक ०४.०२.२०१५ रोजी महालेखाकार कार्यालयाला कळविल्यानंतर महालेखाकार कार्यालयाकडून सांगण्यात आले की, विभागाकडून महालेखाकार कार्यालय, नागपूर यांना कळविण्यात यावे.

जलसंपदा विभाग हा महालेखाकार कार्यालय, नागपूर यांच्या अखत्यारित आहे आणि विभाग सर्व विषयांच्या संदर्भात महालेखाकार कार्यालय, मुंबई यांच्याकडे पाठपुरावा करीत आहे ही बाब समितीने निदर्शनास आणून दिली असता या विषयाबाबत दिनांक २३.०२.२०१७ आणि ०७.०३.२०१७ रोजी महालेखाकार कार्यालय, नागपूर यांच्याकडे पत्रव्यवहार (करस्पॉंडन्स) केला आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले.

समितीने याबाबत महालेखाकार कार्यालय, नागपूर यांना विचारणा केली की, विभागाने यासंदर्भात नागपूर कार्यालयास काही पत्रव्यवहार केला आहे का ? त्यांच्याकडील तपशिलानुसार सदरहू माहिती अकाऊंट बंद झाल्यानंतर नागपूर कार्यालयातून पत्र मुंबई कार्यालयात परत गेली आहेत असे नागपूर महालेखाकार यांनी सांगितले.

महालेखाकार कार्यालय, मुंबई यांनी दिनांक १२.९.२०१६ रोजी विभागास सांगितले की, यानंतरचा पत्रव्यहार नागपूर महालेखाकार कार्यालय यांना करावा. त्यानुसार दिनांक २३ फेब्रुवारी, २०१७ आणि ०७ मार्च, २०१७ रोजी नागपूर महालेखाकार कार्यालय यांना विभागाकडून यासंदर्भात पत्र पाठविण्यात आले आहे असे विभागीय सचिवांनी सांगितले.

नागपूर कार्यालयास झालेल्या पत्रव्यवहाराची प्रत महालेखाकारांना उपलब्ध करून द्यावी असे समितीने सुचित केले. त्यानुसार शासनाने महालेखापालांना दिनांक २३-२-२०१७ व दि. ७-३-२०१७ च्या प्रती महालेखापालांना दि. ३-५-२०१७ च्या शासन पत्रान्वये उपलब्ध करून देण्यात आलेल्या आहेत असे विभागाकडून प्राप्त झालेल्या लेखी उत्तरात नमूद केले आहे. तसेच सदर तफावतीबाबत सादर केलेला खुलासा महालेखापालांनी दिनांक ९-५-२०१७ रोजीच्या पत्रान्वये स्विकृत करून यापुढे वेळेत खर्च ताळमेळ करण्याबाबत सूचित केले आहे. **(विवरण क्र.१)**

हुडको ने जी रक्कम कापली ती व्याजाचा पहिला हप्ता आणि प्रक्रिया शुल्क (प्रोसेसिंग चार्जेस) ची रक्कम आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले.

विभागाकडून ७ लाख ७३ हजार रुपये सरेंडर करण्यात आलेले असून ४२ लाख ९५ हजार रुपये जादा दाखविण्यात आले आहेत अशाप्रकारे एकूण ५० लाख ६८ हजार रुपये आहेत असे समितीने निदर्शनास आणले असता, विभागाने सन २०१२-१३ मध्ये बुकिंग केली होती आणि महालेखाकार कार्यालयाकडून सन २०१३-१४ मध्ये याची नोंद घेण्यात आली होती. सन २००४-०५ मध्ये ही कपात करण्यात आली होती आणि हे सन २०१२-१३ मध्ये लक्षात आलेले आहे. कारण, सन २००४-०५ मध्ये कर्ज मंजूर झाले होते असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले. त्यामुळे विभागाने पुरवणी मागणी घेतली होती काय ? अशी समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी होकारार्थी उत्तर दिले. विभागाने नोट ऑफ एरर महालेखाकारांना पाठवून दयावी व त्यांच्याकडून वेटिंग करून घ्यावे, असे समितीने सूचित केले होते त्यानुषंगाने विभागाने केलेल्या कार्यवाहीबाबत प्राप्त झालेले दिनांक ९-५-२०१७ व ६-५-१७ रोजीचे पत्र **विवरण १ व २** समाविष्ट आहे.

**अनुदान क्र.आय-३ "पाटबंधारे, वीज व इतर आर्थिक सेवा":**

**अनुदान क्रमांक आय-३ "पाटबंधारे, वीज व इतर आर्थिक सेवा" :**

प्रधान शीर्ष २४०२-मृद व जलसंधारण, २७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे, २७०२-लहान पाटबंधारे, २७०५-लाभक्षेत्र विकास, २७११-पूर नियंत्रण व जलनिःस्सारण, २८०१-वीज, ३४०२ अवकाश संशोधन मोठे व मध्यम पाटबंधारे या शीर्षांतर्गत अधीक्षक अभियंता, अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला यांच्याकडील रुपये ११.८७ लाख एवढी रक्कम वेतनावर अतिप्रदान झाले असून विभागाकडून ३१ मार्च रोजी ११ लाख ८७ हजार रुपये वेतन देयके कोषागारात सादर करण्यात आली आहे.

या मुख्य लेखाशिर्षामध्ये मूळ तरतूद २३,९१,२८.१६ कोटी असून विभागाने २२,१८,६८.७६ लाख खर्च केला आहे असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी खुलासा करताना नमूद केले की, विभागाने २,३३,२७.४३ लाख रुपयांची अतिरिक्त मागणी केली त्याचे प्रामुख्याने दोन भाग होते. १३ व्या वित्त आयोगाचा पैसा केंद्र सरकारकडून मिळणार होता. त्यासाठी ९८.२४ कोटी रुपये एवढी तरतूद पुरवणी मागणीच्या माध्यमातून करण्यात आली होती. १३३ कोटी रुपये मेन्टेनन्ससाठी मागणी केली होती. अशाप्रकारे २,३३,२७.४३ लाख रुपयांची पुरवणी मागणी केली होती, २२,१८,६८.७६ लाख रुपये विभागाने खर्च केले आणि फायनल मोडिफाय ग्रँट होती त्यामध्ये ४,०५,८६.८३ लाख रुपये बचत झाली आहे. विभागाने ४,१७,६४ कोटी रुपये समर्पित केले आहेत. त्यात १७५.८३ कोटी रुपये एमडब्ल्यूएसआयपी प्रोग्रॅमचे होते, १३ व्या वित्त आयोगाचा निधी आला नाही म्हणून ११८.४६ कोटी रुपये सरेंडर केले. आस्थापनेचे ७८.८२ कोटी रुपये आणि सेसचे ४४.५३ कोटी रुपये असे एकूण ४१७ कोटी ६४ लाख रुपये सरेंडर करण्यात आले.

तथापि, आकडेवारीमध्ये तफावत असून यामध्ये रुपये ४,०५,८६.८३ लाख रुपयांची बचत असताना ४,१७,६४.०६ लाख रुपये सरेंडर का करण्यात आले अशी विचारणा समितीने केली असता प्रत्यक्ष खर्च २,२०,७५७.२० लाख रुपये असून त्यात ११,११.५६ लाख रुपयांचा फरक दिसून येतो. परंतु प्रत्यक्ष खर्च अधिक झालेला नसून सदरहु खर्च नोंदविण्यात फरक झाला आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

सदर आकडेवारीमध्ये ११,११.५६ लाख रुपयांचा फरक असून त्याची कारणे विभागाकडून वेगवेगळ्या शिर्षानुसार सांगण्यात येत आहे. या शिर्षामध्ये दुसरा मुद्दा असा आहे की, विभागाची फायनल मोडिफाय ग्रँट २२०६९१.५३ लाख रुपये असून विभागाने २२०७५७.२० लाख रुपये खर्च केला आहे. त्यानुसार विभागाकडून ६५.६७ लाख रुपये अधिक खर्च झाला आहे, असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता सचिवांनी सब पॅरानिहाय ब्रेकअप दिला असून हिशोब जुळत आहे.

यामध्ये २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे ८० सर्वसाधारण ००१ संचालन व प्रशासन (०४) परिरक्षण आस्थापना (०४) (०१) अधीक्षक अभियंता, अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला या शीर्षांतर्गत अधीक्षक अभियंता, अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला यांच्याकडील रुपये ११.८७ लाख एवढी रक्कम वेतनावर अतिप्रदान झाले असून विभागाकडून ३१ मार्च रोजी ११ लाख ८७ हजार रुपये वेतन देयके कोषागारात सादर करण्यात आली आहे. मुख्य शिर्षाअंतर्गत दिलेला आहे तो गोषवारा आहे. जलसंपदा विभागाकडून महालेखाकार यांना नोट ऑफ एरर सादर केली आहे. परंतु महालेखाकार, नागपूर यांच्या म्हणण्यानुसार, महालेखाकार कार्यालयास नोट ऑफ एरर प्राप्त झालेली नसून विभागाने नोट ऑफ एरर उशिरा का दिली? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागाकडून नोट ऑफ एरर दिनांक १० ऑगस्ट, २०१५ रोजी नागपूर कार्यालयास सादर केली असून त्याची प्रत समितीस उपलब्ध करून देण्यात आली आहे. परंतु विभागाकडून सदर नोट ऑफ एरर उशिरा पाठविण्यात आली असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता विभागीय सचिवांनी विभागाकडून याबाबत विलंब झाल्याचे मान्य केले. संबंधित माहिती त्याच वर्षाच्या दिनांक ३१ मार्चपर्यंत सादर करण्यात आली पाहिजे असे महालेखाकारांनी विभागाच्या निदर्शनास आणले असता याबाबत यापुढे काळजी घेण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी सांगितले.

प्रधानशिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे या शिर्षा अंतर्गत १७५.८३ कोटी रुपये विभागाने पुनर्विनियोजन केले असून यात प्रामुख्याने काळ, घोड आणि पांजरा प्रकल्प आहेत, त्यामधील न्यायिक प्रक्रियेमुळे विभाग खर्च करु शकला नाही. काटेपूर्णा प्रकल्पामध्ये कालव्याच्या पुनर्वसनाचा मुद्दा होता आणि नीरा नदीच्या उजवा व डाव्या कालव्याचे पाणी सोडण्याचे काम अपूर्ण असल्यामुळे अडचण आली, त्यामुळे ५.०६ कोटी रुपयांची अंतिम बचत झाली आहे.

मुख्य लेखाशीर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ८०० इतर खर्च, (०१) (०१) व्याज अंतर्गत उपशीर्षाखाली रु.५५१,८५.०८ लाख इतका खर्च नोंदविलेला असून विभागाने रु.५४१,७५.२५ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु.१०,०९.८३ लाख इतकी तफावत दिसून

येते. सदर तफावत वाणिज्यिक व्याजाच्या परिगणनेतील भिन्न पध्दतीमुळे दिसून येते. विभाग ही परिगणना मागील वर्षाच्या प्रत्यक्ष खर्चाच्या आधारे करतात. त्यामुळे सदरची तफावत दिसून येते. २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ८०० इतर खर्च, (०१) (०१) व्याज या उपशीर्षाखाली व्याजाच्या दरामध्ये तफावत केली आहे. महालेखाकार यांनी नमूद केलेला व्याजाचा दर व विभागाने नमूद केलेला व्याजाचा दर यामध्ये तफावत आहे. महालेखाकार यांनी व्यावसायिक (कमर्शिअल) दर घेतला आहे. यामध्ये एकवाक्यता असावयास पाहिजे विभागाकडून करण्यात आलेली परिगणना (कॅल्क्यूलेशन)आणि महालेखाकार यांच्याकडून करण्यात आलेली परिगणना यांच्या पध्दतीमध्ये फरक असल्याचे विभागीय सचिवांनी मान्य केले.

महालेखाकारांनी असे मत व्यक्त केले की, मागील वर्षाचा दर विचारात न घेता चालू वर्षाचा दर विचारात घेणे अपेक्षित आहे. त्यावर विभागीय सचिवांनी आता ज्या करंट सूचना आलेल्या आहेत त्यानुसार विभागाकडून परिगणना करण्यात येईल व चालू आकडे लक्षात घेण्यात येतील असे समितीस आश्वासित केले.

महालेखापालांनी उपशीर्ष २७०१, मोठे व मध्यम पाटबंधारे ९३९७ व २७०१ ९१९२ या दोन संगणक संकेतांकासमोरील खर्च रु.१६३४.१५ लाख इतका एकत्रितपणे दर्शविला आहे. त्यामुळे खर्चामध्ये रु.१६१७.२२ लाख इतकी तफावत दिसून येत आहे. त्या अनुषंगाने सदर उपशीर्षाखाली रु.१६१७.२२ लाख इतक्या गैरवर्गीकरणाच्या अनुषंगाने चुकीची दुरुस्ती नोंद प्रस्ताव महालेखापाल कार्यालयास शासन पत्र क्र.विनियो २७०१/२०१३-१४ (०६/२०१५)/ लेखा दिनांक १२ जून, २०१५ रोजी सादर करण्यात आला आहे. सदर चुकीची दुरुस्ती नोंद सादर करण्यामध्ये विभागास विलंब झालेला आहे याबाबत समितीने विचारणा केली असता विभागाने प्रस्ताव सादर केला असून विभागाकडून अंतिम सुधारित अनुदान चुकले आहे. त्यामुळे हा प्रश्न निर्माण झाला असल्याचे विभागीय सचिवांनी सांगितले.

उपरोक्त उपलेखाशिर्ष अंतर्गत ८४.६२ लाख रुपयांची बचत दिसून येते तथापि, दोन्ही आकडेवारीत फरक आहे असे समितीने निदर्शनास आणले असता, विभागीय सचिवांनी खुलासा करतांना सांगितले की, विभागाकडे दोन सीआरसी होत्या. एकूण बेरीज सारखी आहे. परंतु एका सीआरसीमध्ये बचत झाली असून दुस-या सीआरसीमध्ये अधिक खर्च झाला आहे. महालेखाकारांकडून एकाच सीआरसीवर नोंद झालेली आहे. एकूण फरक १ कोटी रुपयाचा आहे. एकामध्ये बचत असून दुस-यामध्ये जादा खर्च दाखवला आहे याबाबत विभागाच्या एका सीआरसी मध्ये ८४.६२ रु. इतकी बचत आहे तर दुस-या सीआरसी मध्ये १८४.६२ जादा खर्च आहे. एक कोटीची तफावत आहे.

एका सीआरसी मध्ये बचत ८४.६२ आणि एका सीआरसी मध्ये जादा खर्च आहे. यात एक कोटी ची तफावत आहे तर विभाग हे सेटल कसे करणार ? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, चुकीची दुरुस्ती नोंद प्रस्ताव सादर केला एडजस्टमेंट झाल्यानंतर अंतिम होईल. त्यामध्ये २ सीआरसी आहेत, परंतु महालेखाकारांकडून एकाच सीआरसीवर नोंद झालेली आहे. याबाबत विभागाने कारणे द्यावीत असे समितीने सांगितले असता विभागाचे नोंद सुधारित अनुदान चुकले होते. समितीने आदेश दिले तर पुरवणी मागणी घेऊन ही दुरुस्ती करता येईल, असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

विभागाकडून एफएमजी शिवाय अधिकचा खर्च कसा काय करण्यात येतो ? प्रत्येक वेळी विभागात एक- एक कोटी रुपयांचा फरक दिसतो. समितीपुढे दोनच पर्याय असून, either it should be recovered from the Officer or it should be regularised. यासंदर्भात विभागाने लेखी स्वरुपात समितीला कारणे सादर करावीत Then only this fault can be condoned. असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले असता याबाबत कारणे शोधण्याचा प्रयत्न करण्यात येत आहे असे विभागीय सचिवांनी सांगितले.

२७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ८०० इतर खर्च, (१७) मोठे व मध्यम पाटबंधारे यांची दुरुस्ती व परिरक्षण यासाठी तरतूद (१७) (०१) सचिव ल. क्षे. वि. प्रा., जलसंपदा विभाग मंत्रालय या अंतर्गत विभागाकडे कोणतेही नियोजन नसताना ठोक तरतूद केली जाते आणि नंतर निधी सरेंडर केला जातो किंवा पुनर्विनियोजन केले जाते अशा महालेखाकारांच्या आक्षेपाच्या अनुषंगाने समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले की, देखभाल व दुरुस्तीच्या कामासाठी ज्या तरतुदी केल्या जातात त्या दोन भागामध्ये असतात. मोठ्या प्रकल्पांसाठी तरतूद केली जाते ती प्रकल्पनिहाय असते. मध्यम आणि लघुपाटबंधारे प्रकल्प आहेत त्यासाठी अधीक्षक अभियंतानिहाय ठोक तरतूद करण्यात येते.

२२९९.३७ लाख रुपये बजेटमध्ये मूळ तरतूद करण्यात आली होती. पुन्हा पुरवणी मागणीमधून ४९३३.८८ लाख रुपयांची तरतूद केली. ही पुरवणी मागणी कोणत्या अधिवेशनात सादर केली ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागाकडे जी मोठी धरणे आहेत त्याकरिता प्रकल्पनिहाय तरतूद करण्यात येत असून जवळपास २८०० लघु आणि मध्यम प्रकल्प आहेत, त्यासाठी ठोक तरतूद करण्यात येते. एवढ्या मोठ्या संख्येने असलेल्या प्रकल्पांसाठी प्रकल्पनिहाय तरतूद करण्यात येऊ शकत नाही असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

२२९९.३७ लाख रुपयांचे नियोजन नसताना पुन्हा ४९ कोटी ३३ लाख ८८ हजार रुपये पुरवणी मागणी केली आहे. ७२ कोटी ३३ लाख रुपयांचे नियोजन काय होते ? २२९९.३७ लाख रुपयांपैकी १ रुपया देखील खर्च करण्यात आलेला नाही असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता विभागाकडून १०० टक्के खर्च करण्यात आला असून ठोक तरतूद केल्यानंतर शीर्षामध्ये रक्कम वर्गीकृत (शिफ्ट) केली जाते. प्रत्येक शीर्षावरील १०० टक्के तरतूद खर्च झाली असून विशिष्ट मध्यम किंवा लघु प्रकल्पावर खर्च केला ती रक्कम दर्शविण्यात आली आहे.

विभागाकडून पूर्ण तरतूद सरेंडर करण्यात आली आहे काय ? याबाबत समितीने विचारणा केली असता पुनर्विनियोजन करून मोठे प्रकल्पनिहाय तरतूद केली जाते. लघु व मध्यम प्रकल्पनिहाय रिॲप्रोप्रिएशनने ठोक तरतूद करण्यात येते.

अवितरीत असलेली तरतूद वर्षाखेरीस समर्पित करण्यात येते. विभागाने जी तरतूद केली तो खर्च झाला असेल तर तो त्या ठिकाणी दर्शविण्यात आला पाहिजे. परंतु विभागाकडून खर्च झाल्याचे नमूद केलेले नाही ही बाब समितीने निदर्शनास आणली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, तरतूद शिल्लक राहिली तर ती समर्पित करण्यात येते. येथे रक्कम समर्पित करण्यात आलेली नाही. ठोक मध्ये खर्च दाखविण्यात येत नाही. मध्यम प्रकल्पाच्या देखभाल दुरुस्तीसाठी तरतूद करण्यात आलेली आहे. ज्या प्रकल्पावर खर्च झाला तो दर्शविण्यात येतो. येथे ठोक रक्कम दर्शविण्यात आली आहे.

प्रधान शीर्ष २४०२ मृद व जलसंधारण, प्रधान शिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, २७०२ लहान पाटबंधारे, २७०५ लाभक्षेत्र विकास, २७११ पूर नियंत्रण व जलनिःस्सारण, २८०१ वीज, ३४०२ अवकाश संशोधन यामध्ये असे नमूद केले आहे की, एकूण अनुदानाची रक्कम रुपये २६२४,५५.५९ लाख होती, ही रक्कम उपरोक्त शीर्षावर खर्च करण्यात आली असून अशाप्रकारे वेगवेगळ्या शिर्षामध्ये झालेला खर्च समितीला मान्य असून मुख्य लेखाशीर्ष २७०१ असून प्रधान शीर्षामध्ये वेगवेगळा खर्च दर्शविण्यात आलेला आहे. मोठे व मध्यम पाटबंधारे या शीर्षाखाली वेगवेगळा खर्च केला असल्यास तो दर्शविणे आवश्यक होते असे मत समितीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, प्रकल्प निहाय किती पैसे कोठे कोठे खर्च केले याचा अहवाल समितीला सादर करण्यात येईल असे समितीस आश्वत केले होते चालू वर्षात जमीन संपादनाच्या थकबाकीची रक्कम देण्यात आली आहे. यासाठी ठोक तरतूद करण्यात आली आहे.

विभागाकडून निधी कोठेही खर्च करण्यात आला तरी, त्याबाबत काहीही अडचण नाही, समितीचा मुद्दा असा आहे की, महालेखाकार कार्यालयाने परिच्छेद काढले आहे व लिहिले आहे की,संपूर्ण निधीचे पुनर्विनियोजन झाले आहे. त्यामुळे ती रक्कम सरेंडर होते. परंतु विभागीय सचिवांचे असे म्हणणे आहे की, विभागाने येथे ठोक तरतूद केली आहे. " सदर मुख्य लेखाशिर्षातंर्गत आवश्यकता असल्यास ती पुनर्विनियोजनाद्वारे उपलब्ध करून दिली जाते त्यामुळे सदर लेखाशिर्षाखाली थेट प्रत्यक्ष खर्च होत नाही तसेच अवितरीत असलेली तरतूद वर्षाखेरीज समर्पित करण्यात येते. असे उत्तर विभागाने दिलेले आहे. विभागीय सचिव जे सांगत आहात तसे त्यांनी स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात नमूद केले पाहिजे होते. सदर रक्कम ठराविक हेडमधून खर्च करण्यात आली आहे. याबाबत विभागीय सचिवांनी अशी सविस्तर माहिती दिली की, विभागाने दिलेल्या स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात असे नमूद केले आहे की, सदर लेखाशीर्षाखाली थेट प्रत्यक्ष खर्च होत नाही. यामागील सीआरसी पाहिल्या तर पुनर्विनियोजनाचे आकडे दर्शविण्यात आले आहेत. ७२ कोटी रुपये यातून खर्च करण्यात आला असून प्रकल्पावर प्रत्यक्ष खर्च ठोक रकमेतून होत नाही. ठोक तरतूद दाखविण्याची पध्दत पहिल्यापासून असल्यामुळे विभागाकडून ती दाखविण्यात आली आहे. वेगवेगळे खर्च दाखवायचे असेल तर विभागाला काहीही अडचण नाही. त्यामुळे बेरीज दुप्पट होईल व ते डबल बुकींग होईल.

प्रधान शिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे का जो शीर्ष है वह रिपेअर और मेंटनन्स के संबंध मे है. जो बजेट मॅन्युअल है वह यह कहता है कि विभाग को ठोक तरतूद करना ही नहीं है. उदाहरण के तौर पर मैं बताना चाहता हूं कि यदि आपके दस प्रोजेक्ट्स है, तो हर प्रोजेक्ट के रिपेअर और मेंटेनन्स की अपनी अपनी रिक्वायरमेंट है. जहां पर रिपेअर और मेंटेनन्स

की जरुरत है उसके हिसाब से काम होना चाहिए, यही बजेटींग का प्रोसेस है. वहां पर एक गलती हो गई कि हमने ठोक तरतूद कर दी. अब आप कह रहे है कि इसके लिए क्या इलाज है ? विधानसभा ने वोटींग करके आपको यह बजट दिया है, वह किसी परपज के लिए दिया है. आप हमें स्पष्ट बताईए कि कौन कौनसे प्रोजेक्ट में कितनी जरुरत थी और अगली बार से उसी के अनुसार बजट बनाएंगे. अगली बार बजट भी उसी तरह से कीजिए.ए आप ठोक तरतूद क्यों कर रहे है? असा मुद्दा महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, इस बारे में विभाग आपको डिटेल्स देते है कि प्रोजेक्टवाईज कहां पर कितना खर्चा हुआ है. इसका टोटल उतना ही आएगा. No surrender has taken place. विभागाला काही प्रॅक्टीकल अडचणी येतात. उदाहरण दाखल विभागीय सचिवांनी सांगितले की, यहां पर २८०० प्रकल्प आहे. There may be some urgent maintenance required somewhere. So, we cannot forecast and book project-wise maintenance grant. This is our practical problem. लैंड एक्वीजिशन के कोर्ट केसेस होते है. लैंड एक्वीजिशन के लिए विभागाने अभी भी ठोक तरतूद की है. कहीं पर कॅनॉल टूट गया और अचानक वहां पर पांच लाख रुपये खर्च करने है तो वह हम मेंटेनन्स से खर्च कर देंगे. हम पहले से ही यह रकम बुक नहीं कर सकते कि वह कॅनॉल टूटेगा तो उसके लिए हम पांच लाख रुपये देंगे. इसलिए हम ठोक तरतूद करते है. यदि यह रक्कम खर्च नहीं होती है तो हम सरेंडर कर देंगे. याबाबतची सर्व सविस्तर माहिती देण्यात यावी असे समितीने सांगितले असता विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली. विभागाकडून सदरहू माहिती प्राप्त झाली आहे. (अ. क्र. ६)

प्रधान शिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ००३ प्रशिक्षण, (०६) वाल्मीला सहाय्यक अनुदान, (०६) (०३) अधीक्षक अभियंता व संचालक पाटबंधारे संशोधन व विकास पुणे, केंद्र पुरस्कृत योजना याअंतर्गत केंद्र सरकारकडून तरतूद मिळाली नाही ही तरतूद कशासाठी होती. अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, वाल्मीसाठी जो निधी केंद्र सरकारकडून मिळतो त्याची ही रक्कम आहे. ती रक्कम रिलीज न झाल्यामुळे ती सरेंडर झाली आहे.

पैसे मिळणार म्हणून विभागाने प्रोव्हीजन केली होती की विभागाची मॅचिंग ग्रॅन्ट आहे अशी विचारणा समितीने केली असता ही शॅडो प्रोव्हीजन बजेट मध्ये करण्यात येते. केंद्र सरकारकडून रक्कम मिळणार म्हणून शॅडो प्रोव्हीजन बजेटमध्ये करण्यात आली आहे. केंद्र सरकारकडून विभागाला जो निधी येणे अपेक्षित असेल त्यासाठी बजेटमध्ये शॅडो प्रोव्हीजन करण्यात येते. जेणेकरुन निधी आल्यानंतर प्लॅनसाईजल डिस्टर्ब होणार नाही. निधी आला नाही तर ती रक्कम लॅप्स दाखविता येते.

शॅडो प्रोव्हीजन करून विभागाने आऊटले ब्लॉक करीत आहे. जेव्हा विभागाकडे रक्कम येईल तेव्हा विभाग ती रक्कम खर्च करतो. राज्याचा आऊटले निर्धारित करण्यात येतो त्या आऊटलेमधून विभागाला निधी मिळणार नाही. त्यामुळे तो आऊटले विभागाकडून ब्लॉक करू न टाकण्यात येत आहे असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, शॅडो बजेटींग केले नाही तर पीएमकेएसवाय मध्ये विभागाला ९०० कोटी रुपये सेंट्रल सिस्टीममधून येणे अपेक्षित आहे. आता विभागाने बजेट केले नाही व ९०० कोटी रुपये सेंट्रल सिस्टीमधून आले तर बजेट केले नसल्यामुळे ती रक्कम खर्च करता येणार नाही.

विभागाला टोटल आऊटले डेव्हलपमेंटसाठी मिळतो that is from our own resources of the State. केंद्र सरकारकडून जर काही रक्कम मिळणार असेल तर ती रक्कम आऊटलेमध्ये ॲडीशनल घेतली पाहिजे. बजेटमध्ये प्रोव्हीजन करावी लागते हे समितीला मान्य असले तरीही जो निधी येण्याची शाश्वती नाही, त्यासाठी ॲडव्हान्समध्ये बजेट प्रोव्हीजन करून शेवटी तो निधी सरेंडर करावा लागतो असे समितीने सूचित केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, विभागाची पध्दत लॉजिकल आहे, केंद्र सरकारचा निधी ज्या योजनेसाठी येतो त्यासाठी मॅचिंग ग्रॅन्टची प्रोव्हीजन बजेटमध्ये करावी लागते. केंद्र शासनाने १०० रुपये देण्याची कमिटमेंट केली आहे त्यामुळे विभाग असे गृहित धरतो की ते १०० रुपये राज्य शासनाला मिळणार आहेत. भविष्यात काही कारणामुळे केंद्र सरकारने निधीमध्ये कपात केली किंवा एखाद्या प्रकल्पाला स्थगिती दिली आणि निधी कमी आला तर समर्पित होईल. परंतु विभागाने शॅडो बजेट केले नसल्यास भविष्यात निधी मिळाल्यावर, we will not be able to spend it, because it will not be part of the budget and does not have sanction of the Legislature.

यावर वित्त विभागाच्या सचिवांनी असे निदर्शनास आणले की, अनेक विभागात अवॉर्डसाठी तरतूद करण्यात येते. अवॉर्डचे निकष पूर्ण होत नसल्यामुळे किंवा काही ना काही कारणामुळे हे अवॉर्ड कोणाला द्यावे यासंदर्भात निर्णय घेतला जात नाही किंवा ज्यांना अवॉर्ड देऊ इच्छितो त्या क्वॉलिटीचे असोसिएशन मिळत नसेल तर मार्च अखेरपर्यत अवॉर्डचा कार्यक्रम आयोजित होत नाही. त्यामुळे अवॉर्ड देण्याचा निर्णय घेतला जात नाही. अशा परिस्थितीत ती रक्कम सरेंडर होते, अशी परिस्थिती पाहण्यात येते, काही अवॉर्डच्या केसेसमध्ये असे प्रकार होत असतात. त्यामुळे ती रक्कम सरेंडर करावीच लागते. त्यावर विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, सन २०१३-१४ मध्ये अवॉर्डचा कार्यक्रम घेतला नसल्यामुळे ती रक्कम सरेंडर करण्यात आली आहे. तथापि, कार्यक्रम आयोजित करण्यासाठी जलसंपदा विभागाकडे संपूर्ण वर्ष होते तरी देखील जलसंपदा विभागाने तो कार्यक्रम आयोजित केला नाही. अटी व शर्ती पूर्ण करणारे असोसिएशन विभागाला मिळाले नाही असे वित्त सचिवांनी समितीस सांगितले.

प्रधानशिर्ष २७०२ लहान पाटबंधारे, ०१ भूपृष्ठ जल, ८०० इतर खर्च, (२०) लहान पाटबंधारे प्रकल्पाची दुरुस्ती व परिरक्षण यासाठी तरतूद या अंतर्गत मूळ तरतूद १३०९.३२ लाख व पूरक मागणी १५३५.२५ लाख रुपये करण्यात आली असल्याचे सचिवांनी सांगितले आहे. तर विभागाच्या ज्ञापनात पुनर्विनियोजन केलेली रक्कम २८४४.५७ लाख रुपये नमूद केली आहे. जी रक्कम सरेंडर करीत आहात त्यासाठी विभाग पुनर्विनियोजन करीत आहे. जो निधी दुस-या हेडसाठी वापरण्यात येतो त्यासाठी देखील पुनर्विनियोजन लिहिण्यात येते. त्यामुळे ती रक्कम समर्पित केली असे नमूद करावयास पाहिजे. संपूर्ण रक्कम मूळ तरतूद १३०९.३२ लाख व पुरक मागणी १५३५.२५ रुपये २८४४.४७ लाख खर्च करण्यात आली असल्याचे सचिवांनी सांगितले आहे तर विभागाच्या ज्ञापनात प्रत्येक गोष्टीसाठी विभाग पुनर्विनियोजन असे नमूद करीत आहे. उपरोक्त लेखाशीर्षां अंर्तगत रकमेची तपासणी केली असून ही संपूर्ण रक्कम खर्च करण्यात आली आहे. त्यासंदर्भातील प्रकल्पनिहाय यादी समितीला सादर करण्याबाबत विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वासित यापूर्वीच केले आहे.

प्रधानशिर्ष २७०२ या लेखाशीर्षाअंतर्गत सचिवांनी खर्च झाल्याचे समितीस सांगितले आहे त्याबाबत विभागाच्या लेखी उत्तरात स्पष्टीकरण देणे आवश्यक होते अशी विचारणा समितीने केली असता यावर विभागीय सचिवांनी असा खुलासा केला की, ठोक रकमेमध्ये डबल बुकींचा प्रश्न येतो त्यामुळे तो खर्च या हेडमध्ये दर्शविलेला नाही. विभागाला डबल बुकींगची भीती असेल तर या ठिकाणी एक नोंद केली पाहिजे की, ही रक्कम त्या-त्या हेडखाली खर्च करण्यात आलेली असून तो खर्च नोंदविण्यात आलेला नाही. जी रक्कम ठोक आहे त्याची विभागाकडून सविस्तर माहिती देण्यात येईल. त्याअनुषंगाने विभागाकडून माहिती प्राप्त झाली आहे. मायनर एरिगेशन प्रॉजेक्टसाठी देखभाल दुरुस्तीची तरतूद करताना काही मापदंड करण्यात आले आहेत. ठोक रक्कम आली की, मापदंडानुसार ती रक्कम खर्च करण्यात येते. ही रक्कम कोठे खर्च करण्यात आली त्याचा तपशील नमूद करण्यात येईल.

प्रधानशिर्ष २७०१ या अंतर्गत ठोक तरतुदीतुन केलेल्या खर्चाची व प्रधानशीर्ष २७०२ या अंतर्गत ठोक तरतुदीतुन केलेल्या खर्चाची सविस्तर माहिती खालीलप्रमाणे आहे :-

जलसंपदा विभागांतर्गत प्रधानशिर्ष २७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे व २७०२-लहान पाटबंधारे या प्रधानशीर्षांतर्गत १७ नियंत्रक अधिका-यांकडून राज्यातील सुमारे ३००० धरणांची देखभाल व दुरुस्ती, वीजबिले, प्रकल्पांची सिंचन प्रणाली व वितरण व्यवस्था, सुमारे २.५० लक्ष कि.मी. कालव्यांच्या देखभाल व दुरुस्ती ई. ची कामे केली जातात.

उपलब्ध असलेल्या पाणीसाठ्याचा पर्याप्त वापर करणे, परिरक्षण व दुरुस्तीची कामे करून अधिकाअधीक क्षेत्र सिंचनाखाली आणणे, प्रलंबित देयके अदा करणे, सिंचन महसुलासाठी दिलेले उद्दीष्ट गाठणे इत्यादी बाबींसाठी अतिरिक्त निधीची आवश्यकता असते. तसेच सिंचन महसुलासाठी दिलेले उद्दिष्ट गाठणे इत्यादी बाबींसाठी अतिरिक्त निधीची आवश्यकता असते.तसेच सिंचन सुविधा निर्मितीचे सदर प्रकल्प प्रदीर्घ काळापर्यंत सुस्थितीत राहणे गरजेचे आहे. याकरिता या प्रकल्पांचे वेळोवेळी चांगल्या गुणवत्तेने परिरक्षण व दुरुस्ती अनिवार्य आहे.

वित्त विभागाकडून परिरक्षण व दुरुस्तीसाठी प्रकल्पनिहाय/नियंत्रक अधिकारीनिहाय उपलब्ध झालेल्या तरतुदीतुन साधारणतः वार्षिक परिपाठी/नियमित स्वरुपाची कामे करणे शक्य होते. त्यामुळे अनपेक्षित, नैसर्गिक आपत्ती वा क्षती यामुळे वर्षभरात उद्भवणा-या कामांसाठी निधी पुरेसा ठरत नाही. अशा कामांचा पूर्वअंदाज करता येत नसल्याने त्यासाठीच्या तरतुदी त्या-त्या कामांवर अथवा त्या नियंत्रक अधिका-यांच्या नावे अर्थसंकल्पीत करणे शक्य होत नाही. मात्र ही कामे होणे आवश्यक असल्याने व त्यासाठी वेळेत निधी उपलब्ध व्हावा यादृष्टीने सचिवांच्या नावे ठोक तरतूद अर्थसंकल्पीत केली जाते. त्यानंतर अशा तरतुदी पुनर्विनियोजनाने उपलब्ध करून दिल्या जातात.

सन २०१३-१४ या वर्षात प्रधानशिर्ष २७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे याअंतर्गत एकूण रु.७२३३.२५ लक्ष इतकी तरतूद ठोक स्वरुपात अर्थसंकल्पीत करण्यात आली होती. त्यापैकी रु.६६७४.०० लक्ष इतकी तरतूद प्रत्यक्षात अर्थसंकल्पीय वितरण प्रणालीवर (BDS) खर्चासाठी उपलब्ध झाली होती. सदर तरतूद वर नमूद केल्यानुसार विविध प्रकल्प/नियंत्रक अधिकारी यांना पुनर्विनियोजनाने उपलब्ध करून देण्यात आली असून ती खर्ची पडली आहे. तपशील सोबत जोडला आहे. **विवरण क्र.३**

तसेच प्रधानशिर्ष २७०२- लहान पाटबंधारे याअंतर्गत ठोक स्वरुपात एकूण रु.२८४४.५७ लक्ष इतकी खर्चासाठी उपलब्ध झाली होती. सदर तरतूद नियंत्रक अधिकारी यांना पुनर्विनियोजनाने उपलब्ध करून देण्यात आली असून ती खर्ची पडली आहे. त्यानुषंगाने तपशील सोबत जोडला आहे. **विवरण क्र. ४**

यावर महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून अशी विचारणा केली की, हा निधी कोणत्या लेखाशीर्षाअंतर्गत समाविष्ट करण्यात आले आहे. याबाबत विभागाला निधीमध्ये काही कपात आढळून आली आहे त्यामुळे विभागाने अर्थसंकल्पामध्ये ही तरतूद केली होती त्यावर विभागीय सचिवांनी असे अवगत केले की, यह कन्सर्न मायनर इरिगेशन प्रोजेक्ट पर जो मेंटेनन्स हुआ, वह उस मायनर इरिगेशन प्रोजेक्ट में गए है. विभागाने बजट में प्रोविजन नहीं की थी. इस बारे में गाईडलाईन्स बनायी गई है कि यदि मेंटनन्स करना है तो उसके क्या मापदंड होंगे और उसके लिए ठोक तरतूद का इस्तेमाल करते है.

वित्त सचिवांनी याबाबत असे नमूद केले की, हर प्रोजेक्ट के मेन्टेनन्स के लिए सर्टन पर्सेन्टेज आईडीयली होनी चाहिए और उतना पर्सेंटेज बजट में उपलब्ध नहीं होता है. कम राशि उपलब्ध होती है. इसलिए वे प्रोजेक्टवाईज मेंटेनन्स का बजट करते ही नहीं है. वे लम्सम अमाऊंट का बजट बनाते है. उनके जो रिसोर्सेस है उसके हिसाब से रिपेअर और मेंटेनन्स का काम किया जाता है. यदि ॲलोकेट किया तो उससे फायदा नहीं होगा. यावर विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, अभी विभागके पास ३५०० प्रोजेक्ट्स है और ८० करोर रुपये का मेंटेनन्स ग्राऊंड होता है. It includes almost 70 major irrigation dams and total maintenance grant is only 80 crores which is very small. यदि ऐसा होगा तो फिर जब पैसे की जरुरत पडेगी तो विभाग के पास निधी नहीं रहेंगा. अभी ठोक तरतूद से हमें थोडी फ्लेग्जिबिलिटी है.

प्रधानशिर्ष २७०१, मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक, (०२) पुस्तक समायोजनेव्दारे रुपांतरीत नियमित अस्थायी/स्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च, (०२) (११) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक सदर उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु.२५.६५ लाख च्या अनुषंगाने विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.९०.०० लाख इतका झाला आहे. त्यामुळे रु.६४.३५ लाख इतके अधिक्य दिसून येते तसेच प्रधानशिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ८०० इतर खर्च, (०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा, (०२) (१४) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक सदर उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान रु.३,४७.०५ लाख रुपये प्राप्त झाले व विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.४,२९.६२ लाख इतका झाला आहे त्यामुळे रु.८२.५७ लाख इतके अधिक्य दिसून येते याबाबतचा खुलासा करण्यात यावा असे समितीने सूचित केले असता २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ८०० इतर खर्च, (०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा, (०२) (१४) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक याअंतर्गत ज्या सीआरसीमध्ये खर्च करावयाचा होता तो खर्च दुस-या सीआरसीमध्ये करण्यात आला आहे. ही फक्त ट्रान्सफर एन्ट्री आहे. त्यासंदर्भात ट्रान्सफर नोट देण्यात आली आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

विभागाकडून महालेखाकार कार्यालयाकडे नोट ऑफ-एरर वेळेवर पाठविण्यात आली नाही अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी विभागाकडून विलंब झाल्याचे मान्य करून भविष्यात असे होणार नाही असे समितीस आश्वस्त करून ज्या सीआरसीमध्ये खर्च दाखवायचा होता तो दुस-या सीआरसीमध्ये दाखविण्यात आला आहे. त्यामुळे ट्रान्सफर एन्ट्री करण्यात आली आहे असे सांगितले.

महालेखाकार यांनी समितीच्या माध्यमातून अशी विचारणा केली की, महालेखाकार कार्यालयाने बजेट के बारे में नियम बनाए है कि इस हेड के अंतर्गत यह खर्चा किया जाएगा. तो क्या डिविजनल ऑफिसर अपने स्तर पर इस तरह से ट्रान्सफर एन्ट्री करके चेंज कर सकते है ? आपके यहां पर अधिकार के संबंध में क्या सिस्टिम है ? यावर विभागीय सचिवांनी समितीस असे अवगत केले की, विभाग नोट ऑफ एरर महालेखाकार कार्यालयाकडे सादर करणार आहे. जर महालेखाकार कार्यालयाने ते मान्य केले तर ते घेण्यात येईल.

प्रधानशिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ८०० इतर खर्च, (०२) पाणीपट्टीवरील स्थानिक उपकरामुळे मिळालेल्या व जिल्हा परिषदांना द्यावयाच्या वसुलीच्या रकमा, (०२) (१४) अधीक्षक अभियंता, प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक या उपशीर्षाखाली रु.४,२९.६२ लाख इतका खर्च नोंदविला आहे आणि विभागाने रु.४,२९.६२ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत नाही.परंतु, विभागाने ट्रान्सफर नोट वेळेवर पाठविली नाही. त्यामुळे सदर नोट ऑफ एरर महालेखाकार कार्यालयाने मान्य केलेली नाही. इसलिए यह सब कमिटी को कन्डोन करना पड़ता है. विभागका सिस्टिम गलत है. विभागाने दिलेल्या स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात असे नमूद केले आहे की, "Department stated that excess was due to book adjustment done by the divisional officer." त्याचप्रमाणे २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ०१ मोठे पाटबंधारे-वाणिज्यिक, (०२) पुस्तक समायोजनेव्दारे रुपांतरीत नियमित अस्थायी/स्थायी आस्थापनेसाठी हस्तांतरीत होणारा खर्च, (०२) (११) अधीक्षक अभियंता व प्रशासक ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक या उपशीर्षाखाली रु.९०.०० लाख इतका खर्च नोंदविलेला आहे. आणि विभागाने रु.९०.०० इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापालांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये तफावत दिसत नाही. उपरोक्त दोन्ही उपशीर्षाखालील प्रकरणे सारखीच आहे काय ? अशी समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी त्यास होकारार्थी उत्तर दिले. It was a mistake done by the divisional office and to rectify that mistake Department did the transfer entry असे सचिवांनी सांगितले.

**मागणी क्रमांक आय-५, पाटबंधा-यावरील भांडवली खर्च [एकत्रित सद्यःस्थिती]**

४४०२ मृद व जलसंधारण यावरील भांडवली खर्च, ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च, ४७०२ लहान पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च, ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च, ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च ५४०२ अवकाश संशोधनावरील भांडवली खर्च यासंदर्भात माहिती देताना विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सन २०१३-१४ मध्ये एकूण ८८०२ कोटी ७३ लाख २३ हजाररुपयांचे अनुदान प्राप्त झाले होते. त्यानंतर विभागाने अतिरिक्त ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपये पूरक मागणीद्वारे प्राप्त करुन घेतले होते. प्रत्यक्ष खर्च ७९७० कोटी ७७ लाख २१ हजार रुपये झालेला असून १५४८ कोटी २८ लाख ९५ हजार रुपये विभागाने सरेंडर केल्याचे दिसून येत आहे, कारण सन २०१३-१४ या वर्षी मार्च महिन्यामध्ये वित्त विभागाने सरसकट सर्व विभागांना २० टक्के कपात केली होती. त्यामुळे ८८०२ कोटी ७३ लाख २३ हजार रुपयांच्या २० टक्के म्हणजे जवळपास १५०० कोटी रुपयांचा कट विभागास लावला होता. तथापि, ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपये विभागाने पूरक मागणीद्वारे प्राप्त करुन घेतले होते, त्याचे कारण असे नमूद केले आहे की, ७०० कोटी रुपये पुनर्वसनाकरिता वापरले. १३०० कोटी रुपये यवतमाळ येथे वापरण्यात आले. विभागाने ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपयांची सप्लीमेंटरी डिमांड कधी केली होती ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, निधी व्यपगत होण्याच्या ८ महिने आधी म्हणजे जुलै महिन्यामध्ये केली होती. ते ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपये गोसीखुर्द प्रकल्प व ३ ॲक्टिव्हीटीजकरिता खर्च झालेले आहेत. ७०० कोटी रुपये गोसीखुर्द राष्ट्रीय प्रकल्पाचे पुनर्वसन पॅकेज करण्याकरिता, रु. ८१०.१४ लाख रुपये महाराष्ट्र जलक्षेत्र सुधार प्रकल्पाकरिता, तर १३५० लाख रुपये यवतमाळ जिल्ह्यातील पूर संरक्षण योजनेच्या कामाकरिता वितरित करण्यात आले. अशाप्रकारे ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपये १०० टक्के खर्च झाले आहेत.

विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, वित्त विभागाने २० टक्के कट लावला. मात्र विभागाची बचत किंवा विभागाने जी रक्कम सरेंडर केली ती रक्कम ॲक्युरेट २० टक्के इतकी नसून जे पैसे राज्यपाल महोदयांच्या निदेशानुसार इरिगेशनसाठी मिळतात त्यामध्ये कट लागत नाही. असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, राज्यपाल महोदयांच्या निदेशानुसार इरिगेशनासाठी मिळणा-या निधीत कपात करण्यात येते.

सन २०१३-१४ या वर्षी कपात करण्यात आली होती की, विभागाने तो निधी सरेंडर केला ? याबाबत समितीने विचारणा केली असता सन २०१३-१४ या वर्षी २० टक्के कपात करण्यात आली होती. या रकमेमध्ये थोडी तफावत दिसते कारण सन २०१३-१४ या वर्षी विभागाची फायनल मोडिफाईड ग्रांट ७९४६ कोटी ८२ लाख ५ हजार रुपये होती व विभागाकडून ३१ कोटी रुपयांचा जादा खर्च करण्यात आला होता. तो जादा खर्च ॲड केला तर २० टक्के कपात केल्याचे दिसते.

अनुदानाची रक्कम किती होती ? अशी समितीने विचारणा केली असता एकूण खर्च ७९७७ कोटी १४ लाख ६० हजार रुपयांचा झाला. एफ.एम.जी. ७९४६ कोटी ८२ लाख ५ हजार रुपयांची होती. तसेच अनुदानाची रक्कम ८८०२ कोटी ७३ लाख २३ हजार रुपयांची होती असे विभागीय सचिवांनी सांगितले. विभागाला ७९४६ कोटी ८२ लाख ५ हजार रुपये प्राप्त झाले. त्यापैकी विभागाने ७९७० कोटी ७० लाख २१ हजार रुपये खर्च केले की, ७९७७ कोटी १४ लाख ६० हजार रुपये खर्च केले ? अशी विचारणा समितीने केली असता, ७९७७ कोटी १४ लाख ६० हजार रुपये खर्च करण्यात आले त्याचप्रमाणे विभागाकडून जो जास्तीचा खर्च करण्यात आला आहे तो मान्य करण्याबाबत विभागाकडून महालेखापालांना विनंती देखील करण्यात आली आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून असा मुद्दा उपस्थित केला की, ॲप्रोप्रिएशन अकाऊंट्स का जो मकसद है वह यह है कि विधानसभा ने वोट करके जो बजट पास किया है, उसके अगेन्स्ट कितना खर्च हुआ है ? २० प्रतिशत कट तो बाद में लगा. पहले वह रकम ९५२५ करोड़ रुपये थी. हमें यह कहना है कि विधानसभा ने वोट करके जो बजट पास किया है, उसके अगेन्स्ट कितना खर्च हुआ है ? जो खर्च हुआ है वह रकम ७९७७ करोड़ १४ लाख ६० हजार रुपये है. इसी में ही सेविंग आ गई. इसलिए पहला मुद्दा यह है कि सप्लीमेंटरी डिमांड में रकम मांगी ही क्यों गई ?

यावर खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी असे नमूद केले की, उस समय ८८०२ करोड़ ७३ लाख २३ हजार रुपये का बजट पास हुआ. इसके बाद तीन महीने के अंदर, जुलाई माह में ७२२ करोड़ ७० लाख ३२ हजार रुपये ॲडिशनल सप्लीमेंटरी की डिमांड की. वह इसलिए की गई कि उस समय गोसीखुर्द का पॅकेज घोषित किया गया और उसके लिए अतिरिक्त ७०० करोड़ रुपये की जरुरत थी. वह ७०० करोड़ रुपये हमने खर्च भी कर दिए हैं. बाकी के जो २२ करोड़ रुपये बचते हैं, उसमें १३.५० करोड़ रुपये फ्लड प्रोटेक्शन, यवतमाल के लिए सप्लीमेंटरी ली है. बजट में पहले इसका प्रोविजन नहीं था. ८.५० करोड़ रुपये महाराष्ट्र वॉटर सेक्टर इरिगेशन इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम के लिए डिमांड की और यह ७२२ करोड़ रुपये हमने खर्च कर दी है विभागका मुल बजट ८८०२ करोड़ ७३ लाख २३ हजार रुपये का था. उसमें २० प्रतिशत का कट लगा. विभागका ओवरऑल खर्च ७९७७ करोड़ १४ लाख ६० हजार रुपये हुआ. ऐसी बात नहीं है कि विभागने सप्लीमेंटरी डिमांड में रकम लेने के बाद सप्लीमेंटरी की रकम खर्च नहीं की है. सप्लीमेंटरी की रकम खर्च हो गई. यह रकम विभागने जुलाई माह में ली थी.

मुळात अर्थसंकल्पात प्रावधान करण्यात आले होते. त्यानंतर विभागाने जुलैच्या अधिवेशनामध्ये ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपयांची सप्लीमेंटरी डिमांड केली, मिळाली व ती रक्कम खर्चही केली, हे रास्त असून विभागाची बचत झालेली आहे. विभागाकडून जो मूळ खर्च करण्यात येणार होता त्याचे विभागाने जे अंदाजपत्रक तयार केले होते, त्यातील कोणती कामे विभागाने कमी केली ? विभागाने ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपये स्पेसिफिक गोसीखुर्द प्रकल्पाच्या पॅकेजसाठी, यवतमाळ येथील कामासाठी वगैरे मागितली होती. विभागाने मूळ अर्थसंकल्पात रक्कमेचे प्रावधान केले होते, मात्र २० टक्के कट लागल्यामुळे त्यातील कोणती कामे आपण करु शकला नाहीत, याबाबत समितीने विचारणा केली असता त्यावर खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी सांगितले की, ८८०२ कोटी ७३ लाख २३ हजार रुपयांचे अनुदान मिळाल्यानंतर त्यावर्षी विभागाचे जे इरिगेशन प्रोजेक्टस सुरु होते त्यांना बजेटरी ॲलोकेशन केले होते. मात्र २० टक्के कट लागल्यानंतर प्रत्येक प्रोजेक्टवर त्याचा परिणाम झाला आहे.

कट लागल्यानंतर कोणत्या प्रकल्पाला किती पैसे द्यायचे हे कोणत्या टेक्नीकल ग्राऊंडच्या आधारावर ठरविले जाते व ते कोण ठरविते व याबाबत कोणता क्रायटेरिया आहे ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, यासाठी त्या काळात एक बजेट पुर्नरचना कमिटी होती. तिचे अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव नियोजन विभाग आहेत. अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग व प्रधान सचिव, जलसंपदा विभाग हे त्या कमिटीचे सदस्य आहेत. ही ३ सदस्यीय कमिटी ते ठरविते. बजेट ॲलोकेशन किंवा रि-ॲप्रोप्रिएशन हे दोन्ही अधिकार त्या समितीला आहेत. उपलब्ध असलेल्या निधीचा बेस्ट पॉसिबल वापर कसा करावा हे त्या कमिटीने ठरवावयाचे असते व ते तिला बंधनकारक असते. सदर समितीचे मिनिट्स विभागाने समितीला द्यावेत समितीला ते पाहायचे आहे. विभागीय समिती (कमिटी) टेक्नीकल किंवा कोणत्या क्रायटेरियावर निर्णय घेते याची माहिती लोकलेखा समितीला घ्यावयाची आहे. तथापि सद्यःस्थितीत सदरहू माहिती अप्राप्त आहे.

उर्वरित कामे ८२०० कोटी रुपयांतून करु असे गृहीत धरुन विभागाने ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपये पूरक मागणीद्वारे प्राप्त करुन घेतले आहेत. बजेट व्यतिरिक्तच्या, मूळ नियोजना व्यतिरिक्तच्या स्पेसिफिक कारणांसाठी विभागाला आवश्यक होते. कारण मे महिन्यामध्ये गोसीखुर्द पॅकेज जाहीर झाले होते. मुख्यमंत्री महोदयांनी स्वतः जाऊन तेथे ते सेटल केले. यावर महालेखाकारांचा असा मुद्दा आहे की, मूळ रक्कम विभागाकडून खर्च होत नसताना विभागाने ७२२ कोटी ७० लाख ३२ हजार रुपयांची सप्लीमेंटरी डिमांड का केली ? त्यांच्याकडे योग्य कारण असल्यास समितीच्या निदर्शनास आणून दयावे त्यावर विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली व त्याकरिता मूळ रक्कम वापरण्यात आली नसल्याचे सांगितले.

२० टक्के कट लागल्यानंतर कोणत्या प्रकल्पाला कमी निधी द्यायचा, कोणत्या प्रकल्पाला जास्त निधी द्यायचा हे ठरविण्याचे अधिकार ज्या समितीकडे आहेत, ती समिती कोणत्या निकषांच्या आधारावर हा निर्णय घेते ? असा प्रश्न समितीने उपस्थित केला व असे सुचित केले की, विभागाची अंतर्गत रचना अशी असते की, जे प्रकल्प प्रगतीपथावर आहेत त्यांना रि-ॲप्रोप्रिएशनची प्रोसेस केली जाते. पूर्वी त्याबाबतचे अधिकार ए.सी.एस. फायनान्स किंवा प्लानिंग यांच्या अध्यक्षतेखालील समितीकडे होते. आता ते अधिकार इ.डी.कडे आले आहेत. यावर आता रि-ॲप्रोप्रिएशचे अधिकार प्रधान सचिव, जलसंपदा यांच्याकडे आलेले आहेत असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

एखादा प्रकल्प करताना हे प्रकल्पनिहाय व माननीय राज्यपाल यांच्या डायरेक्शन्सच्या पॅरामिटर्समध्ये पैसे देतात. त्यानंतर ओव्हरऑल २० टक्के कट लागतो. कुठे आवश्यक आहे, कुठे आवश्यक नाही, इव्हन ज्यांना पैसे दिले त्यातील ८० टक्केही खर्च होत नाहीत, ते पैसेही ते रि-ॲप्रोप्रिएट करतात. पैसे वापरले पाहिजेत कोणत्याही प्रकल्पाचे काम निधी अभावी थांबू नये, अशी व्यवस्था त्यावेळेस केली असेल. महालेखाकारांनी हा परिच्छेद घेण्याची आवश्यकता नव्हती कारण, २० टक्के कट लागला होता. महालेखाकारांचे असे म्हणणे आहे की, विभागाची मुळ तरतूद खर्च होत नसताना ७२२ कोटी रुपये घेण्याची आवश्यकता काय होती ? मात्र मूळ तरतूद विभागाला मिळाली नाही. जुलै अधिवेशनामध्ये विभागाने पूरक मागणी मागितली होती. त्यामुळे जुलै महिन्यापर्यंत प्लानिंग होऊन बाकीचे पैसे खर्च होणार की नाहीत हे विभाग गृहीत धरु शकत नाही. जुलै महिन्यामध्ये विभागाने निधीची मागणी करणे बरोबर आहे. समितीस महालेखाकारांचे म्हणणे मान्य आहे. महालेखाकार कार्यालयाकडून सांगण्यात येते की, ७९७७ कोटी १४ लाख ६० हजार रुपये व विभागाचे म्हणणे आहे की, ७९७० कोटी ७७ लाख २१ हजार रुपये आणि त्याच बरोबर ७९४६ कोटी ८२ लाख ५ हजार रुपयांचे अनुदान या आकडेवारीमध्ये तफावत असण्याचे कारण समितीने विचारले असता यामध्ये ६ कोटी, ३७ लाख ३९ हजार रुपयांचे गैरवर्गीकरण आहे २३ कोटी ९५ लाख १६ हजार रुपयांचा एक्सेस खर्च झालेला आहे. तो विभागाने महालेखाकार कार्यालयाकडे सादर केलेला आहे आणि तो महालेखाकारांना मान्य करण्याची विनंती केलेली आहे असे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले.

विभागाने केलेल्या जादा खर्चाबाबतची विनंती विभागाकडून खूप उशिरा केली जाते. तसेच, ३ ते ४ वर्षे रिकन्सीलेशन होत नाही, असेच सर्व परिच्छेदांवरुन दिसून येते असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले त्यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, रिकन्सीलेशन वेळेवर करण्याबाबत यापुढे नोंद घेण्यात येत आहे. विलंब होणार नाही याची दक्षता घेण्यात येईल.

विभागाच्या डिपार्टमेंटमध्ये इंटरनल ऑडिटची काय सिस्टम आहे, इंटरनल डिपार्टमेंटल ऑडिट होते की नाही याबाबत समितीने विचारणा केली असता महालेखाकारांचे लेखापरिक्षण होते असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

महालेखाकाराव्दारे केले जाणारे लेखापरीक्षण वेगळे असते. महालेखाकार एखादे प्रकरण तपासणीसाठी घेतात किंवा त्यांना कोणी माहिती दिली तर त्या आधारावर लेखापरिक्षण करतात. जलसंपदा विभागाचे बजेट फार मोठे असते. त्याचा खर्च, त्याचे नियोजन, त्यामध्ये झालेले लॅप्सेस वगैरे पाहण्याबाबत विभागाकडे कोणती पध्दत आहे असे समितीने विचारले असता हा निधी महामंडळाकडे जातो. महामंडळामध्ये त्याचे सी.ई. मार्फत स्वतंत्र लेखापरिक्षण होते. हा सर्व निधी महामंडळांकडे जात नाहीत असे समितीने निदर्शनास आणले असता हा खर्च महामंडळाकडून करण्यात येतो असे विभागीय सचिवांनी अवगत केले.

तापी पाटबंधारे महामंडळ असेल तर समजू शकतो. बाकी बाबतीत डिपार्टमेंटली कामे होतात तसेच विभाग त्यांच्याकडून लेखापरिक्षण करुन घेते काय ? महामंडळे १९५६ च्या कंपनी ॲक्ट प्रमाणे स्थापन झालेली असतात. विभाग त्यांना जे पैसे वर्ग करतो ते लोकांचे, सरकारचे पैसे आहेत. महामंडळाला पैसे दिल्यानंतर विभागाचा जर काही कंट्रोल नसेल किंवा केवळ महालेखाकारांनी काढलेले परिच्छेद चर्चेकरिता येत असतील तर भविष्यकाळाच्या दृष्टीने हे फार गंभीर आहे. यामध्ये ज्या मोडस ऑपरेंडी एस्टॅब्लिश होतात, त्या तर भयंकर असतात समितीचे असे मत आहे. की, जलसंपदा विभागाने जरी महामंडळाला पैसे वर्ग केले तरी, महामंडळाला दिलेल्या पैशांचे ऑडिट कॅग करते ते सर्व परिच्छेद ऑडिट न करता ठराविक १० परिच्छेद ऑडिट करतात. असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी असे नमूद केले की, राज्यात कॅपिटल इन्व्हेस्टमेंट पूर्णपणे महामंडळामार्फत होते. त्याचे वेगवगळ्या पध्दतीने ऑडिट होते. परफॉर्मन्स ऑडिट खूप डिटेल होते. ते देखील महालेखाकारांच्या मार्फतच होते. वार्षिक लेखापरिक्षण हे नियमित होत आहे.

विभागाकडे वर्ग केलेल्या पैशांच्या ऑडिटची काही सिस्टम नाही काय ? त्याकरिता केवळ एक ऑडिटरचे पॅनेलच लागते अशी विचारणा समितीने केली असता महामंडळाचे ऑडिट महालेखाकारांमार्फत लेखापरिक्षण व जलसंपदा विभागाचेही ऑडिट आहे. महामंडळाचे लेखापरिक्षण महालेखाकारांमार्फत होत असून महामंडळाच्या स्थापनेपासूनच डबल एन्ट्रीची अकाऊंटिंग सिस्टम सुरु आहे. असे सचिवांनी समितीस सांगितले.

**प्रधानशिर्ष ४७०१ — मोठे व मध्यम पाटबंधा-यावरील भांडवली खर्च [पृ.क्र.१०४]**

मुख्य लेखाशीर्ष ४७०१–मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण, ८०० इतर खर्च (०३)(०१) यांत्रिकी संघटनेची कार्ये या उपशीर्षाखाली एकूण अनुदान ५०,४१.६५ लाख रुपये प्राप्त झाले व विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रु.५०,४१.५९ लाख इतका झाला आहे त्यामुळे रु.०.०६ लाख इतका अंतिम सुधारीत अनुदानाच्या तुलनेत अत्यल्प बचत दिसून येत आहे. तथापि, महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु.०.५१ लाख इतकी तफावत आहे. The A.G. and the department differ on posting of the expenses. कोणती सिस्टम अवलंबायची हे विभागाने निश्चित करावे. विभाग चार्जेस ॲक्चुअलवर घेता की एस्टीमेशनवर घेता ? तुमची पध्दत लक्षातच येत नाही असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, विभागाकडून डिपार्टमेंटमध्ये झालेल्या कामाच्या खर्चावर इ.टी.पी. चार्जेस घेण्यात येतात तर महालेखाकारांमार्फत कॉस्टिंग टोटलवर खर्च नोंदविण्यात येतो.

वर्क्स अँड एस्टॅब्लिशमेंट याबाबत धोरण निश्चित केले पाहिजे. कारण हा विषय वारंवार समिती समोर उपस्थित होतो. तसेच याबाबत काही प्रक्रिया अवलंबिण्यात येऊन त्यात सन १९५६ पासून सुधारणा करण्यात आल्या पाहिजेत, वर्क्स अँड एस्टॅब्लिशमेंट दोन्ही घेणार की, फक्त वर्क्स घेणार अशी विचारणा समितीने केली असता विभागाकडून सध्या फक्त वर्क्स घेत असल्याचे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले.

**मुख्य लेखा शीर्ष ४७०१ — मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च [पृष्ठ क्र.१०५]**

मुख्य लेखा शीर्ष ४७०१– मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च ८० सर्वसाधारण, १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका (०२) योजनांतर्गत (भाग भांडवली अंशदान) (०२) (०५) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान अंतर्गत रू.१८४,५९.२५ लाख इतका विभागाचा खर्च नोंदविला असून विभागाने रु.१७८,९७.०१ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी, महालेखाकार कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु.५,६२,२४,००० हजार इतकी तफावत दिसून येत असल्याने याबाबत अधिक माहिती देताना विभागीय सचिवांनी सांगितले की, मुख्य लेखा शीर्ष ४७०१– मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च ८० सर्वसाधारण, १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका (०२) (०७) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे महामंडळास भाग भांडवली अंशदान योजनांतर्गत (भाग भांडवली अंशदान) रु.६,१९,३९.०० लाख इतका खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.६,२५,०१.२४ इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु.५,६२.२४ लाख इतकी तफावत दिसून येत आहे. त्याचप्रमाणे मुख्य लेखा शीर्ष ४७०१ –मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च ८० सर्वसाधारण, १९० सार्वजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका (०२) योजनांतर्गत (भाग भांडवली अंशदान) (०२) (०५) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली

अंशदान अंतर्गत रु.१८४,५९.२५ लाख इतका महालेखाकाराने खर्च नोंदविला आहे. आणि विभागाने रु.१७८,९७.०१ लाख इतका खर्च केलेला आहे. परिणामी महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये रु.५,६२,२४,०००/- तफावत दिसून येते. हे दोन्ही एकत्रित पाहिले तर ultimately it becomes zero because mis-classification.

This has happened because you have not given Note of Error in time असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता त्यावर विभागीय सचिवांनी, हे गैरवर्गीकरण झाले असल्याचे सांगितले. त्याचप्रमाणे चुकीची माहिती भरली असल्याने चुकीच्या आकडेवारी दिसतात. विभागाने नोट ऑफ एरर उशिरा का पाठविली? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, विभागाकडून नोट ऑफ एरर विलंबाने पाठविण्यात आल्याचे सचिवांनी मान्य केले. या संपूर्ण प्रकरणाची नोंद घेऊन या विलंबाबाबत संबंधितांवर कारवाई का करु नये, अशा आशयाची कारणे दाखवा नोटीस दिनांक १२ एप्रिल, २०१७ रोजी संबंधितांना देण्यात आली आहे. दिनांक १२ एप्रिल, २०१७ पासून संबंधितांवर कारवाई करण्यात आल्याचे सचिवांनी समितीस अवगत केले.

**[पृष्ठ क्र.१११]**

मुख्य लेखाशीर्ष- ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण ८०० इतर खर्च, ०१ विस्तार व सुधारणा (०१) (०१) सचिव ला.क्षे.वि.प्रा.पाटबंधारे विभाग या लेखाशीर्षांतर्गत महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये १० हजार रुपयांची तफावत कोणत्या कारणामुळे दिसून येत आहे ? याबाबत समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले प्रत्यक्षात १० हजार रुपयांचा खर्च झालेला नाही. सदरहू १० हजार रुपयांचा फरक कशामुळे पडला याचा शोध घेण्याचे काम विभागाच्या माध्यमातून सुरु आहे. खर्चातील तफावतीचे कारण PAC ला स्पष्ट करावे. विभाग गेल्या ८ वर्षांपासून या संदर्भातील शोध घेत असून, विभागाकडून हा शोध कधी पूर्ण होणार आहे ? असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले. यावर खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, दिनांक २५ नोव्हेंबर, २०१६ रोजी ए.जी. यांना पत्र पाठवून कळविले आहे की, हा खर्च कोणत्या बाबीवर करण्यात आला हे स्पष्ट होत नाही. समितीची अपेक्षा आहे की, या संपूर्ण परिच्छेदाचे क्लासीफिकेशन चेक करुन एक महिन्यात समितीला कळवावे यास विभागीय सचिवांनी सहमती दर्शविली आहे. तथापि, अद्यापपर्यंत सदरहू माहिती अप्राप्त आहे.

हा केवळ १० हजार रुपयांचा विषय नसून या परिच्छेदाच्या अनुषंगाने महालेखाकारांनी असा आक्षेप घेतला आहे की, रु.१० हजारांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय मार्च २०१४ मध्ये विनिर्विनियोजन/प्रत्यार्पणाद्वारे रु.२५.०० लाखांचा काढण्यात आलेला संपूर्ण निधी अवास्तव असल्याचे सिध्द झाले आहे. "अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षेत आहेत." हा आक्षेप केवळ १० हजार रुपयांचा नसून २५ लाख रुपयांबाबत आहे. महालेखाकार कार्यालयाला अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्राप्त झाली आहेत काय ? विभागाकडून सुरुवातीला संपूर्ण निधी नियोजित केला जातो आणि नंतर मात्र केलेली तरतूद खर्च न करता ती सरेंडर केली जाते ? समितीच्या मते २५ लाख रुपये ही रक्कम प्रत्यार्पित केलेली नसून, कपात झाली असावी असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता २५ लाख रुपये हा ठोक तरतुदीचा हेड आहे." उक्त ठोक तरतुदीच्या रकमेचा गरजेनुसार वापर केला जातो असे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले.

विभागाने अनेक प्रकल्पांसाठी कारण नसताना तरतूद केली, परंतु नंतर मात्र त्यातील सर्व रक्कम प्रत्यार्पित केली. अनेक कामांच्या बाबतीत केंद्र सरकारकडून ग्रँट आली नसल्यामुळे, विभागाच्या वतीने केलेली तरतूद प्रत्यार्पित केल्याचे नमूद केले आहे. यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, केंद्र सरकारकडून जेवढी ग्रँट येणे अपेक्षित असते त्यानुसार विभागाकडून शॅडो बजेटींग केले जाते. परंतु केंद्र सरकारने काही कारणामुळे ग्रँटमध्ये कपात केली किंवा ग्रँट दिली नाही तर विभागाकडून बजेटींग केलेली रक्कम सरेंडर करण्यात येते.

केंद्र सरकारकडून ग्रँट न मिळाल्यामुळे विभाग बजेटेड रक्कम वापरु शकत नाही. परिणामी, बजेटेड रक्कम सरेंडर करावी लागते. जर २५ लाख रुपये बजेटींग तरतूद असेल तर तेवढीच रक्कम नमूद करावयास पाहिजे. २५ लाख रुपये बजेटींग तरतूद केलेली असताना १० हजार रुपये अतिरिक्त खर्च कसा झाला ? अशी विचारणा समितीने केली असे विभागीय सचिवांनी सांगितले की, हा अधिकचा खर्च कशामुळे झाला या बाबतचा शोध सुरु आहे. विभागाचे म्हणणे आहे की, १० हजार रुपये खर्च झालेला नाही. १० हजार रुपयांचा अधिकचा खर्च कोणत्या बाबींवर झाला याचा सुध्दा शोध घेण्यात यावा असे समितीने सुचित केले असता विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली.

या प्रकरणी महालेखाकारांचे म्हणणे असे आहे की, प्रत्येक वर्षी विभागाकडून तीच पध्दत अवलंबिण्यात येत असून अनेक हेडमध्ये एक्स्पेक्टेड अमाऊंटच्या आधारावर टोकन अमाऊंटची तरतूद केली जाते आणि त्यानंतर संपूर्ण रक्कम सरेंडर केली जाते असे समितीने निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, राज्यामध्ये पीएमजीएसवाय अंतर्गत २६ प्रकल्पांचे काम सुरु आहे. केंद्र शासनाने कळविले आहे की, या प्रकल्पांसाठी केंद्र सरकारकडून ७६५ कोटी रुपये उपलब्ध करुन देण्यात येतील. केंद्र सरकारकडून उक्त रक्कम मिळणार असे गृहीत धरुन विभागाने प्रकल्पनिहाय ७०० कोटी रुपयांचे बजेटींग केले. विभागाने बजेटींग केले नाही आणि केंद्राचा निधी आला तरी तो खर्च करता येणार नाही. कारण वित्त विभागाकडून सांगितले जाते की, विभागाने बजेटींगच केले नसल्यामुळे खर्च करता येणार नाही. विभागाने बजेट केल्यानंतर सुध्दा केंद्र सरकारने त्यांचा हिस्सा दिला नाही तर विभागाच्या वतीने करण्यात आलेली तरतूद प्रत्यार्पित करावी लागते. केंद्र शासनाकडून मागच्या वर्षी १२६५ कोटी रुपयांच्या तुलनेत केवळ ३१७ कोटी रुपये मिळाले हाते. परंतु हे देखील लक्षात घेतले पाहिजे की, एवढी मोठी रक्कम प्राप्त झाली तरी ती खर्च करु शकत नाही.

विभागाने अनेक लेखाशीर्षांतर्गत नियोजित तरतूद केली, परंतु केंद्र शासनाकडून अनुदान प्राप्त झाले नाही म्हणून विभागाला नियोजित तरतूद सरेंडर करावी लागली, असे कारण विभागाकडून दिले आहे. या बाबतीत विभागाने निरनिराळे शीर्ष निर्माण करण्याऐवजी एकच सेंट्रल असिस्टंट हेड निर्माण करावा. या एकाच हेड अंतर्गत निधीची तरतूद करावी. या संदर्भात विशिष्ट पध्दत निश्चित करुन कार्यवाही करावी, जेणेकरुन असा प्रकार पुन्हा घडणार नाही असे महालेखाकार आणि समितीने सूचित करुन केंद्राकडून ठराविक रक्कम अपेक्षित असते म्हणून विभागाकडून बजेटींग केले जाते. जर विभागाकडून बजेटींग केले गेले नाही तर केंद्राचा पैसा मिळणार नाही. केंद्राचा निधी मिळाला नाही तर बजेटींग केलेली रक्कम विभागाला प्रत्यार्पित करावी लागते, असे विभागाचे म्हणणे आहे. Is there any way out or is there any mechanism? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले विभागाकडून एखाद्या प्रकल्पाच्या बाबतीत बजेटींग केल्यानंतर ती बाब केंद्र शासनाला कळवावी लागते. कारण केंद्र सरकारला तसे कळविले नाही तर केंद्राकडून निधीच प्राप्त होणार नाही. यामध्ये विभागाची चूक नाही. विभागाकडून केंद्र शासनाला कळवावे लागते की, अमुक प्रकल्पासाठी विभागाने अमुक इतकी आर्थिक तरतूद केली आहे. विभागाने तीन-चार लेखाशीर्षांतर्गत तरतूद केली आहे. समिती वित्त विभागाकडून जाणून घेऊ इच्छिते की, या बाबतीत जनरल मोडस आपरेंडी करता येईल काय, जेणेकरुन ही तरतूद एकाच लेखाशीर्षाखाली येईल असे समितीने निदर्शनास आणले असता मागच्या वर्षी नाबार्डकडून १२२५ कोटी रुपये निधी प्राप्त झाला. वित्त विभागाने सांगितले की, विभागाची रक्कम बजेटेड नाही. त्यामुळे विभागाला त्यातील एक पैसा सुध्दा खर्च करता आला नाही असे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले. त्यामुळेच विभागाने जनरल मोडस ऑपरेंडी करावयास पाहिजे. एकाच हेड अंतर्गत असा प्रकार घडलेला नाही तर अनेक हेडमध्ये हा प्रकार घडलेला आहे.

प्रधानशिर्ष ४७०१– मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च ८० सर्वसाधारण ००१ संचालन व प्रशासन ०३ इतर शीर्षाकडून हस्तांतरित करण्यात आलेला खर्च (०३) (०३) खर्च यामध्ये नमूद करण्यात आले आहे की, "रु. ५६१.५१ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पणाद्वारे वरील उपशीर्षाखाली रु.६७३४.०४ लाखांचा निधी काढण्यात आला. अंतिम अधिक खर्चाची कारणे प्रतिक्षेत आहेत." विभागाने अंतिम अधिक खर्चाची कारणे महालेखाकार कार्यालयास निदर्शनास आणून दिली आहेत काय आणि महालेखाकारांनी विभागाची कारणे मान्य केली आहेत काय ? असे विचारुन सदरहू परिच्छेद प्रकरणी विभागाने सादर केलेला खुलासा ए.जी. यांच्याकडून मान्य करण्यात आलेला आहे असे समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणले.

**[पृष्ठ क्र.१००]**

प्रधानशिर्ष ४७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च ०१ मोठे पाटबंधारे वाणिज्यिक ०३ मध्यम पाटबंधारे प्रकल्प वाणिज्यिक (०१) (१०) सचिव जलसंपदा या अंतर्गत २३९२.७७ लाख रुपये तरतूद करण्यात आली आणि ही संपूर्ण रक्कम सरेंडर करण्यात आली. एखाद्या प्रकल्पावर भरीव तरतूद करुन सुध्दा त्यातील एक पैसा खर्च न करता संपूर्ण रक्कम प्रत्यार्पित करणे योग्य नाही. तसेच आपत्कालीन कामे करण्यासाठी विभागाला आकस्मिकता निधी तसेच प्रत्येक अधिवेशनामध्ये पुरवणी मागण्यांच्या माध्यमातून निधी मागण्याची संधी असते असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी खुलासा करताना नमूद केले की,२३९२.७७ लाख रुपयांपैकी २२ कोटी रुपये सेल्फ प्रकल्पासाठी तरतूद केली होती. परंतु या दरम्यान कोणताही नवीन प्रकल्प सुरु केला नाही, कारण अगोदरच्याच प्रकल्पाची कामे सुरु होती. मागच्या वर्षी गडचिरोली जिल्ह्यात अचानक कोटघर येथे सिंचन प्रकल्पाचे काम सुरु करावयाचे होते. त्या ठिकाणी सदरहू निधी वापरला गेला.

नवीन प्रकल्पाचे काम सुरु करण्यासाठी तरतूद करावयाची असली तरी ती किमान २०-२५ कोटी रुपये असावयास पाहिजे. परंतु ही रक्कम २३९२.७७ लाख अशी वेगळ्या फीगरमध्ये कशी आली ? अशी विचारणा समितीने केली असता ही रक्कम एका विशिष्ट प्रकल्पासाठी नव्हती. ही रक्कम वेगवेगळ्या पार्टसाठी होती. यातील १ कोटी रुपये ई-गव्हर्नन्ससाठी, हायड्रो प्रोजेक्टसाठी २ लाख ५८ हजार रुपये, सेल्फ प्रोजेक्ट अशा विविध प्रकल्पांसाठी ही तरतूद होती. काही प्रकल्पांसाठी टोकन अमाऊंट सुध्दा होती असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

याबाबत वित्त सचिव यांनी असे नमूद केले की, विभागला प्रकल्पांसाठी केंद्र सरकारकडून निधी मिळणे अपेक्षित होते. परंतु केंद्राचा निधी प्राप्त न झाल्यामुळे विभागाने केलेली तरतूद प्रत्यार्पित केल्याचे अनेक बाबींमध्ये नमूद करण्यात आले आहे. महालेखाकार यांचे म्हणणे आहे की, विभागाकडून प्राप्त झालेल्या लेखी खुलाशामध्ये असे कुठेही नमूद करण्यात आलेले नाही सुरुवातीला विभागाने वित्त विभागाकडून निधीला कट लावण्यात आल्याचे कारण नमूद करण्यात आले होते, त्यावर विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, वित्त विभागाकडून विभागाला एकूण बजेटच्या २० टक्के म्हणजेच १६०० कोटी रुपये कट लावण्यात आला होता. भविष्यात असा प्रकार घडल्यास, विभागाने महालेखाकार कार्यालयाकडे खुलासा करताना केंद्र शासनाकडून अपेक्षित निधी प्राप्त न झाल्यामुळे रक्कम प्रत्यार्पित केल्याचे दिसून येते, परंतु प्रत्यक्षात ती रक्कम प्रत्यार्पित झालेली नाही, असा खुलासा विभागाकडून करण्यात आला.

**[पृष्ठ क्र.१०३]**

प्रधानशिर्ष ४८०१– वीज प्रकल्पावरील भांडवली खर्च ०१ जलविघुत निर्मिती ८२० कोयना जलविद्युत योजना टप्पा चार (१३)(०४) अधीक्षक अभियंता कोयना इ. आणि एम. बांधकाम मंडळ, सातारा या अंतर्गत जल विद्युत प्रकल्पासाठी २५.०० लाख रुपयांची तरतूद केली आणि ती संपूर्ण रक्कम खर्च न करता प्रत्यार्पित करण्यात आली. प्रशासकीय मान्यता वा सुधारित प्रशासकीय मान्यतेच्या आधारे प्रकल्पावर तरतूद केली जाते. प्रशासकीय मान्यता किंवा सुधारित प्रशासकीय मान्यता मिळालेली नसताना विभागाने कशाच्या आधारावर तरतूद केली ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले हा विषय कोयना टप्पा क्रमांक ४ चा आहे. ज्यावेळी या कामासाठी तरतूद केली होती त्यावेळी सुधारित प्रशासकीय मान्यतेपेक्षा जास्त खर्च झालेला होता. त्यामुळे त्या कामावर जादा खर्च केला नाही. त्या वर्षी प्रकल्पाला सुधारित प्रशासकीय मान्यता मिळेल असे गृहीत धरुन अपेक्षित रकमेची तरतूद केली जाते. परंतु त्या वर्षी सुधारित प्रशासकीय मान्यता मिळाली नव्हती. परंतु नंतर हा जलविद्युत प्रकल्प पूर्ण करुन, एमएसईबीकडे हस्तांतरित केला आहे.

या लेखाशीर्षांतर्गत १२४,९४.५७ लाखांपैकी २५ लाख रुपये हा एक भाग आहे. विभागाला प्रकल्पासाठी एक-एक वर्ष सुधारित प्रशासकीय मान्यता न मिळणे हे योग्य नसल्याचे मत समितीने मांडले असता विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शवून सांगितले की, पूर्वी काही प्रकल्पांना काही कारणास्तव सुधारित प्रशासकीय मान्यता मिळाली नाही. परंतु आता ती परिस्थिती राहिली नाही.

सुधारित प्रशासकीय मान्यतेबाबत अंदाज बांधून, काही प्रकल्पांच्या बाबतीत अग्रीम तरतूद करु शकतो काय, किंबहुना असे करणे योग्य आहे काय ? विभागाला अर्थसंकल्प सादर केल्यानंतर मार्च-एप्रिल, जुलै किंवा डिसेंबरच्या अधिवेशनात पुरवणी मागणी करण्याची सोय उपलब्ध असताना सुध्दा अगोदरच अधिकची तरतूद करुन ती संपूर्णतः प्रत्यार्पित करणे योग्य नाही. हे खरे आहे की, पूर्वी प्रकल्पांना विहित कालावधीत सुधारित प्रशासकीय मान्यता मिळत नव्हती. कोणत्याही प्रकल्पाला सुधारित प्रशासकीय मान्यता मिळण्यासाठी वित्त विभाग आणि नियोजन विभागाची परवानगी लागते, सुधारित प्रशासकीय मान्यता घेण्यासाठी अनेक अडचणी येतात.

सुधारित प्रशासकीय मान्यतेंतर्गत एखाद्या प्रकल्पावर अधिकचा खर्च होईल असे गृहीत धरुन अगोदरच जादा तरतूद केली जाते. यामुळे मूळ तरतूद करण्यामागील नियोजन विस्कळीत होते. तसेच सुधारित प्रशासकीय मान्यतेंतर्गत ठराविक इतका खर्च वाढेल असे गृहीत धरुन वाढीव रकमेची सुध्दा तरतूद केली जाते. समितीने असे निदर्शनास आणले की, हा सिंचन प्रकल्प नव्हे तर जल विद्युत प्रकल्प आहे. या प्रकल्पासाठी स्वतंत्रपणे धरण बांधावे लागलेले नाही. अस्तित्वात असलेल्या प्रकल्पातूनच विद्युत निर्मिती करावी लागली. समितीला सुधारित प्रशासकीय मान्यतेसाठी अग्रीम स्वरुपात अधिक रकमेची तरतूद करणे ही बाब अयोग्य वाटते. विभागाकडून अशा प्रकारच्या चुका घडणार नाहीत याबाबत काळजी घेण्यात

यावी असे समितीने विभागास सुचित केले असता उदाहरणदाखल विभागीय सचिवांनी सांगितले की, जर राज्यातील सुरु असलेले प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी १०० रुपयांची गरज असेल आणि या रकमेतून सर्व प्रकल्प पूर्ण होत असतील तर एकाही प्रकल्पासाठी सुधारित प्रशासकीय मान्यता घेण्याची गरज पडत नाही.

प्रकल्पाची सुप्रमा करण्यास समितीची हरकत नाही. विभागाकडून कोणत्याही प्रकल्पासाठी चांगल्या हेतूने अर्थसंकल्पीय तरतूद केली जाते, परंतु केलेली तरतूद वापरली जात नाही. सदरहू तरतुदीचा एकही पैसा खर्च न करता, संपूर्ण रक्कम प्रत्यर्पित केली जाते. समितीची अपेक्षा आहे की, विभागाला निधीची मागणी करण्यासाठी तीन अधिवेशनामध्ये पुरवणी मागणी करण्याची संधी उपलब्ध असते. आवश्यकतेनुसार विभागाला पुरवणी मागणीच्या माध्यमातून निधीची मागणी करता येते. ज्या प्रकल्पाला सुधारित प्रशासकीय मान्यतेची गरज आहे त्या प्रकल्पासाठी विभागाने तरतूद करावी. परंतु ज्या प्रकल्पाचे नियोजनच झाले नसेल त्या प्रकल्पांसाठी अगोदरच तरतूद करण्याची गरज नाही. अशा प्रकल्पांसाठी अधिवेशनात आवश्यकतेनुसार पुरवणी मागणी करता येईल. या बरोबरच विभागाने टोकन प्रोव्हीजन बाबत विचार करावा, रिकन्सीलेशन वेळेवर करावे. दुसरी बाब अशी की, विभाग जर तीन-तीन वर्षांनी नोट ऑफ एरर देत असेल तर असे विषय समितीसमोर उपस्थित होतच राहतील. या सर्व विषयाच्या बाबतीत विभागाने गांभीर्याने लक्ष घालावे.

विभाग आणि महालेखाकार कार्यालयाची कॉन्फरन्स वर्षातून किती वेळा होते ? अशी विचारणा समितीने केली असता सदरहू बैठक वर्षातून एकदा होते असे महालेखाकारांनी समितीस अवगत केले. यावर समितीने असे मत व्यक्त केले की, यह कॉन्फरन्स एक साल में दो बार होनी चाहिए. इसका कारण यह है कि इससे समिति पर काम का जो लोड होता है, वह बहुत कम हो जाएगा. इनको अकाऊंट ऑडिट सितम्बर माह से पहले सबमिट करना पऱता है. इसलिए जनवरी या फरवरी माह में पहली कॉन्फरन्स और दूसरी कॉन्फरन्स अक्तुबर-नवम्बर माह में ली जाएगी तो समिति पर काम का लोड बहुत कम हो जाएगा. वर्षातून दोन वेळा कॉन्फरन्स झाली तर समितीवरील फार मोठा भार कमी होईल. यामुळे वेळ वाचेल. तसेच लेखनसामुग्रीच्या खर्चात सुध्दा बचत होईल. महालेखाकार कार्यालयाने वर्षातून दोनदा विभागासोबत कॉन्फरन्स घेतल्यास महालेखाकार कार्यालय त्यांच्या स्तरावर अनेक परिच्छेद निकाली काढू शकतील. असे समितीने सुचविले असता कई परिच्छेद तो इसी तरह के होते हैं. मंथली एप्रोप्रिएशन जाता है. यदि उसमें कुछ रह जाता है तो उसको नोट ऑफ एरर के माध्यम से हल किया जाता है, उस पर ॲक्शन ली जाती है असे महालेखाकारांनी समितीच्या निदर्शनास आणले.

**अनुदान क्र. आय-६ "राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण":-**

प्रधानशिर्ष ६००३ राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण यासंदर्भात माहिती विशद करताना विभागीय सचिवांनी अशी माहिती दिली की, हुडकोने सन २००४-०५ मध्ये कर्ज देताना ५३ लाख ६५ हजार प्रोसेसिंग फी आणि पहिला व्याजाचा हप्ता कापून घेतलेला आहे. विभागाने सन २०१२-१३ मध्ये बुकिंग केली आणि महालेखाकार कार्यालयाने सन २०१३-१४ मध्ये याची नोंद घेतलेली आहे. विभागाने महालेखाकार कार्यालय मुंबई यांच्याकडे माहिती पाठविली होती. त्यानंतर विभागाने महालेखाकार कार्यालय, नागपूर यांच्याकडे दोन वेळा माहिती पाठविली होती.

मुंबई आणि नागपूर कार्यालयाचा विषय काय आहे ? अशी विचारणा समितीने केली असतर याबाबत महालेखाकारांनी असे नमूद केले की, पहले वाला जो इश्यू है उसको नागपुर ए.जी. ही सेटल करेंगे, मुंबई के कार्यालय से जो रिकन्साईल करना होगा, जो फिगर्स लेने होंगे, वह लिए जाएंगे. लेकिन विभागको प्रपोजल ए.जी. (अकाऊंट्स) नागपुर के कार्यालय को भेज देना है, त्यास विभागीय सचिवांनी सहमती दर्शवली. विभागने दो बार ए.जी.नागपुर को लिख दिया हैं. यह हुडको वाला केस है. लोन और प्रोसेसिंग फिस के संबंध में यह केस है.

क्या यह अर्लीइअर के आँकडे है ? Have you booked it in the year 2012-13 because of Supplementary? अशी समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली व सांगितले की, महालेखाकार कार्यालयाने सन २०१३-१४ में बुकिंग किया और हमने सन २०१२-१३ में बुकिंग किया था.

यावर समितीने असे नमूद केले की, महालेखाकारांचे असे म्हणणे आहे की, इसमें जो सरेंडर की रक्कम ५३.३४ लाख दिखायी है, यह परफेक्ट है और एफएमजी के तौर पर जो कहा है, The Accountant General says that FMG as total appropriation is not correct. त्यावर खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी असे नमूद केले की,

इसमें प्रत्यक्ष खर्च ३,७०,८६.९४ लाख रुपये है. अकॉरडींग टू एजी बुकिंग ३,७१,४०.२८ है और जो फर्क है वह ५३.३४ लाख रुपये है. वह एक्सेस दिख रहा है. ५३.३४ यह वही रकम है जो हुडको की रक्कम है, जो कि अगले साल बुक हुआ है. यहां पर यह एक्सेस दिख रहा है, क्योंकि विभाग ने एक्सेस बुक कर दिया था. महालेखाकार ने अगले साल इसको नोट करके अकाऊंट फॉर किया है.

क्या ए.जी. ने उसको सन २०१३-१४ में लिया है ? अशी विचारणा समितीने करून हे रेग्यूलराईज करून घेण्यात यावे असे मत व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली व हे रेग्युलराईज करुन घेण्यात येईल असे समितीस आश्वस्त केले.

**अनुदान क्र. आय-७ "शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे":-**

प्रधानशिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचा-यांना कर्जे अतंर्गत What are the reasons for surrendering Rs.4479.24 Lakhs? Is this an Interest Free Loan? तसेच The procedure is that they first recover Principal Amount and after that Interest Amount is recovered अशी विचारणा समितीने केली असता यामध्ये हाऊस बिल्डींग ॲडव्हान्सचा मुख्य कम्पोनंट असतो. खरे म्हणजे किती कर्मचारी कर्जासाठी अप्लाय करणार आणि किती कर्मचारी कर्ज घेणार याची विभागाला पूर्वकल्पना नसते. त्यामुळे विभाग अंदाजे निधी बुक करतो. At the time of booking the amount we do not know how many employees will apply for HBA. Earlier, House Loan was 50 times of salary. That was a small amount.त्यामुळे ब-याच कर्मचा-यांनी हाऊस बिल्डींग ॲडव्हान्ससाठी अप्लाय केले नाही. So, large amount of money was getting surrendered. आता शासनाने हाऊस बिल्डींग ॲडव्हान्स सॅलरीच्या २०० पट केलेला आहे. As now it is 200 times of salary it becomes handsome loan amount. त्यामुळे आता रक्कम सरेंडर करावी लागत नाही. विभागाकडून यामध्ये प्रथम मुद्दल वसूल करण्यात येते आणि त्यानंतर व्याजाची रक्कम घेतली जाते. परंतु, बँका पहिल्या हप्त्यापासून मुद्दल व व्याजाच्या रक्कमेची वसुली करतात. Therefore, this is a very attractive loan. The employees were not availing loan because of quantum and, therefore, earlier the amount was getting surrendered. परंतु, आता शासनाने कॉन्टम it is 200 times the salary. सन २०१४-१५ मध्ये ही वाढ करण्यात आलेली आहे.

Is this loan facility available to the employees of all the Departments? अशी विचारणा वित्त सचिवांनी केली असता विभागीय सचिवांनी त्यावर होकारार्थी दिले.

महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून असे नमूद केले की, पिछले ९ साल से रक्कम सरंडर हो रही है. एस्टीमेट ज्यादा बनाया जा रहा है. इसलिए विभाग के पास अभी पिछले सालों का ट्रेन्ड है तो फिर विभाग ने अपनी मांग कम करनी चाहिए. विभाग को और भी रक्कम चाहिए तो विभाग सप्लीमेंटरी डिमांड में अधिक रक्कम मांग सकते है. त्यावर विभागीय सचिवांनी हा मुद्दा भविष्यात विचारात घेण्यात येईल असे सांगितले.

कर्जाबाबत आता परिस्थिती काय आहे ? हाऊस बिल्डींग ॲव्हान्समध्ये सॅलरीच्या २०० पट वाढ केव्हा करण्यात आली ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी असा खुलासा केला की, आता हाऊस बिल्डींग ॲडव्हान्स सॅलरीच्या २०० पट केल्यामुळे कर्ज घेण्यासाठी कर्मचा-यांची मागणी वाढलेली आहे. सन २०१४-१५ मध्ये वाढ करण्यात आलेली आहे. यावर्षी रक्कम सरेंडर करावी लागणार नाही.

परंतु ही योजना जुनी असून मागील ९ वर्षांपासून विभाग सातत्याने पैसे सरेंडर करीत होते. Due to non-application of mind ? यावर विभागीय सचिवांनी समितीचे मत मान्य करुन It was non-application of mind. the Department should have reduced the amount of demand. I accept the observations of The Accountant General. If the large amount of money is getting surrendered continuously for 5-6 years, then the Department should have reduced their demand. However, demand remained the same.

याबाबत समितीने असे मत व्यक्त केले की, विभाग मागील अनुभव लक्षात घेत नसून विभागाकडून मागील वर्षाच्या तरतुदीमध्ये १० टक्के वाढ करून पुढील वर्षासाठी मागणी नोंदविली जाते. हा जनरल ट्रेंड आहे. यामध्ये सुधारणा करण्यात यावी, अशी समितीची अपेक्षा आहे. त्यास विभागीय सचिवांनी भविष्यात या सर्व गोष्टींचा विचार केला जाईल असे समितीस आश्वस्त केले.

What about the current years Budget? Have you done like this? अशी विचारणा समितीने केली असता त्यावर विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, because of strong demand from the employees, it is zero surrender.

अनेक वेळा विभागाकडून रक्कम सरेंडर केली जाते, पुनर्विनियोजित केली जाते. विभागाने सन २०१७-१८ च्या बजेटमध्ये याची काळजी घेतलेली आहे काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सन २०१७-१८ च्या अर्थसंकल्पामध्ये याबाबत काळजी घेण्यात आली आहे. यावर समितीने पुढे अशी विचारणा केली की, विभाग एका बाजूला सांगत आहात की, हे सर्व नॉन ॲप्लीकेशन ऑफ माईंडमुळे आहे. विभागाने अशा प्रकारची पुनरावृत्ती होणार नाही याची काळजी घेतलेली आहे काय ? यावर विभागीय सचिवांनी खुलासा करताना असे नमूद केले की, विभागाचे १३२ प्रोजेक्ट्स सुरु आहेत. विभाग प्रत्येक प्रोजेक्ट निहाय दोन वेळा रिबजेट करून किती रक्कम खर्च होऊ शकते याचा अंदाज घेऊन रक्कम निश्चित केलेली आहे, irrespective of what was the grant in the last year.

विभागाने जास्त रक्कम सरेंडर कशी काय केली ? कारण एकूण बजेट ४४७९.२४ लाख रुपये आहे आणि ४५०.९५ लाख रुपये सरेंडर केलेले आहेत असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता सचिवांनी सांगितले की, जलसंपदा विभागामध्ये एकूण ८०० आहरण व संवितरण अधिकारी आहेत. It is a case of misclassification. मंत्रालयातील सर्व विभागातील कर्मचा-यांना हाऊस बिल्डींग ॲडव्हान्सच्या माध्यमातून कर्ज उपलब्ध करून दिले जाते आणि हे वेगवेगळ्या हेडखाली गेल्यामुळे गैरवर्गीकरण (मिसक्लासिफिकेशन) झालेले आहे. यामध्ये ४.७३ लाख रुपयांचा फरक कसा काय आलेला आहे त्याबाबत विभागाकडून शोध घेण्यात येत आहे. यामध्ये २७.७१ लाख रुपयांचा फरक आहे. विभागाकडे ४४७९.२४ लाख रुपयांची बचत असताना ४५०६.९५ लाख रुपये सरेंडर केलेले आहेत. विभागाने ४५०६.९५ लाख रुपये सरेंडर केलेले आहेत असे समितीने निदर्शनास आणून दिले असता एकूण अनुदान ७४८२.७५ लाख रुपये होते आणि ४५०६.९५ लाख रुपये बचत झालेली आहे. एफएमजी २९७५.८० लाख रुपये होती. परंतु, प्रत्यक्ष खर्च २९८०.५३ लाख रुपये झालेला आणि ४.७३ लाख रुपये अधिक आहेत असे विभागीय सचिवांनी समितीस अवगत केले.

यावर समितीने पुढे असे नमूद केले की, एफएमजी जवळपास २९७५.८० लाख रुपये होती आणि ३००३.५१ लाख रुपये झालेले आहेत. एफएमजीच्या पुढे जाऊन खर्च करण्यात आला, तसेच प्रत्यक्ष खर्चापेक्षा जास्त रक्कम सरेंडर करण्यात आलेली आहे. या सदर्भात नोट ऑफ एरर दिलेले आहे काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले की, प्रत्यक्ष खर्च २९८०.५३ लाख रुपये आहे. परंतु, महालेखाकारांनी ३००३.५१ लाख रुपये बुक केलेले आहेत. यामध्ये २२.९८ लाखाचा फरक असल्याचे तसेच यामध्ये गैरवर्गीकरण झालेले आहे. विभागाकडून त्याची माहिती घेण्यात येत आहे. ३००३.५१ लाख रुपयांची रक्कम आहे. सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्यांमध्ये या शिर्षाअंतर्गत यामध्ये संगणक अग्रीम मुद्दा आहे. विभागाकडून एकाच मेजर हेडमधून सर्व कर्मचा-यांना कर्ज उपलब्ध करून देण्यात येते. याबाबत समितीला काही म्हणावयाचे नाही. एफएमजी २९७५.८० लाख रुपये आहे आणि महालेखाकारांनी ३००३.५१ लाख रुपयांची नोंद केलेली आहे. यामध्ये २२.९८ लाख रुपयांचा फरक आहे आणि विभागाकडून ४.७३ लाख रुपयांचा फरक असल्याने सांगण्यात येत आहे. विभागाने २७.७१ लाख रुपये जास्त सरेंडर केलेले आहे असे समितीने मत व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, विभागाकडून याबाबत तपास करण्यात येत आहे. परंतु गैरवर्गीकरण कोठे झाले याचा तपास लागत नाही.

विभागाकडून प्राप्त झालेल्या लेखी ज्ञापनात असे नमूद केलेले आहे की, "सदर तफावतीबाबत महालेखापालांकडून नोंदविलेला खर्च व विभागाने केलेला खर्च यामधील गैरवर्गीकरणाचा शोध लावणे कठीण आहे." जे गैरवर्गीकरण झालेले आहे त्याचा शोध विभागास घेणे गरजेचे आहे असे मत समितीने नाराजीने व्यक्त केले.

**अभिप्राय व शिफारशी :-**

**मागणी क्र. आय-१**

**५.२ अभिप्राय :-**

मुख्य लेखाशिर्ष २०४९ या अंतर्गत मूळ तरतूद १६४६१.६२ लाख रुपये असून प्राप्त निधी १६४६१.६२ लाख रुपये आहे व प्रत्यक्ष खर्च १६५०४.५७ लाख रुपये झालेला असल्याने ४२.९५ लाख रुपये अधिक खर्च झाल्याने नमूद करून वर्षभरात ७.७३ लक्ष इतकी रक्कम वर्षभरात परत करण्यात आले असून अशाप्रकारे एकूण रु.५० लक्ष ६८ हजार रुपयांची तफावत असण्याच्या आक्षेपाची नोंद महालेखाकारांनी घेतलेली आहे.

उपरोक्त लेखाशिर्षाअंतर्गत महालेखाकारांनी प्रत्यक्ष खर्चाची नोंद १६५०४.५७ लाख रुपये असून ४२.९५ लाख अधिक खर्च झाल्याची नोंद आहे तर विभागाने प्रत्यक्ष खर्चाची नोंद १६४५३.८९ लाख रुपये झाल्याची नोंद घेतली असून विभागाचे नोंदीनुसार बचत वा अधिक्य काही नाही. विभाग महालेखाकारांनी नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाच्या प्रत्यक्ष खर्चामध्ये ५०.६८ लाख रुपये इतकी तफावत असून सदर तफावत ही पुस्तकी ताळमेळाची असल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले.

**शिफारसः-**

**५.३ विभागाने महालेखाकारांच्या नागपूर कार्यालयास चुकीची नोंद दुरुस्ती प्रस्ताव विहित वेळेत पाठविला नसल्यामुळे समितीसमोर सदर बाब चर्चेस आली. विभागाने चुकीची नोंद दुरुस्ती प्रस्तावाची कार्यवाही विहित वेळेत करणे आवश्यक आहे. यासंबंधी सर्व नियंत्रक अधिका-यांनी दक्षता घ्यावी यासाठी दिनांक ६ मे, २००६ रोजी शासन परिपत्रक काढण्यात आले आहे. तसेच यामध्ये कुचराई झाल्यास दिनांक ७ नोव्हेंबर, २००९ रोजीच्या परिपत्रकानुसार संबंधितांवर शिस्तभंगाची कारवाई करण्याची आवश्यकता आहे. उपरोक्त दोन्ही परिपत्रके विचारात घेता चुकीची नोंद दुरुस्ती प्रस्तावाबाबत विहित वेळेत कार्यवाही न करणा-या व वित्तीय शिस्त न पाळणा-या परिणामी हा खर्चाचा ताळमेळ न जुळविणा-या संबंधित अधिका-यांवर जबाबदारी निश्चित करण्यात यावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र. आय-३**

**(१) मोठे व मध्यम पाटबंधारे प्रकल्प व्याज.**

**अभिप्राय :-**

**५.४** (१) मुख्य लेखाशिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे प्रकल्प (०१) (०१) व्याज या अंतर्गत मूळ तरतूद ५२७२१.१२ लाख रुपये असून पुनर्विनियोजनाद्वारे त्यामध्ये रु. १४५४.१३ लाखांची भर पडल्यानंतर एकूण अनुदान ५४१७५.२५ लाख रुपये प्राप्त झाले असून त्यापैकी ५५१८५.०८ लाख रुपये इतका प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे त्यामध्ये १००९.८३ लाख रुपये अधिक खर्च झाला आहे असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

महालेखाकारांनी सदर उपशीर्षांअंतर्गत ५५१८५.०८ लाख रुपये इतका खर्च नोंदविलेला आहे मात्र विभागाने ५४१७५.२५ लाख रुपये इतका खर्च नोंदविलेला आहे. परिणामी महालेखाकारांनी नोंदविलेल्या खर्चामध्ये व विभागाच्या खर्चामध्ये १००९.८३ लाख रुपये इतकी तफावत दिसून येत आहे. सदर तफावत वाणिज्यिक व्याजाच्या परिगणनेतील भिन्न पद्धतीमुळे दिसून येते. विभाग ही परिगणना मागील वर्षाच्या प्रत्यक्ष खर्चाच्या आधारावर करत असते तर महालेखाकार ही परिगणना त्याच आर्थिक वर्षाच्या प्रत्यक्ष खर्चाच्या आधारे करतात. त्यामुळे सदरची तफावत दिसून येत आहे.

**शिफारसः-**

**५.५ विभागाच्या व्याजाच्या परिगणनेमध्ये व महालेखाकारांच्या व्याजाच्या परिगणनेमध्ये भिन्नता व तफावत असल्याने खर्चाच्या नोंदीमध्ये तफावत दिसून येते. महालेखाकारांनी ग्राह्य धरलेला व्याजाचा दर व विभागाने ग्राह्य धरलेला दर यामध्ये तफावत असण्याचे कोणतेही कारण नाही या दोन्हींच्या परिगणनेमध्ये एकवाक्यता असावयास पाहिजे. वास्तविकतः व्याजाचा दर हा मागील वर्षीचा ग्राह्य न धरता चालू वर्षीचा ग्राह्य धरणे आवश्यक असल्याच्या महालेखाकार यांचे मताशी समितीदेखील सहमत असून विभागीय सचिवांनी देखील साक्षीदरम्यान यास सहमती दर्शविली आहे व त्याप्रमाणे परिगणना करण्यात येईल असे आश्वासीत केले. भविष्यात यामध्ये महालेखाकार व विभाग यांचे परिगणनेत एकवाक्यता येणे आवश्यक असून यासाठी व्याजाची परिगणना करताना विभागाने मागील वर्षाचा दर विचारात न घेता चालू वर्षाचा दर विचारात घ्यावा. यासाठी विभागाने महालेखाकार कार्यालयासोबत याविषयासंदर्भात बैठक आयोजित करून योग्य ती कार्यवाही करावी. व याप्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**(२) वाल्मी प्रशिक्षण संस्थेला सहायक अनुदान**

**अभिप्रायः-**

**५.६**) मुख्य लेखाशिर्ष २७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे, ८० सर्वसाधारण, ०३ प्रशिक्षण, (०६) वाल्मिला सहायक अनुदान (०६) (०१) अधीक्षक अभियंता व संचालक पाटबंधारे संशोधन व (०६) (०२) विकास पुणे या अंतर्गत मूळ तरतूद १५१८.७७ लाख रुपये असून त्यामध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे रु. १५.३८ लाखाची भर पडल्यानंतर एकूण अनुदान १५३४.१५ लाख रुपये प्राप्त झाले आहे. प्रत्यक्ष खर्च १६३४.१५ लाख रुपये झाला असून १००.०० लाख रुपये अधिक खर्च झाला आहे. यामध्ये १००.०० लाख अधिक खर्चाबद्दल महालेखाकारांचा आक्षेप आहे.

मात्र २७०१ ९१९२ या उपलेखाशिर्षाखाली विभागाचा प्रत्यक्ष खर्च रुपये १६.९३ लाख इतका आहे. महालेखापालांनी उपशीर्ष २७०१ ९३९७ व २७०१ ९१९२ या दोन उपलेखाशिर्षाखालील खर्च रु. १६३४.१५ लाख इतका एकत्रितपणे दर्शविला आहे. त्यामुळे खर्चामध्ये रु. १६१७.२२ लाख इतकी तफावत दिसून येत आहे. त्याअनुषंगाने सदर उपशीर्षाखाली रु. १६१७.२२ लाख इतक्या गैरवर्गीकरणाच्या अनुषंगाने चुकीची दुरुस्ती नोंद प्रस्ताव महालेखापाल कार्यालयास शासन पत्र क्र.विनियो २७०१/२०१३-१४ (०६/२०१५) / लेखा दिनांक १२ जून, २०१५ रोजी सादर करण्यात आला आहे. सदर चुक नोंद दुरुस्त प्रस्ताव सादर करण्यामध्ये विभागास विलंब झालेला आहे. त्यामुळे महालेखाकारांनी त्याची दखल न घेतल्याने सदर जादा खर्च या उपशिर्षामधून दुरुस्त करता आला नाही.

**शिफारस :-**

**५.७ विभागाकडून चुक नोंद दुरुस्त प्रस्ताव महालेखाकार कार्यालयास विहित मुदतीत पाठवून खर्चाचा ताळमेळ नियमीत घालणे आवश्यक असतांना विभागातील अधिकारी व कर्मचारी अशा वित्तीय बाबी गांभीर्याने व जबाबदारीने व लेखे नियमित करण्यासाठीच्या कालमर्यादेने हाताळत नाहीत. परिणामी अशाप्रकारचे आक्षेप नोंदविण्यात येतात व समितीचा अमुल्य वेळ वाया जातो. अतः या संदर्भात संबंधीत अधिकारी व कर्मचा-यांवर कारवाई करण्यात यावी व चुक नोंद दुरुस्तीचे प्रस्ताव विहीत तारखेच्या आत महालेखाकारांना सादर होण्यासाठी विभागाने भविष्यात योग्य ती दक्षता घ्यावी तसेच विहीत वेळेत सदर कार्यवाही न करणा-या अधिकारी/कर्मचा-यांवर कडक कारवाई करण्यात येईल अशा सूचना स्थानिक स्तरावर देण्यात याव्यात व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी, अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र. आय-५**

**(१) अभिप्रायः-**

**५.८** लेखाशिर्ष ४४०२ मृद व जलसंधारण यावरील भांडवली खर्च, ४७०१ मोठ्या व मध्यम पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च, ४७०२ लहान पाटबंधा-यांवरील भांडवली खर्च, ४७११ पूर नियंत्रण प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च, ४८०१ वीज प्रकल्पांवरील भांडवली खर्च, ५४०२ अवकाश संशोधनावरील भांडवली खर्च या अंतर्गत मूळ तरतूद रु. ८८०२७३.२३ लाख रुपये करण्यात आली असून पूरक मागणी ७२२७०.३२ लाख रुपये करण्यात आली होती. यामध्ये एकूण अनुदान ९५२५४३.५५ लाख रुपये प्राप्त झाले आहे व ७९७७१४.६० रुपये प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे व १५४८२८.९५ लाख रुपयांची बचत झाली असतांना त्यापेक्षा जास्त म्हणजे रु. १५७८६१.५० लाख रुपये वर्षभरात परत केलेली रक्कम आहे. विभागाने मूळ अनुदाना इतकाही खर्च केला नसताना पूरक मागणी का घेण्यात आली तसेच बचतीपेक्षाही जादा रक्कम वर्षभरात का परत करण्यात आली असा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

विभागाने ८८०२७३.२३ लाख रुपयांची रक्कम अर्थसंकल्पित केली होती त्यानंतर तीन महिन्याने जुलै मध्ये ७२२७०.३२ लाख रुपयांची पुरवणी मागणी घेण्यात आली होती. सदर रक्कम ही गोसीखुर्द प्रकल्प व पूर संरक्षण यवतमाळ तसेच महाराष्ट्र वॉटर सेक्टर इम्प्रूव्हमेंट प्रोग्राम यासाठी घेण्यात आली होती. सदर लेखाशिर्षांअंतर्गत अर्थसंकल्पाची तरतूद करताना विभागास उपरोक्त बाबीसाठी निधीची आवश्यकता असल्याचे माहित नव्हते त्यामुळे मूळ अर्थसंकल्पिय तरतूद केल्यानंतर लगेच तीन महिन्याने म्हणजे जुलै महिन्यात पूरवणी मागणी घेण्यात आली असा खुलासा विभागाने केला.

शिफारस :–

५.९ (१) अनुदान मिळाल्यानंतर जलसंपदा विभागाचे जे प्रकल्प सुरु होते व त्यांच्यासाठी जी अर्थसंकल्पिय तरतूद वितरित करायची होती ती शासनाने २० टक्के कपात लावल्यामुळे वितरित करता आली नाही. कपात लागल्यानंतर कोणत्या प्रकल्पाला किती पैसे द्यायचे हे ठरविण्यासाठी नियोजन विभागाचे अपर मुख्य सचिव यांच्या अध्यक्षतेखाली, वित्त विभागाचे अपर मुख्य सचिव व जलसंपदा विभागाचे प्रधान सचिव अशी तीन सदस्यीय समिती स्थापन करण्यात आली होती. सदर समितीचे प्रकल्पांना निधी वितरित करण्याचे निकष व तांत्रिक बाबी विषयी सविस्तर माहिती समितीस तीन महिन्यांत सादर करण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

५.१० (२) जलसंपदा विभागाच्या अपूर्ण प्रकल्पांसाठी तीन सदस्यीय समिती स्थापन केली असून त्यामध्ये अप्पर मुख्य सचिव नियोजन व वित्त विभाग तसेच प्रधान सचिव जलसंपदा विभाग यांचा समावेश आहे. सदर समितीचे अधिकार कार्यकारी संचालक यांच्याकडे देण्यात आलेले आहेत. यामध्ये जे प्रकल्प प्रगतीपथावर आहेत त्याबाबत पुनर्विनियोजनाची प्रक्रिया केली जाते हे अधिकार पूर्वी नियोजन / वित्त विभागाच्या सचिवांच्या अध्यक्षतेखाली असलेल्या समितीकडे होते. त्यात बदल करुन ते आता कार्यकारी संचालकाकडे देण्यात आलेले आहेत. तसेच पुनर्विनियोजनाचे अधिकार प्रधान सचिव, जलसंपदा यांना देण्यात आलेले आहेत अशी अंतर्गत रचना आहे. त्यामुळे आता विभागाकडून अपूर्ण प्रकल्पांसाठी निधी वितरणाचे काम अचूक व वेळेत करण्यात यावे. निधीअभावी कोणत्याही प्रकल्पाचे काम थांबविण्यात येऊ नये. याबाबत विभागाने आवश्यक ती उपाययोजना करावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

५.११ (३) महालेखाकार यांच्या खर्चाच्या नोंदीनुसार ७९७७१४.६० लाख रुपये प्रत्यक्ष खर्च झाला असून विभागाच्या म्हणण्यानुसार ७९७०७७.२१ लाख रुपये प्रत्यक्ष खर्च झाला आहे. आणि त्याचबरोबर ७९४६८२.०५ लाख रुपयांचे सुधारित अनुदान प्राप्त झाले आहे. सदर अनुदान विचारात घेता २३९५.१६ लाख रुपये इतका अधिक खर्च झाला आहे. विभागाने अधिक खर्चाबाबत महालेखाकार कार्यालयास चुक नोंद दुरुस्त प्रस्ताव उशीराने पाठविल्यामुळे महालेखाकार यांच्याकडून आक्षेप नोंदविण्यात येतात व यात समितीचा वेळही वाया जातो तसेच तीन ते चार वर्ष विभागाकडून नियमित ताळमेळ केल्याचे दिसून येत नाही. याबाबत समितीने तीव्र नापसंती व्यक्त केली. विभागाने भविष्यात चूक नोंद दुरुस्ती प्रस्ताव पाठविण्यास विलंब होणार नाही याची दक्षता घेण्यात यावी तसेच यापुढे विभागाने ताळमेळ घालण्याचे काम वेळेत करण्यात यावे व तशा सूचना संबंधितांना निर्गमित करण्यात याव्यात व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

५.१२ (४) जलसंपदा विभागाकडून त्यांच्या अखत्यारित असलेल्या महामंडळाला जो निधी दिला जातो त्यावर त्यांचे कोणतेही नियंत्रण नसल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले असल्याने भविष्यकाळाच्यादृष्टीने ही बाब गंभीर तर आहेच शिवाय अशाप्रकारे काम करण्याची नियमित कार्यपध्दती रुढ होईल असे समितीचे मत आहे. जलसंपदा विभाग व त्यांच्या अखत्यारितील महामंडळाचे लेखापरिक्षण महालेखाकारांकडून करण्यात येत असले तरी ते केवळ १० टक्केच्या प्रमाणात निवडक बाबींचे लेखापरिक्षण करतात. त्यामुळे सर्वच बाबींचे वार्षिक लेखापरिक्षण नियमित होणे आवश्यक आहे. त्याकरिता विभागाअंतर्गत महामंडळासाठी स्वतंत्र लेखापरिक्षणाची कार्यपद्धती सुरु करण्यात यावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

५.१३ (५) एखाद्या योजनेसाठी राज्य शासनाने त्यांच्या हिस्यांचा निधी अर्थसंकल्पीत केल्यानंतरसुद्धा केंद्र सरकारने त्यांचा हिस्सा दिला नाही तर विभागाच्या वतीने करण्यात आलेली तरतूद प्रत्यार्पित करावी लागते. ही तरतूद सुरुवातीस अर्थसंकल्पीत करावीच लागते कारण विभागाकडून एखाद्या प्रकल्पाच्या बाबतीत निधी अर्थसंकल्पीत केल्यानंतर ती बाब केंद्र शासनाला कळवावी लागते. केंद्र शासनाला तसे कळविले नाही तर त्यांच्याकडून निधी प्राप्त होत नाही. या सर्व बाबी विचारात घेता केंद्रशासनाकडून वेळेत निधी प्राप्त होण्याच्या दृष्टीने आवश्यक ती कार्यवाही करण्यासाठी विभागाने उपाययोजना करावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.

**गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे महामंडळास भाग भांडवली अंशदान.**

**(२) अभिप्राय :-**

**५.१५** लेखाशीर्ष ४७०१ मोठे व मध्यम पाटबंधारे यावरील भांडवली खर्च, ८० सर्वसाधारण १९० सर्वाजनिक क्षेत्रातील व इतर उपक्रमातील गुंतवणूका (०२) (०७) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे महामंडळास भाग भांडवली अंशदान योजना अंतर्गत ६१९३९. ०० लाख रुपये इतका खर्च महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे व ६२५०१.२४ लाख रुपये इतका खर्च विभागाने नोंदविला आहे. परिणामी महालेखाकार कार्यालयाने नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाने केलेल्या प्रत्यक्ष खर्चामध्ये ५६२.२४ लाख रुपये इतकी तफावत दिसून येते. त्याचप्रमाणे उपशीर्ष (०२) (०५) गोदावरी मराठवाडा पाटबंधारे विकास महामंडळास भाग भांडवली अंशदान योजना अंतर्गत १८४५९.२५ लाख रुपये इतका महालेखाकारांनी खर्च नोंदविलेला असून विभागाने १७८९७.०१ लाख रुपये इतका खर्च केला आहे. महालेखाकारांनी नोंदविलेल्या खर्चात व विभागाने प्रत्यक्ष केलेल्या खर्चामध्ये ५६२.२४ लाख रुपये इतकी तफावत दिसून येते.

**शिफारस :-**

**५.१६ उपरोक्त दोन्ही लेखाशिर्षाअंतर्गत सारखीच तफावत असल्याचे दिसून येते कारण यामध्ये गैरवर्गीकरण झालेले आहे. तसेच विभागाने चुकीची माहिती भरल्याने चुकीची आकडेवारी दिसत आहे व विभागाने चूक नोंद दुरुस्त प्रस्ताव विलंबाने पाठविल्यामुळे तफावती दिसून येत आहेत. परिणामी समितीच्या अमुल्य वेळही वाया गेला या संपूर्ण प्रकरणाची विभागाने चौकशी सुरु केली असून विलंबाबाबत संबंधितांना दिनांक १२ एप्रिल, २०१७ रोजी कारणे दाखवा नोटीस पाठविण्यात आली आहे. आता विभागाने संबंधितांवर कारवाई करुन केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**मागणी क्र. आय-७**

**शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्ज.**

**अभिप्राय:-**

**५.१७** लेखाशिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचारी, इत्यादींना कर्ज याअंतर्गत एकूण अनुदान ७४८२.७५ लाख रुपये प्राप्त झाले असून प्रत्यक्ष खर्च ३००३.५१ लाख रुपये झाला आहे. व ४४७९.२४ लाखाची बचत असताना मार्च २०१४ मध्ये ४५०६.९५ लाखाचा परत करण्यात आलेला निधी अत्याधिक असल्याचा आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेला आहे.

प्रस्तुत लेखाशिर्षाअंतर्गत मागील ९ वर्षांपासून विभागाकडून निधी समर्पित करण्यात येत आहे. विभागाकडून जाणीवपूर्वक व अनियोजनबध्द पध्दतीने जास्तीचे अंदाजपत्रक तयार करण्यात येत आहे. विभागाला आवश्यकता भासल्यास पुरवणी मागणीतूनही निधी प्राप्त करुन घेता आला असता परंतु विभागाने यासंधीचा फायदा न घेता नेहमीच्या सवयीप्रमाणे प्रतिवर्षी मागील वर्षाच्या तरतुदीमध्ये १० टक्क्याची वाढ करुन निधी घेण्यात येतो. यामध्ये सुधारणा करणे आवश्यक असून भविष्यात अशा प्रकारची पुनरावृत्ती होणार नाही याची काळजी घेण्यात यावी.

**शिफारस:-**

**५.१८ लेखाशिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचारी, इत्यादींना कर्जे या अंतर्गत ४४७९.२४ लाख रुपये बचत झाली असून वर्षभरात परत केलेली रक्कम ४५०६.९५ लाख रुपये आहे. बचतीपेक्षा जास्त रक्कम परत करण्याचे कारणाबाबत सचिवांनी खुलासा केला की, जलसंपदा विभागामध्ये एकूण ८०० आहरण व संवितरण अधिकारी असून कर्मचा-यांना घर बांधणीचे कर्ज उपलब्ध करुन देताना तसेच संगणक अग्रीम देतानांही त्यांनी वेगवेगळ्या लेखाशिर्षाखाली खर्चाची नोंद केल्यामुळे गैरवर्गीकरण झालेले आहे. महालेखाकारांनी नोंदविलेला खर्च व विभागाने नोंदविलेला खर्च यामध्ये तफावत असून गैरवर्गीकरणाचा ताळमेळ विभागाकडून समितीसमोर साक्षीसाठी येईपर्यंत करण्यात आलेला नव्हता. जलसंपदा विभागामध्ये खर्च नोंदविण्याच्या पद्धतीत एकसूत्रता नसून सदर काम अधिक गंभीरतापूर्वक करण्याची आवश्यकता आहे. विभागाने गैरवर्गीकरणाचा ताळमेळ तात्काळ करुन त्यास महालेखाकार कार्यालयांची मान्यता घेऊन लेखे जुळवून घेण्यात यावेत विभागाने नियमितरित्या खर्चाचा ताळमेळ (Reconcilliation) जूळवून घ्यावा व भविष्यात अशा बाबींची पुनरावृत्ती टाळावी. व त्यासंबंधीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील अनुदान क्र. जे-१ यामधील शिर्षातंर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले आहे.

( रुपये हजारात )

| | | | | ाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| **प्रधान शीर्ष २०१४- न्यायदान (दत्तमत)**<br>मूळ ---------- रु. ११,६१,०६,१०<br>पूरक ---------- रु. ५७,२०,३८ | १२,१८,२६,४८ | ९,६३,८१,११ | -२,५४,४४,५७ | सन २०१३-१४ या वित्तिय वर्षातील २०१४-न्यायदान(दत्तमत) या मुख्य लेखाशीर्षाखालील एकूण रुपये १३२६,३८,१९,०००/- इतक्या मंजूर विनियोजनातून रुपये ९४५,९९,०४,०००/- इतकी तरतूद प्रत्यक्ष खर्च झाली असून रुपये ३८०,३९,१५,०००/- इतकी रक्कम प्रत्यार्पित करण्यात आली आहे.<br>सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ----- | |
| **प्रधान शीर्ष २०१४- न्यायदान (भारित)**<br>मूळ ---------- रु. १,९२,७७,२९<br>पूरक ---------- रु. ११,५५,६३ | २,०४,३२,९२ | १,६७,०५,९२ | -३७,२७,०० | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च,२०१४) | | | **१७,८४.६४** | |
| टिपा व भाष्ये – १. विनियोजनातील मूळ अर्थसंकल्पिय तरतूदीइतकाही खर्च झालेला नाही आणि म्हणून वर्षभरात मिळविण्यात आलेली रु.५७२०.३८ लाख एवढी पूरक तरतूद अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.<br><br>२. वर्षभरात परत करणे अपेक्षित असलेल्या बचतीच्या रु.२५,४४,४४,५७ लाखांपैकी काहीही निधी परत करण्यात आला नाही. | | | | |

## विनियोजन लेखे - २०१३-१४ चे स्पष्टीकरण ज्ञापन व अभिप्राय

### अनुदान क्र.-जे-१- न्यायदान

३. अनुदानातील बचत पुढील शीर्षांखाली झाली-

( रुपये लाखात )

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| २०१४- न्यायदान,<br>१०५- नागरी व सत्र न्यायालये,<br>१०५ (०१) (०१) मुंबई शहर नागरी व सत्र न्यायालये<br>मूळ ..... रु. ५६,९५.२१ | ५६,९५.२१ | ४२,२८.६२ | -१४,६६.५९ | सदर प्रत्यर्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| १०५- नागरी व सत्र न्यायालये,<br>१०५ (०२) (०१) जिल्हा आणि सत्र न्यायालये<br>मूळ ..... रु. ७,३८,४६,८०<br>पूरक ..... रु. ५७,१७.२९ | ७,९५,६४.०९ | ७,००,७०.११ | -९४,९३.९८ | सदर प्रत्यर्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| १०५- नागरी व सत्र न्यायालये,<br>१०५ (०५) (०१) न्यायिक अधिकारी प्रशिक्षण संस्था<br>मूळ ..... रु. २,९५.४९ | २,९५.४९ | १,७२.३२ | -१,२३.१७ | सदर प्रत्यर्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| १०५- नागरी व सत्र न्यायालये,<br>१०५ (०१) (०२) प्रमुख न्यायाधीश, कौटुंबिक न्यायालय<br>मूळ ..... रु. २६,०७.४१<br>पूरक ..... रु. ०.०१ | २६,०७.४२ | २२,२८.१३ | -३,७९.२९ | सदर प्रत्यर्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| १०५- नागरी व सत्र न्यायालये,<br>१०५(०२)(०२) ग्रामन्यायालय अधिनियम, २००८ नुसार ग्रामन्यायालयाची स्थापना<br>मूळ ..... रु. २,२१.४१ | २,२१.४१ | ५०.९९ | -१,७०.४२ | सदर प्रत्यर्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १०६- लघुवाद न्यायालये,<br>१०६ (००) (०१) इलाखा शहर न्यायालय<br>मूळ ..... रु. २९,८२.६९ | २९,८२.६९ | २९,३५.३२ | -४७.३७ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| १०६- लघुवाद न्यायालये,<br>१०६ (००) (०२) लघुवाद न्यायालय<br>मूळ ..... रु. ६,९३.०० | ६,९३.०० | ६,३०.६८ | -६२.३२ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| १०७- इलाखा शहर दंडाधिकारी यांची न्यायालये,<br>१०७ (००) (०१) इलाखा शहर दंडाधिकारी यांची न्यायालये<br>मूळ ..... रु. ३९,०७.११<br>पूरक ..... रु. ३.०८ | ३९,१०.१९ | ३६,१२.९४ | -२,९७.२५ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| १०८- फौजदारी न्यायालये,<br>१०८ (००) (०१) फौजदारी न्यायालये<br>मूळ ..... रु. ५२,७६.४८ | ५२,७६.४८ | ४५,५२.८१ | -७,२३.६७ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| ११०- मुख्य व्यवस्थापक आणि कार्यालयीन विश्वस्त<br>११०(००)(०१) मुख्य व्यवस्थापक आणि कार्यालयीन विश्वस्त<br>मूळ ..... रु. ९९.४२ | ९९.४२ | ८४.४८ | -१४.९४ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |

# विनियोजन लेखे - २०१३-१४ चे स्पष्टीकरण ज्ञापन व अभिप्राय

## अनुदान क्र.जे-१ न्यायदान

( रुपये लाखात )

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| ११४ विधि सल्लागार व समुपदेशी,<br>११४ (००) (०१) विधि सल्लागार व समुपदेशन, शहर अधिकारी<br>मूळ ..... रु. ३१,४३.०१ | ३१,४३.०१ | २४,१३.९३ | -७,२९.०८ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| ११४ विधि सल्लागार व समुपदेशी,<br>११४ (००) (०२) मुफसल अधिकारी<br>मूळ ..... रु. १९,९३.७६ | १९,९३.७६ | १६,२७.४६ | -३,६६.३० | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| ८००- इतर खर्च<br>८००(००)(०२) न्यायदानात सुधारणा करण्यासाठी तेरावा वित्त आयोगाची अनुदाने (केंद्रीय सहाय्य)<br>मूळ ..... रु. १,४१,३१.०० | १,४१,३१.०० | २२,७८.७८ | -१,१८,५२.२२ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |

वरील उपशीर्षाखालील रु. २५७२६.६० लाख इतक्या अंतिम बचतीची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४)

४. वरील टिप ३ मध्ये नमूद केलेली बचत पुढीलप्रमाणे अंशत: प्रतिसंतुलित झाली.

# विनियोजन लेखे - २०१३-१४ चे स्पष्टीकरण ज्ञापन व अभिप्राय

## अनुदान क्र.-जे-१- न्यायदान

( रुपये लाखात )

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| २०१४- न्यायदान,<br>१११- सरकारी मुखत्यार<br>१११(००) (०१) सरकारी मुखत्यार<br>मूळ ..... रु. १,८६.९५ | १,८६.९५ | २,१७.८४ | +३०.८९ | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| ११४- विधि सल्लागार व समुपदेशन<br>११४(००)(०३) महाराष्ट्र राज्य विधि सेवा प्राधिकरण<br>मूळ ..... रु. ७,८९.६६ | ७,८९.६६ | १०,४९.६६ | +२,६०.०० | सदर प्रत्यार्पित तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत झाली आहे. |
| वरील उपशीर्षाखालील रु.२९०.८९ लाख इतक्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत.(ऑगस्ट, २०१४)<br>५. विनियोजनात रु.३७२७ लाखांची अंतिम बचत असताना, मार्च २०१४ मध्ये केवळ रु.१७८४.६४ लाखाचा निधी परत करण्यात आला.<br>६. विनियोजनात बचत पुढील शीर्षाखाली झाली- | | | | |
| २०१४- न्यायदान,<br>१०२- उच्च न्यायालय,<br>१०२ (०१)(०१) न्यायाधीश,<br>मूळ ..... रु २१,२२.१८<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. — १,१८.६१ | २०,०३.५७ | १७,११.१८ | -२,९२.३९ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |

## वित्तीय विनियोजन लेखे - २०१३-१४ चे स्पष्टीकरण ज्ञापन व अभिप्राय

### अनुदान क्र.-जे-१- न्यायदान

( रुपये लाखात )

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| २०१४- न्यायदान,<br>१०२, उच्च न्यायालये,<br>१०२ (०१)(०१) वाराव्या वित्त आयोगाच्या शिफारसींनुसार न्यायालयांची दर्जा वाढ व प्रलंबित प्रकरणे त्वरित निकाली काढण्यासाठी विशेष अनुदाने<br>मूळ ..... रु. ३२,०५,९५<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. -६,५५,३७ | २५,५०,५८ | १९,३१,२१ | -६,१९,३७ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| १०२, उच्च न्यायालये, १०२ (०३)(०१) प्रबंधक, अपील शाखा<br>मूळ ..... रु. १,०६,९८.१२<br>पूरक ..... रु. ५,४९.३४<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. -७,६८.२३ | १,०४,७९.२३ | ९४,६५.३२ | -१०,१३.९१ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| २०१४- न्यायदान,<br>१०२, उच्च न्यायालये,<br>१०२(०२)(०१) प्रबंधक, मूळ न्याय शा<br>मूळ ..... रु. २२,७६.७३<br>पूरक ..... रु. ६,०६.२९<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. -१,५९.०७ | २७,२३.९५ | २७,१६,७४ | -७.२१ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |

रु.१९३२.८८ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता वर नमूद केलेल्या उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पण/पुनर्विनियोजन व्दारे रु.१७०१.२८ लाखांचा काढण्यात आलेला निधी अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले. त्याची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट, २०१४)

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| १०२- उच्च न्यायालये,<br>१०२ (०२) (०२) अनुवादक<br>मूळ ..... रु. २,०७.९८<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. ५.६३ | २,१३.६१ | १,८२.९५ | -३०.६६ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **१०२- उच्च न्यायालये,**<br>**१०२ (०३) (०२) अनुवादक**<br>मूळ ..... रु. ६७.८३<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. २.१२ | ६९.९५ | ५८.२४ | -११.७१ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| **२०१४- न्यायदान,**<br>**१०२- उच्च न्यायालये,**<br>**१०२ (०४) (०१) लेखा अन्वेषण आयुक्त**<br>मूळ ..... रु. ५९.६२<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. -०.८१ | ५८.८१ | ४०.६२ | -१८.१९ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| वरील उपशीर्षाखालील रु.६०.५६ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट, २०१४) | | | | |
| **११३- नगरपाल (शेरीफ) आणि वार्ताहर**<br>**११३(००) (०१) शेरीफ**<br>मूळ ..... रु. १,५२.९५<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. -८८.७६ | ६४.१९ | ८९.१५ | +२४.९६ | सदर उपशीर्षाखाली दर्शविण्यात आलेली वाढ ही अन्य उपशीर्षाखालील खर्च या उपशीर्षाखाली चूकीने नोंदविला गेला असल्यामुळे झाली आहे |
| रु.२४.९६ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय मार्च २०१४ मध्ये रु.८८.७६ लाखांचा परत करण्यात आलेला निधी अत्याधिक असल्याचे सिध्द झाले. रु.२४.९६ लाख इतक्या अंतिम खर्चाची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |
| ७. वरील टिप ६ मध्ये नमूद केलेली बचत पुढील शीर्षाखाली अधिक खर्चाव्दारे अंशत: प्रतिसंतुलित झाली. | | | | |
| **१०२- उच्च न्यायालये**<br>**१०२(०७)(०१) न्यायालय धारक व न्यायालयीन समाधक**<br>मूळ ..... रु. ३,४८.०५<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. १२.११ | ३,६०.१६ | ३,८३.७९ | +२३.६३ | सदर उपशीर्षाखाली दर्शविण्यात आलेली वाढ ही अन्य उपशीर्षाखालील खर्च या उपशीर्षाखाली चूकीने नोंदविला गेला असल्यामुळे झाली आहे |
| रु.२३.६३ लाखांचा अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणतेही विनिर्दिष्ट कारण न देता मार्च २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाव्दारे रु.१२.११ लाखांचा पुरविण्यात आलेला अतिरिक्त निधी अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले. त्याची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

# विनियोजन लेखे - २०१३-१४ चे स्पष्टीकरण ज्ञापन व अभिप्राय
## अनुदान क्र.-जे-२- सचिवालय व इतर सामाजिक व आर्थिक सेवा

( रुपये हजारांत )

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| दत्तमत - | | | | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| मूळ ..... रु. ६५,४५,२५ | | | | |
| पूरक ..... रु. ५,००,०१ | | | | |
| भारित — | | | | |
| मूळ ..... रु. ५,५० | | | | |
| पूरक ..... रु. — | | | | |
| | ७०,४५,२६ | ५५,६५,६७ | -१४,७९,५९ | |
| | ५,५० | ५,१३ | -३७ | |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम ——— | | | | |
| टिपा व भाष्ये :- मूळ तरतूदी इतकासुध्दा खर्च झाला नाही आणि म्हणून रु. ५००.०१ लाख एवढी पूरक तरतूद अनावश्यक असल्याचे सिद्ध झाले. वर्षभरात परत करणे अपेक्षित असलेल्या बचतीचा, रु.१४७९.५९ लाखांपैकी काहीही निधी परत करण्यात आला नाही. | | | | |

२. अनुदानातील बचत पुढील शीर्षांखाली झाली.

( रुपये लाखात )

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| २०५२- सचिवालय- सर्वसाधारण सेवा<br>०९० सचिवालय<br>०९०(००)(०१) विधि व न्याय विभाग - आस्थापना<br>मूळ ..... रु. १९,९९.६६ | १९,९९.६६ | १५,२६.३६ | -४,७३.३० | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| २०५२- सचिवालय- सर्वसाधारण सेवा<br>०९० सचिवालय<br>०९०(००)(०२) ई-गव्हर्नंस प्रकल्प कार्यान्वित करण्याकरिता तरतूद<br>मूळ ..... रु. २,५०.००<br>पूरक ..... रु. ५,००.०० | ७,५०.०० | ५,९९.४८ | -१,५०.५२ | सदर बचत ही शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे तसेच खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २०७०- इतर प्रशासनिक सेवा<br>८०० इतर खर्च<br>८००(००)(०१) धर्मादाय आयुक्त<br>मूळ ..... रु. ४,४९.९४ | ४,४९.९४ | ३,०२.४३ | -१,४७.५१ | सदर बचत ही रिक्त पद, अंदाजत खचापक्षा कमा रकमचा दयक प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे तसेच खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेला आहे. |
| ८०० इतर खर्च<br>८००(००)(०३) धर्मादाय आयुक्तांचा विभागीय कर्मचारी वर्ग<br>मूळ ..... रु. ३३,५१.५८<br>पूरक ..... रु. ०.०१ | ३३,५१.५१ | २७,२९ .४७ | -६,२२.१२ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे तसेच खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| २२५०- इतर सामाजिक सेवा<br>१०२ धार्मिक आणि धर्मादाय दाननिधी अधिनियमाची अंमलबजावणी<br>१०२(००)(०१) आयुक्त, औरंगाबाद विभाग<br>मूळ ..... रु. ४०.९४ | ४०.९४ | २१.७७ | -१९.१७ | सदर बचत ही रिक्त पदे, अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे व खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| ३४७५- इतर सामान्य आर्थिक सेवा<br>२०० इतर व्यवसाय उपक्रमाचे विनियमन<br>२००(००)(०१) निबंधक, भागीदारी संस्था, मुंबई, नागपूर, औरंगाबाद व पुणे<br>मूळ ..... रु. ३,७७.५६ | ३,७७.५६ | ३,१२.०१ | -६५.५५ | सदर बचत अंदाजित खर्चापेक्षा कमी रकमेची देयके प्राप्त झाल्याने व शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे तसेच खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| वरील उपशीर्षाखालील रु. १४७८.१७ लाखांच्या अंतिम बचतीची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

## अनुदान क्र.-जे-३- स्थानिक स्वराज्य संस्था व पंचायत राज संस्था यांना नुकसानभरपाईच्या व अभिहस्तांकित रकमा देणे (सर्व दत्तमत)

(रुपये हजारात)

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| ३६०४- स्थानिक संस्था व पंचायत राज संस्था यांना नुकसानभरपाईच्या अभिहस्तांकित रकमा देणे (दत्तमत)<br>मूळ ..... रु. १२,५५,७८<br>पूरक ..... रु. ---- | १२,५५,७८ | ७,१९,७९ | -५,३५,९९ | सदर बचत ही अपेक्षेपेक्षा कमी देयके प्राप्त झाल्याने व राष्ट्रीय आपत्ती प्रतिसाद निधीकडून सहाय्य कमी मिळाल्यामुळे झालेली आहे. |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | १३.२७ | |
| **अनुदान क्र.-जे-३- स्थानिक स्वराज्य संस्था व पंचायत राज संस्था यांना नुकसानभरपाईच्या व अभिहस्तांकित रकमा देणे (सर्व दत्तमत) समाप्त** | | | | |
| **टिपा व भाष्ये** - रु.५३५.९९ लाखांची अंतिम बचत असताना, मार्च २०१४ मध्ये केवळ रु. १३.२७ लाखाचा निधी परत करण्यात आला. | | | | |
| अनुदानातील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली- | | | | |
| **लेखाशीर्ष** | **एकूण अनुदान** | **प्रत्यक्ष खर्च** | **खर्चातील वाढ/बचत** | **विभागाचे अभिप्राय** |
| **३६०४- स्थानिक स्वराज्य संस्था व पंचायत राज संस्था यांना नुकसानभरपाईच्या व अभिहस्तांकित रकमा देणे**<br>**२०० इतर संकीर्ण नुकसानभरपाई आणि अभिहस्तांकित रकमा**<br>**(००) (०१) शासनाकडून जमा झालेल्या दंडातून महसुलाच्या लेख्यावरील स्थानिक संस्थांना सहायक अनुदान**<br>मूळ ..... रु. १२,५५.७८<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. -१३.२७ | १२,४२.५१ | ७,१९.७९ | -५,२२.७२ | सदर बचत ही अपेक्षेपेक्षा कमी देयके प्राप्त झाल्याने व राष्ट्रीय आपत्ती प्रतिसाद निधीकडून सहाय्य कमी मिळाल्यामुळे झालेली आहे. |
| मुख्यत्वेकरुन, राष्ट्रीय आपत्ती प्रतिसाद निधीकडून सहाय्य कमी मिळाल्यामुळे तसेच अपेक्षेपेक्षा कमी देयके प्राप्त झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.१३.२७ लाखांचा निधी परत करण्यात आला आणि वित्त विभागाकडून मंजूर झालेल्या सुधारित अंदाजपत्रकामुळे रु.५२२.७२ लाखांची अंतिम बचत झाली. | | | | |

## अनुदान क्र.-जे-४ - सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च (सर्व दत्तमत)

(रुपये हजारात)

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| ४०५९- सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च (दत्तमत)<br>मूळ ..... रु. ३,००,००<br>पूरक ..... रु. १ | ३,००,०१ | २,३५,०५ | -६४,९६ | राष्ट्रीय आपत्ती निवारणार्थ अनुदानात कपात केली असल्यामुळे व अपेक्षित प्रस्ताव प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत दिसून येते. |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | ४,९६ | |
| टिपा व भाष्ये- रु. ६४.९६ लाखांची अंतिम बचत असताना, मार्च २०१४ मध्ये केवळ रु. ४.९६ लाखाचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | |

अनुदानातील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली-

(रुपये लाखांत)

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| ४०५९- सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च,<br>०१, कार्यालयीन इमारती,<br>२०१, भूमी संपादन,<br>२०१(००)(०१) न्यायालयीन इमारतींचे बांधकाम करण्यासाठी भूसंपादन<br>मूळ ..... रु. ३,००.००<br>पूरक ..... रु. ०.०१<br>पुनर्विनियोजन ..... रु. -४.९६ | २,९५.०५ | २,३५.०५ | -६०.०० | राष्ट्रीय आपत्ती निवारणार्थ अनुदानात कपात केली असल्यामुळे व अपेक्षित प्रस्ताव प्राप्त न झाल्याने अनुदानात बचत दिसून येते. |
| रु. ६० लाख इतका अंतिम अधिक खर्च लक्षात घेता, कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय मार्च २०१४ मध्ये रु.४.९६ लाखांचा परत करण्यात आलेला निधी अपर्याप्त असल्याचे सिध्द झाले. त्याची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | |

# विनियोजन लेखे - २०१३-१४ चे स्पष्टीकरण ज्ञापन व अभिप्राय
## अनुदान क्र.-जे-५ ७६१०-शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे (दत्तमत)

(रुपये हजारांत)

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| ७६१०-शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे<br>दत्तमत<br>मूळ ..... रु. १५,१७.७३<br>पूरक ..... रु. --- | १५,१७.७३ | १४,३४.४८ | -८३.२५ | सदर बचत शासनाच्या काटकसरीच्या धोरणामुळे तसेच खर्चावर नियंत्रण ठेवल्यामुळे झालेली आहे. |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम (मार्च २०१४) | | | १,५३.९५ | |
| टिपा व भाष्ये- रु. ८३.२५ लाखांची अंतिम बचत असताना, मार्च २०१४ मध्ये फक्त रु.१५३.९५ लाखाचा परत करण्यात आलेला निधी अत्यधिक असल्याचे सिध्द झाले. | | | | |
| २. अनुदानातील बचत पुढील शीर्षाखाली झाली- | | | | |

| लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | खर्चातील वाढ/बचत | विभागाचे अभिप्राय |
|---|---|---|---|---|
| ७६१०-शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे<br>२०२-मोटार वाहनांच्या खरेदीकरीता अग्रिमे<br>२०२(००)(०१)- मोटार वाहनाच्या खरेदीकरीता अग्रिमे<br>मूळ ..... रु. १,६६.१८<br>पूर्नविनियोजन ..... रु. -७८.७१ | ८८.२७ | रु.लाखात<br>८८.६७ | +०.४० | संगणक खरेदी अग्रीमावरील खर्च हा चूकीने या लेखाशीर्षाखाली नोंदविला गेला असल्यामुळे अधिक खर्च झाला असल्याचे दिसून येतो. |
| २०४-संगणक खरेदीकरीता अग्रिमे<br>२०४(००)(०१)- संगणक खरेदीकरीता अग्रिमे<br>मूळ ..... रु. २,५०.००<br>पूर्नविनियोजन ..... रु. -७३.८० | १,७६.२० | १,७५.८० | -०.४० | या उपशीर्षाखालील खर्च हा चूकीने मोटार वाहन खरेदी अग्रीम या उपशीर्षाखाली नोंदविला गेला असल्यामुळे बचत झाल्याचे दिसून येते. |
| कोणत्याही विनिर्दिष्ट कारणाशिवाय वरील उपशीर्षाखालील मार्च २०१४ मध्ये रु.१५२.५१ लाखाचा निधी प्रत्यर्पित करण्यात आला. | | | | |

| ३. वरील टिप २ मध्ये नमूद केलेली बचत पुढीलप्रमाणे अंशत: प्रतिसंतुलित झाली – | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **लेखाशीर्ष** | | **एकूण अनुदान** | **प्रत्यक्ष खर्च रु.लाखांत** | **खर्चातील वाढ/बचत** | **विभागाचे अभिप्राय** |
| **७६१०-शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे**<br>**२०१-घर बांधणी अग्रिमे**<br>**२०१(००)(०२)- घर बांधणी अग्रिमे**<br>मूळ ..... रु. ११,००.००<br>पूर्नविनियोजन ..... रु. -१.३८ | | १०,९८,६२ | ११,७०.०२ | +७१,४० | घरबांधणी अग्रीमाकरिता अपेक्षेपेक्षा जास्त अर्ज प्राप्त झाल्यामुळे सन २०१३-१४ च्या सुधारित अंदाजात रु.७१,४०,०००/- इतकी अतिरिक्त तरतूद वित्त विभागाकडून पुनर्विनियोजनाद्वारे उपलब्ध करुन घेण्यात आली आहे. |
| वरील उपशीर्षाखालील रु. ७१.४० लाख इतक्या अंतिम अधिक खर्चाची कारणे कळविण्यात आलेली नाहीत. (ऑगस्ट २०१४) | | | | | |

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेख्यासंबंधातील अहवालात मागणी क्र. जे-१, जे-२, जे-३, जे-४ व जे-५ संदर्भात दर्शविण्यात आलेल्या अधिक खर्च/बचतीबाबतच्या स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनाच्या अनुषंगाने प्रमाणित करण्यात येते की, या संचामध्ये समाविष्ट करण्यात आलेली स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने अभिलेखानुसार तयार करण्यात आली असून, ती माझ्या माहितीप्रमाणे अचूक आहेत.

( एन.जे.जमादार )
प्रधान सचिव व विधि परामर्शी
विधि व न्याय विभाग, मंत्रालय, मुंबई.

**साक्ष :-**

**अनुदान क्र. जे-१ 'न्यायदान' :-**

**६.१** प्रधान शीर्ष २०१४ न्यायदान, १०५ नागरी व सत्र न्यायालये यासंदर्भात समितीने दिनांक १६ नोव्हेंबर, २०१६ रोजी प्रधान सचिव, विधी व न्याय विभाग यांची साक्ष घेतली.

अनुदान क्र. जे-१ "न्यायदान यासंदर्भात" विभागाकडून प्राप्त झालेली स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनातील उत्तरे ही एक सारखीच आहेत. ही बाब समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून दिली असता विभागीय सचिवांनी नमूद केले की, सन २०१३-१४ मध्ये वेतनाची रक्कम समर्पित करण्यात आली आहे.

विनियोजनातील मूळ तरतूद खर्च होत नसताना पूरक मागणी करण्याचे कारण काय आहे ? प्रधानशीर्ष २०१४ न्यायदान या अंतर्गत मूळ तरतूद रूपये ११,६१,०६,१० हजार इतकी आहे, तर पूरक मागणी रूपये ५७,२०,३८ हजार इतकी आहे. एकूण अनुदान रूपये १२,१८,२६,४८ हजार इतके असून प्रत्यक्ष खर्च रूपये ९,६३,८१,९१ हजार इतका आहे. मूळ रक्कम शिल्लक असताना आपण पूरक मागणी घेण्याचे कारण समितीने विचारले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, पूरक मागणी सब-सिक्व्हेंट एव्हेंटमुळे अपरिहार्य झालेल्या आहेत. विभागाचे एक हजार रूपयांची पहिली पूरक मागणी सादर केली होती. ती प्रतिकात्मक (सिम्बॉलिकली) मागणी होती. नांदेड येथे नवीन कौटुंबिक न्यायालय स्थापन करण्यात आले आहे. यासाठी १२ पदे निर्माण करण्यात आली असून त्यांच्या वेतनाचा खर्च भागविण्यासाठी पूरक मागणी सादर करण्यात आली होती. नवनिर्मित जिल्हा न्यायालय, सोलापूरकरिता फर्निचर करण्यासाठी तरतूद उपलब्ध करून देण्यासाठी पूरक मागणी करण्यात आली. ज्यावेळी बिल्डींग बांधण्यात आली त्यावेळी फर्निचरची तरतूद नव्हती. फर्निचरची तरतूद करून बिल्डींग वापरात आणली. अशा ज्या सब-सिक्व्हेंट इव्हेंट झालेल्या आहेत त्यासाठी पूरक मागण्या सादर करण्यात आलेल्या आहेत. मूळ निधी शिल्लक असताना आपण पुरवणी मागणी का केली आहे ? यावर मूळ बजेटमध्ये त्या कारणासाठी तरतूद नव्हती असे विभागीय सचिवांनी सांगितले.

परंतु सदर रक्कम विभागाने वापरलेली नाही ही बाब समितीने निदर्शनास आणून दिली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सदर रक्कम ही सरेंडर झालेली आहे. मूळ रकमेतील रूपये २.०० कोटी इतकी रक्कम शिल्लक राहिलेली आहे ही बाब समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून दिली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, वेतनाची रक्कम समर्पित करण्यात आलेली आहे. सन २०१३-१४ मध्ये ३८० कोटी ३९ लाख १५ हजार रूपये सरेंडर करण्यात आले आहेत. त्यापैकी रूपये ३१२.०० कोटी हे वेतनाचे असून ते सरेंडर करण्यात आले आहेत. विभागाची मूळ तरतूद रुपये ११,६१,०६,११ हजार इतकी असताना विभागाने पुन्हा रुपये ५७.२०,३८ हजार इतक्या रकमेची पूरक मागणी सादर केली आहे. प्रत्यक्षात रुपये २, ५४, ४४, ५७ हजार रक्कम बचत झाली आहे व ती परत केली असून ही फार मोठी रक्कम असल्याचे समितीने नमूद केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, वेतन निधी हा रि-ॲप्रोप्रिएट करता येत नाही. ती दुस-या कोणत्याही कामासाठी वापरता येत नाही. वेतनासाठीचा निधी हा फक्त वेतनासाठी वापरता येतो. त्यामुळे वेतनाचा निधी जादा झाला तर तो निधी सरेंडर करण्याशिवाय दुसरा कोणताही मार्ग राहत नाही.

यासंदर्भात वित्त विभागाचे सचिव, ही माहिती सांगू शकतील असे विधी सचिवांनी सांगितले असता वित्त सचिवांनी विचारणा केली की, विभागाने रक्कम कोणत्या महिन्यांमध्ये समर्पित करण्यात आली ? मार्च अखेरीस रक्कम सरेंडर केली आहे काय? व कोणत्या महिन्यामध्ये पूरक मागणी सादर केली आहे. विभागाने पूरक मागणी डिसेंबर अधिवेशनामध्ये सादर केली आहे काय? रक्कम समर्पित करण्यासाठी १५ मे पर्यंतची मुदत असते. यावर विधी सचिवांनी खुलासा केला की, पहिली पूरक मागणी पावसाळी अधिवेशनामध्ये सादर केली आहे. त्यावेळी चार पूरक मागण्या सादर करण्यात आल्या होत्या. त्यानंतर हिवाळी अधिवेशनात दोन पूरक मागण्या सादर करण्यात आल्या आहेत.

पावसाळी अधिवेशनामध्ये पूरक मागणी सादर केली आहे. सदर निधी खर्च होणार आहे किंवा नाही हे विभागाला पुढे नंतर कळते. जेव्हा पूरक मागणीद्वारा प्राप्त केलेला निधी खर्च होऊ शकत नाही असे विभागाच्या निदर्शनास आल्यानंतर विभागाने लगेचच वित्त विभागाला कळविले पाहिजे. विभागाकडे मार्च अखेर पर्यंत काहीच करण्यात येत नाही. त्यामुळे निधी समर्पित करावा लागतो. त्यामुळे तो निधी इतर ठिकाणी वर्ग न करता वाया जातो. विभागाने आगाऊ जर कळविले तर त्याचे व्यवस्थीत नियोजन वित्त विभागाला करता येईल. निधी खर्च होणार नाही असे विभागाला निश्चित कळल्यानंतर विभागाने तो निधी समर्पित केला पाहिजे. ही बाब वित्त सचिवांनी निदर्शनास आणून दिली असता विधी सचिवांनी याबाबत काळजी घेण्यात येईल असे समितीस आश्वस्त केले.

विभागाने एवढ्या मोठ्या रकमेची पूरक मागणी कशासाठी केली आहे ? असा प्रश्न महालेखाकांरानी समितीच्या माध्यमातून विचारले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सबसिक्वेंट इव्हेंट मुळे तरतूद करावी लागली आहे. यासाठी प्राथमिक तरतूद (इनिशियल प्रोव्हीजन) नाही. नवीन कोर्ट निर्माण झाले असेल, नवीन फर्निचर करावयाचे असेल तर अशा वेळी अतिरिक्त तरतूद (ॲडिशनल प्रोव्हीजन) केल्याशिवाय निधी खर्च करता आला नसता.

मार्च अखेर पर्यंत विभाग कुठलाही निधी परत करत नाही. एक रूपया देखील परत आलेला नाही. प्रधानशीर्ष ११४ विधी सल्लागार व समुपदेशी, ११४ (००) (०१) विधी सल्लागार व समुपदेशन, शहर अधिकारी अंतर्गत उपशिर्ष ११४ विधी सल्लागार व समुपदेशी, ११४ (००) (०२) महसुल अधिकारी, ८०० इतर खर्च, ८०० (००) (०२) न्यायदानात सुधारणा करण्यासाठी तेरावा वित्त आयोगाची अनुदाने (केंद्रीय सहाय्य) विभागाची उपशिर्ष अंतर्गत अंतिम बचत रूपये २५७२६.६० एवढी आहे. विभागाने प्रत्येक परिच्छेदाला एकसमान उत्तर दिलेले आहे. ही सर्व पदे मंजूर झाली होती काय ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सर्व पदे मंजूर नाहीत. न्यायाधीशांची पदे मंजूर आहेत. जिल्हा न्यायाधीशांची ३८० पदे आहेत. सिनिअर डिव्हीजनची ३८८ पदे आहेत. ज्युनिअर डिव्हीजनची १२७० पदे आहेत. ही सर्व पदे मंजूर आहेत. न्यायाधीशांची पदे रिक्त असतील आणि एमपीएससीने २०० जणांना निवड करून पाठविले तर त्या २०० जणांना जेवढा सपोर्ट स्टाफ देणे आवश्यक आहे तेवढा कर्मचारी वर्ग देण्याचे अधिकारी जिल्हा न्यायाधीशांना आहेत. नवीन जज आला तर ते २ शिपाई आणि लिपिक भरू शकतात. त्यामुळे ही संख्या वरखाली होताना दिसते. वित्त विभागाच्या शासन निर्णयाप्रमाणे ८० टक्के कर्मचारी वृंद हा कायम आहे.

रिक्त पदांसाठी पूरक मागणीमध्ये तरतूद करावी. विभागास अचानक पद भरावे लागले तर ते मायनस बजेटींगमधून देखील त्यास सॅलरी देण्यात येऊ शकते. विभाग रक्कम समर्पित करण्यासाठी मार्च अखेर पर्यंत थांबत आहे. आपल्याकडील निधीचा विनियोग होणार नाही असे लक्षात आल्यानंतर तो निधी लगेच समर्पित केला तर त्याचा उपयोग दुस-या विभागासाठी होऊ शकतो अशी सूचना समितीने केली.

नवीन कोर्टासाठी पदांची मागणी समितीच्या माध्यमातून केली असता विभागाकडे कोणत्या टप्प्याला पदांसाठी मागणी करण्यात येते ? अशी विचारणा महालेखाकार यांनी केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, नवीन न्यायालय स्थापन करण्यासाठी कोर्ट एस्टाब्लिश कमिटी असते त्या समितीने शिफारस केल्यानंतर पुढील कार्यवाही होते. HPC पद मंजुरीच्या प्रस्तावाला मान्यता देते. त्यानंतर शासन निर्णय काढण्यात येतो आणि मग लगेचच अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात येते. त्यावेळी विधी व न्याय विभागाकडून टोकन म्हणून रूपये १०००/- इतक्या रकमेची पूरक मागणी सादर करण्यात येते.

कोर्ट हे फिझिकली उभे रहायला हवे त्यावेळी विभाग काय करते ? अशी विचारणा महालेखाकांराने समितीच्या माध्यमातून केली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, तेथे फिझिकली इन्फ्रास्ट्रक्चर आहे किंवा कसे हे पाहिले जाते. तेथे कोर्ट बिल्डींग आहे काय, निवासी इमारत आहे काय, नवीन कोर्ट स्थापन करण्यासाठी आवश्यक तेवढ्या केसेसची संख्या आहे काय, इत्यादी सर्व बाबी तपासून उच्च न्यायलय शिफारस करते. त्यानंतर पदांना शासनाची HPC मान्यता देते. HPC च्या अधिकारापेक्षा जास्त पदे भरावयाची असतील तर मग मंत्रीमंडळाची मान्यता घ्यावी लागते. ती मान्यता घेतल्यानंतर मग कोर्ट एस्टाब्लिशमेंटचा शासन निर्णय निघतो. तद्नंतर विभागाकडून पूरक मागणी सादर करण्यात येते ती टोकन रक्कमच असते.

कोर्टाने जरी नवीन न्यायालय स्थापन करावयाचे ठरविले तरी, त्यासाठी निधीची तरतूद पाहिजे. कोर्टाची समिती याचे अवलोकन करीत असते. ज्या, वेळेस ५० पदे निर्माण करावयाची आहेत, त्यासाठी लागणारी रक्कम कोर्टाची समिती कळविते की, नजिकच्या काळात एवढी तरतूद करावी लागणार आहे. जरी तेवढी पदे निर्माण झाली नाही तरी यामध्ये १० टक्के कमी-जास्त गृहीत धरता येतील मात्र न्यायालयाने पदे निर्माण केल्यानंतर लगेच तरतूद मिळेल अशी अपेक्षा करु नये. त्यांनी प्रोसिजर प्रमाणे अगोदर वित्त विभागाला कळविणे आवश्यक आहे. २५४, ४४.५७ लाख रुपये विभागाने परत केले आहेत हा मोठा फरक आहे ही बाब समितीने निदर्शनास आणून दिली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सन २०१२-३०१३ आणि सन २०१३-२०१४ या दोन्ही वर्षांमध्ये २५२ कोटी रुपये परत केले त्यातील जवळपास ७०-८० कोटी रुपये तेराव्या वित्त आयोगाची रक्कम असून ती राज्याला केंद्र शासनाकडून प्राप्त झाली होती. प्रत्येक वर्षी विभाग ते बजेट करायचे.

ज्युडिशिअरी पोस्टना मान्यता देणे व ती पदे भरणे यामध्ये खूप अंतर असते. यामध्ये हेच दिसून येते की, ब-याच ठिकाणी जरी पोस्टना मान्यता दिली तरी, इमारत नसणे वगैरे अडचणींमुळे पदे भरताच येत नाहीत. त्यांनी जी पदे भरली जाणार आहेत त्याबाबत आधी सांगावे त्यावेळेस विभाग प्रोव्हीजन करु शकतो. सध्या स्थितीत न्यायालयाने पदे निर्माण केली की, विभाग तरतूद

करतो ही पध्दत योग्य नसल्याचे मत समितीने व्यक्त केले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, वित्त विभागाने पद निर्मितीला मान्यता दिल्याशिवाय करीत नाही.

पदे निर्मिती झाली की, विभागाकडून लगेच वित्त विभागाकडे मान्यतेसाठी प्रस्ताव सादर करण्यात येतो आणि अर्थसंकल्पामध्ये तरतूद करण्यात येते. न्यायव्यवस्थेने एखादे न्यायालय स्थापन करण्याचा निर्णय घेतल्यानंतर विभाग लगेच काही पदे भरत नाही. त्याकरिता जागा देणे, इमारत बांधणे वगैरे खूप मोठी प्रक्रिया आहे. त्यामुळे कोणत्या टप्प्याला ही पदे मंजुर करुन घेण्यात येतात. याबाबत समितीला माहिती देण्यात यावी, यावर विभागीय सचिवांनी सांगितले की, कोर्ट जेव्हा एका महिन्यात फंक्शनल होऊ शकेल त्याचवेळेस पद मंजुर करुन घेण्यात येतात. त्या आधी तरतूद करण्यात येत नाही. कोल्हापूर जिल्ह्यातील पन्हाळा तालुक्यातील कळे खैरवाडी, कोर्ट ती पदे भरतीचा प्रस्ताव केलेला आहे. मंत्रीमंडळाने २० ऑगस्टला मान्यता दिलेली आहे. परंतु, विभागाने आता १ हजार रुपयांची टोकन प्रोव्हीजन केली आहे.

न्यायालय जेव्हा एका महिन्यात फंक्शनल होऊ शकेल त्याचवेळेस पदे मंजुर करुन घेण्यात येते व त्यानंतर निधीची तरतूद करण्यात येते असे असताना विधी व न्याय विभागात मोठ्या प्रमाणात बचत झाली आहे याबाबत विभागीय सचिवांनी सांगितले की, ही खूप मोठी आस्थापना आहे. भारतामध्ये सर्वात जास्त कनिष्ठ न्यायालयाचे २००० न्यायाधीश आहेत. व ४५२ कोर्ट कॉम्प्लेक्सेस आहेत. तेथे असणा-या रिक्त पदांमुळे बचत होते. न्यायालयासाठी ८७ नियंत्रण कार्यालये आहेत.

विभागाने रुपये ३७२७ लाख इतकी बचत असताना १७८४.६४ लाख रुपये परत केलेले आहेत. तसेच १११ सरकारी मुखत्यार व ११४ विधी सल्लागार व समुपदेशन या उपशिर्षाखाली २९०.८९ लाख रुपयांच्या अधिक खर्चाची कारणे कळविलेली नाहीत. यातील ११४ (००) (०३) महाराष्ट्र राज्य विधी सेवा प्राधिकरण या उप शिर्षाखालील खर्चातील बचत २ लाख ६० हजार रुपये ही रक्कम अधिक दिसत आहे तरीही विभागाने १११ सरकारी मुखत्यारचा उपशिर्षाचे उत्तर कॉपी पेस्ट करुन दिलेले आहे. रक्कम अधिक असतानाही उत्तर सारखेच दिलेले आहे, ही बाब समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून दिली असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, महालेखाकार कार्यालयाने अधिक रक्कम दाखविलेली आहे परंतु, तो अतिरिक्त खर्च नाही. विभागाने सरेंडरची ऑर्डर दिनांक ३१ मार्च, २०१४ रोजी काढलेली आहे. त्यावेळेस ३८० कोटी ३९ लाख, १५ हजार रुपये सरेंडर केलेलेच आहेत. हे रिकन्सीलेशन झालेले नाही, ही विभागाची चूक आहे. त्यावेळेस ते रिकन्सीलेशन करुन घेतले पाहिजे होते. वेळेत माहिती दिलेली नव्हती त्यामुळे असे झालेले आहे. प्रत्यक्षात ३८० कोटी ३९ लाख, १५ हजार रुपयांच्या सरेंडरचा आदेश आहे.

रिकन्सीलेशन न झाल्यामुळे महालेखाकारांनी आक्षेप घेतला आहे. याबाबत महालेखाकारांनी असे सांगितले की, मे, जून मध्ये २ महिने रिकन्सीलेशन प्रक्रिया चालते. त्यावेळेस सर्व विभाग महालेखाकारांकडे येऊन रिकन्सीलीएशन करुन जातात. त्यावेळेस रिकन्सीलेशन झालेले नसून यापुढे असे होणार नाही असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले.

२०१४ न्यायदान, १०२ उच्च न्यायालये, १०२ (०९) (०१) बाराव्या वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार न्यायालयांची दर्जावाढ व प्रलंबित प्रकरणे त्वरीत निकाली काढण्यासाठी विशेष अनुदान यामध्ये नमूद केल्याप्रमाणे १७०१.२८ लाख रुपयांचा निधी का काढण्यात आला ? अशी विचारणा समितीने केली असता हे वेतनाचे खाते असून रिकन्सीलेशनही झालेले नाही. जादा खर्च कोठेही झालेला नसून बचतच झालेली आहे. तरीही यापुढे याबाबत काळजी घेण्यात येईल असे विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वस्त केले.

भविष्यात विभागाकडून काळजी घेण्यात यावी असे समितीने सांगितले त्याचप्रमाणे महालेखाकारांनी समितीच्या माध्यमातून असे सुचित केले की, विभागाच्या अधिका-यांनी रिकन्सीलेशनाची कार्यवाही वेळेत करण्यात यावी. यावर विभागीय सचिवांनी भविष्यात विभागाकडून काळजी घेण्यात येईल असे आश्वस्त केले.

वित्त विभागाचे अधिकारी देखील महालेखाकार कार्यालयांकडे जाऊन रिकन्सीलेशन करुन घेतात मग विधी व न्याय विभागाने का करुन घेतले नाही ? अशी विचारणा समितीने केली असता महालेखाकार यांनी समितीच्या माध्यमातून असा मुद्दा उपस्थित केला की, सामान्यता विभाग वित्त विभागाकडे नेहमीच्या गरजेपेक्षा जास्त मागणी करतात. त्यांना कदाचित असे वाटत असेल की, ५० लाख रुपये पाहिजे असतील तर विभागाने ६०-७० लाख रुपयांची मागणी केली पाहिजे. यामुळे प्रश्न असा निर्माण होतो की, नंतर तो निधी समर्पित करावा लागतो असे सर्व विभागांना वाटते. त्यामुळे प्रत्येक विभागीय सचिवांना तपासून पहावे लागते की, जेवढा खर्च करु शकणार तेवढीच मागणी करावी लागते त्यामुळे पुढे जाऊन अखर्चित निधी, महालेखाकारांचा आक्षेप ही सर्व परिस्थती निर्माण होते. त्यामुळे विभागांकडून मागणी करतानाच अशी काळजी घेतली गेली पाहिजे की, आवश्यक व खर्च होणारच आहे याची खात्री करुन तेवढ्याच निधीची मागणी करावी असे समितीने सूचित केले असता त्यास विभागीय सचिवांनी सहमती दर्शविली.

**अभिप्राय व शिफारशी :-**

**अभिप्राय :**

**६.२** प्रधानशिर्ष २०१४ न्यायदान (दत्तमत्त) व न्यायदान (भारीत) या शिर्षाखाली नागरी व सत्र न्यायालये, लघुवाद न्यायालये, इलाखा शहर दंडाधिकारी यांची न्यायालये, फौजदारी न्यायालये मुख्य व्यवस्थापक आणि कार्यालयीन विश्वस्त, विधी सल्लागार, सरकारी मुखत्यार, उच्च न्यायालय, न्यायाधीश, अपिल, अनुवादक लेखा अन्वेषण आयुक्त, शेरीफ, सचिवालय, इतर प्रशासकीय खर्च, धर्मादाय कार्यालये, कार्यालयीन इमारती, भूमीसंपादन शासकीय कर्मचारी कर्जे, मोटार वाहन अग्रिम, संगणक खरेदी अग्रिम, घर बांधणी अग्रिम या सर्वांसाठी मोठ्या प्रमाणात निधीची तरतूद करुन देण्यात आलेला होता. या मुळ तरतूदीतील निधी पुर्णपणे खर्च झालेला नसतानाही पुरक मागणीच्या माध्यमातून अधिकचा निधी प्राप्त करुन घेण्यात आला व आर्थिक वर्षअखेरीस मोठ्या प्रमाणात अखर्चित निधी समर्पित करण्यात आला असे आक्षेप महालेखाकारांनी त्यांचे परिच्छेदात नमूद केले आहे.

सन २०१३-१४ या वित्तीय वर्षातील न्यायदान या शीर्षाखाली एकूण रु.१३२६,३५,१९,०००/- इतक्या मंजूर विनियोजनातून रु.९४५,९९,०४,०००/- इतकी तरतूद प्रत्यक्ष खर्च झाली असून त्यातील रु.३८०,३९,१५,०००/- इतकी रक्कम समर्पित करण्यात आली व सदर तरतूद नैसर्गिक आपत्तीमुळे शासनाने अवलंबिलेले काटकसरीचे धोरण, रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न होणे इत्यांदीमुळे झालेली असल्याचे विभागाने त्यांच्या लेखा उत्तरात नमूद केले आहे.

समितीने यासंदर्भात विभागीय सचिवांची साक्ष घेतली असता समितीच्या निदर्शनास आले की, सन २०१३-१४ मध्ये समर्पित झालेली रक्कम ही वेतनाची आहे. विभागाची मूळ तरतूद खर्च होत नसतांना पुरक मागणी का करण्यात आली अशी समितीने विचारणा केली असता वेतनासाठी तरतूद असलेल्या रकमेतून दुसरी कोणतीही कामे करता येत नाही. उदा.नुतणीकरण व अन्य कार्यालयीन खर्च वेतनाच्या रकमेतून करता येत नाही. त्यामुळे पुरक मागणी करण्यात आली व ती पुर्ण पुरक मागणी खर्च झाली असून झालेली बचत ही मूळ तरतूदीतील वेतनाची असल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले. मूळ तरतूद ही वेतनासाठी व पुरक मागणी ही अन्य कामांसाठी करण्यात आली होती तर ही रक्कम वेगवेगळी दर्शविणे आवश्यक होते. ही रक्कम वेतनाच्या रकमेमध्येच दर्शविण्यात आल्यामुळे सकृतदर्शनी असे दिसून येते की, मूळ तरतूद शिल्लक असताना पुरक मागणी करण्यात आली. वेतनासाठीचा निधी या आर्थिक वर्षात खर्च होणार नाही हे विभागाला निश्चित कळल्यावर विभागाने तो समर्पित करण्यासाठी आर्थिक वर्ष संपेपर्यंत वाट न पाहता शक्य तितक्या लवकर हा निधी समर्पित केल्यास त्याचा वापर अन्य ठिकाणी करणे विभागाला शक्य होऊ शकते, असे समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून दिले असता भविष्यात याबाबतची काळजी घेण्यात येईल, असे समितीसमोर विभागीय प्रतिनिधींनी सांगितले.

या परिच्छेदाअंतर्गत मोठ्या प्रमाणात समर्पित झालेला निधी हा रिक्त पदे, अपेक्षित देयके प्राप्त न झाल्यामुळे न्यायालयांची बांधकामे, वाहन खरेदी अग्रिम, घर बांधणी अग्रिम, संगणक अग्रिम इत्यादीसाठी ठेवण्यात आला होता. न्यायालयांची बांधकामे व त्यावरील रिक्त पदांचे वेतन इत्यादी बाबींसाठी बराच कालावधी जातो व हा निधी पुरवणी मागण्यांच्या माध्यमातून देखील घेता येत असतांनाही हा निधी अगोदरच मोठ्या प्रमाणात अर्थसंकल्पीत करुन ठेवण्याची घाई विभाग का करते, अशी समितीने विचारणा केली असता भविष्यात विभागाकडून काळजी घेण्यात येईल, असे समितीला आश्वासीत करण्यात आले. काही बाबतीत तर अधिकचा खर्च झालेला असतांनाही विभागाने बचत झाल्याचे दर्शविले आहे अशी समितीने विचारणा केली असता तो खर्च अधिकचा नसून विभागाकडे खर्चाचा ताळमेळ विहित वेळेत न केल्यामुळे ही तफावत दिसून येत असल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले.

**शिफारस :**

**६.३ विभागाने भविष्यात अर्थसंकल्पीय तरतूदीचे व्यवस्थित नियोजन करावे व जेवढी रक्कम खर्च करणे शक्य असेल तेवढ्याच तरतूदी अर्थसंकल्पीत कराव्यात. जेणेकरुन अर्थसंकल्पीय अनियमिततेबाबत महालेखापालांचा आक्षेप येणार नाही व वर्षाअखेरीस विधी व न्याय विभागाकडे अखर्चित निधी न राहता सदर अर्थसंकल्पीत निधी इतर विभागांसाठी आवश्यकतेनुसार उपयोगात आणता येईल. विभागाने गत तीन वर्षाच्या खर्चाच्या आधारावर निधीची तरतूद करावी. रिक्त पदे भरण्यास बराच कालावधी जातो. अशावेळी पुरक मागणीच्या माध्यमातून हा निधी विभागाला उपलब्ध करुन घेता येत असतांना वर्षभर हा निधी अडवून तो आर्थिक वर्षाअखेरीस समर्पित करण्याच्या वृत्तीला आळा घालण्यात यावा. वित्त विभागाने देखील यासंदर्भात योग्य ती उपाययोजना करावी. तसेच विभागाने खर्चाचा ताळमेळ नियमितपणे ठेवावा व यासंदर्भात केलेल्या उपाययोजनांची माहिती समितीस ३ महिन्यात कळवावी, अशी समितीची शिफारस आहे.**

# आदिवासी विकास विभाग

12 - L

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यां सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील अनुदान क्र. टी-८ वामधील शिर्षांतर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले आहे.

| अ.क्र. | अहवाल पृष्ठ क्र. | अनुदान क्र | टी-८ शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे |
|---|---|---|---|
| | ७३८ | मुख्य लेखाशिर्ष | प्रधान शिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे दत्तमत |
| | | | रुपये लाखात |
| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च / अधिक खर्च (+) / बचत (-) |
| मूळ तरतूद | ३,९५.९३ | ३,९५.९३ | २,७१.९५ / (-)१,२३.९८ |
| पुरक | — | — | — / — |
| पुनर्विनियोजन | — | — | — / — |

प्रधान शिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे या लेखाशिर्षांतर्गत खालीलप्रमाणे योजनानिहाय खर्च झालेला आहे

रुपये लाखात

| अ. क्र. | लेखाशिर्ष | मुळ तरतूद | सुधारीत तरतुद | खर्च | बचत | अधिकरीत तरतुद | एकूण समर्पित |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ७६१० (२०१) घरबांधणी अग्रिम | ३१७.४० | ३१७.४० | २३२.१८ | ०.०९ | ८५.१३ | ८५.२२ ✓ |
| २ | ७६१० (२०२) वाहन खरेदी अग्रिम | ५७.६८ | ५७.६८ | ३९.६१ | १.३५ | १६.७२ | १८.०७ ✓ |
| ३ | ७६१० (२०३) इतर वाहन अग्रिम | ०.१५ | P०.१५ | ०.०० | ०.१२ | ०.०३ | ०.१५ |
| ४ | ७६१० (२०४) संगणक खरेदी अग्रिम | २०.७० | २३.३६ | १४.१६ | ०.०० | ९.२० | ९.२० |
| एकूण | | ३९५.९३ | ३९८.५९ | २८५.९५ | १.५६ | १११.०८ | ११२.६४ |

प्रधान शिर्ष ७६१० साठी मुळ तरतूद रु. ३९५.९३ लक्ष देशविली आहे. मात्र शासन निर्णय वाविवि क्र. बीयुडी-२०१४/प्र.क्र.१५८/का-६ दि.३०.०३.२०१४ अन्वये प्राप्त तरतूदीतील वाढ रु.२.६६ लक्ष (२०४ संगणक खरेदी अग्रीम) विचारात घेता सुधारित तरतूद (रु.३९५.९३+ रु.२.६६= रु.३९८.५९ लक्ष) रु.३.९८.५९ लक्ष येते. तसेच महालेखापाल यांच्या अहवालात प्रत्यक्ष खर्च रु.२७१.९५ लक्ष नमूद केला आहे. मात्र कार्यालयीन लेख्यात व BEAMS प्रणाली नुसार प्रत्यक्षात रु. २८५.९५ लक्ष खर्च नोंदविला आहे. तसेच एकूण समर्पित रक्कम मा. महालेखापाल यांच्या अहवालात नोंदविल्याप्रमाणे रु. ११२.६४ लक्ष कार्यालयीन लेख्यांशी जूळते.

प्रत्यक्षात नोंदविलेला खर्च रु. २८५.९५ लक्ष व समर्पित रक्कम रु. ११२.६४ लक्ष विचारात घेता कोणतीही बचत दिसून येत नाही. (रु. २८५.९५ लक्ष + रु. ११२.६४ लक्ष = ३९८.५९ लक्ष) त्यामुळे सदर आकडेवारी सुधारीत अर्थसंकल्पिय तरतूद रु.३९८.५९ लक्ष या रकमेशी जुळते.

| अ.क्र. | अहवालातील पृष्ठ क्रमांक | मजकूर | |
|---|---|---|---|
| | | अनुदान क्र | टी-८ शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे |
| | ७३८ | मुख्य लेखाशिर्ष | प्रधान शिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे<br>२०१ घरबांधणी अग्रिमे<br>२०१ (००)(०१) घरबांधणी अग्रिमे |
| | | | रुपये लाखात |
| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च |
| मूळ तरतूद | ३,१७.४० | २,३२.१८ | २,१८.१८ |
| पुरक | -- | -- | -- |
| पुनर्विनियोजन | (-)८५.२२ | -- | -- |

| स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने | | | |
|---|---|---|---|
| प्रधान शिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे (२०१) घरबांधणी अग्रीम लेखाशिर्षांतर्गत मुळ तरतूद रु.३१७.४० लक्ष मधून झालेल्या खर्चाचा तपशील खालीलप्रमाणे आहे. | | | |
| | | | (रुपये लाखात) |
| कार्यालयाचे नाव | मुळ तरतूद | अंतिम सुधारीत तरतूद | खर्च |
| १) शासन / मंत्रालय स्तरावर | ३१७.४० | ८.३६ | ८.३६ |
| २) अप्पर आयुक्त, नाशिक | | २५.०० | २५.० |
| ३) अप्पर आयुक्त, ठाणे | | ३७.५२ | ३७.५२ |
| ४) अप्पर आयुक्त, अमरावती | | १२५.०५ | १२५.०५ |
| ५) अप्पर आयुक्त, नागपूर | | ३६.२५ | ३६.२५ |
| एकूण | ३१७.४० | २३२.१८ | २३२.१८ |

प्रधान शिर्ष ७६१० (२०१) घरबांधणी अग्रीमसाठी मुळ तरतूद रु. ३१७.४० लक्ष होती. पुनर्नियोजनात सदर तरतूदीत रु. ८५.२२ लक्षाची कपात केल्यामुळे सुधारीत तरतूद रु. २३२.१८ लक्ष अशी होती. (रु. ३१७.४० - रु. ८५.२२= रु. २३२.१८ लक्ष)

मा. महालेखापाल यांच्या अहवालात प्रत्यक्ष खर्च रु. २१८.१८ लक्ष असा नोंदविला आहे. व त्यामुळे रु.१४ लक्ष ची बचत दिसून येत आहे. मात्र कार्यालयीन अभिलेखे व BEAMS वरील खर्चाची आकडेवारी पाहता प्रत्यक्ष खर्च रु. २३२.१८ लक्ष असल्याचे दिसुन येते. संपूर्ण सुधारीत तरतूद रु. २३२.१८ लक्ष खर्च झाली असल्यामुळे कोणतीही बचत दिसून येत नाही.

विनियोजन लेखे सन २०१३-२०१४

| अ.क्र. | अहवालातील पृष्ठ क्रमांक | मजकूर | | स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापने |
|---|---|---|---|---|
| | | अनुदान क्र | टी-८ शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे | सदर लेखा शिर्षा अंतर्गत अंतिम अनुदान व झालेला खर्च यात तफावत नसून बचत / अधिक्य निरंक आहे. अपर आयुक्त, नाशिक, ठाणे, अमरावती व नागपूर या विभागात अनुक्रमे रु.७.६५ लक्ष, ९.४५, १७.९० व रु.४.६१ लक्ष यानुसार एकूण रू.३९.६१ लक्ष संबंधित कर्मचाऱ्यांना अग्रिमाचे प्रदान झाले आहे. बचत / अधिक्य निरंक आहे. कृपया विनियोजन लेखा स्विकृत करावा, ही विनंती. |
| | ७३८ | मुख्य लेखाशिर्ष | प्रधान शिर्ष ७६१० शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे<br>२०२ मोटार वाहन खरेदी अग्रिमे<br>२०२ (००)(०१) मोटारवाहन खरेदी अग्रिमे | |

रुपये लाखात

| | | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) / बचत (-) |
|---|---|---|---|---|
| मूळ तरतूद | ५७.६८ | ३९.६१ | ३९.६१ | -- |
| पुरक | -- | -- | -- | -- |
| पुनर्विनियोजन | (-) १८.०७ | -- | -- | -- |

श्री. सु. ना. शिंदे
उपसचिव
महाराष्ट्र शासन
आदिवासी विकास विभाग
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२.

**साक्ष :-**

**७.१** उपरोक्त परिच्छेदासंदर्भात अधिक माहिती जाणून घेण्यासाठी समितीच्या दिनांक ८ फेब्रुवारी, २०१७ रोजीच्या बैठकीत सचिव, आदिवासी विकास विभाग व इतर विभागीय प्रतिनिधी यांची साक्ष घेतली.

अनुदान क्र.टी-८ 'शासकीय कर्मचारी इत्यादींना कर्जे' या लेखाशिर्षाअंतर्गत महालेखाकारांनी १४ लाख रुपयांची बचत झाल्याचे सांगितले होते. परंतू आता विभागाचे असे म्हणणे आहे की, १४ लाख रुपये बचत झालेली नसून संपूर्ण रक्कम खर्च झालेली आहे. ही बाब विभागाने महालेखाकार यांचेकडून रिकन्साईल करुन घेतले आहे का? अशी विचारणा समितीने केली असता, विभागीय सचिवांनी सांगितले की, आदिवासी विभागाचे कर्मचारी रिकन्सिलिएशन (खर्चाचा ताळमेळ) करुन घेण्यासाठी महालेखाकार कार्यालयात गेले होते त्यावेळी हस्तांतर नोंद करावयास पाहिजे होती. सदरहू घरबांधणी अग्रीमाचा खर्च नागपूर एटीसी कार्यालयाचा होता. याबाबत चुकीचे वर्गीकरण (मिसक्लासिफिकेशन) झालेले असून ते उच्च व तंत्र शिक्षण विभागाच्या डब्ल्यू -०९ घर बांधणी अग्रीम या शिर्षाखाली बुक झालेले आहे. उच्च व तंत्र शिक्षण विभागाची मान्यता घेऊन ते रिकन्सिलिएशनसाठी पाठवावे असे महालेखाकार कार्यालयाने विभागास सुचविले आहे.

विभागाने १४ लाख रुपये कमी खर्च केलेला आहे असे महालेखाकारांचे म्हणणे आहे. ही बाब समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणूण दिली असता याबाबत खुलासा करता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, १४ लाख रुपये बचत होणे हा पूर्वीचा विषय होता पण यामध्ये बचत झालेली नसल्याचे आता विभागाच्या लक्षात आले एकत्रीत खर्चाची बुकींग दुस-या शिर्षाखाली झालेली होती. सदर रक्कम डब्ल्यू-०९ उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग घर बांधणी अग्रीम या शिर्षाखाली बुक झालेली होती. विभागास नोट ऑफ एरर देण्यापूर्वी उच्च व तंत्र शिक्षण विभागाची मान्यता घेऊन महालेखाकार कार्यालयाकडे तपशील पाठविण्यात यावा.

पण ही बाब विभागाने उत्तरामध्ये कोठेही नमूद केली नाही असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला. त्यावर विभागीय सचिवांनी असे अवगत केले की, उत्तरामध्ये संदर्भातील व्हाऊचर्स, बिल शोधली आणि खात्री करून घेतली का, त्यावेळी त्या शिर्षाखाली हे चुकीचे वर्गीकरण (मिस क्लासीफिकेशन) झाले असल्याचे लक्षात आले. असून यामध्ये बचत झालेली नाही. यावरुन असे निदर्शनास येते की, ज्या मुद्यांसंदर्भात साक्ष घेणार आहे ते विभागास कळविलेले असते. त्यावेळी विभागाने सर्व कागदपत्रे खात्रीशिररीत्या बघून उत्तर पाठविले असते तर हा प्रश्न उपस्थित झाला नसता.

विभागाचे २७१ लाख ९५ हजार रुपये खर्च झालेले नसून २८५ लाख ९५ हजार रुपये खर्च झालेला आहेत. १४ लाख रूपयांची बचत झालेली नाही. विभागाने उपरोक्त शिर्षाखाली १११ लाख ८ हजार रुपये समर्पित केलेले आहेत तसेच विभागाने रिॲप्रॉप्रिएशन (पुर्नविनियोजन) केलेला नाही. १११ लाख ८ हजार रुपये समर्पित केलेले आहेत. विभागाकडे मार्च महिन्यात जी रक्कम शिल्लक राहिली ती समर्पित केली, असे ही समितीने निदर्शनास आणले असता विभागीय सचिवांनी सांगितले की, ही रक्कम समर्पित केलेली आहे, हे पुनर्विनियोजन नाही. अगोदर वित्त विभागाने ओव्हर ऑल २० टक्के कपात केली. शेवटच्या दिवशी १० टक्के निधी वाढवून दिला होता. विभागाला ३० मार्च रोजी या शिर्षाखाली जास्तीचा निधी देण्यात आला होता. मुख्य लेखाशीर्ष अंतर्गत उप लेखाशीर्षामध्ये कर्मचा-यांसाठी वाहन खरेदी, घर बांधणी अग्रीम, संगणक खरेदी अशा बाबींचा समावेश आहे. जेवढी मागणी होती तेवढा निधी खर्च करुन उर्वरित निधी समर्पित करण्यात आला होता.

आदिवासी विभागातील कर्मचा-यांना अग्रीमासाठी तरतूद करण्यात येते. परंतु कर्मचा-यांची अग्रीमासाठी मागणी करण्यात येत नसल्यामुळे मोठया प्रमाणात बचत झाली आहे. वाहन खरेदी अग्रीम यामध्ये अंदाजे ३० टक्के, संगणक खरेदी अग्रीम यामध्ये ४५ टक्के आणि घर बांधणी अग्रीम यामध्ये २५ ते ३० टक्के रकमेची बचत झालेली आहे. मग विभागाचे आर्थिक नियोजन कोठे कमी पडले आहे का अशी विचारणा समितीने केली असता यावर विभागीय सचिवांनी सामितीस सांगितले की, सर्व संबंधितांकडून आर्थिक नियोजन व्यवस्थित करण्यात यावे अशा सूचना देण्यात येतील.

विभागाकडून जी तरतूद करण्यात येते त्यासाठी काहीतरी बेस असावयास पाहिजे. मागील वर्षी २ कोटी रुपये तरतूद होती म्हणून यावर्षी २.५ कोटी रुपयांची मागणी करावी असे करु नये. कारण विनियोजन लेखेसंदर्भात जेव्हा समितीच्या बैठकीत चर्चा होते

तेव्हा समितीच्या निदर्शनास येते की, मागील १५ वर्षापासून शिर्षामध्ये बचत झाली आहे. त्यामुळे विभागाने प्रत्येक वर्षी त्यामध्ये १०-२० टक्के वाढ करण्याचे काम करु नये. विभागाकडे जी मागणी असणार आहे त्या अनुषंगाने आकडेवारी दिली तर बचत होणार नाही. शेवटच्या दिवशी रक्कम समर्पित करता ती रक्कम उपयोगात येत नाही. विभागाच्या दृष्टीने १ लाख रुपयांची बचत झालेली असेल परंतु मूळ तरतूदीचा विचार केल्यास अखर्चित रक्कम ११२ लाख रूपये होते. वित्त विभागाने सुरुवातीला २० टक्के कट लावला होता. नंतर तो १० टक्क्याने कमी करण्यात आला तरी सुध्दा २५ टक्के बचत झालेली आहे. यासाठी विभागाने व्यवस्थित नियोजन केले पाहिजे. संगणक खरेदी करणे हा मोठा भाग नाही. संगणक खरेदी करावयाचे असतील तर दर करारानुसार (रेट कॉन्ट्रॅक्ट) ऑर्डर दिली जाते. विभागाला याप्रमाणे पैसे खर्च करता आले असते व असे कारणही देता आले नसते की, संगणक खरेदीत कोणतीही तांत्रिक अडचण होती. यामध्ये (रेट कॉन्ट्रॅक्ट) दर करार हा विषय नव्हता तर आदिवासी विभागातील कर्मचा-यांनी वैयक्तिक संगणक खरेदी करण्यासाठी अग्रीम घ्यावा हा विषय होता. याचाच अर्थ विभागाने कर्मचा-यांना संगणक खरेदी करण्यासाठी प्रवृत्त केले नाही, असे मत समितीने व्यक्त केले.

त्यानुषंगाने समितीने सूचीत केले की, विभागाने जेवढी मागणी आहे त्या प्रमाणे तरतूद केली पाहिजे. विभाग प्रत्येक महिन्याला रिकन्सिलिएशन (खर्चाचा ताळमेळ) करीत नाही असे मत मांडले आहे. सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षातील विनियोजन लेख्यांचा हा परिच्छेद आहे. विभागाने रिकन्सिलिएशन करुन घेतले नाही किंवा नोट ऑफ एरर महालेखाकार कार्यालयाकडे पाठविलेले नाही. विभागाकडून १५ मार्च पर्यंत नोट ऑफ एरर पाठवावयास पाहिजे होती. परंतु आता बराच कालावधी झालेला आहे. वास्तविक पाहता विभागाने समितीच्या बैठकीत साक्षीसाठी येण्यापूर्वी महालेखाकार कार्यालयाकडे नोट ऑफ एरर पाठवावयास पाहिजे होती. जेणेकरुन १४ लाख रुपये बरोबर खर्च झाले याबाबत समितीला महालेखाकारांकडून माहिती घेता आली असती. त्यामुळे आता हा विषय अनुत्तरीतच राहील म्हणून विभागाने लवकरात लवकर उच्च व तंत्र शिक्षण विभागाची मान्यता घेऊन नोट ऑफ एरर महालेखाकार कार्यालयाकडे पाठवावी व रिकन्सिलिएशन करुन घ्यावे.

आदिवासी विकास विभागाकडे निधीची कमतरता नाही. विभागाने जिल्हा स्तरावर जाऊन आश्रमशाळांची पाहणी केली तर तेथे अतिशय वाईट अवस्था असल्याचे विभागाच्या निदर्शनास येईल. विभागीय प्रतिनिधींनी अनपेक्षितपणे दोन-चार जिल्ह्यातील आश्रमशाळांना भेट दिली तर ज्या उद्देशाने विभागाकडून योजना राबविण्यात येतात तो उद्देश सफल होतो किंवा नाही हे विभागाच्या लक्षात येईल.

याअनुषंगाने समितीने उदाहरणादाखल सांगितले की, वाशिम येथील आश्रमशाळा १५-२० वर्षापासून सुरु झालेल्या आहेत परंतु त्या आश्रमशाळेमध्ये मुलींना प्रसाधनगृहदेखील उपलब्ध नाही एवढी वाईट अवस्था आहे. याबाबत समितीने सूचित केले की, विभागीय प्रतिनिधींनी कोणालाही न कळविता नंदुरबार, गडचिरोली, गोंदिया, चंद्रपूर, नागपूर, अमरावती इत्यादी जिल्हयातील आश्रमशाळांना भेट द्यावी व तेथील वस्तुस्थिती जाणून घ्यावी तसेच खाजगी आश्रमशाळेमध्ये खूपच अवघड परिस्थिती आहे त्याचे अप ग्रेडेशन करुन त्याआधारावर निधी निश्चित करावा. यावर विभागीय सचिवांनी समितीस आश्वास्त केले की, ते स्वतः आश्रमशाळांना भेटी देणार आहेत.

**अभिप्राय व शिफारस :**

**७.२** प्रधान शिर्ष ७६१० (२०१) घरबांधणी अग्रीम यासाठी मूळ तरतूद रु.३१७.४० लक्ष इतकी होती. या निधीमध्ये रु.८५.२२ लक्ष रुपयांची कपात करुन तरतूद रु.२३२.१८ लक्ष झाली. त्यातून प्रत्यक्ष खर्च रु.२१८.१८ लक्ष इतका झाला व रु.१४ लक्ष बचत झाली. यातील रु.८५.२२ लक्ष रक्कम समर्पित करण्यात आली व अंतिम बचत रु.१४ लक्ष झाली असल्याचे आक्षेप महालेखाकारांनी त्यांच्या परिच्छेदात नमूद केले आहेत.

याबाबत आदिवासी विकास विभागाच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेख्यांबाबत झालेल्या साक्षीमध्ये समितीच्या असे निदर्शनास आले आहे की, आदिवासी विकास विभागाने खर्चाच्या ताळमेळाचे काम वेळीच पूर्ण केले नाही त्यामुळे रु. १४ लक्ष रक्कम उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाच्या लेखाशिर्षाखाली चुकीने नोंदविले गेले. त्यामुळे या रकमेची बचत झालेली नसून रकमेचे चुकीचे वर्गीकरण (Misclassification) झालेले आहे. त्याची हस्तांतर नोंद केली गेली नाही. एवढेच नाही तर याबाबत साक्षीच्या दिनांकापर्यंत चुकीच्या नोंदीचा प्रस्ताव देखील महालेखाकार कार्यालयाला देण्यात आलेला नव्हता. या गंभीर बाबी आहेत. विभागाने प्रत्येक तीन महिन्यामध्ये खर्चाचा ताळमेळ घालणे बंधनकारकच आहे. ते विहीत मुदतीत न केल्यामुळे या गैरवर्गीकरणाच्या बाबी विभागाच्या लक्षात वेळेत आल्या नाही. महालेखाकारांनी आक्षेप नोंदवेपर्यंत या बाबी विभागाच्या लक्षात येऊ नये, ही बाब आर्थिक शिस्तीला अनुसरुन नसून वित्तीय नियमांचे उल्लंघन करणारी आहे. **अतः विभागाने उच्च व तंत्र शिक्षण विभागाच्या सहमतीने खर्चाच्या ताळमेळाचे काम तात्काळ पूर्ण करावे व सर्व चुकीच्या नोंदीचे प्रस्ताव विहीत दिनांकापूर्वीच महालेखाकार कार्यालयास सादर करुन मान्य करुन घ्यावेत. तसेच या प्रकरणी ज्या अधिकारी / कर्मचारी यांनी निष्काळजीपणा केलेला आहे. त्यांचेवर योग्य ती कारवाई करुन केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यात सादर करावी, अशी समितीची शिफारस आहे.**

**७.३** आदिवासी विभागाने घरबांधणी अग्रीम, खरेदी अग्रिम, वाहन अग्रिम, संगणक खरेदी अग्रिम यासाठी एकुण रु. ३९८.५९ लक्ष रुपयांची आर्थिक तरतूद केली होती यातील रु. २८५.९५ लक्ष रुपये खर्च झाले असून यातील रु. १११.०८ लक्ष एवढी तरतूद वित्त विभागाने लावलेल्या २० टक्के कपातीमुळे अवितरित होती यामुळे ती तांत्रिकदृष्ट्या समर्पित करण्यात आली व वस्तुतः बचत ही केवळ १.५६ लक्ष झाल्याचे समितीच्या निदर्शनास आले.

समितीच्या हे वारंवार निदर्शनास येते की, प्रशासकीय खर्चासाठी तरतूद करण्यात आलेला निधी मोठ्या प्रमाणात वर्षअखेरीस समर्पित करण्यात येतो. या तरतूद निधीमध्ये प्रत्येक वेळी २० टक्के ते ४५ टक्के बचत होते तर मग यात विभागाचे निधीचे नियोजन कुठेही दिसून येत नाही. निधीची तरतूद करतांना प्रत्येक वर्षी हा निधी २०-२५ टक्क्यांनी वाढवून मागणी करण्यात येते. ही विभागाची भूमिका चुकीची असून विभागाने निधीचे आर्थिक नियोजन करणे आवश्यक आहे. निधीची तरतूद करतांना मागील ३ वर्षाच्या खर्चाचा आधार घेतला पाहिजे. वास्तविक अखर्चित रक्कम ही केवळ १.५६ लाख नसून वित्त विभागाने कपात केलेली रक्कम ही देखील अखर्चित रक्कमच आहे. वित्त विभागाने कपात केली नसती तर ही बचत रु. ११२ लक्ष एवढी असती. या सर्व बाबी पाहता वित्त विभाग व अन्य विभागाने निधीचे अधिक सुयोग्य नियोजन करणे आवश्यक आहे. गत १५-२० वर्षापासून लेखाशिर्षाखाली बचत असेल तर आर्थिक तरतूद करतांना योग्य नियोजन करणे आवश्यक आहे. त्यामुळे शेवटच्या दिवशी रक्कम समर्पित करण्याची वेळ येणार नाही, उशिरा समर्पित केलेली रक्कम इतरत्र उपयोगात आणता येत नाही.

परिणामी या निधीचे योग्य नियोजन केल्यास याचा वापर अन्य सार्वजनिक महत्वाच्या कामांकरिता उपयोगात आणणे निश्चितच शक्य होईल.

वित्त विभागाकडून लावण्यात येणा-या कपातीचे देखील योग्य नियोजन करुन जी रक्कम विभागाला अवितरीत आहे ती वर्षअखेरीस तांत्रिकदृष्ट्या समर्पित करणे भाग ठरते त्यागमुळे हे आक्षेप नोंदवले जातात व समितीचा अमुल्य वेळ यात वाया जातो. समितीने या बाबी वेळोवेळी वित्त विभागाच्या निदर्शनास आणून दिलेल्या आहेत. या दृष्टीने योग्य नियोजन करण्यात यावे.

**अतः मागणीप्रमाणे तरतूदी अर्थसंकल्पीत करणे व अर्थसंकल्पीय तरतूद पूर्णपणे खर्च न करता, शेवटच्या क्षणी समर्पित करणे ही गंभीर अर्थसंकल्पीय अनियमितता आहे. यापुढे आदिवासी विकास विभागाने निधीचे योग्य नियोजन करुन मागणीप्रमाणे तरतूदी अर्थसंकल्पीत करण्याबाबत व अर्थसंकल्पीय तरतूदी १००% खर्च करण्याबाबत आवश्यक ती उपाययोजना करावी व भविष्यात अशा आक्षेपांची पुनरावृत्ती टाळावी. तसेच विभागाने नियमित खर्चाचा ताळमेळ घालून वित्तीय लेखे अद्ययावत ठेवावे व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यांत सादर करावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

## पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे
अहवालातील अनुदान क्र. झेड डी-०२ यामधील शिर्षातंर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी
महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निर्दशनास आले आहे.

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| मुख्य लेखाशीर्ष - मागणी क्र. झेडडी-२, कला व संस्कृती, (सर्व दत्तमत ) | | | | | | |
| | | २२०५,कला व संस्कृती<br>दत्तमत<br>मूळ १,४३,५६,८७<br>पुरक ६,८१,४९<br>वर्षभरात परत केलेली रक्कम (मार्च २०१४) | १,५०,३८,३६ | १,१३,४१,२० | - ३६,९७,१६<br>३६,६६,०३ | लेखाशीर्षनिहाय बचतीची स्पष्टीकरणे खालीलप्रमाणे आहेत. |
| टिपा व भाष्ये :- मूळ अर्थसंकल्पिय तरतूदीइतका खर्च झाला नाही. अशाप्रकारे रु.६८१.४९ लाखांची पुरक तरतूद अनावश्यक असल्याचे सिध्द झाले.<br>२. अनुदानातील रु.३६९७.१६ लाखांची अंतिम बचत असताना, मार्च, २०१४ मध्ये केवळ रु.३६६६.०३ लाख इतकाच निधी परत करण्यात आला . | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|
| क्रं | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रु. | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक बचत रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| ५ | ८११ | २२०५,कला व संस्कृती १०२, कला व संस्कृती यांचे प्रचालन १०२ (०१) (०१) व (०२) शासकीय प्रेक्षागृहे व सभागृहे (1) मूळ १०,५०.२३ पुनर्वि. - ८,५३.८० | १,९६.४३ | १,९७.०९ | + ०.६६ | सदर लेखाशिर्षाखाली दोन योजनांचा समावेश आहे. |

| योजनेचे नांव | मूळ तरतूद | अंतिम सुधारीत तरतूद | प्रत्यार्पित तरतूद | एकूण तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | बचत/ अधिक/ खर्च |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १. | २. | ३. | ४. | ५. | ६. | ७. |
| रंगभवन आस्थापना खर्च (२२०५ १७४१) | रु. ५०.२३ लाख | ५०.११ लाख | रु. ५.८० लाख | रु. ४५.११ लाख | रु. ४५.११ लाख | निरंक |
| जिल्हाच्या ठिकाणी नाटयगृह बांधणे (२२०५ १४८१) | रु. १०००.०० लाख | रु. १०००.०० लाख | रु. ८४८.०० लाख | रु.१५२.०० लाख | रु. १५२.०० लाख | निरंक |
| एकूण | रु.१०५०.२३ लाख | रु.१०५०.११ लाख | रु.८५३.८० लाख | रु.११७.११ लाख | रु.११७.११ लाख | निरंक |

मूळ तरतूद रु.१०५०.२३ लाख असून रु.११७.११ लाख इतका खर्च झाला असून उर्वरित तरतूद रु.८५३.८० लाख समर्पित केल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. तथापि, महालेखापाल कार्यालयाच्या नोंदीनुसार रु.६६,०००/- इतका अधिकचा खर्च दिसून येतो. (२२०५ १७४१) या योजनेखाली सुधारीत अंदाजात रु.६८,०००/- इतका अतिरिक्त निधी प्राप्त झाल्याने व महालेखापाल कार्यालयाने सदर अतिरिक्त तरतूद गृहित न धरल्याने रु.६६,०००/- हा अधिकचा खर्च दिसून येतो. तरी सदर अधिकच्या खर्चाची रक्कम मूळ तरतुदीच्या तुलनेत नगण्य असल्यामुळे ही बाब क्षमापित करण्यात यावी, ही विनंती. तरी सदर स्पष्टीकरण मान्य करुन सदर परिच्छेद वगळण्यांत यावा ही विनंती.

टिपा व शाष्ये :- मुख्यत्वे करुन सिंधुदुर्ग, गोंदिया व परभणी जिल्हयांमधुन पहिल्या हप्त्याच्या वापराचा उपयोगिता प्रमाणपत्रांच्या अभावामुळे निधीचा दुसरा हप्ता न देण्यात आल्यामुळे आणि वर्धा, लातूर व माणगांव येथुन अपूर्ण प्रस्ताव प्राप्त झाल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये प्रत्यार्पण / पुनर्विनियोजन याद्वारे रु.८५३.८० लाखांचा निधी काढण्यात आला.

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| ६ | ८१२ | १०३ पुरातत्वशास्त्र<br>१०३ (०१) (०६) राज्यातील ऐतिहासिक व सांस्कृतिक दृष्टया महत्वाचे किल्ले व धार्मिक स्थळे यांची देखभाल व संरक्षण स्थळे यांची देखभाल व संरक्षण<br>मूळ १२,००,००<br>पुनर्वि. — ५,४३.९६ | ६,५६.०४ | ६,५६.०४ | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु. १२००.०० लाख इतकी होती. त्यापैकी रु.५४३.९६ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने रु.६५६.०४ लाख इतकी तरतूद खर्चासाठी उपलब्ध होती. उपलब्ध तरतूद रु.६५६.०४ लाख पूर्णपणे खर्ची झाल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. तसेच महालेखापाल कार्यालयाने याबाबत कोणताही आक्षेप घेतलेला दिसून येत नाही. तरी सदरचे स्पष्टीकरण मान्य करुन सदर परिच्छेद वगळण्यांत यावा ही विनंती. |
| टिपा व भाष्ये :- मुख्यत्वेकरुन, शासनाच्या सामंजस्य मसुदा ज्ञापनास २ वस्तुशास्त्र कंपन्यांकडून नकार मिळाल्यामुळे, सदर कंपन्यांना फी चे प्रदान न करण्यात आल्यामुळे, मार्च, २०१४ मध्ये रुपये ५४३.९६ लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |
| ७ | ८१२ | १०२,कला व संस्कृती प्रचालन<br>१०२ (०२) (०९) कला व सांस्कृतिक संस्थांना सहाय्यक अनुदान<br>मूळ ४,००.००<br>पुरक ४,२५.००<br>पुनर्वि. — ३,७६.२२ | ४,४८.७८ | ४,४८.७८ | ---- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.४००.०० लाख इतकी होती. तसेच सदर योजनेखाली रु.४२५.०० लाख इतकी पुरक मागणी प्राप्त झाल्याने एकूण तरतूद रु.८२५.०० लाख इतकी झाली. तथापि, सदर योजनेमधून रु.३७६.२२ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.४४८.७८ लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.४४८.७८ पूर्णत: खर्च झाल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. तरी सदरचे स्पष्टीकरण लक्षात घेऊन सदर परिच्छेद कृपया वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| टिपा व भाष्ये :- १. दशावतार, लावणी व कुलु-दशहरा हा सण आयोजित करण्यात न आल्यामुळे तसेच लोककला पॅकेज अंतर्गत कलाकारांच्या गटाची अपात्रता यामुळे (रु. ३०१.२२लाख) आणि २. नाटय परिषदेकडून नियुक्त करण्यात आलेल्या वास्तुशास्त्रज्ञांकडून नाटयगृहाच्या नूतनीकरणाकरीता आराखडा व अंदाजपत्रक सादर करण्यात न आल्याने निर्धारीत वाटप न झाल्यामुळे (रु. ७५ लाख) मार्च २०१४ मध्ये रु.३७६.२२ लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक बचत रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| ८ | ८१२ (6) | १०७ वस्तुसंग्रहालय<br>१०७ (०१) (०२) विविध वस्तुसंग्रहालयातील विशिष्ट विभागाचा पुनर्रचना व विकास<br>मूळ ७,००,००<br>पुनर्वि - ३,५७,०४ | ३,४२,९६ | ३,४२,९३ | - ०,०३ | सदर योजनेखाली मूळ तरतूद रु.७००.०० लाख इतकी होती. तथापि, त्यापैकी रु.३५७.०४ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.३४२.९६ लाख इतकी तरतूद खर्चासाठी उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतुदीपैकी रु.३४२.९३ लाख इतकी तरतूद खर्च झाल्याने रु.३,०००/- इतकी नगण्य बचत झाली आहे. मूळ तरतुदीशी तुलना करता सदर बचत अत्यंत नगण्य आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण लक्षात घेता सदर परिच्छेद वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| टीपा व भाष्ये :- वित्त विभागाकडून केवळ ८० टक्के इतका निधी देण्यात आल्यामुळे निवडणुकीच्या आचारसंहितेमुळे निविदा प्रक्रियेला मंजूरी न मिळाल्यामुळे आणि अपूर्ण प्रस्तावांना मान्यता न मिळाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.३५७.०४ लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |
| ९ | ८१२ (5) | १०१ ललित कला शिक्षण<br>१०१ (०७) (०१) पु.ल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी<br>मूळ ८,००,००<br>पुनर्वि. — २,५५,३० | ५,४४.७० | ५,४४.४३ | - ०,२७ | सदर योजनेखाली मूळ तरतूद रु.८००.०० लाख इतकी होती. तथापि, त्यापैकी रु.२५५.३० लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.५४४.७० लाख इतकी तरतूद खर्चासाठी उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतुदीपैकी रु.५४४.४३ लाख इतकी तरतूद खर्च झाल्याने रु.२७,०००/- इतकी नगण्य बचत झाली आहे. सदर बचत ही पेस्ट कंट्रोल, छपाई व प्रवासखर्चाची देयके आक्षेपार्ह परत आल्यामुळे झाली आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण लक्षात घेता सदर परिच्छेद वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| टीपा व भाष्ये :-कंत्राटी सेवा, कार्यालयीन खर्च, व्यावसायिक सेवा याबाबतीत कमी झालेला खर्च तसेच वास्तुशास्त्रज्ञांची नियुक्ती न केल्यामुळे अकादमीचे बांधकाम सुरू न झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.२५५.३० लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| १० | ८१२ | ८०० इतर खर्च<br>८०० (०१) (०१)<br>साहित्य व कला<br>क्षेत्रातील मान्यवरांना<br>आर्थिक सहाय्य<br>मूळ २८,२२.००<br>पूरक ५७.५०<br>पुनर्वि. — १,८८.९० | २६,९०.६० | २६,९०.६० | -- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु. २८२२.०० लाख इतकी होती. तसेच सदर योजनेखाली रु.५७.५० लाख इतकी पुरक मागणी प्राप्त झाल्याने एकूण तरतूद रु. २८७९.५० लाख इतकी झाली. तथापि, सदर योजनेमधून रु.१८८.९० लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.२६९०.६० लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतुद रु.२६९०.६० पूर्णत: खर्च झाल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. तरी सदरचे स्पष्टीकरण लक्षात घेऊन सदर परिच्छेद कृपया वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| टीपा व भाष्ये :- वित्त विभागाने लादलेल्या कपातीमुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.१८८.९० लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |
| ११ | ८१३ | १०३ पुरातत्वशास्त्र<br>१०३(०१)(०१)<br>पुरातत्वशास्त्र<br>संचालनालय व<br>(०१)(०२)<br>मूळ ९,११.९८<br>पुनर्वि -१,८६.२९ | ७,२५.६९ | ७,२५.५२ | -०.१७ | सदर लेखाशिर्षाखाली एकूण २ योजना असून त्यापैकी पुरातत्वशास्त्र संचालनालय (२२०५ १७३२) या योजनेतर योजनेखाली मूळ तरतुद रु.५११.९८ लाख व पुरातत्वशास्त्र संचालनालय (२२०५ १३३८) या योजनांतर्गत योजनेखाली मूळ तरतुद रु.४००.०० लाख इतकी होती. अशाप्रकारे २ योजनांची मिळून एकूण मूळ तरतूद रु.९११.९८ लाख इतकी झाली. त्यापैकी रु.१८६.२९ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने रु.७२५.६९ लाख इतकी तरतूद खर्चासाठी उपलब्ध झाली. त्यापैकी रु.७२५.५२ लाख इतका खर्च झाल्याने रु.१७,०००/- इतकी बचत झाली आहे. सदर बचत ही मूळ तरतुदीशी तुलना करता अत्यत नगण्य आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण मान्य करुन सदर परिच्छेद वगळण्यात यावा ही विनंती. |
| टीपा व भाष्ये :-रिक्त पदे भरण्यात न आल्यामुळे शासकीय मुद्रणालयाकडून पुरातत्व शास्त्र वार्षिक अहवालाच्या मुद्रणाकरीता देयके प्राप्त न झाल्यामुळे, प्रवास खर्च कमी झाल्यमुळे, वेतने, दुरध्वनी, बीज व पाणीपट्टी आणि पेट्रोल यावर कमी खर्च झाल्यामुळे आणि देरकाडा येथील सिध्देश्वर मंदिराचे बांधकाम पूर्ण न झाल्याने मार्च, २०१४ मध्ये रु.१८६.२९ लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला आहे. | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| १२ | ८१३ | १०४ पुराभिलेख<br>१०४(०१)(०२)<br>पुराभिलेख कार्यालय व<br>(०१) ( ०३)<br>मूळ १२,९५,५९<br>पुनर्वि -१,७०,४८ | ११,२५,११ | ११,२१,९० | -३.२१ | सदर लेखाशिर्षाखाली दोन योजनांचा समावेश आहे. (रु. लाखात) |

| योजनेचे नांव | मूळ तरतूद | पुरक मागणी | एकूण तरतूद | प्रत्यार्पित तरतूद | एकूण अंतिम तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | बचत/ अधिक खर्च |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ (४-५) | ७ | ८ (६-७) |
| पुराभिलेख आस्थापना (२२०५ १७९५) | रु.५९५.५९ | -- | रु.५९५.५९ | रु.२५.७८ | रु.५६९.८१ | रु.५६६.६० | रु. (-) ३.२१ |
| पुराभिलेख अभिलेख्याचे संगणकीकरण २२०५१८०१ | रु.७००.०० | ---- | रु.७००.०० | रु. १४४.७० | रु.५५५.३० | रु. ५५५.३० | निरंक |
| एकूण | रु.१२९५.५९ | ---- | रु.१२९५.५९ | रु.१७०.४८ | रु.११२५.११ | रु.११२१.९० | रु. (-) ३.२१ |

सदर लेखाशिर्षाखाली एकूण २ योजना असून त्यापैकी पुराभिलेख कार्यालय (२२०५ १७९५) या योजनेतर योजनेखाली मूळ तरतूद रु.५९५.५९ लाख व पुराभिलेख कार्यालय (२२०५ १८०१) या योजनांतर्गत योजनेखाली मूळ तरतुद रु.७००.०० लाख इतकी होती. अशाप्रकारे २ योजनांची मिळून एकूण मूळ तरतूद रु.१२९५.५९ लाख इतकी झाली. त्यापैकी रु.१७०.४८ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने रु.११२५.११ लाख इतकी तरतूद खर्चासाठी उपलब्ध झाली. त्यापैकी रु.११२१.९० लाख इतका खर्च झाल्याने रु.३.२१ लाख इतकी बचत झाली आहे. सदर बचत ही योजनेतर योजनेखाली आस्थापना योजनेमध्ये झालेली आहे. वैद्यकीय देयक तसेच काही वस्तुंची खरेदी करण्याचे देयक तसेच बीज, पाणी व दुरध्वनी या उद्दिष्टाखाली देयके खर्ची न पडल्याने रु.३.२१ लाखाची बचत झाली आहे. मूळ तरतुदीशी तुलना करता बचतीची टक्केवारी ०.२४% इतकी नगण्य आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण मान्य करुन सदर परिच्छेद वगळण्यात यावा ही विनंती.

वित्त विभागाकडून केवळ ८०% इतकेच अनुदान देण्यात आल्याने व वैद्यकीय देयके, सामुग्री व पुरवठा, प्रवास खर्च, संगणक खर्च यावर कमी खर्च झाल्याने आणि पूर्ण झालेल्या पुराभिलेख अभिलेख्यांची केवळ स्कॅनिंग व मायक्रोफिल्मिंग या मर्यादेपर्यंत देयके मंजूर झाल्यामुळे मार्च २०१४ मध्ये रु.१७०.४८ लाखाचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला आहे.

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| १३ * | ८१३ | १०२ कला व संस्कृती प्रचालन<br>१०२ (०३) (०७)<br>मराठी चित्रपट निर्मितीकरीता सहाय्यक अनुदान<br>मूळ ५,००,००<br>पुनर्वि. - १,२०,००<br>या योजनेच्या पुनर्निरिक्षणानंतर चित्रपटाच्या तपासणीचे काम पूर्ण न झाल्याने चित्रनगरी महामंडळाकडून प्रस्ताव प्राप्त न झाल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.१२०.०० लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | ३,८०,०० | ३,८०,०० | — | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु. ५००.०० लाख इतकी होती. तथापि, सदर योजनेमधून रु.१२०.०० लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.३८०.०० लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतुद रु.३८०.०० लाख पूर्णत: खर्च झाल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. तरी सदरचे स्पष्टीकरण लक्षात घेऊन सदर परिच्छेद कृपया वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| १४ | ८१३ | १०२ कला व संस्कृती प्रचालन<br>१०२ (०३) (०१)<br>मराठी चित्रपट महोत्सव<br>मूळ १,९३.००<br>पुनर्वि. — ९१.२७<br>राज्यातील अवर्षण परिस्थितीमुळे चित्रपट महोत्सव पारितोषिक समारंभाचे साधेपणाने आयोजन करण्यात आल्याने झालेल्या बचतीमुळे (रु.४१.७७ लाख) आणि १०२ (०२) (०१) नृत्य नाटक, तमाशा व संगीत या योजनेकरीता निधी वळविण्यात आल्यामुळे (रु.४९.५० लाख) यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये प्रत्यार्पण / पुनर्विनियोजन याद्वारे रु.९१.२७ लाखाचा निधी काढण्यात आला. | १,०१.७३ | १,०१.२३ | - ०.५० | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.१९३.०० लाख इतकी होती. मूळ तरतुदीपैकी रु.९१.२७ लाख इतका निधी समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.१०१.७३ लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. त्यापैकी रु.१०१.२३ लाख इतका खर्च झाल्याने रु.५०,०००/- इतकी बचत झाली. सदर बचत अत्यंत नगण्य असून मूळ तरतुदीशी तुलना करता ती ०.२५% इतकी आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण मान्य करुन सदर परिच्छेद वगळण्यांत यावा ही विनंती. |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| १५ | ८१३ | १०२ कला व संस्कृती प्रचालन<br>१०२(०३)(०५)<br>उत्कृष्ट चित्रपट निर्मात्यांना सहाय्यक अनुदान<br>मूळ ५०.००<br>पुरक ९३.८७<br>पुनर्वि. — ८०.०३ | ६३.८४ | ६३.८४ | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.५०.०० लाख इतकी होती. तथापि, पुरक मागणीद्वारे रु.९३.८७ लाख इतका निधी प्राप्त झाल्याने एकूण तरतूद रु.१४३.८७ लाख इतकी झाली. त्यापैकी रु.८०.०३ लाख इतका निधी समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.६३.८४ लाख इतकी तरतूद उपलब्ध होती. उपलब्ध तरतूद रु.६३.८४ लाख पूर्णपणे खर्ची पडल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने स्पष्टीकरण देण्याचा प्रश्न उदभवत नाही. |
| चित्रपट परिक्षण समितीने प्रस्तावित केलेल्या बदलामुळे लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे यांच्या जीवनावर चित्रपट निर्मिती करण्यासाठी दुस-या हप्त्याचे प्रदान करण्यात न आल्यामुळे (रु.५०.०० लाख) आणि यापुर्वी वाटप केलेल्या निधीवर पुरेशा प्रमाणात व्याज उपलब्ध झाल्याने यशवंतराव चव्हाण यांच्या जीवनावरील चित्रपटाच्या निर्मितीसाठी मिळविलेल्या पुरक अनुदानाच्या भागाचा वापर न केल्यामुळे (रु.३०.०३ लाख) मार्च, २०१४ मध्ये रु.८०.०३ लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | |
| १६ | ८१४ | १०७,वस्तुसंग्रहालये<br>१०७,(०१) (०१)<br>शासकीय वस्तुसंग्रहालये<br>मूळ ३,१७.४०<br>पुनर्वि. — ५७.२५ | २,६०.१५ | २,६०.१५ | -- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु. ३१७.४० लाख इतकी होती. तथापि, रु.५७.२५ लाख इतका निधी समर्पित केल्याने खर्चासाठी उपलब्ध तरतूद रु.२६०.१५ लाख इतकी झाली. उपलब्ध तरतूद रु.२६०.१५ लाख पूर्णपणे खर्च झाल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने स्पष्टीकरण देण्याचा प्रश्न उदभवत नाही. |
| रिक्त पदे न भरल्यामुळे वेतन शिर्षाखाली झालेल्या बचतीमुळे आणि कमी मागणीमुळे कार्यालयीन खर्च, दुरध्वनी, वीज व पाणीपट्टी आणि व्यावसायिक सेवा या शिर्षाखाली बचत यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.५७.२५ लाखाचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला आहे. | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| १७ | ८१४ (१७) | १०२, कला व संस्कृती यांचे प्रचालन<br>१०२ (०१) (०३)<br>भारतरत्न पं. भीमसेन जोशी शास्त्रीय संगीत प्रोत्साहन योजना<br>मूळ ७०.००<br>पुनर्वि. — ४५.०१ | २४.९९ | २४.१२ | - ०.८७ | सदर योजनेखाली मूळ तरतूद रु.७०.०० लाख इतकी होती. त्यापैकी रु.४५.०१ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.२४.९९ लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.२४.९९ लाख पैकी रु.२४.१२ लाख इतका निधी खर्च झाल्याने रु.८७,०००/- इतकी बचत झाली. मूळ तरतुदीशी बचतीची तुलना करता सदर बचत ही १.२४% इतकी नगण्य आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण लक्षात घेता सदर परिच्छेद वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| वित्त विभागाकडून केवळ ८०% इतकाच निधी देण्यात आल्यामुळे तसेच निवडणूक आचारसंहितेमुळे या योजनेखाली खाजगी नोंदणीकृत संस्थांना निधी देण्यात न आल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.४५.०१ लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला आहे. | | | | | | |
| १८ | ८१४ (१८) | कला व संस्कृति प्रचालन<br>१०२ (०३) (०६)<br>आंतरराष्ट्रीय चित्रपट महोत्सव<br>मूळ १.५०.००<br>पुनर्वि. — ४५.०० | १.०५.०० | १.०५.०० | ----- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.१५०.०० लाख इतकी होती. मूळ तरतुदीपैकी रु.४५.०० लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.१०५.०० लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.१०५.०० लाख इतकी पूर्णपणे खर्ची पडल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने स्पष्टीकरण देण्याचा प्रश्न उदभवत नाही. |
| अपूर्ण प्रस्ताव प्राप्त झाल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.४५.०० लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| १९ | ८१४ | १०२, कला व संस्कृती यांचे प्रचालन १०२ (०२) (०१) व (०२) (०२) राज्य नृत्य, नाटय, तमाशा व संगीत महोत्सव मूळ ५,६२.५७ पुनर्वि. – ३४.८२ | ५,२७.७५ | ५,००.९८ | - २६.७७ | सदर लेखाशिर्षामध्ये दोन योजनांचा समावेश आहे. |

| योजनेचे नांव | मूळ तरतूद | पुनर्वि. | एकूण तरतूद | प्रत्यार्पित तरतूद | एकूण अंतिम तरतूद | प्रत्यक्ष खर्च | बचत/ अधिक खर्च |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ (४-५) | ७ | ८ (६-७) |
| हौशी नाटयस्पर्धाचे आयोजन करणे (२२०५ १४९२) | रु.१६२.५७ लाख | रु.४९.५० लाख | रु. २१२.०७ लाख | ० | रु. २१२.०७ लाख | रु. १९५.७७ लाख | रु.१६.३० लाख |
| लोकोत्सव, जिल्हा सांस्कृतिक महोत्सव, सप्तरंग व इतर महोत्सवांचे आयोजन करणे (२२०५ १५०७) | रु.४००.०० लाख | ० | रु.४००.०० लाख | रु.८४.३२ लाख | ३१५.६८ लाख | रु.३०५.२१ लाख | रु.१०.४७ लाख |
| एकूण | रु.५६२.५७ लाख | रु.४९.५० लाख | रु.६१२.०७ लाख | रु.८४.३२ लाख | रु.५२७.७५ लाख | रु.५००.९८ लाख | रु.२६.७७ लाख |

उपरोक्त तक्त्यानुसार याखाली २ योजना समाविष्ठ आहेत. याबाबतची आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याप्रकरणी उपरोक्त २ योजनांखाली मिळून एकूण रु.२६.७७ लाख बचत झाली असून सदर बचत ही लेखाशिर्ष २२०५ १५०७ अंतर्गत जिल्हा सांस्कृतिक महोत्सव उपक्रमाखाली सन २०१३-१४ मध्ये जिल्हा सांस्कृतिक महोत्सवासाठी गोंदिया, भंडारा व रत्नागिरी

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | यांना अंतरीत केलेली रक्कम प्रत्यार्पित केल्याने व लोकोत्सव कार्यक्रमाची अखर्चित रक्कम शासन जमा केल्याने बचत तसेच २२०५ १४९२ लेखाशीर्षाखालील मूळ रक्कमेपैकी उर्वरित १०% रक्कम वित्त विभागाने वितरीत केल्यानंतर खर्ची न पडल्याने रु.२६.७७ लाखाची बचत झाली आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण मान्य करुन सदर परिच्छेद वगळण्यांत यावा. |
| वित्त विभागाकडून केवळ ८०% इतकाच निधी देण्यात आल्यामुळे आणि निवडणूक आचारसंहितेमुळे जिल्हाधिकारी, वर्धा यांच्याकडून सांस्कृतिक महोत्सवाचे आयोजन करण्यात न आल्याने मार्च, २०१४ मध्ये प्रत्यापर्णाद्वारे काढण्यात आलेला रु.३४.८२ लाखाचा निधी रु.२६.७७ लाख इतकी अंतिम बचत लक्षात घेता अपुरा असल्याचे सिध्द झाले. त्याबाबतची कारणे मागवूनही कळविण्यात आलेले नाही. (ऑगस्ट, २०१४) | | | | | | |
| २० | ८१४ | १०२, कला व संस्कृती यांचे प्रचालन<br>१०२ (०१) (०४)<br>राज्य सांस्कृतिक निधी<br>मूळ ५०.००<br>पुनर्वि. — २५.००<br>(12) | २५.०० | २५.०० | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.५०.०० लाख इतकी होती. मूळ तरतुदीपैकी रु.२५.०० लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.२५.०० लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.२५.०० लाख पूर्णपणे खर्ची पडल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने स्पष्टीकरण देण्याचा प्रश्न उदभवत नाही. |
| वित्त विभागाद्वारे निधीकडे केवळ ५०% इतकेच अनुदान मंजूर केल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.२५.०० लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |
| २१ | ८१५ | १०२,कला व संस्कृती प्रचालन<br>१०२ (०५) (०१)<br>कला व सांस्कृतिक संस्थांना सहाय्यक अनुदान<br>मूळ १,००.००<br>पुनर्वि. — २२.९१ | ७७.०९ | ७७.०९ | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.१००.०० लाख इतकी होती. त्यापैकी रु.२२.९१ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.७७.०९ लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.७७.०९ लाख पूर्णपणे खर्ची पडल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने स्पष्टीकरण देण्याचा प्रश्न उदभवत नाही. |
| सांस्कृतिक संस्थांना व नाट्यनिर्मितीकरिता देण्यासाठी सहाय्यक अनुदानाच्या वाटपाकरीता निश्चित करण्यात आलेल्या प्रमाणकानुसार अनेक संस्था अपात्र ठरल्याने मार्च, २०१४ मध्ये रु.२२.९१ लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| २२ | ८४ (13) | कला व संस्कृती प्रचालन १०२ (०४) (०१) इतर महोत्सव<br>मूळ १,२६.००<br>पुनर्वि. — २२.४० | १,०३.६० | १,०२.८५ | - ०.७५ | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.१२६.०० लाख इतकी होती. त्यापैकी रु.२२.४० लाख इतका निधी समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.१०३.६० लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.१०३.६० लाखापैकी रु.१०२.८५ लाख इतका खर्च झाल्याने रु.७५,०००/- इतकी बचत झाली आहे. मूळ तरतुदीशी बचतीच्या तरतुदीची तुलना करता सदर बचत ही ०.५९% इतकी नगण्य बचत आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण मान्य करुन परिच्छेद वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| मुख्यत्वे करुन २०१३-१४ मध्ये महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार जाहीर न झाल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये प्रत्यार्पण / पुनर्विनियोजन याद्वारे रु.२२.४० लाखाचा निधी काढण्यात आला. | | | | | | |
| २३ | ८१५ | कला व संस्कृती प्रचालन, १०१ (०१) (०२) शाहिरी व किर्तन यांचे चर्चासत्र समायोजित करणे<br>मूळ ३८.००<br>पुनर्वि. — १९.६६ | १८.३४ | १८.३४ | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतुद रु.३८.०० लाख इतकी होती. त्यापैकी रु.१९.६६ लाख इतकी तरतूद समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.१८.३४ लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.१८.३४ लाख पूर्णपणे खर्ची पडल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने सदर आक्षेप वगळण्यात यावा ही विनंती. |
| विद्यापीठ स्तरावर प्रशिक्षण शिबीर आयोजित करण्यात न आल्यामुळे आणि निवडणूक आचारसंहितेमुळे लोकप्रतिनिधीकरीता सांस्कृतिक क्षेत्रातील प्रशिक्षण आयोजित न करण्यात आल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.१९.६६ लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |
| २४ | ८१५ | १०२ कला व संस्कृती यांचे प्रचालन १०२ (०२) (०५) व्यावसायिक नाटय स्पर्धा भरविणे<br>मूळ ४०.००<br>पुनर्वि. — १६.७९ | २३.२१ | २३.२१ | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.४०.०० लाख इतकी होती. त्यापैकी रु. १६.७९ लाख इतकी रक्कम समर्पित करण्यात आल्याने खर्चासाठी रक्कम रु. २३.२१ लाख इतकी उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.२३.२१ लाख पूर्णपणे खर्च झाल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक असून सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने सदर आक्षेप वगळण्यात यावा ही विनंती. |
| व्यावसायिक नाटयस्पर्धामध्ये कमी संस्था सहभागी झाल्याने खर्च कमी झाल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.१६.७९ लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ.क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| २५ | ८१५ (16) | ८०० इतर खर्च<br>८०० (०२) (०१) मौल्यवान कलाकृती व पुरातन वस्तू याबाबत अधिनियम १९७२<br>मूळ २७.४७<br>पुनर्वि. — १६.५६ | १०.९१ | १०.९२ | + ०.०१ | सदर योजनेखाली मूळ तरतूद रु. २७.४७ लाख इतकी होती. त्यापैकी रु. १६.५६ लाख इतका निधी समर्पित करण्यात आल्याने खर्चासाठी उपलब्ध तरतूद रु. १०.९१ लाख इतकी होती. उपलब्ध तरतूद रु.१०.९१ लाखापेक्षा रु.१,०००/- ने खर्च जास्त आहे. उपलब्ध तरतुदीपेक्षा झालेला अधिकचा खर्च हा ०.०३% इतका नगण्य असल्याने सदर स्पष्टीकरण लक्षात घेऊन सदर परिच्छेद वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| राज्य पुराभिलेख मंडळ यांच्याकडून अनुदानाची मागणी न आल्यामुळे आणि या योजनेखाली ४ पदे रिक्त राहिल्याने मार्च, २०१४ मध्ये रु.१६.५६ लाख इतका निधी परत करण्यात आला. | | | | | | |
| २६ | ८१६ | १०२, कला व संस्कृती यांचे प्रचालन १०२ (०१) (०५) कोल्हापूर चित्रनगरी महामंडळास व्यवस्थापन अनुदान<br>मूळ ६६.१२<br>पुनर्वि. — १३.२२ | ५२.९० | ५२.८९ | - ०.०१ | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.६६.१२ लाख इतकी होती. त्यापैकी रु.१३.२२ लाख इतका निधी समर्पित केल्याने खर्चासाठी रु.५२.९० लाख इतकी तरतूद उपलब्ध झाली. उपलब्ध तरतूद रु.५२.९० लाखापैकी रु.५२.८९ लाख इतका खर्च झाल्याने रु.१,०००/- इतकी बचत झाली आहे. मूळ तरतुदीशी बचतीच्या तरतुदीची तुलना करता सदर बचत ही ०.०१% इतकी नगण्य बचत आहे. तरी सदर स्पष्टीकरण मान्य करुन परिच्छेद वगळण्यात यावा, ही विनंती. |
| वित्त विभागाकडून केवळ ८०% इतकाच निधी देण्यात आल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रु.१३.२२ लाख इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. | | | | | | |
| २७ | ८१६ (15) | १०२ कला व संस्कृती प्रचालन<br>१०२ (०३) (०४) उत्कृष्ट मराठी नाटकांचे पुराभिलेख<br>मूळ १,००,००<br>पुनर्वि - १,००,००<br>समितीने या योजनेखाली प्रमाणके निश्चित न केल्यामुळे रु.१००,०० लाखाची संपूर्ण तरतूद वापर न होताच शिल्लक राहिली आणि मार्च, २०१४ मध्ये प्रत्यार्पित करण्यात आली. | --- | --- | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु. १००.०० लाख इतकी होती. त्यापैकी रु.१००,०० लाख इतका निधी समर्पित करण्यात आल्याने सदर लेखाशिर्षाखाली अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून यादिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने सदर आक्षेप वगळण्यात यावा ही विनंती. |

| महालेखापालांचे अभिप्राय | | | | | | विभागीय स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र | पृष्ठ क्र. | लेखाशीर्ष | एकूण अनुदान रुपये | प्रत्यक्ष खर्च रुपये | अधिक (+) बचत (-) रुपये | कमी/जादा खर्चाचे सविस्तर स्पष्टीकरण |
| २८ | ८१६ | कला व संस्कृती प्रचालन<br>१०१ (०५) (०१) अभिनय कलाक्षेत्रात उल्लेखनीय कार्याबद्दल पारितोषिके<br>मूळ १६.४८<br>पुनर्वि. ५.१४ | २१.६२ | २१.६२ | --- | सदर लेखाशिर्षाखाली मूळ तरतूद रु.१६.४८ लाख इतकी होती. तथापि, इतर महोत्सव (२२०५ १६०५) या योजनेतर योजनेमधुन रु. ५.१४ लाख इतकी रक्कम सदर योजनेमध्ये पुनर्विनियोजित केल्याने एकूण तरतूद रु. २१.६२ लाख इतकी झाली. एकूण उपलब्ध तरतूद रु.२१.६२ लाख पूर्णपणे खर्च झाल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत निरंक आहे. तरी, सदर आकडेवारी महालेखापाल कार्यालयाशी जुळत असून याठिकाणी कोणताही आक्षेप महालेखापाल कार्यालयाने नोंदविला नसल्याने सदर आक्षेप वगळण्यात यावा ही विनंती. |
| पुरस्कार, पदके यावरील खर्चाकरिता आणि ११ कलाकारांकरिता राज्य सांस्कृतिक पुरस्काराचे आयोजन करण्याबाबतच्या खर्चाकरिता असलेल्या अप्रु-या अर्थसंकल्पिय तरतुदीमुळे मार्च, २०१४ मध्ये पुनर्विनियोजनाद्वारे रु.५.१४ लाख एवढया अतिरिक्त निधी तरतूद करण्यात आली. | | | | | | |

**साक्ष :-**

**८.१** अनुदान झेड डी- ०२ क्रमाकांच्या संदर्भात अधिक माहिती जाणून घेण्यासाठी समितीच्या दिनांक २७ फेब्रुवारी, २०१७ रोजीच्या बैठकीत प्रधान सचिव, पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभाग व इतर विभागीय प्रतिनिधींची साक्ष घेतली. परिच्छेद क्रमांक झेड डी-०२ च्या अनुषंगाने पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभागाच्या प्रधान सचिवांची साक्ष घेतली. मुख्यलेखाशीर्ष २२०५ कला व संस्कृती याबाबत प्रधान सचिवांनी समितीला माहिती द्यावी. या संदर्भात माहिती देताना विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, शासकीय प्रेक्षागृहे व सभागृहे याकरिता मूळ तरतूद रुपये १०५०.२३ लाख असून, रुपये १९७.११ लाख इतका खर्च झाला असून उर्वरित तरतूद रुपये ८५३.८० लाख समर्पित केल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत असल्याचे दिसून येत आहे. जिल्हा मुख्यालयामध्ये नाट्यगृहाची योजना आहे. याकरिता जिल्हाधिकारी यांच्याकडून प्रस्ताव येणे अपेक्षित आहे. प्रस्ताव कमी आल्यामुळे रक्कम समर्पित केल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत असल्याचे दिसून येत आहे. सदर योजनेंतर्गत नंदूरबार जिल्ह्यामध्ये नाट्यगृह पूर्ण करण्यात आले आहे. १४ जिल्ह्यातील नाट्यगृहांची कामे अपूर्ण आहेत. इतर ७-८ जिल्ह्यांमध्ये नाट्यगृहांची कामे प्रगतीपथावर आहेत. जोपर्यंत परिपूर्ण प्रस्ताव येत नाहीत, तोपर्यंत विभागाला त्या वर्षी खर्च करणे शक्य होत नाही. त्यामुळे उर्वरित तरतूद रुपये ८५३.८० लाख समर्पित केल्याने अधिकचा खर्च अथवा बचत असल्याचे दिसून येत आहे.

एक नाट्यगृह पूर्ण केले आहे आणि १४ जिल्ह्यातील नाट्यगृहांची कामे अपूर्ण असल्याबाबतची माहिती विभागीय सचिवांनी दिलेली आहे. कोणत्याही नाट्यगृहाचे काम ४ कोटी रुपयांमध्ये पूर्ण होत नाही, हे त्याचे मूळ कारण आहे. ४ कोटी रुपये तरतुदीचा निर्णय २००२ मध्ये झालेला असावा. डीएसआर तीन वेळा झालेला आहे. त्यामुळे नाट्यगृहांची कामे अपूर्ण राहिलेली आहेत. यवतमाळ जिल्ह्यातील नाट्यगृहाचे काम गेल्या १० वर्षापासून अपूर्ण आहे. माननीय मुख्यमंत्र्यांनी वैशिष्टय पूर्ण योजनेतून वाशिम जिल्ह्यातील नाट्यगृहासाठी निधी दिल्यामुळे काम पूर्ण झालेले आहे. गोंदिया जिल्ह्यातील नाट्यगृहासाठी विशेष बाब म्हणून निधी दिल्यामुळे ते काम पूर्ण झालेले आहे. कोणत्याही नाट्यगृहाचे काम ४ कोटी रुपयांमध्ये पूर्ण होत नसल्यामुळे त्यामध्ये अधिक वाढ करण्याची आवश्यकता असून, त्यासंदर्भात विभागाने विचार करण्याची गरज आहे. १४ नाट्यगृहे कोणत्या कारणास्तव अपूर्ण राहिलेली आहेत, त्याबाबत पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभागाने विचार करण्याची आवश्यकता आहे. एखादी योजना पूर्णत्वास नेली तर ठीक आहे, अन्यथा त्या योजनेचा काहीच फायदा होत नाही. यासंदर्भात अभ्यास करुन प्रस्ताव सादर करणे आवश्यक आहे. तसेच काही ठिकाणी आणखी १ ते २ कोटी रुपये देऊन नाट्यगृहांची कामे पूर्ण केली जातील काय, असा देखील विचार करण्याची आवश्यकता आहे. ही बाब समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून दिली. यासंदर्भात अधिक खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी समितीला अशी माहिती दिली की, विभागाकडून ३.८० लाख रुपये दिले जातात आणि नगरपालिकेला ५ टक्के हिस्सा द्यावा लागतो. गोंदिया, वाशिम, चंद्रपूर, रायगड येथील नाट्यगृहांची कामे प्रगतीपथावर आहेत. सिंधुदुर्ग आणि परभणी जिल्ह्यातील नाट्यगृहांची कामे सुरु झालेली नाहीत. लातूर आणि हिंगोली जिल्ह्यातील नाट्यगृहांची कामे बंद पडलेली आहेत. बीड, उस्मानाबाद, धुळे, अहमदनगर आणि बुलडाणा जिल्ह्यातून माहिती आलेली नाही आणि त्या ठिकाणी निधी दिलेला आहे. तसेच उर्वरित जिल्ह्याकडून प्रस्ताव आलेले नाहीत.

वाशिम जिल्ह्यातील अशी बाब निदर्शनास आली की, रुपये ९.५० कोटी इतक्या किंमतीचे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले होते. ३.८० लाख रुपयांचा निधी विभागाने दिला होता. माननीय मुख्यमंत्र्यांकडून वैशिष्टयपूर्ण योजनेतील निधी मिळविल्यानंतर नाट्यगृहाचे काम सुरु झाले होते. अद्यापही नाट्यगृहाचे काम पूर्ण करण्यासाठी एक ते दीड कोटी रुपयांच्या निधीची आवश्यकता आहे. सदरहू योजनेबाबत विभागाने विचार करुन पुढील कार्यवाही करण्याची आवश्यकता आहे तसेच सचिवांनी राज्यातील सर्व रंगभवन आणि नाट्यगृहांचा आढावा घेऊन पुढील कार्यवाही करणे अभिप्रेत असून वाशिम जिल्ह्यातील नाट्यगृहाचे काम करण्यासाठी संबंधित लोकप्रतिनिधी आवश्यक तेवढी तरतूद करुन काम पूर्ण करुन घेण्याचा प्रयत्न करतात आणि कोणत्याही नाट्यगृहाचे काम ४ कोटी रुपयांमध्ये पूर्ण होणे शक्य नसते त्यामुळे निधीमध्ये आवश्यक तेवढी वाढ करण्याची आवश्यकता आहे. विभागीय सचिवांनी अपूर्ण नाट्यगृह एका वर्षात होतील, या दृष्टीने कार्यवाही करावी तसेच काही कामे पुढील वर्षी हाती घेतली जातील अशा प्रकारे नियोजन करण्याची आवश्यकता आहे. प्रत्येक जिल्ह्यात नाट्यगृह असले पाहिजे ही सरकारची बांधीलकी असून, त्यासंदर्भात प्रशासकीय निर्णय आहे. नाट्यगृहांची कामे पूर्ण करण्यासाठी विभागाने एक मास्टर प्लॅन तयार करण्याची आवश्यकता आहे. या आर्थिक वर्षाच्या काळात एवढी नाट्यगृहे पूर्ण केली जातील तसेच नाट्यगृहासाठी पुरवणी मागणी घेऊन अशाप्रकारे विभागाने नियोजन करून काम पूर्ण करण्याची आवश्यकता आहे. ही बाब समितीने विभागीय सचिवांच्या निदर्शनास आणून दिली. यासंदर्भात विभागास आवश्यक ती कार्यवाही करण्याचे निदेश दिल्यावर विभागाकडून प्राप्त झालेल्या लेखी माहितीमध्ये असे नमूद केले आहे की, विभागाच्या दिनांक २९.०६.२०१६ च्या शासन निर्णयानुसार जिल्हा मुख्यालयी नाट्यगृह बांधकामाची योजना निश्चित करण्यात आली आहे. या योजनेनुसार प्रत्येक जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा नाट्यगृह बांधकामासाठी नियंत्रक अधिकारी असून त्यांनी

पाठविलेल्या नाट्यगृह बांधकामाच्या अंदाजपत्रक व आराखड्यास मान्यता देऊन शासनाच्या हिश्श्याचा निधी वितरीत करण्यात येतो. यासाठी पुरेशी अर्थसंकल्पित तरतूद करण्यात येते. त्यामुळे निधी अभावी कोणत्याही नाट्यगृहाचे बांधकाम अपूर्ण राहिलेले नाही. नाट्यगृह बांधकामासाठी जागेची अनुपलब्धता व नाट्यगृह बांधकाम विहित मुदतीत पूर्ण करण्याकडे स्थानिक यंत्रणेची असलेली अनास्था यामुळे नाट्यगृहाचे बांधकाम विहित मुदतीत पूर्ण होत नाही ही वस्तुस्थिती आहे. त्यामुळे नाट्यगृह पुर्ण करण्यासाठी स्थानिक यंत्रणांकडे पाठपुरावा करण्यात येत आहे.

अंदाजपत्रक तयार केल्यानंतर प्रत्यक्षात ज्यावेळी कामाला सुरुवात होते त्यावेळी खर्चामध्ये प्रचंड वाढ झालेली असते त्यामुळे नाट्यगृहाचे काम पूर्ण होत नाही, ही वस्तुस्थिती आहे. गोंदिया जिल्ह्यात विशेष बाब म्हणून निधी दिल्यामुळे तेथील नाट्यगृहाचे काम पूर्ण झालेले आहे. तसेच गोंदिया जिल्ह्यात अधिकचा निधी देऊन सुध्दा नाट्यगृहाचे काम पूर्ण झालेले नाही. श्री. शशी प्रभू सारखा नामवंत आर्किटेक्ट आहे. निधी उपलब्ध आहे. शासनाने सदरहू कामासाठी आतापर्यंत ५ कोटी रुपये उपलब्ध करुन दिलेले आहेत. मागील २ वर्षापासून निधीची मागणी केलेली नाही. निधी दिला म्हणजे काम पूर्ण होते असे काही नाही. एस्टीमेट झाल्यानंतर प्रत्यक्षात कामाला ज्यावेळी सुरुवात होते त्यावेळी खर्चामध्ये प्रचंड वाढ होते. परिणामी त्याचा भूर्दंड शासनाला किंवा नगरपालिकेला सोसावा लागतो. त्यामुळे विभागाने यासंदर्भात आढावा घेण्याची आवश्यकता आहे. केवळ निधी देणे हे विभागाचे काम आहे काय ? अशी समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी असा खुलासा केला की, सद्यःस्थितीत सर्व्हे करण्याची कामे सुरु केलेली आहेत. तसेच नाट्यगृहांची कामे पूर्ण करण्यासाठी विभागाकडून आवश्यक तो पाठपुरावा करण्यात येत आहे.

१४ नाट्यगृहांपैकी केवळ एक नाट्यगृह पूर्ण झालेले आहे. उर्वरित ठिकाणी नगरपालिकेने निधी न दिल्यामुळे किंवा इतर कारणांमुळे नाट्यगृहे पूर्ण झालेली नसावीत. त्यामुळे नाट्यगृहांची कामे पूर्ण करण्यासाठी विभागाने वेळोवेळी पाठपुरावा करुन पुढील कार्यवाही करणे अपेक्षित आहे. १४ नाट्यगृहांपैकी केवळ एकच नाट्यगृह पूर्ण झालेले आहे आणि उर्वरित नाट्यगृहांची कामे पूर्ण करण्यासाठी विभागाने कोणते नियोजन केलेले आहे. तसेच १३ नाट्यगृहांची कामे अपूर्ण असून त्याची कारणे काय आहेत, यासंदर्भातील समितीला अहवाल देण्याची सूचना विभागास करण्यात आली होती त्यानुसार प्राप्त झालेल्या अहवालामध्ये असे नमूद करण्यात आले आहे की, १४ नाट्यगृहांपैकी बीड, नंदुरबार, धुळे व उस्मानाबाद या नाट्यगृहांचे काम पुर्ण झाले असून उर्वरित १० नाट्यगृहांच्या सद्यःस्थितीचा अहवाला सोबतच्या **'परिशिष्ट - अ'** नुसार सादर करण्यात येत आहे. **(विवरणपत्र क्र. .....)**

प्रत्येक नगरपालिकेकडून नवीन वास्तुविशारद नेमला जातो. त्यानंतर केवळ ५ ते ६ टक्के खर्च नाट्यगृहासाठी केला जातो. महाराष्ट्रातील नामवंत वास्तु विशारदाकडून नाट्यगृहासंदर्भात एक चांगले मॉडेल तयार करण्याची आवश्यकता आहे. त्यामुळे प्रत्येक वेळी नगरपालिकेला निविदा मागविण्यासाठी जो पैसा खर्च होत आहे, त्यामध्ये बचत होण्यास मदत होणार आहे. तसेच गोंदिया जिल्ह्यातील नाट्यगृहासाठी नामवंत श्री. शशी प्रभू यांनी अतिशय चांगले मॉडेल तयार केलेले आहे. त्यांनी संपूर्ण नाट्यगृह वातानुकूलीत, ९०० लोकांची बसण्याची व्यवस्था, रंगमंच, तसेच सिनेमाच्या धर्तीवर प्रोजेक्टरची आवश्यक ती व्यस्था केलेली आहे. अशा प्रकारे बांधकाम केले जात असून, त्या दृष्टिकोनातून विभागाने विचार करण्याची आवश्यकता आहे. अशा प्रकारचे मॉडेल तयार केल्यानंतर निधीसाठी तरतूद करणे शक्य होणार आहे. ते काम नामवंत वास्तुविशारदाने केलेले आहे. या दृष्टिकोनातून विचार करावा, अशी समितीने सूचना केली.

नगरपालिकेला निधी दिला जातो. परंतु, निधी खर्च होत नाही. तो विनावापर पडून राहतो. त्यामुळे नगरपालिकेने जागा आणि मॉडेल देण्याची आवश्यकता आहे. यासाठी वेगळे अकाऊंट करण्याची गरज आहे. त्यानंतर त्यांच्याकडून आवश्यक तो हिस्सा घेऊन सार्वजनिक बांधकाम विभागाला काम देण्याची आवश्यकता आहे. सदरहू काम पूर्ण केल्यानंतर नगरपालिकेकडे हस्तांतरित करावे, तसेच अकोला जिल्ह्यात ३० कोटी रुपयांमध्ये एक नाट्यगृह मंजूर करण्यात आलेले आहे. १५ कोटी रुपयांचा हिस्सा दिलेला आहे. ही केस अत्यंत विचित्र आहे. नाट्यगृहासाठी ३० कोटी रुपयांचे अंदाजपत्रक मंजूर केलेले असून, प्रत्यक्षात ते काम १५ कोटी रुपयांमध्ये पूर्ण होणार आहे. असा प्रकार होऊ नये या दृष्टिकोनातून विभागाने योग्य ती काळजी घेण्याची आवश्यकता आहे. त्यांनी १५ कोटी रुपये तरी हिस्सा दिलेला आहे किंवा कसे याची विभागाने तपासणी करण्याची आवश्यकता आहे. महानगरपालिकेचा ५० टक्के हिस्सा असताना १५ कोटी रुपये तरी दिलेले आहेत किंवा कसे याची तपासणी करण्याची आवश्यकता आहे. यावर विभागीय सचिवांनी चौकशी करण्यात येईल असे समितीला आश्वासित केले व त्यानुसार विभागाकडून आलेल्या लेखी माहिती मध्ये असे नमूद केले आहे की, अकोला नाट्यगृहासाठी रु.१५ कोटी वितरीत करण्यात आलेले नाहीत. या नाट्यगृहाकरीता रु. ५.०० कोटींचे अंदाजपत्रक व नकाशे महानगरपालिकेकडून प्राप्त झाले होते. तथापि, नाट्गृहाच्या जागेबाबत अद्याप निर्णय न झाल्याचे तसेच प्रस्तावात बदल केल्याचे महानगरपालिका, अकोला यांनी कळविले असून सुधारित प्रस्ताव विभागाकडे अद्याप अप्राप्त आहे.

जेवढा निधी नगरपालिका किंवा महानगरपालिका देणार आहे, तेवढाच निधी राज्य शासनाने दिला पाहिजे अशा प्रकारची व्यवस्था निर्माण करण्याची आवश्यकता आहे. तसेच पहिल्या प्रथम नगरपालिकेने त्यांचा पूर्ण हिस्सा दिला पाहिजे. शासनाकडून निधी वितरीत केला जातो परंतु त्यानंतर नगरपालिका त्यांचा हिस्सा देत नाही, अशी वस्तुस्थिती समितीच्या निदर्शनास आली आहे.

लेखाशीर्ष २२०५, कला व संस्कृती याअंतर्गत एकूण अनुदान १९६.४३ लाख व प्रत्यक्ष खर्च रु. १९७.०९ लाख झाला असून महालेखाकार कार्यालयाच्या नोंदीनुसार ६६ हजार रुपयांचा अधिकचा खर्च झालेला आहे, असे नोंदविले असून, त्याबाबत विभागाने खुलासा करावा असे समितीने सांगितले असता सदर मुद्दा हा जिल्ह्याच्या ठिकाणी नाट्यगृह बांधणे या योजनेतील नसून तो रंगभवन आस्थापनेशी संबंधित विषय आहे. अशी माहिती समितीला दिली.

विभागीय सचिवांनी समितीस असे अवगत केले की, जिल्हा मुख्यालयाऐवजी तालुका स्तरावर नाट्यगृह बांधणे हा विषय घेतला तर तो अधिक यशस्वी होण्यास मदत होणार आहे. तसेच सद्यःस्थितीमध्ये मुख्यालय स्तरावर खर्च केला जात आहे. सद्यःस्थितीत जागेबाबत मोठी अडचण आहे. यावर समितीने विभागीय सचिवांना अशी विचारणा केली की, तालुका स्तरावर किती खर्च अपेक्षित आहे ? आणि नगरपालिकेला विकास आराखड्यामध्ये आरक्षण असते. ई-क्लास जमीन प्रत्येक गावाजवळ आहे. प्रस्ताव आल्यानंतर केवळ कागदोपत्री मान्यता दिली जाते. कोणत्याही अधिका-यांनी साईटवर जाऊन व्हिजीट दिलेली नाही. यावर सचिवांनी असा खुलासा केला की, महाविद्यालयातील विद्यार्थ्यांना संपूर्ण राज्याचा सर्वेक्षण करण्याचे काम दिलेले आहे. त्यांनी प्रत्येक नाट्यगृहांचे सर्व्हे करुन त्याबाबत माहिती दिलेली आहे. सद्यःस्थितीत स्क्रुटीनीचे काम सुरु आहे.

विभागाकडून स्टॅण्डर्ड फॉर्मेटनुसार नाट्यगृहाचे काम केले जाते. आता ते कालबाह्य झालेले आहे. याकरिता विभागाने कोणते नियोजन केलेले आहे ? अशी विचारणा समितीने केली असता, सर्व्हे केल्यानंतर स्क्रुटीनी केली जाणार आहे आणि त्यानंतर रिकन्सीडर केला जाणार आहे. नवीन गाईड-लाईन्सप्रमाणे काम केले जाणार आहे असे विभागीय सचिवांकडून समितीला अवगत करण्यात आले

समितीने अशी विचारणा केली की, पुरातत्वशास्त्र राज्यातील ऐतिहासिक व सांस्कृतिकदृष्ट्या महत्वाचे किल्ले व धार्मिक स्थळे यांची देखभाल व संरक्षण संदर्भात विभागाने निधी खर्च का केलेला नाही ? दुर्लक्षित किल्ल्यासंदर्भात नेहमीच चर्चा होत असते. यासंदर्भात विभागाने खर्च का केलेला नाही ? यावर माहिती देताना विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, ३७१ संरक्षित स्थळे आहेत. त्यासाठी १२ कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आली होती. अहवाल वर्षात कंपनी आर्किटेक्ट समवेत एमओयु करावयाचा होता. एमओयु न झाल्याने पेमेंट त्या वर्षी देण्यात आले नव्हते. म्हणून रक्कम समर्पित झालेली नाही. याबाबत समितीने असे नमूद केले की, नियोजनानुसार निधी आरक्षित केला जातो. वर्षभर एमओयु होत नसेल तर लॅक ऑफ ॲडमिनिस्ट्रेशन आहे ही बाब समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून देताना नापसंती व्यक्त केली.

परंतु त्यावेळी आचारसंहिता असल्यामुळे खर्च करण्यात आला नव्हता. तसेच डायरेक्टर पुरातत्व यांच्या स्तरावर निविदा पूर्ण न झाल्यामुळे उशीर झालेला आहे. शासन स्तरावर मान्यता दिलेली आहे. निधी उशिराने प्राप्त होत असतो. पावसामुळे सप्टेंबर आणि ऑक्टोबर महिन्यात कामे घेता येत नाही. ऑक्टोबर नंतर कामाला सुरुवात होते. ही कामे स्पेशलाईज आहेत. त्या कामामध्ये सिमेंटचा वापर केला जात नाही. स्पेशलाईज लाईन लागते. त्यांचा सेटींग टाईम ४५ दिवसांचा आहे.

यावर समितीने असे नमूद केले की, विभागाने दिलेल्या लेखी स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात सांगितले आहे की, "मुख्यत्वेकरुन शासनाच्या सामंजस्य मसुदा ज्ञापनास २ वास्तुशास्त्र कंपन्यांकडून नकार मिळाल्यामुळे, सदर कंपन्यांना फी चे प्रदान न करण्यात आल्यामुळे मार्च, २०१४ मध्ये रुपये ५४३.९६ लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला". तसेच आर्किटेक्ट कंपनी मसुद्यावर स्वाक्षरी करण्यास तयार नव्हती. यासंदर्भात समितीने विचारणा केली असता साक्षीदरम्यान विभागीय सचिवांना माहिती देता आली नाही. परंतु समितीला अश्वासित केल्यानुसार लेखी खुलासा सादर करण्यात आला त्यामध्ये असे नमूद केले आहे की, वर्ष २०१३-१४ या आर्थिक वर्षात रु. १२.०० कोटी इतका निधी मंजूर झाला व रु. ५४३.९६ लक्ष इतका निधी व्यपगत झाला. सदर आर्थिक वर्षात एकूण १९ स्मारकांची कामे हाती घेण्यात आली. १२ स्मारकांची कामे मार्च अखेर पूर्ण झाली नाहीत तसेच २ निविदांना मंजूरी उशिरा मिळाल्यामुळे काम पूर्ण करता आले नाही. तसेच या योजनेतून १० वास्तुविशारदांच्या मानधनापोटी रु.८१,२२,४४४/- इतका निधी मंजूर झाला होता. त्यापैकी २ वास्तुविशारदांनी मानधन न स्वीकाराल्यामुळे रु. ३७,२३,८९३/- इतका निधी अखर्चित राहिला. तसेच राज्य संरक्षित स्मारकांच्या जतन-दुरुस्तीची कामे पुरातत्वशास्त्र संकेतानुसार मूळ स्थापत्य रचनेबरहुकूम गुणवत्तापूर्ण व दर्जेदार

व्हावीत यासाठी या कामात तज्ञ असलेल्या वस्तुविशारदांची नामिकासूची तयार केली आहे. कामाच्या आवश्यकतेनुसार नामिकासुचीतील वास्तुविशारदांची सेवा घेतली जाते. सदर वास्तुविशारदांनी त्यांनी दिलेल्या सेवेच्या टप्प्यांनुसार मानधन अदा करणेकरीता शासनाने शासन निर्णय क्र. पुवसं/२०११/प्र.क्र.९७/सां.का.३, दि.२८ जानेवारी, २०११ निर्गमित केला आहे. त्यानुसार वास्तुविशारदांना मानधन अदा करण्यात येते.

एमओयु कशासाठी झाला, याबाबतची सविस्तर माहिती समितीला देण्यात यावी अशी सूचना समितीने विभागास दिली असता किल्ल्यांचे जतन आणि संवर्धन करण्याचे काम आहे. तसेच यासंदर्भात विभागाकडून प्राप्त झालेल्या लेखी खुलाशामध्ये असे नमूद केले आहे की, कामाच्या आवश्यकतेनुसार नामिकासुचीतील वास्तुविशारदांची सेवा घेण्यात येते व त्यांनी दिलेल्या सेवेच्या टप्प्यांनुसार मानधन देण्याकरीता दिनांक २८ जानेवारी, २०११ चा शासन निर्णय निर्गमित केल्यामुळे वास्तुविशारदांशी सामजंस्य करार करण्यात आला नाही.

राज्यातील काही किल्ले निश्चित केले होते की राज्यातील सर्व किल्ले घेण्यात आले होते. यासंदर्भात समितीने विचारणा केली असता, यासंदर्भात एम्पॅनल आर्किटेक्टचे पॅनल आहे. आर्किटेक्ट समवेत एमओयु झालेला असावा. त्यासंदर्भातील नस्तीचा अभ्यास केल्यानंतर समितीला माहिती देणे शक्य होईल. त्यानुसार विभागीय सचिवांनी आश्वासित केल्याप्रमाणे लेखी खुलाशामध्ये विभागाकडे ३७१ राज्य संरक्षित स्मारके असून त्यापैकी ५० किल्ले राज्य संरक्षित स्मारक आहेत. सदर योजनेत ४ राज्य संरक्षित किल्ल्यांचा जतन दुरुस्ती कामांचा समावेश करण्यात आला होता. अशी माहिती नमूद करण्यात आली आहे.

किल्ले आणि धार्मिक स्थळांसाठी आवश्यक तेवढ्या निधीची तरतूद केली होती काय, याची माहिती समितीला दिली असती तर त्यामध्ये समितीला शिफारशी करता आल्या असत्या त्यास सचिवांनी सहमती दर्शविली. विभागाकडून यासंदर्भात माहिती अप्राप्त आहे.

वाशिम जिल्ह्यातील कारंजा शहरातील वेसी (दरवाजे) यासंदर्भात समिती चर्चा करताना वेसीची अवस्था अत्यंत वाईट असून काही मोडकळीस आलेल्या आहेत त्यामुळे तेथे अपघात होण्याची शक्यता आहे. तसेच यावेसी दुरूस्ती संदर्भात माहिती देण्यास सांगितले असता विभागीय सचिवांनी माहिती देण्यात येईल. असे समितीला आश्वासित केल्यानुसार लेखी खुलाशामध्ये वाशिम जिल्ह्यातील कारंजा लाड येथे ४ ऐतिहासिक वेसी (दरवाजे ) असून या वेसी राज्य संरक्षित स्मारके आहेत. सदर वेसींच्या जतन दुरस्तीचे काम प्राधान्यक्रमाने हाती घेण्यात आले आहे. यापैकी मंगरुळ वेस या स्मारकाचे काम सन २०१६-१७ या आर्थिक वर्षात पूर्ण केले असून याकरीता रु. ९१,१३,७८५/- इतका निधी खर्च झाला आहे. सहायक संचालक, पुरातत्व विभाग, नागपूर यांनी दिल्ली वेस व पोहा वेस या स्मारकाचे सुधारित अंदाजपत्रक संचालनालास सादर केले आहे. सदर अंदाजपत्रकाची छाननी करण्यात येत असून शासनाच्या मंजूरीकरीता लवकरच सादर करण्यात येत आहे असे नमूद केले आहे.

मागणी क्र. १०२, कला व संस्कृती प्रचालन, १०२ (०२) (०९) कला व सांस्कृतिक संस्थाना सहाय्य यासंदर्भात चर्चा करताना विभागाकडून सांस्कृतिक संस्थाना सहायक अनुदान यासाठी पुरवणी मागणी घेण्यात आली आणि त्यानंतर पुन्हा ती रक्कम समर्पित केली. विभागाचे कोणतेही नियोजन नसताना पुरवणी मागणी घेण्यात येते ही आक्षेपार्ह बाब असून याला कोण जबाबदार आहे ? यासंदर्भात समितीने विचारणा केली असता अहवाल वर्षामध्ये दोन तीन बाबींमध्ये हा पूर्ण खर्च झालेला नाही म्हणून निधी समर्पित करावा लागला. दरवर्षी दशावतार, लावणी या सांस्कृतिक कार्यक्रमासाठी निधी पाठविला जातो. त्यावर्षी हे कार्यक्रम झाले नाहीत तसेच लोककला पॅकेज अंतर्गत कलाकारांच्या गटाची अपात्रता यामुळे आणि नाट्य परिषदेकडून नियुक्त करण्यात आलेल्या वास्तुशास्त्रज्ञांकडून यशवंत नाट्यगृह, माटुंगा यांचा आराखडा व अंदाजपत्रक विभागास प्राप्त न झाल्यामुळे विभागाला निधी समर्पित करावा लागला. अशी माहिती विभागीय सचिवांनी समितीला दिली.

यासंदर्भात समितीने विभागास असे सुचित केले की, विभागाकडे मूळ तरतूद असताना तसेच आराखडा व अंदाजपत्रक तयार नसताना पुरवणी मागणी घेऊन निधी घेणे व तो समर्पित करणे ही बाब गंभीर असून यासंबंधी कोणावरतरी जबाबदारी निश्चित करायला पाहिजे. एखादा प्रस्ताव विभागाकडे आलेला नसताना प्रस्ताव येणार आहे असे स्वतः ठरवून पुरवणी मागणी घेणे हे योग्य नाही. या परिच्छेदासंदर्भात साक्ष देताना संचालक, सांस्कृतिक कार्य व संचालक, पुरातत्व विभाग यांनी या समितीसमोर उपस्थित राहणे आवश्यक आहे. विभागीय सचिव जे उत्तर देत आहेत त्यामुळे समितीचे समाधान झालेले नाही. विभाग जेव्हा पुरवणी मागणी घेते त्यावेळी विभागाकडे ठोस अशी उपाययोजना किंवा नियोजन असायला पाहिजे. विभागाची कसलीही उपाययोजना व नियोजन नसताना विभागाकडून इतक्या निधीची मागणी का करण्यात आली ? व विनाकारण विभागाने मार्च महिन्यापर्यंत निधी ब्लॉक करुन ठेवले आणि शेवटी ३१ मार्चला पैसे परत देऊन टाकले, ही बाब आक्षेपार्ह आहे.

**१०७ वस्तुसंग्रहालय १०७ (०१) (०२) विविध वस्तुसंग्रहालयातील विशिष्ट विभागाची पुनर्रचना व विकास** याअंतर्गत मूळ तरतूद रू. ७००.०० लाख होती. यासंदर्भात चर्चा करताना वित्त विभागाकडून केवळ ८० टक्के निधी देण्यात आला ही बाब समितीने विचारात घेतली व मान्यही केली. परंतु निवडणुकीची आचारसंहिता असल्यामुळे तसेच निविदा प्रक्रियेला मंजुरी न मिळाल्यामुळे तसेच अपूर्ण प्रस्तावांना मान्यता न मिळाल्यामुळे रु.३५७.०४ लाख निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. एकीकडे विभागाकडून निधीसाठी तरतूद केली जाते परंतु परीपूर्ण प्रस्ताव तयार करून विभागाकडे सादर करण्यात येत नाहीत त्यामुळे त्याप्रस्तावांना मान्यताही मिळत नाही ही बाब योग्य नसल्याचे समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून दिली.

**१०१ ललित कला शिक्षण १०१ (०७) (०१) पु.ल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी** या अंतर्गत ८००.०० लाख इतकी तरतूद होती. यासंदर्भात चर्चा करताना समितीने असे निदर्शनास आणले की, विभाग ज्यावेळी निधीची तरतूद करते त्यावेळी विभागाकडे प्रस्ताव तयार असायला पाहिजे. परंतु असे होत नसल्यामुळे पु.ल.देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमीसाठीचे २५५ लाख ३० हजार रुपये समर्पित केले आहेत ही बाब समितीच्या निदर्शनास आली.

एखाद्या प्रस्तावात त्रुटी असेल तर संबंधित विभागाला दूरध्वनीवरुन सांगायला हवे जेणेकरुन त्या त्रुटीची पूर्तता दोन ते तीन दिवसात पूर्ण करता येते, परंतु विभागाकडून त्यांच्या समवेत पत्रव्यवहार करण्यात येतो. त्यास बराच कालावधी लागतो. यासंदर्भात विभागाने ई-गव्हर्नन्सच्या माध्यमातून अशा प्रस्तावांना लवकरात लवकर मान्यता द्यावी की, जेणे करून निधी समर्पित अथवा प्रत्यार्पित होणार नाही. अशी सूचना समितीने चर्चे दरम्यान विभागास केली.

समितीने विभागीय सचिवांना पु.ल. देशपांडे अकादमी संदर्भात माहिती देण्यास सांगितले व तसेच महालेखाकारांनी पु.ल. देशपांडे अकादमी करीता वास्तुविशारद नेमण्यात आला का अशी ही विचारणा केली यावर, पु.ल. देशपांडे अकादमीसाठी सन २००५ ते सन २००७ पर्यंत तरतूद होती. एका वास्तुविशारदाकडे हे काम होते. त्याचा करार रद्द करून आता ते काम नवीन वास्तुविशारदाकडे द्यावयाचे आहे. आता पहिल्या वास्तुविशारदाचे देयक न दिल्यामुळे त्याचे ना हरकत प्रमाणपत्र अद्याप दिलेले नाही आणि त्यामुळे तेथे काही कायदेशीर बाब उपस्थित झालेली असल्यामुळे प्रत्यक्ष बांधकामास अद्याप सुरुवात झालेली नाही. अशी माहिती विभागीय सचिवांनी समितीला दिली.

यासंदर्भात पुढे चर्चा करताना वित्त विभागाच्या सचिवांनी पहिल्या वास्तुविशारदाला विभागाने बाद ठरविले होते का ? तसेच नवीन बांधकाम करावयाचे असल्यामुळे पहिल्या वास्तुविशारदाच्या ना हरकत प्रमाणापत्राची आवश्यकता आहे काय अशी विचारणा केली यावर, अधिक खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, असा वास्तुविशारद परिषदेचा नियम असल्यामुळे पहिल्या वास्तुविशारदाचे ना हरकत प्रमाणपत्र घ्यावेच लागेल अथवा यासंदर्भात कायदेशीर बाब उपस्थित होऊ शकते. तसेच पहिल्या वास्तुविशारदाचा करार समाप्त झालेला असून दुस-या वास्तुविशारदाची नियुक्ती करण्यात आली आहे.

सांस्कृतिक भवन, नाट्यगृह यासाठी विभागाने दोन ते तीन तज्ञ लोकांचे एक पॅनेल तयार करावे. जर एखादे नाट्यगृह मंजूर केले तर विभागाने या पॅनेलकडून ते काम करुन घ्यावे. या पॅनेलने राज्यस्तरावर दर ठरवून द्यावे. निविदा प्रक्रिया, त्यानंतर त्याला मंजुरी इत्यादी अशा गोष्टींमध्ये खूप वेळ जातो म्हणून संचालकामार्फत या सिस्टीममध्ये सुधारणा करता येत असेल तर ती जरुर करावी अशी सूचना समितीने विभागीय सचिवांना केली.

**यासंदर्भात झालेल्या चर्चेनुसार विभागीय सचिवांनी साक्षी दरम्यान पु.ल. देशपांडे अकादमी संदर्भात निर्णय घेण्यात येईल असे आश्वासित केले होते. त्यानुसार विभागाकडून प्राप्त झालेल्या लेखी खुलाशामध्ये असे नमूद केले आहे की, पु.ल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी येथील ५, ६, व ७ व्या मजल्यावरील अपूर्ण बांधकाम पूर्ण करण्यासंदर्भात तत्कालीन वास्तुशास्त्रज्ञ व सल्लागार शशी प्रभु ॲण्ड असोसिएट्स यांच्याकडून बांधकामासंदर्भात अपूर्ण कागदपत्रांची पूर्तता करून घेण्यासाठी बैठका घेण्यात येत असून पाठपुरावा सुरु आहे. दिनांक २७/०७/२०१७ रोजी त्यांच्यासोबत झालेल्या बैठकीमध्ये त्यांनी Block Estimate (with measurement) लवकरात लवकर देण्याचे मान्य केले आहे. तसेच त्यांनी भोगवटा प्रमाणपत्र O.C प्राप्त करण्याच्या दृष्टीने आवश्यक ती कार्यवाही करण्याबाबत अकादमीस आश्वास्त केले आहे.**

८०० इतर खर्च ८०० (०१) (०१) साहित्य व कला क्षेत्रातील मान्यवरांना आर्थिक सहाय्य या उपरोक्त लेखाशिर्षाअंतर्गत चर्चा करताना विभागाने निधी समर्पित करण्यासाठी आचारसंहितेचे जे कारण दिले होते ते कारण समितीला योग्य वाटत नसल्याचे विभागाच्या निदर्शनास आणून दिले. तसेच कलाकारांना आर्थिक सहाय्य यासाठी पुरवणी मागणी मधून रक्कम घेतली आणि त्यापेक्षा

जास्त रक्कम समर्पित करुन टाकली. विभागाने ५७ लाख ५० हजार रुपयांची पुरवणी मागणी घेतली. विभागाकडून सांगण्यात येते की, निधीला कपात लावण्यात आला. २८ कोटी २२ लाख रुपयांमध्ये ५६ लाख रुपयांचा कट असेल तर १८८ लाख ९० हजार रुपये विभागाने कसे समर्पित केले? तसेच कपात रकमेचा हिशेबही लागत नाही. याबाबत विभागाने खुलासा करावा असे सांगण्यात आले यावर विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, दरवर्षी एका जिल्ह्यात ६० कलावंत नव्याने समाविष्ट होतात. विभागाने मूळ कलावंतासाठी तरतूद केली होती. नव्याने समाविष्ट होणा-या कलाकारांसाठी पूरक मागणी मधून तरतूद करण्यात आली होती अहवाल वर्षात वित्त विभागाने ८० टक्के पैसे वितरीत केल्यामुळे तो निधी समर्पित करण्यात आला. तसेच विभागाने मूळ तरतुदीमध्ये पूर्ण मानधन दिलेले आहे.

वित्त विभागाकडून मूळ तरतुदीमध्ये कपात लावली असती तर पाच कोटी रुपयांची कपात झाली असती, परंतु त्यांनी कट लावला नाही. विभागाला किती निधी मिळाला आणि किती कट लावला आणि किती रक्कम समर्पित केली? विभागाकडून जी रक्कम समर्पित केली जाते, ती पूर्ण पुनर्नियोजित केल्यामुळे हा निधी दुस-या कोणत्याही विकास कामासाठी उपयोगात आणता आला असता. परंतु वर्षाच्या अखेरीस निधी समर्पित करणे ही बाब अतिशय आक्षेपार्ह अशी आहे.

विभागीय सचिवांनी समितीला असे सांगितले की, सर्व कलाकारांना मानधन ऑनलाईन केलेले आहे. राज्यात एकूण २५६५० कलावंत आहेत. प्रत्येक जिल्ह्यात साधारणतः ६० कलाकारांना मानधन निकषाला अनुसरून मंजूर केले जाते. कलाकार नेमण्याचे अथवा पात्र ठरविण्याचे अधिकार पालकमंत्र्यांच्या अध्यक्षतेखाली असलेल्या समितीला असून ती समिती विभागास शिफारस करते. परंतु यावर समितीने आपली हरकत घेताना असे नमूद केले की, आता ऑनलाईन पेमेंटची व्यवस्था झालेली असल्यामुळे विभागाला प्रत्येक पेमेंटची बजेटमध्ये तरतूद करावी लागते. ज्याप्रमाणे पगार द्यावे लागतात त्याप्रमाणे हे मानधन आहे. हे मानधनाचे पैसे असल्यामुळे याला वित्त विभागाचा कट लागण्याचे कारण नसावे.

**१०२ कला व संस्कृती प्रचालन**

१०२ (०३) (०१) मराठी चित्रपट महोत्सव यासंदर्भात मूळ तरतूद १९३ लाख रुपयांपैकी ९१ लाख २७ हजार रुपये पुनर्विनियोजित केले आहेत. राज्यातील अवर्षण परिस्थितीमुळे चित्रपट महोत्सव पारितोषिक सभारंभाचे साधेपणाने आयोजन करण्यात आले तसेच काही निधी नाटक, तमाशा व संगीत या योजनेकरीता वळविण्यात आला त्यामुळे हा निधी पुनर्विनियोजित करण्यात आला असा खुलासा विभागाने लेखी दिलेल्या ज्ञापनामध्ये दिलेला आहे. यावर विभागीय सचिवांना चर्चेदरम्यान अधिक खुलासा करावयास सांगितला असता विभागीय सचिवांनी अहवाल वर्षात कोणताही मोठा कार्यक्रम राबविला नसल्याचे समितीला अवगत केले.

**१०२ कला व संस्कृती प्रचालन**

१०२ (०३) (०५) उत्कृष्ट चित्रपट निर्मात्यांना सहाय्यक अनुदान यासंदर्भात चर्चा करताना समितीने विभागास अशी विचारणा केली की, विभागाने पुरवणी मागणी कधी केलीली असून प्राप्त झालेला निधी पुनर्विनियोजित केलेला आहे याची कारणे नमूद करण्यात यावी. यावर अधिक खुलासा करताना विभागीय सचिवांकडून अशी माहिती मिळाली की, पुरवणी मागणी माहे जुलै, २०१३ च्या पावसाळी अधिवेशनामध्ये करण्यात आली व लोकशाहीर आण्णाभाऊ साठे आणि यशवंतराव चव्हाण यांचे चित्रपटाचा हा विषय होता. चित्रपट परीक्षण समितीने प्रस्तावित केलेल्या बदलामुळे निर्मिती करण्यासाठी दुस-या हप्त्याचे प्रदान करण्यात आले नाही तसेच निर्मितीसाठी मिळविलेल्या पूरक अनुदानाच्या भागाचा वापर न केल्यामुळे हा निधी पुनर्विनियोजित करण्यात आला.

यावर समितीने विभागास पुन्हा एकदा सुचित केले की, नियोजन नसताना विभागाकडून वारंवार पुरवणी मागणी करण्यात येते व खर्च न झाल्यास वर्षाअखेरीस पुनर्विनियोजित करण्यात येते ही बाब अतिशय गंभीर असून यावर विभागाने योग्य ती कार्यवाही करावी.

विभागीय सचिवांना दोन्ही चित्रपटांच्या सद्यःस्थितीबाबत समितीस अवगत करावयास सांगतिले असता, यशवंतराव चव्हाण यांच्या जीवनावर आधारित जीवनासाठी श्री.जब्बार पटेल यांना सन २०१३ मध्ये अनुदान दिले होते, परंतु तेवढ्या अनुदानात त्यांचा चित्रपट पूर्ण झाला नाही. त्यांनी चित्रपट काढल्यानंतर शासनाकडे वाढीव अनुदानाची मागणी केली. सदरचा चित्रपट योजनेमध्ये बसत नव्हता म्हणून विशेष बाब म्हणून मान्यता देऊन विभागाकडून पुरवणी मागणी मध्ये तरतूद केली. त्यानंतर शासनाच्या असे लक्षात आले की, त्यांनी या रकमेवर व्याज कमविले आहे. आम्ही त्या व्याजाची रक्कम पुरवणी मागणी मधून वजा करुन अधिकचा खर्च दिला आणि उर्वरित निधी पुनर्विनियोजित केला. आण्णाभाऊ साठे यांच्या जीवनावर त्यांनी चित्रपट बनविला आणि समितीने जेव्हा बघितला तेव्हा अण्णाभाऊ साठे यांच्या जीवनातील ज्या महत्वाच्या घटना त्यामध्ये यायला पाहिजे होत्या त्या निर्मात्यांनी त्यामध्ये आणल्याच नाहीत. त्यांनी चित्रपटामध्ये बरेच बदल केलेले होते म्हणून त्याला दुस-या हप्त्याचे पैसेच दिले नाहीत. पहिला हप्ता दिल्यावर चित्रपट बनतो, परंतु त्यांनी तो संपूर्ण चित्रपट बनविलाच नाही. विभागाकडून निर्मात्यांना १० वर्षाची मुदत चित्रपट तयार करण्यासाठी देण्यात येते. यशवंतराव चव्हाण यांच्या जीवनावर आधारित चित्रपट प्रदर्शित झालेला असून आण्णाभाऊ साठे यांच्या जीवनावर आधारित चित्रपट अद्याप तयार झालेला नाही. अशी माहिती विभागीय प्रतिनिधींनी समितीला दिली.

**१०२ कला व संस्कृती यांचे प्रचालन**

**१०२ (०१) (०३) भारतरत्न पं.भीमसेन जोशी शास्त्रीय संगीत प्रोत्साहन योजना** यासंदर्भात चर्चा कराताना भारतरत्न पं.भीमसेन जोशी शास्त्रीय संगीत प्रोत्साहन योजनेसाठी ७० लाख रुपयांची मूळ तरतूद होती. विभागाने मागितलेल्या मूळ तरतुदीच्या ८० टक्के रक्कम प्राप्त झाली आणि १४ लाख रुपये कपात करण्यात आली. उर्वरित रक्कम कशावर खर्च करण्यात आली ? अशी विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी अशी माहिती दिली की, भारतरत्न पं.भीमसेन जोशी शास्त्रीय संगीत प्रोत्साहन योजना ही नवीन योजना होती. ही योजना २०१३ मध्ये सुरु केली होती. या योजनेचा लाभ घेण्यासाठी निकष पूर्ण करणा-या संस्था कमी होत्या. शिवाय या योजनेची पाहिजे तेवढ्या प्रमाणात प्रसिध्दी झाली नसल्यामुळे प्रतिसाद मिळाला नाही. त्यामुळे अहवाल वर्षात ज्या संस्था पात्र ठरल्या त्यांनाच अनुदान देण्यात आले.

भारतरत्न पं.भीमसेन जोशी शास्त्रीय संगीत प्रोत्साहन योजनेच्या बाबतीत मात्र ८० टक्केच निधी प्राप्त झाल्याचे नमूद केले आहे. तसेच निवडणूक आचारसंहितेमुळे खाजगी नोंदणीकृत संस्थांना निधी देण्यात न आल्यामुळे ४५ लाख १ हजार रुपये प्रत्यार्पित केल्याचे नमूद केले आहे. ही बाब महालेखाकारांनी चर्चे दरम्यान समितीच्या निदर्शनास आणून दिली.

**१०२ कला व संस्कृती प्रचालन**

**१०२ (०३) (०६) आंतरराष्ट्रीय चित्रपट महोत्सव** याअंतर्गत आंतरराष्ट्रीय चित्रपट महोत्सव अंतर्गत रु. १५० लाख या मूळ तरतुदीपैकी ४५ लाख रुपये समर्पित करण्याची कारणे काय आहेत ? तसेच सदरहू रक्कम शेवटच्या दिवशी म्हणजेच दिनांक ३१ मार्च रोजी समर्पित केली. वास्तविक पाहता एखाद्या योजनेवर कमी खर्च येणार हे माहीत झाल्यानंतर अगोदरच ती रक्कम समर्पित करावयास पाहिजे. वेळेवर म्हणजे मार्च महिन्यात शेवटच्या क्षणी रक्कम समर्पित करणे योग्य नाही. याबाबत विभागाने समितीला माहिती द्यावी अशी सूचना केली असता, चित्रपट महोत्सवासाठी आर्थिक सहाय्य देण्याची ही योजना होती. यामध्ये दुस-या विभागाचा संबंध नाही. शासनाकडून पुणे फेस्टीव्हल, मामि फेस्टीव्हल आणि थर्ड आय. तसेच अन्य १० छोट्याछोट्या फेस्टीव्हलला आर्थिक सहाय्य देण्यात येते. परंतु छोट्या फेस्टीव्हलसाठी प्रस्ताव न आल्यामुळे हा खर्च होऊ शकला नाही, परिणामी ४५ लाख रुपये समर्पित करावे लागले.

पुढे चर्चेदरम्यान समितीने पुन्हा अशी विचारणा केली की फेस्टीव्हलसाठी प्रस्ताव का आले नाहीत ? यावर विभागीय सचिवांनी असा खुलासा केला की, कदाचित त्या संस्थांना निधीची आवश्यकता नसेल म्हणून त्यांनी प्रस्ताव सादर केले नसावेत. परंतु ही वस्तुस्थिती आहे की, या महोत्सवासाठी संस्थांकडून प्रस्ताव सादर करण्यात आलेले नव्हते.

**१०२ कला व संस्कृती यांचे प्रचालन**

**१०२ (०२) (०१) (०२) (०२) राज्य नृत्य, नाट्य, तमाशा व संगीत महोत्सव**

या अंतर्गत ५६२.५७ लाख रुपये या मूळ तरतुदीपैकी ३४.८२ लाख रुपये इतकी रक्कम समर्पित केली. शिवाय २६.७७ लाख रुपये बचत झाली आहे. कारण अनेक जिल्ह्यातील लोकांनी पैसे परत केले, ही बाब समितीने विभागाच्या निदर्शनास आणून दिली असता विभागीय सचिवांनी त्यास सहमती दर्शविली.

**१०२ कला व संस्कृती यांचे प्रचालन**

**१०२ (०१) (०४) राज्य सांस्कृतिक निधी** राज्य सांस्कृतिक निधी अंतर्गत मूळ तरतूद ५० लाख रुपये होती. यातील २५ लाख रुपये समर्पित केले व उर्वरित २५ लाख रुपये खर्च करण्यात आले. मूळ तरतुदीच्या ५० टक्के म्हणजेच २५ लाख रुपये परत करण्याची कारणे काय आहेत ? अशी विचारणा समितीने केली असता विभागीय सचिवांनी यासंदर्भात अशी माहिती दिली की, ही रक्कम सांस्कृतिक कार्यक्रमाचा कॉर्पस फंड आहे. उक्त योजनेसाठी ५० लाख रुपयांची मूळ तरतूद होती. परंतु वित्त विभागाने मूळ तरतुदीच्या ५० टक्के इतकेच अनुदान मंजूर केल्यामुळे उर्वरित २५ लाख रुपये इतका निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला.

यासंदर्भात समितीने विचारणा केली की, रक्कम सरेंडर करण्यामागे वित्त विभागाकडून मूळ तरतुदीच्या ८० टक्के निधी रिलीज झाला आणि २० टक्के कपात करण्यात आली, अशा प्रकारचे कारण विभागाकडून सांगितले जाते. वास्तविक पाहता या प्रकरणामध्ये आपण नमूद करावयास हवे होते की, वित्त विभागाने मूळ तरतुदीच्या ५० टक्केच अनुदान मंजूर केल्यामुळे अशा रकमा बचत झाल्या आहेत. असे महालेखाकारांनी आपले मत मांडले असता यावर अधिक खुलासा करताना विभागीय सचिवांनी असे सांगितले की, या प्रकरणात वित्त विभागाकडून ८० टक्के निधी मिळाला व २० टक्के कट लावला असे घडलेले नाही. मुळात वित्त विभागानेच मूळ तरतुदीच्या ५० टक्के निधी मंजूर केल्यामुळे उर्वरित २५ लाख रुपये समर्पित करावे लागले. वित्त विभागाने पूर्ण अनुदान मंजूर केले नसल्यामुळे अशा प्रकारची परिस्थिती उद्‌भवली, असे विभागाने स्पष्टपणे नमूद करावयास पाहिजे होते. परंतु विभागाने तसे नमूद न केल्यामुळे निधीचा वापर केला नाही असे समितीच्या निदर्शनास आले.

**१०२ कला व संस्कृती यांचे प्रचालन**

**१०२ (०४) (०१) इतर महोत्सव** या अतंर्गत मूळ तरतूद ४०.०० लाख रूपये होती याबाबत असे नमूद करण्यात आले की, सन २०१३-१४ मध्ये मार्च-२०१४ मध्ये अखेर एकूण तरतूदी पैकी २२.४० लाख रुपये समर्पित का करण्यात आले. असे समितीने विचारणा केली असता विभागीय सचिवांनी अशी माहिती दिली की, अहवाल वर्षात महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार जाहीर न झाल्यामुळे ही रक्कम समर्पित करण्यात आली.

**८०० इतर खर्च**

**८०० (०२) (०१) मौल्यवान कलाकृती व पुरातन वस्तू** या अंतर्गत २७.४७ लाख रुपयांची मूळ तरतूद करण्यात आली होती. यामध्ये राज्य पुराभिलेख मंडळ यांच्याकडून अनुदानाची मागणी न आल्यामुळे तसेच या योजनेखाली ४ पदे रिक्त राहिल्यामुळे १६.५६ लाख रुपये परत करण्यात आले आहेत. तसेच या योजनेंतर्गत १०.९१ लाख रुपये एकूण अनुदान प्राप्त झाले होते. त्यापैकी प्रत्यक्ष खर्च १०.९२ लाख रुपये झाला. म्हणजेच या योजनेवर १ हजार रुपये अधिकचा खर्च झाला आहे. मूळ तरतूद २७.४७ लाख रुपये होती व विभागाने १६.५६ लाख रुपये समर्पित केले. यासंदर्भात विचारणा केली असता राज्य पुराभिलेख मंडळाकडून अनुदानाची मागणी न आल्यामुळे ही रक्कम परत करण्यात आली. अशी माहिती विभागीय सचिवांनी समितीला दिली.

**१०२ कला व संस्कृती यांचे प्रचालन**

**१०२ (०३) (०४) उत्कृष्ट मराठी नाटकांचे पुराभिलेख.** या अंतर्गत उत्कृष्ट मराठी नाटकांचे पुराभिलेख या अंतर्गत १०० लाख रुपयांची मूळ तरतूद होती आणि मूळ तरतुदीची मागणी नेमकी कोणत्या कामासाठी करण्यात आली होती ? आणि ती सर्व रक्कम समर्पित का करण्यात आली. यासंदर्भात समितीला सविस्तर खुलासा करावा असे समितीने सांगितले असता सदर योजना जुन्या नाटाकांच्या डॉक्युमेंट संदर्भात होती परंतु या योजने- खाली प्रमाणके निश्चित न केल्यामुळे रु. १००.०० लाखांची संपुर्ण तरतूद न वापरता समर्पित करण्यात आली.

यावर अधिक चर्चा करताना समितीने एखाद्या योजनेच्या बाबतीत कसल्याही प्रकारचे प्रमाणके ठरलेली नसताना, सामंजस्य करार झालेला नसताना विभागाकडून योजना राबविण्यासाठी निधीची मागणी केली जाते आणि शेवटच्या क्षणी त्या निधीचा वापर होणार नाही हे लक्षात आल्यानंतर ती रक्कम समर्पित करण्यात येते, ही बाब योग्य नाही तसेच मुळात ज्या योजनेसाठी निधी मागितला आहे त्या योजनेवर खर्च केला जात नाही. वास्तविक पाहता ज्या योजनेसाठी निधीची मागणी केली जाते त्यातील किमान ८०-९० टक्के रक्कम खर्च व्हावयास पाहिजे. तसेच दुसरी गोष्ट अशी की, अनेकदा मूळ तरतूद खर्च होण्याजोगी परिस्थिती नसताना सुध्दा पुरवणी मागणी केली जाते आणि नंतर ती रक्कम सुध्दा समर्पित केली जाते. विभागाने पुरवणी मागणी करताना ती जुलैमध्ये न करता योजनेच्या अंमलबजावणीचे संपूर्ण नियोजन करुन डिसेंबरच्या अधिवेशनामध्ये पुरवणी मागणी केली पाहिजे. असे समितीने विभागाला सूचित केले. तसेच पुढे चर्चे दरम्यान महालेखाकारांनी समितीच्या निदर्शनास आणून दिले आहे की, विभागाकडून अनेकदा सुरु असलेल्या योजनेच्या अंमलबजावणी बाबत आचारसंहितेची अडचण सांगितली आहे. यावर सचिवांनी खुलासा केला की, सदर अडचण ही सुरु असलेल्या योजनांना नसते तर ती नवीन निविदा प्रक्रियेच्या बाबतीत असते.

**अभिप्राय व शिफारशी :**

**मागणी क्र. झेड डी ०२**

**(१) शासकीय प्रेक्षागृहे व सभागृहे**

**अभिप्राय :**

**८.२** मुख्य लेखाशिर्ष२२०५ अंतर्गत उप लेखाशिर्ष १०२ कला व संस्कृती यांचे प्रचालन, १०२ (०१) (०१ ) व (०२) शासकीय प्रेक्षागृहे व सभागृहे या अंतर्गत मूळ तरतूद रु.१०५०.२३ लाख पैकी केवळ रु.१९७.११ लाख रुपये खर्च झाला व उर्वरित रु.८५३.८० लाख तरतूद समर्पित करण्यात आला. परंतु महालेखाकार कार्यालयाच्या नोंदीनुसार रु.६६००० इतका अधिकचा खर्च झाल्याचे दर्शविण्यात आले आहे. मुख्यत्वेकरुन सिंधुदुर्ग, गोंदिया व परभणी जिल्ह्यामध्ये पहिल्या हप्त्याच्या निधीच्या वापराचे उपयोगिता प्रमाणपत्रसादर न केल्यामुळे निधीचा दुसरा हप्ता देण्यात आला नाही त्यामुळे आणि वर्धा, लातूर व मानगाव येथून अपूर्ण प्रस्ताव प्राप्त झाल्यामुळे मार्च,२०१४ मध्ये रु.८५३.८० लाखांचा निधी समर्पित करण्यात आल्याचे आक्षेप महालेखाकारांनी नोंदविलेले आहेत.

महालेखाकारांनी घेतलेल्या आक्षेपामध्ये व विभागाने दिलेल्या लेखी उत्तरात रु.६६००० अधिक खर्चाबाबत तफावत दिसून येण्याच्या कारणांची मिमांसा समितीने केली असता या योजनेखाली सुधारीत अंदाजात रु.६८००० इतका अतिरिक्त निधी प्राप्त झालेला असून ही अतिरिक्त तरतूद महालेखापाल कार्यालयाने गृहीत न धरल्यामुळे हा अधिकचा खर्च दिसून येत असल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले. मात्र रु.८५३.८० लाख समर्पित करण्याची कोणतीही कारणे लेखी खुलाात नमूद नाहीत. सदरहू आक्षेप सन २०१३-१४ मध्ये नोंदविण्यात आलेले असताना समितीने साक्ष घेतेवेळी तत्कालिन परिस्थितीमध्ये फार काही सुधारणा झाल्याचे समितीला दिसून आले नाही.

शिफारस :

**८.३ सदरहु लेखाशिर्षांतर्गत रु.१०५०.२३ लक्ष एवढी मुळ तरतूद असतानाही त्यातील रु.८५३.८० लक्ष इतकी रक्कम समर्पित होणे ही बाब गंभीर स्वरुपाची असून इतकी मोठी तरतूद खर्च न करता समर्पित करणे ही बाब विभागांतर्गत नियोजनाचा अभाव दर्शविणारी असून आर्थिक शिस्तीला धरुन नाही. या कामांसाठी जी तरतूद अर्थसंकल्पात करण्यात आलेली आहे ती योग्यरित्या खर्च करण्याची जबाबदारी पुर्णतः विभागाच्या अधिका-यांची असताना अनियोजनबध्द कामांमुळे ही तरतूद समर्पित झाली आहे. त्याचप्रमाणे महालेखाकारांनी आक्षेप नोंदवितेवेळी या योजनेतील सुधारीत अंदाजात रु.६८००० इतका अतिरिक्त निधी प्राप्त झाल्याचे देखील महालेखाकारांच्या निर्दानास विभागाने न आणल्यामुळे आक्षेपामध्ये अतिरिक्त खर्च र्दाविण्यात आलेला आहे. या सर्व बाबी विभागाने निर्गमन परिषदेच्या वेळी महालेखाकारांशी समन्वय साधून त्याचे निराकरण योग्य वेळी केले असते तर हे आक्षेप टाळता आले असते. मुळ तरतूदीपैकी रु.८५३.८० लक्ष समर्पित होत असताना रु.६८००० इतका अतिरिक्त निधी देखील प्राप्त करुन घेण्याची कोणतीही आवयकता विभागाला नव्हती. या सर्व बाबी वित्तीय नियमांचे उल्लंघन करणा-या असून आर्थिक शिस्तीला धरुन नाही. अतः या प्रकरणी संबंधितांवर जबाबदारी निचित करुन कारवाई करण्यात यावी. विभागाने भविष्यात असे आक्षेप टाळावेत. तसेच अर्थसंकल्पित निधी, प्राप्त निधी व खर्चित निधी याचा योग्य समन्वय वेळोवेळी साधून विभागाने निधीचे लेखापरिक्षण व त्याचा ताळमेळ नियमित स्वरुपाने करावा व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**८.४ रु.८५३.८० लक्ष समर्पित करण्याची कारणमिमांसा समितीने तपासली असता अतिशय अनियोजनबध्द पध्दतीने ही कामे हाताळल्यामुळे ही कामे विहित वेळेत पुर्ण होवू शकली नाही. वास्तविकतः प्रत्येक जिल्ह्यामध्ये एक नाट्यगृह असावे हे शासनाने धोरण स्विकारलेले असतानाही व त्याची परिपूर्ती करण्याची जबाबदारी संबंधित स्थानिक यंत्रणेची असतानाही उद्दिष्टपूर्तीसाठी नियोजनबध्द पध्दतीने उपाययोजना केल्याचे समितीला दिसून आले नाही. एका नाटगृहाचे काम पूर्ण होण्यासाठी विभागाकडून जवळजवळ रु.४ कोटी एवढा निधी देण्यात येतो व स्थानिक नगरपालिकेला / महानगरपालिकेला १० टक्के हिस्सा द्यावा लागतो. परंतु कोणत्याही नाट्यगृहाचे काम एवढ्या कमी निधीमध्ये पुर्ण होणे शक्य होत नसल्यामुळे देखील या अडचणींमध्ये वाढ झालेली आहे. जास्तीत जास्त जिल्ह्यांमध्ये या नाटगृहांची कामे अद्यापही अपुर्ण अवस्थेत असून त्यासाठी खर्च झालेला निधी अडकून पडलेला आहे व नविन निधीची तरतूद न झाल्यामुळे ती कामे पुर्ण होवू शकली नाहीत तर दुस-या बाजूने विभाग यासाठीचा मोठा प्रमाणात निधी समर्पित करीत आहे. जवळजवळ १४ नाट्य गृहांची कामे अपूर्णावस्थेत आहेत. काम पूर्ण होण्यास वेळ लागल्यामुळे त्याच्या खर्चात देखील मोठा प्रमाणात वाढ होते व अधिकचा निधी प्राप्त करुन घेणे शक्य होत नाही. त्यामुळे या सर्व नाट्य गृहांच्या कामांचा आढावा घ्यावा. ती पूर्ण करण्यासाठी आवयक व योग्य अतिरिक्त निधीची आवयकता असल्यास त्याचा देखील शासनस्तरावरुन विचार व्हावा व तातडीने या नाटगृहांची कामे कालबध्द नियोजन करुन पुर्ण करण्यात यावीत व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी आी समितीची शिफारस आहे.**

**८.५ नाट्यगृहांची कामे शासनाच्या तरतूद निधीमध्ये करणे शक्य नसताना केवळ तरतूद निधी खर्च करण्याच्या उद्देशाने तात्पुरत्या अंदाजपत्रकाच्या आधारावर विभागाकडून प्रस्ताव सादर करण्यात येतो व काम सुरु करण्यात येते. त्या नाट्यगृहासाठी एकंदरीत लागणा-या खर्चाचे नियोजन, त्याची कालमर्यादा, त्याच्या मान्यता, त्यावर्षी अस्तित्वात असलेला डीएसआर व ही योजना पुर्ण करण्यासाठी आवश्यक असलेल्या तांत्रिक बाबी या सर्व गोष्टींचे एकत्रित नियोजन करुन प्रस्ताव सादर करणे विभागाने अभिप्रेत व आवश्यक असताना केवळ अपूर्ण तरतूद निधी खर्च करण्याचा उद्देश समोर ठेवून काम सुरु करणे व नंतर आी कामे अपूर्णावस्थेत बंद करणे ही विभागाची भूमिका निधीचा अपव्यय करणारी ठरते. अतः अशाप्रकारच्या योजना अंमलात आणण्यासाठी विभागाने निश्चित कृति आराखडा तयार करावा, त्यासाठी आवश्यक ती यंत्रणा निर्माण करावी, स्थानिक स्तरावर त्याचे योग्य ते नियोजन करावे, तसेच नगरपालिका व राज्य शासनाच्या हियाची रक्कम वेळेत प्राप्त करुन घ्यावी, आवश्यक त्या निधीची तरतूद करावी ब-याचदा राज्य शासनाच्या हियाचा निधी प्राप्त होतो परंतु नगरपालिका किंवा महानगरपालिकेकडून देय असणारा निधी प्राप्त होत नाही. या प्रमाणाचे देखील विभागाने योग्य ते नियोजन करावेव ही कामे कालबध्द पध्दतीने पूर्ण करावीत व भविष्यात असे आक्षेप टाळावेत आी समितीची शिफारस आहे.**

**(२) ऐतिहासिक व सांस्कृतीकदृष्टया महत्वाचे किल्ले व धार्मिक स्थळे**

**अभिप्राय :**

राज्यातील ऐतिहासिक व सांस्कृतीकदृष्टया महत्वाचे किल्ले व धार्मिक स्थळे यांचे संरक्षण, जतन, दुरुस्तीचे काम करण्यासाठी पर्यटन व सांस्कृतिक विभागाअंतर्गत रु.१२ कोटी तरतूद करण्यात आली होती. राज्यातील ऐतिहासिक किल्ल्यांच्या कामासाठी मिळणारा निधी हा कायम कमी पडणारा असतानाही प्राप्त तरतूद रकमेपैकी रु.५४३.९६ लाख एवढी रक्कम समर्पित करण्यात आली. मुख्यत्वेकरुन शासनाच्या सामंजस्य मसुदा ज्ञापनास २ वास्तूशास्त्र कंपन्यांकडून नकार मिळाल्यामुळे सदर कंपन्यांना फी चे प्रदान करण्यात न आल्यामुळे रु.५४३.९६ लाखांचा निधी समर्पित करण्यात आल्याचे विभागीय प्रतिनिधींनी समितीसमोर स्पष्ट केले.

**शिफारस :**

**८.७ राज्यातील ऐतिहासिक व सांस्कृतिकदृष्ट्या महत्वाचे किल्ले व धार्मिक स्थळे यांचे जतन व संरक्षणाच्या कामासाठी वस्तुतः मोठा प्रमाणात निधीची आवश्यकता असताना त्यासाठी प्राप्त होणारा निधी हा अत्यंत कमी असतानाही हा प्राप्त निधी देखील विभागाकडून खर्च होऊ नये ही बाब नक्कीच समर्थनीय नाही. विभागाने त्यांना प्राप्त निधी विहित उद्दिष्टांसाठी मुदतीत खर्च करण्याचे नियोजन करुन त्यासाठी कालबध्द उपाययोजना करणे आवयक व अभिप्रेत असताना व या योजनांसाठी आवयक असणा-या प्राासकीय बाबी पुर्ण करण्याची जबाबदारी विभागाची असताना वर्षभराच्या कालावधीत हे नियोजन विभाग करत नाही. हा निधी विभागाच्या नियोजनाअभावी विहित मुदतीत खर्च होऊ शकला नाही व तो समर्पित करण्यात आला. या बाबी निश्चितच आर्थिक शिस्तीला धरुन नाहीत. मुळात अर्थसंकल्पात निधीची तरतूद होणे व त्याअनुषंगाने निधी मिळणे ही अतिशय किचकट व अवघड प्रक्रिया असताना प्राप्त निधी खर्च करण्यासाठी विभागाने कोणतेही विोष प्रयत्न केल्याचे समितीला दिसून येत नाही. अतः समिती याबाबत तीव्र नापसंती व्यक्त करीत आहे व विभागाने या विषयाचे ऐतिहासिक महत्व लक्षात घेता राज्याचा ऐतिहासिक वारसा जतन करण्यासाठी आवयक त्या निधीची तरतूद करुन योजनेचीअंमलबजावणी नियोजनबद्ध व कालबद्धरित्या करावी. कोणत्याही परिस्थितीत निधी अखर्चित राहणार नाही अथवा व्यपगत होणार नाही याची गंभीर दखल विभागाने घेऊन आवयक ते नियोजन करुन भविष्यात आा बाबींची पुनरावृत्ती टाळावी व याबाबत केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस तीन महिन्यात देण्यात यावी आी समितीची शिफारस आहे.**

**(३) कला व सांस्कृतिक संस्थांना सहाय्य**

**अभिप्राय :**

८.८ कला व सांस्कृतिक संस्थांना सहाय्य अनुदानापोटी मुळ तरतूद रु.४००.०० लक्ष व रु. ४२५.०० लाखाची पूरक मागणी अशी एकूण रु.८२५.०० लक्ष तरतूदकरण्यात आली. परंतु मार्च अखेरीस रु.३७६.२२ लाखाचा निधी समर्पित करण्यात आला. विभागाकडे मूळ तरतूद असताना तसेच आराखडा व अंदाजपत्रक तयार नसताना पुरवणी मागणीद्वारे अतिरिक्त निधी घेणे व तो नंतर समर्पित करणे ही बाब निचितच समर्थनीय नाही. अहवाल वर्षामध्ये दरवर्षी दाावतरा, लावणी या सांस्कृतिक कार्यक्रमांसाठी निधी प्राप्त होत असतो परंतु त्या वर्षी हे कार्यक्रम झाले नाहीत. तसेच लोककला पॅकेज अंतर्गत कलाकारांच्या गटांची अपात्रता यामुळे व नाट्यपरिषदेकडून नियुक्त करण्यात आलेल्या वास्तु विशारदांकडून यावंत नाटगृह, माटुंगा यांचा आराखडा व अंदाजपत्रक विभागास प्राप्त न झाल्यामुळे हा निधी समर्पित केल्याचे विभागीय सचिवांनी समितीसमोर सांगितले.

**शिफारस :**

**८.९ पर्यटन व सांस्कृतिक विभागाच्या कामाच्या व निधीच्या नियोजनाच्या अभावामुळे अशाप्रकारे रक्कम समर्पित झाल्याचे दिसून येते. मुळ तरतूद शिल्लक असताना तेवढाच रकमेची पुरक मागणी करणे व दुस-या बाजूने योजनेचा आराखडा व**

**अंदाजपत्रक देखील तयार नसणे. या बाबी विभागांतर्गत नियोजनाचा अभाव दर्शविणा-या आहेत. अशाप्रकारे मोठा प्रमाणात निधी प्राप्त करुन घेवून तो वर्षभर अडवून ठेवणे व आर्थिक वर्ष अखेरीस तो समर्पित करणे ही बाब गंभीर व आक्षेपार्ह असून आर्थिक शिस्तीला अनुसरुन नाही. विभागाने इतक्या मोठया प्रमाणात पुरक मागणी घेणे योग्य नव्हते.इतक्या मोठा प्रमाणात विभाग जर निधीची तरतूद करुन तो प्राप्त करत असेल तर त्या निधीच्या खर्चाचे योग्य उद्दिष्ट गाठण्यासाठीचे आवयक नियोजन विभागाच्या अधिका-यांनी त्या आर्थिक वर्षात करणे अभिप्रेत व आवयक आहे. परंतु संबंधित अधिका-यांनी त्यांची जबाबदारी पार न पाडल्यामुळे हा निधी समर्पित झाला. आा या सर्व अधिका-यांवर जबाबदारी निश्चित करुन त्यांच्यावर कारवाई करण्यात यावी व भविष्यात अशा बाबींची पुनरावृत्ती टाळावी व यासंदर्भात केलेल्या कारवाईची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**(४) पु.ल.देशपांडे, महाराष्ट्र कला अकादमी**

**अभिप्राय :**

**८.१०** पु.ल.देशपांडे, महाराष्ट्र कला अकादमी या अंतर्गत मूळ तरतूद रु.८००.०० लाख इतकी होती. कंत्राटी सेवा, कार्यालयीन खर्च, व्यावसायिक सेवा याबाबत कमी झालेला खर्च तसेच वास्तू विशारदांची नियुक्ती न केल्यामुळे अकादमीचे बांधकाम सुरु न झाल्यामुळे रु.२५५.३० लाखांचा निधी प्रत्यार्पित करण्यात आला. असा महालेखाकारांचा आक्षेप असून तरतूद निधी विनावापर पडून राहणे व तो वर्ष अखेरीस समर्पित होणे हे विभागाच्या नियोजन शुन्यतेचे द्योतक आहे.

**शिफारस :**

**८.११ एखाद्या विशिष्ट प्रयोजनासाठी जर राज्याच्या अर्थसंकल्पात निधीची तरतूद करण्यात येवून तो निधी विभागास प्राप्त होत असेल तर तो विहित मुदतीत खर्च करण्याची पूर्ण जबाबदारी ही विभागाची असताना तांत्रिक व प्रशासकीय बाबींमध्ये हे प्रस्ताव अडकून वर्ष वर्षभर त्यांची पुर्तता व पाठपुरावा विभागाकडून न झाल्यामुळे मोठा प्रमाणात ३० टक्यांपेक्षा जास्त निधी अखर्चित राहतो व वर्ष अखेरीस तो समर्पित होतो हे निश्चितच योग्य नाही. शासनस्तरावर मोठा प्रमाणात ई-गव्हर्नन्सच्या माध्यमातून कामे होत असताना छोटा मोठा आक्षेपांचे निराकरण करण्यास अमर्याद कालावधी लागत असेल तर या बाबी निचितच योग्य नाहीत. प्रस्तावाला काढण्यात आलेले आक्षेप व त्याचे निराकरण कालबध्द पध्दतीने करण्याबाबत विभागाने संबंधितांना निदेाित करावे व भविष्यात असे आक्षेप टाळावेत. तसेच पु.ल.देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमीचे काम तात्काळ पुर्ण करण्यात यावे व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

**८.१२ सांस्कृतिक भवन, नाट्यगृहे तयार करण्यासाठी विभाग तांत्रिकदृष्ट्या सक्षम नसेल तर यासाठी विभागाने तज्ञांचे एक पॅनल तयार करावे व त्यांच्या माध्यमातून नाट्यगृहांची मंजूरी व त्याअनुषंगाने करावयाची पुढील कार्यवाही तसेच राज्य स्तरावर दर निश्चित करणे, निविदा प्रक्रिया पार पाडणे, जागेचा प्रन सोडविणे इत्यादी अनेक विविध प्रन या पॅनलच्या माध्यमातून निकाली काढण्यासाठी कार्यपध्दती निश्चित करावी व त्यावर विभागाचे नियंत्रण ठेवावे व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीची माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी आी समितीची शिफारस आहे.**

**(५) साहित्य व कला क्षेत्रातील मान्यवरांना आर्थिक सहाय्य**

**अभिप्राय :**

**८.१३** साहित्य व कला क्षेत्रातील मान्यवरांना आर्थिक सहाय्य या योजनेअंतर्गत मुळ तरतूद रु.२८२२.०० लक्ष होती. त्यामध्ये रु.५७.५० लाखाची पूरक मागणी करण्यात आली. मात्र वर्षअखेरीस रु.१८८.९० लाख समर्पित करण्यात आले. सदर प्रत्यार्पण वित्त विभागाने २०८ कपात लागू केल्याने करण्यात आले असे विभागाने सांगितले. मात्र वित्त विभागाची कपात व प्रत्यक्ष रकमेचे समर्पण याचा ताळमेळ जूळत नाही असे समितीला दिसून येते.

**शिफारस :**

**८.१४ सदरहू शिर्षांतर्गत मुळ तरतूद रु.२८२२ लक्ष व त्यात रु.५७.५० लक्ष एवढी पुरक मागणी करण्यात आली असून त्यातील रु.१८८.९० लक्ष समर्पित करण्यात आल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले. यासंदर्भात समितीने विचारणा केली असता निधीला वित्त विभागाकडून २० टक्के कपात असल्यामुळे हा निधी तांत्रिकदृष्ट्या समर्पित करण्यात आल्याचे समितीला दिसून आले. ज्याप्रमाणे शासकीयकर्मचा-यांना त्यांचे वेतन हे थेट त्यांच्या बँक खात्यात ऑनलाईन पध्दतीने जमा होत असते त्या धर्तीवर कलावंतांच्या मानधनाबाबत देखील थेट त्यांच्या खात्यात निधी जमा करण्याबाबतचा निर्णय शासनस्तरावरुन घेण्यात आलेला आहे याची तात्काळ अंमलबजावणी करावी. तसेच वित्त विभागाने निधी कपात केल्यामुळे जर तांत्रिकदृष्टा हा निधी समर्पित होत असेल तर ही बाब विहित वेळेत महालेखाकारांच्या निदर्शनास आणून देण्यात यावी व यासंदर्भात केलेल्या कार्यवाहीच माहिती समितीस ३ महिन्यात देण्यात यावी अशी समितीची शिफारस आहे.**

## मराठी भाषा विभाग

**९.१** भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेख्यांची छाननी करीत असताना अनुदान क्र. झेडएफ-०३ए "सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च" या शीर्षांतर्गत झालेला अधिक खर्च व बचतीवरील खर्चासंबंधी महालेखाकारांनी आपल्या अहवालात पुढीलप्रमाणे अभिप्राय दिल्याचे समितीच्या निदर्शनास आलेले आहे.

**अनुदान क्र. झेडएफ -३ए - "सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च"**

**(रु.लाखात)**

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| प्रधानशीर्ष ४०५९- सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च | | | |
| मूळ .. - | | | |
| पूरक .. - ११,१९. ९२ | ११,१९. ९२ | .. | -११,१९. ९२ |
| वर्षभरात परत करण्यात आलेली रक्कम | | | |
| (मार्च २०१४) | | | ११,१९. ९२ |

**टिपा व भाष्ये:**

जुलै २०१३ मध्ये मिळालेली रु.११,१९. ९२ लाख एवढी संपूर्ण तरतूद मार्च, २०१४ मध्ये प्रत्यार्पित करण्यात आली.

२. संपूर्ण तरतूद पुढील शिर्षाखाली न वापरता शिल्लक राहिली :-

| शीर्ष | एकूण अनुदान | प्रत्यक्ष खर्च | अधिक खर्च (+) बचत (-) |
|---|---|---|---|
| ४०५९- सार्वजनिक बांधकामावरील भांडवली खर्च | | | |
| ०१ कार्यालयीन इमारती | | | |
| ०५१ बांधकाम | .. | .. | .. |
| ०५१ (००) (०१) मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्राचे बांधकाम. | | | |
| पूरक ११,१९.९२ | | | |
| पुनर्विनियोजन (-)११,१९.९२ | | | |

वारसा समितीकडून बांधकाम प्रकल्पास मान्यता न मिळणे व जमिनीचे आरक्षण काढण्यास मान्यता नसणे, याशिवाय लोकसभा निवडणुकीच्या आचारसंहितेमुळे नवीन बांधकाम प्रकल्प यांचे काम हाती घेण्यावरील निर्बंध यामुळे जुलै २०१३ मध्ये मिळालेली रु.११,१९.९२ लाख एवढी संपूर्ण तरतूद न वापरता शिल्लक राहिली आणि मार्च २०१४ मध्ये प्रत्यार्पित करण्यात आली.

**ज्ञापन :**

**महालेखापरिक्षकांच्या उपरोक्त अभिप्रायासंदर्भात मराठी भाषा विभागाने दिलेल्या स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापनात खालीलप्रमाणे नमूद केले आहे.**

धोबीतलाव येथील रंगभवन या खुल्या नाटयगृहाच्या जागेवर मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्र बांधण्याकरिता मंत्रिमंडळाने दिनांक १०.०७.२०१३ च्या बैठकीत मान्यता दिली. त्यासाठी सन २०१३-१४ मध्ये रु.१११९.९२ इतकी तरतूद करण्यात आली. सदर जागा मराठी भाषा विभागास हस्तांतरित करण्यास महसूल व वन विभाग, शासन निर्णय दिनांक १५.०३.२०१४ अन्वये शासन मान्यता देण्यात आली. मात्र सदर क्षेत्र हेरिटेज मध्ये येत असल्याने बांधकामाकरिता हेरिटेज समितीची मान्यता घेणे, भूखंडावरील आरक्षण बदलणे, जागेच्या मिळकतपत्रावर मराठी भाषा विभागाची नोंद घेणे इत्यादी कार्यवाही पूर्ण करणे शक्य झाले नाही. दरम्यान लोकसभा सार्वत्रिक निवडणूक २०१४ च्या आचारसंहितेपरिणामी नवीन काम हाती घेण्यावर असलेले निर्बंध सदर तरतूद खर्च होऊ शकली नाही.

महालेखापाल कार्यालयाने त्यांच्या क्रमांक लेखापरीक्षा/एफ.आई.एन.ए.टी./अशासकीय संदर्भ/मराठी भाषा वि./झेड एफ-१,३A/२०१३-१४/युओआर ०७/जावक क्र.२८, दिनांक २६.०४.२०१६ च्या अनौपचारिक संदर्भाव्दारे "बांधकामाकरिता हेरिटेज समितीची मान्यता घेणे व भूखंडावरील आरक्षण बदलणे याबाबतची कार्यवाही पूर्ण न झाल्याने बचतीबाबतचे स्पष्टीकरण लोकलेखा समितीस सादर करावे" या अभिप्रायांसह सदर ज्ञापन या विभागाकडे पाठविले आहे. त्यानुसार स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन सादर करण्यात येत आहे.

**साक्ष :**

**९.२** उपरोक्त परिच्छेदासंदर्भात अधिक माहिती जाणून घेण्यासाठी समितीच्या दिनांक २५ ऑक्टोबर, २०१६ रोजीच्या बैठकीत प्रधान सचिव, मराठी भाषा विभाग व इतर विभागीय प्रतिनिधी यांची साक्ष घेतली.

मागणी क्र.झेड एफ- ३ ए "मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्राचे बांधकाम" या लेखाशिर्षासंदर्भात समितीस माहिती देताना विभागीय सचिवांनी सांगितले की, सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेखे अहवालातील हा मुद्दा असून यामध्ये शासनाला मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्राची इमारत उभी करावयाची होती. या संदर्भातील सर्व शासकीय कार्यालये विखुरलेली आहेत, ती एकाच इमारतीमध्ये असावीत अशा स्वरुपाची योजना होती. मुंबईतील धोबीतलाव येथील जी.टी.रुग्णालय व सेंट झेवियर्स कॉलेजच्या परिसरात ५००० चौ.मी.चा भूखंड असून त्या जागेवर 'रंगभवन' नावाचे खुले नाट्यगृह ब-याच वर्षापासून कार्यरत होते. या पारंपारिक स्वरुपाच्या खुल्या नाट्यगृहामध्ये आवश्यक असणारी लोकगीते, लोककला यांचे कार्यक्रम वर्षानुवर्षे होत होते. परंतु यासंदर्भात उच्च न्यायालयात याचिका दाखल केली होती त्यावर न्यायालयाने निर्णय दिला की, कोणत्याही रुग्णालयापासून लगतच्या क्षेत्रात खुले कार्यक्रम करावयाचे नाहीत, अशा ठिकाणी लाऊडस्पीकरचा वापर करता येणार नाही. रंगभवनाची जागा जी.टी.रुग्णालयाला लागूनच असल्यामुळे यापुढे तेथे खुले नाट्यगृह म्हणून कार्यक्रम करता येणार नाहीत, त्यामुळे ते नाट्यगृह बंद पडले. ती जागा सांस्कृतिक कार्य विभागाच्या ताब्यात होती. त्यावेळी मराठी भाषा विभाग अस्तित्वात नव्हता. त्या जागेचा वापर कसा करायचा याबद्दल वेगवेगळया पातळीवर चर्चा झाली. त्यातून एक अशी कल्पना पुढे आली की, मराठी भाषा विभाग स्थापन झाल्यामुळे सांस्कृतिक कार्य विभागाचा वापरात असलेली ती जागा मराठी भाषा भवन उभारण्यासाठी मराठी भाषा विभागाला हस्तांतरित करावी. त्याप्रमाणे प्रस्ताव तयार करण्यात आला. मंत्रीमंडळाच्या मान्यतेनंतर मराठी भाषा भवन उभारण्यासाठी ११,१९.९२ लाख रुपयांचा निधी पूरक मागणीद्वारे मंजूर करण्यात आला.

मराठी भाषा भवन उभारण्यासाठी असलेली जागा ही पुरातत्व 'ब' गटातील यादीमध्ये आहे. त्यामुळे पुरातत्व समितीच्या मान्यतेशिवाय तेथे कोणतेही बांधकाम करता येत नाही. म्हणून पुरातत्व समितीपुढे प्रस्ताव तयार करुन पाठविण्यात आला. पुरातन (हेरीटेज) समितीने त्या जागेवर कोणतेही बांधकाम करण्यास मनाई केली परिणामी आजपर्यंत निधी उपलब्ध असूनही त्या जागेवर कोणतेही बांधकाम होऊ शकले नाही आणि ती जागा देखील आहे त्याच स्थितीत आहे. त्यामुळे ११,१९.९२ लाख रुपयांची रक्कम प्रत्यार्पित करावी लागली. ही जागा मराठी भाषा विभागाला वापरता येत नसल्यामुळे पुन्हा सांस्कृतिक कार्य विभागाच्या वापरासाठी हस्तांतरित करावी अशा स्वरुपाचा प्रस्ताव मंत्रिमंडळाला सादर करण्यात आला.

सदरहू जागा ही सांस्कृतिक कार्य विभागाला हस्तांतरित केली तरी त्याचा काही उपयोग होणार नाही कारण शेजारी रुग्णालय असल्यामुळे तेथे लाऊडस्पीकरचा वापर करता येत नाही. पुरातन (हेरिटेज) वास्तू असल्यामुळे तेथे बांधकाम करता येत नाही. त्यामुळे जागा तशीच पडून आहे. मुंबई महापालिकेच्या नवीन विकास आराखड्यामध्ये आरक्षण बदलून देण्याची मागणी केली आहे, ती देखील मान्य होईल असे वाटत नाही, असे विभागीय सचिवांनी समितीस सांगितले.

सदरहू जागा पुरातन (हेरीटेज) असल्याचे सांगण्यापेक्षा रुग्णालय शेजारी असल्यामुळे त्या जागेचा वापर करता येत नाही असा खुलासा सचिवांनी करणे अपेक्षित होते कारण पुरातन ((हेरीटेज) समितीसमोर प्रस्ताव गेला होता, उक्त जागा पुरातन ((हेरीटेज) संरक्षित असल्यामुळे तो प्रस्ताव मंजूर करता येत नाही असे पुरातन (हेरीटेज) समितीने नगरविकास विभागाला कळविले आहे.

सदर जागा मराठी भाषा भवन उभारण्यासाठी मराठी भाषा विभागाकडे हस्तांतरित करण्याचा मंत्रिमंडळाने निर्णय घेतला व पूरक मागणीद्वारे ११.१९.९२ लाख रुपये मंजूर केले. परंतु जागा पुरातत्व वास्तूच्या यादीत असून पुरातत्व समितीची मान्यता नसतानाही आर्थिक तरतूद करण्याची घाई करण्यात आली, परिणामी ती रक्कम (समर्पित सरेंडर करावी लागली याबाबत समितीने नाराजी व्यक्त केली.

पुरातन समितीची मान्यता मिळेल असे वाटत होते, परंतु प्रयत्न करुनही मान्यता मिळाली नाही. परिणामी तरतूद करुनही मराठी भाषा भवन उभारण्याच्या दृष्टीने पुढे कोणतीही कार्यवाही करता आली नाही ही वस्तुस्थिती विभागाने मान्य केली.

प्रेक्षक कोणतेही कार्यक्रम बघावयास येऊ शकत नसल्यामुळे ती जागा तशीच पडून राहणार आहे. तसेच आरक्षणाच्या कारणामुळे पुरातन समितीची मान्यता मिळाली नाही की पुरातन वास्तूमुळे मान्यता मिळाली नाही ? असा मुद्दा समितीने उपस्थित केला असता विभागीय सचिवांनी खुलासा करताना असे नमूद केले की, पूर्ण क्षेत्राला पुरातन दर्जा आहे. दुस-या मार्गाने आरक्षण बदलता येईल का असा प्रयत्न केला होता. नगरविकास विभागाने मुंबईच्या ड्राफ्ट प्लॅनमध्ये आरक्षण बदलण्याबाबतसुद्धा कार्यवाही केली होती.

रंगभवनासाठी उपलब्ध असलेल्या खुल्या जागेचा वापर उद्यान उभारण्यासाठी शासनाने करावा कारण उद्यानाबाबत पुरातन (हेरिटेज) समिती कोणतेही बंधन टाकणार नाही असे समितीचे मत आहे. महालेखापालांचा आक्षेप आचारसंहिता लागू असल्यामुळे नवीन बांधकाम प्रकल्पाचे काम हाती घेण्यावर बंधन असल्यामुळे तरतूद वापरता आली नसल्यामुळे ती प्रत्यार्पित करण्यात आली असा होता. आचारसंहितेचा मुद्दा तात्पुरत्या स्वरुपाचा होता, त्यामुळे बांधकाम थांबले नाही. याबाबतची दिनांक १० जुलै, २०१३ पासुनची सविस्तर माहिती खाली नमूद केली आहेः-

महाराष्ट्र राज्याच्या सांस्कृतिक धोरणानुसार मराठी भाषेचा विकास, संवर्धन, जतन व संरक्षण करण्याच्या उद्देशाने सन २०११ पासून स्वतंत्र मराठी भाषा विभागाची स्थापना करण्यात आली. मराठी भाषेच्या विकासाकरिता कार्यरत असलेली वेगवेगळ्या विभागांच्या अखत्यारीत असलेली भाषा संचालनालय, राज्य मराठी विकास संस्था, महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ आणि महाराष्ट्र राज्य मराठी विश्वकोष निर्मिती मंडळ ही कार्यालये/संस्था या विभागाच्या अखत्यारित आणण्यात आली. ही कार्यालये वेगवेळ्या ठिकाणी कार्यरत असल्याने त्यांच्यामध्ये जलद समन्वय साधला जावा, याकरिता ही सर्व कार्यालये एकाच छताखाली आणण्यासाठी मराठी भाषा भवन उभारण्याचा निर्णय शासनाने घेतला.

रंगभवन, धोबीतलाव, मुंबई येथे 'मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्र' (मराठी भाषा भवन) बांधण्याच्या प्रस्तावास दिनांक १० जुलै, २०१३ रोजीच्या मंत्रीमंडळाच्या बैठकीत मान्यता देण्यात आली. त्यास अनुसरुन दिनांक १६/८/२०१३ च्या शासन निर्णयान्वये सदर कामास प्रशासकीय मान्यता देण्यात आली. त्यानुसार जमीन हस्तांतरण/बांधकाम खर्चाचे अंदाजपत्रक इत्यादी बाबींची पुर्तता करण्यात आली. त्यानुसार महसूल व वन विभागाने त्यांच्या दिनांक २३/१०/२०१३ व दिनांक १५/०३/२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये सदर जागा मराठी भाषा विभागास हस्तांतरीत करण्याचे आदेश निर्गमित केले. दिनांक ७/१/२०१४ रोजी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम, १९६६ कलम-३७ (१ ए ए) अंतर्गत जागेच्या आरक्षणातील फेरबदलाबाबत सूचना/हरकती मागविण्यात आल्या.

सदरहू जागा हेरिटेज यादीमध्ये समाविष्ट असल्याने बृहन्मुंबई महानगरपालिकेच्या अंतर्गत असलेल्या 'मुंबई वारसा जपणूक समिती' ची मान्यता घेणेही आवश्यक होते. याकरिता सदर समितीकडे तसा प्रस्ताव पाठविण्यात आला. समितीच्या दिनांक ७/६/२०१४ च्या बैठकीत विचारविनिमय करण्यात आला. प्रस्तावित बांधकामाबाबत समितीने आक्षेप घेतला असून शासनाने रंगभवन

ही इमारत खुले नाट्यगृह म्हणून जतन करावी व त्याचा नियमित वापर करावा. यासाठी मा.उच्च न्यायालयात जाऊन प्रभावी ध्वनीयंत्रणा (sound system) व ध्वनी अवरोधक (sound barrier) लावण्याची परवानगी मिळवावी, जेणेकरुन सदर खुल्या नाटयगृहाचा नियमित वापर करता येईल असे अभिप्राय दिले.

दरम्यान, मा.मुख्य सचिव यांनी घेतलेल्या दिनांक २१/७/२०१४ रोजीच्या बैठकीत हेरिटेज समितीच्या मुद्यावर चर्चा करण्यात आली. सदर बाब तत्कालीन मा.मुख्यमंत्री महोदयांच्या निदर्शनास आणून दिली. यावर मा.मुख्यमंत्री महादेयांनी 'रंगभवन या खुल्या नाटयगृहाच्या जागेवर मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्र (मराठी भाषा भवन) बांधण्यासंदर्भात मंत्रीमंडळाने घेतलेल्या निर्णयाबाबत हेरिटेज समितीने व्यक्त केलेल्या मतावर आपले अभिप्राय द्यावेत. तसेच आरक्षण बदलासंदर्भात अंतिम अधिसूचनेचा प्रस्ताव तातडीने सादर करावा' असे निदेश नगर विकास विभागास दिले. मराठी भाषा विभागाकडून नगर विकास विभागाकडे वेळावेळी पाठपुरावा करण्यात आला.

मा.मुख्य सचिवांच्या अध्यक्षतेखाली झालेल्या दिनांक १६/०३/२०१५ रोजीच्या बैठकीत सदर केंद्रांच्या बांधकामाबाबत नवीन अंदाजपत्रक सादर करण्यास सार्वजनिक बांधकाम विभागास तसेच नगरविकास विभागालाही पाठपुरावा करण्याच्या सूचना देण्यात आल्या. दिनांक २४/०३/२०१५ रोजी जिल्हाधिकारी, मुंबई शहर यांनी फोर्ट महसूल विभागातील भूकर क्रमांक १४६९ मधील क्षेत्र ५६४८.५५ चौ.मी. इतक्या क्षेत्राचा ताबा मराठी भाषा विभागास दिला व मिळकत पत्रिकेवर मराठी भाषा विभागाच्या नावाची नोंद देखील घेतली आहे.

सदर बांधकामाच्या रु. ८०.२० कोटी इतक्या अंदाजित खर्चास दिनांक ३१/१/२०१४ च्या शासन निर्णयान्वये मान्यता देण्यात आली. सदर बांधकाम ३ वर्षात पूर्ण करण्याचे व त्याकरिता दरवर्षी अनुक्रमे २५-४०-३५ टक्के आर्थिक तरतूद करण्याचे नियोजन होते. हेरिटेज समितीची मान्यता व आरक्षणातील बदल यांच्या परिणामी बांधकाम सुरु करता आले नाही. सदर आवश्यक घटकांची पुर्तता करण्याचे प्रयत्न विभागाकडून सातत्याने सुरु होते. त्यास अनुसरुन पुढील ३ वर्षात खालीलप्रमाणे तरतूद करण्यात आली आहे. तथापि, बांधकाम हाती घेता न आल्याने सन २०१५-१६ पर्यंतच्या सदर आर्थिक तरतूदी शासनास समर्पित कराव्या लागल्या आहेत.

| वर्ष | तरतूद |
|---|---|
| सन २०१३-१४ | रु.११.२० कोटी |
| सन २०१४-१५ | रु.५.०० कोटी |
| सन २०१५-१६ | रु.५.५९ कोटी |
| सन २०१६-१७ | रु.१.०० कोटी |

या दरम्यान मा.ॲड.निरंजन डावखरे, विधानपरिषद सदस्य यांनी विधान परिषद नियम ९३ अन्वये अर्थसंकल्पीय अधिवेशन २०१६ मध्ये 'मराठी भाषा केंद्र' उभारणीसंदर्भात दिलेल्या सूचनेस अनुसरुन मा.मंत्री, मराठी भाषा वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स येथे भाषा भवन उभारण्याबाबत सांस्कृतिक कार्य विभागामार्फत तपासणी करण्यात येत असल्याचे निवेदन विधानपरिषदेमध्ये दिनांक ५/४/२०१६ रोजी केले. त्याचप्रमाणे 'मराठी भाषा भवनाची धोबी तलाव येथील नियोजित जागा बदलून वांद्रे-कुर्ला संकुल येथे बांधण्याचा घेतलेला निर्णय' या विषयावर श्री.विलास तरे (बोईसर) यांनी अतारांकित प्रश्न क्रमांक ५२७०२ विचारला होता. मात्र पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभागाशी विचारविनियम केला असता, वांद्रे-कुर्ला संकुल येथील पुराभिलेख संचालनालयाच्या ताब्यात असलेल्या भूखंडापैकी सद्यःस्थितीत मेट्रो प्रकल्पासाठी काही भाग कायमस्वरुपी व उर्वरीत भूखंड ३ वर्षाच्या कालावधीमध्ये मुंबई मेट्रो रेल्वे महामंडळास देण्याचे नियोजित असून पुराभिलेख संचालनालयासाठी इमारत बांधण्याचे प्रस्तावित आहे. अशा परिस्थितीत हा भूखंड मराठी भाषा भवनाची इमारत बांधण्यासाठी देणे शक्य नसल्याचे स्पष्ट झाल्याने मा.आमदार श्री.विलास तरे यांना अशा प्रकारचा निर्णय झाला नसल्याचेही कळविण्यात आले आहे.

वरील स्थितीत रंगभवन, धोबी तलाव, मुंबई या जागेवर 'मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्राच्या' प्रस्तावित बांधकामाचा घेतलेला निर्णय रद्द करणे तसेच भाषा भवनाकरिता पर्यायी जागा उपलब्ध करुन देण्याकरिता विभागाकडून मुंबई वा लगतच्या परिसरात जागा उपलब्धतेबाबत तपासणी करुन त्याठिकाणी भाषा भवन उभारणीचा प्रस्ताव मंत्रीमंडळाच्या विचारार्थ सादर करण्याबाबतची कार्यवाही सुरु करण्यात आली.

मराठी भाषा विभागामार्फत सिडकोकडे भाषा भवनासाठी जागा उपलब्ध करुन देणेबाबत विचारणा केली असता सिडकोकडून काही भूखंड वाटपासाठी सुचविण्यात आले. त्यास अनुसरुन ऐरोली, नवी मुंबई येथील सिडकोच्या अखत्यारीतील होरायझन स्कूल आणि बर्न सेंटर यामधील भूखंड क्र.६, ६-अ व ६-ब हे भूखंड भाषा भवनासाठी प्रशासकीयदृष्टया योग्य असल्याचे आढळून आले आहे. या जागेवर भाषा भवन उभारण्याचा प्रस्ताव मंत्रिमंडळाच्या निर्णयार्थ ठेवण्याची कार्यवाही सुरु आहे.

या ठिकाणी मराठी भाषा भवनाच्या बांधकामाकरिता अंदाजे २००० चौ.मी. एवढी जागा उपलब्ध होते आहे. मंत्रिमंडळाच्या निर्णयानुसार या प्रकरणी जमिनीचा ताबा घेणे व बांधकाम नियोजनबध्द पूर्ण करण्याची कार्यवाही करण्यात येईल.

पुरातन (हेरिटेज) समितीची कोणतीही मान्यता नसताना आर्थिक तरतूद करण्यात आली, त्यामुळे खर्च होऊ शकला नाही म्हणून रक्कम सरेंडर (समर्पित) करावी लागली. मान्यता नसताना अर्थसंकल्पिय तरतूद केली, त्यामुळे निधी विनावापर पडून राहिला. समितीकडून अहवालामध्ये योग्य ती शिफारस करु असे सांगून व्यवस्थित नियोजन न केल्यामुळे रक्कम समर्पित ( सरेंडर) करावी लागली असे मत समितीने मांडले.

सन २०१३-१४ च्या अर्थसंकल्पातील ही रक्कम असून ती प्रत्यार्पित झालेली आहे. विभागाने ऐरोली येथे जागा शोधली आहे. तेथे मराठी भाषा भवन उभारणार आहोत. मंत्रिमंडळापुढे त्याचा स्वतंत्र प्रस्ताव आहे. रंगभवन येथील जागेचा मराठी भाषा विभागाला उपयोग होणार नाही. सांस्कृतिक कार्य विभागाची कल्पना आहे की, तेथे आवाजाचे डेसिबल कमी ठेवून कोर्टाची परवानगी घेता आली तर त्याप्रमाणे उपयोग करण्यात यावा. हेडफोन लावून कार्यक्रम करता येतो, असा काही प्रयोग सांस्कृतिक विभाग करणार आहे असे समितीस सांगण्यात आले.

पूर्ण नियोजन नसताना आर्थिक तरतूद केल्यामुळे निधी समर्पित करावा लागला. हा निधी इतर ठिकाणी वापरता आला असता, तसे होऊ शकले नाही. यामध्ये विभागाची चूक झालेली आहे असे समितीने मत व्यक्त केले.

**अभिप्राय व शिफारशी :**

**९.३** मराठी भाषा संशोधन, विकास व सांस्कृतिक केंद्र स्थापन करण्यासाठी विभागाने ०१, कार्यालयीन इमारती ०५१, बांधकाम ०५१ (००) (०१) या शीर्षाखाली पूरक मागणीद्वारे रु.१११९.९२ लाख इतक्या रकमेची तरतूद करुन हा पुर्ण निधी आर्थिक वर्षाअखेरीस वापराविना समर्पित केला. वारसा समितीकडून बांधकाम प्रकल्पास मान्यता न मिळणे व जमिनीचे आरक्षण काढण्यास मान्यता नसणे, याशिवाय लोकसभा निवडणुकीच्या आचारसंहितेमुळे नविन बांधकाम प्रकल्प यांचे काम हाती घेण्यावरील निर्बंध यामुळे जुलै,२०१३ मध्ये मिळालेली रु.१११९.९२ लाख एवढी संपुर्ण तरतूद न वापरता शिल्लक राहिली आणि मार्च,२०१४ मध्ये प्रत्यार्पित करण्यात आली असे आक्षेप महालेखाकारांनी त्यांच्या परिच्छेदात नमूद केले आहेत.

मुंबईतील धोबीतलाव येथील जी.टी.रुग्णालय व सेंट झेव्हीयर्स कॉलेजच्या परिसरात ५००० चौ.मी.च्या भूखंडावर 'रंगभवन' हे खुले पारंपारिक नाट्यगृह ब-याच वर्षापासून कार्यरत होते व तेथे लोकगिते व लोककला यांचे कार्यक्रम वर्षानुवर्षे सुरु होते. परंतु या संदर्भात उच्च न्यायालयाने त्यांच्याकडे दाखल याचिकेत निर्णय देताना कोणत्याही रुग्णालयापासून लगतच्या क्षेत्रात खुले कार्यक्रम अथवा लाऊड स्पिकरचा वापर करता येणार नाही असे आदेश दिल्यामुळे ते नाट्यगृह बंद पडले. ती जागा सांस्कृतिक कार्य विभागाच्या ताब्यात होती व त्यावेळी मराठी भाषा विभाग अस्तित्वात नव्हता. या जागेचा वापर कसा करावा याबाबत विचार विनिमय सुरु असतानाच मराठी भाषा विभाग स्थापन झाल्यामुळे मराठी भाषेच्या विकासासाठी कार्यरत असलेल्या व वेगवेगळ्या विभागांच्या अखत्यारीत असलेल्या भाषा संचालनालय, राज्य मराठी विकास संस्था, मराठी राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ आणि महाराष्ट्र राज्य मराठी विश्वकोष निर्मिती मंडळ ही वेगवेगळ्या ठिकाणी कार्यरत असलेली कार्यालये जलद समन्वय साधता यावा यासाठी एकाच छताखाली आणण्यासाठी मराठी भाषा भवन उभारण्याचा निर्णय घेवून त्यासाठी रंगभवनची जागा देण्याच्या निर्णयास मंत्रिमंडळाच्या बैठकीत मान्यता देण्यात आली व त्याअनुषंगाने प्रशासकीय मान्यता देवून व त्यासाठी निधीची तरतूद करुन जागा हस्तांतरणाचे आदेश निर्गमित करण्यात आले. यासाठी सदर जागेवरील अस्तित्वात असलेले आरक्षण बदलणे आवश्यक असल्यामुळे

ते बदलण्यासंदर्भात सूचना व हरकती देखील मागविण्यात आल्या. त्याचबरोबर सदरहू जागा हेरिटेज यादीमध्ये समाविष्ट असल्याने बृहन्मुंबई महानगरपालिकेच्या अंतर्गत असलेल्या 'मुंबई वारसा जपणूक समिती' ची मान्यता घेणे आवश्यक असल्याने त्याकरिता प्रस्ताव पाठविण्यात आला. परंतु या समितीने प्रस्तावित बांधकामाबाबत आक्षेप घेतला व शासनाने रंगभवन ही इमारत नाट्यगृह म्हणूनच जतन करुन त्याचा नियमित वापर करावा व यासाठी मा.उच्च न्यायालयात जावून प्रभावी ध्वनी यंत्रणा व ध्वनी अवरोधक लावण्याची परवानगी मिळवावी असे अभिप्राय समितीने दिले. त्यामुळे हेरिटेज समितीची मान्यता व आरक्षणातील बदल यांच्यामुळे मराठी भाषा भवनाचे बांधकाम सुरु करता आले नाही. परिणामी सन २०१३-१४ ला रु.११.२० कोटी, सन २०१४-१५ ला रु.५ कोटी, सन २०१५-१६ ला रु.५.५९ कोटी, सन २०१६-१७ ला रु.१ कोटी या सर्व आर्थिक तरतूदी शासनास त्या-त्या वर्षअखेरीस समर्पित कराव्या लागल्या. महालेखाकारांनी घेतलेले सदरहु आक्षेप हे केवळ सन २०१३-१४ च्या विनियोजन लेख्यासंदर्भात समर्पित केलेल्या रु.१११९.९२ लाख या निधीबाबत असले तरीही विभागाने दिलेल्या माहितीमध्ये सन २०१३ ते सन २०१७ या आर्थिक वर्षात प्रत्येक वर्षी ही निधीची तरतूद करुन समर्पित केल्याचे समितीसमोर स्पष्ट झाले. आता मराठी भाषा विभागासाठी सिडकोमार्फत ऐरोली, नवी मुंबई येथे जागा उपलब्ध करुन देण्यात आलेली असून त्याबाबतचा प्रस्ताव मंत्रिमंडळाच्या निर्णयार्थ ठेवण्याची कार्यवाही सुरु असल्याचे समितीसमोर सांगण्यात आले.

**शिफारस :**

**९.४ उपरोक्त सर्व घटनाक्रम पाहता मराठी भाषा भवन रंगभवनाच्या जागेवर बांधण्यासाठी हेरिटेज समितीची मान्यता व आरक्षणातील बदल या दोन्ही बाबींची पुर्तता करणे बंधनकारकच होते. त्यामुळे यात आलेल्या अडचणी समितीला मान्य आहेत. परंतु या ऐनवेळी उद्‌भवलेल्या अडचणी नसून दक्षिण मुंबईतील सर्व जागांना हेरिटेजचा दर्जा प्राप्त असून हेरिटेज समितीच्या मान्यतेशिवाय यावर बांधकाम करता येत नाही. तसेच जागेवरील आरक्षणे ही अगोदरच DP मध्ये विहित असताना याबाबतची आवश्यक ती आरक्षण बदलाची कारवाई न करता विभागाने निधीची तरतूद करण्याची घाई का केली, हा मुळ प्रश्न या ठिकाणी अनुत्तरीत राहतो. पुरातन समितीची मान्यता व जागेच्या आरक्षणातील बदल या दोन्ही बाबी पूर्ण करण्यासाठीची प्रक्रिया ही अत्यंत किचकट स्वरुपाची व वेळखाऊ असतानाही व त्यासाठी निश्चितच मोठा कालावधी जाण्याची शक्यता असताना विभागाने अगोदरच निधीची तरतूद करुन ठेवून तो वर्षअखेरीस विनावापर प्रत्यार्पित करणे या बाबी निश्चितच वित्तीय नियमांचे उल्लंघन करणा-या असून कोणत्याही परिस्थितीत समर्थनीय नाही. विभागाने आर्थिक नियमांचे व शिस्तीचे काटेकोरपणे पालन करणे बंधनकारक आहे. हे संपुर्ण प्रकरण हाताळताना विभागांतर्गत नियोजनाचा पूर्ण अभाव समितीला दिसून येतो. विभागाने कुठल्याही आवश्यक त्या मान्यता नसताना अशाप्रकारे निधी अडवून ठेवण्याची आवश्यकता नव्हती. हा तरतूद निधी शासनाला अन्य सार्वजनिक कामासाठी वापरता आला असता. याच परिच्छेदात नव्हे तर अन्य विभागांच्या साक्षीदरम्यान देखील समितीला अशाप्रकारे निधी अडवून ठेवण्याकडे विभागाचा मोठ्या प्रमाणात कल दिसतो. विभागाने निधीची वस्तुतः तरतूद न करता केवळ तत्वतः मान्यता घेवून या सर्व परवानग्या मिळविल्यानंतरच कोणत्याही अधिवेशनात पूरक मागणीद्वारे निधी उपलब्ध करुन घेणे विभागाला शक्य असताना प्रथम निधीची तरतूद करुन ठेवणे व त्यानंतर सर्व मान्यतांसाठी कार्यवाही करणे, यामुळे वर्षभर मोठ्या प्रमाणात निधी अडकून राहतो व अन्य सार्वजनिक हिताच्या कामाकरिता तो वापरणे शक्य होत नाही व ही बाब नक्कीच समर्थनीय ठरू शकत नाही. अतः या संपूर्ण प्रकरणाबाबत समिती तीव्र नापसंती व्यक्त करीत आहे. केवळ याच प्रश्नाधीन विभागासंदर्भातील ही बाब नसून शासनाच्या सर्वच विभागांमध्ये हीच कार्यपध्दती अस्तित्वात आहे. या अस्तित्वात असलेल्या कार्यपध्दतीला काही प्रमाणात वित्त विभागदेखील जबाबदार आहे. वित्त विभागांतर्गत निधी मान्य व वितरीत करण्याची कार्यपध्दती ही सुलभ व विभागानुकुल नसते. ब-याचदा निधी देण्यास वित्त विभाग नकारच देतो. अशा परिस्थितीत प्राप्त निधी राखून ठेवला नाही तर तो पुन्हा विभागाला मिळणार नाही. त्यामुळे असा निधी अडवून ठेवण्याकडे सर्वच विभागांचा कल असतो. यातून वित्त विभागाकडे सर्वच विभागांच्या सहमतीने निश्चित तोडगा काढून व्यावहारीक मार्ग अवलंबिण्याची आवश्यकता आहे. जेणेकरुन उपलब्ध निधीचे नियोजन योग्यप्रकारे शासनाला व विभागांना करणे शक्य होईल. एखाद्या प्रस्तावाला तत्वतः आर्थिक मान्यता मिळाल्यानंतर व सर्व आवश्यक त्या परवानग्या व औपचारीकता पार पाडल्यानंतर वित्त विभागाने निधीचे वितरण विना अडथळा व विनाविलंब केल्यास अशाप्रकारे निधी राखून ठेवण्याकडील विभागांचा कल कमी होईल. अतः यासंबंधी आवश्यक ती उपाययोजना शासनस्तरावरुन करण्यात यावी व अशा निधी विनावापर राखून ठेवण्याच्या कार्यपध्दतीचा अवलंब भविष्यात टाळावा. तसेच रंगभवन येथे असलेली जागा सद्यःस्थितीत दक्षिण मुंबईतील अतिशय मोक्याच्या ठिकाणी असून त्याचा योग्य वापर होणे आवश्यक आहे. अतः जमिनीवरील आरक्षण व त्या भागास असलेला हेरिटेजचा दर्जा लक्षात घेता तसेच मा.उच्च न्यायालयाने दिलेल्या निर्णयाच्या अधिन राहून शासनाने या जागेचा योग्य तो वापर सार्वजनिक हितास्तव तात्काळ करावा अशी समितीची शिफारस आहे.**

# परिशिष्ट - अ

## विवरण क्र. १

## परिशिष्ट - 'अ'

O/o the Accountant General(A&E)-II, Maharashtra, Nagpur 440 001
कार्यालय, महालेखाकार (लेखा व हकदारी)-II,
महाराष्ट्र, नागपुर 440 001
टेलीफोन सं. पी.बी.एक्स 2565161 से 2565167 फैक्स: 0712-2560484 पोस्ट बॉक्स नं. 98
ई मेल: agaengp@sancharnet.in वेबसाईट: http://agmaha.cag.gov.in

No.VLC(AAC)/Book Adj./I-6/2013-14/25 Date 09/05/2017

To
Desk Officer,
Water Resources Department,
Mantralaya
Mumbai 400 032

Sub:- Book Adjustment of an amount of Rs 5365200/- and Rs 50,68,495/- pertaining to year 2012-13 adjusted in 2013-14 regarding Grant – I-06 and I-01.

Madam,

Please refer to your office letter No. BGT-1012/Prakra 70/12/Rokhshakha dated 03/05/2017on above subject matter. In this connection it is stated that this office has taken a note of adjustment of Rs 53,65,200/- and Rs 50,68,495/- under Major Head 6003- Internal Debt of the State Government and Major Head 2049- Interest Payment under Grant I-06 and I-01 respectively in the Appropriation Accounts of financial year 2012-13 and 2013-14.

However, department may ensure completion of reconciliation of expenditure in time to avoid occurrence of such events in future.

Yours Faithfully,

Sr. Accounts Officer/VLC(AAC)

## विवरण क्र. २

## परिशिष्ट - 'ब'

**महाराष्ट्र शासन**

ई मेल-doaccount.wrd@maharashtra.gov.in
दूरध्वनी क्र. ०२२-२२७९३२५६

क्र. विनियो १०१७/( प्र.क्र.३ /२०१७)/ लेखा
जलसंपदा विभाग,
हुतात्मा राजगुरू चौक, मादाम कामा रोड,
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२
दिनांक :- ६ मे, २०१७.

प्रति,
सर्व मुख्य अभियंता(नियंत्रक अधिकारी), जलसंपदा विभाग
सर्व अधिक्षक अभियंता, जलसंपदा विभाग,
अधिक्षक अभियंता (लाक्षेवि)जलसंपदा विभाग, मंत्रालय,मुंबई
अवर सचिव (रोखशाखा) जलसंपदा विभाग, मंत्रालय,मुंबई

विषय:- चुकीच्या नोंदीचे प्रस्ताव विहित मुदतीमध्ये सादर करण्याबाबत

महोदय,

सन २०१३-१४ या आर्थिक वर्षाच्या विनियोजन लेख्यासंदर्भात मा. प्रधान सचिव जलसंपदा / सचिव (लाक्षेबि) /सचिव (प्र.स ) यांची दि.२६.४.२०१७ रोजी लोकलेखा समितीसमोर साक्ष झाली. साक्षीदरम्यान झालेल्या चर्चेमध्ये समिती प्रमुखांनी चुकीची नोंद दुरूस्ती प्रस्ताव (N.O.E) विहीत कालमर्यादेत महालेखापाल कार्यालयास सादर केले जात नाही, याबाबत नापंसती व्यक्त केली आहे, तसेच भविष्यात वेळेवर चुकीची नोंद दुरूस्ती प्रस्ताव (N.O.E) सादर करण्याबाबत सूचना दिल्या आहेत.

जलसंपदा विभागांतर्गत सर्व नियंत्रकअधिका-यांना खर्चमेळाचे काम वेळेवर पूर्ण करण्याबाबत वेळोवेळी आदेश / सूचना देण्यात आल्या आहेत. तरी देखील नियंत्रक अधिका-यांकडून खर्चमेळाचे काम विहित पद्धतीने व विहित कालावधीत केले जात नाही. चुकीच्या नोंद दुरूस्तीचे प्रस्ताव विहीत कालमर्यादेत महालेखापाल कार्यालयास सादर न केल्यामुळे महालेखापाल कार्यालयाकडून गैरवर्गीकरणाबाबत दखल घेतली जात नाही. विभागाने केलेला खर्च व महालेखापालांनी नोंदविलेला खर्च यात तफावत कायम राहून खर्चाच्या ताळमेळाची कार्यवाही पूर्ण होत नाही. त्यामुळे गैरवर्गीकरण झाल्यास वेळीच चुकीची नोंद दुरूस्ती प्रस्ताव सादर करून वित्तीय शिस्त पाळणे आवश्यक आहे. याबाबत आपले लक्ष दि.१०.५.२००६ च्या शासन परिपत्रकाकडे वेधण्यात येत आहे. (सोबत प्रत जोडली आहे.) NOE चे प्रस्ताव विहित मुदतीमध्ये सादर होतील, याबाबत सर्व नियंत्रक अधिका-यांनी दक्षता घ्यावी, यामध्ये कुचराई झाल्यास दि.७.११.२००९ च्या परिपत्रकानुसार संबंधितावर शिस्तभंगाची कारवाई करावी. तसेच सन २०१३-१४, सन २०१४-१५ व सन २०१५-१६ या वर्षाचे सर्व चुकीचे नोद दुरूस्ती प्रस्ताव विहित कालावधीत महालेखापाल कार्यालयास पाठविण्यात आल्या आहेत का ? याबाबतचा अहवाल दि.१५ मे, २०१७ पर्यंत शासनास सादर करावा.

आपला

प्रशांत रेंगणीकर
आंतरवित्त सल्लागार व उप सचिव

प्रत: वरीलप्रमाणे

# विवरण क्र. ३

## परिशिष्ट - 'क'

२०१३-१४

२७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे

सचिव (लाक्षेवि) यांचे नावे अर्थसंकल्पीत ठोक तरतुदीतुन पुनर्विनियोजनाने उपलब्ध केलेल्या निधीचा तपशील

(रुपये लक्ष)

| अक्र. | लेखाशीर्ष | तरतुद |
|---|---|---|
| १ | ठोक तरतुद<br>सचिव, लाक्षेविप्रा, जलसंपदा विभाग (२७०१ बी ५७४) | ७२३३.२५ |
| २ | BDS वर उपलब्ध (ठोक तरतुद) | ६६७४.०० |
| ३ | राखीव दत्तमतकडे | ५५९.२५ |

उपरोक्त ठोक तरतुदीतुन खालील प्रकल्पांना/नियंत्रक अधिकारी यांना पुनर्विनियोजनाने वाढ देण्यात आली आहे.

(रुपये लक्ष)

| अक्र. | लेखाशीर्ष | पुनर्विनियोजनाने वाढ |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| | **२७०१-मोठे व मध्यम पाटबंधारे** | |
| १ | भातसा प्रकल्प (२७०१ ८८३७) | ५१.१९ |
| २ | पेंच प्रकल्प (२७०१ ०१२१) | १००.०० |
| ३ | बाघ प्रकल्प (२७०१ ०१०१) | ११६.८४ |
| ४ | इटियाडोह प्रकल्प (२७०१ ००९५) | १८४.५२ |
| ५ | कालीसरार प्रकल्प (२७०१ ८८४६) | ७.७७ |
| ६ | निम्न वेण्णा (२७०१ बी ०८२) | ६९.९६ |
| ७ | नळगंगा प्रकल्प (२७०१ ७३५८) | १०.४२ |
| ८ | गंगापूर (२७०१ ९६९१) | ३५.१९ |
| ९ | अप्पर गोदावरी (२७०१ ९७१७) | १५२.१६ |
| १० | चंणकापूर प्रकल्प (२७०१ अे १६६) | ६९.४१ |
| ११ | मुकणे प्रकल्प (२७०१ बी १२६) | ५४.९६ |
| १२ | भावली प्रकल्प (२७०१ बी६२७) | ८७.३० |
| १३ | पुर्णा प्रकल्प (२७०१ अे ०६८) | ३.९३ |
| १४ | विष्णुपुरी प्रकल्प (२७०१ ०७७) | ६०.२५ |
| १५ | जायकवाडी प्रकल्प (पैठण उजवा कालवा) (२७०१ अे १०१) | ८३.०३ |
| १६ | माजलगाव प्रकल्प (२७०१ अे ११२) | ४१.०२ |
| १७ | मांजरा प्रकल्प (२७०१ अे १२१) | १३३.०८ |
| १८ | निम्न तेरणा प्रकल्प (२७०१ अे १३९) | २३.६१ |
| १९ | हतनुर प्रकल्प (२७०१ अे १४८) | २१४.३४ |
| २० | गिरणा (२७०१ अे १५७) | २२६.१३ |
| २१ | खडकवासला (२७०१ अे १८४) | २४७.४२ |
| २२ | पवना (२७०१ अे १९३) | १४.०३ |
| २३ | चासकमान प्रकल्प (२७०१ अे २१९) | ६०.९८ |
| २४ | काळ प्रकल्प (२७०१ ०१९३) | ५००.०० |
| २५ | जायकवाडी प्रकल्प (पैठण डावा कालवा) (२७०१ अे २२८) | १२०.०० |
| २६ | कृष्णा प्रकल्प (धोम व कन्हेर) (२७०१ अे २३७) | १८९.४२ |

| अक्र. | लेखाशीर्ष | पुनर्विनियोजनाने वाढ |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| २७ | घोड प्रकल्प (२७०१ अे २४६) | ४५.२० |
| २८ | कुकडी प्रकल्प (२७०१ अे २५५) | ३४४.५६ |
| २९ | तुळशी प्रकल्प (२७०१ अे २६४) | ८.३६ |
| ३० | वारणा प्रकल्प (२७०१ अे २७३) | १९.२३ |
| ३१ | दुधगंगा प्रकल्प (२७०१ अे २८२) | १९.११ |
| ३२ | राधानगरी धरण (२७०१ अे ३०८) | २४.३५ |
| ३३ | अ.अ. अकोला पा.मंडळ,अकोला (२७०१ ०३२६) | २२६.१२ |
| ३४ | अ.अ. ठाणे पा.मंडळ, ठाणे (२७०१ ४१८१) | ५९.०५ |
| ३५ | अ.अ. कोकण पा.मंडळ, रत्नागिरी (२७०१ ६२१७) | २५.०० |
| ३६ | अ.अ.चं.पा.प्र.मंडळ. चंद्रपूर (२७०१ ०४१५) | ९६.३४ |
| ३७ | प्रशासक. ला.क्षे.वि.प्रा. नागपूर (२७०१ ९२९९) | १०३.७८ |
| ३८ | प्रशासक. ला.क्षे.वि.प्रा. नाशिक (२७०१ ९७४४) | १२४.१९ |
| ३९ | प्रशासक. ला.क्षे.वि.प्रा. सोलापूर (२७०१ अे ३१७) | १५८.४८ |
| ४० | प्रशासक. ला.क्षे.वि.प्रा. बीड (२७०१ अे ३२६) | ७१.५० |
| ४१ | प्रशासक. ला.क्षे.वि.प्रा. जळगाव (२७०१ अे ३३५) | १५७.१२ |
| ४२ | प्रशासक. ला.क्षे.वि.प्रा. औरंगाबाद (२७०१ अे ३४४) | ४५.४० |
| ४३ | अ.अ. पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे (२७०१ अे ३५३) | ८.२७ |
| ४४ | अ.अ.सांगली पाट. मंडळ सांगली (२७०१ अे ३७१) | २२२.५६ |
| ४५ | प्रशासक. ला.क्षे.वि.प्रा. पुणे (२७०१ बी १०८) | ७०.९५ |
| ४६ | अ.अ.वाशिम पा.मंडळ, वाशिम (२७०१ बी ५०२) | ३६.६८ |
| ४७ | अ.अ.,अप्पर वर्धा प्र.मं.,अमरावती(२७०१ बी ६४५) | ५७.८५ |
| ४८ | अ.अ. दक्षता पथक, मुंबई परि., ठाणे (२७०१ १४८५) | ६.०० |
| ४९ | अ.अ. दक्षता पथक, पुणे (२७०१ १४९४) | ६.०० |
| ५० | अ.अ. दक्षता पथक, औरंगाबाद (२७०१ १५११) | ६.०० |
| ५१ | अ.अ. दक्षता पथक, अमरावती (२७०१ १५३८) | ५.२५ |
| ५२ | अ.अ. ठाणे पाटबंधारे मंडळ, ठाणे (२७०१ १३७८) | १०.०० |
| ५३ | अ.अ. अकोला पाट. मंडळ, अकोला (२७०१ १५८३) | १०.६६ |
| ५४ | आस्थापना हिस्सा (२७०१ ३७८२) (इतर आकार) | १२०.९५ |
| ५५ | मु.अ. व संचा., मअप्रप्र, नाशिक (२७०१ २४८१) | ५२.०३ |
| ५६ | मु.अ.व संचालक, म.अ.प्र.प्र., नाशिक (२७०१ ४२८८) | ३.१८ |
| ५७ | वाल्मीसाठी सहायक अनुदाने (२७०१ ९३९७) | १५०.०० |
| ५८ | अ.अ. व सहसंचालक, म.अ.स.स., नाशिक (२७०१ २६७९) | ३०.०० |
| ५९ | अ.अ.व संचालक,पा.सं.व वि.पुणे (२७०१ २८०१) | ६.४१ |
| ६० | अ.अ.व सं., पासंव वि, पुणे (२७०१ २८१२) | ५.४५ |
| ६१ | अ.अ.म.सं.सं.(द.), नाशिक (२७०१ २९१९) | ६.०८ |
| ६२ | प्रशासक, लाक्षेविप्रा, नागपूर (२७०१ ८७०१) | २.४६ |
| ६३ | प्रशासक, लाक्षेविप्रा, औरंगाबाद (२७०१ अे ७८३) | १००.०० |
| ६४ | प्रशासक, लाक्षेविप्रा, पुणे (२७०१ अे ७९२) | २.११ |
| ६५ | अ.अ.पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे (२७०१ अे ८०९) | २.११ |
| ६६ | अ.अ.व संचाल-क, पा.स.व वि.पुणे (२७०१ ६७९२) | २३.८३ |
| ६७ | अ.अ.ठाणे पा.मंडळ,ठाणे (२७०१ ८५३२) | ९२.६७ |

| अक्र. | लेखाशीर्ष | पुनर्विनियोजनाने वाढ |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| ६८ | अ.अ.यां.मं.(उवस) नांदेड (२७०१ ७०३५) | १२९.२५ |
| ६९ | अ.अ.यां.मं.(उवस) नागपूर (२७०१ ७३६७) | ५०.५८ |
| ७० | अ.अ. व प्रशा., लाक्षेविप्रा, नागपूर (२७०१ ७७२३) | ४०.७६ |
| ७१ | अ.अ.यांत्रिकी मंडळ (उस) पुणे (२७०१ ९५८४) | २६.०५ |
| ७२ | अ.अ.व प्रशा, लाक्षेविप्रा, नाशिक (२७०१ ९७६२) | १०.१५ |
| ७३ | अ.अ.व प्रशासक,लाक्षेविप्रा, बीड (२७०१ अे ३९१) | २५.२९ |
| ७४ | अ.अ.व प्रशा, लाक्षेविप्रा, पुणे (२७०१ अे ४०६) | १३.३३ |
| ७५ | अ.अ.व प्र.,लाक्षेविप्रा,औरंगाबाद(२७०१ अे ४१५) | ११.२७ |
| ७६ | अ.अ.व प्र.,लाक्षेविप्रा, जळगाव (२७०१ अे ४२४) | १.७३ |
| ७७ | अ.अ.पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे (२७०१ अे ४३३) | ११७.०० |
| ७८ | अ.अ.सांगली पाट. मंडळ, सांगली (२७०१ अे ४५१) | ४०.१० |
| ७९ | अअ.,अप्पर वर्धा प्र.मं.,अमरावती (२७०१ बी ६१८) | ९.११ |
| ८० | अ.अ., ठाणे पा.मंडळ, ठाणे (२७०१ ७०५३) | १७०.७७ |
| ८१ | अ.अ. व प्रशा.,लाक्षेविप्रा, नागपूर (२७०१ ७८४१) | ५६.८३ |
| ८२ | अ.अ.व संचालक, पा.सं.व वि.पुणे (२७०१ ८५६१) | १७.६१ |
| ८३ | अ.अ.यां.मं.(उवस) नांदेड (२७०१ ७७९७) | २७.२६ |
| ८४ | अ.अ., यांत्रिकी मंडळ(उस), पुणे (२७०१ ९५९३) | २८.९३ |
| ८५ | अ.अ.व प्रशा,लाक्षेविप्रा, नाशिक (२७०१ ९७७१) | २७.१३ |
| ८६ | अ.अ.व प्रशा., लाक्षेविप्रा, बीड (२७०१ अे ४७१) | २३.५६ |
| ८७ | अ.अ.व प्रशा.लाक्षेविप्रा, जळगाव (२७०१ अे ४८९) | ३.१५ |
| ८८ | अ.अ.व प्रशा,लाक्षेविप्रा,औरंगाबाद(२७०१ अे ४९८) | १५.३८ |
| ८९ | अ.अ.व प्रशा,लाक्षेविप्रा, पुणे (२७०१ अे ५०४) | २९.६१ |
| ९० | अ.अ.,पुणे पाटबंधारे मंडळ, पुणे (२७०१ अे ५१३) | ४५.२८ |
| ९१ | अ.अ.,सांगली पाट.मंडळ, सांगली (२७०१ अे ५३१) | २०.९३ |
| ९२ | अ अ.,अप्पर वर्धा प्र.मं.,अमरावती (२७०१ बी ५८३) | ३८.४५ |
| | एकूण:-२७०१ | **६४०१.७६** |
| | **२७०२-लहान पाटबंधारे** | |
| १ | आस्थापना खर्च (२७०२ ३६२२) (इतर आकार) | २२१.०८ |
| २ | निवृत्ती वेतन विषयक खर्च (२७०२ ३६३१) (इतर आकार) | ३.०७ |
| ३ | सचिवालयीन खर्च (२७०२ ३६५१) (इतर आकार) | ६.१४ |
| ४ | हत्यारे व सयंत्रे खर्च (२७०२ ३६६९) (इतर आकार) | ४१.९५ |
| | एकूण:-२७०२ | २७२.२४ |
| | | |
| | एकुण सर्व | ६६७४.०० |

# विवरण क्र. ४

## परिशिष्ट - 'ड'

२०१३-१४

२७०२ लहान पाटबंधारे

सचिव (लाक्षेवि) यांचे नावे अर्थसंकल्पीत ठोक तरतुदीतुन पुनर्विनियोजनाने उपलब्ध केलेल्या निधीचा तपशील

(रुपये लक्ष)

| अक्र. | लेखाशीर्ष | तरतुद |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| १ | ठोक तरतुद<br>सचिव (लाक्षेवि) जलसंपदा विभाग (२७०२ ८४७३) | २८४४.५७ |

उपरोक्त ठोक तरतुदीतुन खालील नियंत्रक अधिकारी यांना पुनर्विनियोजनाने वाढ देण्यात आली आहे.

(रुपये लक्ष)

| अक्र. | लेखाशीर्ष | पुनर्विनियोजनाने वाढ |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| | **२७०२ लहान पाटबंधारे** | |
| १ | अ.अ. ठाणे पाटबंधारे मंडळ,ठाणे (२७०२ ०७७७) | ४.३१ |
| ३ | अ.अ. अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला (२७०२ ०९०१) | २३८.८७ |
| ४ | अ.अ. चंद्रपूर पाटबंधारे प्र.मंडळ, चंद्रपूर (२७०२ ०९२ ८) | ३८.५० |
| ५ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.नागपूर (२७०२ ४२५ ३) | ९४.८१ |
| ६ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक (२७०२ ४३४ २) | २०७.९७ |
| ७ | अ.अ. पुणे पाटबंधारे मंडळ,पुणे (२७०२ ४४५ १) | २५८.९७ |
| ८ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे (२७०२ ४४६ ९) | १८२.२६ |
| ९ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.सोलापूर(२७०२ ४४७ ८) | ९२.१९ |
| १० | अ.अ. सांगली पाटबंधारे मंडळ,सांगली (२७०२ ४४८ ७) | ४८.३८ |
| ११ | अ.अ.व प्रशासक,ला.क्षे.वि.प्रा.औरंगाबाद (२७०२ ४४९६) | ४९.५० |
| १२ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.बीड (२७०२ ४५० ५) | १२०.१० |
| १४ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.जळगाव(२७०२ ४५२ २) | ११३.८१ |
| १५ | अ.अ. वाशिम पाटबंधारे मंडळ, वाशिम (२७०२ ८१८८) | ३७.७२ |
| १६ | अ.अ.अप्पर वर्धा प्र. मंडळ, अमरावती (२७०२ ८४८२) | १५७.७८ |
| १७ | अ.अ. ठाणे पाटबंधारे मंडळ,ठाणे (२७०२ ३४० ८) | ३२७.४२ |
| १८ | अ.अ.कोंकण पाटबंधारे मंडळ, रत्नागिरी(२७०२ ३४२ ६) | २३.१३ |
| १९ | अ.अ. अकोला पाटबंधारे मंडळ, अकोला (२७०२ ३५४ २) | ९४.३९ |
| २० | अ.अ. चंद्रपूर पाटबंधारे प्र.मंडळ, चंद्रपूर(२७०२ ३५७ १) | २९.४० |
| २१ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.नागपूर (२७०२ ४२६ २) | २६.०० |
| २२ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.नाशिक (२७०२ ४३५ १) | ४३.२७ |
| २३ | अ.अ. पुणे पाटबंधारे मंडळ,पुणे(२७०२ ४५३ १) | १०८.८७ |
| २४ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.पुणे(२७०२ ४५४ ९) | ४९.८२ |
| २५ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.सोलापूर(२७०२ ४५५ ८) | ९.१४ |
| २६ | अ.अ. सांगली पाटबंधारे मंडळ,सांगली (२७०२ ४५६ ७) | ३८.८२ |
| २७ | अ.अ.व प्रशासक,ला.क्षे.वि.प्रा.औरंगाबाद (२७०२ ४५७ ६) | २१.२० |

(रुपये लक्ष)

| अक्र. | लेखाशीर्ष | पुनर्विनियोजनाने वाढ |
|---|---|---|
| १ | २ | ३ |
| २८ | अ.अ.व प्रशासक, ला.क्षे.वि.प्रा.जळगाव(२७०२ ४५९ ४) | १२३.३८ |
| २९ | अ.अ. वाशिम पाटबंधारे मंडळ, वाशिम (२७०२ ८१९७) | ८.२८ |
| ३० | अ.अ.अप्पर वर्धा प्रकल्प मंडळ, अमरावती(२७०२ ८४९ १) | ३८.६८ |
| ३१ | इतर आकार, आस्थापना खर्च (२७०२ १८७ १) | २५४.६० |
| | एकूण-२७०२ | २८४१.५७ |

| | | |
|---|---|---|
| | **२७०५- लाभक्षेत्र विकास** | |
| १ | सचिव(लाक्षेवि) जलसंपदा विभाग, आस्थापना (२७०५ ३५७८) | ३.०० |
| | एकूण- २७०५ | ३.०० |
| | एकूण-सर्व | २८४४.५७ |

## परिशिष्ट-अ

## अपूर्ण १० नाटयगृहांची सद्यस्थिती - A-3 (पृष्ठ-१)

| अ.क्र. | जिल्हा | सद्यस्थिती |
|---|---|---|
| १ | लातूर | फेब्रुवारी, २००१ मध्ये नाटयगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन शासनाच्या हिस्स्याचा पहिला हप्ता रु.१.७० कोटी वितरीत करण्यात आला. तथापि जागेच्या स्थानिक वादामुळे हे काम बंद करण्यात आल्याने सदर निधी जिल्हाधिकारी कार्यालयाने शासनास परत केला. |
| २ | बुलढाणा | ऑगस्ट २००२ मध्ये नाटयगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन शासनाच्या हिस्स्याचा रु. २.२५ कोटी निधी वितरीत करण्यात आला. बांधकामाची सद्यस्थिती व निधीचा विनियोग याबाबत वारंवार पाठपुरावा केला असता मार्च, २०१७ मध्ये जिल्हाधिकारी कार्यालयाने अवगत केले आहे की, नाटयगृहाचे बांधकाम छतपातळीपर्यंत झाले असून कंत्राटदारास मुदतवाढ देऊनही ठराविक मुदतीत त्याने काम न केल्याने त्याचेविरुध्द कार्यवाही करण्यात येणार आहे. |
| ३ | हिंगोली | नाटयगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन जानेवारी २००७ मध्ये रु.१.०० कोटी वितरीत करण्यात आले. तथापि हे प्रकरण न्यायप्रविष्ठ असुन काम बंद पडले असल्याचे जिल्हाधिकारी यांनी अवगत केले आहे. |
| ४ | सिंधुदुर्ग | मार्च २०११ मध्ये नाटयगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन रु.५५.०० लाख वितरीत करण्यात आले. तथापि नाटयगृहाच्या जागेचा प्रश्न निर्माण झाल्याने स्थानिक स्वराज्य संस्थेने नाट्यगृहाची जागा तसेच आराखडयाचे स्वरुप बदलले आहे. त्यानुसार सुधारीत प्रशासकीय मान्यतेचा प्रस्ताव जिल्हाधिकारी यांचेकडुन प्रतिक्षाधीन आहे. |
| ५ | गोंदिया | ऑक्टोबर २०११ मध्ये नाटयगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन शासनाच्या हिस्स्याचा पहिला हप्ता रु.१.५० कोटी व नोव्हेंबर २०१४ मध्ये दुसरा हप्ता रु. २.५५ कोटी वितरीत करण्यात आला असून नाट्यगृह बांधकाम सुरु आहे. |
| ६ | परभणी | मे,२०१२ मध्ये परभणी नाटयगृह बांधकामासाठीच्या प्रस्तावास मान्यता देऊन पहिल्या हप्त्याचे रु. १.५० कोटी वितरीत करण्यात आले. तथापि, जागेच्या अनिश्चितीमुळे जिल्हाधिकारी कार्यालयाने मार्च, २०१३ अखेरीस शासनाने वितरीत केलेला सर्व निधी प्रत्यार्पित केला. आता जागेची निश्चिती झाल्याने स्वतंत्र प्रस्ताव सादर करण्यात येते असल्याचे जिल्हाधिकारी कार्यालयाने कळविले आहे. |
| ७ | वाशिम | नोव्हेंबर २०१२ मध्ये नाट्यगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन शासनाच्या हिस्स्याचा पहिला हप्ता रु.१.५२ कोटी व सप्टेंबर २०१५ मध्ये दुसरा हप्ता रु. १.९० कोटी वितरीत करण्यात आला असून नाट्यगृह बांधकाम सुरु आहे. |
| ८ | चंद्रपूर (बल्लारपूर) | फेब्रुवारी २०१४ मध्ये नाटयगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन शासनाच्या हिस्स्याचा पहिला हप्ता रु.१.५२ कोटी, मार्च २०१६ मध्ये दुसरा हप्ता रु. १.६० कोटी व ऑगस्ट २०१६ मध्ये रु. ३०.०० लाख निधी वितरीत करण्यात आला असून नाट्यगृह बांधकाम प्रगतीपथावर आहे. |

| अ.क्र. | जिल्हा | सद्यस्थिती |
|---|---|---|
| ९ | रायगड (अलिबाग) | सप्टेंबर, २०१६ मध्ये नाटयगृह बांधकामास प्रशासकीय मान्यता देऊन शासनाच्या पहिल्या हप्त्याचे रु.१.५२ कोटी वितरीत केले व दुसऱ्या हप्त्याचे रु.१.९० कोटी अनुदान मे, २०१७ मध्ये वितरीत करण्यात आले असून नाट्यगृह बांधकाम प्रगतीपथावर आहे. |
| १० | अहमदनगर | मार्च २०१० मध्ये नाशिक विकास पॅकेज अंतर्गत अहमदनगर नाटयगृहासाठी रु. २ कोटीचे पॅकेज मान्य करुन रु. ६०.०० लाख अर्थसहाय्य उपलब्ध करण्यात आले होते. अहमदनगर मनपाने आता नव्याने अंदाजपत्रक व आराखडे तयार केल्याचे नमूद केले असल्याने सविस्तर प्रस्ताव सादर करण्यास महानगरपालिकेला सूचित करण्यात आले आहे. सदर प्रस्ताव महानगरपालिकेकडून प्रतिक्षाधीन आहे. |

# परिशिष्ट - ब

**गुरुवार, दिनांक २० ऑक्टोबर, २०१६**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक गुरुवार, दिनांक २० ऑक्टोबर, २०१६ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी १२.०० वाजता सुरु होऊन दुपारी ०१.१५ वाजता स्थगित झाली.

**उपस्थिती**

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.

(३) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.

(४) श्री. शंभूराज देसाई, वि.स.स.

(५) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.

(६) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.

(७) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव

(२) श्री.श्रीरंगम, उप सचिव तथा नि.अ.

(३) श्री.सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**

**महालेखाकार कार्यालय :**

श्री.शिवराज धुप्पे, उप महालेखाकार

**वित्त विभाग :**

श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**

(१) श्री. सुधीर श्रीवास्तव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, राज्य उत्पादन शुल्क, परिवहन व बंदरे विभाग

(२) श्री. अतुल पाटणे, मुख्य कार्य अधिकारी, एम.एम.बी.

(३) व्ही. राधा, आयुक्त, राज्य उत्पादन शुल्क

(४) श्री. प्रविण गेडाम, आयुक्त, परिवहन

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. बी-२,३,४,७ संदर्भात अप्पर मुख्य सचिव, गृह विभाग यांची साक्ष घेतली.

**मंगळवार, दिनांक २५ ऑक्टोबर, २०१६**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक मंगळवार, दिनांक २५ ऑक्टोबर, २०१६ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी २.०० वाजता सुरु होऊन सायं. ०४.१५ वाजता स्थगित झाली.

### उपस्थिती

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य**

(२) श्री. शिवाजीराव नाईक, वि.स.स.
(३) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.
(४) श्री. नानाजी शामकुळे, वि.स.स.
(५) श्री. हरीभाऊ जावळे, वि.स.स.
(६) श्रीमती माधुरी मिसाळ, वि.स.स.
(७) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.
(८) श्री. संजय केळकर, वि.स.स.
(९) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.
(१०) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय** :

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री.श्री.श्रीरंगम,उप सचिव तथा नि.अ.
(३) श्री.सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**

**महालेखाकार कार्यालय :**

श्रीमती संगीता चौरे, प्रधान महालेखाकार

**वित्त विभाग :-**

**श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग**

**विभागीय प्रतिनिधी :**

श्री. भूषण गगराणी, प्रधान सचिव, मराठी भाषा विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. झेड एफ - ०३ संदर्भात प्रधान सचिव, मराठी भाषा विभाग यांची साक्ष घेतली.

**बुधवार, दिनांक १६ नोव्हेंबर, २०१६**

**लोकलेखा समिती**

लोकलेखा समितीची बैठक बुधवार, दिनांक १६ नोव्हेंबर, २०१६ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी १२.०० वाजता सुरु होऊन दुपारी २.३० वाजता स्थगित झाली.

**उपस्थिती**

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. शिवाजीराव नाईक, वि.स.स.
(३) श्रीमती माधुरी मिसाळ, वि.स.स.
(४) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.
(५) श्री. कालीदास कोळंबकर, वि.स.स.
(६) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.
(७) श्री. अशोक उर्फ भाई जगताप, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव,
(२) श्री. सो. न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**

**महालेखाकार कार्यालय :**

श्रीमती संगिता चौरे, प्रधान महालेखाकार

**वित्त विभाग :**

श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**

श्री.जमादार, प्रधान सचिव, विधी व न्याय विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. जे - ०१ संदर्भात प्रधान सचिव, विधी व न्याय विभाग यांची साक्ष घेतली.

**मंगळवार, दिनांक ०३ जानेवारी, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक मंगळवार, दिनांक ०३ जानेवारी, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी ०३.०० वाजता सुरु होऊन सायं ४.३० वाजता स्थगित झाली.

**उपस्थिती**

**समिती प्रमुख** :

(१) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स. तथा कार्यकारी समिती प्रमुख

**सदस्य**

(२) श्री. हरीभाऊ जावळे, वि.स.स.
(३) श्रीमती माधुरी मिसाळ, वि.स.स.
(४) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.
(५) डॉ. अनिल बोंडे, वि.स.स.
(६) श्री. वैभव नाईक, वि.स.स.
(७) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.
(८) श्री. वसंतराव चव्हाण, वि.स.स.
(९) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :-**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. श्री.श्रीरंगम, उप सचिव तथा नि.अ.
(३) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**

**महालेखाकार कार्यालय :**

(१) श्रीमती संगिता चौरे, प्रधान महालेखाकार, मुंबई
(२) श्री.राजदिप सिंह, महालेखाकार, नागपूर

**वित्त विभाग :**

श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**

श्री. चं.प्र.जोशी, सचिव (बांधकाम), सार्वजनिक बांधकाम विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. एच - ३ ते ६ संदर्भात सचिव, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांची साक्ष घेतली.

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक बुधवार, दिनांक ०४ जानेवारी, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी १२.०० वाजता सुरु होऊन दुपारी २.३० वाजता स्थगित झाली.

### उपस्थिती

**समिती प्रमुख** :

(१) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स. तथा कार्यकारी समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. संजय केळकर, वि.स.स.
(३) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.
(४) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.
(५) श्री. अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स.
(६) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. श्री.श्रीरंगम, उप सचिव तथा नि.अ.
(३) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**

**महालेखाकार कार्यालय :**

श्रीमती संगिता चौरे, प्रधान महालेखाकार, मुंबई

**वित्त विभाग :**

श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**

श्री. सुधीर श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. बी - ४, ७ व १० संदर्भात अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग यांची साक्ष घेतली.

**मंगळवार, दिनांक ७ फेब्रुवारी, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक मंगळवार, दिनांक ७ फेब्रुवारी, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी १२.०० वाजता सुरु होऊन दुपारी २.३० वाजता स्थगित झाली.

## उपस्थिती

**समिती प्रमुख** :

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(३) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.
(४) श्री. कालीदास कोळंबकर, वि.स.स.
(५) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.
(६) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय** :

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. श्रीरंगम, उप सचिव तथा नि.अ.
(३) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित** :

(१) श्री. राजदिप सिंह, महालेखाकार, नागपूर कार्यालय
(२) श्री. मोहन पारखी, वरिष्ठ उपमहालेखाकार, नागपूर कार्यालय

**वित्त विभाग :**

श्रीमती सुजाता सैनिक, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**

(१) डॉ. विजय सतबीर सिंघ, अपर मुख्य सचिव, सार्वजनिक आरोग्य विभाग
(२) श्री. मनुकुमार श्रीवास्तव, प्रधान सचिव, महसूल व वन विभाग
(३) श्रीमती मेधा गाडगीळ, अपर मुख्य सचिव, मुदत व पुनर्वसन विभाग
(४) श्री. विकास खारगे, सचिव, महसूल व वन (वन) विभाग
(५) डॉ. सतीश पवार, संचालक, सार्वजनिक आरोग्य विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. सी-१,२,४,५,७,९,११ संदर्भात सचिव, आदिवासी विभाग यांची साक्ष घेतली.

**बुधवार, दिनांक ८ फेब्रुवारी, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक बुधवार, दिनांक ८ फेब्रुवारी, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी १२.०० वाजता सुरु होऊन दुपारी २.३० वाजता स्थगित झाली.

## उपस्थिती

**समिती प्रमुख**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(३) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.
(४) श्री. कालीदास कोळंबकर, वि.स.स.
(५) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.
(६) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**
(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. श्रीरंगम, उप सचिव तथा नि.अ.
(३) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**
**महालेखाकार कार्यालय :**
श्री. उदय मा.शिंदे, वरिष्ठ उप महालेखाकार, मुंबई कार्यालय

**वित्त विभाग :**
श्रीमती सुजाता सैनिक, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**
(१) श्रीमती मनिषा वर्मा, सचिव, आदिवासी विकास विभाग
(२) श्री. राजेंद्र जाधव, आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. टी - ०८ संदर्भात सचिव, आदिवासी विभाग यांची साक्ष घेतली.

**सोमवार, दिनांक २७ फेब्रुवारी, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक सोमवार, दिनांक २७ फेब्रुवारी, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी २.३० वाजता सुरु होऊन सायं ४.३० वाजता स्थगित झाली.

## उपस्थिती

**समिती प्रमुख** :

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(३) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.
(४) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.
(५) श्री. जयंत पाटील, वि.स.स.
(६) श्री. राजेश टोपे, वि.स.स.
(७) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.
(८) श्री. अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स.
(९) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**
(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. श्रीरंगम, उप सचिव तथा नि.अ.
(३) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**
**महालेखाकार कार्यालय :**
श्रीमती संगिता चौरे, प्रधान महालेखाकार

**वित्त विभाग :**
श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**
(१) श्री. नितिन करीर, प्रधान सचिव, नगरविकास विभाग
(२) श्रीमती मनिषा म्हैसकर, सचिव, नगरविकास विभाग
(३) श्रीमती वल्सा नायर-सिंह, पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. एफ - ०२, ०३ संदर्भात प्रधान सचिव, नगरविकास (१) व सचिव, नगरविकास (२) विभाग यांची साक्ष घेतली.

**बुधवार, दिनांक २६ एप्रिल, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक बुधवार, दिनांक २६ एप्रिल, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे सकाळी ११.३० वाजता सुरु होऊन दुपारी २.१५ वाजता स्थगित झाली.

**उपस्थिती**

**समिती प्रमुख** :

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. शिवाजीराव नाईक, वि.स.स.
(३) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.
(४) श्री. हरीभाऊ जावळे, वि.स.स.
(५) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(६) डॉ. अनिल बोंडे, वि.स.स.
(७) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.
(८) श्री. भास्कर जाधव, वि.स.स.
(९) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**
(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**

**महालेखाकार कार्यालय :**
श्रीमती संगिता चवरे, प्रधान महालेखाकार, मुंबई कार्यालय

**वित्त विभाग :**
श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**

**जलसंपदा विभाग**

(१) श्री.आय.एस.चहल, प्रधान सचिव, जलसंपदा विभाग
(२) श्री.रा.वा.पानसे, सचिव, जलसंपदा विभाग
(३) श्री.शि.मा.उपासे, सचिव, लाभक्षेत्र विकास, जलसंपदा विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. आय - ०१, ०३, ०५, ०६ व ०७ संदर्भात प्रधान सचिव व सचिव जलसंपदा विभाग यांची साक्ष घेतली.

**मंगळवार, दिनांक १६ मे, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक मंगळवार, दिनांक १६ मे, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी ०२.३० वाजता सुरु होऊन सायं ४.३० वाजता स्थगित झाली.

### उपस्थिती

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.
(३) श्री. हरीभाऊ जावळे, वि.स.स.
(४) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(५) श्रीमती माधुरी मिसाळ, वि.स.स.
(६) श्री. योगेश सागर, वि.स.स.
(७) डॉ. अनिल बोंडे, वि.स.स.
(८) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.
(९) श्री. अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**
(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. सो. न. सानप, अवर सचिव

**निमंत्रितः**
**महालेखाकार कार्यालय**
श्री.राजदिप सिंह, महालेखाकार, नागपूर कार्यालय

**वित्त विभाग :**
श्रीमती वंदना कृष्णा, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**
**जलसंपदा विभाग :**
(१) श्री. चहल, प्रधान सचिव, जलसंपदा विभाग
(२) श्री. शि.मा.उपासे, सचिव, लाभक्षेत्रविकास विभाग,

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. आय-०५ संदर्भात प्रधान सचिव व सचिव जलसंपदा विभाग यांची साक्ष घेतली.

**बुधवार, दिनांक ३१ मे, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक बुधवार, दिनांक ३१ मे, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे सकाळी ११.३० वाजता सुरु होऊन दुपारी २.३० वाजता स्थगित झाली.

## उपस्थिती

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. हरीभाऊ जावळे, वि.स.स.
(३) श्रीमती माधुरी मिसाळ, वि.स.स.
(४) श्री. संजय केळकर, वि.स.स.
(५) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.
(६) श्री. सुरेश गोरे, वि.स.स.
(७) श्री. राजेश टोपे, वि.स.स.
(८) श्री. अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स.
(९) श्री. संजय दत्त, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. सो. न. सानप, अवर सचिव

**निमंत्रित :**

**महालेखाकार कार्यालय :**

श्रीमती संगिता चौरे, प्रधान महालेखाकार, मुंबई कार्यालय

**वित्त विभाग :**

श्री. व्ही.गिरीराज, प्रधान सचिव, वित्त विभाग

**विभागीय प्रतिनिधी :**

श्री. सुधीर श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील परिच्छेद क्र.अनुदान क्र. बी -०४, १० संदर्भात अपर मुख्य सचिव गृह विभाग यांची साक्ष घेतली.

**सोमवार, दिनांक २० नोव्हेंबर, २०१७**

## लोकलेखा समिती

लोकलेखा समितीची बैठक सोमवार, दिनांक २० नोव्हेंबर, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी १२.३० वाजता सुरु होऊन दुपारी ३.०० वाजता स्थगित झाली.

### उपस्थिती

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री.गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समिती प्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.
(३) श्री. सुधाकर देशमुख, वि.स.स.
(४) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(५) श्री. अतुल भातखळकर, वि.स.स.
(६) डॉ. सुनिल देशमुख, वि.स.स.
(७) श्री. अब्दुल सत्तार अब्दुल नबी, वि.स.स.
(८) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव
(२) श्री. अ.चां.कोल्हे, उप सचिव तथा नि.अ.
(३) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील मराठी भाषा विभागासंदर्भात समितीने तयार केलेला प्रारूप अहवाल विचारात घेतला.

**बुधवार, दिनांक ६ डिसेंबर, २०१७**

**लोकलेखा समिती**

लोकलेखा समितीची बैठक बुधवार, दिनांक ६ डिसेंबर, २०१७ रोजी विधान भवन, मुंबई येथे दुपारी १२.३० वाजता सुरु होऊन दुपारी ३.०० वाजता स्थगित झाली.

**उपस्थिती**

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री. गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समितीप्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.
(३) श्री. सुधाकर देशमुख, वि.स.स.
(४) श्री. राजेंद्र पाटणी, वि.स.स.
(५) श्री. अतुल भातखळकर, वि.स.स.
(६) डॉ. सुनिल देशमुख, वि.स.स.
(७) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.
(८) श्री. अब्दुल सत्तार अब्दुल नबी, वि.स.स.
(९) श्री. जयंत पाटील, वि.प.स. विशेष निमंत्रीत

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्री. अ. चां.कोल्हे, उप सचिव तथा नि.अ.
(२) श्रीमती सुषमा पाठक, कक्ष अधिकारी

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील महसुल, विधी व न्याय तसेच आदिवासी विकास विभागासंदर्भात समितीने तयार केलेला प्रारूप अहवाल विचारात घेतला.

**बुधवार, दिनांक १३ डिसेंबर, २०१७**

**लोकलेखा समिती**

लोकलेखा समितीची बैठक बुधवार, दिनांक १३ डिसेंबर, २०१७ रोजी विधान भवन, नागपूर येथे दुपारी ०३.०० वाजता सुरु होऊन सायं ५.१५ वाजता स्थगित झाली.

**उपस्थिती**

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री.गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समितीप्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. शिवाजीराव नाईक, वि.स.स.

(३) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.

(४) श्री. संजय केळकर, वि.स.स.

(५) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.

(६) श्री. रविंद्र फाटक, वि.प.स.

(७) श्री. अशोक ऊर्फ भाई जगताप, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव

(२) श्री. अ.चां.कोल्हे, उप सचिव तथा नि.अ.

(३) श्री. सो.न.सानप, अवर सचिव

(४) श्रीमती सुषमा पाठक, कक्ष अधिकारी

(५) श्री. रवींद्र मेस्त्री, कक्ष अधिकारी

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील पर्यटन व सार्वजनिक बांधकाम विभागासंदर्भात समितीने तयार केलेला प्रारूप अहवाल विचारात घेतला.

**शुक्रवार, दिनांक १५ डिसेंबर, २०१७**
**लोकलेखा समिती**

लोकलेखा समितीची बैठक शुक्रवार, दिनांक १५ डिसेंबर, २०१७ रोजी विधान भवन, नागपूर येथे दुपारी ०३.०० वाजता सुरु होऊन सायं. ४.१५ वाजता स्थगित झाली.

**उपस्थिती**

**समिती प्रमुख :**

(१) श्री.गोपालदास अग्रवाल, वि.स.स. तथा समितीप्रमुख

**सदस्य :**

(२) श्री. शिवाजीराव नाईक, वि.स.स.

(३) श्री. नानाजी शामकुळे, वि.स.स

(४) श्री. संजय सावकारे, वि.स.स.

(५) श्री. अतुल भातखळकर, वि.स.स.

(६) श्री. प्रशांत ठाकूर, वि.स.स.

(७) श्री. सत्यजीत पाटील-सरुडकर, वि.स.स.

(८) श्री. अब्दुल सत्तार अब्दुल नबी, वि.स.स.

(९) श्री. विजय ऊर्फ भाई गिरकर, वि.प.स.

**महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय :**

(१) श्रीमती मेघना तळेकर, उप सचिव

(२) श्री. अ. चां. कोल्हे, उप सचिव तथा नि.अ.

(३) श्री. सो. न. सानप, अवर सचिव

(४) श्रीमती सुषमा पाठक, कक्ष अधिकारी

(५) श्री. रवींद्र मेस्त्री, कक्ष अधिकारी

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या सन २०१३-२०१४ या वर्षाच्या विनियोजन लेखे अहवालातील गृह ,नगरविकास तसेच जलसंपदा विभागासंदर्भात समितीने तयार केलेला प्रारूप अहवाल विचारात घेतला.

शामुना–एचबी-२१२५–मविमंसना–१२-२०१७–८१० प्रती-प्रीए४*